REGESTERED NO. D.-(DN)-2

Hरत की राजपश्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

सं• 41} नर्द बिस्ली, शनिवार, अश्तूबर 12, 1985 (आश्वन 20, 1907) No. 41] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 12, 1985 (ASVINA 20, 1907)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संजलन के कप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III-खण्ड 1

[PART III--SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महानेबापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेन विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारों की गई अधिसूचनाएं (Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा छायोग

नई दिल्ली-110011, दिनाँ ठ 6 जितमबर 1985

सं० ए० 32811/2/85-प्रणा० 1---सं० ली० से० भा० (कर्मचारी) विनिधम, 1958 के निधम 7 द्वारा संघ ली 5 सेवा भागा के भ्रष्टाका में निहित मिक्तियों के भ्रष्टाता संव ली 6 सेव भा० के के० स० से० संवर्ग के निमालिक्ति स्थायी भ्रतुभाग भाभ गिरियों की 2--9-85 से तीन महीने की भ्रवधि के लिए भगवा भागामी भावेगी तह, जी भी पहले हो, बें० स० से० के प्रेष्ट 1 में भवर सचिव के पद पर स्थानापन्न रूप से तवर्थ भाभार पर कार्य करने के लिए नियुक्त निया जाता है।

- 1. श्री बी० डी० शर्मा
- 2. श्री कीं श्रार मदान
- 3. श्री धनींश चन्द्र

एम० पी० जैन झवर सचित्र (तार्मिक प्रशा०) संघ लोक सेवा झायोग

भेज्द्रीय संतर्भता धायांग

ं तर्षे पिरती, विनांश 17 तिसम्बर 1985

सं 2/1/83-प्रमातन---केन्द्रीय संतर्कता ग्रायुक्त एसद्-द्वारम इत्रभायाम श्री कुत भूषण, सर्वेक्षत्र निर्माण (विभिन्न), 1—276 GV85 (34277) संचार मंत्रालय, को स्थानापक रूप से तकनीकी परीक्षक (तिचिल), वेतनमान रूप 1100-50-1600 के भ्रतिरिक्त रूप 200/- प्रतिमाह विशेष वेतन में 26 अगस्त, 1985 (पूर्वीह्म) से भ्रमणे आदेश तक नियुक्त वपते हैं।

वृष्ण लाल मल्होला भवर समिच (प्रशासन) भृते वेल्बीय सतर्कता श्रायुक्त

गृह मंत्रालय

महािदेशालय, के० रि० पु० बल नहें दिल्ली, विनोक 19 सितम्बर 1985

सं० पी० सात-4/80-स्था०-1--हमारी अधिसूचना संख्या : पी०: सात-4/80-स्थापना-1 दिनां रु 2-2-82 में संख्या 6 पर प्रकाशित नाम 'भवर सिंह' के स्थान पर 'भवर सिंह शेखावत' पढ़ा जाये।

दिनांस 12 विसम्बर 1985

सं० ओ० दो० 20012/85-स्या०---महानिदेशक, के० रि०पु० वल ने डा० प्रमोद कुमार माथुर, को दिनांक 7-8-85 (पूर्वाह्म) से के० रि०पु० वल में कनिष्ठ चिकित्सा प्रधिकारीं के पद पर केवल 3 माह या उस पद पर निथमित नियुक्ति होने तक इनमें से जो भी पहले हो, उस तारीख तक तदर्थ रूप से सहर्ष नियुक्त किया।

दिनांवः 13 सितम्बर 1985

सं० ओ० दो० 2045/85 स्थापना—महानिदेशक के० रि०पु० बल ने डा० के० सीतागमाराजू को दिनां ३ 9--8-85 (पूर्वाह्म) से केवल 3 माह के लिए, श्रथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें से जो भी पहले हो उस तारीख तक किनष्ठ चिकित्सा श्रिधवारी के पद पर तक्ष्ये रूप से सहर्ष नियुक्त किया है।

विनांक 16 सितम्बर 1985

सं० ओ० दो-1101/73-स्था० (के० रि० पु० बल)--श्री सन्त सिंह, सहायक कमांडेन्ट 70वी बटा० के० रि० पु० बल ने सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्थरूप दिनांक 30-6-85 (भ्रपराह्न) से भ्रपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

> श्रशोक राज महीपणी सहायक निदेशक (स्था०)

महानिवेशालय, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110 003, दिनांक 13 सितम्बर 1985

सं० ई-16013(2)/17/85-कार्मिक-I—प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति होने पर श्री बीठ बीठ बम्बी, भाठ पुठ सेठ (पिक्सि बंगाल: 78) ने 2 मितम्बर, 1985 के पूर्वीह्न से केठ औठ सुठ बठ यूनिट, आई० एस० मार० ओ० थुम्बा के कमांडेन्ट के पर का कार्यभार संभाज लिया।

विनांक 16 सितम्बर 1985

सं० ई-16013(2), 15, 85-- श्रामिक-1-- प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति होने पर श्री के० नित्यानन्दन, भा० पु० से० (गुजरात: 77) ने 2 मितम्बर, 1985 के श्रपराह्म से के० औ० सु० ब० प्रशिक्षण कालेज, हैदराबाद के प्रधानाचार्य के पद वा कार्यभार संभान लिया।

दिनांकः 17 सितम्बर 1985

सं० ई-16013(1)/20/84-क्तामिक-1--प्रतिनियुक्ति पन नियुक्ति होने पर, श्री पी० के० विनायक, भा० पु० से० (पश्चिम बंगाल: 66) ने 4-9-85 के पूर्वाह्म से के० औ० सु० ब० यूनिट डी० एस० पी० दुर्गापुर के उप महानिरीक्षक के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 18 सितम्बर 1985

सं० ई-16013 (1),2/81-लामिक-1—श्री वेद प्रकाश कपूर, भा० पु० से० (उत्तर प्रदेश: 61) की पुलिश महा-निरीक्षक, मणिधुर के रैंक में प्रोन्नति होने के फलस्वरूप उन्होंने 9 सिलम्बर, 1985 के अपराह्न से के० औ० सू० ब० मुख्यालय, मई दिल्ली में उपमहानिरीक्षण (प्रणासन) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

> ह० अपटनीय महाविदेश*ी* विदेश

भारत के महारजिस्ट्रार वा कार्यीलय नई दिल्ली-110011, दिनांक 20 जितम्बर अक85

सं० 11/6/84—प्रणा० I—राष्ट्रपति, मत्मेक के सामने उल्लिखित जनगणना वार्य निदेशक के कार्यलिय में वार्यरत निम्निलिखित कार्यालय प्रधीक्षकों को उसी वार्यालय में उनके नाम के सामने उल्लिखित तारीखों से प्रगले प्रादेशों तक 700—40—900—व० रो०—40—1150—50—1300 र० के वेतनमान में पदोक्षति द्वारा नियमित आधार पर अस्यायी रूप से सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (समूह क, राजपनित्त), के पद पर सहर्षे नियुक्त करते हैं:—

ऋ० सं०	म्रधिकारी का नाम	कार्यालय अक्षां वार्यरस	सहायक निदेशक, जनगणना कार्य के पद
			पग
			नियु न्ति
			्की
			तारी व

सर्वे श्री		
1. डी० एन० शर्मा	जनगणना वार्य	16-8-85
	निदेशालय	(द्यपराह्म)
	हिमाचल प्रदेश,	
	शिमला	
2. बीरेन्द्र कुमार	जनग णना आर्य	19-8-85
_	निदेशालय	(पूर्वाञ्च)
	उत्तर प्रदेश,	
	ल खनऊ	

 सर्वे भी डी० एन० शर्मा और वीरेन्द्र कुमार हा मुख्यालय कमशः शिमला और लखनऊ में होगा।

> वी॰ एस॰ वर्मा भारत के महारजिस्ट्रार

निर्माण भीर आवास मंद्रालय

सम्पदा निदेशालय

मई दिल्ली, दिनांक 19 सितम्बर 1985

सं० ए-19012/3/81-प्रशा० ख-राष्ट्रपति विधि कार्यं विभाग, विधि, न्याय भौर सम्मनी कार्य मंत्रालय भारत सरकार, मई दिल्ली में अधीक्षक (विधिक) श्री एस० बी० शरण को भीमती शैल कुमारी गोयल, संपदा सहायक निदेशक (मुक्क), भिमको स्थानान्तरित किया गया है, के स्थान पर 2 तितम्बर, 1985 (अपराह्म) से संपदा निदेशालय में संपदा सहायक निदेशक (मुक्त) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सम्पदा उप निवेशक (स्था०)

मुद्रण निवंशालय

नइ दिल्ली-11, दिनांक 27 सितम्बर 1985

सं. एम (2) /प्रसा -।।— निर्वतन की आयू प्राप्त होने पर श्री वी. नरसिम्हन, प्रबन्धक, भारत सरकार मृद्रणालय, कायम्ब-तूर, दिनांक 30-9-85 (अपराह्न) की सरकारी सेवा से निष्तुत्त हो जाएंगे।

> एचः आरः ग्रोवर उप निवंशकः, प्रशासन

श्रम एवं पूनवांस मंत्रालय श्रम विभाग (श्रम ब्यूरा)

िशियन्ता-171004, दिनांक 4 अक्तूबर 1985

सं. 23/3/85-सी.पी आई.—अगस्त, 1985 में औद्योगिक अनिकाँ का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूस्य सूर्वकांक (आधार वर्ष 1960≔100) जुलाई, 1985 के स्तर 615 से क्विंग बंक बढ़ कर 618 (छ: सी अठारह) रहा। अगस्त, 1985 के स्तर कर सिंह का सूर्वकांक (आधार वर्ष 1949≔100) पर परिवर्तित किए जाने पर 751 (सात सौ इकावन) आता है।

जित्तेन्द्र नाथ शर्मा निविधाक

श्रम मन्द्रालय

कारखाना सलाह सेवा और श्रम विज्ञान केन्द्र महानिवेशालय बम्बई-400 022, दिनांक 17 सितम्बर 1985

सं० 24/2/85-स्थापना—विभागाध्यक्ष कारखाना सलाह सेवा ग्रीर श्रम विज्ञान केन्द्र बम्बई नेश्री वाई० वी० श्रम्यकर, सङ्ख्यक निदेशक (कलाकार ग्रीर विन्यास विशेषज्ञ) राष्ट्रीय श्रम विज्ञान इस महानिदेशालय के ग्रधीनस्य कार्यालय का त्याग-पद विनांक 6 सितम्बर 1985 (श्रपराह्म) से केन्द्रीय सिविश सेवा (पेंशन) नियम 1972 के नियम 45-ए के ग्रन्तर्गत स्वीकार किया है।

तवनुसार श्री ग्रभयंकर ने सहायक निवेशक (कलाकार ग्रीर विष्यतस्विशोषक्ष) राष्ट्रीय श्रम विज्ञान केन्द्र बस्बई के कार्यभार दिनांक 6 सितम्बर 1985 (ग्रपराह्म) से छोड़ दिया।

> एस० डी० हैगडेपाटिल उप निदेशक भीर विभागाध्यक्ष

वित्त मंत्रालय ग्राधिक वार्य विभाग वैंश नोट मुद्रणालय

क्षेत्रास (म॰ प्र॰), दिशांक 10 जितम्बर 1985

नस्ती सं० बीएनपी/सी/59/85—नार्यालय रक्षा लेखा नियंत्रण (पेंशन), इलाहाबाद के भनुभाग मधिकारी श्री हजलदार िंह को दिसांश 5--9--85 (पूर्वाह्म) से 4-9-86 (प्रश्राह्म) त ्र बैंड नोट मुद्रणालय, देवास (म॰ प्र०) में लेखा श्रिधिारी के पद पर प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त विया जाता है।

मु० वै० चार महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा) प्रथम, म०प्र०

ग्वालियर, दिनांक 19 सितम्बर 1985

कमांक/प्रशासन 11/समूह-1/सू० प० ग्र०/पदोन्नति/158/ब 374—महालेखाकार (ले० प) प्रथम प्र० ग्वालियर श्री ए० ग्रार० सिवीकी की ग्रस्थायी सहायक लेखापरीक्षा ग्रीध-कारी जो वर्तमान में केन्द्रीय विद्यालय संगठन, भोपाल में प्रति-नियुक्ति पर कार्यरत हैं, को स्थानापन्न रूप से श्रागामी ग्रादेशों तक वेतनमान रु० 840-40-1000-द० ग्र०-40-1200 में दिनांक 12-7-85 से "नेक्स्ट बिलो रूल" के ग्रन्तगंत प्रोफार्मा प्रमोगन करके लेखापरीक्षा ग्राधिकारी नियुक्त करते हैं। (प्राधिकारी —महालेखाकार (ले० प०) प्रथम के ग्रादेश दिनांक 30-7-85)

> ह० श्रपठनीय उप महालेखाकार (प्रशासन)

कायोजय महालेखाकार लेखा एवं हरू राजस्थान, जयपुर जयपुर, दिनांक 19 सितम्बर 1985

सं० प्रशा० 1/रा० प्र० ग्रिधिसूचना/85-86/2324--महालेखाकार (लेखा एव हकदारी) राजस्थान जयपुर ने श्री श्रीनियास अग्रवाल प्रवर श्रनुभाग श्रिधकारी को पदोन्नित करके दिनांक 5-9-85 (पूर्वी) से श्रगला श्रादेशों के जारी होने तक इसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखाधिकारी के पद पर नियुक्स किया गया है।

> ए० के० मै**ता** वरिष्ठ उपमहालेखाकार/प्रशासन

रक्षा मन्त्रालय भारतीय भ्रार्डनेन्स फैक्टरियां सेवा भ्रार्डनेन्स फैक्टरी सोर्ड

कलकत्ता-1, दिनांक 16 सितम्बर 1985

सं० 34/जी/85-नार्धक्य निवृत्ति म्रायु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री जी० एन० चतुर्वेदी, महाप्रवन्धक (एस० जी०) (स्तर)-1) (मौलिक ए० डी० जी० म्रो० एफ० स्तर-प्रा/महा-प्रवन्धक स्तर-II/ उप महाप्रवन्धक) दिनांक 31 जुलाई, 1985 से सेवा निवृत्ति हुए।

वी० के० मेहता उपमहानिदेशक/स्थापना/ग्रो० एफ० बोर्ड

भापूर्ति व वस्त्र मंत्रालय

वस्त्र विभाग

ह्यकरघा विकास आयुक्त का कार्यालय नई विल्ली, दिनांक 18 सितम्बर 1985

सं ए-12025(1)/3/83-प्रमासन 3---राष्ट्रपति, श्री भृष्ण कुमार शर्मा को 28 अगस्त 1985 से आगामी आदेशों तक के लिए बुनकर सेवा केन्द्र हैदराबाद में सहायक निदेशक ग्रेड 1 (प्रोसेसिंग) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए-32013(2)/84-प्रशासन 3—राष्ट्रपति, श्री ए० के ०मुखर्जी को 9 जुलाई 1985 से आगामी आदेशों तक के लिए बुनकर सेवा केन्द्र कलकत्ता में उप निदेशक (डिजाइन) के पद पर नियुक्त करते हैं।

> विवेक कुमार अग्निहोती उप विकास आयुक्त (हथकरमा)

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

देहरादून, विनांक 11 सितम्बर 1985

सं पी~6256/707—निम्नलिखित ग्रधिकारी, जो ग्रधिकारी सर्वेक्षक के पद पर स्थानापन्न रूप में पूर्णतया तदर्थ ग्रनितिम भाषार पर नियुक्त किए गए थे, भव प्रत्येक के नाम के सामने दो गई तारीख से उसी पद पर स्थानापन रूप में नियमित ग्राधार पर नियुक्त किए जाते हैं:—

क० सं०	नाम		ष्मधिसूचना की सं० ग्रीर तारीख जिसके ग्रन्तर्गत तदर्थ ग्रनन्तिम ग्राधार पर नियुक्ति की गई थी	यूनिट/कार्यालय जिसमें तैनात किए गए	पदोन्नति की तारीख
1	2		3	4	5
_	सर्वे श्री				
1.	सुदर्शन लाल	•	दि० 5-7-78 की भ्रधिसूचना संख्या सी-5837/707	मा० घ्र० एवं नि० का० (मा०प्र०नि०) देहरादून	29-1-85
2.	सुरेन्द्र कुमार खत्री	•	दि॰ 26-4-84 की मधिसूचना संख्या सी-6061/707	सं० 36 पार्टी (सर्वे प्र० सं०) हैदराबाद	11-2-85
3,	सोहन सिंह रावत	•	दि० 4-11-82 की मधिसूचना संख्या सी-5875/707	सर्वेक्षण (हवाई) कार्यालय, नई दिल्ली	6-5-85
4.	एस० बी० घटर्जी		दि० 5-7-78 की मधिसूचना संख्या सी-5837/707	सं० ३८ पार्टी (प्रा० मा०उ० स०), हैदराबाद	11-2-85
5.	बी० के० साह्नी		दि० 24-7-78 की प्रधिसूचना संख्या सी-5395/707	सं० ३६ पार्टी (सर्वे प्र० सं०) हैदराबाष	11-2-85
6.	ए० के० उनियास		वि० 4-11-78 की मधिसूचना संख्या सी-5428/707	सं० 72 पार्टी (ज्यो० एवं० मन्० भा०), देहरादून	23-2-85
7.	नस्यू राम शर्मा		दि० 28-11-78 की मधिसूयना संख्या सी-5438/707	सं० 74 पार्टी (द० पू० सं०) राँची ।	11-2-85
8-	विश्वनाथ भट्टाचार्जी		दि० 3-9-82 को प्रधिसूचना संख्या सी-5859/707	सं० 13 म्रा० का० (पूर्वोत्तर सं०) पिलांग	26-2-85
9.	श्याम सिंह		वि० 3-9-82 की श्रिधिसूचना संख्या सी-5859/707	सं० 71 पार्टी (अ्यो० एवं झनु० या०), देहरादून	1-4-85
10.	रमेश चन्द्र शर्मा		दि॰ 12-7-82 की मधिसूचना संख्या सी॰-5836/707	सं० 70 (वन) पार्टी (उ० प्र०) देहरादून	13-5-85
11.	के० चकवर्ती		दि॰ 3-9-82 की मधिसूचना संख्या सी-5859/707	सं० 5 पार्टी (पूर्वोत्तर सं०) शिलोग)	26-2-85
12.	पी० कान्ती सेन		दि० 3-9-82 की मधिसूचना संख्या सी-5859/707	सं० ৪० (फोटो) पार्टी (पूर्वोत्तर सं०) घिलोग	27-4-85
13.	पी० एस० मन्डोला	•	दि० 3-9-82 की मधिसूचना संख्या सी-5859/707	सं॰ 29 पार्टी (पूर्वोत्तर सं॰) घिलीग	26-2-85

1 2	3	4	5
14 श्री यू०सी० भटनागर	दि० 23-4-83 को प्रधिसूचना संख्या सी:-5946/707	सं॰ 35 पार्टी (पूर्वोत्तर सं॰) गुवाहाटी	26-2-85
15. श्री मनीशी देव	दि० 23-4-83 की मधिसूचना संख्या 5946/707	सं० 9 पार्टी (पूर्वोत्तर सं०) क्षिलौंग	28-2-85
16. श्री जयकृत सिंह नेगी	दि० 6-4-83 की मिधिसूचना सं ब या सी-5934/707	सं० 20 (फोटो) पार्टी (उ०प्र०) बेहराबून	19-4-85
17-श्री सन्तोपदा दास	दि० 6-4-83 की अधिसूचना संख्या सी-5934/707	सं॰ 12 पार्टी (पूर्वोत्तर सं०) शिलीग	26-2-85
18. श्री सचिदानन्द	वि॰ 13-7-83 की ग्रधिसूबना संख्या सी:-5977/707	मा० घ० एवं० नि० का० मा० प्र० नि०), वेहरादून	13-5-85
19. श्री भार० बी० है	दिनां रु 6-4-83 की भिधिसूचना संख्या सी-5934/707	सं० 81 पार्टी (पूर्वोत्तर सं०) फिलांग	10-4-85
20. श्री विमत्रेश कुमार	दिनां रु 28 - 9 - 83 की भधिसूचना संख्या 6002 / 707	सं० 71 पार्टी (ज्यो० एवं० प्रनु० शा० देहराधून।) 13C 8 5
21. श्री सुभाग चन्द्र ममगाई	दिनांक 17-7-84 को भ्रधिसूचना संख्या सीं-6099/707	सं० 92 पार्टी (४० पू० स०),वाराणसं	r 11285
22. श्री एन० सी० सुन्दरियास	दिनां रु 17-1-84 कीं मधिसूचना संख्या सो०-6039/707	सं० 90 पार्टी ्र(उ० स०), बेहरादून	22-2-85
क्र िश्रो भ्रमर नाथ गुप्ता	दिना है 17-1-84को स्रविसूचना संख्यासी ०-6039/707	सं० 56 पार्टी (पश्चिमोत्तरसं०) चण्डीगढ़।	13-5-85
24. श्री वो० एस० विष्ट	दिनां ह 28 - 9 - 83 को भधिसूनना संख्या सीं 6002/707	सं० 92 पार्टी (द॰ पू॰ स॰), वाराणर्स	11-2-85
25. श्री वी० बी० बहुगुना	दिनां रु 26-4-84 की मधिसूबना संख्या सी 0-6062/707	सं० 14 पार्टी (ज्यो० एवं भनु० शा०) देहरादून।	17-4-85
26. श्री सोम नाथ चौहान (प्रनु० जाति)	दिनांक 17-1-84 को मधिसूचना संख्या सीं०-6039/707	सं० 71 पार्टी (ज्यो० एवं ग्रनु० घा०) देहरादून।	3 -5-85
27. श्री गौलंड कुजूर (प्रतु० जनजाति)	दिना रु 22-8-83 को मधिसूचना संख्या सीं5992/707	सं० 48 (फोटो) पार्टी (म० स०), ज बलपुर।	15-4-85
28. श्री हरमन मिन्छ (भृतु० जनजाति)	दिनां रु 22-8-83 की घषिसूचना संख्या सी ०-5992/707	सं॰ 11 पार्टी (द॰ पू॰ स॰), रांची।	11-2-85
29. श्री जे॰ एस॰ तीनर (म्रानु॰ जनमासि		सं० 1 म ारेखण का० (मा० प्र० नि०) . देहरादून।	20-5-58
30. श्रो सोनस टिकी (प्रतु॰ अवनःति०)	दिनां रु 28-11-78 को प धिसूचना संख्या सो?०-5438/707	सं ० ७४ पार्टी (द० पू० स०), पांची	11-2-85
31. श्री पवि मोहन	विनां ह 5-7-78 की ग्रधिसूबना संख्यासी-5837/707 ।	सं० 82 पार्टी (ण्यो० एव ं घनु० घा०), देहरादून।	6-5-85

नोड:--इस कार्यालय को दिनोक 5-7-1985 को भिध्नमुखना सं० सी०-6216/707 में निस्त संशोधन की जिसे:---क०सं० नाम

^{38.} श्री हरीश चन्द्र (प्रतु० जाति)

⁽I) "सं० 46 पार्टी (म० स०) जबलपुर" के स्थान पर "सं० 14 पार्टी (ज्यो० एवं मनु० शा०) देहरादून" पहें।

⁽II) "दिनोक 14-2-85" के स्थान पर "दिनोक 10-6-85" पढ़ें।

सं० ता-6257/707---निस्निलिखितः ग्रिधि तारियों को भारताय सर्वेकण विभाग में ग्रिधिवार्गः स्वेकण (शूपः "कः") के एव पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35∺880-40-1000-द० रो०-40-1200 ए० के वेतनमान में प्रत्येक के नाम के सामन दं≀ गई साराक से स्थानायक रूप में नियमिस ग्राधार पर नियुक्त किया जाता है :---

ऋ॰ संक्र	नाम तथा पदना म			यूनिट/+ार्यालय	क्षारी ख
Ļ	श्री बजी राम, सर्वेक्षक	•		सं० 16 पार्टी (सर्कें० प्र० सं०) हैदराबाद ।	27-4-1985
2.	श्री कम बद्ध, सर्वेक्षक		*	सं० 11 पार्की (द०पू० स०) राजी ।	11-2-4985
35,	ऋते स्वोत प्र नाथ खन्नी12 सर्वेक्ष न ।	•,		संब 79 (कोटों) पार्टी, (पश्चिमोत्तर स॰) देहरादून ।	30-5-1985 (ज़फ्र)
49	श्री एम० सीक्ष्य कॉयस सर्वे क हा।			सं० 55 पार्टी (परिचलोस्तर सर्किल) चण्डीगढ़।	22-5-1985
5.	. श्रो जनार्धन प्रसाद, सर्वेक्षक	•	•	सं० ७ पार्टी (प० स०), माउन ्य भाग ु ।	29 -4-19 85
6.	श्रं। सुख देव (ध्रनु ० जाति) सर्वेसक		•	सं० 3 पार्टी (पश्चिमोत्तर सक्तिल), भम्यास्य सिद्याः।	28-5-19855
7.	श्री ग्रोम प्रकाश मिश्रा, सर्वेक्षक .		•	सं० 16 मारेखण कार्यामय (मा० प्र० मि०), वेहरादून ।	30-4-1985

सं ०-6258/7.07:-- निम्निकिशिक्षत मिक्किशिकों को, जो मिकिशिशों सर्वेक्षक के पर पर स्थानापन्न का में पूर्णक्या तदकी मनितम माधार पर नियुक्त किए गए थे, प्रक्षेक के नाम के सामने दें। गई तारीख से सर्वेक्षक (स्टेम्प्रन ग्रेड) के पद पर पदावनत किया जाता है:---

फ न।म संक		मधिसूबना को सं० और कारी क जिसके मन्तर्गस सदयं मनस्तिम माधार पर नियुक्ति की गई यो	यूनिड/कार्यालय जिसमें तैनाध किए गए	पदावन त की सारीख	
1	2	3	4	5	
(নি 2. স্বা	ध्राद्धः केऽपुरो, सर्वेक्षकः संकेऽग्रेड) एमऽतोऽसोतोदाल, सर्वेकक संकेऽग्रेड) (मनुऽजनजाति)	दि० 17-1-84 की मधिसूचना संस्थाती-6038/707 दि० 22-8-83 की मधिसूचना संख्या सी-5992/707	सं० 92 पार्टी (द० पू० स०), वाराणसः। सं० 5 पार्टी (पूर्वोत्तरसं०) मिलांग ।	31-5-85 (भ्रनराह्न) 1-6-85	
	डा० एस॰ चौहाँन, सर्वेक्ष रु इंडे॰ ग्रेडः) (मनु॰ जन जाति)	दि० 22-8-83 की मधिसूचना संख्या सी-5992/707	सं० १पार्टी (पूर्वोत्तर स०), फिलाण।	1-6-85	

वेहरायून दिनांक 12 सितम्बर, 1985

सं० सी-6260/594--निम्तिलिखित तकनीकी सह।यकों (मानिख्य पुनक्टपादन) सिलेक्शन ग्रेड को प्रत्येक के नाम के सामने दी नई ति रोड के सह।यक प्रवन्धक, मानिक्क पुनक्टपादन (सा० सि० सेवा ग्रुप "बी" पद) के पद पर भारतीय सर्वेक्षण किकान में कि 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है भीर संख्या 104 (एक बीठ डी०)

मुद्रणः वर्गे (प्रा० प्र० मा० उ० संपंत्र), हैवराबाद में तैनास क्रिया जाता है ।

क्रमांवा मध्य	 निम् क्लि	की तारीख
1. श्री सस्यम कामेश		9-5-85
(অনু ০ জনজানি)		(पू र्वाह्न)
2. श्री रामधेव सिंह		9-5-85
(अनुसूर्चेष ज≀ति)		(पूर्वाह्म)

शिरीश चन्त्र अग्रवाक्ष मेजर जनरल भारत के महासर्वेकक (नियुक्ति प्राधिकारी)

इस्पात, खान ग्रीर कोयला मंत्रालय (खान विमाग)

मारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण कलकत:-700016, वितांक 13 सितम्बर, 1985

सं० 9305 बों ज/ए-32013गगः०(प्रविष्ठ)/84/-19ए०——भारतीय भूतैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिवेशक, भारतीय भूतैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षकश्री सोमनाथ बनर्जी को प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उसी विभाग में नियम नुसार 650-830-740-35-810-वं रोज-35-880-40-1000-वं रोज-40-1200 रुक के वेतनमान के वेतन पर, अस्थायी

क्षमताः में अप्रतामी भादेश होने सक 25-7-85 के पूर्वाह्न से पदोन्निस पर नियुक्त कर रहे हैं।

सं 9342-बी०/ए-19012 (एम० एस० एस० पी०)/84/19ए०--भारतीय भूबैगानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक,
श्री एम० एस० एस० पी० भारताण को मंडार अधिकारी के स्वा में भारतीय भूबैगानिक सर्वेक्षण में, नियम,नुसार 65030-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 र० के वेतनमान के वेतन पर अस्थायी क्षमता में आगामी आहेश होने तक 8-85 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

अमित कुशारी (निदेशक (कार्मिक)

माराभवार्ण महानिदेशास्य

नाई धिरुमं, दिनांक 20 ग्रगरह, 1985

	'क सं० नाम ग्रौर तैनाताः की जगह	तारीख जब से प्रति- तियुक्ति की सबिध बढ़ाई गई है
संख्या 4/3/83-एस-11 दिना ह 20-8-83	 श्री एन० एस० शर्मा, हिन्दी अधिकारी प्रा०, पटना 	.181.9.8.5
संख्या 4/5/83 एस-11 दिनां रु 20-10-83	2. श्रों एच० एस० मार्यं, हिन्दी भक्षिकारी, मुख्य इंजीनियर (उत्तरी क्षेत्र), मा०, नई दिरली	30-9-1984
सं॰ 4/6/83-एस-11 दिनां रु 9-12-83	 श्रं भार० पो० सिवारी, हिन्दो श्रोध गरी, मुख्य इंजोनियर (श्रमु० एवं विशास) भा०, नई दिल्ली: 	17-11-1984
सं० 4/8/83-एस-11 दिनां ः 17-12-1983	4. श्रा एम० एम० एस० शर्मा, हिन्दी मधि । री., उ० ग० प्रे० आ.०, िण्जवे, दिल्ला	17111984
सं॰ 4/2/84 एस⊸ा। दिनां ह 27-3-1984	5. श्रोः सन्तः रामः बियाठोः, हिन्दोः श्रक्षिकारीः, शा∞, हैदरानाथ	5→3 - -19 86
सं० 4/8/82 एस-11 विनों क 28-12-82	6. श्री उमाकान्त, खुवालकर, हिन्दी र्द्याघवार्टः, झा०, बम्बई	31-12-1984

मोहून कासिस, प्रयासन उर्मान्द्रेशक जुले महानिदेशक

मई दिल्ली, दिनौक 17 सितम्बर 1985

वागी, झारवाड़ जिनीक 31 मगस्त 1985 (मनराह्म) से सेवा-निवृत्त हो गए हैं।

सं ० 6 (105)/62-एत-एक--निवर्तन की मासु बाल्त करने पर श्री यू ० थी ० बैस्लाकी, कार्यक्रम निष्नादक, माकाक- नाई० एस० पीधी प्रशासन उपनिदेशक कुते महानिदेशक

नई दिल्लो, दिनोरु 19 सितम्बर, 1985

सं 17/17/85-एस० चार०---निम्तिक्षित विश्वि इंजिनियरी सहायकी ने भएनी एदीकित के परिणाम रवस्य भावाधकार्णा सया दूरार्शन के विभिन्न केन्द्रों/ार्यालयों में प्रत्येक के नाम के भागे लिखी सार्यक्ष से भगले मादेशी तक सहायक मीभयंता के पद पर भस्याई क्षमता में कार्य भार संभाव जिया है:---

ऋसं∘ न≀म	केन्द्र/ शर्याक्षय	कार्यभार ग्रहण करने को दिथि
(1) श्री ए० रामा राव	प्रा काशवाणी, हैदराबाद	(पूर्वाह्न) 12-8-85
(2) श्री द्वार॰ एस॰ खालसा	भाकासवाणीं, नई दिल्ली	12-8-85
(3) श्रा जो ० सियो जोतेक सेल्याराण	प्रा काशवाण <i>े,</i> कोहिमा	24785
(4) श्री भी० पो० भग्रास	उच्च शक्ति, प्रेषिज्ञ, मा≋ाशवाणी, खामपुर, दिल्ली	2-8-85
(5) श्राएम श्रे केश्यों तर	टी० वो० भ ार० सी०, सोलापुर	5-7-85
(व) प्राप्ताः प्राव्हानः मृतु	मुख्य अभियंतः (तुर्वीक्षेत्र) भागावताणः, कल ल्ला	21-7-85

बी० एस० जैन, प्रभासन उप निदेशक कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ान्हें दिल्ली, दिनौक 28 भगस्त 1985

सं० ए० 12025/2/83-प्रमासन-I--स्वास्थ्य सेवा महानिदेश हुने श्रीमतो छवि मायुरको 5 श्रगस्त 1985 (पूर्वोह्न) से श्रामानी श्रादेशों तह स्वास्थ्य सेवा महानिदेश लग् में सहायक बास्तुबिद के पद पर श्रस्थायो श्राधार पर नियुक्त किया है।

दिनौंक 18 सितम्बर 1985

सं० ए० 12025/2/84-एम० (एफ० एण्ड एस०)--स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री एन० कृष्णामूर्ति को 25 जून 1985 (पूर्वाह्म) से जवाहरलाल स्नातकोतर विकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पाँडिवेरी में वैज्ञानिक श्रधिकारी-सह-ट्यूटर के पद पर श्रास्थायी श्राधार पर नियुक्त किया है।

> पो० के० घई उप निदेशक प्रधासन (सी० एण्ड० को०)

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र कार्मिक प्रमाग

बस्बई-400 085, विनीत 17 जितस्बर 85

सं बी-170/स्था-॥/3448--श्री को तानाथ गोविदमेनन बाल बन्द्रन ने सहाय क कार्मिक श्रीध कारी पद का पद भार 31-7-1985 श्राराह्म को श्रीधवर्षिता पर छोड़ दिया ।

> के० वें स्टक्ष्णन उप स्थानना मधिकारी

मध्यई, दिनौत 16 जिलम्बर 1985

सं० पी० ए०/73/(8)/ब्रार-4/939-तियंत्रक, भाभा परमाणु भनुसंधान केन्द्र हा० (श्रीमिति) तखतानी पदमिनी को निवासी चिकित्ता अधिकारी पद पर इस अनुसंधान केन्द्र के आयुर्विज्ञान प्रभाग में अगस्त 19, 1985 (पूर्वीह्न) से जितस्वर 20, 1985 (अगराह्न) तह अस्यायो रूप में नियुक्त करके हैं।

> एम० डी० गाडगील उपस्थापना मधिकारी

परमाणु ऊर्जा विमाग कय भौर मंडार निवेजालय

बस्मई-400001, दिनौरु 12 जिलम्बर 1985

सं० क्र॰मंति/41/17/85-नगा० 6637--परमागु कर्जी विभाग, क्रय और मण्डार निवेशालय के निवेशात ने स्थामं उच्च श्रेमो लिशित तथा स्थामात्र सहायक लेखागल, श्री सुरेग गोताराम प्रभुकांट्ये की इसी निवेशालय में दिनौं हे 21-6-1985 (पूर्णाल) से 31-7-1985 (प्राराल) सक चपए 650-30-740-35-880-२० रो०-40-960 के वेतामान में सहायक लेखा स्विकारों के पद पर तदर्थ साधार पर स्थानाम कर से नियुक्त किया है।

विनौक 13 सितम्बर 1985

सं० कर्मित/41/3/85-प्रशा०/6646-परमाणु कर्मा विमाग, क्रय ग्रीर भंडार निवेशालय के निवेशात ने स्थायी उच्च श्रीणो लिशित तथा स्थानाग्रस सहाय र लेखा ग्राधिकारी, श्री एल० उन्नो क्ष्यान की इसी निवेशालय में दिनौंक 17-6-1985 (पूर्वाह्म) से 10-8-1985 (प्राराह्म) तरु 840-40-1000-द० रो०-40-1200- रुगए के वेतनमान में लेखा श्रिधकारो-II के पव पर तद्ये ग्राधार पर स्थानापन इप से नियुक्त किया है। यह नियुक्ति कोटा क्षेतीय लेखा एकक के

लेखा प्रधिकारी श्री एस० श्रार० शिदल्याली के स्थान पर की गयी है जिन्हें उक्त अविध के लिए छुड़ी प्रदान की गयी है।

> पी० गोपालन प्रशासन श्रधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनाँक 5 सितम्बर 1985

सं० ए० 38013/1/85 ई. ए० I——िनदेशक विमान क्षेत्र दिल्ली के कार्यालय के श्री एस० पी० रिखी विमान क्षेत्र श्रीध-कारी, सेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त होने पर दिनांक 31+7-85 को सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

एम० भट्टाचार्जी सहायक निदेशक, प्रशासन कृते महानिदेशक नागर विभानन विभाग

नई दिल्ली, विनांक 2 अगस्त 1985

सं० 32013/14 81-स्था० I--इस कार्यालय की ग्रिधि-सूचना सं० ए० 32013/14/81-ई० 1, दिनौंक 4 मई, 1984 के कम में राष्ट्रपति, श्री एस० रंजन की हैदराबाद में निदेशक, विमान क्षेत्र के ग्रेड में की गयी तदर्थ नियुक्ति को ग्रागे 28-9-ॣ्री से 31-10-85 तक की श्रवधि के लिए ग्रथवा पद के निमित ग्राधार पर भरे जाने की तारीख तक, इनमें से जो भी पहले हो, जारी रखने की स्वीकृति प्रदान करते हैं।

दिनौंक 10 सितम्बर 1985

सं० ए-35018/11/83-ई०-I--इस कार्यालय की विनाँक 29-5-84 की ग्रिधिसूचना सं० ए० 35018/11/83-ई०-I के कम में राष्ट्रपति ने श्री यू० जी० मोखासी की कलकशा में सहायक निदेशक, नागर विमानन सुरक्षा के ग्रेड में की गयी तदर्थ नियुक्ति विनाँक 15-7-1984 से 14-1-1985 तक ग्रौर छ: मास की ग्रवधि के लिए जारी रखने की स्वीकृति दे वी है।

जि० सी० गर्ग संयुक्त निदेशक, प्रशासन

महानिदेशक कार्यालय,

विदेश सचार भवत,

बम्बई-400 023, दिनाँक 13 सितम्बर 1985

र्सं० 12/3/85-स्था०--विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्दारा वि० से० से० के स्थानापन्न मुख्य नियंत्रक, श्री ई० सो० एक्फोंसो को 1-12-1984 से मूल रूप में मुख्य यांत्रिक नियुक्त करते हैं।

र० का० ठक्कर उप निदेशक (प्रशा०) कृते महानिदेशक

निरीक्षण महानिदेशालय

सीमा शुल्क व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क न**ई दि**ल्ली, दिनाँक 17 सिनम्बर 1985

सं० 23/85—श्री पी० जी० गर्हे ने, जो पहले ममाहर्तीलय बम्बई—II में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क वरिष्ठ श्रद्यक्षिक के पद पर कार्यरत थे, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग के पत्न फा० ए०-22012/42/85-प्रशा०-II हारा जारी दिनौक 9-7-85 के श्रादेश सं० 98/85 के श्रनुसार निरीक्षण महानिदेशालय (सी०) शु० तथा के० उ० शु०) में स्थानौतरित होने पर दिनौक 14-8-85 के पूर्वाह्म में, नि० महा० निदे०, सी० शु० व के० उ० शु० के मद्रास स्थित दक्षिण प्रादेशिक यूनिट में सहायक निदेशक के पद का कार्यभार संभात लिया ।

दिनांक 18 सितम्बर 1985

सं० 24/85—वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग के दिसांक 7 अगस्त, 1985 के पव फार्ज सं० ए-60011/9/85-प्रशार II ख के अनुसरण में, इस महानिदेणालय में निरीक्षण अधिकारी के रूप में कार्यरत, (सेवा निवृत्ति पर पुनियोजन) श्री आर० सी० गुप्ता के पुनियोजन की अवधि को, इस महानिदेशालय के सी० सं० 1041/15/80 के अन्तर्गत जारी दिनांक 18-8-84 की अधिसूचना सं० 9/85 के कम में, दिनांक 1-8-85 से 31-7-85 तक श्रीर एक वर्ष के लिए बढ़ाने का निर्णय लिया गया है ।

ए० सी सल्डाना निरीक्षण महानिदेशक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-110066, दिनांक 19 सितम्बर 85

सं० ए-19012/1086/85--स्थापना-पांच--विभागीय पदोन्नति समिति (समूह-ख) की सिफारिशों पर, अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री कैलाश प्रसाद सिंह, पर्यवेक्षक को केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेंड में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 20-4-1985 की पूर्वाह्न से अन्य आदेशों तक नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं।

2. उपरोक्त अधिकारी केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में उपरोक्त तारीख से दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे।

दिनांक 20 सितम्बर 1985

सं० ए-19012/107/76-स्था० पांच--अविभागीय पदोन्नति समिति (ग्रुप "खं) की सिफारिशों पर अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री डी० डी० चट्टोपाध्याय पर्यवेक्षक, इस समय चूखा जल विद्युत परियोजना पर प्रतिनियुक्ति पर हैं, श्रीर संवर्ग बाह्य पद पर प्रतिनियुक्ति पर होते हुए ठीक नीचे के नियम की सभी शतों को पूरा करते हैं, को रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200, के वेतनमान में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर (यांत्रिकी) के पद पर 15-5-1985 (पूर्वाह्र) अर्थात् जिस दिन से उनके किनष्ठ को नियमित आधार पर पदोन्नत किया गया है उसी दिन से अगले आदेश जारी होने तक नियुक्त करते हैं।

2. श्री डी० डी० चट्टोपाध्याय, अति० सहा० निर्दे०/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में उपरोक्त तिथि से दो वर्ष की अवधि तक परिवीक्षा पर रहेंगे।

> मीनाक्षी अरोडा अवर सचिव केन्द्रीय जल आयोग

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली-110066, दिनांक 9 सितम्बर 85

सं० 559/85-फा० सं० 22/1/85-प्रशासन-I(ख)-अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण एतदद्वारा श्री स्वपन कुमार पाल, तकनीकी सहायक को, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (ग्रुप-बी) सेवा के अतिरिक्त सहायक निदेशक/ सहायक इंजीनियर के ग्रेड में, 2-8-1985 के पूर्वाह्न से स्थाना पन्न क्षमता में नियुक्त करते हैं।

> आर० गेंबाद्रि अवर सचिव (का०) कृते अध्यक्ष

उद्योग और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रिजस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 स्रोर कोसमैक फैशन्ज , प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 16 सितम्बर 1985

सं० 684/17222/560(3)—कम्पनी अधिनियम,
1956की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसाम
पर को समैक फैशन्ज, प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल
कारण दिंगत न किया गया हो तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा
भौर उक्त कम्पनी विषटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रौर महाराष्ट्र यार्न स्पूलर्स एसोसिएशन के विषय में ।

> वम्बई, दिनांक 16 सितम्बर 1985 सं० 694/16620/560 (3)---

कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर महाराष्ट्र यार्न स्पूलर्स एसो-सिएशन का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशान म किया गया हो तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

स्रो० पी० जैन कम्पनियों का अतिरिक्त पजिस्ट्रार महाराष्ट्र, बम्बई

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रीर मैसर्स होमलैण्ड फाइ-नेन्सिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेंड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 17 सितम्बर 1985

सं० 560---कम्पनी अधिनियम, 1956 की घारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतव्दारा सूचना दी जाती के कि मैसर्स होमलैण्ड फाइनेन्सिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का मार्म आज रिजस्टर से काट विया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

वि० वाय० राणे प्रमंडल पंजीयक गुजरात राज्य, अहमवाबाद

आयकर अपील अधिकरण

बम्बई-400 020, दिनांक अगस्त 1985

सं० एफ.०-48-एडी (एटी)/1985-श्री आर० दिक्कणाप मूर्ति, सहायक अधीक्षक, आयकर अपील अधिकरण, मद्रास न्यायपीठ, मद्रास को आयकर अपील अधिकरण, कोचीन न्यायपीठ, कोचीन में तदर्थ आधार पर अस्थायी क्षमता में, सहायक पंजीकार के पद पर दिनांक 1 अगस्त, 1985 से 3 माह की अवधि के लिए या तब तक जब तक कि उक्त पद हेतु नियमित नियुक्ति नहीं की जाती, जो भी शी झतर हो, स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की अनुमृति दी जाती है।

जपर्युक्त नियुक्ति तदर्थं आधार पर है और यह श्रीं आर० दिक्शणामूर्ति को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा प्रवान नहीं करेगी श्रीर उनके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रदत्त सेवाएं न तो वरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी में परिगणित की जायेंगी श्रीर न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोक्षत किए जाने की पाइता ही प्रदान करेंगी।

2. श्री टी० के० गांगुली, सहायक अधीक्षक, आयकर अपीलीय अधिकरण श्रीर जो स्थानापक्ष रूप से अस्थायी क्षमता में अधीक्षक आयकर अपील अधिकरण, बम्बई न्यायपीठ बम्बई के पद पर कार्य कर रहे थें उन्हें आयकर अपील अधिकरण, कटक न्यायपीठ, कटक में तदर्थ आधार पर अस्थायी क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर दिनांक 1-8-1985 से 3 माह की अवधि के लिए या तब तक जब तक कि उक्त पद हेतू नियमित नियुक्ति नहीं की जाती जो भी शीघ्रतर हो स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की अनुमति वी जाती है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है, श्रौर यह श्र टी० के० गांगुली को उसी श्रेंणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा प्रदान नहीं करेगी श्रौर उनके द्वारा तदर्थ आधार प प्रदत्त सेवाएं न तो वरीयता के अभिप्राय से उस श्रेंणी में परि गणित की जायेंगी श्रौर न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोक्षत किंग जाने की पात्रता ही प्रदान करेंगी।

> ह् ० अपठनीः अध्यक्ष

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता कलकत्ता, दिनौंक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० ए० सी० 44/श्रार०-2/कलकत्ता/85-86--भ्रतः मुझे, शेख नईमुद्दीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 6 है जो ब्लाक मी, सल्ट लेक सिटी, कलकता— 91 में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विजत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीम तारीख 7 जनवरी, 1985

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिक्कित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती मीना राय।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मौति लाल मुखार्जी ग्रीर श्रन्य ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उर्वत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधीं व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकश्ण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्ट अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिश्विक षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1237.50 वर्ग फुट प्लाट श्रपार्टमेंट्स नं० 6, ब्लाक नं० सी, सेक्टर 2 दिगन्ती का समबाया श्राबासनि, सल्ट लेक सिटी, कलकत्ता-91 में अवस्थित है।

सक्षम प्राधिकारी के पास 7 जनवरी, 1985 तारीख में रिजस्ट्री हुग्रा । रिजस्ट्री का ऋगाँक संख्या 34 ।

> णेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकाणी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, कलक**का**

तारीख : 9-9-1985

मोहरः

प्ररूप बाई ही एन एस .-----

बायकार वेभिद्वीनयन, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म (1) ये भ्रमीन सुच्या

भारत तरकार

कीर्पांचय, सङ्घायक आवकर जायुक्त (निरक्षिण)ः

भ्रजीन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनाँक 12 सितम्बर 1985

निदेश नं० एम०-273/85-86--- श्रतः मुझे, एच० श्रार० दास,

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अप्रिनियम' कहा गया है), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने 🖘 कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक **है**

ग्रौरजिसकी सं० 93 है तथा जो टिटौली, शामली में स्थित है (भ्रौर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), 🜠 जिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, कैराना में रजिस्ट्रीकरण प्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 30 जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मून्य से कम के करमान प्रतिकत के निए अन्तरित की गृह है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार म्बद, उसके व्यवमान प्रतिकास से, एसे व्यवसान प्रतिकास का पहल प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के निए तय पाया गया प्रति-कृष निम्नमिवित उब्देश्य से उक्त कन्तरण सिवित में बास्त-ज़िक रूप से काथित नहीं किया गया हैंड़-—

- ((फ्) मन्द्रहरू से हुए कि.सी नाम कर्द्र नामतः। स्वरूप निभिन्निका के नभीन कड़ क्षेत्र के अन्तहक की बाबित्य में कृमी कहने या छत्तु बद्धने में हुनिया के निए; नीहः/ना
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी भून या जन्य आस्तियाँ का, जिन्ह भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या धनकर निर्मियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वॅर्नेरिती वृवास प्रकट नहीं किया गयाथा बा किया जाना जाहिए या जियाने में त्विधा के जिए;

वतः वन, उन्त् विधिनियम की धारा 269-ग के वनसर्व में, में, उक्त जीभीनमम की भारा 269-म की जनभारा (1) के अभीत<u>, निम्तरितीयक व्यक्तिकों</u> स्थात् क._

(1) श्री जदमेध सिंह उपनाम जगमेरा सिंह एवं ग्रन्य, ग्राम कसेरवा खुर्द डा० कसेरवाकला शामली, मुजफ्फर नगर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नरेन्द्र वर्मा, श्री हरेन्द्र सिंह एवं घन्य, ग्राम टिटौली। शामली, मुजफ्फर नंगर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत ब्रुपमा के राष्य्रभ में प्रकासन की तारींच 45 दिन की जनभि या तत्संबंभी व्यक्तियाँ पर ब्बना की तामीस से 30 दिन की बद्धि , जो और बंबरिय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी जन्म व्यक्ति धुनाय वभोहस्ताकरी के पास जिबित में किए वा स्केंगे।

स्वव्यक्तिरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

कृषि भूमि संख्या 93 जो ग्राम टिटौली, शामली में स्थित है ।

> एच० ग्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारीखा : 12-9-1985

मोबुड ध

प्रकप नार्द्, दर्रि एन , एव . -----

वाय्कारु वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वाडा 269-व (1) के वृधीन सुधना

भारत सरकार

कार्याक्य, सहायक बायकर वायुक्त (निर्देशक)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर कानपर दिनौंक 19 सितम्बर 19:

कानपुर, दिनाँक 19 सित्तम्बर 1985

निदेश सं० /84-85—श्रतः मुझे, एच० श्रार० वास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आहुन है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाबाह मुख्य 1,00,000/- का से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो झारीपरी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबस अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, मसूरी में रिजस्ट्रीकरण श्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 5 जनवरी, 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्सि के उचित बाबार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुखे यह विकास करने का कारम है कि स्थापुर्वोक्त सम्पृत्ति का उचित बाबार बुक्य, उसके क्यमाय प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल, का पंडह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे क्नारन के सिए तब पाया गुप्ता प्रति-कन निम्नतियित उच्चेक्स से उच्च बंतरण शियल में वास्तुनिक कप से कथित नहीं किया गया है है—

- हैंकों बन्धरम् वे हुए किसी बाद की बादव क्रवय जीपरिवर्ष में बनीय क्रय पोर्ग में जन्मका में इसेक्स में क्रमी म्हलों वा उन्नते मक्कों में बुद्रिशा में सिह्; बीर∕वा
- (क) शुंबी जिली बाव या किसी पूल वा कुल का जिल्हों को, जिल्हों भारतीय लाग-कर जीवितयम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर जीवितयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ, बन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं जिला गया था या किया जाना लाहिए था,, कियाने जें स्थिया के सिहर;

अतः अयं, उस्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण कें, में, उस्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन निम्नुविधित स्थिताओं, अर्थात ए—

(1) श्री एम० के० जगत समसेरे जे० वी० ग्रार० पुत्र श्री एच० एच० महाराजा देव समसेर, जे० वी० ग्रार० निवासी सरसैन, पोस्ट कस्थापाथर, देहरादून ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं० प्रेम इन्जीनियरिंग वर्क्स, रानी मिल, देलही रोड, मेरठ ।

(म्रन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्षन को संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- '(क)' इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की कारीब इ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्स् किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के इसे लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकारण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अभिनियम के अध्वाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया नवा हैं,

अनुसूची

ार्ट श्राफ फेयर लीन स्टेट, झारी परी, मसूरी।

एच० म्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, कानपूर

तारीख : 19-9-1985

मोहर ॥

प्रक्ष नाहर्ः टी. एन्.; एस., -----

नायणार मिनिसम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-य (1) के अभीन स्चना

मारत चडकाड

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनौंक 5 सितम्बर 1985

ि निदेश सं० के०--79/85--86----श्रतः मुझे,एघ० स्रार०

षास

बायकर अधिनिवम, 1961 (1961 का 43) (विसे इस्कें इसके पश्चात् 'उक्त अधिन्यम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 126/जी/63 है तथा जो गोविन्द नगर, कानपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कानपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)

प्रधीन तारीख 21 जनधरी, 1985 को प्रांचित सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफास से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकृत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) जाँड कन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तिक रूप से काँचत नहीं किया गया है है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के तिए; बोर/या
- (क) ऐसी किसी बाय था किसी भन या अन्य अस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में त्विधा से लिए;

बतः अअ, उक्त जीभीनयम की भारा 269-ग के जन्तरक में,, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभोन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री प्रेम सिंह डी० श्री जवन्द सिंह, 46/110, बादणाही नाका, कानपुर।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री धर्म दास पुत्र श्री गिरधारी लाल, श्री सन्मुख दास पुत्र श्री कल्याण दास, निवासी 106/400, पी० रोड, कानपुर। (अन्तरिती)
- (3) क्रोबागण।

(वह व्यक्ति, जिसके प्रश्रिधभोग में सम्पत्ति है)

(4) ऋतागण

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में **प्रधो**-हस्ताक्षरी जानता है)

(अन्तरिती)

की वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त तस्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप ्र---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच र्ड 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अविक्तयों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त अविकासी में से किसी अविक्त ब्रवादा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं ते ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यॉक्त द्वारा अभोहस्ताकड़ी के पास सिवित में किए का सकेंगे।

अन्स्ची

126/जी/73 गोविन्द नगर, कानपुर।

एच० ग्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक्ष आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 5-9-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 5 सितम्बर 1985

निदेश नं० के०-89/84-85---म्रतः मुझे, एच० भ्रार० दास

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पहचात् 'उथत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका जिनत बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं भीर जिसकी सं । 133/27/144 है तथा जो किदवई नगर, कानपुर में स्थित हैं (ग्रौर ससे उपाबद्ध म्रनुसूची में घ्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, कानपुर में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1909 का 16) के अधीन तारीख 1 जनवरी 1985

को पूर्वोका संपत्ति के उषित बाजार मृत्य से कम के दृश्यान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृद्धे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दृश्यान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिपात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे दक्षने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अक्ष: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तिसमों, अर्थास् हिन्स (1) श्री राजीव जैन पुत्र श्री दामोदर दास जन, निवासी 133/27/144, ब्लाक एन किदबई नगर, कानपुर।

(भ्रन्तरक)

.(2) श्री मुभाष चन्द्र गुप्ता पुत्र स्व० श्री केदार नाथ गुप्ता, 81/91, धनकुट्टी कानपुर,

(अन्तरित्नी)

(3) केतागण।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) केतागण।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्नत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पूर्व सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-सद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टिकरण: ----इसमें प्रयुक्त कब्दों और पद्दों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं 133/27/144 एन० ब्लाक, किदवई नगर, कानपुर।

> एच० ग्रार० दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 5-9-1985

प्ररूप आइ. टी. एन. एस्. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 369-ध (1) के अधीन स्चना

पारत सरकार

कार्यात्वय, सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर कानपुर,दिनौंक 5 सिनम्बर 1985

निदेश सं० के 92/85-86—श्रन: मुझे, एच० श्रार० दास,

कायका अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

थ्रौर,जिसकी सं० 7/41 है तथा जो स्वरूप नगर, कानपुर में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रन्मूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजर्द्राकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कानपुर में रिजर्द्राकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 15 जनवरी, 1985

कृते पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान क्रिक्ति के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्या, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, ए में स्ट्यमान को उपल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में गास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर की के अन्तरक के हाथिएक में कभी करते या उससे बचन में सुविधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, खिपाने में सृविभा के सिए,

कतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, चिम्निचित ककितयों, अर्थात् :——
3—2763॥85

(1) श्री मिथिलेश कुमार पुत स्व० श्री जयन्ती प्रसाद सक्सेना. 40/69, परेड, कानपुर।

(ग्रन्ते रक)

(2) र्श्वः सुरेशः कुमार पृत श्री देवो प्रसाद गयनका स्नादि 113/216, स्वरूप नगर,कानपुर ।

(श्रन्भिरती)

(3) ऋतागण।

(बहुब्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) ऋतागण।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सस्पत्ति में हितबड़ है)

ेक्बों बह सुभाना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के वर्षान के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोर्ड भी त्राक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्मत्ति में हितबव्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकर्गे।

स्पव्यक्तिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं ० 7/141, स्बन्ध्य नगर, कानपूर।

एत० ग्रार० दास सक्षम प्राधिकारा सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (सिरोजन) श्रुजैन रेंज, ातनुर

तारीख : 5-9-1985

मोहरः

प्रथम आर्द्धः, ही. एव. एच.-----

सावकार क्रिपिनियम 1981 (1997 मा 43) की भारा 269-क (1) के सभीन स्वना

भारत संस्कार

कार्याच्या, संहायक आयकार वायका (निरीज्ञक)

प्रजीन रेंस, कानपुर

कानपुर, दिनाँक 5 पितम्बर 1985

निर्देश मं० के-93/85-86--श्रतः मुझे, एच० श्रार०

दास

बागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का स्तारिक का स्तारिक करने का स्तारिक का सामितिक का स्तारिक का स्तारिक का स्तारिक का स्तारिक का स्तारिक का सामितिक का साम

भीर जिसकी मं० 117/348 ए० ग्रो० व्लाक है तथा जो गीना नगर में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनमुक्ती में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय कानपुर मे रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 को 16) के ग्रधीन, दिनाँक 15 जनवरी 1985

को पूर्णीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में जान्तिविक रूप में कथित नहीं किया गया है: ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त वीधनियम के अधीन कर दाने के बुन्दरक बी व्यक्तियम के कवी करवें या प्रवृत्ते स्थव में कृतिका के निग्; कौर/वा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन मा अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जावा चाहिय था, किया में अधिया के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुभरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) सरदार सरदूल निह पुत्र श्री उजागर सिह, 119/14, नसोमाबाद, कानपुर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमतो शांति देवी पत्नी श्रीराम श्रीतार गुप्ता, 119/47, नसीमाबाद, कानपुर।

(भ्रन्तरितो)

(3) क्रेनागण।

(बह्ब्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्मत्ति है)

(4) ऋतागण।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनव**द्ध** है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपर्क्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्यूच्या की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी कर्नीच बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन के भीतर पूर्वांक्त उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्पाक्कीकरण :---इसमें प्रयुक्त वाद्यों और पवों का जो उन्त विविचया, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा पवा है!

अमृसूची

महान नं ० 117/348, श्रो० ब्लाक गीतानगर, कानपुर

एच० ग्रार० दास नक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

नारीखाः 5-9-1985

मोहरः

प्ररूप आइ. दी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वाषकर बायुक्त (निरक्षिण)

ग्रजंन रेंज, कानपुर

कागपूर, दिनाँक 5 शितम्बर 1985

निवेश स० के/94/85-86--प्रतः मृझे, एव० स्नार० दास

श्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के संधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति, जिसका उचित बाबार मुस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० खेत 832 है तथा जो देहली सुजानपुर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विज्ञान है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में रिजस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, गारीख 15 जनवरी, 1985

को पृथेक्ति सम्पत्ति के उश्विस बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रशिक्ति के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विद्यास करने की कारण है कि यथा पृथेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल के पन्छल् प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के जिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निमिश्ति उद्वंष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया नवा है;

- (क) अन्तरण संहुई किसी नाय की बाक्स, उक्ट अभिनियन के वभीन कर दोने के बन्तरक थे दाबित्म में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी विस्ती आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आसकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ जन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया बाता चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिह;

अतः अबं, उक्त अभिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :--

- (1) श्री श्रयोध्या प्रसाद पुत श्री गनतट राय निवासी 17/81 राम नारायण बाजार, कानपुर।
 (अन्तरक)
- (2) नेहरू स्मारक सहकारी गृह निर्माण समिति लि० द्वारा : सचिव श्री प्रेम प्रकाश विपाठी, 128/35, ब्लाक कियवई नगर, कानपुर। (ग्रन्तरिती)
- (2) ऋतागण।

(बह ब्यक्ति, जिसके अधिभाग में नम्पत्ति है)

(4) क्रोतागण ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रक्षोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारो करके पृथेकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता है।

उक्त संपर्ण के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राष्पत्र में प्रकाशन की क्षारीय से 45 दिस की सविध मा क्ष्संबंधी स्थितियों पर स्पना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थावत ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किय जा सकों ने।

स्यक्षीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कर्कों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होना जो उस अध्याय में दिया गवा है।

नग्स्ची

खोत नं० 832 देहली सुजानपुर, कानपुर।

एच० ग्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकरम्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 5-9-1985

माहर:

प्रस्थ बाइं.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनाँक 7 ग्रगस्त 1985

निदेश सं० के 105/85-86--म्रतः मुझे, एच० म्रा२० दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी की यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- क. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० 118/187 है तथा जो कौशल पुरी में स्थित है (स्रौर इसमें उपाबद्ध स्ननुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, कानपुर में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन नारीख 29 जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिष्ठल के लिए अन्तरित को गई है और मुभे यह विश्वास करने का कव्रण है कि यंथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उथित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,

एसे द्रियमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्वेदय से उस्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं गया है है—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दन के अन्तर के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धर या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ाधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया ता या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिहा.

अतः अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-म्ब के अन्तरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिल व्यक्तियों, अर्थातु :-- (1) श्रीमती देवजीत कुमारी विधवा स्व० श्री नियन्जन भिह्न, 118/187, कौशलपुरी, कानपुर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री प्याम मुन्दर खन्डेलवाल ग्राफ श्रो जय गौपाल खन्डेलवाल ग्रादि, 118/553, कौशलपुरी, कानपुर ।

(भ्रन्तरिती)

(3) क्रेतागण

(वह व्यक्ति, जिनके ऋधिभाग में सम्पत्ति है)

(4) क्रेनागण

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधीहरता-क्षरी जानता है कि वह सम्मति में हितबक्क

को यह स्वना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी माक्षेप :- ~

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्तियाँ के स्थापित स
- (क्ष) इस मुक्ता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पाद्धीकरण :---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

प्रनुसूची

मकान नं० 118/87, कौशलपुरी, कानपुर।

एच० श्रार० दास मक्षम प्राधि तरी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रुजन रेज, कानपुर

नारीख: 7-8-1985

प्ररूप आर्ड. टी. एम. एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनाँक 7 अगस्त 1985

निदेश सं० के 106/85-86--- अतः मुझे, एच० श्रार० हास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 81 है तथा जो गोवर्धन पुरवा में स्थित हैं (श्रौर इपसे उराबद प्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीयर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, कानपुर में रिजस्ट्रीयरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 30 जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के छ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और कि यह विश्वाम करने का कारण है

ार्क यथा पूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन का अन्य आस्तियों का, जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बं', मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः~—

- (1) जेनव बेगम पर्त्ना श्री नूर मोहम्मद,81 गोवर्धन पुरवा,कानपुर ।
- (2) श्री राम स्वरूप सूचात (ग्रन्तरक) श्री राम नारायण सूचान निवासी ग्राम गिरासी, तह० घाटम पुरसी, जि० कानपुर।

(अन्तरिती)

(3) ऋतागण

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग मे सम्पत्ति है

(4) ऋतागण

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो– हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

की यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त संपति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना क राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तरसंबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मा समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीक रणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० ८, गोवर्धन पुरवा, जुही कानपुर ।

एच० श्रार० दास मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, कानपुर

नारी**ख** : 7-8-1985

प्रकार भादी, टी. एन्. एता. -----

भायकर अधिक्यिम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) की अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर बायुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनाँक 10 सिलम्बर 1985

निदेश म'० के-153/85-86--- ग्रतः मुझे, एच० ग्रार० दास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिकं परसार, 'उप्कन अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा ∠69-के के अधीन कक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अपरण है कि स्थायर पपत्ति, दिसका उपिण बागर मृत्य 1.00,000/- फ. सं अधिक ही

ग्रीर जिनकी सं 44/4 है तथा जो चौबे गीला, कानपुर में स्थित है (ग्रीर इसने उगवद्ध श्रनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है रिजिस्ट्रोंकर्ता श्रिध हारी के कार्यालय, कानपुर में रिजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन लारीख 31 जनवरी, 1985

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य स कम के रहरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्स यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाग्वेंक्ति संपित्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिकल मं, एंसे रहस्मान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय श्वाम क्या प्रतिफल, निम्मिलिक ज्यूबेश्य से उक्त बन्दरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आयं की यावत. उक्त अधिनियम के अभीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या जन-अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

अंतः अब, उसत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भौ, मौ, उदत अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) को बचीन, निम्निनिधित व्यक्ति भी, अर्थात् :---

- (1) श्री विजय कुमार केंसरवानी श्री कुष्ण कुमार केंसरवानी, एव भ्रन्य, 41/111 चीबे मीला, कानपुर । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सालिहा बेगम पत्नी श्री मोहम्मद उमर एवं श्रन्य, 44/4, चौबे गीला, कानपुर ।

(अन्तरिती)

(3) केतागण

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग मे सम्पत्ति है)

(4) ऋतागण

(वह^{*}व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिन्वख हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त संपत्ति को अर्थन को संबंध थीं काहि भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की अर्वाध था तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो कि अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में कि सी व्यक्ति इसारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्दित में शिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकांगे।

स्वव्यक्तिरभा:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उसर अभिनियमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ हांगा, जो उस्म अध्याय में दिया। गमा ही।

अनुसूची

मकान नं० 44/4, चीबे गीला, कानपुर।

एच० म्रार० दास मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन ^{प्रे}ज, कानपुर

नारीख: 10-9-1985

मोहरः

प्रह्म बाई. डी.एम एस ------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहाया नागा । जायुवन (। नारीक्षण) श्रजंन रेंज, कानपूर कानपुर, दिनांक 5 विवस्वर 1985 निर्देश सं० के-181/85-86---शलः मझे, एच० ग्रारे० दास,

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रत. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी संब्खेत है तथा जो ग्राम पसेवा जिला कानपूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावत ग्रनुसूर्च। में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्राक्त्रा अधिकारी के ार्यालय बाटमपूर (कानपुर) में रजिस्ट्रांकरण अधिनियम, ४९०८ (1908 का 16) के प्रधीन, दिनाँक 14 जनवरी 1985

का पूर्वाक्त सभ्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के वस्त्रमान <u>प्रति</u>फेत के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विद्यास 📆 ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिकल से एसे दरममान प्रतिकल का पन्त्रह प्रक्रिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप क्षे कथित महीं किया गया 🕻 :----

- (क) बन्तरण सं क्षंड्रे किसी बाय का बाबत, उक्स विभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मः
- (क) एसी किसी अगय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में शुविधाके सिए;

(1) श्रीमर्ता गाढी विधवा मन्त्राजाय सार परे वा परगना परगना घोटमपुर जिल्कानपुर ।

(भ्रन्तरक)

(2) ऑ। प्रदी । कुमार देशिया, संजय दीक्षित पुत्रगण कमला शंकरदीक्षित आदि नि० 160, श्रानन्दपुरी, टी०पी० नगर कानपूर ।

(ग्रन्तरितंत)

(3) ক্রাম্য (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) ऋनागण (वह व्यक्ति, जिसके बारे मे अधीहस्लाक्षरी जानता है कि वह सम्यत्ति में हिलबढ़ है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वाक्ष्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील में 30 विन की अवधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का सं 45 दिन को भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हित-बबुध किसी अन्य व्यक्ति बुबारा, अधाहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शस्यों और पवों का, जा उपत अधि-नियम के जध्याय 20-क में परिभाष्टित इं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया **5** 1

वनस्वर

खेत स्थित ग्राम पसेवा पर० घाटमपुर जि० ाानपूर।

एच० ग्रार० दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक्तर श्राय्क्त (निरोक्षण), श्चर्जन रेज, कामपुर

जत: अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ए क अनुसरण: ने , में , उक्त अधितियम की भारा 269-ए की उपभारा (1)

दिनाँक: 5-9-1985

माहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देश सं० ए०-2/85-86--श्चतः मुझे, एच० श्रार० दास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ष्मीर जिमकी सं० 3/203 है तथा जो ग्याम नगर प्रेमनगर अलीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबंध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय अलीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 21 जनवरी 1985

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रियमान प्रतिफल के लिए उन्तिरित की गई है और स्केयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का 'द्रिह श्रीत्वात में अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बाच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (कं) अन्तरण से हुई किसी अग्य की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्रीमती चमेली देवी बेवा श्री दोत दयाल व श्रीमती िक्यत प्यारी पत्नी श्री बाल किशन मिश्रा निवासी श्याम नगर (प्रोमनगर) श्रलीगढ़।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जगदीम किमोर पुत्र श्री लखमी चंद व श्रीमती कुमुम रानी पत्नी श्री जगदीम किमोर नि० माल-वीया नगर श्रनरीली श्रनीगढ़।

(ध्रन्तरिती)

(3) ग्रन्निर्ता

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के उर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो,, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी उन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक किहा मकान 3/203 ज्याम नगर प्रेम नगर प्रलीगढ़।

एच० श्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, कानपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

दिनाँक: 10-9-1985

भोहर :

प्रकार बार्शः टी. एन्. एक्.-----

द्यारकर अधिन्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

भारत संज्ञार

कार्यालय, महायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 5 सितम्बर 1985

निर्देश सं० ए० 6/85-86—श्रतः मुझे, एच० आर० ≽ास

श्रायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 63 है तथा जो सिविल लाईन झांसी में स्थित है (श्रीर इतमे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणत है), रजिस्ट्रोकर्ना अधिकारी के कार्यालय झांसी में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 2 जनवरी 1985

पूर्वोकत सम्परित के उत्तिस बाजार मुख्य से कम के स्थामन प्रतियाल को क्लिए जन्तिरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापविकत सम्परित का उपित बाजार मुख्य, जसके अध्यक्षाल अभिकार में, एमे दश्यमान प्रतिकाल का पंत्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरोक्कों) और अंतरिती (जन्तिरितियों) के सीय एसे जन्तरण से सिए तब यावा अवा प्रतिकाल, निम्नीलिखित उद्देश्य से उंक्त जन्तरण लिखित में वास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा वे थिए; और/था
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर्न क्रिक्ट परतीय सायकार अधिनियम, 1922 (1967) को 12 या अन्य अधिनियम, या अन-अर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

्तः भयः उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरणं में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-थं की उपभारा (1) के अधीन, निपारितीसत व्यक्तियों, अर्थातः—— 4—276GI/85 . (1) श्री **छैल बिहारी लाल तनय**, श्री राम भरोसे लाल नि॰--63 सिविल लाईन-सांमी ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती कमला सहगत वाइक ग्राफ कृष्ण सहगल साकिन-146 वासदेव-झांसी ।

(श्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्परित के अर्जन के लिए ार्जवर्षाह्या करता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्थान को सम्बन्ध में कं है भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की तबिंध या तरसंबंधी स्पित्तमों पर सूचना की तालेल में 30 दिन की अविधि, जो भी बंधीय बार में अमाना की तालेल में उन्होंने हों, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्ति में कि की की किया है।
- (च) इस सूचना के राजध्य में उकारा की तारींच ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए का सकी।

स्थव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो जक्त अधिनियम के जध्याय 20-क में परिभाषित् हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्यी

बंगला नं ० 63 सीवोल लाइन झांसी

एच**० ग्राब० दास** सक्ष**म प्राधिकारी** सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरें**ज, कानपुर**

दिनीत: 5-9-1985

नोहरु 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देश सं० ए० 20(ए)/85-86---श्रतः मुझे, एख० श्रार० दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मूल्य 1,00,000/~ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एक किता जायदाद है तथा जो कस्वा कोल अलीगढ़ में स्थित हैं (और इ से उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के वर्णित प्रक्षीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधित्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10 जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से एसे द्रायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिभाग से अधिक है और अंतरिक (अंतरिक) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप स किंश्न नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के जिए।

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अधित् ः— (1) श्रीं हरीण चन्द पुत्र सुधींर चंद नि० राम नगर कालोनी हरिद्वार च बोथाराम पुत्र श्री श्राणा नन्द 1260 मुकर्जी नगर, दिल्ली ।

(ग्रन्सरक)

- (2) श्री मुकेश प्रकाश पुत्र भगवान दास व रतन प्रकाश पुत्र हरचंद लाल नि० मान भाषा ग्रलीगढ़, नरोत्तम दास पुत्र श्री रामचरन ग्रादि सराय हरीम श्रलीगढ़। (ग्रन्तरिती)
- (3) अन्तरितीं

(वह व्यक्ति, जिन्नके ग्रधियोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध को कोई भी आक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (ख) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसबुध किसी अन्य व्यक्ति खुवारा अभेहस्ताकारी के पार्स लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण:---इसमे प्रयुक्त कथ्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुज्ञी

एक किता जायदाद स्थित फस्बा कोल मलीगढ ।

एच० झार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 10~9-1985

प्रकृत वाहा . टी . एन . एव . ------

भाषकर गीपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बचीन स्वभा

शारत बहुका

व्यवतिक, सहायक भागकर काण्यक (निराक्षण) श्रजेंन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्वेश सं० ए० 24/85-86---- ग्रतः मुझे, एच० ग्रार० दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्र इत्वर्षे इत्वर्षे प्रवाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० थ्लाट है तथा जो मानसरोवर प्रलीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिश्वकारी के कार्यालय ग्रलीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण ग्रिश्वनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 8 जनवरी 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ज्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्तें यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित थाजार मूक्स, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पत्त्वह प्रक्रिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और कम्परिती (अन्त्रितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तथ पामा गया प्रतिफल, निम्मलिखित छब्बदेय से उच्त अन्तरम् सिचित में शस्तिक रूप में क्रिया नहीं किया बवा है है—

- (क) वन्तरूप वे हुए किसी शय की नावत, अन्तर विभ-निवस के स्पीन कर दोने के जन्तरक के वाहित्व के क्सी करने वा उन्दर्ध वचने में बृतिया के लिए; बीट्/वा
- (व) एसी किसी जाव, या किसी भन या क्रस्य कास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1961 (1961, का 43) या उन्तः किभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ कन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना शाहिए था, जिन्मा से सुविधा के तिवः;

वर्षः वर्षः, उसर विधिनयमं की धारा 269-व से अनुसरण मों, मीं उत्तर सभिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) के सधीयः, नियनिसर्थित स्थीनक्षयों, अधीतः हु---- (1) श्री मान सरोवर गृह निर्माण द्रावास समिति अलीगढ़ सचिव रिशी पाल सिंह पुत्र श्री किशन सिंह महाशीर पार्क अलीगढ़।

(भ्रन्सरक)

(2) श्री सुशी लेन्द्र पाल सिंह धर्मपाल सिंह नि०-मान सरीवर कालोनी, मलीगढ़।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचवा चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुने।

क्रमत स्थातित के वर्षन के स्थान में कोई भी नाओप:--

- (क) इस सुवना के प्रावपन में प्रकाशन की दारीय के 45 दिन की जन्मि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की जन्मि, जो भी जन्मि साम में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना क ्राव्यात्र में प्रतालन की दारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बन्धि में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा मधीहरताक्षरी के पास लिसिस में किए वा सकींगे।

स्यव्योकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्दों और वदों का, को उक्त अभिनयम के अध्याय 20-क में परिशादिल इ⁵, बड़ी वर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

वनसूची

प्लाट 2890 वर्ग मी०, म्रलीगढ़ ।

एघ० ग्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 10-9-1985

प्रक्षः नार्षः टो . एव . एस . ;------

मायकर मीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा भाषा 269-व (1) के अभीन भूजना

गरत सरकाह

कार्यालय , सहायक नायकर नायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 5 सितम्बर 1985

निर्देश सं० ए-35/85-86--- अतः मुझे, एच० आर० दास, नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसके इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम शिधकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पेक्त, जिन्सका उचित बाबार नृष्य 1,00,000/-रा. सं अधिक हैं

और जिसकी सं एक मकान है तथा जो हिन्द नगर सिविल लाईन में स्थित है (और इसमें उपावल अनुसूची और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्का अधिकारी के कार्थालय एटा रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, उ908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11 दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिस्थल के निए बन्तरिष्ट को गई है बार मुखे वह विद्यास् करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिकास से ऐसे दरयमान प्रतिकास का पंत्रह प्रतिकात से अधिक ही और अन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के देख एसे अन्तरण के जिए सब पावा पदा प्रसिक्तय, निम्मलिखिल उद्देश्य से स्ता समारक निम्मल को वास्त्रीयक स्थ से कविष्ठ सही किया वर्ण हैं:—-

- (क) अन्याहण सं शुद्ध निजीं वास की वासक, उनस कांधरितमा के अभीन कह तारे में बन्दरक के वासित्य में कमी करने ना उन्हों नुष्टा में सुद्धिया के निय; और/वा
- (क्यू) होती कियी बाज ना दिस्ती कर ना अन्य नारित्य की कार्, जिल्हें भारतीय सान-कर मिनियन, 1922 (1922 का 11) या उत्तत प्रतिस्थित, वा भक्कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा. खिपान में स्वित्य के बिह्द;

(1) श्रीमती कान्ता पालीवाल बेवा कृष्ण दन्तपालीवाल विकास पाली वाल पुत्र कृष्ण दन्त पालीवाल श्रादि मि० हिन्द नगर सिविल लाईन एटा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दिनंश बाबू सक्सेना पुत्र श्री फकीर चंद सक्सेना श्रीमती बीना सक्सेना पुत्रीश्री एंव० वृज नन्द सक्सेना 1ए कष्ण नगर एटा।

(भ्रन्तरिक्षीमें

(3) ग्रन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके श्रीधभोग सम्पत्ति है)

को सङ् सूचना वारी करके प्योक्त सम्परित के नर्वन के सिए कार्यवाहियों करता हूं।

समल सम्परित को अर्थन को सम्बन्ध की कार्य भी काराध:---

- (क) इस सुषना के राजपत्र में एकाशन की सारीस से 45 हिस्सू की जनस्थि मा तत्पुरन्त्वी व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की अवस्थि, को भी ब्रह्मि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों का कावित्रकों में से किसी स्पन्ति स्वारात
- (ज) इस स्वाना के राजपण में प्रकाशन की दारी करें के 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब क्थ किया क्यों हस्ताक्षरी के पास निवास में किए जा सकेंगे।

रणकरीकरण:---इसमें प्रवृत्त अस्तों और पश्ची का, जो उन्तर्ध जिभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नुर्ध होगा को उन्न अभ्यान में दिवा क्या हैं ॥

अनुसूची

स्थित--- एक भकान हिन्द नगर सिक्षिल लाईन एटा।

एच० म्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

नतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) हो अधीन, निम्निन्दिक स्पन्तिकों अधीत अ

दिनांक: 5-9-1985

प्रकृष आधी हो । एत् । एस , नार्यक्रमण्य

शयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43**) की** भारा 269-च (1) के वधीन स्**च**ना

शास्त्र सुरुक्त

भार्यातव, सहायक वामकार नामकत (निर्दोक्तण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 सितम्बर 1985

निर्देश सं० ए० 42/85-86—स्रतः मुक्षे, एच० स्रार० वास,

कावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिबे इसमें इतके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं भूमि है तथा जो डैम्पीयर नगर मथुरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रमुस्ची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मभुरा में, रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9 जनवरी 1985

को प्योंक्त संपत्ति के उपित बाजार मृल्य से कम के उरयमान जितिक को गई है और मृभे वह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृल्य, उसके उरयमान प्रतिफल् से, एसे उरयमान प्रतिफल् का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिक कन, निम्हिलिचिस उद्योग्य पे उपत अन्तरण निचित्त में वास्तावक कम से कांगत नहां किया गया है :~

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाग की नायत , जनत महिन्दिम के सभीन कर दोने के मन्तरक के सहिन्द में कभी करने ना सबसे नुष्ये में बुद्धिया के हिन्द; महिन्या
- (व) एवी किसी आयु ना किसी धन ना अन्य जास्तिनों को जिन्हें भारतीय जाय-कार निधीनसम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधीनयम या व्यक्तर अदिनित्तम, 1957 (1957 का 27) के प्रधोधनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ववा वा या किया जाना जाहिए था, कियाने में वृतिका के लिहु;

(1) श्री श्याम सुन्दर पुत्र कन्हैया लाल नि० श्रूना कंकड़ मधुरा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री दीना नाथ चतुर्वेदी ऋषिकेश जी नि०गली गुजराना मथुरा।

(भ्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्वनाहिया सूक्ष करता हुं।

दक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप हु-

- (क) इस सम्बा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है। 45 दिन की अविध वा तंत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्या की तात्रील से 30 दिन की अविध, जो भी व्यक्षि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इत त्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन के भीतर उदत स्थावर भरमित में कितनवृष् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास निचित में किए जा सकोगें।

स्पव्यक्तिरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त वाधिनियम, के अध्याय 20-क में विरिभाषित हैं। वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया

जन्त् ची

जमीन डैम्पियर नगर मथुरा ।

एच० श्रार० दीस सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

जतः जया, उच्च अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसारण में, भी, शक्त जिम्मियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

दिनांक: 6-9-1985

मोहर 🕹

थका कार्यं .टी. एवं .एवं .-----

नायकर मधिनियम, 1961 (1861 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्थता

भारत सरकार

कार्याज्य, सहायक आमकर मामुनत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

भानपुर,विनांक 9 सितम्बर 1985

निर्वेश सं० ए० 110/85-86--अतः मुझे एच० ग्रार० वास

भावकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसमे इसके पश्चात् 'उनत अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269--व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह किल्लाम करने का अपना है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 1,00,000/- उ. से अधिक है

और जिसकी सं० 123, 124, 125, म्रादि है तथा जो नगला (दल) में स्थित है (और इससे उपावब म्रानुसूची में और पूर्ण रूप से बांगत है), राजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय एत मादपुर में राजस्ट्रीकर प्रधितियम, 1908 (1908 का 16 के म्रधीन, दिनांक 5 जनवरी 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रितिफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि वशक्त्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार बूक्य, उसके इर्णमान प्रिक्तिक ल से एसे इश्यमान प्रीत्फल के बक्द प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अक्टरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय क्या गया प्रतिकृत, निम्नसिवित उद्देश्य से उस्त अन्तरण कियान में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बलारण वे हुई किसी बाम की बाबत, उसत अर्धियानक के बधीन कर दोने के कलारक के दानित्क में कती करने या उससे बचने में सुविधा के सिक्; जॉर∕वा
- (व) एंसी किसी मा किसी भन मा जन्य जास्तियाँ को जिन्हों भारतीय जामकर जिम्मिनमम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त अभिनियम, मा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिहरती इवारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना आहिए था, कियाने में सुविधा को जिहा;

अति जव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त जीभीनयम की भारा 269-म की उपधारा (1) को अभीन, निम्नोलिशित व्यक्तियों, अभीत क्ष-- (1) श्री राम सिंह पुत्र बुद्ध सैन नि० नगला दल तह० भो० एत मादपुर जि० ग्रागरा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सुरेन्द्र पाल सिंह, रवीन्द्र पाल सिंह ग्रादि पुत्र शंकर लाल निक नगला दल पोक तहक एतमादपुर जिक्शागरा।

(ग्रन्तरिती)

(3) अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके श्रीधभोग सम्पत्ति है)

को बहु बूचना जारी कारकै पूर्वोक्स सम्पन्ति के अर्थन के लिख कार्यवादियां करता हुं।

उक्त तम्मरित के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 चिन की जयिंग ना तत्त्वस्थाने व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 चिन की जयिंग, जो भी जयिंग नाय में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कि ज्यक्ति स्वारा;
- (म) इस स्थता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकपूथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्पाक्षरी के पहल तिश्वत में किसे जा सकरें।

स्यक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्धों और पदों का, जो उन्स अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बहु निर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनु**नु**षी

ग्राराजी भूमिधरी नं० 123, 124, 125 म्रादि मैणा नगला दल, म्रागरा।

> एष० भार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, कानपुर

विनांक: 9-9-1985

मोहर ७

प्रारूप आर्धः टी. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भ्रजनर्रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 सितम्बर 1985

और जिसकी सं० 98 हैं, तथा जो प्रान्ड रेंड रोड, छावनी श्रागरा में स्थित है (और उससे उपाबद श्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से पणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय धागरा में रिजस्ट्री प्रश् श्रीवित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रीवित्यम, विनाक 16-1-1985

को प्रॉक्त सम्पन्ति के उणित शाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वात किंने का कारण है कि स्थाप्योंक्त सम्मत्ति का उणित बाजार मृश्य, अनले क्ष्मभान प्रतिकास से, एसे क्ष्मभान प्रतिकास का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पावा गवा प्रति-कस, जिन्नसिवित उद्योग से क्ष्मत सम्मरण विविद्य में अक्ट-विक रूप से कर्नित नहीं किया क्या है है—

- (क) अन्तरण चंड्रचं भिन्नी जाव की वास्तु, उनके विधिनियम् के वधीन कर दोने में बन्तरक के शवित्व में सभी करने या उससे वचने में बृविधा के लिए; कोड़/वा

श्रीं राज नारायण मिस्त्री, पुत्न हर नारायण मिस्त्री निष्कासी 98, ग्रान्ड परेड रोड, श्रागरा ।

(झन्तरक)

2. श्री लायक सिंह, यादव पुत्न स्थ: श्री ईश्थयरी प्रसाद मौला, मृहरूला, ता० व जिला धागरा।

(भ्रन्तरिती)

अन्सिरितीं ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्तिहै)

को यह सूचना पारी करके पूर्वीक्ष सम्पत्ति कं प्रपत्त के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त गम्मित के मर्जन के बम्बन्ध में कोई भी बाखेंच ह-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकासन की लारीया से 45 दिन की जन्मिन या उत्सादनकी व्यक्तिस्कों दूर स्थान की तामीस से 30 दिन की सर्वाय, को बी सर्वाय मार्च सामन्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर व्यक्तिसनों में से किसी स्थीन्स स्थारत
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशक की तारीच से 45 दिन से बीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्सकृष किसी नन्य स्थानत द्वारा सभोहस्ताकृष्टी में पास विजिल में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त भन्दों और पर्यो का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया

नगत ची

एक किता कोठी, ग्रान्ड परेडा रोड, छाचनी, ग्रागरा।

एभ० ग्रार० दास सक्षम श्रीधकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

अत: अव: अवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, शक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीम, विम्नीसिचित व्यक्तिस्था, अव्यति क्र-

दिनांक : 10-9-1985

्रक्ष्य बार्ड ही, एनं , एसं , जननननननननननन

आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्थान

TIME DETE

कार्थालय,, सहायक आयकर वायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 सिसम्बर, 1985

निर्वेश सं० ए 1.88/85-86- अतः मुझे एच० श्रार० वास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण कि स्थायर सम्पत्ति, जिलका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० एफ 12 है, तथा जो हरी पवर्त, श्रागरा म स्थित है (और इससे उपावद्ध श्रनुसूचीं में और पूर्ण रूप से पणित है) रिजस्ट्रीजती श्रिधिकारीं के कार्यालय, श्रागरा में रिजस्ट्री करण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधींन दिनांक 7-1-1985

को प्केंक्स सम्पर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम से क्यमान प्रतिकल के लिए जन्तरित की गई है और म्स्टेंबह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्बद्धि का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यकान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के मीच एसे अन्तरण के सिंह तय पाया गया प्रतिक फल निम्नितिकार उद्योग्य से उक्त अन्तरण निम्नित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (कां बन्तरण से हुई किसी बाय की वाबस, उक्त बाध-निवस के वभीन कर दोने के बन्तरक के द्रवित्य में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के सिए: बीट्/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार जिथितियम, 1927 (1922 का 11) या उक्क अभिनियम, या अनकार अधितियम, 1957 (3957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिकी द्वारा प्रकृष्ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने सुविधा के सिए;

अतः तन, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को सन्सरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के बधीन, निम्मलिखिए स्मिक्तिकों, सम्बद्धि ह— डा० ताराचन्द गुण्ता, पुत्र स्व० रघुबीर सुलतान ।
 मि० राम की चौवरीं, वेलन गेज,
 भ्रागरा ।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती प्रकाण वतीं पत्नीं एच० पी० धवन, नि० टाषर हाउस, ओल्ड विजय नगर कालोनीं, ग्रागरा।

(ग्रन्तरितीं)

3. भ्रन्तिरती।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिप कार्यवाहियां सूरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बार्शन :---

- (क) इस स्वना के तावपत्र में प्रकासन की तारीस सै 45 दिन की सबिश या तत्संबधी व्यक्तियों पर स्वना की तासील से 30 दिन की सबिध, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसेए;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकायन की तारीत सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार्वे लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्कीकरण :--इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

मकान ेप्ताट नं० एक-12, स्थित कमला नगर, हरी र्भियत वार्ड हुआगरा।

> एच० म्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, कानपूर

दिनां छ 10-9-1985 :

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन स्वना

भारत सरकार कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रोजे, काज्युर

कानपुर दिनां है 10 सितम्बर, 1985

निर्देश सं० ए 191/85-86--- भ्रतः मुझे, एव० भ्रार० दास, भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं 163 है, तथा जो आगरा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूचीं में और जो पूर्ण स्था से वर्णित है) रजिस्ट्रींवर्ता अधिकारों के वार्यालय, आगरा में रजिस्ट्रींवर्ण अधिनियम, 1908(1908 वा 16) के अधींन दिनांक 1-1-1985

को प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पंक्र प्रतिकत्त से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बाच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

 श्री गिरधर मिह, सुपुत श्री कृणी राम नगला हवेली, श्रागरा ।

(श्रान्त र्कः)

 श्रमोका पैलेस, सहकारी आवास समिति ति । श्रामारा द्वारा सचिव राजीव श्रश्रवाल सुपुत श्री लज्जा राम निवासी कमला नगर, श्रामरा ।

(ग्रन्तरिती)

3. अन्तरिती ।

(बह व्यक्ति जिनके श्रिधिमोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचनः जारी करके पूर्वोकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वे कि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के एास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणं:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस ची

खसरा नं० 163. मौजा जगनपुर, परगना एवं तहसील---भ्रागरा।

> एच० श्रार० दास सक्षम प्राधिशारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लाजपूर

दिनांक 10·9-1985

मोहर :

अत: उ.ख., उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उस्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधोन, निम्तिलिखन व्यक्तियों, अर्थात् :—— —276GI[85 प्रकार बाह .टी. एन . एस . -----

आयकार अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-म (1) के अभीन क्षान

भारत सुरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंक, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्धेण सं० ए 194/85-86—ज्ञतः सृक्षे एच०न्नार० दास, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे द्वने इसके दश्यात 'उथते अधिनियम' कहा गया ही, की वास 269-4 के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, विश्वका उचित वाचार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ——है, तथा जो ब्रागरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारों के कार्यालय श्रागरा में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियस, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 17-1-1985

हो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम से कम स्थमान प्रोतफान के निए जन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने अरण है यह पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य, उसके स्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिक्रम हं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया रथा दिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्स अंतरण लिखित में सम्तयिक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संबुद्धं किसी बाव की बावक, काल अभिनियम के लगीन कार बोने के अन्तरक के बाजिटन में कामी केरने का सबसे बचने में बुविका के लिए; बीर/या
- ंश) एंसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों हों, जिन्हों भारतीय जाय-कार अधिनियम, 1922 1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, वा अन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के लिए.

श्रत: अ़म, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनस्प्रण को, भाँ, स्वतः अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिक्षित न्यक्तियों, स्थात् ह——

 श्री वीरेन्द्र कुमार सुपुत्र श्री देणराज भुजाल, नार्थ ईदगाह, श्रागरा ।

(ग्रंन्तरकः)

2. श्री जगदींश गुप्ता, सुपुत्र श्री मथुरा प्रसाद, जमवत नगर, इटाचा।

(ग्रन्तरिती)

अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप, :~-

- (क) इस सूचना के राज्यभ में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की सर्वींच मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी जबिंध वाद में समाप्त होती हों; के धीत्र पूचींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उच्चत स्थावर संपत्ति में हिर्देशकार्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा बभोहस्ताक्षरी के पार्च सिचित में किए का सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्ची

तीन कमरे व रमोई, गुसलकाना ग्रादि रिथत, ग्रागरा।

एच० स्नार० दामें सक्षम प्राधिकारी महामक स्नाधकर स्नायुक्त (निरोक्षण) स्नर्जन रेंज, कानपुर

दिनां स 10-9-1985

गहर:

प्रकल बाहु⁴. टॉ_. एम_. एस_. एस_. व्यक्त

बायकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्दाक्त)

म्रजंन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देश सं० ए 199/85-86—- प्रतः मुझे, एच० प्रार० दास, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चितं इसमें इसके प्रधात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), कौ भाष 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

म्रीर जिसकी सं 1422, 1423, 1424 है, तथा जो म्रागरा में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध म्रानुसूर्वा में म्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रें। तर्ता म्रिध हारी के कार्यालय म्रागरा में रिजस्ट्रें। करण म्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रिधीन दिनांक 4-1-1985

को प्वेंकिं। सम्पत्ति के जिसत बाजार मृत्य से कम के ध्रममान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकृत से एसे पत्यमान प्रतिकृत के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्म से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वावके, जन्तर विधितियम के अभीत कर दोने के जन्तरक की दासित्व में कमी करने या उत्तसे वचने में सुविधा के लिए; और√या
- (क) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्न अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया ज्वा था या किया जन्त निहुए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बतः वयः, उक्त विभिनियमं की भारा 269-त के बनुसरण भं, माँ,, उक्त अभिनियमं की भारा 269-त की उपभारा (1) के बधीर, निम्नीविक्ति स्यक्तियों जर्भात् :— श्री पूरनचन्द्र पुत्र फतेह् सिंह, ग्राम बागुरी, तहसील फतिहाबाद, श्रागरा ।

(ग्रन्तरक)

2. मर्व हित को-ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० ग्रागरा बारा, ग्रध्यक्ष श्री राम जी लाल सुपुत्र देवी राम, निव(सी 15/160, शोरो, कटरा माह गंज, ग्रागरा ।

(भ्रन्तरिती)

3. मन्दरित्≀

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वो कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्कर सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (कां) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किये जा सकरेंगे।

स्थाबितरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं:

अनुसुची

खन्तरा नं० 1422, 1423, 1424, मौजा, २ े े तहसील एवं जिला, आगरा।

> एच० श्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, कानपुर

दिनांक 10-9-1985

मोहुर 🖫

प्रक्ष बाइ . टी. एन. एव . -----

बायकार विविश्विम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बभीन स्पना

<u>भारत सरकार</u>

कार्यालय , सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 सिसम्बर 1985

निर्देश मं ० ए 20 / 85-86-- श्रतः भुषे एच० श्रार० दास, आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके गण्यात (जिसे इसमें कहा गया है), की गारा 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारी को मह विष्णास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी नं अनुसूच के श्रनुसार है तथा जो श्रागरा में स्थित है (श्रीर इस उपाबढ़ श्रनुसूच में श्रीर सै पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्री किसी श्रीध कारों के कार्यालय, श्रागरा में जिस्ट्रीकरण श्रीधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन दिनांक 9-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के स्थमनान प्रतिफल को लिए अप्तरिती की गई बार मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके स्थमनान प्रतिफल से, एसे स्थमनान प्रतिफल का पन्तह प्रविश्त से अधिक है बीर अन्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तम गमा गमा प्रतिफल निम्मतिकित उष्ट्रेश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गमा है:--

- (क) वस्तरक ते हुई किसी बाग की वाबत, उक्त विधिनियम के बधीन कर घोने के वस्तरक को कायिएन में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिक्; भीर/वा
- (क) एंबी किसी बाय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसा जाना जाहिए था कियाने में सुविधा के सिए;

संब: सब, उपत बरियरियम की भारा 269-त के अनुबरक में, में उपत बरिभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- श्रंत प्रवास व सवायया पुत्र श्रंत नेम्सा, निवासी प्रजावा पंचायती, मौजा घट वासन तह० व जिला, श्रागरा।

(ग्रन्तरक)

2. शान्तीः नगर सहकारीः गृह निर्माण समित कि० आगरी सचिव, श्रीः अनिल शर्मा सुपुत्र श्रीः दामोदर शर्मा, निवासीः ताल तोता, श्रागरा ।

(अन्तिरिती)

ग्रन्तरितं ।

(बह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को सह क्ष्यना बारी फरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिक्ष कार्वनाहियां करता हुं।

उक्त सक्यक्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4.5 दिन की अमीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानीस से 30 दिन की समीध, को भी समीध बाद में ज़नाप्त होती हो, के श्रीतर पर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (क) इस यूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश की 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सभ्यक्ति में हितकक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पाछ सिचित में किए वा सकोंगे।

> **अनुसूची** जमीत

एच० श्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायरकर श्रायुक्त (निर्रक्षण) श्रर्जनरोंज, कानपुर

दिनांक 10-9-1985 मोहर : प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रजंन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 सितम्बर, 1985

निर्देश सं ० एम-1405/85-86---- अतः मुझे एच ० आर० दास, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित आजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसका सं 22 एम है, तथा जो भोहवेबाला में स्थित है (श्रीर एक उपाबद श्रनुभूको में श्रीए पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजिस्ट्री रुती श्रीधकारी के कार्यालय, देहरादून म रिजिस्ट्री वरण श्रीधिनियम 1908 (1908 हो 16) के श्रीश्रीत दिना र 8-1-1985

्रिका पूर्वीयत संपरित को जीवत बाबार मूल्य से कम के द्रायमान प्रीराफल के लिए जन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि समापूर्वीयत सम्परित का स्वित बाबार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल के एसे द्रायमान प्रतिफल से पश्चाह प्रतिसत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए सय पाया गया प्रति-कव, निम्ननिधित उद्वेष्य से उक्त अंतरण निधित में बास्तियक कप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वावत, उक्क जिथिनियम के अभीन कर दोने के वितरण के शायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविभा के लिए; जौर/मा
- (क) ऐसी किसी बाव वा किसी धन वा बन्स वास्तियां को, बिन्हें भारतीय वायकर वीधनियम 1922 हैं। 822 का 11) वा बन्त वीधनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के इक्षेत्रनार्थ वन्तियों इसारा प्रकट नहीं किया प्रवा था वा किया बाना वाहिए था, कियाने के सुविधा के निए;

बतः अयः, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— यू० पी० एफ० सी० वेहरादून ।

(अन्तरक)

2. मैं० ग्राई० टं१० ए० सी१० (इन्डिया) कें० लि० 31, बी१० बी१० डी१० बाग, (साउथ), कलकत्ता ।

(अन्तरिती)

3. श्रन्तरितं*।* ।

(बह व्यक्ति जिसके अधिभाग में संपत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता 🜓।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई' भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सर्वीभ या तत्स्वीभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ , जो भी अविभ बाद में सभाप्त होती हो के भीतर प्रविक्त स्थितियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (च) इत स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाक्ष निचित में किए वा सकने।

स्थळीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्छ विधिनयम के अध्याव 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होना यो उन् अध्याय में दिका भवा हैं।

मनुसूची

भूमि नं 22, एम मोहबेवाला , देहराषून स्थित ।

एच० म्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जनरोज, कानपुर

दिनांक 6-9-1985 मो**डर**ु प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निलीक्षण) श्रर्जनरेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 सितम्बर, 1985

निवेध सं 0 1406/84-85— श्रतः मुझे एच० ग्रार० दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 22 है, जितथा जो मोने वाला में स्थित है (श्रीर इस में उपाबद श्रनुभूषि में श्रीर जो पूर्ण रूप विणित है) रिजस्ट्री कर्ता श्रीधवारी के वार्यालय, देहराइन में द्र रिजर्ड्ड एण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन दिनांक 8-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूद्र , उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कांशत नहीं किया गया हैं:——

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबतः, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- राजपुर रोड, (मन्त वेहरादून 2. कॅरिटेप सिस्टमलि०

 कैरिट्रेप सिस्टम लि० बी० बी० डी० बाग, कल हत्ता-700001

(श्रन्तरिती)

3. ग्रन्तरितं। ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में संपत्ति हैं)

को यह तूचना आरी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्षित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

श्रनुसूची कृषि भिम नं० 22, एम मोबेबाला, वेहरादून।

> एच० ग्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज, कानपुर

दिनांक: 6-9-19**8**5

प्ररूप भाइं टी.एन.एस.----

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन त्चना

भारत सरकार

सहाय ह आयकर श्रायुक्त (निरंक्षण) श्रजीन रेंज कानपुर

कानपुर दिनाक 6 रिक्तम्बर 1985

निर्वेश सं० एम─1407/84-85—श्रतः मुझे,एच०ुश्रार० दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं०-एम है था जो मोहबेवाला में स्थित है (श्रीर इससे उपार्वद्ध अनुसूचीमें श्रीर ांगीरूप से विणत , रिजस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी के कार्यालय, देहरादून में, रिजर्ट्रिकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 8-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्के यह विश्वास करने रेका कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरिका (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी अग्य की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर दिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीर निम्नलिमित क्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) यू०पी० एफ० सी०, रापुर रोड, वेहरादून।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं ० होव दिण्डिया लि०,31 बी० डो० बाग,कलकत्ता-1

(अन्तरिती)

(3) भ्रन्तनिसी

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में संपत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितद्व्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण:---ध्समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं नहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्वी

क्विभूमि नं ० 22 एम शोहबेवाला देहरादून स्थित।

एच० भ्रार० दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजनरेंज, कानपुर

तारी**ख**: 6-1-985

महर ≝

प्रारूप आई'.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनमेंज, कानपुर

कानपुर, दिनाँक 12 सिनम्बर 1985

निवेश संबद्ध-119/85-86-- ग्रतः, मुझे, एच० ग्रारव दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं०841, 844, 846, 851,852,853, 858, तथाजो स्थित है (मौर इससे उपाबढ़ मनुसूची मौर पूर्ण रूप
बिंगत है) रिजर्ट्या मिल्या मिल्य

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहुइ किसी बाय की, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियाँ को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा केंतिए;

अतः अग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की एपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमिति कोभारानी सिधानिया पर्ती हमपत सिधिनिया, कमला टावर, कानपुर ।

(ग्रनरक)

(2) मैं ० नन्द कुमार प्रेम कुमार, मण्डो गोबिन्दगढ़, द्वारा जगदीण राम, 201, सिविल लाइन, मुजफ्फर नगर

(अन्तरिती)

(3) ग्रन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिएं कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हितबद्धां किसी अन्य का उन्हें देशा अधाहम्लाक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकींगे।

स्यव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है:

वम्स्ची

भूमि नं ०841, 844, ॉ46, 851, 82, 853 स्रौर 858, मुजदफर नगर ।

> एच**०ग्रा**र० दास, सक्षम प्राधिकारी महायक **भ्रायक**र्थ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानगृर

तारीख: 12-9 85

मोडर छ

प्ररूप सार्वं .टी.एन .एस

नायकर सिंधनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के सभीन स्चना

शारत स्ट्रका

भार्यालय, सहायक आयकर कायूक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रें ज,कानपुर कानपुर दिनाँक,2 सितस्बर, 1985

निदेश सं०एम-138/85-86—— अतः मुझे, एच० श्रार्०, दास.

जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्रधिकारी को यह थिश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं ार-3/22है तथा जो राडनगर, गाजियाबाद में स्थित है स्रोर इससे उपायद्ध स्रनुसूची में स्रोर पूर्णरू वर्णितडु), रजिस्ट्री कर्ताु स्रधिकरी का लिय, गाजियााद - रजिस्ट्रीकरण स्रधि-

नियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 4-1-1985, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मृस्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल के फंड्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का,, निम्नलिखित उद्बेष्य से उक्त अन्तरण निधात में वास्तरिक रूप से किथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण संधुद्द किसी भाव की बाबत, धक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कभी करने या राससे क्चने ये सुविधा के सिए; और/धा
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, खिमाने में सुविधा है लिए;

(1) श्री ग्रजीन सिंह पुत श्रीकरतार सिंह, एफसी-2, कवि नगर, गाजियाबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सन्तो षग्रग्नवाल पत्नी० डी० ग्रग्नवाल, 92, चन्द्रपूरी, ाजियाबाद

(श्रन्तरिती)

(3) क्रोतागगण। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति

_ .

(4) कतागण।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ता-क्षरी जानता हैकि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृथाँकत सम्पस्ति के अर्थन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच हं 45 दिन की जविश्व वा तत्संबंधी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी का की 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबइध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्वष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विदा गया है।

अनुस्ची

मकान य० आर/3/22, ब्लाक-, ३, राजस्गर, गाजियायाः,

एच० श्रार० दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 12--9-85

प्रास्त्य वार्षं .टी .एव .एस . -------

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुधना

भारत तरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर कानपुर दिनाँक 12 सितम्बर, 1985

निदेण सं० एम-13*7|* 5-86—— श्रतः म्झे,एच० श्रार०,

दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विक्लान करने का का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संव केवएसव/50 है तथा जोएनिगर, गाडियाबाद में स्थित है। (ग्रीर इससे उपावड ग्रनुसूची ग्रीर पूर्ण रूप से विण्नि है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में रिजस्ट्रें(-करण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 10-1-1985

कां प्रांक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोदित संपति का उचित बाजार गल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित्ति उद्देश्य से स्वत अन्तरण निस्तित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है : ---

- (क) जन्तरम से हुई किसी जाय की वाधस, स्थल अधिनिजय के अधीन कर वोने के सन्दरक के दावित्व में कभी करने या उससे वचने में स्विधा वी जिस्; अद्वि/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को चिन्हें धारतीय बायखर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) टा प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा अ सिक्;

नतः गम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण म, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमित सुदेश गोयल, पत्नी श्याम न्दर गोयल, 13/13, सीकरी रोड, मोदी नगर, गाजियाबाद

(ग्रन्सरक)

(2) सतीश चन्द्र जैन मुपुत्र श्री लक्ष्मण दास जैन के०सी-41, कवि नगर, गाजियाबाद।

(श्रन्तरिती)

(3) क्रोनागण । (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है) ।

(4) केतागण ।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रक्षोहस्ता-क्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है) ।

व्यं यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के वर्षन के किय कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो के
 अविधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर
 स्थासितयों में से किसी स्थानित ब्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अभोहस्ताक्षरी वं पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दोका, जो उच्कत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिय वया है।

अनुसूची

प्लाट नं ० KM-50 स्थित, कविनगर, गाजियाबाद ।

एच भ्रार० दान, सक्षम प्राणि≗ारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, कानपुर

तारीख: 12-9-1985

प्रारूप आहु .टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपूर

कानपुर, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निदेण सं० एम-148/85-86--अतः मुझे एच० आए०

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' बहुा गया हैं) की भारत 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थान्द सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

श्रोर जिसकी सं० ए-/93 है तथा जो ब्लाक ए, सेक्टर 8 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25-1-1985

को पूर्वोक्त संपर्ति के विश्व वाकार भूक्य से कम के कामगाय इतिकस के लिए अन्तरिस की गई हैं और मुखे यह विस्थात फरने का कारण हैं कि वभाप्योंक्त सम्पर्ति का उपित वाजार अस्य, उसके अवगान प्रतिकस से, ऐसे कामगान प्रतिकस का पेड़ाइ प्रतिकत से अभिक हैं और अन्तर्क (अन्तर्कों) बीड अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्भ के सिए तब पावा देश प्रति-कस निम्निसिस्त उद्देश्य से उस्त अन्तर्भ सिचित में अस्तिब्क रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ज़लारण ने हुई किसी आय की वानता, उक्त अधिनियम के सभीन कर दोने के बंतरक में दायित्य में कमी कड़ने वा उत्तर्थ वचने में सुविधा के निष्कु अधि/वा
- (क) एंसी किसी बाव वा किसी धन वा बन्च वास्तियों को, विन्हें भारतीय ज्ञायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिन्यम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था वा किया धाना चाहिए था, कियाने में वृष्या के पिक्त;

वतः वयः, शक्तः विधिनियम की भारा 269-न सी अनुसरण को, जी, सक्त विधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को वधीर्य, निहर्मीकिस व्यक्तियों, वर्षाद्य क्ष-- (1) श्री जय भगवात सर्मा पुत्र मुशीलाल शर्मा 3 ग्री० डी० ए० स्टाफ क्वार्टर, लोहिया नगर, गाजियाबाद।

(अन्तरक)

(2) आल इन्डिया गार्ड कौन्सिल, 33/7 राजेंन्द्र नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह ब्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के शिसप् कार्यमाहिया करता हुं।

उक्त सम्मित्त के वर्षन के सम्बन्ध में आई भी बाक्रेष्:---

- (क) इस सूचना के उपपान में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी स्पिक्तयों पद सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को औं समिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी स्पवित सुवाय;
- (ब) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब बे 45 दिन के भीतर उन्त स्थाबर सम्पत्ति में हिस-बव्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के बास सिवित में किए वा सकीं।

स्थव्यक्रिरण र सममें प्रयुक्त शर्ग और पर्यों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मना हैं।

यम्स्**ची**

प्रापर्टी नं० ए/93, ब्लाक ए, सेक्टर 8 लोहिया नगर; गाजियाबाद।

> एच० आर० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर द्यायु**क्त** (निरी**क्षण**) अर्जन रेंज, कानपुर।

नारीख: 12-9-1985

मांहर 🖫

मुक्त वाह्रं हों एक एक प्रत्यान

नायकर जिभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

नार्त् सरकार

कार्यालय, सहायक सायकर सायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 सितम्बर 1985

ि निदेश सं० एम—151/85—86——अत: मुझे एच० आर० -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 1,00,000/-क से अधिक हैं

स्रीर जिसकी सं० 5/24 है तथा जो राजनीए में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में स्रीए पूर्ण रूप में वर्णित हैं), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में; राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान् विकास के लिए जन्तिरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति था उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया म्या प्रतिफल निम्निसित्तित उद्वेश्य से उक्त अंतरण सिविक वे बास्तविक कप से अधित नहीं किया गया है रू---

- (♥) मृत्यपुरण ध्रं हुइ किसी बाय की वावस्, उक्स विश्वित्रम् के नभीन कर दोने के भृत्यक के यादित्य में कमी करने या उससे वजने में कूर्यिया के तिए; ब्रोर/वा
- (व) ऐसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कट्ट अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्याय प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविद्या के लिए।

क्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में अमें, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निंशिंसर व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री पदमावती देवी
पत्नी हर प्रकाश मलिक,
द्वारा मुफतान इन्जीनियसँ,
मीर जुमला, लाल कुआं,
देहली।

(अन्तरक)

(2) श्री निरंकार प्रसाद अस्थाना सुपुत्र श्री ए० पी० अस्थाना, व अन्य आर-7/बी-4 राजनगर, गाजियाबाद।

(अन्तरिती)

को शह सूचना चारी करके पूर्वोचत् सम्पृत्ति के सूर्वन के सिक्ष कार्यवाहियां सूच्य करता हुई।

उक्त सम्पृति के वृष्ण के सम्बन्ध में कोई भी जासेथ :---

- (क) इस बुष्या के रावप्त्र में प्रकाबन की तारीब ह 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर सृष्या की तामीन से 30 दिन की अवृधि, यो अ बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीकर स्थितत्यों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के एकपण में प्रकाशन की तारीक ' ली 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनदृष किसी जन्य व्यक्ति व्लाग अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकोंगे।

स्वत्यक्षेकरण :— इसमें प्रयुक्त बन्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के बन्धाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अन्धाय में दिया पदा हैं क्षे

अनुसूची

ण्लाष्ट नं ० 5/24, राज नगर, गाजियाबाद।

एच० आर० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 12—9—1985

मोहर 👙

नामकार सिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सुम्बा

MINE STATE

कार्यम्य, सञ्चादक वायकार नावृत्रत (निर्दाश्य)

अर्जन रेंज, नानपुर

कानपुर, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निदेश एम-2550/85-86--अतः मुझे, एच० आर०

दास

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहेंचात् 'उक्त अभिनियम' कहा क्या हैं), की चारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्नौर जिसकी सं० 669 है तथा जो अलीपुर अटोरना में स्थित है (ग्नांप इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यानय बुढाना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25-1-1985 को

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मृष्य से कम के दश्यमान स्तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने की कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृष्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशक्त से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) जीर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया/प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण किखित में बास्त्विक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण चं हुइं किसी माथ की बावत, उन्तर अधिनियम के जधीन कर दोने के बन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) एसी किसी जाय या किसी वन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, वा धन-कार जीधित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्दिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था. कियाने में सुनिया के लिहा;

कतः अव, खंबत विधिनियम की भारा 269-ण से जनुतरण को, मी उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को अभीनः, निम्नलिखित व्यक्तिस्टें, अर्थातः— (1) श्री राजेन्द्र कुमार पुत्र शिवदयाल, अलीपुर अटारमा, बुट्रामा, मुजफ्फरनगर।

(अन्तरक)

(2) श्री रामनपायन, नकली, श्रोमबीर, श्रोमबीर, ग्राम लीलोन, शामली, मुजपफरनगर।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह ब्यक्ति, जिसके अधिभोग में मम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके प्योंक्स सम्पर्तिः के अर्जन के सिए कार्यकाहियां करता हुं।

जन्म संपत्ति के वर्षन् के संबंध में कोई भी वाक्षेष :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 पिन की अविधि सा त्रसंबंधी स्थितित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी स्थित बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र प्रविक्त स्थिति से सिंही स्थिति स्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्रीकरणः — इसमें प्रमुक्त प्रवर्षे बीए पर्वो का, जो अवह अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवस गया हो।

अनुसूची

भूमि संख्या 669, अलीपुर कटोरना, बुट्राना, मुजप्फर नगर स्थित।

> एन० आर० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 12-9-1985

मोहर १

प्रकप् आहे.डी.एन्.एस..------

नायकर मुभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के वभीन सुचना

भारत बहुका

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निदेश सं० एम-262/85-86--अतः मुझें एच० आर० बास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त मधिनियम्' कहा गया हैं), की भारा 269-ध के मधीन सक्षम प्राधिकारी की, वह विकास करने का काउन् है कि स्थावर संधीत्त जिसका अजित बाजार मृत्य

1,00:000/- रु. से अधिक हैं
भ्रीर जिसकी सं० — है तथा जो निरजनपुर में स्थित है
(भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणत
है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 5-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विद्यास करने का कारण है कि स्था पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिकल से एसे रहयमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखत उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्वारण से हुई कि वी साथ की शन्त, उपक विश्वित्व से स्वीप कर दोने से संतरक के वाजित्य में क्यी खुरने वा क्यूड़े क्यूने में सुनिधा के किए; ब्रीहर्श्या
- (क) वृथी किसी शाय वा किसी शुन वा सम्य वास्तिनी को, जिल्हें आरतीय वानकार वाधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तिरती ब्यारा प्रकट नहीं किया नया या या सिया वाना वाहिए था, छिपाने में सृतिया के सिहा;

(1) श्रीमती श्यामादेवी, 19 धरमपुरा, देहरादून।

(अन्तरक)

(2) भागीरथी सहकारी आवास समिति लिमिटेंड, 39 राजपुर रोड, देहरादून।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह ब्यति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना बारी काउन्हें पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्वन के निए कार्यनाहियां करता हूं।

सकत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वाम के राज्यक को अकाशन की तारींब है 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वाम की तामील से 30 दिन की खबिध को भी वबिध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्च व्यक्तियाँ में स किसी आकित द्वारा;
- (ख) इंड सूचना के रावपुत्र में प्रकाशन की शास्त में 45 विष्कृ के भीवर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितन्युक् किसी अन्य स्थावित द्वारा, अभोहस्ताक्ष्री के पाछ लिखित में किए पा ककोंगे।

स्वकाकरण: ---इसमें प्रयुक्त करूपें और पदों का, वा अक्ट विभिन्निय के अध्याय 20-क में परिभाषिद है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया यस है।

अमुसूची

सम्पत्ति माजदा निरजनपुर, देहरादून।

एच० आर० दास सक्षम प्राधिकारी ष् सहायक आयकर आयुत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

ब्तः अन्, उक्त अधिनियम्, कौ भाग्र 269-ग कै कन्तरण बै, बैं, उक्त बिधिनियम की बारा 269-ए कौ उपभाश्च (1) वै वर्षीन्, निम्हीनवित स्वित्यमें वर्षांच्या

तारीख: 12-9-1985

वस्य भाद^र.टी. एन. एस., -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

बाइद सुरकात

कार्यात्तय, सहायक नायकर नायुक्त (नि<u>र</u>क्तिण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 सितम्बर, 1985

निदेश सं० एम-266/85-86--अनः मुझे, ए च० आर० दास

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसकें इसकें पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के वधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर कमरित. विश्वका जीवत वाचार भूरव 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं 184 है तथा जो हसनपुर से स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यानय, दादरी में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-1-1985

कि पूर्वोक्त संपृत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृद्ध, उत्तक व्यवमान प्रतिफल से, एसे व्यवमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के निए तब पाया प्रवा प्रतिक क्य विश्वमित्तियों विद्यों से उच्छ अन्तरण कि कित में बास्तिक क्य वे अधिक महीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय का वावत, उनत विविध्य के व्योग कर दोने के अन्तरक वो दानित्व में झानी कहने ना कच्छा नचने में बृदिना के सिह; कांद्र/या
- (क) एंसी किसी शाव वा किसी भव या जन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1722 का 11) या उक्त अभिनियम, ग्रा थन-कर अभिनियम, ग्रा थन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) अर्थे अयोजनार्थ अंतरिती दुभारा प्रकट वहीं किया गरा था या किया जाना जाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

भधः अतः, उत्तर निधितिवस् की भारा 269-न की वाबुदरक में, भैं, उत्तर अधिनियम की भारा 269-क की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- शब्बीर हुतेन

म० नं० ११ पटेल रोड,
नई विल्ली।

(अन्तरक)

(2) आणा पुष्प सहकारी आवास समिति निमिटेड, 653 हमनपुर, नोनी, दादरी, गाजियाबाद।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सुचना जारी करकें पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्त सन्त्रित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ⊱

- (का) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज है 45 दिन की जनभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्स व्यक्तियों में दे किसी व्यक्ति इसारा,
- (क) इस न्यान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन के मीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबबृध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिश्चित में किए या सकेंत्रे।

स्वकाकरण्ड-द्वमे प्रयुक्त वृत्यों कीर वयों का, को कवस श्रीप्रिक्त, से बच्चाय 20-क वो व्हिरशायिक हैं अही वर्ष होगा को उस सम्बाद में दिवा नेवा हैं।

अनुसूची

भूमि नं० 184, ग्राम हसनपुर, लोनी, दादरी, गाजिया-बाद।

> एच० आर० दास मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज 2, कानपुर

दिनांक: 12-9-1985

भागकर निभिनियन 1961 (1961 का 43) की भार। 269-व (1) के अभीन स्वता

नारुत सरकार

कार्यासय. सहायक कायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 12 मितम्बर, 1985

निदेश सं० एम-319/85-86--अत: मुझे,एच० आर०

षास

कायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 122 ई तथा जो हलपुरा में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुलन्दणहर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कम, निम्निचित उद्योदय से उक्त बन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से क्रियत नहीं किया वया है:---

- (क) अन्तरक से हुई किसी जाय की बावतः, उक्त जीभीनवस से जचीन कर दोने भी अन्तरक ती वाजित्व में सभी करने या उत्तवे बचने में स्विभा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ब्रुक्तक, अ्व, उक्त मधिनियम, की धारा 269-य की अन्सरक वि. में . ब्रुक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (१) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

(1) श्रीमती सावित्री देवी पत्नी स्व० छित्तर सिंह शर्मा ग्राम-—हालपुरा, शिकारपुर, बुलन्दशहर।

(अन्तरक)

(2) श्री नेत्रपाल शर्मा, श्री चन्द्रपाल शर्मा श्री इन्द्रपाल शर्मी एवं अन्य

> ग्राम—हालपुरा, शिकारपुर, बुलन्दशहर।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है ।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपन संपरित को अर्थन को संबंध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि दा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो अही अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करें व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (व) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सर्कोंगे।

स्वच्छिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, को सकत विभिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में विया वया है।

अनुसूची

भूमि संख्या 122, ग्राम--हालपुल, शकरपुर, बुलन्दशहर

एच० आर० दास सक्षम प्राधि हारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज−, कानपुर

दिनांक: 12-9-1985

मोहर 🖫

प्रकप बार्च, डी. एन. एस

बायकर बंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा २०५०-घ (1) के एशीन मुख्या

भारत सुरकार

आयां जब , सहायक जायकर जानुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निदेश सं० एम-326/85-86--अन. मुझे, एच० आर० दास

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके पश्चार, 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की श्रारा 2'69-के ली अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृश्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 457-462 है तथा जो मोखपुर में स्थित हैं (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय महारमपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-1-1985

को पृथोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के अध्यमान क्रिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वीमर संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमें उद्यमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिशत से अधिक है बौर अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रति-अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रति-अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण अन्तरण में जिक्कित वास्त्यिक अप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बच्चारम सं शुर्द सिक्की साथ की अधित उक्क विधितिकत में सभीत करूर दोने को जन्तरक को अभिरम में सभी करूने वा उत्तते वचने में सुनिधा के निष्; सीद्/वा
- (क) ऐसी किसी नाव वा रिक्सी भन वा जन्म शास्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर विधिनयंत्र, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियंत्र, वा भन-कर अधिनियंत्र, वा भन-कर अधिनियंत्र, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती दुशारा पकट नहीं किया गया या किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविका वे तिकः।

क्षतः अल, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुस्रण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
7—276GI|85

(1) श्रीमती बुगली पत्नी सलीमुद्दीन ग्राम-⊶शेखपुरा कदीम, सहारनपुर।

(अन्तर्क)

(2) स्टार पेपर मिन्स को-आपरटिव क्रेडिट मोसायटी, सहारनपुर द्वारा श्री ग्रो० पी० भारद्वाज, मचिव।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित को अर्थन को सम्बन्ध में कोई आक्षेप '--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी जबिध कार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्थान के राज्यभ में प्रकारन की तारीय के 45 किन के शीवर उक्त स्थानर कम्मस्ति में हितनक्ष किया क्यांक्स्ताकारी के पाल किया में किए का सकींगे :

स्थान्द्रीकरणः --- इतमें प्रमुक्त कन्दों और पर्दों का, जो उनस विभिन्नियम के अध्याम 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा को उस कृष्याम में दिवा न्या हो।

बग्रुची

भूमि सं० 457, श्रौर 462 ग्राम शेखपुरा कदीन, सहारनपुर।

> एच० आर० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरोंज, कानपुर

दिनांक: 12-9-1985

इक्स भार् . टर्न . **२**५० जुस ,————

भायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत परकार

कार्यासय, सहाधक आयकर आयुक्त (निरीक्क) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निदेश सं० एम-327/85-86--अतः मुझे, एच० आर० दास

भागकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के जधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उर्वित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से विधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 66 ई तथा जो दरामिल हाना में स्थित है (श्रीर इसस उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहारतपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 जा 16) के अधीन तारीख 18-1-1985

का पूर्वोक्त सम्परित के अधिक बाबार मूल्य से काम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्स सम्पत्ति का जीवत बाबार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिस्ता से अधिक है और जंतरक (जंतरकों) और जंत-रिती (जंतरितिकों) के बीच एसे जंतरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नीलिक्त जब्दोस्य से जवत जंतरण निविक में बास्तविक रूप से करियत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण ने हुई किसी शाय की वास्त्र, उस्त्र जीभिनियम के सभीन कर दोने के अंतरक के दाजिएक में कदी करणे वा उसते सचने में तृतिका के सिक्श कर्रि/वा
- (च) ऐसी किबी बाय या किसी धन वा बन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्य अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाना जाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण के, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

(1) श्री हाजी निम्ना पिसर ईसमाइल मो० किपियान खालापार, सहारनपुर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुमिता देवी
पुत्ती स्व० जगत सिंह,
ग्राम—धुन्ना, सहारतपुर
व श्री राजकुमार,
राजसिंह
पुत्रगण बलवन्त सिंह,
रन्डौल, सहारतपुर।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

का वह ब्रुपना भारी कारक पृत्रक्ति सम्पोल क अभन क लिए कार्यवाहिमां करता हूं।

उपक सम्मति के अर्थन के सम्मन्ध में कोई भी नामांच क्रना

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की हारिक से 45 विज की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की जनिथ, जो भी जनिथ वाद में बनापत होती हो, के भीतर पूर्वा की स्थानत होती हो, के भीतर पूर्वा की
- (क) इस तुमना के राजपण में प्रकाशन की सारीय के 45 दिन के मीतर उक्त स्थादर तैपीका में द्वित-बद्ध किसी अन्य स्थानत व्याद्धा अधोहत्ताकारी के पास किस्तिस में किए वा सकीने।

अनुस् बी

भृमि संख्या 661, ग्राम--द्रारा मिलकाना, सहारनपुर ।

एच० आर० दास , सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 12-9-1985

माहर 🖫

प्रसंप बाह्र दी . स्व . एक . ------

आयकार विधिनियम, 1961 (1901 का 43) की भारा 269-च (1) के बभीन सुचना

भारत बहुत्वारु

आर्थालक, महासक बायफर आस्क्स (निर्दाशक) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निवेश सं० एम--345/85-86---अतः मुझे, एच० आर०

दास

भावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसके इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, विश्वका जीवत बाजार मूक्य 1.00,000/- रह. में अधिक हैं

श्रीर जिशकी सं० हैं तथा जो हापुड़ में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबक अनुसूची हू श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिनस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हापुड़ में, रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-1-1985

किने पृथोंकत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के कायनान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्णोंकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान अतिफल में ऐसे दश्यमान अतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए लय पर्या स्था प्रतिपत्त । निम्मीनायित उम्दोश्य से इसत मन्तरण निम्मीनायित उम्दोश्य से इसत स्था है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबस उक्क अभिनियम के अभीन कर दोने के अक्तरक के बायित्व में कमी करने वा उत्तर्ध वचने में सुविधा में किए; और/वा
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आफितयां को, चिन्हें भारतीय बाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया वा वा विश्वा बाना वाहिए वा विवान में हुविभा जे विव्यः

बतः बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निक्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्रीमती कृष्णा रानी धर्मपत्नी श्री विलोक सिंह निवासी पंजाबी विल्डिंग, रेलवे रोड, कबाड़ी बाजार, हापुड़।

(अन्तरक)

(2) श्री आकेस चन्द्र जैन सुपुत्र श्री पूरन चन्द्र जैन सी-2/19, माडेल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरिती)

(3) ऋतागण।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

(4) ऋतागण।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

कां यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सपरित के वर्जन के निक् कार्यवाहियां कुरू करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के उपध्यत्र में प्रकाशन की तारीस इं 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 विन की अविध, को शी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध
 किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी के पाल
 लिखित में निष्य में सिकंग।

शास्त्रीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मनुसूची

खेती की भूमि स्थित हापुड़ जिला गाजियाबाद।

एव० आर० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 12-9-1985

प्ररूप आइ^६.टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज कामपुर

कानपुर, दिमांक 12 सितम्बर 1985

निदेश सं० एम-348/85-86-अत: मुझे, एच० आर० दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनिम' कहा गया हों), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित्र बाजार मृल्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

भौर जिसकी सं० है तथा जो हापुड़ (गाजियाबाद) में स्थित है (भौर इसस उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री क्रि अधिकारी के कार्यालय हापुड़ में, रिजस्ट्री करण अयधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18 जनवरी 1985

को पूर्वोक्त संपति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अंतरण से इर्ड़ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री गुरबक्श सिंह सुपुत्र श्री बलवन्त सिंह पंजाबी बिल्डिंग, रेलवे रोड, कवाड़ी बाजार, हापुड़।

(अन्तरक)

(2) श्रीं सतीश चन्द्र जैन सपुत्र श्री बीरोमल जैन निवासी पुष्प विहार, जैन लोक, कोठी गेंट, हापुड़, जिला गाजियाबाद।

(अन्तरिती)

(3) ऋतागण।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है ।)

(4) ऋतागण।

(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह स्म्परित में हितबह्ध हैं) में हितबध है ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील असे 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, लों भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी व पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषिर हैं, यहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय गया है।

अनुसूची

खेती की भूमि स्थित हापुड़, जिला गाजियाबाद।

एच० आर० द्वास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अध्युक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर ।

तारीख: 12-9-1985

प्रचय कार्ड . ही . एन . एस . -----

सामकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधकर आयुका (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपूर

कानपुर, दिनांक 6 जिनम्बर 1985

निदेश सं० एम⊶353/85, 86—⊶अतः मुझे, एच० आर०

दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 1467 है तथा जो माजरा शिवपुरी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहारम पुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-1-1985

कुरे पृथेक्ति सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल सं, एसं द्रायमान प्रतिफल के पंद्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसं अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दोष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त आंधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अश्रि/या
- (का) एंसी किसी आग या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रश्रोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अक्ता चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

जतः अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उबत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) डे अधीष, निम्निलिखित व्यक्तिस्यों, श्रथति :--- (1) श्री रतीराम पुत्त हरमल ग्राम वाजिदपुरा, मजरा शिवपुरी सहारतपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री बुद्धूमल पुत्र सूरजमल ग्राम चौरपुर कला, मुजफ्फराबाद, सहारमपुर।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(बह ब्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितद्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकर्णः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया ही।

भनुसूची

कृषि भूमि सं० 1467 माजरादास शिवपुरी सहारनपुर स्थित।

> एच० आर० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कामपूर।

तारीख: 6-9-1985

प्रकल नार्धः दी ्युनः एरः : ------- **

आयंकर अधितियंस, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-स (1) की अभीन सुचका

ALEG STATE

कार्यासय, सहायक नायकर नायकः (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 सितम्बर 1985

मिदेश सं० एम-361/85-86-अतः, मुझे, एच० आर०

दास

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त निधिनयम' कहा गया हैं), की बारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निकास कर्ष का कारण हैं कि स्थानर संपत्ति जिसका सजित नाबार मूर्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० अमर कोल्ड स्टोरेज !/10 भाग है तथा जो हापुड़ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हापुड़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 18-1-1985

को पूर्वेक्त संपत्ति को जोचत बाबार मूल्य सं कम के सरमान मिफल को लिए अन्तरित की एक तै जोर मुक्ते यह विद्यास करने का नगरण है कि अभापमांचत सम्परित का जिल्ल माणार मृत्य, उसके सम्यमान प्रतिफल मे, एसे सम्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिवात से निधक है नौर नंतरक (नंतरकों) नीर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण को लिए तब पामा च्या प्रतिक्त का निम्निनिवित बच्चेक्स से उक्त सन्तरण निक्ति में बास्त- विक रूप से किश्त नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण के हुई जिल्ली आम की बाबत छमत अधितियक के अधीन कर देने के अन्तरक दायित्व में क्यी करने वा बचने कलने के सुविधा के बिद; अदि/वा
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, विन्हें भारतीय जायकार अधिनियम, 192% (1922 का 15) या उक्त अधिनियम, ता धन कर अधिनियम, ता धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जे प्रयोजनार्थ अस्तिरती इवारा प्रकट नहीं किया रूपा था किया बाजा बाहिए था, कियाने में बृधिका के लिए;

बतः वन, सकत विधितिकम की भारा 269-म की कन्सरम में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह्— (1) श्रीमती कृष्णारानी पत्नी स्व० श्री तिलोक सिंह निवासी पंजाबी बिल्डिंग, रेलवे रोड, कबाड़ी बाजार, हापुड़, गाजियाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री सुभ चन्द्र जैन पुत्र श्री पुरन चन्द्र जैन निवासी सी-2/19 माडल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरिती)

(3) केतागण।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

(4) ऋतागण।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को सङ् सूचना चारी करको पूर्वोक्त संपरि को वर्षण के सिक् कार्यवाहियां करता हो।

क्यत सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में क्रेड़ भी आखेंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराध है 45 दिन की जबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तितमां कृष्ट सूचना की तामीस से 30 दिन की व्यक्तियां की स्वीध नाद में समाप्त होती हो, की मीनर पूजीर स्वीमता में से किसी स्वीमत व्यक्ति;
- (व) इत त्या के राजपन में प्रकाशन की तारीश स 45 विम् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किती अन्य व्यक्ति क्यारा मधाइस्ताकरी के शक दिविकत के किस वा बक्तेंगे।

स्वष्यीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय भें विशा वदा ही।

अनुसूची

खेंती की भूमि स्थित हापुड़, जिला--सहारमपुर।

एच० आर० वास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 12-9-1935

प्ररूप आर्^{*}, टी<u>.</u> एन_ः एक_{ः स्ट}---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याचन, सहावक वायकर वानुसर (निरीसण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 सितम्बर, 1985

ं निर्देश सं० एम⊸403/85—86—–अतः; मुझे, एच० आर० दास

वानकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसमें दश्यात् 'उक्त विधिनयम' कहा नवा हैं), की पारा 269-थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरिता, विभाका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० — है तथा जो हापुत (गाजियाबाद) में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय हापुड़ में, रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-1-1985

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नहीं है और मुक्ते वह विश्वस कार्य हो कि यथाब्जोयन संपर्धन का उपित बाजार मूल्य, उपक इत्यमान प्रतिफल में एर्म अन्यमान प्रतिफल के सन्तर्भ से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरम के लिए तय गांगा गया प्रतिफल, जिन्नोनिबत उद्वेश्य से उक्त अन्तरम निविज के वीच एमें अन्तरम के लिए तय

- (क) भंतरच से हुई किसी भाग की वाबता, उक्त अधि। भग्न के अधीन कर वोने के अन्तरक की दावित्व में कसी करें का उससे वचने में सुविधा के निष्; और, भा
- (क) एसी किसी बाम या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर शिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा चे किए।

कतः लवः, उक्त अधिनियमं कौ धारा 269-ण के अनुसक्त में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) माल्यीन, निम्निमिलित व्यक्तियों, अर्थातः;— (1) श्री हरथेन्द्र सिंह सुपुत श्री तिलोक सिंह निवासी पंजाबी विविद्धग, रेलवे रोड, कबाड़ी वाजार, हापुड़।

(अन्त्रक)

(2) श्री संजय कुमार जैन मुपुत श्री सुरेश चन्द्र जैन निवासी चन्डी रोड, हापुड़, जिला गाजियाबाद।

(अन्तरिती)

(3) क्रेतागण।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

(4) ऋतागण।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितग्रज्ञ है।)

नो बह सूचना चारी करनी पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के सिए कार्यवाहिया करता हो।

उपत संपत्ति के नर्जन के श्रंबंध में कोई भी बाक्षेत्र ह---

- (क) इत त्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीय ते 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपति के हितबद्ध किसी अन्व स्थावत व्यारा अभेहस्ताकृरी के पात लिबित में किए आ सर्कार।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रमृक्त शस्यों और पदों का, जो उक्त अधिनिषय के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

खती की भूमि स्थित हापुड़, जिला⊸-गाजियाीिद।

एच० आर० दास नक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 12-9-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचक

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, कानपूर

कानपुर, दिनांक 12 रिलम्बर 1985

निदेश सं० एम-४०४/85-86---अतः, मुझे, एच० आर० वास

भारकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाठ 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उपित बाजार मृज्य 1,00,000/- गर. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० 550 है तथा जो मकन्दपुर में स्थित है (श्रीर इसमे उपावद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दादरी में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-1-1985

को प्रवित्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृन्य से कम के स्वयमान प्रितिफल के लिए जन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित्त सम्पत्ति का उचित नाजार मृन्य, उसके, स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंचह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के नीच एसे जन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिक्षन फन निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त जन्तरण निम्निलिखत में नास्त- विक क्य से कथित उद्देश्य से उक्त जन्तरण निम्निलिखत में नास्त-

- (क) जन्तरण संधुदं किसी बाब की बाबत उक्त जाभ-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या प्रथम बचने में सदिधा के भिष्म, नीर/या
- (क) एवी किसी जान वा किसी थन वा अस्य आस्तियों को, जिस्हें भारतीय जान-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने थे सुनिधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण अर्थ. मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (१) वैस्तरीन, निम्निलिखन व्यक्तियों अर्थात :— (1) श्री रघुबीर पुत्र नरपत मकनपुर, लोनी, गाजियादाद।

(अन्तर्क)

- (2) हिन्डन रीवर महकारी आवास ममिति लिमिटेड साहिबाबाद। द्वारा सचिव श्री ग्रोमप्रकाण शर्मा (अन्तरिती)
- (3) अन्तरिती। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पति है)।

को यह सूचना आरी करके पूर्वोंक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यनाहियां सूक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्था में कियू वा सकते ।

स्यब्दिकरणः ----इसमें प्रयुक्त सम्बो और पवो का । जो उक्त विभिन्यम के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं। वहीं वर्ष होगा को उस वध्याय में दिया नवा हैं॥

अनुसूची

कृषि भूमि, ग्राम⊸मुकन्दपुर-लोनी, गाजियाबाद स्थित ।

एच० आर० दास सक्षम प्राधिकारी ृ सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपूर

दिनांक: 12-9-1985

मोहर ः

प्ररूप बार्ड टी. एन. एस.,-----

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की शाहर 269-व (1) के अभीन स्वाना

भारत सरकार

कायांलय . सहायक अध्यक्तर सायक्त (निरक्षिक) अर्जन रेंज, कानपुर

कारपुर, दिनां रु 12 जिल्ह्मबर 1985

तिवेश सं॰ एम-405/85-86--अतः, मुझे, एच॰ आर॰ दास

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसमें प्रथात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 26 - अब के अधीन सक्षम प्रधिकारी के यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सम्ब 1,00.000/- रा. से अधिक हैं

भौर नित्रकी सं० 6/19 है एया जो कल्यान नगर में स्थित है (भौति इतमे जलबाब अनुपूची में भौर पूर्ण रूप में विश्वत है), रिस्ट्री जी अधि तरी के कार्याक्षय मेन्ठ में रिस्ट्रिक करण अधित्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख 5-1-1985

को प्वेषित सम्पत्ति के उचित बाजार मत्य से कम के स्वयमान प्रितफल के लिए कन्तरित की गई है और मभे यह विष्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके स्वयमान प्रतिफल के एसे स्वयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और संतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अन्तिमित्रों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब पाया नवा प्रतिफल निम्मित्रिक उद्योग्य से उत्त अन्तरण लिखित में सारतिक कष से किण्य नहीं किया गया है :——

- (अ) क्रम्भगण मं हुई किसी बाब को बाबस, उस्क अधिनियम के बधीन कर दोने के बन्सरक के दाकित्य में कमी अरने या उसमें बचन में सुविधा के निए; भीष्ट/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियाँ का, जिन्हों भारतीय आयक र सधिनियम 10.9% (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशासनाथ सन्धारित द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया अस्त चाहिए था छिपाने घैं सुविधा के लिए:

(1) श्री रघुकीर सिंह 6, इक्याण नगर, मेरठ।

(अन्तरक)

(2) श्री रमेश प्रशाद भटनागर। 109 न्यू माइल पुरी, मेरठ।

(अरारिती)

(3) अन्तरिती।

(बहु ब्यक्ति, जितके अधिभोग में सम्बद्धि है।)

का यह स्वान जारा करक प्रवासित सम्पन्ति क अर्जन का निर्ण कार्ययाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस संधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविधि या तत्यम्बन्धी स्वित्तयों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त श्रिक्तियों में से किसी व्यक्ति व्याराः
- (क) इस स्चना के राजण्य में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अभाग्य 20-क में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

नन्त्वी

एक मकान नं० 6/19, करयान नगर, मेरठ।

एच० आर० राप्त सक्षम पाधि हारी सहायक आयकर आपृक्षः (िरीक्षण) अर्जन रेंज, काः.पुर

हारीख: 12-9-1985

प्ररूप भाइं.टा.एन.एस.-----

नाथकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के निभीन सूचना

नारतं सरकार

कार्यात्य सहायक कायकर नायकर (निरीक्षण) अर्जाः रेंज, काः:पुर

कारपुर, रिपांक 12 सिएम्बर 1985

िदोर वं∘ एम—407/85—83—— (ा, मुते,एच० आए० दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समाचि, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00 000/- रु. से उधिक है

भौर ितकी सं० — है तथा जो त्युड़ में थ्यां है (ग्रीर इतमे स्पाद वन्ति में ग्राम पूर्ण का ने तिणा है), रिदी तो अधितरी के त्यांप्य, हापुड़ में, विद्वीतण अधियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत रीख 18-1-1985

को प्रवेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्षणमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उम्म अंतरण लिखित में पस्तिक रूप से कीथत नहीं किया गया है .——

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधि-नियम के अधीन कर दनें के अतरक के दायित्व में कमी करने या उसस बचने में सुविधा के लिए; आर्रिया
- (ख) होसी किसी आब या किसी धन वा अन्य ब्रास्टियों को जिस्हा भारतीय आयकर ब्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त ब्रीधिनियम, या धन-कर ब्रीधिन्यक, 1957 (1957 का 27) के ब्रियोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपान को सुविधा के लिए;

अतः अवः जन्म क्रीधिनियम की धारा १६०-म के अनमरण में, में, जन्म क्रीधिनयम की धारा १६०-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्--- (1) श्री जनर सिंह सुनुत नरकार वाजनर जिंह दिवाती पंजिति विलंदन, रेनन रोड, कवाड़ी बाजार, हापुड़ा

(ग्रन्तरक)

(2) श्री अिल्ल कुमार जैन सपुत्र श्री भोंदूमा जैन, िल्लासी चंडी रोड, ह.पुत्र ।

(जन: इंसी)

(3) केलगण।

(बहु व्यक्तिः), निक्रंग अधिनीय में अम्प्रोत है।)

(4) क्रे.सगण।

(कः बानिः, सिके बारेमें त्यों-ह्ता गरी कानक है कि बहु सम्बत्ति में हि.जद है।)

को ग्रष्ट सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए भगवा। हुगा शुरू करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस मुचना के राजपन में प्रकाशन की तारीक की 45 दिन की अशीधि या तत्मत्रधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस म्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर मन्पत्ति में हितबस् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पार्विखत में किए जा संक्रेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त मि नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. बही अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया है

बन्स्ची

खेती की भूमि स्थि: हापुड़, जिला गाजियाबाद।

ए**व० आए० दा**प सन्नत्र नामिज्ञेरी सहायक आप्रजर आयुक्त (िरीज्**क्स**) अर्जन रेंग, नाम्पुर

तारीख: 12-9-1985

माहर:

प्ररूप नाइंटी एन एस . -----

कायक विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

शारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नाःपुर

कारापुर, दिनां र 12 तिसम्बर 1985

िदेत सं० एम-410/35-83--- ाः मुते, एव० तार० दास,

शायकरं बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें श्रमके धृष्यात 'उक्त बिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार सृख्य 1,00.000/- रठ. से अधिक है

भी शिक्षा सं० 73 है तथा जो शिखा में थिया है (भीर इ.ते च्या खाता त्या में भा पूर्ण का त विणा है), चित्री ता जवितारी है तमिल हिंदिया में, रास्ट्री तण अबितिनम, 1908 (1908 जा 16) जे अधी तारीब 19—1—1985

को पूर्वाक्त सम्पास के उचित बाजार मूलों से कम के दशमान प्रतिफल के लिए अतरित की गई है और मूफों यह विश्वास कर का कारण है कि उक्ष्मप्रकार में मार्ग का उन्तित बाजार मूल्य उपके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर रिती (अन्तारातया) के बाच एस अन्तरण के लिए तय पाद्या नया अतिफल निम्नालीकत उदयव्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिषक रूप संकिथित नहीं किया नया है :---

- (क) बन्तरण से दूर्व किसी बाय की बाबत उक्त बाधिनयस के बधीन कर दान के बन्तरक वह दासित्व में केमी करने या उससे बचन से सुविधा के लिए, बार/धा
- (ख) ऐसी किसी अाय या धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था. छिपान में सुविधा की लिए,

जत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गीरेज कुनार पुत्र श्री हर सार जिह, कि नं 133/गहर 3, जंकार 3, भार है में इन ि ि, गांगपुर, हरिखार, जिस सहारापुर।

(वहारह)

(2) श्री ओम मजाज जानता सुपुत श्री कोहमदा, कातरा, 132, दया पिना नार्ग, सराजा थ पार, हुँआर, जिस अहारापुर।

(अस्तीःती)

(3) के :रगग।
(वह बर्ति:, शिशके अधियोग में
सम्प्रीत है।)

(4) के प्राया। (वह व्यक्तिः, ितः वारे में ाबो-हः प्रारी त्यः है कि वह अमृति में हिक्क है।)

को यह अखन कारी करक व्याक्त सम्पात्त वै वर्षन वे लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षर:--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि था तत्सवधी व्यक्तियों पर सकता की नामील स 30 दिन की अवधि, जो भी सवधि बाद में समाप्त होती हो, के कीतर पूर्वों कर स्थाप्त यो में से किसी व्यक्ति बुवारा,
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास् सिमास्त का क्षाकर वा सकर्य।

स्यक्षीकरणः — इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उनक्ष अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टिक है, बहा अधे हागा जा उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

म गातं । 73, िया तका विज्ञात कालोती, देहती रोड, इंद्रिया, जिस जहारासुर।

> एच० आर**० दाम** सक्षत्र गापित्**री** सर्वित्रवास्य हात्वा (विदीत्रिय) अस्य देत्, *बरा*पुर

तारीज: 12-9-1985

माहर :

प्ररूप मार्च. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाख 269-व (1) के अधीर सूचरा

भारत सरकाद

कार्यालय, सहायक क्षायकर क्षायक्त (निरीक्षण) अर्जंभ रेंग, कातपुर

कानपुर, दिनांक 12 जिलम्बर 1985

िदेश सं० एम-414/85-86--अः मुझे, एच० आर० दास,

बायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,009/- रु. से अधिक है

धौर जि.की सं० 97 है तथा जो चिकम्बरपुर में स्थित है (आर इउस उपावक अनुभूषी में आर पूर्ण रूप से विणित है), रिक्ट्रिज़िन अधिजरी के कार्यालय दारी (गाजिज-बाद) में रिजिट्रीजरण अधिजिम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख 11-1-1985

का प्रांक्त सम्पादित के उचित बाजार मूच्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विद्यास करन का कारण है कि यथा प्रांक्त सम्पास का उचित बाजार मूल्य, उसक दश्यमान प्रतिफल स एस दश्यमान प्रतिफल के मन्द्रह प्रतिशत स अधिक है और (अतरकाँ) और अतरिती (अतरितया) के बीच उसे, अतरण के लिए तय पाया गया प्रांतफल, निम्नालोखत उद्वश्य स उसे कि प्रांत का स्वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बल्लरम संहुर किसी बाय की बायत उक्त किया निवस के अभीम कर बाव के अन्तरक के दायित्व से कसी करने या उससे बचने में सुविधा के सिबं; बीर्/बा
- (क) एंसी किसी बाब वा किसी धन बन्य आस्तिओं का, चिन्हुं भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ऑभिनियम, या धन-कर बिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तीरती बारा प्रकट नहीं किया बवा भाषा किया बाना शाहिए था खिपाने में सुविधा के खिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण कों, मीं, उक्त आधिनियम को धारा 269-ण की उपधारा (1) अं अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् क्र--- (1) श्री स्तेहना पती स्व० श्री चौधरी मान जिह गाम भडोता, पार० जाताबाद, तहसीत व जिला गाजियाबाद।

(अन्तरक)

(2) नार्दन बेनी बोलेन्ड फंड, 407, अशोक भवन 93, नेहरू प्लेज, नई िल्ली द्वारा श्री चन्द्र गोज्ली

(अरास्ति)

(3) ऋतागण।

(बहु कालिः), जितके अबिमोग में सम्पत्ति है।)

(4) ऋतागण।

(बह बाक्ति, जिन्नके बारे में अधो-हर∴करी जाना है कि वह सम्बत्ति में हिल्ला है।)

को यह मुखना जारी करकं प्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया कारता हूं।

उभत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सबधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील स 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वांक्त स्योक्तयों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पन्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदाँ का, थो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के में पीरभाषित है, वहीं अर्थ होंगा थो उस अध्याय में दिय गया है।

अनुसूची

प्लाप्ट नं० 97, ब्लाङ ए, सेक्टर 7, रामपुरी, टी० एच० ए० चिकम्बापुर, सहसीत दावरी, जिला गाजियाबाद।

> एच० आर० दास सक्षम प्राधि ारी सहायक आयकर आयुका (िर्हाक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 12-9-1985

महर :

प्रकार बार्ड.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

मारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जभ रेंज, काःभुर

कानपुर, दिगाँह 12 जिल्ह्यर 1985

निदेश सं० एम-416/85-86--अतः मुते, एच० आर० दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले रसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

भीर नित्तकी सं० है ाया जो हापुड़ में स्थित है (भीर डाते उत्तबक्क अनुत्तों में आर पूर्ग का से वर्णि: है), रिजस्ट्री.ती अधिकारी के कार्यातय हापुड़ में, रिट्टी.रण अधिक्यिम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ते.रीज 18-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अतौरत की गई है और मूक यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृत्या, उसक दश्यमान प्रतिफल से, एस दश्यमान प्रतिफल के कन्द्रह प्रतिकृत स अधिक है और जन्तरक (अन्तरका) और जन्तरती (अतिरितिया) के बीच एस अन्तरण के मैंनए तथ पाया क्या प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य स उक्त जन्तरण लिखित् में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण चे हुई किसी बाय की बायत, उक्त बोधीनयम के बधीन कर दोने की बन्तरक के शांबरण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिष्ट; बॉर्ड/या
- . (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ की जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनाथ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना आहिए था, छिपान में सुविधा के निरा

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण जै. जै, उक्त अधिनियज की धारा 269-व की उपधारा (1) थ अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, संवति डिल्ल (1) श्री भना सिंह सुरुत श्री अनर जिह पित में नंत्रावे विल्डा, रेतवे रोड, कबाड़ी बानार, हु,पुड़ा

(रह: रक)

(2) श्री अमृत चन्द्र जैन सुगुत्र श्री पूरन चन्द्र जैन सी-2/19, मांडल टाउन, दिल्ली।

(अन्ति:ती)

(3) के. तगण।

(बड़ कालिंग, जित्रहे अजिनोन में सम्पति है।)

(4) क्रोतागण।

'(बहु बाकित, तिजि बारे में अबी-हरा क्षरी जातता है कि बहु सम्पत्ति में हिल्बद्ध है।)

को यह नुवना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कायवाहिया करता हुन्।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच तं 45 विन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी स्पक्तियां पर संचना का तामील स 30 दिन का अवाध, जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टिक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा:

स्पन्धीकरणः — हममें प्रयक्त कथा बीर पतों का, वो उक्त अधिनियम के कथाय 20-के में परिभाषित हैं वहीं अर्थ हागा को उस अथ्याय में दिया थया हैं॥

बन्तुकी

खेता की भूमि स्थित हापुड़, जिला गानिपाबाद।

एच० आद० दास सक्षम प्राधि ारी सहायक आयकर आप्का (िरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 12-9-1985

प्रकथ बाइ'. डॉ. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यातव, सहायक झायकर जायक्त (निरीक्षण) अर्जात रेंज, का.पुर

का पुर, दिशांक 12 जिल्हमर 1985

िवेश सं० एम-417/85-86---अतः मुझे, एच० आर० दास,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे क्षसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्व 1,00,000/- रा. से अधिक है

मोर िताकी तं अनर कोल्ड स्टोरे। है तथा जो हपुड़ में िया है (ब्रार इतसे उत्तबद्ध बहुत्वी में ब्रार पूर्व रूत से विणि: है), रिस्ट्रिटर्स अने त्रारी के त्रारीत्व हापुड़ में, रिट्ट्रीकाण अजिन्यिम, 1908 (1908 का 16) के अधीर सरिख 18-1-1985

को प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्टमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल का पंदह प्रतिद्यत सं आधक है और अंतरिकी (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण ते धुर्फ किसी आय की बाबत, उक्त अधितियम के अधीन कार देन के अंतरक अने दायित्व में कामी कारन या उससे अखने में मृतिभा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ने अधिनियम, या धर्म- कन्ने अधिनियम, 1957 1957 का 27 की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग के जनसम्ब के एक्न वीधिनियम की धारा 260-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री गुलास्य सिंह पुत्र श्री जापनः। जिह स्थिति नं तिनी निर्देखन, रे त्वे रोड, कब,ड़ी बानाइ, ह पुड़ा।

(37 T T 5)

(2) श्री नगर गण नैंग एक नंग (एत० ए० एफ०) बी-म/33, केन हा, नगान विद्यार, दिस्ती द्वारा जब प्रक्रीण जैन।

(अर.चिती)

(3) के सगग।

(बह काति। जित्तते अधिनोत में सम्बत्ति है।)

(4) के अगण । (वह व्यक्तिः, दिश्य बारे में अश्रीत हराक्षरा आगळ है कि वह जम्पत्ति में हिस्स है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए क स्वाहिय करता हूं।

दक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) रत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन को अर्जाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना का तामाल स 30 दिन का अवीध, जा भी अवीध बाद में समाप्त हाती हा, के भीतर पूर्वाक्त स्याक्तिया में संक्रिका व्याक्त द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त जन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगे जो उस अध्याय में विमा

श्र<u>न</u>ुमूदी

अमर कोल्ड स्टोरेज, हापुड़, प० त० हापुड़, जिजा गानिनाबाद।

> एच॰ भार० दात्र सभाग गात्रिकरी सहायात आयाहर भाय्व: (िरीक्षण) अर्जा रेंग, हा पुर

तारीख: 12-9-1985

मोहर 🕆

प्ररूप बार्च .टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जा∵ रें**ज**, ा∵पुर

का:पु", निर्माट 12 किटबर 1985

िदेत सं० एम०४२2/85-86——अतः मुझे, एच० धाः०

दास

कायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार्य 269-व के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह जिल्ला करन का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजा, मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भांत कि की सं० 22 किया करता नह है था जो देवागर, मेठ में था। है (आत इतो उपबंद नेतु की में आत पूर्ण इस से विणा है), रिक्ट्री की निर्मात के कार्यास, मेरठ में, रिक्ट्री गण अविधियम, 1908 (1908 का 16) के अवीत तरीब 21-1-1985

के पूर्वोक्त सम्प्रीत्त के उचित बाजार मृल्य से कम के क्षणमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई और मुफे यह विकास करने का कारण है कि सभापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृल्थ उसके ब्रह्ममान प्रतिफल से, एस व्ययमान प्रतिफल का पंत्रवह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिसा) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पासा गया प्रतिफल, निम्नोलोकत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित कें बास्टिकिक रूप में किथत नहीं किया गया है:—

- (फ) अन्तरण से हुई किसी नाय की वावत, उक्त आधानयम क बधान केंद्र दान के अन्तरक कें दायित्व में कभी करने या उसस वचने में सुविधा के निए; बॉर/या
- (थ) ऐसे किसी बाय या किसी भन या अन्य अस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आभानयम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सूबिभा के लिए;

जतः शक्ष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज के अनुसरण में, में, अक्त आधिपयम की धारा 269-ज की ज्यभाग (1) को अधील, निम्नलिकित स्पिक्तां, अधीत् ≟—र (1) ती पातीत उक्ताइ, पुत्र वतीर चल्द्र इक्ताइ, निराह इक्ताइन्ड, देवास्पर, मेर्ड।

(भन्दर्ह)

(2) श्री ती अकृतता देवी उस्ती कान्ती प्रताद, वेस्पर्व कार्ट रोड, नन्दन गार्डी रोड, मेरठ।

(अन्तरिती)

का यह मुखना जारों कारके पृत्रीक्त तस्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बजन के संबंध में कोई भी आक्षेप ;---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख व 45 दिन का अवीध या तत्मवधी स्थान्तयो पर स्वना की तामील में 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पृवांक्त स्थाक्त या में स किसी स्थान्त ह्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र मा प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पास मा हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधाहस्ताक्षरी के पास सिवाद मा किस् अ। सकारा।

स्पर्धीकारण:—इस्प्रें प्रयस्त अन्धी और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-को में परिभाषित हैं, वहा अर्थ हागा, जा उस अध्याय मा दिस्प गया है।

वरमुक्त

मकान नं० 22, मिसन कम्याउन्ड, देव नगर, मेरठ।

एच० आर० दास सजम प्राधिः री सहायक आयकर आयुक्तः (िरीक्षण) अर्जाः रेंज, काःपूर

सारीब: 12-9-1985

में हिर

प्ररूप बाइ . दी . एन . एस . ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43**) की** धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जंन रेंग, का प्र का पुर, दिनंत 12 ति स्वर, 1985 विदेश सं० एम 430/85 86 अदः मुझे, एच० आर० दास,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), का धारा 260-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकार करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उषित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मौत जिस्की सं 166 वी है ति जो जो साकेत, पेट में क्यि है (मात इत्ते उपाबद अनु ची में मौत पूर्ण रूप से विकार है), पिट्टी र्ली अधि री के वास त्य, में ठ में, रिक्टी रूण अधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीत सरीबा 24-1-1985 की

को पर्वाक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मन्य से कम को क्रयमान प्रतिफल को लिए अम्तरित की गई है और ममें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार स्म्म, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया रितिफल निम्नलिकित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में आस्त्रिक क्ष्य से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) जन्तरण संहुदंकियी बाब की बाबत, उसस बॉधिनियम के अधीन कर दान के बच्चरक खै दायित्य ने कमी करने या उससे दचने में सुविधा औ सिए:
- किंगे एसी किसी बाय या किसी धम या बच्च अस्तियों को, जिन्हों भारतीय अयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्पृतिधा के सिक्द;

भर्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण स्रो, भ्रा, उक्तम अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) व्हें अधीन, निम्नलिखित क्योंक्सियों, सर्वात् :---- (1) श्री रवीन्द्र नाम मोगा1615 बी, िवित लाइन, मेरठ।

(अन्तरक)

(2) श्री महेक प्रताद जैन पुत्र श्री उग्र सेन जैन 61 उग्तान, मेरठ दिटी।

(अन्तीःती)

(3) अन्याधिती।

(बहु काकि: जिन्नके अधिभोग में समाति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया कारता हुं।

क्षाक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी जाकीप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिमों पर स्वता की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्सि में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेगे।

क्यव्हीकरणः — इसमें प्रयक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्यार 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अधे होंगा जो उस अध्याय में दिया यस हैं।

पर्वा

मजात नं 166 बी, साकेत मेरठ।

एव० आए० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुकः (िरीक्रण) अर्जभ् रेंज, कालपुर।

कारीख: 12-9-1985

माहर :

प्रकपः, बाह्र¹्र ठीः, पून्ः, प्रच⊙ -----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के सभीन स्चना

भारत सरकाड

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निदेश सं॰ एम-439/85-86--अतः मुझे, एच॰ आर॰ दास,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने की कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

. श्रीर जिसकी सं० हैं तथा जो माकनपुर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वावरी में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16(के अधीम स्थापित 16-1~1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्निसिचत उच्चेक्य से उक्त अंतरण निम्बित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गवा है:——

- (क) मंतरण से हुइ किसी नाय की वाबंत, उक्त ग्रांश्वितियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा हो लिए; और√या
- (स) एसी किसी जाम या किसी भण या इन्स्व जास्तियों करें, जिन्हें भारतीय आय-कर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, शिर्माने म इतिका के लिए;

बत. वय, उपत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---9----276GI|85 (1) श्री मुरली पुत्र श्री नरपत माकनपुर, लोनी, गाजियाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री हिन्डन रीवर सहकारी आवास समिति लि०, साहिबाबाद। द्वारा श्री श्रोम प्रकाश मुकुन्दनगर, गाजियाबाद।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सुषमा जारी करके पूर्वोक्त सम्बद्धि के वर्षन के लिख् कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

बक्त तम्पत्ति के वर्णन् के संबंध में कोई भी बाक्षेप् :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानीस से 30 दिन की अविधि, जो भी जबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाः;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिद्यबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाहिकरण: --- इसमें प्रयुक्त सच्यों गौर पदों का, यो उस्त शीभनियम को अध्याय 20-क में परिश्वाधिक ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विषा गया ही।

अनुसूची

भूमि ग्राम माकनपुर, परगना लोनी, गाजियाबाद स्थित।

एच० आर० दास मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 12-9-1985

प्ररूप बाइ.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्थालव, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 12 सितम्बर, 1985 निवेश सं० एम 442/85 86 अतः मुझे, एच० आर०

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें ≱सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सस्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृत्य

1 , 00 , 000 /- रत . से अ<mark>धिक हैं</mark>

भीर जिल्लिकी सं० 6/3 बहादुर रोड है तथा जो देहरादून में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे विणित है), रिजिस्ट्रीक्ती अधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-1-1985 को

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उणित वाजार मृल्य से कम के स्वयमान पितप्तल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का अगरण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उणित शाजार मृल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल में, एमे स्वयमान प्रतिफल में, एमे स्वयमान प्रतिफल में, एमे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है स्वयमान प्रतिफल के पित्र अंतरिती (अंतरितियों) के भीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित सक्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप में किथा गया है स्न

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्त्रिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए;

क्षणः जैव, उकत लिभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के. में जन्त अभिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के क्रजीय जैनम्निलिकित व्यक्तियों, सर्थात हुन्न (1) श्रीमती लवलीन कौर पत्नी कुलवन्त सिंह, 6/3, तेग बहादुर रोड, देहरादून।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अवंशी सूरी, पत्नी सुभाष चन्द सूरी, व अन्य, 2, हरद्वार रोड, देहराधून।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिख्ति में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टोकरण: इसमें प्रयुक्त शन्यों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है!

नगुसूची

जायदाद नं० 6/3 तेग बहादुर रोङ, देहरादून।

एच० आर० दासू, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)₁ अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 12-9-1985

प्रकण बाह्र . डी . हन् . एव ,-------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

बाउद बुद्धकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायक्त (निर्राक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनौंक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० चण्डी०/142/84-85—स्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह.

आधकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्रतिभकारी को, यह विषवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित वाचार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फैक्टरी नं० 31, है तथा जो इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-1, चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्रा ग्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकर्ण श्रधिनियम 1908 (1958 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कर्ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरवमान प्रतिफल से, ऐसे दूरवमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से अधित नहीं किया गया है :--

- (क) मन्तरण से हुई किसी जाय की बागत, उन्ते समितियम् के समीत कर दोने के अन्तरक को दादित्य में आभी करने वा उन्हरे युव्ये में सुविधा के खिए: न्येर/या
- (थ) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य आस्तियों की, चिन्हों आउतीय बाय-कर विभिनयम, 1922 (1922 का 11) प्रा इकत विभिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनीर्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया

 श्रीमती सीता रानी क्रुपाल पत्नी स्व० श्री जसवन्त राय क्रुपाल, निवासी--31, इंडिस्ट्रियल एरिया, फेज-1, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरक)

2. श्री जगदोश सिंह ने त श्री इन्दर सिंह, श्रीमती मनजीत कौर पत्नी श्री कुलविन्द्र सिंह, निवासी—एफ०-12, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

स्त्रे यह सूचना बादी करके प्वाँक्त सम्पन्ति के बचन का जिथ कार्यवाहियां करता हूं।

डक्ट बम्मीरत के बर्चन के तथ्याप में कोई भी शाक्षण

- (क) इस सूचना के राजपत्र में फ्राइन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो अप अविध साद में समाप्त होती हैं, के भीतर पूर्वा के खाबित में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ब) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उत्कत स्थावर सम्पत्ति में हितनव्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए वा सकेंगे।

लच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त खब्दों जौर पद्यों का, सी उक्त विधिनियम के वश्याय 20 - कर्मे परिभाषित है, बहुी वर्ष होगा जो उस वश्याय में विमाणमा है।

प्रनुसूची

फैक्टरी नं ० 31, इंडस्ट्रियल एरिया, फेज-1, चण्डीगढ़। (म्रथीत् वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रोकर्ता प्रधिकारी, लुधि-याना के विलेख संख्या 1136 माह जनवरी, 1985 के तहत दर्ज है)

जोगिन्द्र सि**ह्** सक्षम प्राधिका**रा** सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियनाा

कतः अम, उक्त अभिनियम की भारा 269-न के जनसरक में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिखित, व्यक्तियों, अभीतः ह—

नारीख: 9-9-1985

मोहर 🤣

व्यक्त नार्वं , ही. एव., एव..------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नचीन सुचना

नारव प्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनाक 12 सितम्बर 1985

निदेश सं० एम०-492/85-86---अतः मुझे, एच० भार० दास,

बायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वं इस्कें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-च के जुभीन सबाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जारण है कि स्थाब्द सम्मित्त, जिसका उचित बाबार मृश्यं 1,00,000/- क. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 580, 582, 602, 604 है, तथा जो नगना करन, में स्थित हैं (और इससे उपाबढ़ अनुसुची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकता अधिकारी के कार्यालय, बुलन्दशहर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 को 16) के अधीन, तारीख 19-1-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के क्रयजान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई और मुभ्ते यह विद्वास

करने का करण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यभान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिफत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिसी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उस पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्कत अपारण जिल्हा में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है :---

- (क) बन्सरण से हुइं किसी बाय की बाबत, उक्ट बिधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक औं बाबिस्त में कबी करने वा उसके वचने में बृविधा क सिंह, और/या
- (क) एंसी किसी आव या किसी थन वा जन्य बास्तिथ्यें
 की विन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या थन-कर अधिनियम, या थन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 की प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुनारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (०) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात १००० 6. श्री निर्मल कुमार जैन पुत्र श्री मनोहर लाल जैन, डीं०-935, न्यू फेंड्स कालोनी, नई दिल्ली।

(श्रन्तरकः)

श्री प्रेमपाल सिंह, विरेन्द्र सिंह, ग्रन्य, नगला करन, बारन, तह० व जिला---बुलन्दशहर।

(ग्रन्तरितीं)

8. यथोवत-

(बह व्यक्ति, जिसके ऋधिभाग में सम्पत्ति है)

4. यथोक्त-

(बह व्यक्तिः, जिनके बारे में श्रक्षी-हस्ताक्षरीं जानता है कि बह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

का यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त स्प्यत्ति के वर्षन् के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

इन्द्र सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाओप हं---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्तियुं इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिविक में किए वा सकेंगे।

स्वक्यों करण — इसमें प्रमुक्त कन्यों और पृत्यों का, वो स्वक्य विभिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया विकाह हैं।

ग्रनुमूची

खेत नम्बर 580, 582, 602, 604, स्थित ग्राम नगला करन, पर० वरन बुलन्दणहर।

> एच० ग्रार० दास सक्षम प्राधिकारी स**हायक श्रायक्षण आयुक्त (निरीक्षण)** श्र**र्जन रें**ज, कानपूर

तारीख: 12-9-1985 मोहय:

प्रकम् आर्घः दौ. एतः एवः,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयक्त आय्क्त (निरीक्षण)
श्वर्जन रेंज, कानपुर
कानपुर, दिनांक 6 क्षितम्बर 1985 निदेण सं० एम० 499/85→86→-श्रतः मुझे, एच० श्रार० दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन संक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य 100,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकीं सं ० ए०-329 है तथा जो सेक्टर 19 नोयेडा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-ती धिधकारी के कार्यालय, दादरी, में रिजस्ट्रींकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 27-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान कृतिकल के लिए अंतरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्झह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिक रूप से किशत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुर्द किसी जाय की वाबत, उक्त आधानयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में केमी करने या उससे वचने में तुविधा के चिद्द; और√मा
- (क) एसी किसी बाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिजपले में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमतीं प्रींतिपाल कौर ,
 म० न० 2065, नाई बाला स्ट्रीट,
 गली न० 38, व्यालवाग,
 नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री एल० श्राप्त गेरा पुत्र श्री मुकुन्द लाल गेरा, ए०-434, सेक्टर 19, नीयेडा।

(ग्रन्तरिती)

3. अन्तरिती।

(बह् व्यक्ति, जिसके <mark>प्रधिभोग में</mark> सम्पत्ति ही)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बदिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में श्रकाशन की तारोख है 45 दिन के भीतर उन्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविध में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आर्ट पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय औं दिया गया हाँ।

अनुसूची

मकान नं० ए०-389, सेक्टर 19, नीयेडा।

्रान्य क्रान्य दास सक्षम प्राधिकारी . सहायकर श्रायक श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 6--9-1985

महिर:

एक् बाइं .टो .एक् . एक . ------

बानकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार था प्राप्त 269-म् (1) के नधीन स्थान

RIES SESSE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 11 सिनम्बर 1985 निदेश सं० चण्डी०/122/84-85--श्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिले इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को वह निरवास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उधित् बाबार मूस्व 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिस्की सं० मकान नं० 492, है तथा जो सैक्टर 20-ए०, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यांत्र्य, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरीं, 1985 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मून्य से कम के स्वयाप अतिएल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वेंक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरका) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पादा गमा

पितपाल निम्तलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण सिवित में

भारतीवक रूप से किशत नहीं किया गया है :---

- (का) अन्तरम वे हुइ किसी बाव की बावक उपका अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/भा
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियाँ की, जिन्हें भारतीय भाव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

अत: अत उक्त अधिनियम भी धारा 269-ग के अनुसरण मीं, मीं, उक्त अधिनियन को धारा 269-ए की उपधारा (1) भी अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अभीत --- श्री मेहर सिंह, पुत श्ररे जय सिंह, निवासी मधान नं 3305, मेक्टर 32-डीं०, चण्डीगढ़।

(ग्रन्तण्क)

 श्रीमती सूरेन्द्र कौर पत्नी श्री जभपाल सिंह,
 23, चितरंजन एकेन्यू,
 कलवन्ता-72।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

अक्त सम्परित के अर्थन के तस्थन्य में कोई भी वास्रेप S-

- (क) इस सुधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत सं 45 दिन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूधना की तामील से 30 दिन की जवधि, थो भी सर्वाध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थावत द्वारा,
- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक लें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ दोगा, जो उस अध्याय में दिवा न्या है।

वन्सची

मकान नं० 492, सैक्टर 20-ए०, चण्डीगढ़। (ग्रथीत् वह जायदाद जो कि रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, चण्डीगढ़ के क्लिक संख्या 1043 माह जनवरीं, 1985 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) . श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 1.1-9-1985

प्रकृष वार्षं .दी .एम .एस <u>.</u> नदननवननः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- थ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय , महायक वायकर वायकत (निरक्षिण) श्रजीन रेंज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० चण्डी ०/132/84-85---ग्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचाद 'उनत अधिनियम' कहा गया हुं), की वारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 173 है तथा जो डिफेंस कालोनी, सक्टर 36-ए०, चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीक्सी ग्रीधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्री-करण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भो यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वाकत मंपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) जाँड अंतरितो (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिशत उद्देश्य से उक्त अंतरण जिबित में गुस्तिश्वक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) नतहरू से हुइं विस्ती नासू की वावतः, उपध शीतियम के अभीत कार दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उसमे वचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) एसी किसी जाव या किसी धण वा अन्य आस्तिकों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वा-कार अधिनियम, या वा-कार अधिनियम, या वा-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया एवा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में दृश्विभ के विद्या

कतल अब उक्त अधिनयम की भार 269-ग के अनुसरण को, की, क्षाप्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— शिमती मनमोहन कीर भिडर पत्नी श्री सरदारा सिंह भिडर तथा श्री श्रमर इकबाल पिह भिडर पुत्र श्री सरदारा सिंह भिडर, निवासी—भिडर फार्म, गाँव तथा डाकखाना—गिलवाली, तरन तारन रोड, ग्रमृतसर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री करनैल सिंह पुत्र श्री भगत सिंह,
श्रीमती सुरेन्त्र कौर पत्नी श्री करनैल सिंह,
श्रीमती गुरमीत कौर पुत्री श्री ग्रजीत सिंह,
द्वारा उनकी जनरल श्रटानी ——
श्री करनैल सिंह पुत्र श्री भगत सिंह,
मास्टर रमनदीप सिंह पुत्र श्री परमजीत सिंह,
धालीवाल, द्वारा उनके दादा श्री करनैल सिंह,
पुत्र श्री भगत सिंह, निवासी गाँव कोथे ग्रगवर
खाजा बाजू डाकखाना नानकसर, तहसील जगराग्रो
जिला लुधियाना श्रव मकान नं० 2365, सैक्टर
22—सी०, चण्डीगढ़।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप 🛶

- (क) इस सूचना के राज्यत में प्रकाशन की हारीख में 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अयिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ये किसी काक्ति दुनाश;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकी।

स्पन्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों बौर पदों का, जो उक्त बौधनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को जम अध्याय में विका गया है।

अगृज्ञी

ण्लाट नं० 173, डिफेंस कालोनी, सैक्टर 36-ए०, चण्डीगढ़ (प्रथात वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के विलेख सं० 1086 माह जनवरी, 1985 के तहत दर्ज है)

> जोगिन्द्र सिंह् मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्ष्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, लुधियाना

तारीख: 9-9-1985

मोहर 🛭

त्ररूप आइ.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सृष्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन क्षेत्र, कानपुर यातपुर, दिनांक 12 स्तिम्बर 1985 निदेश सं० एम०-455/85-86--श्रतः मुझे, एच० श्रार० दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव 167म्नबीं व है तथा जो सामेत में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूचीं में और पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेरठ में राजस्ट्री-इरण मधिनियम, 1908 (1908 दा 16) के मधींन, तारीख 24-1-1985

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के विश्व एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथा गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी साय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियभ, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियभ, या धनकर अधिनियभ, या धनकर अधिनियभ, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिया के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-थ की उपधारा (1) के प्रशीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात :---

6. श्री राजेन्द्र नाथ मोगा, पुत्र श्री प्रेमनाथ मोगा, 145-त्री० मी० निवित लाईन, मेरठ।

(भ्रान्तरकः)

7. श्रीमती शर्मी रानी पत्नी श्री एम० पीं० सिंह, 78, बैंकस स्ट्रीट, मेरेठ।

(भ्रन्तरिती)

8. ग्रन्तरिती।

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्च्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45. दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कर्ने व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्जिंक ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितमव्भ किसी धन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

न्त्र

मम्पत्ति सं० 167-बीं०, साकेत, मेरठ।

ृष्चि० आर० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीउक्षण) ग्रर्जन रोंज, कानपुर

तारीख ़ 12-9-19**85** मोहर प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनाँक 10 सितम्बर 1985

निदेश सं० चण्डी०/145/84-85---श्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निष्वास करणे का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० मकान नं० 40, है तथा जो सैक्टर 1-ए०, चण्डीगढ़ में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908

(1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1985 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का रिकार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिती (अंतरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आसियों को , जिन्हों भारतीय आय-कर कि धनियम , 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम , या धनकर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था , छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधिन निम्नलिसित व्यक्तियों, अधित् :---- 10---276GI/85

1. श्री एन० एन० खन्ना पुत्रश्री के० सी० खन्ना, निवासी—डी-II-363, विनय मार्ग, नई दिल्ली श्रव मकान नं० 1222, सैक्टर 18 सी०, चण्ड्रीगद्ध।

(भ्रन्तरकमें

2. श्रीमती कुलवन्त कौर कोहली पत्नी श्री मनमोहन सिंह कोहली, निवासी मकान नं० 214, सेक्टर 19-ए०, चण्डीगढ़ आरा उनकी श्रदानी श्री मनमोहन सिंह कोहली।

(भ्रन्तरिश्रीमें

3. श्री म्रादर्भपाल सिंह, मैनेजर, इंडियन ओवरसीज ैंक, मकान नं० 40, सैक्टर 10-ए०, चण्डीगढ़।

> (बह ब्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यचाहियां करला हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सें 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्ध्ध किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान न० 40, सैक्टर, 10-ए०, चण्डीगढ़। (ग्रयांत, वह जायदाद ओ कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी, चण्डीगढ़ के विलेख मख्या 1440 माह जनवर ,उ 985 के तहत दर्ज है)

जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, लुधियाना

नारीख: 10-9-1985

बरूप आई. टी. एन. एस.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा १६०-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

ग्रर्जन रेंज. लुधियाना लुधियाना, दिनांग 9 ितस्वर 1985 निदेश सं० चण्डीं । 146 | 84-85--ग्रन सुझे, जोगिन्द्र सिंह.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का लगह है कि एक कि कि पार है कि महार मृज्य 1,00,000/-रह से अधिक हैं

अौर जिसकी संव महान नंव 48. है तथा जो सैक्टर 27-एवं, चण्डीगढ़ में स्थित है और इससे उपावद्ध अनु , सूचीं में और पूर्ण एप से विणित है), रिनिस्ट्री ति अधिकारीं के हार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिनिस्ट्रीत रण रुधिनियम, 1908 (1908 ए। 16) के रुधित, तारीस जनवरीं, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं। और मुफे यह विश्वास एकों का गारण है कि यश्मार्थित नम्प्रीत का अवित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एमें दृश्यमान प्रतिफल का गन्दह प्रतिणत में अधिक हैं। एसे अंतरित (अतरकों) और अंतरिती (अन्तरिपयों) के तीच एमें अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के शियत्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; बार/बा
- (स) एसी किसी अय या जिसी धन गा छन्य कर्णस्त्यों ता, जिसी क्रमाणित करणात वर्णा कर्णा पर्याप्त कर्णा करणात करणात वर्णा प्रमानकर्णा कर्णा करणात करण

बत: बत, उक्त बाँधिनियम को धारा 260-ग के अवसरण वा, माँ, उसन विधिनियम की धारा 260-थ की उपधारा (४) वे प्रतीप नियमित स्वीकरणों कार्याः श्रीं बीं० एस० बल पुत्र स्त० श्रीं नवाव सिंह, निवासी म.।। नं० 48. भैटर 27-ए०, नण्डीगढ़।

(ग्रन्तरकः)

2. श्रींमतीं जानीर कौर प्रस्पाल पत्तीं श्री सुरेन्द्र सिंह नभरवाल, तथा श्री सुरेन्द्र हिंह सभरवाल पुत श्री करतार हिंह सभरवात, निवासी महान नं० 1204, सैक्टर 34-सी0, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारहे पर्दोक्त स्टारित के अस्त दे जि**ए** कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अहिति: ---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि ए। निभम्म थी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में सन्यति होती हो, को भार पूर्वीकत व्यक्तियों में मिलागी ब्यक्ति कराता:
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 जिन के जीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किली अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी हैं पास लिखित में दिये जा सकी ।

स्पटिकरण: — इसमें प्रयुक्त इ. दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क ने परिकामित हं, कही करी क्षाणा, जो इप अध्याय के विशासना है।

अनुसूची

म तन नं 48, भैक्टर 27-ए०. चण्डीगढ़ (प्रथान नह प्राप्टवाद ओ ि रिस्ट्रिंगी प्रधिकारी, पण्डीगढ के निलेख सं 1141 माह जनगरी, 1985 े पहत पर्ज है)

जोगिन्द्र सिह् ्क्षम प्राधि । स्रो

सहायक आधारण शायुका विरोधण) अजी रोट क्षिपाना

नारींख़ : 9-9-1985 मोहर : प्ररूप आइ⁵.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 10 गितम्बर 1985
निदेण सं० खरड़ | 74 | 84-85--श्रत मुझे, जोंगिन्द्र
सिंह,

आपकर जीधनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे परचात् 'उनते अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थानर संगत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,009∕- फ. में अधिक **ह**ै

और जिसकी संव महान नंव 1299, है तथा जो फेन 3-बींव-2, मोहाली, तहिपींत खरड़ में स्थित है (और इमसे उपाबद प्रनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के वार्यालय, खरड़ में, रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारींख जनवरी, 1985

का पूर्वोक्षत संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के इरमान प्रतिफल के िए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक इरमान प्रतिफल नो, एमे इर्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वात स अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरिता) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नालिखत उद्देश्य सं उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप सं किथा नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजांसल स्थितिसों, अर्थात् :-- श्री गुष्कदेव राज पुत्र श्री बाब् राम निवासीं मकान नं 1299 फेंज 3-बीं०-2, मोहाली तहसील खरड़।

(ग्रन्सपक)

2. श्रीमती राज कौर पत्नी श्री हरवन्स सिंह सरना, श्रीमती दवेन्द्र कौर पत्नी श्री पृतपाल सिंह सरना, मकान नं० 2622, फैंज VII, मोहाली, तहसील खरड़।

(श्रन्तिस्ती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उयत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविश्व या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविश्व, जो भी अविश्व बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसर्व

मकान नं ० 1299, सैक्टर 3-बी०-2, मोहाली, तहसीण खरड़ (अर्थात बहु जायदाद जो कि रिजिस्ट्रीक्ती अधिकारी खरड़ के विलेख मं ० 3836 माह जनवरीं, 1985 के तहत दर्ज है)

जोगिन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी स**हाय**क ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, लुधियाना

तारीख ' 10-9-1985 मोहर '

इक्ट बार्ट हो. १५. ५४. ---

ावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाह्य भारा 269-म (1) में नभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (हिनरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० खरड़|77|84-485----- प्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिष्ट,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' बहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, विसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० मकान नं० 1677-सीं, है तथा 3-बी-2, मोहली तहसील खरड़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचीं में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रींवर्ता अधिकारीं के कार्यालय, खरड़ में, रिजिस्ट्रींकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधींन, तारीख जनवरी, 1985

का प्वांकत संपत्ति के उचित बाबार मून्य से कम के कावाल श्रीतफास के लिए अंतरित की पर्य है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरितीं (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गथा प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तर्वेष से उकत अन्तरण सिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) नलाउन से हुई कियी नाव की वावस, उदस वीधनियम के नधीन कुछ दोने में बलाउफ के वाधित्य में कुमी कुड़ने मा उससे बल्ला में सुविधा में जिस्हा मांड/वा
- (क) प्रेसी किसी नाय या किसी भण या अन्य नास्तियों को, जिन्हों आरतीय नायकर निभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनत अभिनियम, या भन- कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तिरती बुवारा प्रकृष्ट नहीं किया गया वा या किया जाना आहिए था, कियाने में सुविधा के निष्

जता जन् उन्त किपिनियम की भारा 269-म में जन्तूस्य में, बीं, स्वत विभिन्नियम की भारा 269-च की उपभारा (1) से अभीता निम्नसिन्ति करिन्तुमी, वर्षात्म-- श्रीमती संतोष धीमान् पत्नीं श्री द्रशोक कुमार धीमान्, निवासीं 3068, सैंटर 21ग्रडीं०, चण्डीगढ़।

(श्रन्तरक)

2. श्रीमती इन्द्रजीत कौर पत्नी श्री जितेन्द्र सिंह, श्री जसपाल सिंह पुत्र श्री श्रवतार सिंह, निवासी 1677, फेंग 3-बीं०-2, मोहाली, तहसींल खरड़।

(श्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं वे 45 दिन की जनभिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनभि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में त्रकाशन की तारीय स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी क्या व्यक्ति व्यास नभोहस्ताक्षरी के गान जिल्ला में किए का संकंगे।

स्थव्यक्रिक्ष्णः ----इसमें प्रयुक्त कन्यों भीड पर्यों का, वो अवस अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, बड़ी कुर्य होगा को उस रूध्याय में दिया गया है।

नगुसूची

मकान नं० 1677-सी, फेज 3-बीं-2, मोहाली, तहसींल खरड़ (प्रथित वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारीं, खरड़ के विलेख संख्या 3900 माह जनवरी 1985 के तहत दर्ज है)

जंगिन्द्र सिंह मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियानां

तारीख : 9-9-1985 मोहर: प्ररूप आर्ह.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1985

निदेण सं० खरड़/ 79/84~85—ग्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

अरेर जिसकी संव मकान नंव 20, हैं तथा जो फेंज 3-एव, मोहाली, तहमील खरड़ में स्थित हैं (और इमसे उपाबड़ प्रमुस्त्री में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रींक्र्नी प्रधि-कारी के कार्यालय, खरड़ में, रिजिस्ट्रींक्रण प्रधियनयम, 1908 (1908 का 16) के अधोत नारीख जनवरी, 1985 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्र्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्रे/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अख, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकतथों, अर्थात् ::—

 श्री राजेन्द्र कुमार कक्कड़ पुत्र श्री भगत राम कक्कड़, निवासी मकान नं० 675, सैक्टर 11— बी०, चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरक)

2. श्री मनोरंजन सिंह साहनी पुर श्री गुरबचन सिंह माहनी, तथा श्रीमती इकबाल कौर साहनीं पतिनी श्री गुरबचन सिंह साहनी, निवासी, 14, माडल टाउन, यमुना नगर, जिला अंबाला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

प्रनुसूची

मकान नं० 20, फेंज 3-ए, मोहाली तहसींल खरड़ (म्रथीत वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता म्रधिकारीं, खरड़ के विलेख संख्या 3923 माह जनवरीं, 1985 के तहत दर्ज है)

> जोगिन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, लुधियाना

नारींख । 11-9-1985 मोहर । प्ररूप मार्चः टी.; एवः एसः, व्यवस्थान---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

कायालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निदेश सं० खरड़/80/84-85--श्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व है अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि एक एक सम्पत्ति प्रियम हिंचा गणार मूल्य 1,00,000/~ रहे. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान नं० 1750-सी०, है तथा जो फ्रेज-VII, मोहाली तहसील खरड़ में स्थित है ग्रीर इसने उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण क्य से विणित है), रजिस्ट्री ति श्रिधि ारी के वायिलय, खरड़ में, रजिस्ट्री करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीखं जनवरी, 1985

को पूर्वेकित संस्पत्ति के जिन्त बाबार मूल्य से कम के बह्यवान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई बीर मुझे यह विश्वास करने का भारण है कि सभापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाबार सूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एरो ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिभत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तस वामा बना प्रतिकत्त, निम्निवित्त ख्यूबेस्स से अक्त अन्वरण किस्स में बास्तविक क्य से कीचन नहीं किसा बना हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबता तु खुरा । मिनियम के अधीन कर दोने के अल्लरक कि है दायित्व में कमी करने या उससे बचने भें सुविक के लिए; मीर/या
- (७) एसी किसी आय या किसी धन गा गांग विस्ता है की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 19 22 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 2 // के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इंबारा प्रकट नहीं कि या गया था या किया जाना चाहिए था खियानी में सुविधा के सिए;

भतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के अनुस्तर ण कों, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारत (१०) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रं गोगल दास पुत्र श्री टा हन दास,
 श्रं श्रशोक कुमार पुत्र श्री गोपाल दास,
 निवास। महान नं० 1750, फ़ेज-VII,
 मोहाली।

(श्रन्तरक)⁻

2. श्रं(मतो मनजीत कौर पत्नी श्रो कुलदोप सिंह निवासी 6/7, सिंह सभा रोड़, नई दिल्ली।

(भ्रन्सरिती)

ाहीं यह स्थाना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के सर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन की अबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक्ष के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेष्ठस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीक रण:---इसमें प्रयुक्त खट्यों और पदों का, जो उसर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा पना हैं 🖟

अनुसूची

महान तं 1750-ताः, क्रोज-VII, मोहालो तहसील बड़ (प्रप्रीत् वह जीवदाद जा कि रोजेक्ट्रार्ट्सा प्रधिकारो, खरड़ के विलेख संख्या 3926 माह जनवरी, 1985 के तहत दर्ज हैं)

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

नारीख: 10-9-1985

प्ररूप बार्ड . टां . एन . एस . ------

बायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्पना

नारत सरकार

कार्याताल, सहायाक जासकार आयाकक (निरक्षिक) म्रज्ञंन रेंज, नधियाना

लिधयाना, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निदेश सं० खरड़/81/84-85--- अनः म्झे, जोगिन्द्र सिंह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है .अ स्थावर सम्पत्तिः, जिसका उचित बाजार मृत्ये 1,00,000/-रुः. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० महान नं० 1324, है तथा जो फेज 3 -17 - 2, मोहालो, तहयील खरड़ में स्थित है (श्रीर इसके उपावद्ध अनुसूचोः में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्री फर्ती अधिकारी के कार्याक्य, खरह में, रिजर्ट्र करण अधिनियम; 1908 (1908 ा 16) के अधे(न, तार्राख जनवरी, 1985

कों पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रिपिष्णल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एंसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से **हुए किसी जाय की बाबत,** उक्त विधिनियम के नधीन कर दोने के संबद्धक की वायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के निए; **क**रि[/]या
- (ख) n'सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 रक्षा कर का का न न्या अधिक यम, या भन-कर अधिनियम, 19.57 (1957 🖾 27) 🕏 प्राप्तिक अर्था क्षेत्र क्ष था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए

जत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग कें बन्सरण मं, पं अकन अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अ अर्था: रिक्किकिटिकत व्यक्तियों, अर्थात ए----

 श्री प्रोम नाथ पुत्र श्री लक्षमण दासु, निवासी महान नं० 1324, फ़ेज 3-बी-2, मीहालं≀ श्रव मधान नं० 2961, फ्रेज-7. मोहार्लः

(ग्रन्तरक)

2. श्री हरनेक सिंह पुत्र श्री श्रमार सिंह, श्रीमती गुरमेल कौर पत्नी श्री हरजीत सिंह, निवासी गांव ब्धगढ तहसील खरड़। (ग्रन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निगृ कार्यवाहियां शरू करता है।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :----

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुषना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो औ अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इ.स. स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी व्यक्ति व्यारा, नभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धाकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्न अधिनियम अ अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, ब**ही वर्ध होगा, जो उस अध्याय भे**ं दिया गया है।

म्रनुसूची

मकान नं 1324, फेन 3-बी-2, मोहाली तहमील खरड़ (प्रयान वह जायदाद जो कि रजिस्दोक्ती प्रधिकारी, खरड के विलेख मंख्या 3936 माह जनवरी, 1985 के तहत दर्ज है)

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायकत (निर्धक्षण) श्चर्जन रेंज, लुधियाना

नारीख: 10-9-1985

मोहर 🛚

प्रकृत वार्षः, द्वाः एवः ,- - । ।---

बावकर अभिविष्य, 1961 (1961 का 43) आर्थे भारा 269-म (1) के अभीन स्वमा

मध्रत बर्चान

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 10 सितम्बर 1985
निदेश मं० खरड़/83/84-85---श्रतः मुझे, जोगिन्द्र
सिंह,

नायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसने परवास् 'उन्त निर्मानयम' कहा नया हैं), की वारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारों को वह विकास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति , जिसका अधित नावार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० मकान नं० 2098, है तथा जो फ़ेज-VII, तो ता, त्रात करड़ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारों के कार्यालय, खरड़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 1908 का 16) के श्रयीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिपाल के जिए अन्तरित की गई है जीर मूळे यह विश्वास कार्य का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाधान मूल्य, उनके व्यवमान प्रतिफल से, एते व्यवमान प्रतिफल का व्यवह मतिवन से विधिन है और बन्धरक (अन्वरकों) और बन्धरिती (अन्तरितियों) के बीच एते बन्धरण के किए तय वामा नवा प्रतिफल, विम्नसितियों के बीच एते बन्धरण के किए तय वामा नवा प्रतिफल, विम्नसितियों कही किशा वन्न है हम्म

- (क) सम्बद्ध के हुई किसी नाम की नाक्त, उनता निधिनियन की नधीन कर दोने के सम्बद्ध को खिक्त में कमी करने ना उत्तरों नमने में हुन्या के सिए; और/या
- (क) रेजी किसी बान या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया स्था था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

ब्राह्म क्या, सबस मीपीयमा की गांश 269-म के बाब्सरण में, मी, उसर विवित्तियम की भारा 269-म को उपभार (1) में मधीय: विस्तिचित व्यवित्तयों, संशीत #--- श्रीमती णिक्षा देवी विधवा श्री रोशन लाल घई निवासी महान नं० 3531, सैक्टर 35-डी०, चण्डीगत।

(ग्रन्तरक)

2 सर्वश्री मोहिन्द्र सिंह, अमरजीत सिंह, पुतान श्री गुरिंक्त सिंह, निवासी मकान नं० 2084, फ़ेज-VII, मोहाली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके प्वोंक्त तम्पत्ति के वर्णन के सिद् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सुम्बन्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी वासीय ह---

- (क) इस त्यना के प्रकाश में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की नवित्र या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दूर स्वना की तामील से 30 दिन की स्वीध, को औं अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योंक्स व्यक्तियों में से किसी क्यूक्ति दुवासु;
- (ब) इस तुमना के राजपृत्र में प्रकाशन की सारीक् वें 45 दिन के भीतर स्वतंत स्थावर सम्मृति में हितवक्ष किसी जन्य स्वतित इवास स्थाहस्ताक्षरी के पातः. जिक्ति में किए का सकों ने।

स्वकाकरणः ----इसमें प्रयुक्त सन्धां भीर पर्वो का, वो अपत योषीयवस के जध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं धर्य होगा वी उस जध्याय में दिक्स पद्या ही।

वन्यूची

मकान नं० 2098 फ़्रेज-VII मोहाली तहसील खरड़ (ग्रयित् वह जायधाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, खरड़ के विलेख संख्या 3974 माह जनवरी, 1985 के तहत दर्ज है)

जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10-9-1985

प्ररूप आई. टी: एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीम मुचना

भारत सरकार

कार्याक्षयः, सहायक आवकार आयक्त (निरीक्षण) भ्राजन रेजः, लुधियाना लुधियानाः, दिनांकः 10 सितम्बर 1985 निदेश सं० चमकौर/माहिब 1/84-85--श्रानः मुझे, जोगिन्द्र सिंहः,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का करण है कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्राँर जिसकी सं० बिल्डिंग 48 कनाल भूमि के साथ है तथा जो जमकार पाहिब, तहमाल रोपड़ में स्थित हैं ग्राँर इसके उपाबद्ध श्रनुसुवा में ग्राँर पूर्ण का से विणित है), रिजिस्ट्री क्री ग्रिधिकारी के कार्यालय, चमकार साहिब में, रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) में ग्रिथीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान अतिकस के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह निक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान अतिकल से, एसे इत्यमान अतिकल का पन्सह अतिकल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिदल्ल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निश्चित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण गः, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (1) के अधीन जिम्निजित व्यक्तियाँ, अर्थात् :— 11—276G1|85 ा श्रो प्रेम चन्द्र पुत्र श्री हरदपाल, श्रीमती श्रीण पुरी पत्नी श्री कुलदीप चन्द श्री परमिन्द्र कुमाप, श्री प्रवीण कुमार पुतान् श्री रोगत लाल, सभी निवासी सरहिन्द मर्न्डी, जिला परियाला।

(भ्रन्तरक)

 मेनर्स हरगोबिन्द रायस एण्ड जनरल मिल्य, लरहिन्द, ब्रांच चमकीर माहिब, जिला रोप ।

(ग्रन्शियाः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की बारीस से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितशब्ध किसी जन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनसूची

विल्डिंग 48 कुनाल भूमि के साथ जो कि चमकौस साहिब, सहसील रोपड़ में स्थित हैं। श्रथित दह जायदाद जोकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चमकौर साहिख के विलेख संख्या 874 माह जनसरी, 1985 के तहन दर्ज हैं)

> जोगिन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायक तिरीक्षण) श्रर्जन रोंग, लुधियाना

तार् ख: 10-9-1985

मोहरः

प्रक्ष आह^र. टी. एन. एस.----

भायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

कारत बरकार

कार्यालय, सहायक जायकर मायुक्त (निरीक्षण) श्रजंत रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1985

निदेण मं० पटियाला/45/84-85---- प्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके दिखात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,06,000/- रु. से अधिक हैं

घौर जिसकी संव मजान जायदाद है तथा जो कि राजवाह रोड, पटियाला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूर्वा में और पूर्ण का से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीध-कारी के जार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 जा 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1985

फो प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुर्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का नेवह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितयारें) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय वाबा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिक्ति में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) सन्तरण सं हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिल्हों भारतीय बाय-कार अभिनियम 1922 (1922 का 11) या उन्त अभिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा या या किया जाना वाहिए था, कियाने जें सविधा के लिए;

जतः शद, अका अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उका अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के सभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् इ—- डाक्टर पृथ्वापाल सिंह पुत्र श्री करसार सिंह, राजवाह रोड़, पटियाला।

(श्रन्तरक)

2. श्रं: इन्दर सिंह पुत्र श्रं: मोहन सिंह, श्रीमतः जगदंश कीर परनः श्रं: गुरमेल सिंह, तिवासी: गांव रामगढ़ तहमील तथा जिला संगक्तर ग्रंब राजवाहा रोड, नजदीक कोटी श्री ओरा सिंह बरीड़, पटियाला। (श्रन्तरिती)

को स्व वृत्रका आरी कड़के पूर्वीक्य वृत्र्यास्य के नर्वन के लिए कार्यवाहियां कड़ता हुं।

उसत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 किया की जबीय वा तत्स्वत्यों कितारों पूड स्वान की तारीस से 30 किन की सबिध, को भी सबिध बाद में डमाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्वित्यों में से किसी स्वित्य स्वारा;
- (क) इन्ह सूचना के द्वाबपून में प्रकाशन की तारीक के 45 बिन के भीतर उक्त स्थान प्रम्मित में हित्बबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकेंगे।

स्वकातिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त वृष्टिन्दम्, के बध्याय 20-क में प्रिभावित हैं, बह्री वर्ष होगा को उस अध्याद में दिवा भवा है।

वनृत्यी

मकान जायदाद जो कि राजवाह। रोड, पटियाला में स्तित है।

(ग्रर्थात वह आयदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, पटियाला के विलेख सख्या 389 मा जनवरी, 1985 के तहत दर्ज है)

जोगिनद्र सिंह मक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर प्रायुक्त (निरोक्षण) प्रजैन रेज, लुधियाना

तारी**ख**ः 11—9—19**8**5

प्ररूप आई. दी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्**प**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भ्रजन रोंज, लुाधयाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1985

निर्देश मं० खर $\mathbb{E}/73/84-85$ ---ग्रतः मुझे, जोगि-द्र सिंह,

शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मृत्य 1,00,000/- रहे. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संव महान नंव 564, है तथा जो फ़ेज 2, मोहाली, तहसील खरड़ में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध श्रानुस्वी में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजर्ट्रीवर्ता श्रीविज्ञारी के अयिलिंग, खरड़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 ज 16) के श्रवीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्विक्त सम्मति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए मन्दरित की गई है मौर युष्ठे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जायत बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्र है प्रतिशत से भविक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्दरित (भन्तरितों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया बिखन; निम्नलिखित उहेश्य से उन्त भन्तरण लिखित मंत्रिक कप से कथित नहीं पिथा समा है :--

- (क) अन्तरण से हुन्द्रं किसी आय की बाबत, उकत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोचनार्थ बन्तिश्री ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिन के निष्;

मतः, त्रवः, उक्तं विधिनियमं कौ भारा 269-ए को बनुसरक मं, मंं उक्तं विधिनियमं की भारा 269-च की उपभारा (1)ं को विधीर, निम्नितिखित व्यक्तियों, वधारत क्र--- श्री ए० एन० भर्मा पुत्र श्री नोतिध राम निकासी म ान नं० 564, फ्रेज-2, मोहाली।

(अन्तरक)

2. श्री प्रीतम पाल सिंह रिणी पुत्र श्री हरदित सिंह, प्रशाम कीर पुत्री श्री दर्णन सिंह, निवासी, एयर फ़ीस स्टेशन, मुल्लापुर, प्रीव दास, तहसील खरड़।

(ग्र-तरितीः)

की यह सुचना जारी करके पूर्वांक्ट सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकनी।

स्पव्यक्तिकश्याः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, को उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

महान रं० 564, फोन 2, तिहाला, तहनील खरड़ (ग्रथित् वह जायदाद जो िं रिजिस्ट्रीमिती ग्रिधिकारी, खरड़ के विलेख सं० 3816 माह जनगरी, 1985 के तहत धर्ज हैं)

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 11-9-1985

मोहरः

ROT RIE. IL TE PE DE DESCRIPTION

नायकार जीधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन मुचना

नाइत बहुना

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रोज, लुधियाना लुधियाना, दिनांह 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० चण्डीं ०/128/84~85---- श्रतः सुझे, जोगिन्द्र

सिंह, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उन्हों की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रूपये हैं सिंक है

और जिसकी संव में पान नंव 53 का 1/2 भाग, है तथा जो भीनटर 2--बाव, चण्डागढ़ में स्थित है (श्रांग्रेडसमें उपा-बढ़ अनुसूचा में श्रीर पूर्ण का से बणित है), रिजस्ट्रांतर्त अधिकार। के अर्थालय, चण्डांगढ़ में, रिजस्ट्रांवरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्थान, माराख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के स्त्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्त्यमान प्रतिफल खे, एसे स्त्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मंतरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त विभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए बाँडि/था
- (का) एती किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा बा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृत्यिय वे किए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखिट व्यक्तियों अर्थात् :--- श्री राम लाल अग्रवाल पुत्र श्री दीवान रोणन लाल, निवासी महान नं० 53, सैक्टर 2-बी०, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तर⊸)

 श्रीः योग प्रताश श्रम्भवाल पुत्र श्रीः लेख राज सिगल, म ान नं० 53, सैक्टर 2-बी०, चण्डं≀गढा

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां सूच्य करता हुं।

उन्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोड़े भी वाक्षेप हन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र भे प्रकाशन की तारी इसें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भे अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी क से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबब्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम सिवित में किए का सकरें।

स्पाका किरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियमं के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विधा गया है।

नगसची

मकान नं० 53 का 1/2 भाग, सैक्टर 2-बी०, चण्डी-गढ़ (ग्रर्थाते वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी, चण्डीगढ़ के विलेख मं० 1070 माह जनवरी, 1985 के सहत दर्ज हैं)

> जोगिन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्राक्षण) श्रर्जन रेज, लुधियाना

सारीख: 9--9--1985

त्रक्ष बार्ड . दी . एन . एस . ------

बायकर सीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बचीन सूचनां

भारत सरकार भार्यास्य, सहायक आयक्त आयुक्स (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 सिसम्बर 1985

निदेण सं० चण्डी ०/140/84-85---श्रतः मुझो, जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० एस० सी० एफ० नं० 47, है सथा जो सक्टर 23-मी०, चण्डीगढ़ में स्थित है और इससे उपाबद्ध श्रमुखी में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीवर्सा अधिकारी के जायिल्य, चण्डीगढ़ में ,रजिस्ट्रीवरण श्रधिकियम, 1908 1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य ते कम के अवयमान प्रीतफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रहं प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पांगा गया प्रतिफल, निम्निलिक्ति उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की, वावत, उचत विभिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/वा
- (का) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनिजम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा कोतिह;

मत: मब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, शिनसिक्त स्पक्तियों, अर्थात:—

1. श्रीमती सविन्द्रजीत कौर ग्रेवाल पत्नी श्रिगेडियर बीठ एसठ ग्रेवाल, निवासी कोठी नंट 2504, सैक्टर 35-सीठ, चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरकः)

2. श्रीमती भुरजीत कौर पत्नी स्व० श्री नरंजन सिंह श्रीमती नरेन्द्र कौर पत्नी श्री दान सिंह, निवासी महान नं० 613, सैक्टर 16-डीं०, चण्डीगढ़। (श्रन्तरितीं)

3. मेंसर्स न्यू कुष्णा स्वोट्स' एस० सी० एफ० नं० 47, सैक्टर 23-सी०, चर्ण्डागढ़।

बह व्यक्ति, जिसके ध्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अचीन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गाओप :---

- (क) इस सूचना के राजवत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में किसी व्यक्ति क्षारा;
- (ख) इतस्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्यारा अधोहस्ताक्षरी के ऋष लिखित में किए वा सकरेंगे।

स्यव्यक्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, को उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होनेश को उस अध्याय में विया भवा हैं ह

अनुत्री

एस० सी० एफ० नं० 47, सक्टर 23-सी०, चण्डीगढ़। भ्रम्यात् वह जायदाद जो कि रिजर्स्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, चण्डी-गढ़ के विलेख सं० नं० 1124 माह जनवरी 1985 के सहत दर्ज है)

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर **भागुक्त** (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, लुधियाना

तारीब: 9-9-1985

प्रकृप मार्च . ठी . एन . एस .-----

भायकर सिंधतियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के संधीन सूचना

नारक बहुकाड

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1985 निदेण सं० डेरावस्सी/21/84-85 अतः मुझे, ओगिन्द्र सिंह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि 117 विधा है तथा जो गांव रायपुर कला सब तहसील डेरा बस्सी में स्थित हैं (और इससे उपा-बद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, डेराबस्सी में, रजिस्ट्रीकरण श्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1985

की पूर्वोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दश्यमान लिए **अ**न्तरित की गह ₹, विष्वास करने का कारण कि मधापुर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके सम्मान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) को थीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से क्रीधत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाब की बावठ, उपरा अधिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे अधने से सुविधा के निष्; और/वा
- (थ) एसी किसी नार्य वा किसी पन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उथत लिधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्तरिती ह्वारा प्रकट वहीं किया भवा था थे, किया बाना बाहिए था क्रिपाने में सुविभा के निहा;

वतः वसः, उक्त जिभिनियमं की भारा 269-ग के जनसरूर कें, कें, धक्त विभिनियमं की भारा 269-श की उपभारा (1) के अभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थातः:----

- श्री हजूरा सिंह पुत्र श्री मुंशी सिंह,
 श्री नठतर सिंह पुत्र श्री नराता सिंह तथा
 श्री अने (क सिंह, जागीर सिंह, पुरान् सुन्दर सिंह, निवासी रामपुरकला सब तहसील डेरा बस्सी। (अन्तरक)
- 2. द० पंचकील को०ब्राप० हाउसिग बिल्डिंग सोसायटी लिमिटेड (राजस्टर्ड) रामपुर कलां, सब तहसील डेरा बस्सी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी कारके पृथांकत संपरित से अर्थन के शिवष् कार्यवाहियां कारता हुने।

उक्त संबुद्धि के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेत्र :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन को जवाप, जो भा बब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योक्त व्यक्तियों में संकिसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितवत्र्यी किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किस वा सकतें ने।

त्वचीकरणः — इतमे प्रयुक्त कन्दों और पदों का, जो वर्व्य अधिनियम, को अध्याय 20-के में परिभाजित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

ग्यूकी

भूमि 117 बिधा जो कि गांव रामपुर कला सब तहसील डेरा बस्सी में स्थित है । (ग्रर्थात् वह जायदाद जो कि राजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी डेरा बस्सी के विलेख संख्या 1251 माह जनवरी, 1985के तहत दर्ज है)

> ओगिन्छ सिह सक्षम प्राधिकारी प्सहायक ग्रायकर ग्राय त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 11-9-1985

मोद्द :

प्रकप ुनाएँ ुटीं ुप्रकु प्रचान समान

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाड़ा 269-व (1) के अभीन स्वना

धारव संद्रकाड

श्रायांसयः, श्रहागक नायकर नाय्क (निर्दोक्तन) श्रुकंत रंज, लुधियानी

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1985

निदेश सं० डेरा बस्सी/41/84-85---ग्रतः मुझे, जोर्गिन्द्रे सिह.

बायकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्जात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा १69-ख के अधीन तक्षम प्रीधिकारी को यह विक्लास करने का शिक्त है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसका सं भूमि 6 बिधा है तथा जो गांव रामपुर कलां सब तहसाल डेरा अस्सी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), राजस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय, डेराबस्सी में, राजस्ट्रीकरण ग्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी

की पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मृथ्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और ममें, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का गंबह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्ग) और अंतरित (अन्तरित्तार्ग) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित तास्तिथिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुवू किसी जाय की वावत, उजक अधिनियम के अधीन कर दोने जें अन्तरक के रायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; जौर/बा
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

जत. ज्ञा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्मितिका व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. श्री जगदींग सित्न पृत्त श्री हरी राम निवासी कोठी नं 67, सैक्टर 28 ए , चण्डीगढ़, श्री विश्वा सित्न पृत्व श्री हरी राम बारा जी पी ए , श्री जगदींग सिंव पुत्र श्री हरी राम निवासी कोठी नं 67, सैक्टर 28 ए , चण्डीगढ़। (श्रन्तरक)
- 2. दि पंचणील को-म्राप हार्जासग सोमायटी लि० (र्जिस्टर्ड), गांच रामपुर कलां, सब तहसील, डेरा बस्सी।

(अन्तरिशी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हैं।

बक्त सम्परित के कर्पन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वक्तियों में से किसी स्वक्ति द्वारा;
- (ज) इ.ज. क्षूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीज है 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्परित में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

नग्तुची

भूमि 6 बिघा जो कि गांव रामपुर कलां सब तहसील डेरा बस्सी में स्थित हैं (सब रजिस्ट्रार प्रथीत वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, डेरा बस्सी के विलेख संठ 1252 माह जनवरी, 1985 के तहन दर्ज है)

> जोगिन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, लुधियाना

नारीख: 11-9-1985

मोहर 🤋

प्रकथ बाद्दे ही, एवं. एवं ,नत---त---

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-घ (1) के सभीद सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, शहायक आयकर आयृक्त (निर्दाक्षक) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1985 निदेश सं० धेरा बस्मी / 23/84—85—ग्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 6 बिघा है तथा जो गांव रामपुर कलां सब तहसील डेरा वस्सी में स्थित है (और इससे उपाबद प्रनुस्ची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, डेरा बस्सी में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोधित सम्परित को उचित बाजार मूल्य से कम को दरवजान इतिकस को लिए जन्तरित की गई है और मूको यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसको दरवमान प्रतिकल मं, एमि दरवमान प्रतिकल का पन्तर प्रतिकल का पन्तर प्रतिकल का पन्तर प्रतिकल का पन्तर प्रतिकल में प्रथिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिकक्तम निश्निवित्त सद्देश्य से उन्त जंतरण निचित में बास्तविक क्य से किथन नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी नाय की वायत, उथक अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उद्यक्त वथने वे सुविधा के लिए: और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर बिधिनियम, 1922 (1922 को 11) या जब्ब बिधिनियम, या धन-कर प्रीधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में मुविधा के निष्ट:

अत. अज. उक्त अभिनियम की भारा 269-न के जनुसरण भो, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) हो अभीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, जर्भातः—

- 1. श्री जगदीण मिल पुल श्री हुरी राम शिवासी कोठी नं 67, सैक्टर 28 ए, चण्डीगढ़, सर्वश्री विश्वा मिल, जगदीण मिल पुलान् श्री हुरी राम क्षारा श्री जगदीण मिल पुल श्री हुरी राम, निवासी कोठी नं 67, सैक्टर 28 ए, चण्डीगढ़।
- श्री पंचणील को-म्राप हाउसिंग बिल्डिंग मोसायटी लि०, (रिजस्टर्ड) गांव रामपुर कला सब तहसील डेरा बस्सी।

(श्रन्तरिती)

कृ वह त्वना वाडी करके प्वॉक्स सम्पत्ति के वर्षन के तिए कार्यवाहियां करता हो ।

वक्त ब्रम्मित्त के अर्थन के सम्बन्ध में काई भी बाह्मेप् अ---

- (क) इत् सूचन के यूचन में प्रकाशन की तारीब वें
 45 दिन की सर्वीभ ना त्रस्टब्यम्भी व्यक्तियों नद्द बूचना की ताजीन से 30 दिन की स्वीभ, को भी बदिश नात में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेतिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इताय;
- (क) इस स्वना के ख्वप्य में प्रकाशन की तारींब से 45 विम् के भीत्र उपद स्थावर सम्पत्ति में हित्बबुध किती बन्ध व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पार्व विविध्य में किए वा सकोंगे।

स्वाक्षरमः :---इसमें प्रयुक्त सन्यों जीत पदों का, वा उनत वीधीनवम, के अध्याय 20-क में परिधावित ही, वहीं वर्ष होगा वो उस अध्याय में दिवा गया ही।

समय की

भूमि 6 बिधा जो कि गांव रामपुर कलां, सब तहसील डेरा बस्सी में स्थित है (ग्रर्थात् वह जायदाद जो कि राजस्ट्री-कर्ता ग्रधकारी, डेरा बस्सी के विलेख सं० 1253 माह जनवरी 1985 के तहत दर्ज है)

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुवत (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, लुधियाना

नारीख: 11-9-1985

मोंहर :

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एत.-----

कासकः विभिनियमः, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के सभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1985

निदेश सं० डेरा बस्सी/24/84-85 श्रन: मुझे, ओगिन्द्र सिह,

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परकात जिल्ला जिथिनियम कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- राज में अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि 6 बिघा है तथा ओ गांव रामपुर कलां सब तहसील डेरा बस्सी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डेरा बस्सी में रिजस्ट्री-करण प्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, रितारीख जनवरी, 1985

को प्वॉक्त संपत्ति के उचित बाबार मृस्य सं कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित ही गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सस्मिति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाम प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं पाया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी पत्र या अन्य आस्तियाँ का निवास निवास भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया कर था या किया बाना चाहिए था। छिपाने से स्वास को किया के किया की किए;

1. श्री जगवीण मिक पुढ श्री हरी राम निवासी मकान नं० 67, सैक्टर 28 ए, चण्डीगढ़ प्रपने लिए तथा बनौर ग्रटानी श्री विशवा मिक तथा जगदेव मिक पुतान्श्री हरी राम, निवासी मकान नं० 67, सैक्टर, 28 ए, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरक)

2 दी पंचभील कोम्रापरेटिय हाउसिंग बिल्डिंग कोसायटी रिजस्टर्ड गांव रामपुर कलां सब तहसील डेरा-बस्सी, जिला पटियाला।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वकित सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां १-रू करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के नर्पन् के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तासील से 30 विन की अविधि, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर एवंकिन व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के शाजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस्थ किसी बन्य स्थावत स्थाय, बभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए का सकोंगे।

स्थव्यक्तिरण: --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिशा मया है।

अन्स्ची

भूमि 6 विधा जो कि गांव रामपुर कलां सब तहसील डेरा बस्सी जिला पटियाला में स्थित है। (ग्रथित् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, डेरा बस्सी के विलेख सं 1262 माह जनवरी, 1985 के तहत दर्ज है)

> जोगिन्द्र सि**ह्** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्राय्*क्त (निरीक्षण)* श्रर्जन रेज, लुधियाना

नारी**नः** : 11-9-1985

प्रारूप आहाँ टी. एन . एस . ------

जाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक कायकर बायुक्त (निरक्षिक) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1985

निषेण सं० डेरा बस्सी/28/84-85--श्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

बावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इसकें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का करण है कि स्थावर संपरित, जिसका उच्चित बाजार मृन्य 1,06,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं अभि नं 6 बिघा 7 विसवा है तथा जो गांव रामपुर कलां सब तहसील डेरा बस्सी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विभित्त है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, डेरा बस्सी में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवरी 1985

फो पूर्विक सम्पत्ति के उचित वाजार पूल्य से कम के क्रममान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूल्य, उन्नके दश्यमान प्रतिफल को पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया बतिकल, निम्नलिखित उद्विध्य से उक्त उन्तरण लिखित में बास्तिकल स्थ से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण स हुइ किसी आम की बाबत, उक्त विधिनियम के वधीन कर दोने से अन्तरक से दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के चिए; बीड/या
- (व) देती किसी जान ना किसी धन ना अन्य नास्तिकों को, चिन्हों भारतीय नाय-भार निधितिका, 1922 का 11) या एक्त अधितिका, 1922 का 11) या एक्त अधितिका, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बना वा वा किया चाना वाहिए वा, कियाने के नुविधा के निक्तः

कार कार्य कार्य नियम की भारा 269-त के अनुसरण वी, त्री, राक्त सिधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के सभीन, निम्निलिखित स्थानिस्तों, क्यांनि प्रकार

- 1. श्री जगदीश मिल्ल पुत्र श्री हरी राम निवासी कोठी नं० 67, सैक्टर 28 ए०, चण्डीगढ़, श्रपनी तरथ नथा जगदेव मिल्ल पुत्रान् श्री हरी राम, निवासी मकान नं० 67, सैक्टर 28 ए०, चण्डीगढ़। (श्रन्तरक)
- 2. दि पंचणील कोद्यापरेटिय हार्जासँग बिल्डिंग कोसायटी रिजस्टर्ड, रामपुरा कलां, सब तहमील डेरा बस्सी, जिला पटियाला।

(ग्रन्तरिक्षी)

को यह त्यना चारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्वति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के सम्पन्न में प्रकारन की तार्रीय से 45 दिन की जनकि वा तत्त्वम्मानी म्नित्त्वकों दृष्ट सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी क्योंच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूनोंक्य व्यक्तियों में से किसी स्थानित दृशाराः
- (क) इस बुकना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर तत्र्यात्त में हित्तवकृषी किसी अभ्य कावित स्वारा अभोहरुवाकरी के वास विस्ति में किए का कर्जने ।

स्थलतीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्षों का, जो उपन अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, नहीं कर्ष होंगा, जो उस अध्याय में दिया क्या हैं।

अनुसूची

भूमि 6 बिघा 7 बिसवा जो कि रामपुर कलां सब तहसील डेरा बस्सी जिला पटियाला में स्थित है। (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, डेराबस्सी के विलेख सं० 1309 माह जनवरी 1985 के तहस दर्ज है)

> ओगिन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारी सहामक ग्रायकर श्रायुक्त (নিरीक्षण) -श्रर्जन रेंज, লুগ্রিयाना

तारीख: 11-9-1985

मोह्नर:

श्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आमृक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, लुधियाना लुधियाना,दिनौक 11 सितम्बर, 1985

सं० डेरा बस्सी/29/84-85—शतः मुझे जोगिरद्र सिंह बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसके पदवात् 'उक्ट अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारत है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अभिक हैं

म्रोर जिसकी सं अभूमि 7 बिघा 19 विसवा है तथा जो गाँव रामपुर कर्लों, सब तहसील डेरा बस्सी में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय डेरा बस्सी में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियमं, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख जनवरी, 1985

को पृशांकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान जातिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवांकत संवित्त का उचित बाजार मृत्ये, उसके क्ष्मान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्मान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल का, निम्निलिखत उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकि क्य से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुन्दं किसी. आय की आबते, उक्त अधिनियन के अधीन कर देने के अंतरक के बावित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा से सिए; बार्ट्/बा
- (था) ऐसी किसी जाब वा किसी वन या जन्म जास्तियां की, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जे प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के किए;

कतः अव, उकत विधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्मलिखित स्थीक्तयों, अर्थात्:——

- श्री रिपुदमन मिंह (बॉसल)
 पुत्र श्री श्रम्बा सहाय,
 निवासी: 654, फेज नं० 1, मोहाली,
 तहसील खरड़।
- दी पंच-शील को-आपरेटिय हाऊस बिल्डिंग सोमायटी लि०, (श्रन्तरक)
- दी पंचशील को०-श्राप० इाऊस बिल्डिंग सोसावटी लि०, (रिजिस्टर्ड) गाँव रामपुर कहाँ, सब तहसील डेंग बस्सी । (श्रन्तरिती)

को बृह सूचना जारी करके पर्वोक्त अस्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 विन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जांभी अविध बाद में समाप्त होती हो, ने भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (व) इब गुमना के रायपन में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन के बीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास सिसित में किए का सकीं।

स्वक्रीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपर किंगिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होंगा. जो उस अध्याय में दिन ववा हैं ॥

अनुसूची

भूमि 7 बिघा 19 विसवा, जो कि गाँव रामपुर कलाँ सब-तह्सील डेरा बस्सी में स्थित है (श्रयाँत् वह जायदाद जो कि रिजिल्ट्री कर्ता अधिकारी, डेरा बस्सी के विलेख संख्या 1310 माह जनवरी, 1985 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिङ्क् सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, लुक्षियाना

तारीख: 11-9-1985।

इस्प् भार्द्र, टी, एन्, पुत्र, प्रान्त

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्वना

भारत उपलर

कार्यासक, श्रहायक बासकर वास्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनौंक 11 सितम्बर, 1985

सं० डेरा बस्सी/30/84-85—श्रतः मृक्ते, जोगिन्द्र सिंह आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके ग्रह्मास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-खं के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्मस्ति, जिसका उिचत बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

धौर जिसकी सं अपूमि 7 विधा 19 विसवा है तथा जो गाँव रामपुर कर्लों, सब तहसाल डेरा बस्सी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय डेरा वस्सी में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1985

को पूर्विक्त स्मिति के जीवत बाकार बृत्य से कम क का का का नाम प्रतिकास के नियं अंतरित की नाम है मार मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि संधापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीकत बाकार मूक्य, उसके क्रयमान प्रतिकास से, एसे क्रयमान प्रतिकास का पत्त्रह प्रतिकात से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरक के विश् तय पासा क्या प्रतिकात, निम्नसिवित उद्योक्यों से उनत अन्तरक विविद्

- (क) अन्तरम से हुए किसी जान की बान्स, जनस बिधिनिन्त के अधीन कर दोने के बन्तर्क के समित्व में कभी करने या उत्तरी क्यने में शृत्विका के जिल्ह; शौर/मा
- (क) एसी किकी काक या किसी कर या करतः वास्तियों को, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ कर्तारती व्याप प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-गं के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-णं की उपधारा (1.) के अधीन, निम्नलिणित व्यक्तियों, अधीत :—— श्री रिपुदमन सिंह (बंसल) पुत्र श्री श्रम्बा सहाय, निवास्।: 654, फेज 1, मोहालंड, तह्सील खरड़।

(भ्रन्तरक)

 दी पंचमोल को-म्रापरेटिव हाऊस बिल्डिंग सोसायटी लिमिटेड (रिजिस्टर्ड), गाँव रामपुरा कलाँ, सब तह्सील डेरा बस्सी। (म्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पृथेकित संपक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (ह) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी क्योंक्तयों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्योंक्तयों में से किसी क्योंकत इवारा;
- (च) इस स्चना के राजपण में प्रकाशन की तारीक के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिरवब्ध किसी ज्ञ्य व्यक्ति द्वारा जभाइस्ताकरी के पास विविद्य में किए या सकेंगे।

स्वकाकरणः इसमें प्रयूषत शब्दों मीर पदों का, थो उपक विधिनियम के अध्याय 20-क में परिप्राधिक हैं, वहीं वर्ष होगा थो उस अध्याय में दिया स्वर हैं।

अनुसूची

भूमि 7 बिघा 19 बिसवा जोकि गाँव रामपुर कलाँ सब तह्सील डेरा बस्सा में स्थित है। (ग्रथात् वह जायदाद जो कि रिजस्ट्री कर्ता ग्रधिकारी, डेरा बस्सी के विलेख संख्या 1376 माह जनवरी, 1985 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक बायकर बायुक्त (निरोक्षण) कर्जन रेंज, सुधियाना

तारी**व** : 11-9-1985

नोहर:

प्रकप कार्द.टी.एन.एस. ------

नावकर निधनित्रम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नेभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बाबुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 10 सितम्बर, 1985

निर्देश सं लुधियाना | 544 | 84-85—श्रतः मुझे जोगिन्द्र स्सिह श्रायकार विधिनियमः, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसर्वे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसंवा उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फैक्टरी बिल्डिंग नं० बी० XXVI-224 (प्लाट नं० 306) का 1/3 हिस्सा है सभा जो इन्डस्ट्रीयल एरिया 'ए' लुधियाना में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय लुधियाना में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ताराख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के ध्यमान प्रित्तिकल के लिए अस्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करेंगे का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पृस्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से ऐसे दश्यमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पांधा गया प्रतिकल, निम्नसिचित उप्योध्य से उच्त अन्तरण जिल्लित में बाल्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ह—

- (क) बन्तरण वे हुएं कियी बाय की बाबस, अंक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के समित्य में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/का
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में सृतिथा के सिस्।

जत: अब, उक्त ऑधीनयम की धारा 269-म के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के जधीन, निस्मतिकित व्यक्तियों, अर्थात्:— में सर्ज इडियन एगरोको इन्डस्ट्रीज लुधियाना द्वारा श्री गरीण कुमार बाँसल पुत्र श्री प्रमात्मा सरन बंसल, निवासी डिफेंस कालोनी, मेरठ छावनी । अपनी श्रोर से तथा बतौर अटार्नी श्रीमती राम दुलारी पाटिक पत्ति श्री प्रमात्मा सरन , श्रीमती आणा रानी पत्ति श्री संतोण कुमार बांसल, श्री हरीण कुमार बांसल पुत्र श्री परमात्मा सरन, निव्।सी मांव क्टब्स्टीन नगर ननू, तहसील सरधना, जिला मेरठ ।

(अन्तरक)

 मैंउर्ज हरीनाम बूलन मिल्ज, दाल बाजार, लुधियाना ।

को यह स्थाना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के तिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थभ के सम्बन्ध में कोई काक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकासन की तारींच है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासींल से 30 दिन की अविध, जो भी कविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्च व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील हैं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाक निस्तित में किए जा सकरें।

स्वक्रीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों माँर पवाँ का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं मर्थ होगा, जो उस सध्याय में विवा गवा हाँ।

अमृस्ची

फैक्टरी विल्डिंग न० बीo-XXVI-224 (प्लाट मं० 306) का 1/3 हिस्सा जो कि इंडस्ट्रीयल एरीया 'ए' लुश्चियाना में स्थित है (अर्थात् इन्ह जायदाद जो कि रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी सुधियाना के विलेख संख्या 10303 माह जनवरी, 1985 के तहत दर्ज है)

> जोगिन्द्र सिद्ध् सक्षम प्राधिकारी (सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, लुक्षियाना

तारीब : 10-9-1985

प्रकथ बाह्य . टी . एन . एस . ----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-भ (1) के नभीन तुमना

भारत बाम्बार

कायालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 सितम्बर, 1985

सं० लुधियाना/539/84-85--अतः मुझे जोगिन्द्र सिंह नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके करवात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राभिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मुख्य 1,00,000/- रा. से अभिक हैं

ग्रीर जिसकी सं मकान नं बी 0-20-1173/6 है सभा जो गांव जवेंदी, सराभा नगर, लुधियाना हू स्थित है (ग्रीर इससे उप बद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुंधियाना हू रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तासीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयबाब प्रतिकन के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते ग्रह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके इस्यमान प्रतिफल से, एमे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के निए तय पाया चया प्रतिफल निम्मतिस्ति उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण निम्मतिस्ति उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण निम्मतिस्ति उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण निम्मतिस्त

- (क) अभ्यारण संहूद किसी जान की वासता, उनके विधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे जनने में स्विधा के लिए; वर्षि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अने या कर्न्य कास्तियों के जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के लिए;

बतः वब, उक्त वीधीनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के वधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, वजात :--- श्री भुपेन्द्र सिंह भिड पुत्र श्री शिविधित सिंह, निवासी 617-एल, माडल टाऊन, सुधियाना ।

(मंतरक)

 स्वश्री भुपेन्द्रपाल सिंह, जगमोहन सिंह, पुत्रान श्री हरी सिंह, निवासी: 233 जे०, सराभा नगर, लिधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिस की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में सजाप्त होती हो, को भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीब हो 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबेंचें किसी अन्य व्यक्ति द्वारा सभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

अनुसूची

मकान नं बी०-20-1173/6, गांव जबँदी, सराभा नगर लुधियाना (अर्थात् वह जायदाव जो कि रिजस्कीकर्ता अधि-कारी लुधियाना के विलेख संख्या 10221 माह जनवरी 1985 के तहस दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, सुधियामा

तारीख: 9-9-1985

मोइर:

इक्ष्य नार्ष् दी प्रम् पुर्व ------

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन सूचना

भारत बरकार

कार्यालयः सष्टायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 9 सितम्बर, 1985

निर्देश सं० धूरी/1/84-85—अतः मुझे जोगिन्द्र सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषवास करने का कारण ह कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० भूमि 3 विघा, बिल्डिंग के साथ है तथा जो धूरी मालेरकोटला रोड धूरी में स्थित है (धौर इससे उपाबद अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना धूरी ह रिजस्ड्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1985

हो प्वेबित सम्पत्ति के उचित बाजार म्स्य से कम के दिस्तमान प्रतिफल के लिए कसरित की गई है और मुझे वह जिल्लास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्मत्ति का उचिक बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का क्षेत्रक वाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का क्षेत्रक प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे बंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिक्त कल निम्नलिखित उद्देश्य से उकत बंतरण लिखित ए बास्तरिक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बावत उच्च मिय-नियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के बावित्य में क्षमी करने या उमसे वच्चे में मिविधा के लिए; बार/या
- (बा) एसी किसी आय. या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27, के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बवारा प्रकट नहीं किया गया था गा किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के सिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण के अनुमरण में, में, इक्त अधिनियमं की धारा 269-न्त्र की उपधारा (1) के अभीन, निम्निनिसित ध्यक्तियों, अर्थात् :—— श्री पणन कुमार पुत्र श्री लेख राज पुत्र श्री राजा राम, निषासी: मण्डी धुरी।

(जन्तरक)

 श्री मंगल सेन, श्री राम सण्न तथा श्रीमती सुष्मा रानी, जो कि मैसर्ज मंगला राइस मिफज, धूरी-मलेरकोटला रोड, धूरी के हिस्सेदार हैं। (अन्तरिती)

को बहु कृषना बारी करके पृश्वीकत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां कुरु करता हूं।

वस्य क्षम्यास्य के वर्षन् के बान्तुन्थ में कीई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचभा की तामील से 30 दिन की जबिश, को भी जबिश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वित्यों में से किसी व्यक्ति वृत्रारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिस के मीसर उक्त स्थावर मंपीत्त में हिल बद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सकनें।

स्पाद्धिरण: -- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में गीरभाषित हाँ, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया क्या है।

नन्स्ची

भूमि 3 बिषा बिर्लिडंग सिह्त जो कि धूरी मलेरकोटला रोड, धूरी में स्थित हैं (अर्थात् वह डजायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, धूरी के विलेख संख्या 3582 माह जनवरी, 1985 के सहत दर्ज हैं)

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

मारीख: 10-9-1985

प्रकल नाही, ही, एवं, एक ुरू - - - ----

श्रीयकर मधिनियम, 1981 (1981 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्थान

नारत करकार

कार्यास्य, महासक कायकर नावृक्त (निरासक)

म्पर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर, 1985

निदेश सं० लुधियाना/529 84-85—म्प्रतः मुझे जोगिन्द्र सिंह बायकर धौधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त नीधीनमा' कहा गया हैं), की धाय 269-च के अधीन बक्तम प्रमीधकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि न्याकर धम्मीतः, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रा. से जीधक हैं

स्रोर जिसकी सं० मकान नं० बी-31, 1138 का 1/4 भाग है, तथा जो मुंडिया कला. लृधियाना में स्थित है (श्रीर इस उपा-बद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण क्ष्म से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लृधियाना, में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन विनांक जनवरी, 1985

को प्वेंक्त संपरित के उचित बाबार ब्रुब्य से कम के दश्यकान प्रितफन के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यक्षण्योंकर संपत्ति का उचित बाबार ब्रुब्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहें प्रतिकृत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितवाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्मसिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लिक भें बास्तविक कप ने किवत नहीं किया गया है:----

- (क) बन्तरण संहुइं किसी बाय की शावत, उजत विधिनियन के बधीन कर दोने के जन्तरक के दावित्य में कनी करने या उतसे वचने में सुविधा के सिए; वरि/वा
- (क) एंसी किसी जांच या किसी अन या कच्य आस्तिकों की जिन्हें भारतीय नायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का वा किया जाना चाहिए था, छिणाने में सुविधा के सिए।

बतः जव, उक्त विधिनियम की भाख 269-ए के वनुतरक क्रो, में उक्त विधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) अ विभीन, निम्नसिक्ति व्यक्तिकार्यों क्री विक्ता श्रोमतो सुरजोत कौर, पत्नि, श्री बलवन्त सिंह, निवासी गाँव मुंडिया, कला लुधियाना।

(भ्रन्तरक)

7. श्री राजेन्द्र पाल सिंह, नाबालिंग पुत्र श्री हीरा सिंह द्वारा, उसके पिता तथा नैचूरल गाडियन, श्री हीरा सिंह, पुत्र श्री निरंजन सिंह निवासी मकान नं० बी-30-1386/1, मुडिया कलाँ, लुधियाना, मार्फत मैंसर्ज, निरंजन सिंह कतरतार सिंह, लिंक रोड, लुधियाना।

(म्रन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

धक्त सम्बद्धि के वर्षन के संबंध में कोई भी बाधांच ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्वता की ताजीस से 30 दिन की वर्षीभ, जो भी वर्षीभ साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी बन्ध व्यक्ति क्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा सकेंगे।

भ्यक्षीकरणः - इसमें प्रयुक्त कर्मा नीर पदों का, जो उनक नीभिन्नम, के नभ्याय 20-क में परिभाषित ही, नहीं नर्भ होगा को उस नभ्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-31-1138 का 1/4 भाग, जोिक गाँव मुंडियां, कलां, लुधियाना, में स्थित है। प्रश्नीत् वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी, लुधियाना, के विलेख संख्या 10112, माह जनवरी, 1985 के तहत दर्ज है।

> जोगिन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियासा

दिनांक 11-9-1985

मोहर ;

हरूप बाहुं. टी. पुन. पुन. -

कायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

शारद सरकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) इ.जं रोंज, लुधियाला

लुविया १, दिना :11 ितम्बर 1985

दिंग सं० लुधियाता,/530ए/84-85--- ऋतः मुझे जोगिन्द्र हिं,

बायकर अंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-क के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

अं. जि की स० म ान त० बी-31-1138 ा 1/4 भाग है, तथा जो गल मृंडित, जो, लि ा ग, में थि है अं इस उम द्वान्त में अं जो पूर्ण से गणित है। जिन्दी ती अवि ारों के ार्यात, लिखा में कि दूरित है। जिन्दी ती अवि ारों के ार्यात, लिखा में कि दूरित के प्रवि चम 1908 (1908 ा 16) के अवी दितां जिन्दी, 1985 को प्रविक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्क यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों कत सम्मत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्दह प्रांतञ्चत से अधिक है और अंतरित (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दृश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तिबक क्ष्म से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे वचने में बुक्तिमा के लिए; और/मा
- (इह) एमी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के लिए;

सतः सव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरव में में उक्त वीधिनियम की धारा 260-व की उपधादा (1) के स्थीन निम्नतिविद्य स्थितियों, तथाँत क्ष्मां श्रिमती शुरजीत कीर पिकाश्री बक्तरना सि श्री मोता दिह दिपाली मुंडिया ्लां, लुिता । (इन्दारा)

2 श्री पानिद्रपा कि नविकास पृत श्री हिरा हि द्वार उपक्ष कित तथा नेवाल गाडिया श्री हार्या हि पृत श्री रि.नि.हिं ितसीं में तानि वैने 30-1366/1 मुडिया किं, लुक्सिता, साफीत, मैं कि रिजय किंह भूपतार, हिंह, किंद्र राड, लुक्सिना।

(ग्रन्तितीं)

को यह स्चना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिख् कायवाहिया करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ह

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में जित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकर्ण् : इसमें प्रयक्त झब्दों और पदों का जो उन्स् अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया गया है।

वन्स्यी

मान्त नं० वी-31-1138 ता 1/4 भाग, जोति मुंडित शहां लिया में थित है। अर्थात्, वह जातदाद जोति रिस्ट्रोंकर्ना अस्ति रीं, लुक्तिमा के विजेख संख्या, 10172 माहजनवरीं, 1985 के तहत दर्भ है।

> जोनिद्र िह, सक्षम**ं प्राधिकारी** {सहायक श्रयकरः श्र**कः** (निरीक्षण) श्रर्जन रेंप्स, लुधियान।

नितांत 11-9-1985 **योहर इ** प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 ध (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जारें, लुिता

लुकितात, दिति, 11 तिल्बा 1985

दिशसं जुिता 1/530/84-85 - क्राउ मुझे जंिद्र हिं बायकर बीधीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिस हममें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 264-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर स्थानि, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00.000/- रु. में अधिक है

का ि की सं का मान नं वी-3'-1138 ा 1/4 शा है, तथा जो राप मृहिता पर, ति ाा में स्थिए हैं जो ह से उप इस्त च में जो जो पर्ण हा में पि हैं) कि ही जो है ति हैं ति है ति हैं ति

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बानत, उक्त क्रियां नियम के अभीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आफ्रिक्षों को जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनयम, या धन-कर अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनीय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा सुविधा के सिय,

कन क्या, उकन क्रिनियम की धारा 260-ग के बनमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के क्यीम, निक्नोलिकत व्यक्तियमें, अर्थात् :--- श्री बारको हि, पुत्रश्री मोता हि, दिसाक्षा गांध मुंख्या ाक्षा, लुदिया स ।

(हस्तर)
2. श्रीता किया, हि, नागरि हैंद श्री ही हि
द्वारा ६ के िता तथा नेचुत राख्या, श्रीही हि
पुत्र श्री दि । हि, मका नं वं की - 00 - 200 हि,
मुंद्दित । है, तिता गा। माफंड, मैं के दि न हि ह

(धन्दर्ति)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहिया भूरु करता हु।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस सं 45 दिन की अविधि या नत्मबधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त हाती हा, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकवे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म ा नं ्31-1138 ा 1/4 पाण, जोकि पोट मुंडित रहार लुटिता में थिए हैं। श्थीत् तह राजदार जाति रिट्ट्रिती रिजिट्टे लुटिता है जिलेद सं 10113 माह र एट्रे, 1985 के तहत दर्ज है।

> जीन्द्रिधिः समागकरीः सहायक ग्रायकर ग्राम (िनिक्षणे) श्रर्जा रें!, लुजिसाम

दिशे: 11-9-1985

महिर:

प्रकल बाह् दी एन एस -----

बायकर आधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर कायकत (निरीक्षण) क्योरियो, नुस्तास

चुरिताता, रिक्तिः 10 रिजन्तः 1935

ि विश्वातं> कृतिसात्य 477स्82-83 त्रतः सुते, तत्विः विह

बायकर जोधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकार। का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

भोग भिन्नी संव माता तंव बीच XIX -1387/49 ए हैं, तथा जा जिलू भार मुलिता में दिन हैं (ऑग इ ने भार के अनुपूर्वी में ऑग ता पूर्ण काने पीति हैं), तिल्ड्री की तिलित हैं के काणीति, नृक्तिता में पिल्ड्री एण शक्तितिन, 1908 (1903 ता 18) अभवान तिल्ला कार्या, 1985

का प्रविक्त संपन्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इष्ट्रयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित का गई है और मुक्त यह विकास कैरन का कारण है कि स्थाप्त्रांक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उभक इष्ट्रमान प्रतिफाल से एस इस्ट्रमान प्रतिफाल का पन्दह प्रतिक्रम से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अर्तारती (अन्तरितियां) के बीच एस अंतरण के लिए नय पाया गया बीटफल निक्क लिए से कीयत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिकिंदा में बास्तिक कप से कीयत नहां किया गया है ——

- (क) बन्तरण म हुइ किमी शास की दावत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दान के अन्तरक के दायित्व में कमी करन या उससे कवने में सुविधा की नए, बॉर/मा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य बास्तियाँ का, जिन्हों भारतीय बाय-कर बिधिनयम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर बीधिनयम, 1957 (1957 को 27) के प्रयाज-नाथ अन्तरिती इंदारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुनिधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अनसरण में, में उक्त अधिनियम को धारा 269-व वी उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्,:—

- 1. श्री परित्र हुन्न कुना, पुन की शिक्य नात्र, कुनार किसमें ३३, सामपुर्वे, कुरियास
 - (अं≀र∵)
- 2. शीं कि कि कि कि कुल में सिताकों साथ, श्रांकों कि कि कि कि में कि शिंक नियुचार खा झुके किसी 130% मासुरी, तुक्ति का (आंस जिले)

का यह मुखना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिष् कायवाहिया करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कार्ड भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी स्यक्तिया पर संख्या का नार्माल स 30 दिन का अविध को भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यांक्त या में साकसा ब्योक्त द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के मालग्वेशन स्थाव सम्योक्त मा हितबद्वध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरण।

स्थब्दीकरण ---क्ष्मम प्रयास्त शब्दा और उदा का, जा उक्क अधिनियम क अध्याय 20-क मा परिभावित ही वहां अधे द्वाग जा उस अध्याय मी दिया स्या है ।

अनुसूची

माता नंक बी- १००८०८७८ए जिलू नगर, ल्बिता । (१६६व् १८) त्राता कार्ति पिट्टिंग् वर्षि त्री ल्बिताना के तिरोद एंडात 95८८, भाद जनव्यासी, 1985 सहस्य वर्ष हैं।)

> जंगीनद्र िंष् सक्षम प्राधिकारी सहाय व आप वर अप्युष: (भिगीतम) श्रर्वत रें व लुजियान

ितं । 10-9-1985

प्रारूप आहा .टी.एग.एस.

भायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सुचना भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक सायकर सायक्त (निरीसण) धर्जन रेंज, सुधियाना सुधियाना, दिनक 11 जिस्मार 1985

निवेश सं० नालागढ़/5/84-85—प्रतः मुझे, जंकित जिंह, शायकर नाभानयम, 1961 (1961 का 43) (श्वस इतव इसक पश्यात् उन्तर नाभानयम कहा गया ही), की भाष १६९-व न नभान सक्षम शाभिकारा का वह विश्वात करन का भारत है कि स्थावर समात्त, विश्वका डांचत बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से निभक्त है

भौर जितको सं० भूमि 8 व धा, 2 विस्वा, है, एथा जो गाँव बिलागला लूबाना, परगता धमपुर हहसं ल नालागढ़ में थिए हैं (भार इता उनावड अनुसूच मं भीर जा पूर्ण रूप से दि हि है) रिस्ट्रित की श्रिधारात के वायालय नालागढ़ में २०१ ट्रावरण क्रिधिस्मि, 1968 (1968 का 16) के क्रधान दिनाक जनवर, 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान शितफल के लिए अन्तारत का गई है और मूर्फ यह विश्वास स्वरम का कारण है कि संवापुनोक्त सपीत्त का उचित बाजार बुम्य, उसक स्थ्यमान प्रतिफल स, एस स्थ्यमान प्रतिफल का कन्द्रक्ष प्रतिस्वत स बीर्थ्य है और अन्तरक (अतरका) और अन्वरती (अन्तरितिया) के बीच एस अन्तरण के लिए तैंय पाया गया प्रति-क्षत निम्नीकांचत उद्देश्य स उच्त अन्तरण विविद्य में नास्तु-स्थ्य क्षय स कांचत नहीं किया ग्या है :----

- (क्यू क्लारण वंहुई किसी साथ की बाबक, उपक अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शाम्यण म कमा करन का उन्हें ब्लाम के हामधा के बिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, विश्व भारताय अध्यान्दर आधानस्त्र, 1922 की 11) वा उन्त अधिनियम, 1922 की 11) वा उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृधारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया वावा आहिए था कियान से स्विधा के हिस्सू;

करा अव, वस्त वीधीनवंद की धारा 269-म के, वन्सरभ वै, में उक्त वीधीनयम की भारा 269-म की उपधारा (1) के बंधीन भिम्नलिखित व्यक्तियों क्यांत :—-

- श्चिम् ज्ञान चन्द्र पुत्र श्चो सि या, ितासं गाँव िलावाली लूबाना, तहस ल नालागढ़, द्वाना, जारप ए०, श्चा दानक भंडारी, पुत्र श्चा डी० एउ भंडारो, निवासो 72, एल बुद्याई० जी०, परवानः, तहसःस्रक्षां, जिला सःलन ।
- (ग्रन्तरक)

 2. मैंसर्स हिमाचल ट्यूरज, एन्ड वायरज िमिटेड, रिस्टर्ड ग्राफित: तावायू रोड, सपरो िला सालन, द्वारा इति डायरेक्टर श्रा ग्राई० प्रकाश चन्द भावट पुत श्रा इंदर चन्द भावट।

(भ्रन्तितो)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिक् कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (h) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्द व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पात लिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्त अधिनियम, के अध्याय 20 का में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

भूमि 8 की घा, 2 जिस्ता, जो कि गाँव जिलावाली लवाना, परंगा। धर्मपुर तहस ल नालागढ़, िला सालत में थि:है (पर्यात् बहुनायाद जो कि रिल्ट्सिन क्षिधारी, नालागढ़ के विजेख संख्या, 48,माह जनवरी, 1985 के तहत वर्ज है।

> जोतिद्ध ीह सक्षम प्राधि ारी सहायक मायकर मायुक्त (रिक्षण) मर्जन रेंज, लुधियाना

विनोक 11-9-1985 मोहर: प्ररूप आई.टो.एन.एस.----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के सभीन स्थना

नारक नरकार

कार्यासय, सहावक बायकर आव्यक (निरीक्षण)

प्रजेन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनौंक 11 दिसम्बर, 1985

निदेश सं० नालागढ़/ं/84-85—प्रतः मुझे जानिद्र शिह आवकर बांधनियम, 1961 (1961 का 43) (चित इसमें इसके पच्चात 'व क्ल अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व से अधीन सभन्न पाधिकारी को वह निज्यान करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका विचत बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जि कि सं० भूमि 6 बंघा 10 बिण्वा, है, तथा जो गाँव बिलावलो लूबाना, परगना भर्म पुर तहसं ल नालागढ़ में थित है (भीर हाते उणाबढ अनुगूच में और जो पूर्ण हा विता है) रिस्ट्रें तो अधि ारी के वार्यालय, नालागढ़ में कि स्ट्रि∷रण प्रधित्यम, 1908 (1908का 16) के अधःन दिनौंक जनवरो, 1985

करे प्रांक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार सल्य' से कम के दृश्यमान अक्किफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करन का कारण है कि यथायक क्षेत्र सर्पात्त का अगण्य बाजार बस्प, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमि दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) करि बस्तरिती (अन्तरित्माँ) के बीच एस अन्तरक के लिए तब गण्या गया दिनका निस्तिलिक उद्देश्य के संक्ष्य अस्तरक सिवित में वास्त्विक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) जन्मरण से हुई फिजी बाय की शहत, डाक्स अभिनियन के अभीन कर दोने के अन्तरफ की दाणिक में कमी करने या उत्तस वजने में शृथिशा के लिए; और वा/
- (क) ऐसी किसी बाब या किसी बन या बन्व बास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए बा, छिपन में सुनिधा के लिए;

बक्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की अनमरण बे, औ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन नियमसिवित स्पनित्यों, अधीत;—

- 1. २व श्र ष्ट्रप्त चन्द्र , सरवित कुमार, ब रवल, मल पुतार, श्र उदय राम नियासी गाँव, विकासल लूबाता, परगना, धर्म पुर, सहस्र ल नालागढ़, जिला सालन द्वारा जारूपार ए० श्रा दापक भंडारी, पुत्र श्रो डो ए क भंडारा, शिवासा 72, एन० श्राई० जो०, परवामों तहस्राल, कसाला, जिलासालन (हि० प्र०)। (प्रकार)
- 2. मैहर्स हिताचल ट्यूब्ज, एण्ड वायरज लिलिटेड, रिजस्टर्ड आफित, तानायू राड, सपरा निला सालन, द्वारा इत्तर डानरेस्टर श्रा आई० प्रताब चन्द भावट पुलश्रा इदर चन्द मांतर।

(प्रशतितो)

को बहु न्यना वारी करके पूर्वोक्त संपरित के बजन के लिय कार्ववाहियों करता हुई।

उक्त सम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी जाशेष :---

- (क) इस नचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की जन्मि या तत्सम्बन्धी स्थिक्तयों पर स्थाना की तामील स 30 दिन की जन्मि, को भी जन्मि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी स्थित द्वारा;
- (क) इस स्वना के रजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावंद संपरित में हितबहुध किसी बन्य व्यक्ति ब्लारा अधाइस्ताक्षरा क पास विविद्य में किए वा सकवें।

स्वक्यक्तिरण:--इसमें प्रयाप शब्दों जीर पर्यों का, वो उक्त जिथिनियस के जध्याय 20-के वे परिभाणित है, वहीं जर्थ होगा जो उस जध्याय में दिया नवा है।

नपुष्पी

भूपि 6 बीबा, 10 रिन्ता, जोित गाँव रिनाबाली लूबाता, परगा। धर्भपुर तहसंल नातागढ़ िला संलन में थित है भ (पर्यात वह ायार जोि सीस्ट्रां ती अधि गरी, नालागढ़ के निजेख संकुषा 47, माह जनवरो, 1985 के तहत दर्ज है।

> जोतित हिंह सक्षम प्राधि गरो सहायक झायकर भ्रायुक्त (किस्मग) सर्जन रेंज, लूधियाता

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण)

म्रजंन रेंज, लुधिया

लुधियाता, दितौत 9 तितस्वर, 1985

निवेश मं व नुधिया ॥ /474/84-85—श्रतः मुझे जे िन्द्र हिं शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-इ के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

र्मरिक कः संव मनान नंव 19 माई हा 1/3 भाग है, तथा जो सरामा नगर, लुधिया में व्यित है (क्रार इत्त उपाबद्ध प्रनुत्वों में क्रार जो पूर्ण रूप त विक्ति है) किस्ट्र र्ता श्रिधार के नार्य ल्या, लुधियाना में रिस्ट्रिक्रण श्रिधित्यम, 1908 (1908 ना 16) के श्रधान दिनौत जनवरो, 1985

का पृतिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के दृष्यमाम प्रितिफल के लिए जन्तरित की गई है और मफ्ने यह िश्वास हरने का कारण है कि ग्रंथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार स्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का न्यह प्रतिशत से बिधक है और अंतरक अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गंवा प्रतिफल, निम्नलिकित उद्दृष्य से उकत अंतरण निविद्य में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (स्) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसस बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (हा) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सृविध्य के सिए;

आताः अवनः उपन्त अधिनियम की धारा 269-त के अनुसरक भें, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के बधीश, निस्तिविक्त व्यक्तियों, अधीत् :----

- 1. श्रांकत प्रोम हाता, सूद, पत्नि श्री बाल बहादुर कुमार िवास: 49-ई, सराया नगर, लुधियाना। (श्रंतरह)
- 2. श्रीमती महेन्द्र कीर पर्ना श्री बलवना हिंह, निवासा, 26-डा, सराया नगर, लिधनाना। (प्रनारिता)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी क्यांक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेग।

स्थब्दीकरण:—इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, को अध्याद 20-क मो परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभृसूची

म फ़ान नं∘ 19 आई हा 1/3 पाप, पराया उपर, तुरियाता (अर्थात वह गयाद जाहि दी क्राउत्ति प्रियं री ातियाता के विशेख संख्या 9531, माह जनगरा, 1985 के अहत किंहै।)

> जोिल्द्र निह् सक्षत नामित्र ही सहायस आयहर आपूना (निरीता) स्रजैन रेंज, तुजियानर

दिनौ ह : 9-9-1985

माहर :

ब्रास्टम नाइ". दी. एन. एस. न ≠ + ≠

णायकार समिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-च (1) के सभीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जाव्यत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, लुधियाना

लिधयाना, दिनौंक 11 ित्तःबर, 1985

निदेश सं० लुधियारा, | 501 | 84-85---श्रतः मुझे ज िद्धि ह बाबकर अधिनयम 1961 11961 का 43) (जिल इनमें इसके परवात 'उक्त अधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-ब के अधीर सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यान करने का बारण है कि स्थापन सम्बन्धि विश्वमान अवित बाबार सुक्व 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

ैं पिस्क सं कि महास्तं वर्त - 20 - - 17 शित हो हिस्सा रिया जो न्यू ित्याई नगर ल्धियाता में थित है (छीर इस त्याद अन्त्व में आरेक्टें पूर्णस्य से वर्ति हैं) परिष्ठ ति इक्षित्र के वायं रूप, ल्धियाता में परिस्कारण अधि रस, 1908 (1908 का 16) के वर्षन िनीक जनवरं, 1985

को पर्वोक्त समपित के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफाल के लिए अल्लिटिंग की गई हा और मफे यह विश्वान करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार सुरूब उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का बंद्ध प्रतिज्ञत से अधिक है और बंतरक (अतरकों) और बंतरिती (बंतरितियों) के बीच एमें बंतरण के लिए तब पासा गया प्रति-क्रम निम्तिलिखित उद्देश्य से रक्त अल्लिंग जिबिख में संस्थिति इस से क्रियस नहीं किया गया है ५—

- (क) बन्तरण से हुडि किसी बाब की बाबत, अक्ट ब्राधानियम के सधीप कर दाने के बन्तरक के दावित्व जो कमी करने दा जबसे बचने में बृविधः के बिए; बौर/वा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वै प्रयोजनार्थ जन्तरिती दवास प्रकट नहीं किया नया था सा किया जाना चाहिए का, जिनाने में सूविका के निए।

स्तर हवा, अकर वरिपीनयम की धारा २६०-व के वनसरच से में जन्म वरिपीनयम की भारा २६०-व की उपधार (1) के संधीन, निस्तिसित व्यक्तियों, संधीत् :--- श्रमती बिन्तिर कीर एकं रातिनद्व करि, एकं अमृत प्रमृत कार, तिल श्री प्रांतम हि, पुत्र श्री सताहि, द्वारा उनक जंदप ए० श्री मुलब्ब राज पुत्र श्री खान चन्द निर्मास मकान नं० 1074, ह गदिन्द पुत्र, लुधिराता।

(श्रन्तरक)

 मैं सी, एन० के० स्टेप्त री स्टोर, बुकस मार्केट, लुधियाना।

(श्रन्तिः)

कार्य तक सकता कारी करकी पूर्वोधत सम्मत्ति के सर्वत के निष् कार्यनाहियां करता हों।

इन्त सन्तत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई नी ाशाय 2-

- (कां) इस सचना के राजपण में प्रकाशन की तारीचा थे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पिक्तमों विष सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, दो भी अविधि बाद में सम्मान होती हों, के भीतर पूर्वीकड़ व्यक्तियों में से किसी स्पिक्त हुवाय;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाश्य की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध कि कि में किए या सकें ने।

स्वक्रीकरण: —-इसमें प्रयक्त तत्वों और पर्वो का, जो उपक्ष अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिष हैं, वहीं कर्ष होंगा, जो उस कृष्याय में विका स्वा हैं।

मन्त्र क

मजान नंश बी:-XXIII-179/70 ता हिस्ता, न्यू दिवाई नगर, लुधिया । श्रर्थत् वह लागाद जाहि पीस्ट्रः तर्ग श्र^{त्}त्रात्तः लुधियाता के जितेखं संख्या, 9843, माह जनगरी, 1985 के तहत दर्ज हैं।)

> जोगिन्द्र जिह् सक्तम र्किरी स्हायक ग्रयकर मा त (निरीण) मर्जनरेंज, लिधियानर

ि दिनौंश 11-9-1985 मोहरू प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

रुद्भियाना, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० लुधिः । तः / 536/84-85--श्रतः मुक्ते, को गिन्द्र सिन्न,

नायकः जीधीनयमः, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के नधीन रुक्षम प्राधिकारी कों, यह घिष्टास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
और जिसकी रूं० महान नं० बी -044/3 का 1/4 काए
है तथा को न्यू लाजपत नगर नजदी है, पखान रोड,
सुधियाना में स्थित हैं (और इससे उगावद अपूपि में
और पूर्ण रूप में बागत हैं) राजि की प्रक्रिकारी के हार्थान
सुधियाना में राजि की हैं। राजि की प्रक्रिकारी के हार्थान
सुधियाना में राजि की हरा गियम, 1908 (1908 का 16)
के श्रद्धीन तारी खु जनवरी, 1985

को पूर्वाकः। सम्पत्ति के उण्यति बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि, यथापूर्वोक्त संपत्ति का उण्जित बाजार मूल्य, उन्तके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अविरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; करें
- (ग) एंसी किसी जाग या किसी धन या जन्य आस्तियाँ को, जिन्हाँ भारतीय आयकर अधि नरमा, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में स्विभा के लिए;

नतः सम, उक्त सभिनियम की भारा 269-ग के बनसरण में, में. उक्त सभिनियम की भारा 269-म की उपभादा (1) की सभीन, निम्नीसिवत स्त्रीक्तियों, सभीत् रूळक

- (1) श्रीमती नरेन्द्र कौर पत्ती श्री ठिनिश्व तिहः द्वारा श्री अमर जीत तिह सेखों, निवासी गांव सामज, जिला लुदिसाना । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती ग्रादर्भ कौर पत्नी श्री सुन्दर सिंह, निवासी 10की सर्भा नगर, सुध्याना (ग्रन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के **विष्** कार्यकाहयां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी न्यिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी न्यिक्त द्वारा;
- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के शास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उच्त अधिनि म, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

क्षत्र संची

मकान नं बी— I-644/3 का 1/4 भाग, न्यू सारमत नगर, नजीक पद्मोवान रोड, सुदियाना (प्रधीत वह जायदाव जो कि राजिश्लीकर्ना प्रधिकारी, नुवियाना के विस्ते सं 10147 माह जनवरी, 1985 के तहत दर्ज है)।

फेर्निग्छ सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकार ग्रापुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, लुक्षियाना

विनोक: 9-9-1985

भोहर :

प्ररूप अर्द टी एन एस व्यवस्थ

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 र (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) इ.र्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देश सं० ६८३/70/84 5 — स्रतः मुझे, जोगिन्छ सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव महान नंव 2950 सी है तथा जो फेज 7, मोहाली तहंव्खर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्व रूप से विणित है) रिजल्ट्रीकर्जी अधिकारी के कार्यालय खरड़ में, रिजल्ट्रीकर्ण अधित्यम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनकरी, 1985

की पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित साजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निचिखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कर है की धत नहीं किया मया है:——

- [क] बनारण से हुइं किसी बाय की बाबत, सबट ज़िलास के अभीन कार दोने के जनारक के दाधितक में काशी कारने या एससे बजने में स्विधा
- ान तक तिया हात या फिसी वन या अन्य आस्तियाँ 4. जिन्ने भागीत कार-कार अधिनियम, 1922 (1902 का 11) या उक्त अधिनियम, या धर-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के राजेगार्थ अन्तियों द्वारा प्रकाट नहीं कि रा गा। भागा किया जान चाहिए था। छिपाने भी स्विका के स्विद्:

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, पं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्रीमती कृष्णा गुमारी पत्नी श्री कृष्ण गुमार, निवासी मकान नं० 558, सेक्टर 11दी, चन्दीगढ ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सतवन्त संधू विधवा श्री बलविन्द्र सिंह संधू मास्टर बलजिन्द्र सिंह संधू, नावालिग पुत्र स्व० श्री वलविन्द्र सिंह संधू, निवासी मकान नं० 3217, सेक्टर 35 डी चन्डीगढ़। ग्रब मकान नं 2950, फेज 7 मोहाली (तहसील खरड़)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

दक्त सम्पत्ति के कर्जन है संबंध म काई भी आक्षप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर स्वित्यों में से कि कार्य करें कि स्वीतर पूर्वीकर स्वित्यों में से कि कार्य करें कि स्वीतर पूर्वीकर स्वित्यों में से कि कार्य करें कि स्वीतर पूर्वीकर स्वित्यों में से कि कार्य करें कि स्वीतर स्वीतर स्वीतर से सिंग कि कार्य करें कि सिंग कि सिंग
- (ख) इस सचना क राज्यत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सभ्यत्ति मों दितबद्ध रिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित मों किए जा सकता।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और नदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंग। जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 2950 सी, फेज 7, मोहाली तहसील खरड़ (ग्रर्थात वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिष्टकारी खरड़ के विलेख संख्या 3709 माह जनवरी, 1985 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकार सहायक श्रायकर ग्राधुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 10-9-1985

प्ररूप आईं. टी. एन. एस.-----

बाय्कर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-क (1) के बधीय स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर लाग्यस (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, सुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं जुधियाना /631/84-85--- प्रतः मुझे, ओगिन्द्र सिंह

बायकर अधिनियम, 1061 (1961 का 43) (बिस इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है', की धारा 269-अ के गणी (1961 का नणी को यह किश्तास करने का कारण है कि न्यांकर सम्पत्ति जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1,09,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० मकान नं० बी-XXVI है तथा जो न्यू लाजपत नगर पद्धोत्राल रोड, लुधियाना का 644/3 का 1/4 भाग में स्थित है (और ६ससे उपावछ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजर्ट्रीक्का अंशिकारी के कार्यालय सुधियाना में रिजर्ट्रीकरण अधिन्यम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख परवरी 1985

को प्लेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूर्छ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्ठिक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया कल रिच्चितित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) बन्सरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्क जिमितियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्-/या
- ्रा) एसे विभी आय या किसी भन या अस्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1927 का 11) या तका अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के किया:

बत. नग. उक्त विधिनियम की भाग 269-ग को, बन्दरण में, मैं, उक्त शिक्षिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमधी भगवन्त कोर पत्नी श्री प्रमरजीत सिह, श्रीमधी नरेन्द्र कोर पत्नी हमिन्द्र सिह, क्षारा श्री ग्रमरजीत सिह, निवासी गांव पायल, जिला लुखियाना । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती गुरसरन कौर पत्नी श्री सन्त सिह, निवासी कुन्दन नगर, माइल टाउन, लुबियाना। (अन्तरिती)

की यह सूचना कारो करके पूर्वोक्त सध्यरित के वर्धन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्चन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अवित्र या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की बविधा, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर। के पहि लिमिन में किए का मकीन।

स्पन्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसके श्रीध-नियम के जभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, को उस सम्याय में दिया गवा है।

अन्स्ची

मकान नं० भी XXVI 644/3 का 1/4 भाग, न्यू लाजपत नगर, नजदीक पद्धोवाल रोड, लुधियाना । (अदीत वह जायदाव जो कि राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या 11353 माह पत्यरी, 1985 के तहत दर्ज है)।

> ओगिन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारी

सहायक त्रायकर म्राधुकत (निरीक्षण) म्रर्थन रेंज, श्राध्याना

विनांक : 9-9-1985

म**ोहर**

प्ररूप बाई .टी .एन .एस . -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-म (1) के वधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यांतय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० लुधियाना/616/84-85--श्रतः मुझे जोगिन्द्र सिंह.

बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्देवात 'उक्त विधीनयम' कहा गया है), की धारा 269-च के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्भीत, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- क. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 644/3 का 1/4 भाग है तथा जो न्यू लाजपत नगर , नजदीक पद्धोवल रोड़, कुिंध्याना में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्रा प्रधिकारी के कार्यालय कुिंध्याना में रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख परवरी, 1985

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथाएवांकत सर्वात का उचित बाजार मृल्य . उसके दृश्यमान प्रतिफल की पन्दृह् प्रतिशत स अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाना गवा प्रतिफल, निम्निलिवत उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) नंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जीध-विभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दाशिख के कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; शर/वा
- (क) ऐसी किसी बाय वा किसी धन वा बन्य बास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ऑधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के किए।

अत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, को, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधास (1) की अधीन, निमनलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्रिक्ट

- (1) श्रीमती भगवन्त कौर पत्नी श्री श्रमरजीत सिंह, श्रीमती नरेन्द्र कौर पत्नी श्री छीमन्द्र सिंह, द्वारा श्री श्रमर जीत सिंह सेखों, निवासी गांव पायल, जिला लुधियाना। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती ग्रमरजीत कौर पत्नी श्री तरण सिंह, निवासी बुनन्द नगर, माडल टाउन, लुधियाना । (ग्रन्तरिती)

को वह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेष "---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अधिध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जा औ अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्योक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाय:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्थ किसी शून्य व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी XXVI -644/3 का 1/4 भाग, न्यू लाजपत नगर, नजदीक पखीवल रोड़, लुधियाना (ग्रर्थात वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी, लुधियाना के विलेख संख्या 11142 माह परवरी 1985 के तहत दर्ज है)

> जोगिन्द्र सिह, सक्षम प्राधिकारी सहायक त्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 9-9-1985

मोहर 🖫

प्रकृत जाती ही एन एस -----

क्राजकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) के अधीन सूचना

नारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1985

निर्देश सं० खरड /71/84-85--- अतः मझे, जोगिन्छ सिंह.

बायकर श्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके क्षत्रकात 'उक्त श्रीधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापर स्थिति, जिसका श्रीचत बाजार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिस्की रां० मवान रां० 32, है तथा जो पोज IV, मोहाली तहसील में स्थित है (और इससे उपावक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है) रिजरद्रीवर्की ग्रह्मिकारी के कार्यालय खरड में रिजरद्रीवरण ग्रह्मिक्यम 1908 (1908 वर्ग 16) के ग्रह्मीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार एउंद, इसके उन्यमान प्रतिफल क. एसं दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत- ।रतो (अंतरितियों) के बीच एके अंतरध के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में कार्त्वोचक कर ये कीवत नहीं किया गया है ;---

- ूंछ) बंतरण से हुई किसी बाद की बाबत, उक्त रिधिन्यम के अधीन कर दोने के बंतरक के रिधित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ज़ीर∕ण
- (क) एसी किसी आप या किसी भन या अन्य आस्तियों करं, जिन्हों भारतीय प्राप्तकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया असा था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुनिभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं, और, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) है अधिन होनम्नसिंखत स्पन्तियों, अर्थात् 🗈

(1) श्री दीपक बुमार सौंदी पुत्र श्री अमृत लाल सौंदी, निवासी मकान नं० 1104, सैक्टर 35 दी, चन्डीगढ ।

(ग्रन्तरक)

(2) सर्वश्री चरतजीत सिंह दुगात, मतकोहत्र सिंह, दुगाल पुकान, श्री श्रीतम सिंह दुग्गल, बी-10, श्रेम बिल्डिंग, माडल टाउन क्रोसायटी रोड नं० 1, जे० दी० डी० स्वीम, बम्बई-400049। (अन्तरिकी)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ूसं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितर्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वस्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भन्स्यी

मकान नं० 33, फेज IV, मोहाली तहसील, खरड (अर्थात वह जायदाद को कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी , खरड के विलेख संख्या 3736 माह जनवरी 1985 के तहत दर्भ है)।

> जोगिन्द्र सिह् संक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 11-9-1985

भोहर:

प्रका बार्च. टी. एन. एव.-----

भायक्टर गिधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

नारत वरकाव

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रुधियाना रुधियाना ,दिनांक 10 सितम्बर 1985

निदेश सं० चण्डी/118/84-85--- झतः मुझे जोगन्ध्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृस्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी संव मकान नंव 46, है तथा जो सेक्टर 8ए, चण्डीगढ़ में स्थित हैं (और इससे उपाबक प्रनुसूची में और पूर्ण थप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिक्षकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अदिनियम 1908 (1908 का 16) के प्राधीन तारीख जनवरी, 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दिश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित्ती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिन्क रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय को बाबस, उक्त ऑफिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; खौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा में स्विधा

कतः भन्न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण तै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निज्वित व्यक्तियों, अर्थात ह—

- (1) सर्वश्री सोमनाथ श्राहुजा तथा विश्वनाथ श्राहुजा, पुदान स्व०श्री किशोर चन्द, निवासी मकान नं० 46, सेक्टर 8ए, चण्डीगढ़। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती हरमोहिन्द्र कौर पत्नी श्री ए च० डी० सिंह, सर्व श्री मनजीत सिंह तथा मनमोहन सिंह, पुतान श्री एच० डी० सिंह, तथा श्री तेजपाल सिंह पुत्र श्री एच० डी० सिंह, निवासी बी-17 गीतांजनी इन्कलेव, नई दिल्ली।

(मन्त/रती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित् के अर्जन के तिष्

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वासेप क्षान्त

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामीन से 30 दिन की ख्विधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास निवित् में किए वा सुकींगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित्य हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

मकान नं 46, सेक्टर 8ए, चण्डीगढ़ (प्रवर्ति बहुजायदाद ो प्रकि राजिस्ट्रीकर्ता ग्राह्मकारी चण्डीगढ़ के विलेख संख्या 1035 मास जनवरी 1985 के तहत दर्ज हैं।

> कोगिन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक घारकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, क्षधियाना

दिनोफ : 10-9-1985

प्रश्प नाहाँ. टी. एत. एत्.- - ल =---

आधफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक क्षायकर क्षायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज, स्६ियाना

लुधियाना , दिनांक 11 सितम्बर 1985

निदेश सं चण्डा/124/84-85—प्रतः मुझे जोगिन्द्र सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें ध्सके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का गरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मृस्य 2,00,000/- रा. से अधिक है

कौर जिसकी सं मकान नं. 197 है तथा जो सेक्टर 11ए, चण्डीगढ़ में ध्वित हैं (और इस के जानबाद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं रिजस्ट्रीकर्ष अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनम 1908 (1908 का 18 के अधीन तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान कृतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करन का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृष्य., उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छल प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में शास्तिक रूप से कथिव नहीं किया गया है :——

- (वां) अन्तरण संहुदं किसी भागका वावत, उक्क मुधिनियम के अधीन कर दोने के श्नुत्रक के बायित्व में कमी करने वा उससे नचने में सुविधा के निए; बॉर/या
- (वा) ऐसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्त्रियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त्रिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए का कियाने में सुविधा के लिए;

कत जब, उबत प्रितियम की भारा 269-थ को अभूतरक कें, में, उकत अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु—

- (1 श्री जीरजल नाथ ग्राई भी एस पुत्र श्री चुन्नी लाल, निवासी नं 2, कोशी स्टेट, नई दिल्की-110003 (श्रन्तरक)
- (2 श्री कंबलजीत सिंह पुत्र श्री राजा सिंह, निवासी एस सी ओं नं 1, सेक्टर 7सी, चण्डीगढ़।

(प्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के सर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वालेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड लिखित में किए या सकार्य।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों आरि पदों का, जो अक्त अधिमियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा गया है।

बग्रुची

मकान नं 197 सेक्टर 11ए, चण्डीगढ़ (ग्रर्थात वह जायदाद जो कि राजिस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी, चण्डीगढ़ के विलेख संख्या 1048 माह जनवरी, 1985 के तहत दर्ज है ।

> जोगिन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण सर्जन रेंज, कुक्षियाना

दिनांक : 11-9-1985

मोहर 🍙

प्रकप बाइं.टी.एन.एस. -----

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269- भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेंज, लुधियाना

सुधियाना, दिनांक 9 श्रगस्त 1985

निदेश सं ० चण्डीगढ़/126/84-85--- अतः मुझे, जोगिन्ध सिंह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

अौर जिसकी सं०६स० सी० एफ० साईट नं० 33, है तथा
को मार्कीट एन्ड कर्माणयल कम्पलेक्स मनीमाजरा (यू० टी०
बण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावक प्रमुस्ती में और
पूर्ण रूप से बणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्राधकारी के कार्यालय
पूर्ण रूप में रजिस्ट्रीकरण श्राधिनयम 1908 (1908 का
180) के श्रधीन तारीख जनवरी, 1985

को प्रॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूप्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुफ्ते रह विद्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबट, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इंदारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना भाहिए था, छिपाने में स्विधा के किए;

नतः अव, उन्त अधिनियम की धारा २६० ग क्षे अप्रसम्बन्ध मैं मैं, उन्त अधिनियम की धारा २६०-घ की उपधारा (1) के वर्धानः निस्निसिंखत व्यक्तियों, सर्थात् :—-

- (1) श्री बक्तिर सिंह, पुत्र श्री भेर सिंह, निवासी सकान नं० 54, सेक्टर-80, चण्डीगढ़। (ग्रन्तरक)
 - (2) श्री सूरेन्द्र सिंह, पुत्र स्व०श्री भोलोजीत सिंह, निवासी एस/7, संत नगर पटियाला (पंजाव) । (ग्रस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्भान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं
 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित- बद्ध किसी व्यक्ति दवारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकींग।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस मञ्जाय में दिया गया है।

अन्स्ची

एस० की० एफ०, साईट नं० 33, कोटर मार्केट एन्ड कर्माणयल कम्पोक्स, मरीमाजरा, (य०्टी०) चण्डीग६ श्रदीत वह जायदाद को कि रजिस्ट्रीकर्रा श्रद्धिकारी, चण्डीगढ के विलेख संख्या 1057 माह जंतवरी, 1985 के तहत दर्ज हैं)।

> जोगिन्त्र सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्राधुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, कृषियाना

दिनांक : 9-9-1985

त्रक्य बहर् हो. एव. एव. नवस्तर नव्यव

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लृधियाना लृदियाना,दिनांक 10 सितम्बर 1985

निदेश सं० खरः | 91 | 84 – 85 – ग्रतः मुझे औ शिन्द्र सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्र्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269 -ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी कों, यह विश्वास करने का कारण कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० महान नं० 2518, है तथा जो फोज 7.

और जिसकी संव महान नंव 2518, है तथा को फेज 7, भोड़ाकी, नड़ीन खर में स्थित है (और इससे उपाबक्ष अनुन्दी में और पूर्व का में निजा है) रिजिल्लीकारी अधिकारी के कार्याना खरड़ में रिजिल्लीकरण अधिनयम 1908 का

(1908 का 16) के ग्रंधीन तारीख जनवरी, 1985 का पर्वावन सम्पन्ति के तीचन बाजार मृत्य में काम के दृश्यमान प्रतिष्ठ के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापनीक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मृत्य । उसके दृश्यमान प्रतिष्ठम में ऐसे दृश्यमान प्रतिष्ठम का स्वतरिती (जंतरितिका में विभक्त है बीर बंतरक (जंतरका) और बंतरिती (जंतरितिका) के बीच एमें अन्तरम के मिए तब बाबा बंबा प्रतिक्त का रिश्निपिका उद्देश्य में उसल बंतरम किवित में बालायिक क्य रिश्निपिका उद्देश्य में उसल बंतरम किवित में बालायिक क्य में कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण संहुई विश्वी वाय की बावत वयस बावि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या जसमे वचने में सुविधा के लिए और/या
- (व) एंडी निकारी बाज ना जिल्ली अब वा बच्च जानिएडीं की, जिल्हें बारतीय आवकर अधिनियंत, 1922 (1922 का 11) या उनत व्यितियंत, रा धन- कर अधिनियंत,, 1957 (1957 का 27) की अधोचनार्थ जन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया यथा था ना किया वाचा चाहिए था, किया में वृतिया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-**ग की उ**पधारा (1) क अधीन, निम्निचिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- (1) श्री गुरमेल चन्द पुत्र श्री धर्म चन्द महान नं ० 608, सेक्टर 200, चण्डीगढ़। (श्रन्तरक)
- (2) श्री संतोख सिंह नारंग पुत्र श्री बखत सिंह, मकान नं० 1594, सेक्टर 18डी, चन्डीगढ़। (ग्रन्तरिती)

को यह स्वाना आरी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिख् कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्यक्तियों में से किंगी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय के विया नवा ही।

वन्स् ची

मकान नं० 2518, पोज 7 मोहाली, तहतीन खर्ध (अप त वह जायदाय जो कि रिजिट्टीकर्री श्रिश्कारी , खर्ड़ के विलेख संख्या 4148 माह जनवरी, 1985 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (विरोक्षण) श्रुर्वत रेंज, लक्षियाना

दिनीक : 10-9-1985

मोष्ठर:

प्रक्रम बाद् . टी. एन . एस ु------

आधकार आभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुक्षियाना

ल्बियाना, दिनांक 9िमनम्बर 1985

निदेश मं० चण्डी/143/84-85--म्रातः मुझे जोगिन्द्र सिंह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उयत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृन्य ५,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० मी० ओ० गं० 443, 444 है तथा जो मेक्टर 35सी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है) राजस्ट्रीकर्म प्रधिकारों के कार्यालय चण्डीगढ़ में राजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास कर्ने का कारण है कि रथाप्षोंक्त सम्मत्ति का उचिन बाजार मृत्ये, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिकी (अन्तरितियों) के नीच एचे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिक में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण म हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती इंदारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मो सविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में., उक्क्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-----

- (1) श्री विजय सोनी पृत्व स्व० श्री देसराज ग्रपने लिए तथा वर्तार ग्रटारनी श्री राकेण सोनी,विनोद सोनी, पृत्व स्व० श्री देस राज,राजदुलारी पत्नी श्री देस राज, सोनी, श्रीमती संगीत सोनी पत्नी श्री राकेण सोनी, श्री राकेण सोनी पृत्व ाज सनी, बतौर देसराज एन्ड मन्स के कर्ता, तथा मास्टर विशाल सोनी, पृत्व श्री राकेश (एच य एफ) सोनी पृत्व स्व० श्री देस राज सभी निवासी मकान नं० 706, सेक्टर 8्रबी, चण्डीगढ़। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सोहन सिंह कर्ना एच य एफ के तरफ से तथा श्रदानी बाकी यह केता श्रीमती महेन्द्र कौर, पत्नी श्री सोहन सिंह, श्री परमजीत सिंह पुत्र श्री सोहन सिंह, श्रीमती हरलीन कौर पत्नी परमजीत सिंह, मास्टर बलबीर सिंह पुत्र श्री परमजीत सिंह, मैं धारा उनके पिता तथा नेचरल गाडियन श्री परमजीत सिंह निवासी मकान नंज 1021, सेक्टर 27बी, चन्डीगढ़ (श्रन्तरिती)
- (3) मेसर्स इंडियन पोटास लिमिटेड, एस० सी० ओ० नं० 443, 444 सेक्टर 35 सी, चण्डीगढ़ ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त स्म्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उच्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:----

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि; को भी भवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर र्पू निरु
- (क) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: — इस में प्रयुक्त शब्दों और धवीं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

एस० मी० ओ० नं० 443, 444, सेक्टर थ35वी चन्छीगढ़ (ग्रर्थात वह जायदादा जो कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रा कारी चन्छीगढ़ केशांत्रलेख संख्या 1137 माह जनवरी, 1985 के तहत दर्ज है)

> जोगिन्ध्र सिह् सक्ष्म प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायक्त (निरीक्षण स्रर्जन रेंज, लिधयाना

दिनाक : 9-9-1985

प्ररूप बार्ड.टी.एन.एस_ -----

बायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्काण)

ग्रर्जन रेंज, न्धियाना

ल्धियाना, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेण मं० लुधियान / 632/84-85---- प्रतः मुझे जोगिन्छ सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (वित इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निष्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उजित आजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संव महान नंव XXVI 64 1/3 का 1/4 भाग है तथा जो लाजपन नगर, नजरीक पक्षोबान रोड, लुधियाना में स्थित है (और इसमे उपावद्ध प्रतुस्ची में और पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय कथियाना में रिजस्ट्रीकरण प्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन नारीख प्रस्वरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यक्तान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रीराशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिकों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निस्निलिसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक कप से क्षित नहीं किया गया है :---

- (क) यान्यरण सं हुइ किती शाव की बावता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तव क्याने में बुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिल्हें भारतीय आयन्तर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उपस अधिनयम, या धन-कर गिंधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया ना या किया जाना नाहिए या, छिपाने में सुनिधा के लिए।

बत: बब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के श्राधीन, निम्नीलिखित व्यवित में अध्यक्ष :---

- (1) श्रीमती भगवन्त कीर पत्नी ग्रमरजीत सिंह, श्रीमती नरेन्द्र कीर पत्नि श्री छमिन्द्र सिंह, द्वारा श्री ग्रमर जीत सिंह सेखी, निवासी गांव पामल, जिला र लैंशियाना । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती जीवन कौर पत्नी श्री श्रमरजीत सिंह, निवासी कुन्दन नगर, माडल टाउन, लुधियाना । (ग्रन्तानी)

की बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के कर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाहोब :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर वृत्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अभोहम्साक्षरी के ध्रांत निवित में किए जा सकोंगे।

स्वकारिकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों खरि पर्वों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हाँ, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा हाँ ।

नपुष्पी

मकान नं बी-XXVI 644/3 का 1/4 भाग, न्यू लाजपत नगर , नजबीक पखोबाल रोड़, लुध्याना, (प्रथान बह जायदाद जो कि राजस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी, लुध्याना के बिलेख संख्या 11357 माह पारवरी, 985 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्राधुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ल्(ध्याना

दिनांक : 9—9—1**985**

प्रकृत वार्ष , टी. प्रन. प्रक., ----------

बावकर वर्रिशनयमं, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर नामुक्त (रिपरीक्रक)

ग्रर्जन रेंज, लिधयाना

लुधियाना, दिनांक 11 सितम्बर 1985

निदेश सं० चन्डी/131/84-85--अत-मुझे जोगिन्द्र सिंह.

बावकर बांधनिवन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परवाध 'उक्त अविनियम' कहा गया हैं), की बाध 269-च के बधीन सक्तम प्राधिकारों का यह जिस्साध करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित नावार मूक्य 100,000/- रहे, से अधिक है

और जिसकी मं ० लाट नं ० 1368 है तथा जो सेक्टर 33सी चन्छीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्छीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1985

की पूर्वोक्त सम्परित के उचित आधार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित; की गई और मुझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, जिम्लीसिवित अव्विदेश से उस्त अन्तर्ण निवित में अस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) बन्दरण में हुई कियी थाए की बावस्तः स्वयः अद्वेददिवयं में सभीत कर दोने के बन्दरण में शहेददिवयं में कशी अरते वा क्यमें शहामें में सुविधा में किया और/मा
- (व) ऐसी किसी नाम वा किसी भन वा नाम वास्तिनों ना, विवाह आरतीय वाल-कर विभिन्नव, 1922 (1922 का 11) मा उन्तर विभिन्नव, वा भव-कर विभिन्नव, वा भव-कर विभिन्नवम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्ताओं कन्तिरती ह्यारा प्रका वहीं दिवस क्या था वा निवस जाना अहिंद्य था, किसाने में व्यक्ता के निवह;

बतः अव, उस्त विधिनवयं की भारा 269-ग के बन्तरण तें, तें, उस्त विधिनवयं की भारा 268-य की उपभारा (1) दे वधीन, निम्नविद्युष्ट व्यक्तियाँ, वर्षांद्र क्र--- (1) मेजर जनरल यधरिमन्द्रा स्वर्थ रसतोगी (रिटायर्ड) पुत्र श्री प्यारे लाल रसतोगी, निसासी ए-202 सोमिविहार, श्रार० के० पुरम, सेक्टर 10, नई यदिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स साहिब दिना मल सुखजीत शीसह, कटगा, सुभाष, चांदनी चौक दिल्ली । (ग्रन्तरिती)

को नह त्याना चारी करके पूर्वोक्त सन्मत्ति के वर्षन के द्विष् कार्यवाहियां करछा हो।

क्य कर्मात के अर्जन के बंबंध में कोई भी बाबोग :---

- (क) इस जूबना को शब्दपन में प्रकासन की तारीब के 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की नवधि, को और नवधि सन्दर्भों समाप्त होती हो, को शीतर पूर्वों वर व्यक्तियों में ते किसी व्यक्तित दूरारा;
- (क) इस स्थाना के राजपन में प्रकावन की वारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिव-वव्य किसी जन्य व्यक्ति इवारा, अभोहस्ताकरी के वाल सिवित में किए जा सकोंने।

स्पच्छीकरणः इसमें प्रयुक्त कम्यों और पवा का, जो उक्त अधि-निवस को अध्याव 20-क में परिभाष्टित है, वहीं क्षे होगा, जो उस बध्याव में दिशा गया

अनुसूची

लाट नं० 1368, सेक्टर 33सी , चन्डीगढ़ में स्थित है (अर्थीत वह जायदाद जी कि राजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी चन्डीगढ़ के विलेख संख्या नं०10085 माह जनवरी 1985 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायक (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 11-9-1985

नाहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, सुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेस सं० लुधियान | 476 | 84-85--ग्रन: मुझे जोगिन्छ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिस्का उचित बाजार मृल्य 1,00,000 / - रह. से अधिक है

और जिसकी संव मकान नंव बी-11-1372/2 का 1/3 भाग है तथा जो जीव पीव ओव रोड, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रजिंदीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रिजिट्टीकरण अधिनियमण 1998 (1908 का 16) के अभीन तारीख जनवरी, 1985 को पूर्वीक्स सम्पर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इच्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और

मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उभित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकार्ग) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तो पाया सदा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तिक रूप से किंक नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त विध-विवय में अधीन कर दोने के बन्तरक के दावित्य में अभी करने वा उक्ते वृष्ते में वृद्धिया के विष्: मोह/वा
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या जन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अबोजनार्च जन्तिरिती इंशारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था, कियाने में सुत्रिधा के सिए;

- (1) श्री संजय युमार जिवल पुत्र श्री गिरधारी लाल जिवल निवासी, दयाल निवास, जीव तीसें रोड, लुधियाना (ग्रन्तरक)
- (2) श्री महेन्द्र सिंह, पुत्र श्री ग्रमर सिंह, निवासी बी-11/1554, कूचा सेठ सन्त दास, लुधियाना।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं ।

उक्त सम्पन्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप ध---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताशीस से 30 दिन की अविध, जांभी अविध शव में समाप्त होती हो, के भीतर प्वांक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकावन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बब्ध किसी बन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के नात सि[बत् में किए जा सकरें।

स्वक्षीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अवस अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय मा दिया विश्व हैं।

अनुसूची

मकान नं बी-11/1372/2 का 1/3 भाग, जीव पीव ओवरोड़, लुधियाना (ग्रथीत वह जायदाद जो कि राजस्ट्रोकर्ता ग्रिधिकारी, लुधियाना के विलेख संख्य 9542 माह जनवरी, 1985 के तहत दर्ज हैं)।

> जोगिन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

बतः जब, अवत अधिनियम की भारा 269-ग क अनुसरण बी, मी, उपल अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) की अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात ए---

¹दनांक 9-9-1985 मोहर : प्ररूप आहुरै.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत श्रेरकत्

बायीनप, सङ्गापक प्रापंतर बाध्कर (निरीक्षण)

श्चर्यन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० लुधियान /491/84-85--- स्रतः मुझे जोगिन्द्र

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्में इसके प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाधार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संव मकान नंव की—11—1372/2 का 1/3 भाग है तथा जो जीव पीव ओव रोड़, लुधियाना में स्थित है (और क्ससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत हैं) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियान में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि मनाप्रतिक्त मंपीत्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिकास से जिथक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (कन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ता निम्निनिविध उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में वास्त्विक क्या के किए तथ भी किस मही किसा क्या है है

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबस उक्त जिय-फिरफ को ब्यीय कह वारे के सम्बद्ध के शांतित्व की कभी कहने वा उक्को वक्षों को सुनिधा को फिल्ह; बार/या
- (स) एसी किसी जाय वा किसी भन या बन्य आहिताओं को, जिन्हों भारतीय आय-कर अविनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनयम, या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिनाने में स्विभा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, में, एक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीम, निम्निश्लिखत व्यक्तियों, अर्थात् ः—— (1) श्री मंजय बुमार जिदल पुत्र श्री गिरधारी लाल जिदल, निवासी दयाल निवास, जी० पी० ओ० रोष, लुधियाना ।

(अन्तरक)

(2) श्री कुलवन्त मिह पुत्र श्री ग्रमर सिह, निवासी, बी-2/1551, कूचा संत सेठ दास, लिधियाना ।

(भ्रन्त रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कर्यवाहियां सूक करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की आर्ड़ीक हैं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपरित में दित-वद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी को गाव निवित्त में किए का शकों में ।

ज्यस्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क जरिंपनियम के अध्याय 20-क जो परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में वियाः गया है।

अनुस्की

मकान नं बी-2/1372/2 का 1/3 भाग जी पी ओ रोइ, लुधियाना (ग्रर्थात वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिष्ठकारी, लुधियाना के विलेख संख्या 9734 माह जनवरी 1985 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 9-9-1985

क्ष्मच बाह^र्डी, एस**् एस**्

शायकर निधिनियन, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-प (1) के अभीत स्पना

भारत बहुकाड

कार्यालय, सहायक बायकर जायुक्त (निर्दाक्षण)

म्रर्जन रेज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० लुधियान /500/84--85---ग्रतः मुझे जोगिन्द्र सिंह.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00.000/- रहा से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० बी-11-1372/1 का 1/6 भाग है तथा जो जी० पी० ओ० रोइ, लुधियाना में स्थित है (और ६ससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन नारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त तम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अभिक है और बंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शतिफल, निम्नतिचित उद्वास्य से उच्य बन्तरून मिवित में बाराविक स्प से स्वित कहीं विकास स्वाह्य है —

- (क) मन्तरण से हुई किसी नाय की वाबत, उक्त श्रीपविषय में सभीन कहा दोने के सन्तर्क से दावित्य में कृती कर्तु वा उद्युत बज्जने में सुविधा से सिद्द; श्रीड/वा
- [क] एसी किसी नाय या किसी भन या जन्य शास्तियाँ की जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नृहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था. छिपाने में सविधा व विद्या

वर्तः वय, उक्त विधितिषय, की धारा 269-व के जनुसरण में भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की जणधाया (1) के अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियों, वर्षात् क्र--

- (1) श्री गिरधारी लाल जिंदल, पुत्र श्री चरन दास जिंदल, दयाल निवास, जी० पी० ओ० रोड़, लुधियाना । (श्रन्तरक)
- (2) श्री महेन्द्र सिंह पुत्र श्री ग्रमर सिंह, निवासी मकान नं० बी-11-1554, कूचा सेट संत दास, लिधयाना।

(श्रन्तरिती)

की यह सुबना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आश्रेष :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीश के 45 दिन की क्विधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवंक्ति व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबक्थ किसी कृत्य व्यक्ति द्वाडा नुभोहस्ताक्षरी के वाही विद्यक्त में किए वा दुकी ।

प्रनुसूची

मकान नं शी-11/1372/1 का 1/6 भाग जी विधे ओं होड, लुधियाना (अर्थात वह जायदाद जो कि रिजस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी, लुधियाना के विलेख संख्या 9840 के तहत दर्ज हैं)।

> जोगिन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुक्षियाना

तारीख: 9-9-1985

ोहर ॥

प्रकप बाहाँ, टी. एन. एत.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यारुय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० लृक्षियाना/490/84-85--- अतः मुझे ओगिन सिंह

बायक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कह्म गया है, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० मकान नं० बी-11/1372/1 का 1/6 भाग है तथा जो जी० पी० ओ० रोड़, निध्याना में स्थित है (और इसने उपाबद्ध प्रनुमुची में और पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नुध्याना के कर्यालय में रिजस्ट्री-करण प्रधिनियम 1908 का (1908 का 16) के प्रधीन नारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान फ्रींतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से ह्इ किसी आय की बाबत उक्त बीध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए; और∕या
- (था) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय अध्यक्षार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्याप्तरार्थ प्रतिविध राम्य प्रकट नहीं किया गया था या किया आना शाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधीन, निम्नलिखित अधीन,

(1) श्री गिरधारी लाल जिंदल, पुत श्री चरन दाम जिंदल, निवासी दयाल निवास, जीठ पीठ ओठ रोड, लुधियाना ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बलबीर सिंह पुत्र श्री ग्रमर चन्द,
 तिवासी भी-2/1554, बूचा सेठ संत दास,
 व्धियाना ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मति के भवन के सम्बन्ध में कांद्र भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिट-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहुस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अमुसुची

मकान नं वी-11/1372/1 का 1/6 भाग, जी जी जी जो होड, लुधियाना (अर्थात वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या 9733 माह जनवरी के तहन दर्ज है)

जोगिन्त्र सिह् सक्षम प्राधिगारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियान

दिनांक : 9-9-1985

प्रकथ बाइं.टी.एम.एस.------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ण (1) के अभीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहावक बावकर बायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियना, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देण मं ० नुधियाना/486/84-85--अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्सास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मकान नं० वी/II-1372/1 का 1/6 भाग है तथा जो जी०पी० ग्रो० रोड. लुधियाना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधि गर्ग के गर्मालय लुधियाना में गिनस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए कन्तरित की गर्ड है और मूझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेदय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के धारित्य में कभी करने या उससे वचने में मृतिधा के लिए; बौर/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या कत्य बास्तियों कर्त, जिन्हों भारतीय आधार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिधन, या समकार शार्थनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रधायनार्थ जंता की ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था खियान गो स्तिभा के लिए;

अतः त्रज्ञ, उक्त अधिनियम की भारः 269-ग कं अनुसरण जे, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) अंतरीक निम्हितिकत व्यक्तिवृथीं, वृक्षियं---- (1) श्री गिरधारी लाल जिंदल, पुत श्री चरत दाग जिंदल, तिवामी दयाल निवास, जी०पी० ग्रो० रोड, लुधियाना।

(अन्तर्क)

(2) श्री महेन्द्र सिंह, पुत्र श्री अभर सिंह, निवासी बी-II-1154, कूचा सेठ संत दास, लुधियाना।

(अन्तरिती)

का बह सुमना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति इतार;
- (ब) इस स्भाना के राजपण में प्रकाशन की ता<u>री</u>ब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी अन्य क्योंक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाक्षीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उकत् विभिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित-है, बही अर्थ होगा नो उस राध्याय में दिया गवा है।

भ्रनुसूची

मकान नं० बी-1I/1372/1 का 1/6 भाग, जी० पी० स्रो० रोड, लुधियाना (अर्थात वह जायदाद जो कि रजिस्ट्री-कर्ना अधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या 9687 माह जनवरी, 1985 के तहन दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 9-9-1985

ोहर :

प्रकृष नार्षः हो। एन । प्रकृ । -----

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अगीन मुजना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक सायकर आगृक्त (निरीक्तण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० लुधियाना/494/84-85--अत: मुझे जोगिन्द्र सिंह

लायकर अधिनिवज्ञ, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'ल्क्स अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थातर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रह से अधिक है

ष्पौर जिसकी सं० मकान नं० बी-2-1372/1 का 1/6 भाग, जी० पो० ग्रो० रोड़ रोड़ लुधियाना में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे विणित है) रिजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रिजिस्ट्रीकरण अधि-नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1985

को पर्वक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिपाल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देष्टिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाग की बाबत, उक्त जिथितियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वरियत्न थें कमी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; और/बा
- (च) ऐसी किसी अाय या किसी भन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था ता किया जाना चाहिए था, किपाने में सुविधा के लिए;

लतः यात्र , अकत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, भी जनत अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (१) की वर्णात भित्रतिक्षिण व्यक्तिस्यों, कथींत् :---16---276GI/85 (1) श्री गिरधारी लाल जिंदल, सुपुत्र श्री चयन दास जिंदल, निवासी दपाल निवास, जो० पी० श्रो० रोड़, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री कुलवन्न सिंह पुत श्री अमर सिंह, निवासी बी-2-1554, कूचा सेठ सन्त दास, सुधियाना।

(अन्सरिती)

को ग्रह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन की लिख् कार्यवाहियां करता सुं।

उक्त थंपिल को अर्जन को संबंध में कोए भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब बे 45 दिन की अविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत क्यक्तियों में ये किसी व्यक्ति हुनारा;
- (स) इस सुषता के राजयत्र में प्रकाशक की तारीच है 4.5 दिस को भीतर जनत स्थायर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य ज्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाद स्थित में किए जा सकींगे।

स्यव्यक्तिरणः — दसमं प्रयुक्त श्रव्यों नीर पर्यों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उत अध्याय में दिया गया है।

यनुसूची

मकान नं० बी-2-1372/1 का 1/6 भाग जी० पी० ग्रो० रोड़, लुधियामा (अर्थान वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियामा के विलेख संख्या 9786 माह जनवरी 1985 के नहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 9-9-1985

प्रकार **मार्ड** . टी., **एन्** , **एख** ,,-ह-----

क्षायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के मभीन सूच्या

बाह्य सरकार

कार्यासय, ब्रहायक नायकर नायका (निरीक्षक)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, विमांक 9 सिनम्बर 1985

निदेश सं० लुधियाना/483/84-85---अतः मुर्झे, जोगिन्द्र सिंह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्यात 'उल्ल अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-क के अधीन सक्षण प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. में अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० बी-[I/1372/1 का 1/3 भाग, है तथा जो जी० पी० रोड़, लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वे तस समित से उपित बाजार म्स्य से काम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह बिदबास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूस्य, अनके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरितीं (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के स्यु तम्ब पाया गया प्रतिफल, निम्निविचित उद्वेष्य से उच्छ अन्तरण किसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (का) अन्तरण से हुन्द किसों आय को बायत , कन्छ अधि-तियम के अधीन कर दोने के जन्तद्रक की सावित्य में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; जीर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, कियाने में भविभा के लिए;

लतः, अध, उक्त लिभिनियम की धारा 269-क को अनुलरण मों, मों, उक्त अभिनियम की भारा 269-क की उपभारा (1) को जभीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, जर्भात् छ--- (1) श्री गिरधारी लाल पुत्र श्री चरन दास जिंदल, निवासी दयाल निवास, जी० पी० ग्रो० रोड, लुधियाना ।

(अन्तरक)

(2) श्री बलबीर सिंह पुत्र श्री अमर सिंह, निवासी मकान नै० बी-II/1554, कूचा सेठ सन्त दास, सुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह मुभना थारी कारके पूर्वोक्स संपत्ति के वर्षन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप ः---

- (क) इस स्थान के रायपण में प्रकाशन की तारीय हैं
 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्थान की तामील से 30 दिन की मय्यि, को भी
 व्यक्तियों में सभाप्त होती हो, के भीतर प्रोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवास;
- (ख) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में द्रित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास किर्नेबत में किए वा सकींगें।

स्वकाकियुण :---इसमें प्रयुक्त सम्बों और पदों का, जो उक्त जीभिनियम, को अभ्याय 20-क में पीरभाषित ही, वहीं नर्थ होया जो उस अभ्याय में विका वया हो।

जन्तुची

मकान नं० बी-II/1372/1 का 1/6 भाग, जी० पी० भ्रो० रोड, सुधियाना (अर्थात वह जायदाद जो कि रजिस्ट्री- कर्ता अधिकारी सुधियाना के विलेख सं० 9662 माह जनवरी, 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

विनांक: 9-9-1985

प्रकृष वाह^{र्}तः **टी**ल एनः, एक्_र सरसम्प्रमा

भायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) में मुनीत सुनता

मारत तरकार

कार्यासय, सहायक आयकार आयुक्त (निर्देशका) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 सितम्बर 1985

भिर्देश सं० लुधियामा/1484/84-85--अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्बद्धित, जिसका उपित बाजार मूस्य 1,00,000/- रूट. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० मकान नं० बी—II/1372/1 का 1/6 भाग तथा जो जी०पी० श्रो० रोड, लुधियाना में स्थित है (श्रौर इसके उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रिजिस्ट्रीकरण √अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी,

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिकल के निए जन्तिरित की गई है और मूओ यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उससे दृष्यमान प्रतिक के से, एसे दृष्यमान प्रतिक से का पन्तह प्रतिकृत से विश्वक है बार बन्सरक (बन्दरका) बार अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरम् के जिस तय पावा मूबा प्रतिकृत निम्निसिंद्स उद्देश्य से उच्त बन्दर्य जिल्लाक में बास्तिक क्य से का भूत नहीं किया प्रा है है—

- (भ) सन्तरण संह्यं कियों साथ को बाबत, स्वतं सिंपनियम से संतीय कहा दोने के सन्तरक से बाहित्यु में कामी करणे वा सबसे व्यतं में सृतिधा के सिंह: धीट/वा
- (व) एसी किसी बाब या किसी धन वा बच्य कारिसारों को, जिल्हों भारतीय बाय-कर बहैशीनयम, 1922 (1922 का 11) वा उपक विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नृहीं किया नया था वा किया जाना चाहिए था, जिल्लाने में सुनिया के लिए;

बतः व्या उपत निधिनियम की धारा 269-ग कें, अनुसरण कें, में, उसत जिधिनियम की धारा 269-म की उपासरा (1) व बधीन, निम्नितिस्ति स्वितिस्ति, निधितिस्त

(1) श्री संजय कुमार पुत्र श्री गिरधारी लाल जिंदल, निवासी दयाल निवास, जी० पी० श्रो० रोड, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री बलबीर सिंह पुक्त श्री अमर सिंह, निवासी मकान नं बी—II/1554, कुचा सेठ सन्त दाम, लुधियाना।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुने।

उन्त डम्मरित के मर्चन के सम्बन्ध में कोड़ भो आक्षेप 🛷

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की ताबीस से 30 दिन की अविध, जो भी मनिध बाद में समाप्त होती हो, ये भीतर पूर्विकत क्यक्तिकों में में किसी क्यक्ति वृतारा;
- (ण) इस सूचना के राज्य प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन के भीसर उक्त स्थावर संपर्ति में किस-वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति वृद्धारा अधिहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकींगे।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त कांश्रीनयम के अध्याद 20-क का परिकारित हैं, बड़ी कर्थ होगा, को उन अध्याद में जिया स्वा हैं।

अनुसुची

मकान नं बी-II/1372/1 का 1/6 भाग जी जी जो क्यों रोड, लुधियाना (अर्थात जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या 9661 माह जनवरी, 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीजण) अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 9--9-1985

प्ररूप थाइं. टी. एन . एस . -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 268-त (1) से नभीन सूत्रना

भारत सरकार

कामलिय, सहायक आयकर काभ्यकत (निराक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्वेश स० लुधियाना 433/84-85--अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

बायकर मुभिनियम, 1961 (1961 का 43) (किसे इसमें इसमें परवाद 'उन्ता निर्मानम' कहा गया है), की भारा 269-ख के मधीन सभाग प्रीक्षिकारी को यह विषयास करने वन कारण है कि स्थ्यावर सम्बत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से जिथक है

श्रोर जिसकी सं० मकान नं० बी-II/1372/1 का 1/6 भाग है तथा जो जी० पी० श्रो० रोड लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुभूची भंश्रीर पूर्ण इत्य से बीणत है) रिजस्ट्री-कर्ती अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारी ख जनवरी, 1985

को पूर्णीक्ट सम्पत्ति के उत्तित बाजार कृत्य से कम के श्रामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड ही और मुक्ते यह विश्वान करने का कारण ही कि यथापूर्णीक्त सम्पत्ति का उत्तित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल ता, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक हो और अन्तरक (अन्तर्कों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निनिश्वत उद्वेदय से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है हि—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अरि/वा
- (क) एसी किसी जाम या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

वतः वभ, उक्त विभिनियम की भारा 269-श के बनुसरण को, मी, उक्त विभिनियम की भारा 269-श की उपभारा (1) को विभीन, निम्नाविधित व्यक्तिवार्ग, वर्षात् :--- (1) श्री गिरधारी लाल जिंदल, पुत्र श्री चरण दास जिंदल, निवासी दयाल निवास, जी० पी० श्रो० रोड, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री कुलबन्त सिंह पुत्र श्री अमर सिंह, बी— $\Pi/1554$, कूचा सेठ सन्त दास, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रॉक्त सम्पत्ति को अर्थन को निष् कार्यवाहियां कंत्रता हों।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविध या तत्ममान्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से सिन्धी व्यक्ति हवारा;
- (स) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उकर स्थावर सम्पन्ति में जिनबहुए किसी ब्यांस्त द्वारा अधाहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्कीकरणः — इसमें प्रमुक्त बाक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है ।

बन्स्ची

मकान नं० बी-H/1372/1 का 1/6 भाग जी० पी० थ्रो० रोड, लुधियाना (अर्थात वह जायदाद जो कि रजिस्ट्री॰ कर्ताअधिकारी लुधियाना के विलेख संख्या 9543माह जनवरी 1985 के तहस दर्ज हैं)।

जोगिन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियान)

दिनांक : 9-9-1985

महान नार्याः ठीत हुन्_य हुन्_{या}न्यसम्बद्धाः

भागकार मुधिनियम्, 1961 (1961 था 43) वर्षी भारत २६९-म (1) के अभीन सुक्रमा

STEEL STEELS

कार्यस्य , राष्ट्रपक गायकार भाकृतव (चित्रीक्ष)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिमां क 7 अगस्त 1985

निदेश सं० पी० आर० नं० 3722/84-85--अतः मुझे जी० के० पंडया

कार्यकर सिक्षितियम, 1961 (1961 का 43) (जिस्ते क्राक्री इसके पंचालत् 'उद्दर्ध लिखिन्स्य' क्या वंदा है), की सारा 2000-ता से वर्धान स्वतंत्र प्रतिकारणे की का क्यान्स क्यां का कारण है कि रूपायन क्रांक्री का जिस्ता उपनित नावार मुख्य 1,60000/ कर वे वर्धाना है

स्रौर जिसकी सं० आफिस नं० 640 अजन्ता शो० सेंटर, है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में फ्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदादाद में रिजर्ट्रवरण अधिरियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1984

- ((फ)), क्याप्य ने ह्यूदी सिक्ती नाम वही कार्यक्र_ी कार्यक्र निकित्तक की अधीष क्षा नेने के अध्यक्तक की कार्यक्रिक नी कारी कार्यों ना स्टब्डे कार्यों में नुष्टिमा के किस्कृ; मोत्/ना
- (थ) ऐसी किसी अप वा निसी पत्र वा अप्य आहेस्सूनी कर किन्द्र भारतीय अस्य कर किनियन, 1922 (4922 का 11) वा उपय वहिन्द्रका वा पत्रकर विभिन्नका वा पत्रकर विभिन्नका 1957 (1957 पर 27) के अपनेकार्य अपनेकार अस्तिकार अस्तिकार वास्तिकार वास्तिकार अस्तिकार अस

मधा भव्त अन्त आधिनियम काँ भारा 269-म की अनुसरम में, में, जन्म अनियमम की श्रा 269-म की सर्थारा (1) को अभीम, निकालिकित व्यक्तिको, अर्थात् १०००

- (1) मेनर्स शांति बिफीलर्स, अजन्ता शोपिंग सेंटर, रिंगरोड़, सूरत । (अन्तरक)
- (2) श्री मंभुदयाल बजाज, सन्तनगर सोसामट ीउपना (जला सूरत)। (अन्तरिती)

बहुँ हुद्ध बुक्का आक्री करके पृथानिक संगरित में जर्बन के विद्य कार्यक्राहिकों के उत्तर होंदे।

वन्त समिति के अर्थन से सम्बन्ध में कोडे भी आसीप्र-

- (क)) वस् क्लास के जनवर में प्रकारण की तार्त्रीय से 48 तिथा की अमित क कार्यकार्गी करीयरकी पर स्थाप की ब्रामीय में 30 दिन की नगीय, में भी कार्यक का में बताया क्षीती हो, में भीतर प्रमृतिक महीरकार्गी में में दिवारी क्षीयर क्षारत्ना
- (क) इस स्कृतन को राजपंत्र में प्रकाशन की सरदीय से 48 किए की सींद्र कर्षत्र स्थापन सम्मितिक में विशेषकृत्र किसी मध्य अधिक स्थापन मनोहरकारहाँ भी साम किसिक में सिक्त का स्वीति ।

स्थानक्षित्रण ह कार्के प्रमुख्य कार्के और पर्यो का, यह उत्तर अनीमनियम, के अध्याम 20-का में परिशायिक है, बहु अर्थ होगा, का उस अध्यास में विसा गया है।

अनुसूची

फार्म नं० 37ईई का फार्म यह हार्नातन में दिन्नार 1984 में पेश किया गया है।

> जी० के पडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 7-8-1985

प्रकल् नाही । दी , प्रस्तु , प्रसार ------

बाधकार वॉभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाह्य 269-स (1) के अधीन कुलना

भारत करकार

क्लर्थासन्, सहायक नायकर नायकर (निद्धक्षिण), अर्जन रेंज-II, अहमवाबाद

अहमदाबाध, विनांक 7 अगस्त 1985

मिदेश सं०पी० आर० 3723/II—अतः, **मुझे**, जी० के० पडया

मायकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्सें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, वह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० आफिस नं० 320 अजन्य शापिंग सेंटर हैं तथा सूरत में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के स्वीकान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूर्व, जसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्स्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) को बीच ऐसे अन्तरण को लिए तथ पामा गमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्रिक रूप से कारित नहीं किया गमा है है—

- (क) अन्तरण सं हुक् निक्सी आय की बादत, उकत नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने वा उससे वजने में तुविधा के लिए; के लिए; और/वा
- (व) ऐसी उकसी जाय या किसी थन वा अन्य जाहितथाँ को जिन्हें भारतींन वायकर नहींनित्यम्, 1922 (1972 का 17) या उपल अधिनियम्, या व्यक्तर निवित्यम्, या व्यक्तर निवित्यम्, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिहिती ब्वास प्रकट नहीं किया व्या था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविभा के लिक्श

बतः अव, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण वै, वें, उक्त विभिन्नियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निल्बित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) मैं० शांति बिल्डर्स , अजन्य शापिंग सेंटर, सुरत ।

(अन्तरक)

(2) श्री संतोष वेष राज कुमार शर्मा, 54, साधना सोसायटी वराछा रोड, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जम के संबंध में कोई भी आक्षेप 🚁

- (क) इत स्च्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (वां) इस जूचना के राजपण में प्रकाबन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्मवृथ किसी जन्म व्यक्ति वृजारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किस का मकोंगे।

स्वक्रीकरण :----इसमें प्रभूत सन्तों नाँद पर्यों का., जो उज्जत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं नर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

37ईई का फार्म यह कार्यालय इसमें दिनांक 15-12-1984 में पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंजे II-, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 7-8-1985

प्रकृप लाह्यं . टी . एव . एस . --- ------

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत तरकार

कार्यास्य , तहायक कायकर बायक्त (निर्देशक)

अर्जम रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिमांक 7 अगस्त 1985

निदेश र्सं० पी० आर० नं० 3724/84—85——अतः मुझें जी० के० पंडया

नायकर निर्धानियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके प्रकाश 'उन्त अधिनियम' कहा गया ही, की भारा 269-च के नधीन सक्षम प्राध्यिकारी को यह विश्वास करने का कार्ज है कि स्थानर संपरित, जिसका उचित नाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ौर जिन ह ि सं० आफिसं० ने० 529 रिगरोड़, सूरत है तथा जो सूरत में सि त है (ग्रीर इसमे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण का में वर्णित) है रिन प्रीताती अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद है रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 37BB के अधीन तारीख दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उवित बाजार मुग्य से रूप के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूच्य, उसके रृश्यमान प्रतिफाल से एसे रृश्यमान प्रतिफाल से बन्द्रह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्दरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सब बाबा गया प्रतिफल, निम्नीसिंखत उद्धिस्य से उमत अन्तरण जिल्हित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) कलारन ने हुए किसी बाद की बावत, अनत विध-रिनंदम के अधीन कर दोनेके बलारक के वासित्व में क्रमी कारने वा उत्तरे वचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (थ) एंडी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1)। या उन्नत लिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्मिरिती द्वारा प्रकृत नहीं किया गया भा वा किया जाना भाहिए था, अध्याने में स्विधा के लिए।

जत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) में शांती बिल्डर्स, रिंगरोड़, सूरत।

(अन्तर्क)

(2) मिसिस मल्लिका अर्रावद भाई (वकील), नियालियावाड कानपुरा, सूरत ।

(भन्तरिती)

को नह सूचना जारी कहके पूर्वोक्स संपृत्ति के कर्मन के तिहु कार्यवाहियां करता हुं।

डक्त रम्पतित के वर्णन को संबंध में कोई भी आहोर ह—

- (क) इस स्वान के राज्यपत्र में प्रकाशन की ताड़ीय वें 45 दिन की अमिथ या तत्संबंधी व्यक्तिमाँ पड़ स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो और अविध सद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति क्वारा;
- (व) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्पत्ति में दितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारण अभोहस्ताक्षरी के पाव स्थितित में किए जा सकी।

स्यव्यक्तिरणः--इसमें प्रयुक्त कव्यों और पवाका, को समस अधिनियम, को अध्याप 20-क में परिभाषिर हाँ, बही अर्थः होगा को उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूजी

37 ईई का फोर्म पर कार्यालय में दिलांक 15-12-84 में पेक किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख: 7-8-85

प्ररूप आही. टी. एम. एस.-----

नाजनर अपिनियम, 1961 (1961 नम 43) की भारा 269-न के नभीग कूचना

भारत बरकार

कार्जाबक, बद्दावक नावकर नाव्यक (निर्देशक)

श्रजैन रैज, श्रहकदाबाद

महमदाबाद, दिनांक 2 भगस्त, 1985

सं० पीं० श्राप्त सं० 3725/11'-श्रतः मुझे, पीं० के० पंड्या,

नायकर गीर्थानयम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इतवें इसकें परवात् 'उपत गीर्थानयम' कहा गना हैं), की नाफ 269-म के नधीन तकन प्राधिकारी की, वह विकास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उपिक गाणाय नृस्व 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

औप जिसकी संख्या श्राफिस नं० 33 रीजमैंट है। तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप ते वर्णित है), रजिस्ट्रींक्सी श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रींकरण श्रधिनियम 37 ईई के श्रधींन, 15 दिसम्बर, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य ते का के करवजान प्रतिकल के सिए कन्तरित को भड़े हैं और मूझे यह विकास करने था सारच है कि स्वाप्नोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूर्य, उनके क्ष्ममान प्रतिकल से ऐसे क्ष्ममान प्रतिकल कर नेब्रह प्रतिकल से अभिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरितीं '(अन्तरितिबाँ) के बोच एसे अन्तरण के सिए तब बाबा गवा प्रतिकल निम्नसिक्ति सब्बोध्य से उक्त जन्तरण किष्मा में बास्तिकक क्ष्म से कथित नमीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण ते इन्द्रं किती काक काँ बाबता, जक्त बर्णिनयम के अधीन कर बने के बंतरक के बाबित्व के कभी करने वा उससे बचने भी सुविका की लिए बार/वा
- (वा) घोती निक्की जान या किसी भन या जन्म जारितार्थी के बिक्की भारतीय जानकर जीभिनेत्रमा, 1922 (1922 का 11) या जनत जीभिनेयमा, या भनकर जीभिनेयमा, 1957 (1957 का 27) जी प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भाषा किया जाना चाड़िए भा, कियाने में सूनिभा के लिए;

जतः अस, उस्त आधिनियम की धारा 269-ग के समूतरण मी, मी, उस्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारत (1) को अधीन, निकलिनियस न्यानियमों, अधीत् ह— म० गांति बिल्डर्म,मैरींज ट, सुरत्।

(भन्तरकः)

श्री कुल दींप सं श्रमंजा,
 मीं/ओ० सम सिल्ड मिल्से,
 मुरत टेक्से टाइल मारकेट रींजमट,
 मुरत।

(भ्रन्तरिती)

को नह सुनमा बारी करते नृत्रोंकत ककारित के जबन ने तिब् कार्यमाहियां करता हूं।

दभत तल्लीता के अवीन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेत्र हु----

- (क) इत सुबना के राजपत्र में प्रकालन की तारीचा ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिओं पर तुबना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त किरों में से निज़्सी क्वीक्त द्वारा;
- (ब) इक सूचना के राज्यात में प्रकाशन की तार्यांच से 45 बिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य स्थावत ब्वारा अधोहस्ताकरी के बास सिवित में किए जा सकेंगे।

क्लक्ष्मिक्क: क्लावों प्रयुक्त घट्यों और क्लों का, यो उक्त शिकित्रत्व,, से अध्याय 20-म में करिशामित हैं, कही वर्ष होगा यो उत्त अध्याय में दिवा गवा है।

अगुलुकी

37 ईई का फर्म पर कार्यालय में दिनांक 22-11-84 में पेण किया गया है।

> पीं० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण), श्रर्जन रेंज श्रहमदाबाद

दिनोक 2-8-1985

नोहर :

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. -----

बाधकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन मुचना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्कासक)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाय, दिमांक 2 अगस्त 1985

मं० पीं० म्रार० नं० 3726/II - ग्रत मुझे, जी० के० पण्डया,

शायकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त शिधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास अरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं। अरेर जिनकी संख्या श्राफिस सं० 739, रिंग रोड, हैं। तथा

और जिनकी सख्या श्राफित स० 739, रिग राड, है ।तथा जो मुरत में स्थित है और इसमें उपाबद्ध श्रनुमूची में और पुर्ण से बिणमें है), रिजिस्ट्रींकर्त्ता श्रिधिशारी के कार्याव्य, श्रहमदाबाद में रिजिस्ट्रींकरण श्रिधितियम, 37 ईई के श्रिधीन, स्वितांक 22-11-1984।

को पृशांकत सम्पत्ति के उचित गाणार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृत्रो मह विदेशास. करने का कारण है कि यथ्मपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित गाजार मृत्य, असके ध्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पत्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में पास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायभ, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के स्वयिक्त में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) एसी किसी जाव वा किसी भन या जन्य जास्तियों का, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भं, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) क अधीन.. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— धर---276 GI|85

 मै० शांमिल बिल्डर्स, रिग रोड, सुरत।

(श्रन्तरक)

7. म० बिमल एन्टरप्राईजेस। कल्याणपुर, सुरत।

(श्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य करित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास

स्पष्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दाका, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस सध्याय में दिवश समा है।

बगसभी

37 ईई का फर्म यह कार्यालय में दिनांक 22-11-84 को पेश किया गया है।

जीं० के० पण्डया सक्षम प्राधि ारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन-रेज II श्रहमदाबाद

दिनांक: 2-8-1985

प्रकृष् वार्डं.टी. एन . स्स . -------

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-भ (1) के अधीन सुपना

भारत सरकार

कार्यक्रिय, सहायक आधकार लाग्रक्त (जिल्लीक्सण)

धर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनौंक 2 श्रगस्त 1985

निर्देश सं०पी० श्रार० 3724/11—श्रतः सुझे, जी० के० पण्डया,

शयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्थके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कक्षा गया हैं), की भारा 269-ज के अभीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी संख्या आपित सं० 532 ए, रिंग रोड, है तथा जो सूरत में स्थित है (और असमे उपाबद ग्रमुस्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती ग्रिधकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधितियम, 37 ईई के ग्रधीन, दिनांक 15 दिसबर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की नहीं हैं और मूओ यह विश्वास करने करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित आजार बृत्य, उसके क्रयमान प्रतिफास से, एोने स्वयमान प्रतिफास का पन्त्रह प्रतिस्थित से अधिक हैं बीर बंतरक (अंतरकों) और बंत-रती (अंतरितियों) के बीच एोसे बंतरण के लिए तय पाया गया बितफाल निम्नसिलित उच्चेष्य से उपस्त अन्तरण लिखित में बास्तिक क्रम से किश्त नहीं किया गया है :---

- (क) असरण से हुई कि भी आम आहे शायक, सबस बिधिमितन के बयीन कार दोने के अंतरक के दायिक को कामी कारते हा उससे बचने से श्रीतिया के लिए; और/या
- (क) एकी किसी जाम या जिसी धन वा अन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय जायकर मिधिनसम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया या या किया जाना बाहिए था, एक्याने ही स्विधा की जिए:

बतः स्वतः व्यक्तं व्यक्तिवासं की धारा 269-यं के वश्चरक में, में, उक्तं व्यक्तियमं की धारा 269-वं की उपधारा (1) के वधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षातः— मै० शांति बिल्डर्स, प्रजन्ता शांपिंग सेन्टर,
 रिंग रोड, सूरत ।

(भ्रन्तरक)

 श्री राजुभाई जे० मारफितिया 4/3544 खारडी शेरी जाम्पा बाजार, सुरत।

(श्रन्तरिती

को नह सुवता वारी काहके पूर्वोक्त सम्मत्ति के स्वान के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की जबीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किस के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हिनवप्र किसी क्रम स्थिति इंबारा, अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किसे का सकींगे।

स्वच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त एक्टों कौर पड़ों का, को उक्त अधिनियम को कथ्याय 20-क में परिभावित ही, बड़ी वर्ष होगा को उस कथ्याय में विशे नया ही।

-

37 ईई का फार्म यह कार्थालय में दिनांक 5-12-84 को पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1, स्रहमदाबाद

ंदिनांक . 2—8~ 1985 मो**ह**र : प्रक्ष वर्षः टी.एन.एस. -----

गायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाद्य 269-म (1) के अभीन सूचमा

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक नायकर सामुक्त (विरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 2 श्रगस्त, 1985

निर्देण सं० पी० ग्रार० 3728 /IJ:——श्रतः मुझे, जी० के० पण्डया,

कालकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उसक अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269--व के अधीन बक्षम प्राधिकारी को वह विस्थास कारने का सारक हैं कि त्यावर कल्पित, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/-क ते अधिक हैं

और जिसकी सं० श्राफिस नं० 644, श्रजन्ता शापिंग सेन्टर, है तथा जो रिंग शेष्ठ सूरत में स्थित हैं (और इसमें उपायक श्रुत्सूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिक्ताशों के कार्यालय श्रुहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिक्ताशों के कार्यालय श्रुहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिक्ता के कार्यालय श्रुहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिक्ता सम्मित के उपात बाजार मूल्य से कम के क्यमान श्रीतकाव के निए अन्तरित की गई हैं और मूके वह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्वींक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकास से एसे दश्यमान प्रतिकास के पन्द्रह प्रविचत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए स्थ पाया गया प्रतिकास, मिम्नसिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविद्य में वास्तिक रूप से किया गया हैं है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बावस्त, अक्टा विधियमम के अधीन कर दोने के अन्दारक के बावित्य में कनी करने वा उत्तत क्याने में सुविधा के विद्यु वरि/वा
- (क) बुनी किसी अपन या किसी भन या अत्य आस्तियां को बिन्हें भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अव्यक्तियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाला वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

वर्षः अ्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त की धीनयम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निक्नीलिखित व्यक्तिस्तें, अर्थात् :--- मै० शांति बिल्डर्स,
 रिंग शेड, सूरत।

(भ्रन्तरक)

 श्री नाथमल काली चरण सरैया गंज, नार्थ बिहार।

(भ्रन्तरिती

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिक्त के अर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हूं।

उमत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध ; जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी व्यक्ति व्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किसे वा सकरो।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्धा अधिनियम के अध्याय 20 का में परिभाषित हैं, वहीं अर्थहोगा, जो उस अध्याय में विका गया है।

अन्सूची

37 ईई का पार्भ यह कार्यालय में दिनांक 15~12-84 को पेश किया गया है।

जी० के० पण्डया, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्राधुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज श्रह्मदाबाद

दिनांक : 2-8-1985

मोहर 🛭

प्ररूप जाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्बालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 2 अगस्त 1985

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3729/2---यतः, मुझे, जी० के० पण्डया,

नायकर अभिनयम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें भश्चात् 'उदत निधिनयम' कहा गया है), की भारा 269-के के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उधित बाजार मूल्य

1,00,000/- रः. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० 530 है, तथा जो रिंग रोड़ में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 37 ई ई के अधीन तारीख 15 दिसम्बर, 1984

को पूर्वे किं संगति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वे कि संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षण से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अस्तिरित्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- फल निग्निलिं खत उद्येश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक अप से की भए नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दामित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाभे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में स्थिया के लए।

अर्थ: अब, उथत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण ग, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) क अधीन, किम्बेल्स ब्यायस्यां, अधीत्:-- मै० शांति बिल्डर्स, रिगरोइ, सुरत

(ग्रन्तरक)

 मैं० गोपीलाल भाई दास माफितिया अबिका निकेतन, पारले पाइन्ट, सूरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीखं से 45 दिन की अनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थळित्रणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-हो, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसूची

37 ई ई का फार्म पर कार्यालय में दिनां 6 15-12-84 को पेफ किया गया है।

> जी० के० पण्डमां सक्षम प्राधिकारी सहायक अयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

तारीख : 2-8-1985

माहर :

प्रकृत काई. टी. एन. एस.-----

बायकर विधित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

मारत स्रकार

कार्याक्षय, बह्मयक बायकर बायुक्त (विरक्षिक्)

अर्जनरीज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिशांक 1 अगस्त 1985

निर्देश सं०पी० आर० नं० 3730/2—पतः मुझे, जी०के० पण्डया,

बायकर अभिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अभिवियन' कहा गया हैं), की भारा 269 व के अभीन, तक्षत्र प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थानर स्थानित, जिसका उणित् वाचार नृश्व 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं अाफिस न ० 4 4 3 है, तथा जो अजन्ता शोपिंग सेंट है, तथा जो रिगरोड़ सूरत में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबड़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीगर्ता ग्रिध कारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 3 7ई ई के अधीन तारीख 22 नवम्बर, 1984

को प्वेंबित सम्पत्ति के उभित वाकार मृत्य. से कम के स्वयमान प्रिटिफन के लिए बन्तरित की गई है और मृत्रे यह विकास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उभित वाजार मृस्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के सिए तय पाया गया शितफन, निम्मसिचित उद्योचन से उक्त बन्तरण सिचित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है :----

- (क) कन्तरम् सं हुई किसी नाम की बासत उसत सर्विनियम की वधीद कर दोने के बन्दारक को वासित्य में कमी करने या उससे बचने मी सुविधा के लिए; बार/बा
- (स) एंसी किसी बाम या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्छ अधिनियम, वा अन-कर अधिनियम, वा अन-कर अधिनियम, वा अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था कियाने में तुनिभा के लिए;

कतः सम, उक्त निभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण स्के, में उक्त निभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) से अभीत, निस्तिविक स्थानियमों, सम्बद्धिः मै० शांति बिल्डर्स रिंग रोड़, सूरत

(ग्रन्तरक)

श्रीमती सतीष बी० अग्रवाल,
 12 निधिन अपार्टमेंट, सूरत

(अन्तरिती)

को यह त्वता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्जन के जिल्ला कार्यवाहियां गृष्ट करता हुं।

उक्त बुक्तरित के बर्चन के बुक्तरभ में कोई भी बाक्षेत्र हु---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीय न 45 दिन की वनीं मां तत्सम्बन्धी स्थानतयों पर सूचना की तानीत से 30 दिन की बन्धि, जो भी अन्धि बाद में स्थाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थानकों में से किसी स्थानत द्वारा;
- (व) इत व्यक्त के स्वयंत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विन के भीतर स्वयं स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्ध व्यक्ति वृतास स्थाहस्ताक्षरी के जात निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्थिक्षीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, भो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁵, दही अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया गया हु⁸।

ग्रन्सुची

37-ई ई फोर्म पर कार्यालय में दिनांक 22-11-84 को पेश किया गया है।

> जी० के० पण्डया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

तारीखा : 1-8-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-2, अक्षमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 अगस्त 1985

निर्देश सं०पी० आर० 3731/2/85-86——यतः मु**क्त**े, जी० के० पांडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रत. से अधिक ही

श्राँर जिमकी सं० आफिस नं० 518 है, तथा जो रिंग रोड, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबब अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 37ई ई के अधीन, तारीख 22 दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-कर्ती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया वाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

अतः अर्ब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- मै० शांति बिल्डर्स रिगरोड, सूरत

(अन्तरक)

 जयैश जी० पटेल वाणीयाशेरी महीधापुरा, सूरत

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

मन्सूची

37ई ई का फार्म पर कार्यालय में दिनांक 22-11-85 को पेश किया गया है।

> जी० के० पण्डया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख: 1-8-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 अगस्त 1985

निर्देश सं०पी० आर० नं० 3732/2/84-85—यतः, मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एरचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. हो अधिक है

भीर जिसकी सं० भ्रोफिस सं० 524 रिंग रोड़, है, तथा जो सूरत में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भ्रोर पूर्ण रूप से विणित है) रिजर्झी कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजड़ी करण अधितियम 37-ई ई के अधीन तारीख 26-12-84 को पूर्वाक्ष सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित का गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक दृश्यमान प्रतिफल सं, एमें दृश्यमान प्रतिफल का अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखत में वास्तिवक रूप सं कथित नहीं किया गया है दि—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिन्यिम के अधीन कर दोने के अंतरक क्रेंदियल ने कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) एंबी किसी शाय या किसी वन या अच्य बारिसची को, जिन्ही भारतीय जायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या व्यक्तर अधिनियम, या व्यक्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिट व्यक्तियों, अर्थातु ;--- मैं० शांति बिल्डर्स,
 रिंग रोड़, सूरत

(ग्रन्तरक)

श्री अशोक कुमार राठी,
 द्वारा गयानन्द राठी
 गुडलक मार्कीट रिंग रोड, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह मुखना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्से वंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस १. 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध । किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिगों पर लिखित में किए जा सकोंगे।

अनुसुची

37-**हर्ह** का फार्म पर कायलिय में दिनांक 26-12-84 को पेश किया गया है ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख: 1-8-1985

मोहर 🛭

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बावकर आवृत्त (विरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 1 श्रगस्त 1985

निर्देश सं०पी० श्रार० नं० 3733/2/85-86——यतः, मुझे जी० के० पंडया,

शावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (श्विसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उश्वित वाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं। श्रीर जिसकी संब प्राफिस नंब 602 रिंग रोड है तथा जो

ग्रौर जिसकी सं० ग्राफिय नं० 602, रिंग रोड़ है, तथा जो सूरत में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 37-ई ई ग्राधीन, तारीख 26 नवम्बर, 1984

को पूर्वीक्त तम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यवान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुफ्ते यह विश्यास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्तत से अधिक है और अन्तरक (अनतरका) और अन्तरिती (अन्तरितिवा) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गवा प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण निकात में वास्तरिक रूप से करियत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंसरक के दाजिल में कमी करने या उससे बचने में स्रुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन या अन्य शास्तियों की, जिन्हीं भारतीय जायकर अभिनिज्ञ , 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनिज्ञ , या धन-कर विधिनिज्ञ , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अस, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमुसरण में, मैं,, उस्त सिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन. निकासिकित व्यक्तियों, अधीत :— मैसर्स संदीप बिल्डर्म किन्नटी सिनेमा के पास, सूरत ।

(ग्रन्तरक)

 मैसर्स प्रग्रवाल डाईंग शेख मेन स्ट्रीट, बम्बई

(भ्रन्तरिती)

को मह । जूनमा जारी करके पृथीकत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्कवाहियां मुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत बूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी मधीभ भाष में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वां तकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रमुक्त कर्का और पदों का, जो उन्हें अभिनियम के अध्याम 20-क में परिभावित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है ।

वन्स्यी

.37-ईई का फोर्म पर कार्यालय में दिनाँक 26-12-84 को पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रह्मदाबाद

तारीख: 1-8-1985

प्रकृष आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 1 श्रगस्त 1985

निर्देश सं०पी० म्रार० नं० 3734/2/85/86 यतः, मुझे, पी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परघात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/~ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 504, रिंग रोड़ है, तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 37-ई ई के अधीन, तारोख 26 दिसम्बर, 1984

को पूर्णेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रितृफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशक्ष से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक स्प में कथित नहीं किया गया है:--

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

 मैं मर्स संदीप प्रिमाइसिम को-श्राप० सोसायटी रिंग रोड़, मूरत ।

(भ्रन्तरक)

2. फेर टेस सिन्थेटिक्स प्रा० लि०, रूकी नाका, बम्बई ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिन्तिषत ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ही।

वन्स्ची

37-ईई का कार्म पर कार्यालय में 26-12-84 को पेश किया गया है।

> पी० के०पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

तारीख: 1-8-1985

क्षेष्ठर :

प्रसम्प बाडाँ, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) क अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक वायकर वायक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 7 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० पी०श्रार०नं० 3735/2/85-86— यतः मुझे, पी० के० पंडया

कायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं श्राफिस नं ० 1008, सीमसे मार्कीट हैं, तथा जा मूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, श्रह्मदाबाद मे रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 37-ईई के ग्रधीन, तारीख 15-12-84

को पूर्वों कत सम्मति के उचित बाजार बृत्य से कम के इस्प्रमाण प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है आर मुर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्मति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिबत उच्चेंस्य से उचत अन्तरण मिचित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया क्या है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कबी करने या उससे बचने मां स्वित्या के सिए; और/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियन, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, द्विपान में सुविष्ण के सिक्टा

बात: अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण हों, कीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित क्ष्यक्तियाँ, अर्थात् :—

 सीमसे मार्कीट म्रार्ट मिल्क को-म्राप० सोसायटी, उमखाडा, सुरत ।

(भ्रन्तरक)

 मैंसर्स श्रार० श्रार० कोउ स्वदेशी मार्कीट बम्बई-2

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपंत्री में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जां भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थितत्यों में से किसी स्यक्ति व्यापतः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्रद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

धनुसूची

37-ईई का फोर्म पर कार्यालय में दिनाँक 15-12-84 को पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायक र ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रें 2ाः।

तारीखा : 7-8-1985

मोहर 🖫

श्रक्य भार्षे , टी , एन , एत ,-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के कभीन सूचना

भारत चहुकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद दिनांक 7 ग्रगस्त 1985

निर्देश सं० पो० श्रार० नं 3736/II/85-86——यतः, मृक्षे, जी० के० पंडया,

भावकर अधिनिक्रम, 1961 (1961 का 4.3) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से मधिक है

ग्रीर जिसकी सं० श्राफिस नं० 804 है तथा जो बम्बे मार्केट, उमेशवाद्या, सूरत में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिल्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 37 ईई के श्रधीन तारीख 19-12-1984

कर्रुप्वॉक्त संपत्ति के उचित वाजार मृन्य से कम् के ध्यमान श्रीतेफल के लिए जंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वंक्ति संपत्ति का उचित वाजार मृन्य उसके ध्य्यमान प्रतिफल से, ऐसे ध्य्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे वस्त्रच्य के लिए त्रव्भाया नवा प्रतिफल, निम्नीविधित उद्वेश्य से उक्त क्यारण निकित में वास्तविक रूप से कवित नहीं ध्याम नवा है ड—

- (क) बन्तरण से हुई कि सी नाय भी नावत उपना निध-निवंध को बधीन कर बीने के बन्तरक के दायित्व के क्यी करने वा उससे वचने में श्रीविधा को सिये: बार/ था
- (ए) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औं प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नृषा भा वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नृतः मृथ, उस्त विधित्यम, की पारा 269-व वी धनुसङ्ख्या मं, में, उस्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के विधीत, निस्तिवित स्यक्तियों, अधित ॥——

- (1) बोम्बे मार्केट और श्रार्ट सिल्क को० ओ० सोसायटी उमखाड़ा सूरत (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती कौणल्यादेवी ए० ढ़िग्रा श्रनील नियास रोड विलेपारलेबम्बई (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपर्दित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारींच सै 45 विन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि. जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तिस्यों में से किसी व्यक्ति द्यारत:
- (क) इस स्वाना को राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य अधिकत ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा ७ कोंगे।

स्पक्तीकरण : इसमें प्रयुक्त खन्यों और पदौं का, थी उक्त अधिनियम के शध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होंगा, जो उस कथ्याय में दिया नवा डैं।

नगुत्रुची

37-ई ई का फोर्म पर कार्यालय में दिनौंक 19-12-84 की पेण किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त(निरीक्षण) अर्जन रेंज-2,श्रहमदाबाद

तारीख: 7-8-1985

माहर 🥫

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 7 श्रगस्त 1985

निर्देश र्स०पी०श्रार० नं०3737/2/85/856—यतः, मुझे, जी० के० पंड्या,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावंर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक हो

श्रीर जिसकी संज्ञाफिस नंज 604 साम्से मार्कीट है, तथा जो श्रमवाड़ा, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 37-ईई के श्रधीन, नारीख 19 दिसम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उल्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1.957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— सोम्से मार्कीट्रुष्टार्ट सिल्क को-न्नाप० सोक्षायटी उमरवाडा, सूरत ।

(भ्रन्तरक)

 श्री संदीप कुमार स्रोम प्रकाश तप्रें वाल, मिलक लेन, कलकत्ता

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
 - (स) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयूक्त जब्दो और पर्दो का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-कं में ९रिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा गया हों।

अनुसूची

37-ई ई फार्म पर कार्यालय में विनाँक 15-12-84 को पेश कया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी . सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-ग्ना, ग्रहमवाबाद

तारीख: 7-8-1985

भोहर:

प्ररूप भाष'. दी, एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत तरकाड

कार्यासय, सहायक आयकर आवक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाँक 1 ग्रगस्त 1985

निर्देश सं० पी० आर०नं० 3738/II/85-86-अतः, मुझे, जी० के० पंडया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहलान 'नक्त अधिनियम' लहा गया हैं), की धरा 269-स के गरीन नाज अधिकारी को, यह विरुक्त काम का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
और उिसकी सं० फ्लैट नं० 101, श्रम्बका मरलो पार्क, में है, नथा
जो अम्बा लाईन्स, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध
प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी
के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण प्रिधिनियम 37-ई ई
के श्रधीन, तारीख 22 नवम्बर, 1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्द है और मूम्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नासत, जक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अजने में सुविधा के लिए; अरि/मा
- (थ) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्मरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, स्थिमने में सुविभा के सिए;

लगः गतः, उन्तः अभिनियतं नी भारा 269-ग के अनुसारण भो, मी, उक्त अधिनियमं की भारा 269-म की उपभारा (1) से अभीनः निम्निकीस्त व्यक्तियों. सम्बंद ह— श्री रमणभाई भलाभाई पटेल, मंगलमूर्ति, नानपुरा, सूरत ।

(अन्तरक)

 श्री मरालचन्द भेरुदन राज्ञी दोनटार, वेस्ट बंगाल

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति ब्यादिए;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकते हैं।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्वी

37-ईईका फार्म पर कार्यालय में दिनाँक 22-11-84 को पेश किया गया है।

> जी०के०पंडया सक्षम प्राधिकारी सहारक ग्रायकर ग्रायुक्त (नरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

तारीख : 1-8-1985

मोड्डर 🛭

दक्ष वार्तं हो पुर्व वृत्र

बायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-प (1) में सभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जावकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

कलकत्तादिनां रु 7-8-1985

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 3739/2/85-86----यतः मुझे, जी० के० पडमा

नायकर जिभानियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्मे इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा नया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं दुकान नं 149, 148, भ्रोफिस नं 305, 306, 132 है तथा जो स्टेशन रोड़ सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्सा श्रीध र री के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 37-ई है के श्रिधीन, तारीख 15 दिसम्बर, 1984

करे पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाबार बृज्य से कम के देश्यमान पतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार बृन्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से एसे देश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अभिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उच्त अन्तरण बिजित में बास्कविक रूप से अभिक्त नहीं किया गया है कि

- (क) बन्धरण हे हुई किसी नाय की बावध, उन्तर जीधनियम के बधीन कर दोने के बन्धरक ने दानियस के कमी सरने या उन्नहें न्यमें में सुनिया थे हिए; मीर/या
- (क) एसी किसी बाद वा किसी बाद वा काव वास्तियों का, विक्रुं भारतीय जार-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपल अधिनियम, वा धनकर व्यथिनियम, वा धनकर व्यथिनियम, वा धनकर व्यथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया शवा था वा विकासना वावा वाहिए वा कियाने वे व्यविधा के किए;

जतः जव, जवत विधिनियम की भारा 269-न के बन्सर्ग वें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन निम्मविद्यंत व्यक्तियमें वर्णात ध— मैं सर्स जे० एम० सी० एन० मेघई बिल्डर्स सवेरी सरझार, अम्बई-2

(ग्रन्तरक)

2. श्री चन्द्र प्रभु जासुलास कानल निवास से डा॰ ग्रनसारी बम्बई (वेस्ट) (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पर्टित के वर्षन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत कमरित के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बार्बाई ६--

- (क) इस यूच्या के राज्यम में प्रकाशन को शारीक सं
 45 विव की जनभि या त्रसम्बन्धी व्यक्तिसा पर
 सूच्या की तामीन से 30 दिन को अविध, जो भी
 सन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतद प्रवेक्ति
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील क 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिल्हित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

37-ई ई का फोर्म यह कार्यालय में दिनाँक 15-12-84 को पेश किया गया है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

तारीखा : 7-8-1985

मोहर 🖫

प्रकृष बाह्". टी. एत् 🛭 एत् 🗗 ----

न्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नधीन सुचना

भारत चरका

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 1 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० पी० भ्रार० नं० 3740/2/85-86-श्रतः, मुझे, जी० के० पंडया,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाबार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० क्लैट नं० 9 ग्रीर 10 ग्रम्बा लाईन्स है, तथा जो सूरत में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 37-ई ई के ग्रिधीन, तारीख 22 नवम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्मस्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमाम प्रीतिफल के लिए अंतोरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य असके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में

- (क) बन्तरक से हुए किसी बाग की मानत, उक्त व्यक्तिपद्ध के बचीन कर दोने के बन्तरक के वाजित्य में कनी करने वा उक्तसे बचने में सुविधा के निष्ट; मीद/वा
- (क) एसी किसी जाब वा किसी थम वा कर्ल जास्तिकों को जिन्हें भारतीय जाय-कर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर जिभिनियम, या धन-कर जिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना थाहिए था, छिपाने हों सविधा जी किए।

कतः तकः, उक्त विधिनियमं की भारा 269-तं के विकृतरक कों, मीं, उक्त अभिनियमं की भारा 269-वं की उपधास (1) की अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— मैंसर्स रिव इन्टरप्राईस राजेन्दर श्रपार्टमेंट [नानपुरा , सूरत ।

(भ्रन्तरक)

 डा० प्रज्ञासरन रमेशभाई जंबुसरिया, ब्रारा यूरिया प्लास्टिक्स श्रंकलेश्वर भक्ज

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षंप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनिए या तत्सभ्यन्थी स्थानित हों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्त स्थानित में से किसी न्यन्ति द्वारा;
- (क) इस स्वभा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा वभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्वयं किरण :----इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

अनुसूची

37-ईई का फोर्म यह कार्यालय में दिनाँक 22-11-84 की पेश किया गया है।

> पी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

तारीख : 1-8-1985

मोहर 🦿

प्रथम बाह्र 🦪 धीळ हुनळ 🖼 🚥

गायर र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पास 269-म (1) के विभीत सुचना

नारत रहकार

कार्थालय, सहामक आयकर आधृक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज–II, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाँक 12 ग्रगस्त, 1985

निदेश सं० पी० म्रार० नं० 3741/II/85-86:--म्रतः मझे,जी० के०पंडया,

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), वो कि भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं। क स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी मं० पलाट नं० 3 स्रार० एस० नं० 193 है तथा जो बड़ौदा में स्थित है (स्रोर इससे उपावड श्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजर्म्द्र(कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रिजस्ट्री हरण ऋधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, 22-1-1985

को पूर्वे पत सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यभान शितफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह जिल्लास करने का कारण है कि यथापूर्वे क्ति सम्परित का उषित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का धन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के बीच तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्योश्य ने उक्त अंतरण लिखित में वास्त-यिक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण संहुद् किसी माय की धावध, इक्क जीभित्रयम के अभीन कर दोने के जन्तरक में दियाल में कभी करने या उससे अचने में धविधा की निए: जीर/मा
- एसी किसी बाय या किसी भन या बन्ध कारिन्तयों को, बिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया बान साहिए था कियाने में सुविधा के सिए;

धतः अव, उक्त व्यथितियम की भारा 269-ए के बन्तरक में, में, उक्त आभिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (१) के अभीत, निस्तिविद्या व्यक्तियों अभात है:--- श्री विस्तिवेत ियातभाई मःणी फैन्डम कालोनी, न्यु दिल्ली।

(श्रन्तरक)

(2) श्री हरीशभाई जी० शाह, जे० पी० नगर, बडौदा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पृत्रोंकत सम्मत्ति क अजन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाखेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, आ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्छा अर्थपत्राम में में किसी व्यक्ति इवारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उद्देश किया 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा, को उस अध्याय में किया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो अकोरा में स्थित है जिसका मूल्य 2,96,000/ रुपये है। सब रजिस्ट्रार बड़ौदा में 491 नम्बर पर निर्नांक 22-1-1985 को रजिस्टटर्ड की गई है।

> जी० के० पंडा,य सक्षम प्राधिकारी, सहायक ुग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज—II, श्रहमदाबाद

तारीख : 12**~8—198**5. मोहर प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयक्त (निरोधण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 12 श्रगस्त, 1985

निदेश सं ० पी० ग्राप्य नं ० $3742/\Pi/84-85:$ —श्रतः मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट तं० 2, श्रकोरा पादरा रोड़ तथा जो बड़ौदा में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिनम्द्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 22-1-1985

को पर्वोक्स सम्पत्ति के उचित् ुल्य संकम के रूपयमान गह्र है प्रतिफल के लिए अन्तिरत की करने विश्वास का कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे रूपमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है मौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करो, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्रो विमूतिवेन कियलभाई महता, न्य दिल्ला।

(अन्तरक)

(2) श्री हरेशभाई बामुभाई शाह, जे० पी० नगर, बड़ीदा ।

(श्रन्तरितीं)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी उन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, बही अर्थहालेगा जो उस उध्याय में दिवा गया है।

अन्स्ची

मिलकत जो पादरा रोड़, बड़ौदा में स्थित है जिसका कुल मूल्य 2,56,000/- स्पये है श्रीर कुल क्षेफल 395 चौ० मी० है। रजिस्ट्रार बड़ौदा में 490/85 पर रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-ए, स्रहमदाबद

नारीख: 12-8-1985

मांहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनौंक 12 श्रगस्त, 1985

निदेश सं० पी०ुम्रार० नं० $3743/\Pi/85-86:$ —म्प्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उपवित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

मौर जिसकी सं० प्लाट न ० 65, 83, 84, 88 है तथा जो जेतलपुर बड़ौदा में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में मौर पूर्ण रूप मे विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, 17-1-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे व्ययमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तिरती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त जन्तरण किवित के काथत बही किया गया है ह—

- (क) अन्तरक से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) एसी किसी आब या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वार प्रकट व्हीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृष्टिधा के लिए;

कतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, डक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के प्रभीतः, निम्मलिखित स्यक्तियों, अर्थात् ए— (1) श्री जसुभाई परणोत्तमभाई पटेल, राजमहल रोड़, बड़ौदा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री हरि बिल्डर्स, भागीदार श्री महेशभाई प्राणलक्ष, बडौदा।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूर्यना उपाय में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भारार उपत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पूर्स लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टोकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

मिलकत जो जेनलपुर बड़ौदा में स्थित है जिसका कुल मूस्य 2,20,496/-- रुपये है और कुल क्षेत्रफल 445 चौ० मी० है। सब रजिस्ट्रार,बड़ौदा में 792/84 नम्बर पर रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पं**ख्या,** मक्षम प्राधिकारी, म**हा**यक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारी**ख** : 12-8-1985

मोहर 🕫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रजंन रेंज-।।, ुम्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 12 ग्रगस्त, 1985

निवेश सं० पी० श्रार० नं० 3744/11/85-86:--श्रतः मुझे, जी०के० पंडया,

कावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिस्ने इसमें इसमें प्रकार (उक्त अधिनियम कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षत्र प्रिकारी को वह विस्तास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० टीका नं० 3-1, 22, 19-1, 2, 19-2 है तथा जो बड़ौदा में स्थित है (श्रौर इससे उपावड श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908का 16) के श्रधीन 17-1-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मूल्य से कम के अपयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास ककी का कारण है कि

यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिस्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बाजित्य के कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; जॉर/बा
- (क) एंती किसी बाय वा किसी भन या बन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजवार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए:

क्सः सब्देश, उक्त सभिनियम की भारा 269-गं के समुखरण जै, जै, उक्त सभिनियम की भारा 269-चं की उपभारा (1) के सभीन, निस्नसिवित स्विन्तवों, सभीत :—

- (1) श्री रितलाल कानजी भाई श्रल्कापुरी रेस्टोरेन्ट, अलकापुरी, बडौदा।
- (2) मिसिस कुसुम जे० शेट्टी, ईगल श्रपार्टमेंट, फतेहगंज,

(अन्तरक)

बड़ौदा ।

(ग्रन्तरिती)

को वह त्वना धारी करके पुर्शेक्त सम्पत्ति के वर्षन के लि कार्यवाहिकों करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 15 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर कृषना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी /विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरितः में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त कृद्धों और पदों का जां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया स्याहै।

ममुस्ची

मिलकत जो बड़ौदा में स्थित है जिसका कुल मूल्य 400000/-रुपये है भ्रौर सब रजिस्ट्रार, बड़ौदा में जनवरी, 85 में रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज–।।, **श्रह्मवाबाद**

तारी**ख**: 12-8-1985.

मोहर 🏻

प्ररूप आहु^र्टी. एन . एस _-----

वाधकर व्यधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-॥, श्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 12 श्रगस्त, 1985

निदेश मं० परि० ग्राटि० नं० 3745/II/85--86:---श्रतः मझे, जी० के० पंड्याः

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं). की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का श्रीरण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 100,000/- रु. से अधिक है

श्रीरिजिन हैं। पंकर जाँट नंक 6 मीं कि, रिहा छाया, मृत्त सूरत में स्थित हैं (श्रीर इसमें भावत्व श्रनुसूर्च में श्रांग पूर्ण स्पा में भागित हैं), रिजिस्ट्र∂िती श्राधवारी के वार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजिस्ट्रोटरण श्रीधिनियम, 37 ईई के श्रधीन, दिसम्बर 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पात्त का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्त-रण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ज़क्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती बुजारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा जी किया

जतः, जब, अक्त जीभीनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित स्यक्तिकों, अधार्त ः—— (1) नै० र्राव एन्टरप्राईसेज, राजेक्वर ग्रापार्टभेटस, नानपुरा, सुरका

(श्रन्तरक)

2) श्री मयानकभाई जे० मेहता, श्रीमती समीलाबेहन जे० मेहता, राजेण्वर अपार्टमट, नानपुरा, मुस्त।

(श्रन्त (सी)

को यह सूचना जारी करके पृथिकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोष्ट्रसाक्षरी पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाक्तीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

37 ईई का फ़ार्स पर कार्यालय में दिलांक 18-12-84 में पेण किया गया है।

> जी के पंडया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (नि २ श्रजन रोज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 12-8-1985.

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

बायकर जीभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) के जभीन स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रोज-।। श्रहमदाबाद

श्रहमधाबाद, दिनां रु 12 श्रगस्तः 1985

निदेश मं० पी० श्रार० नं० 3746/॥/85-86:---श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी में ० फ्लैंट नं ० 1--ए, रिव छाया है तथा जो श्रठवां लाई म, सूरत में स्थित है (श्रौर इससे उपावत श्रनुसूत्ती में श्रौर पूर्ण का से विणित हैं), रिजिस्ट्राक्ती श्रीधनारी के दाय'लया, शहसा कर में एजिस्ट्रा हरण श्रीधनियम, 37 ईई का 16) के श्रधीन, दिसम्बर,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के क्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिगों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल िम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुए किसी जाय की धावल उक्त काँधियां नियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के दायिएवं मो कमी करने या उससे यंथने में सुविधा के लिए; आर्थियां
- (म) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिएन में मृतिधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) २० ४ व एड प्राईनस, राजेश्वर अपार्टमोंटस, नानपूरा, सूरत।

(भ्र सरक)

 (2) श्री णांतिलाल मेहनलाल परीख, 14 "प्रसाम", के० डी० रोइ, बम्बई-56.

(ग्रन्तरितः)

की यह सूचना जारी करकं पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सं
 45 दिन की अविधि या तापम्बन्धी व्यक्तिसदों पर
 सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोगे।

स्थव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ष अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ तोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वम्स्यी

37 ईई का फोर्च पर कार्यालय में दिसम्बर,84 में पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी क्षहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रोज--।।,श्रहमदाबाद

तारिख: 12--8--1985.

मोदर :

प्रका बार्च . टी. एवं. एवं. -----

नामफार मीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुमना

नाइत बडुकार

कार्यासय, तहायक वायकर काम्यत (निरीजन)

श्चर्जन र^{ें}ज-॥, **श्रहम**दाबाद

ं घ्रहमदाबाद, दिनांक 12 ग्रगर , 1985

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3747/II/ 5-86:—श्रतः मझ, जी० के० पंडया,

बावकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के सभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्थ, उसके रूप्यमान प्रतिफल से एसे रूप्यमान प्रतिफल का पन्तक प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया बितिफल निम्यतिक्तित उद्देश्य से उक्त बंतरण विश्वत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरच वे हुई किसी बाब की बाबत, डावड अधिनियंत्र के अधीन कर दोने के दन्तरक के दायित्व में कनी कारने वा उससे बचने में दुविशः के विद्युः कांद्र/या
- (च) एंसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या जनत अधिनियम, या भनकार अधिनियम, या भनकार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

बत: सब उक्त सिंधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वं, ते, सक्त बीधनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) वे बर्धन, निम्मिसियत स्वक्तियों, वर्धात् :--- मैं ० रवि एटरप्राईसेज राजेश्वर श्रयार्टमेंट, नानपुरा सूरत ।

(मन्तरक)

(2) श्री पद्मकुमार बी० जैन, द्वारा प्यारा टाईल्स, नानपुरा, सूरत।

(मन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताजील से 30 दिन की अविधि, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं में 45 किन के भीतर उक्त स्थाबार संपत्ति में हितकक्ष किसी कन्य क्यिकत द्वारा मभोहस्ताकारी के पाव लिखित में किए जा सकाने।

स्पव्यक्तिरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उपका अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा गवा है।

अनुसुची

37 ईई का फ़ार्म यह कार्यालय में दिनांक 4-12-84 में पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरक्षिण), भ्रजन रोज-॥, म्रहमदाबाद ।

तारीख: 12-8-1985.

प्रकृष वार्षं.टी.एर.एर्.-----

नायकर निधनिय्न, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के न्धीय सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-॥, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिना । 12 श्रगस्त, 1985

निदेश सं० पो० म्रार० नं० 37478/।।/85→86:→-म्रनः मुझे, जी० के० पंडया,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा पना ही, की धारा 269-च के अधीन सक्षत्र प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

ग्रौर जिसको सं० फ्लैट न्० 5 ए, रिव छाया है तथा जो, ग्रम्बा लाईन्स, सूरत में स्थित है (ग्रौर इससे उपावड श्रनुसूचो में ग्रौर पूर्ण का से विभिन्न है), रिजिस्ट्रा कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजिस्ट्री करण श्रधिनियम, 37 ईई के श्रधीन, दिसम्बर,

को पूर्वोक्त तस्पत्ति के उचित बाबार भूस्य ते कम के दश्यमान प्रतिकल के सिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा- पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूस्य, उसके दश्यमान प्रति-कल तो, एते क्रयमान प्रतिकल का पंड्रह प्रतिकल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच पूर्व अंतरण के किए तय पाया गया प्रतिकल, निस्नीलिया उच्चेष्य से उक्त बंतरण तिथित में वास्तिकक क्य से कियत बहुरी किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुन्द किसी जाय की वास्त, जक्त जिथिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूचिधा के लिए; और√वा
- (व) क्ती किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को चिन्हें भारतीय बायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिनियम, या भन-बाद विभिन्दें, 1957 (1957 का 27) को प्रकारनार्थ अन्तरित क्यारती क्यार प्रकट नहीं किया नवा भा वा किया वाना काहिए था, कियाने के बृदिया के विक:

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग क अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-में की उपभारा (1) अधिन, निम्नलिखित व्यक्तिसों, वर्धात् ६-- (1) मैं ० रिव एन्टरप्राईसेज, राजेक्ष्वर श्रवार्टमेंट, नानपुरा, सूरत।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री तिल कराज कपूर, मैं० मापकीन टेक्सटाईल्स, डी० एम० रोड़, बम्बई।

(अन्तरिती)

का वह बूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मिति के वर्षत के शिखु कार्वनाहिमा करता हु-।

ज्ञात सम्पत्ति के शर्माप के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र :---

- (क) इस पूज्य के राज्य में प्रकाशन की तारीश से 45 विष की अविध मा तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की नविध, वो भी सर्वाध वाद में समाय होती हो, के मीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (च) इत त्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीख ते 45 विश्व के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-वक्ष किसी बन्य क्यन्ति स्थारा अधोहत्ताक्षरी के पास चिकित में किए चा स्थोंने ।

स्वाधिकरम् ह्—हतमे प्रयुक्त बच्चों शृद्धि वद्यों श्राः, को उपयु श्रृपिदिवद्य के बच्चाय् 20-क में परिभाषिष्ट हैं, नहीं वर्ष होगा को उस स्थाय में द्विका गया है।

ग्रनुसूभी

37 ईई का फ़ार्म पर कार्यालय में दिनांक 5-12-84 में पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधि झरी सहायक ग्रायक्य श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरीज-॥, श्रहमदाबाद

सारी**ख** : 12-8-1985.

प्ररूप बाद् , टी. एन. एस..-----

भायकर मिंगियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यांक्रक, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिक्षण)

अर्जन रें ज--गा, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 अगस्त, 1985

निदेण सं० पी० आर० नं० 3749/II/85-86:--अतः मुझ[ं]। जी० के० पंड्या.

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा. से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं उ दुकान नं ज के 10, बोमो मारकेट हैं तथा जो उपखण्ड, सूरत में स्थित (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ष्मौर पूर्ण रूप से विणित हैं); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 37 ईई के अधीन, 28-12-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप सै कथित नहीं किया गया है:——

(क) अन्तरण संहुइं किसी अाय की बाबत, उक्त अणिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; और/या

णिया किया अव ता कियी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 ता कि को को को को को को किया की विकास की किया की किया की किया की किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा की निए;

अतः जय, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण के जनुसरण या, मी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण की उपधारा (1) अं अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् र—— (1) श्री शांतिलाल पासजी. शांशि नगर, बम्बई।

(अन्तरक)

(2) मे ० धदेरचन्द वरूपचन्द जैन, स्रंसाजी रोड़, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पृथों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य प्यांक द्वारा अधाहरताक्षर के पाम निस्ति में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित गया हैं

अनुसूची

37 ईई का फोर्म पच कार्यालय में दिनांक 20-12-1984 में पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी, यहायक आयुक्त आयुक्त निरीक्षण), अर्जन रोज III, अहमदाबाद

न(रीखा: 12-8-1985₎

प्रकृत बाह् .ट्री. एन .एस------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन स्वना

भारत सर्कार

क्य्रबॉलय, सह्ययक आयकर आयुक्त (निरॉक्शण) अर्जन रेंज⊸।। अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 अगस्त, 1985

निदेश सं० पी० आर नं० 3750/।।/85—86:——अतः मुझेँ, जी० के० पंड्या,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकार प्रवित अधिनियम महा गया हैं), की अध्य 269-व को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 702, इन्डिया टेक्सटाईल तथा जो रिंग रोड़, सूरत में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अक्षहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 37 ईई के अधीन, दिसम्बर, 1984

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमन प्रतिफस के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विस्थान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार जुक्ब, उसके द्वयमान प्रतिफस से, ऐसे द्वयमान प्रतिफस का पन्चह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकस, निम्निसिचत उद्योध से उक्त अंतरण विचित्न में बास्तीयक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के निए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्त्रियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के सिक्ट;

श्रंतः श्रवः, उक्त अभिनियमं की गरा 269-गं के अनुसरण हो, हो, उक्त अभिनियमं की धारा 269-णं की उपभारा (1) हो अभीनः, निम्नसिचित स्वितस्त्रीः, अर्थातः हः—— 20—276 GI/85 (1) संजीव बिल्डर्स प्रा० लि०, किन्तरी सिनेमा के पास, रिंगरोड़, सूरत।

(अन्तरक)

(2) मिसिस मुशीला एस० जैन, रीना अपार्टमेंट, मलाड़, बम्बई-64.

(अन्हरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाह्यां सूक करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाब में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थित द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-व्यूथ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

प्रनुसूची

37 ईई का फार्म पर कायलिय में दिनां क 28-12-1984 में पेश किया गया है।

> जी० के० पंडप सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त अध्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-।।। अहमदाबाद

तारीख: 12-8-1985

अस्य बाहु हो . एव . पद् . -----

शांबकर गणिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-ग(1) के मंगीन सुचना

भारत सरकार

कार्यां सर्व , तक्क्ष्मक भायकारः नार्युच्य (विदेशिक्षण)ः

अर्जन रेज-।।। अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिलांक 12 अगस्त, 1985

मिदेश सं०पी० आर०नं० 3751/॥/85-86:—अतः मुझें, जी० के० पंडयां,

भावकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाच् 'उक्स विधिनियम' कहा जेना हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, विश्वका उपित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिका है

मीर जिसकी सं ० 116, प्लाट नं ० 14-ए, जें तलपुर है तथा जो जड़ौदा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जमवरी, 1985

की पूर्वोक्त सम्परित के उपिय बाकार क्ष्य से कम के स्थ्यमान शीतफल को सिए बन्धरित की नहीं है और मुक्ते यह निश्वास ६, रने का कारण है कि बनाव्गेंक्त संपत्ति का उपिस बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रीतक्षण है, होते क्यनान प्रतिकत्त का पंदह प्रतिशत से बीधक है और बंद्रक्तक (बंदरकार) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीक होते क्यम के जिल्ल हम बाबा गया प्रतिकास निश्मितियाँ क्यूयोक के बक्त मन्तरक निवित्त में पास्तिक क्ष्य के काथन क्यों किया नवा है ॥—

- (क) जन्तरण वे हुए किसी नाय की शावक, उठक वर्टकृष्टिक में वर्षीय सह बोर्ग से सम्बद्धक के वाजिएक में कार्यी आपने वा उदक्ते वस्ते में सृविधा के जिस्हा और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हों आरतीय बायकर बॉबिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिवियम, वा अन्-कर अधि-वियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकृष्ट नहीं किया गया था या किया वाना वाहिये था, कियाने में सुविधा भी तिए;

अतः अव, उक्त विभिनियम की धारा 269-म के बनुसर्ज के में, उक्त विधिनयम की भारा 269-में की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---- (1) श्री अलोक विश्वनाथ महेश्वरी, 14ए, उंफी को हा सीसायटी, जेतलपुर, बड़ौदा।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रपिजासदम जयम्तीलाल पटेंल, उर्फ को० धो० हा किसोसटी, जेतलपुर, बढीवा।

(अन्तरिती)

को कह सुचना बाही करके दुर्वोक्त सम्बद्धितः के कर्णन-के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

वक्त बंगरित के बर्जन के बंजन वो कोई भी नासंप ६---

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीब कूं 45 दिन की बर्बीच या तत्स्वस्थान्थी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी क्वीच बाद में समाप्त हति हैं। जे भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी के किस द्वारा
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी जन्म स्थानित दुवाय, अर्थोहरूताकारी के वास सिवित में किए का क्कीन।

रन्यतिकरणं:—इसमें प्रमुक्त संस्थी और नेवी का ;' जो संबंध' क्षिन नियम के ल्याम 20-क में परिभाषित हैं, नहीं वर्ष होता, जो उस क्षमान में वियो एमा है।

अनुसूची

मिलकत जो बड़ौदा, जेंतलपुर में स्थित है जिसका कुल मूस्य 4,50,000/-- रुपये हैं। सब रजिस्द्रार, बड़ौदा में 110/85 नंबर पर रजिस्टर्ब की गई है।

जी० के० पंड या. सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण), अर्जन रेंज-।, अहमदाबाव,।

तारीख: 12-8-1985.

नोष्ट्र \coloneq

प्ररूप आई.टी.एन्.एस.-----

- आयमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-।।, अहमदाबाद

ुअहमदाबाड्, दिनांक 12 अगस्त, 1985

निवेश सं ० पी० आर० नं० 3752/11/85-86:--अतः मुझे, जी० के०पंड्या,

आवकर किपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परवात 'उकत अधिनियमा कहा गया हैं), की धारा 269-ख के बृधीस-स्काम प्राधिकारी को यह जिस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका स्थावर संपत्ति संपति संपत्ति संपति संपति

भीर जिसकी त० गोती 7.56, 757 है तथा जो श्री नगर, वड़ीद में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ीदा में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी

को पूर्वोक्स-संपृक्षि के उदिस्त हाजार मृत्य से कम के स्थमान क्रिंतफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपित्त का उचित वाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अंतरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत निम्मलिखित उद्देश्य से उन्नर अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या डसके अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिस्ति व्यक्तिसायों, अर्थात् :--- (1) श्री मरेशचन्द्र शांतिलाल घाटवा, किशमरोड़, कलकता।

(अन्तरक)

(2) श्री अलम्बुध प्रमयनाथ धास्त्री सरुप्तमगर को० ओ० सो० बड़ौदा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कुछ करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी अयक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मिलकत श्रोफ नगर बड़ौदा में स्थित है जिनका कुल मूल्य 2,32,000/→ व्यये हैं। सब रजिस्ट्राण बड़ौदा में 519/85 तम्बर पर रजिस्टर्ड की गई हैं।

> जी० के० पंडया, सक्षम द्राधिकारी, सहायक आयक ्षायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज--।।, अहमदाबाद

नारीख: 12-8-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाह् <u>टी.एन.एस.....</u>

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्गयक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-11, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 12 श्रगस्त, 1985

निदेश सं० जी० श्रार० नं० 3753/ /85-86:—-श्रतः **मुझे,** जी० के० पं**ड**या,

जानकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 563/9 श्रार० सी० दन्ता रोड़, है तथा जो बड़ौदा में स्थित है (श्रांग्डससे उपाबद्ध श्रनुःभूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन,

11-1-1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित, बाजार मूल्य से कम के दश्यमन प्रतिफन्न को लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्निल्खित उद्देश से उक्स अन्तरण निल्खित में बास्तविक रूप से कथित नहीं यया क्या है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दो के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दायित्व के लिए; और/मा
- (क) एेमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयळ-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बतः अस, उक्तः अधिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अभीन . निम्बलिश्वित व्यक्तियाँ, अर्थात् ः—

(1) धालोक एसोसियेटस, सुभानपुरा, बड़ौदा।

(भ्रन्तरक)

(2) गुजरात कम्यूनिकेशन्स एण्ड इलैक्ट्रोनिक्स लि०, ग्राफसैट प्रैस होटल, ग्रार० सी० दत्ता रोड़, बड़ौदा।

(ग्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के अर्जन के लिहु कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्ज़न के तंबंध में काई भी आक्षेत्र हू---

- (क) इस सूचना के राज्यका में प्रकाशन की तारीख है। 45 दिन की जबभि वा तत्त्वत्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबभि, वो औं जक्षिभ बाद में समान्त होती हो, के भीकर वृत्तेंक्त व्यक्तियों में से किसी का किस वृत्तारा;
- (क) इस सूचना के राज्यका में प्रकाशन की तारी है है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, क्याहरताक्षरी है, पास सिवित में किए का सकी ने।

स्पष्किरणः — इसमें प्रयुक्त क्षम्यां बाँर पवां का, जो स्वतं अधित्यम, के जभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अभ्याय में दिवा गया है।

नन्सूत्री

मिलकत जो भ्रार० सी० दत्त रोड़, बड़ौदा में स्थित है जिसका कुल मूल्य 7,60,000/- रुपये हैं । सब रिजस्ट्रार, बड़ौदा में, 144/85 जम्बर पर रिजस्टर्ड की गई है ।

जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज-II, भ्रहमवाबाद

तारी्ख : 12-8-1985.

प्ररूप आहें.टी.एन.एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-II, श्रहमादाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 12 ग्रगस्त, 1985

निवेश सं०पी० ग्रार० नं० 3754/H/85-86:—ग्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा वया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

म्रोर जिसकी संज्योपरिया, ताज्याचाडीया, 32 है तथा जो पीपलिया, ताज्याचोडिया में स्थित है (भ्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में भ्रौर रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बाघोडिया में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी, 1985

को पूर्वित सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिकास के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि इथापुवाक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकाल से, एसे द्रश्यमान प्रतिकाल का पन्त्रह अतिशत से अधिक हैं और अंतरक अंतरकों; और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बालाधिक क्य से कांचित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-वियम के अधीन कर दोनें के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिह; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय वा किसी धन या कर्य वास्तियों की जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा की लिए।

बतः। वन, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरभ में. में, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों विधात :--- (1) श्री नछरसिंहजी, चन्द्रसिंहजी राणा, पोस्ट--पीपलिया, ता० घाडोडिया ।

(अन्तरक)

(2) श्री हरीण तुलसीवास, काटेलीबाग, बड़ौदा।

(भ्रन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अगीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना सूचना की तामील से 30 दिन की अशिध, जो भी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 पिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः -----ध्समें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उकत आयकर आँभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। नया है।

अनुसूची

मिलकत जो पीपलीया ा० पाघोजिया में स्थित है जिसका कुलमूल्य 30,78,99/- रुपये हैं । सब रजिस्ट्रार, बाघोजिया में 589/84 म्म्बर पर रजिस्टर्ड की गई है ।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर म्रायुक्त निरोक्षण), भ्रजैन रेंज-I^I म्रहमदाबाद

तारीख : ! 2--8-1985.

गाष्ट्र :

इंग्ल पार्द्धा दी . एम ् देश . १०००

नावकर श्रीभनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) से श्रीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासय , तहायक कायकर बायुक्त (निरक्षिण)

भ्रर्जन रेंज-।।, भ्रहमादाबाद

श्रहमवाबाद, दिांक 12 श्रगस्त, 1985

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3755/।।/85-856:--श्रत: मुझे,जी०के०पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह भिरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 71, 72, 73, 74, 75, 97, 98, 124, 125, 146, 149, 150, 151, 152 है तथा जो पोपलिया, ला० बाघोजिया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्राप्सूची में ध्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय, बाघोजिया में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य में कि उस्समान प्रतिकल के सिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीनत बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिकल के पंत्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के सिए तय पाया गथा प्रतिकल, निम्मिनिसित उद्वोध्य से उक्त अंतरण निस्तित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की भावत, उक्स जिथिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचाने में सुविधा के सिए; जॉर/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन रा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर बांधनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनयम, ता भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वार प्रकट नहीं किया गया था ता रिक्य जाना पाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः संब, उसत बिधिनियम की धारा 2(.9-एव के अनुसरण में, में, उसत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अर्थान. निम्निविधित व्यक्तियों, अर्मात् १---

(1) श्री जीवकुमार धरमलाल जयस्वाल, पीपलिया, ता० वाधोजिया,

(भ्रन्तरक)

(2) व्योमदीप को० भ्रो० हा० सोसायटी, पीपश्चिया, ता० बाधोजिया

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अञ्च के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी बाहर :---

- (क) इस स्वमा के राजपत्र मा प्रकाशन की तारी से बी 1.5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद राचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी शविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) 'स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षाती के पास निश्चित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त अभिनित्तम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका गया है।

अनुसूची

मिलकर जो पीपिलिया, ता० वाधोजिया में स्थित है जिसका कुल मूल्य 3.36,000/-रुपये हैं । सरजिस्ट्रार, वाधोजिया में है 592/84 में रजिस्टर्ड की गई है ।

जी० ए० पंडया, सक्षम ग्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–।।, प्रहमदाबाद

नारीख : 12-8-1985.

प्ररूप नाइ.ठी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज-।।, महमावाबाद

श्रहमदाबाद, विनोक 13 भगस्त, 1985

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी मं० 117, पैकी 523 है तथा जो मातरवाडी, पाटणा में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पाटण में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जनवरी, 1985

करें पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहममान प्रतिफल के लिए बन्सिरत की गई है और मूके. यह विश्वास करने कम कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहममान प्रतिफल से, ऐसे रहममान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उक्व रेय से उक्त अन्तरण लिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाष की बामत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को. जिन्हें भारतीय आयकर श्रीधनियम, 1927 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए:

जत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के कम्सरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, वर्षांड :— (1) भरवाष्ट रपोभाई सुमनभाई, मातरवाडी, ता०पाटण।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दणा श्रीमाली बेंतालिस जैन मठाल, पाटण, प्रमुख श्री डी० एम० मेहता उणना, ता० कांक्रेज, जि० नासकांजा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में को**र्डभी आक्षो**प :----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्तीकरणः ----इसभे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्यी

मिलकत जो मात**खाडी, ता० कांकरेज में स्थित है जिसकी** कुल कोमत 2,50,000/- रुपये हैं : सब रजिस्ट्रार, एाररेज कांकरेंज म रजिस्टड की गई है

जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-।।, ग्रहमवाद्याद ।

तारीख: 12-8-1985.

प्रक्षः वाद्यः औ, एवः एवः ------

नायक ए निधानियम, 1961 (1961 का 43) करीं भारा 269-च (1) के सभीन सुचना

नारत तरकार

कार्यानय, सहायक कायकर आयुक्त (निरक्षिक)

श्चर्जन रेंज--[ा, श्रह्मदाबाद ग्रह्मदाबाद,दिनाँक 14 श्रगस्त, 1985

निदेश सं०पी० श्रार० नं० 3757/II/85-86--श्रतः मुझे, जी० के० पंड्या.

जायकर अधिनियम, 1961 (1951 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुस्य 1.90,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० टी० पी० एस० नं० 3, एस० नं० 388/1, 388/2 है तथा जो ग्राणंद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय ग्राणंद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीता, नारीख 14-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इच्यमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविश हम से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कामी करने या उससे अधने में सुबिध्त के सिए; बौर/बा
- (ख) तिसी किसी आय या किसी अन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यथा था या किया जाना चाहिए था, 'छपाने में मृतिया के लिए;

कतः अवः उक्त सिधिनियम की भएर 269-म के अनुसरण हो, मी, उक्त सिधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के वधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्री रावजंशभाई बाघाजीभाई पटेल, श्री कारदाबहन ग्रार० पटेल, ग्रोनकृपा सोसायटी, ग्राणद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रदीपभाई पूजाभाई पटेल, लाँभवेल, ता॰ श्राणंद ।

(भ्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जन्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पृविक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पूर्व जिल्ला में किए का सकेंगे।

स्वक्षीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों जीर पर्वो का, जो सक्त क्षिणियम, के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में विशा वसा है।

अनुसुची

मिलकियत जो श्राणंद में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार, श्राणंद में 119 नम्बर पर दिनौंक 10-1-85 को रजिस्ट्री की गई है।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंजन्1, भ्रहमदाबाद

तारीख :14-8-1985

प्रकार आहे. टी. एन . एच. ----

नावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाब 269-थ (1) के मधीन सूच्ना

भारत करकाह

कार्याजय, सहायक जायकर शायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-II, भ्रह्मदाबाद श्रह्मदाबाद, विनांक 14भगस्त, 1985 निदेश सं० पी० भ्रार० नं० 3758/II/85-86:-श्रत: मुझे, जी० के० पंड्या,

भावकर मिपिनवम, 1961 (1961 का 43) (चिस्ने इसमें इक्के प्रश्नात् 'क्कत मिपिनवम' कहा गया है), की भारा 269-च के मधीन क्काम प्रतिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापन सम्मति, विश्वका उपित बाबार मृत्व 1,00,000/-क. वे विभिन्न है

भौर जिसकी सं 1278, सूरत टेक्सटाईल, मारकेट हैं तथा जो सूरत में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 24-1-1985

को नुकेंच्य बंजाय के स्वेय वासार नृश्य से कम के दश्यमान प्रिट्य के स्थित बच्चित की नहीं हैं और मुख्ये यह विस्थाय किये का कारण ही कि वचान्योंक्य बच्चीत का उचित वासार मुख्य, उन्हों दश्यमान प्रीत्यक्त से एते दश्यमान प्रश्यिकत का राष्ट्रकृतिकत से सीधक है और जंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (बंद्यितिशिक्ष) के बीच एसे बंदरण से लिए तम पाना समा क्षित्रका निश्नीकरिक्त उद्युक्त से उच्च अंतरण निरिचत में नार्याकर्यः स्था से क्षिया नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण हो हुई जिली बाव की बावत; उक्त विक्रियन के अभीन कर दोने के अन्तरक की क्षित्रण हो कभी करने या उक्स वसने हों सुविधा के क्षित्र; बीद/का
- (व) एसे किसी भाग ना किसी धन ना जन्य जास्तिनों की, चिन्ही भारतीय नावकर निधिननमें, 1922 (1922 का 11) या उत्तर ग्रासिन्यमं, या सन-कर्ष्ट्र विधिनियमं, 1957 (1957 का 27) हं प्रमोजनाथ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा ग किया जाता चाहिए था, कियाने में विद्या के सिष्टा

वत: अव. उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन : निक्वीतिसित व्यक्तियों, सर्थास् ३०००० 21---276GI/85 (1) मैं० मनपुष्यलैल एण्ड कं०, मुरेशचन्द्र परसोत्तम, चंपायली। बम्बई।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं ० जे ० सी० खारवाट, अमृतलाल जमकिशन दास, उमरा, स्रतः।

(भ्रन्तरिती)

औा यह स्थाना वारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के वर्षन के विवर कार्यवाहियां करता हुं।

सक्त संपति के टर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (ह) ६५ सूचता ह राजपा में प्रकासन की सारोण से 45 विन की भवधि या तस्तवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तागील से 30 दिन की भवधि, जो भी ववधि बाद में समाप्त दोनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से विशी व्यक्ति वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 हिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी श्रन्थ क्यक्ति द्वारा, अद्योहरताकारी के पास सिक्षित में किये जा सकेंगे ।

श्वक्टा मरण :---इसर्वे प्रकृत जरून थोड़ पर्शा क्या, जा उन्तर थोध-निवास के अध्यास २०-क में वरिकाखित है, वही धर्ष होया. जो उन्हें घटणाय में दिया गया है।

अनुपूची

दुकान जो सूरत टेन्सटाईल भारकेट, सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 777 नम्बर पर दिनाँक 24-1-85 को रजिस्टर्ड की गई है।

> ्री० के० पं**ड**या, ाक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रजनरेंज—II, श्रहमदाबाद

तारीख : 16-8-1985. मोहर ६ प्रका आही. टी. एन. एसं. ------

मामकर स्वीपनिषम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269 म (1) के मुसीन क्षमा

भारत तरकार

कार्बाचन , सहायक-अञ्चलपः जासूकतः (गिरीकाण) अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

भ्रह्मदाबाद, दिनांक 14 **भग**स्त, 1985

मिदेश सं० पी॰ग्रार॰ नं० 3759/II/85-86--ग्रतः मझे जी० फे॰ पंडया,

बावकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (किसे इसमें इसमें वस्थात् 'उनत अधिनियम' कहा गया ही, को नारा 269-स से मधीन तथा प्राधिकारी को वह विश्वात करने का कारण ही कि स्थावर सम्मित, किसका उचित वाजार मृज्य 1,00,000/~ रा. से अधिक ही

मौर जिसकी सं व दुकान नं ० 7-2184, ए सी है तथा जो सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद मनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में, रिजस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 18-1-1985

को पूर्णोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को अध्यमान प्रतिपक्त को लिए सम्परित को नहाँ ही जीर मुभ्ने वह निक्यास करने का कारण ही कि स्थापुर्गोक्त तम्पति का उचित साजार सूच्य, शक्तको अध्यमान प्रतिकास से, होते अध्यमान प्रतिकास का पंत्रह प्रतिकात ते स्थिक ही जीर संतरक (संतरकों) और संतरिती (अस्तरितिकों) को सीचा एको सन्तरण को सिए तस नामा गया प्रतिपक्त, निम्मितिकिक उच्चोक्त से उच्चा अक्तरण कि कितिक से साकाविक क्य हो करिक वहीं किया नवा ही ८—

- (क) जनकरण वे हुए किसी नत्न की नामसं, उपने जिसीनन के बधीय कर दोने के अल्सरक के राजिल्य में कमी करने ना उससे नम्ने में सूजिशा वे सिक्षा अपि/का
- (व) एसी विश्वी जान ना विश्वी धन या जन्म आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मां धन-कर अधिनियम, मां धन-कर अधिनियम, मां धन-कर अधिनियम, मां धन-कर अधिनियम, वा दिया व्याप प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के जिल्हा;

जतः अव, उक्क जीधीनवमं की धारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्क जीधीनवमं को धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिचित व्यक्कियों, अधीन :--- (1) श्री अनुभाई पीपटलाल, दीपकुंज सोसायटी, पालडी, अहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पारसकुमार पूलवन्य साह, हुनुमान चार रास्ता, गोपीपुरा, सुरक्ष।

(भ्रग्तरिती)

क्यां बह ब्रम्भा बारी सरके प्रतिक्त सम्पत्ति के वर्णन् के सिक् मार्गकाविक्षी कवार हूं।

क्षम् सन्यस्ति से वर्षन से क्रमस्य में कोई भी वासेवः---

- (क) इस सूचका के खब्दम मो प्रकारत की तारीय स 45 दिन की बन्धि या तत्त्वकाणी व्यक्तियों पर सूचना की तासीस से 30 दिन की जनिया, को भी अव्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त अधितयों में ते किसी स्पन्ति स्थाय;
- (व) इच सूचमा के राजपुत्र में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन के भीतर उचत स्थायर सम्पत्ति में हिस्क्यूकी किसी बन्द व्यक्ति-इवास क्योहस्ताकरों के पाइ दिक्किट में किस वा सकेंदि (),

स्वक्यक्रिक्यः — इसमें प्रत्यत सन्तर्भे और पर्यो का, जो उनक विभिन्नित के बच्चान 20-क में परिनामिक ही, कहीं भर्ष होता जो उन विभाग में दिया वक्षा हों।

·

दुकान नं० 7 2184,जो सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 532 नम्बर पर दिनौंक 18-1-1985 में रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया, नक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ~ सर्जन रेंज—II,म्रहुमवाबाद

तारी**व** : 16-8-1985.

मोहरः

प्रस्प नार्वे ह दी ह एवं ह एवं हु-न्यस्त

जावकर अविभिन्नम, 1961 (1961 का 43) श्री भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्याचय, पहाचक वायकर माध्यत (निरीक्तण)

म्रर्जन रेंज-II, महमदाबाद

भहमदाबाद, दिनांक 14 श्रगस्त, 1985

निवेश सं० पी० ग्रार० नं० 3760/II85-86—यतः सुक्षे, जी० के०पंडया,

मानकर मीधीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उक्त मीधीनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का काइण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उजित नाजार मृज्य

1,00,000/- रु. ते निधक हैं। चीर जिसकी संक्रासरा ६३ रामेण

ग्रीर जिसकी सं० उमरा, 63, रामेशकृपा सोसायटी है तथा जो उकरा, सूरत में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबक अनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सारीख 8-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृख्य से कम के दण्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास इस कारण है कि वजापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्षयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के त्रीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिबत उद्देष्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्बरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के याबित्व में कभी करने का उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/बा
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या उन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, धा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) की प्योजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं। धिया। स्था धन में किया जाना चाहिए था, डिपान में सुविधा है बिद;

जतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिष्ठ :--- श्रीमती पुष्पासरन वसन्तलाल पटेल, भुतगोरी, सुरत।

(मन्तरक)

(2) श्री जवाह्ररलाल मणीलाल राजा, सूरत।

(भ्रन्तः रती)

को नइ स्थान चारी करके पूर्वीक्स कम्मीरत के अर्थन के लिए कार्यनाहियां कुरू करता हो।

वनत सम्परित से नर्वन से सम्बन्ध में कोई भी संस्कृत है---

- (क) इस सूचना के राजपण के प्रकाशन की तारींच के 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 विन की अविध, को भी ज्वाधि वाद में समकत होती हो, के शीतर पूर्विकत व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति वादा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास शिवित में किसे जा सकी।

लच्छीकरणः - इतने प्रवृक्त कव्यों और वर्षों का, को उच्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उसु अध्याय में दिया गया हैंश

मगत्त्रची

मकान जो उमरा में स्थित हैं । सब-रजिस्ट्रार, सूरत में, 198 नम्बर पर दिनाँक 8-1-1985 में रजिस्टड किया गटा है।

> जी० के० पंडया, सभम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजेन रेज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 16-8-1985.

प्ररूप आर्चिटी एन एस .------आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

श्रजैन रेंज, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 16 भगस्त, 1985

निदेश मं० पंर० श्राप्त नं० 3761/II/85--86---थतः मुझे, जी० के० पंड्या,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपीति का उचित बाबार 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संबद्धि। 9 श्रीर 10 मीटा सर्वव नंव 123 है तथा जो सुरत में स्थित है (श्रीर इसने उपावद्ध श्रनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रा उर्ता श्रीधिकारों के सार्यालय, सुन्त में रिजि कि करण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तार्राख्य 10-1-1985

का पूर्योक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की गावत, उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; जांड/या
- (क) ऐसी किमी आय या किसी धन या सन्य आस्तियों का, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तिर्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाहे में सुविधा से सिष्,

नत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ा के जनुसरण भी, भी, अथत अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रंत श्रर्वणा श्रर्डसर पंडील, भाहपुर, सूरता

(अन्तरक)

(2) पंडोल इन्डर्स्ट्रायल को० ग्रो० सर्विस सोसायटी, संकेटरी श्री ए० एम० ग्रंकलेणश्वरीया, वांकी बोंडी, सुरता

(प्रन्तरिती)

कायह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्कत के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप हुन्स

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां कर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो और अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र क्योंका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा को 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष बहुध√किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहत्ताक्षरी को पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:---इशमें प्रयुक्त क्षम्यों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिकाशित है, यही अर्थ होगा को उत्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जभीन जो दुकी गांव स्थित है। सब-रजिस्ट्रार, सुरत में 289 नम्बर पर दिनांक 10-1-1985 में रजिस्टर्ड की गई है।

तारीख: 16-8-1985.

प्रकृप बाही. टी. एन . एस ., -------

नायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के विभीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जामकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रें**ज**-III, धहमदाबाद धहमदाबाद दिनांक 16 धर्गस्त, 1985 निवेश सं० पी० ध्रार० नं० 3762/11/85∽86—⊸यतः मुझे, जी० के० पंडया,

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित इसमें इसके प्रकाद 'उक्त अधिनियम' कहा गमा है), की भारा 269-च के अधीन तक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त तम्बित का उचित वाचार मूच्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिस्कों सं० दुकान नं० टो०-1118, सुरत है तथा जो रिंग रोड़, सुरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रोजस्ट्रंकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, सुरत में क्जिस्ट्रंकरण श्रीधनियम, 1908 (1903 का 16) के सर्धान, 4-1-1985

को पूर्वों करा सम्परित के उपित बाबार बुनव से किन के करवान प्रतिफल वे सिए जन्तरित की गृह है और मुभे यह विश्वास कुरते का कारण है कि सभाप्योंक्त संपरित का अधित बाबार बुक्क, स्तक दश्यभान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का बन्कह प्रतिशाद से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय गया गया प्रति-कब, विकासित्व उद्योग्य से स्वयं अन्वरण मिन्दि में बास्तिवृक्ष कुम से किश्त नहीं किया गया है है——

- (क) अन्तरण से **हुई किसी आय की** शावत, उक्त अधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तर्क के दर्भक्ष में कमी करके वा उदये वजने में बृहिष्या के शिष्ट; बहिर/वा
- (थ) हुन्ती किसी बाव वा विस्ती थव वा अन्य अस्तिवाँ काँ, विन्हुं भारतीय बावकर वाँधनिवनन, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीधनियम, या धन-कर अधिनियन, 1957 (1957 का 27) अं प्रयोधनार्थ अन्तिरिती ध्वारा प्रकट रही किया वयर का अपित्या शारा आहिए था, किया ने वें सुनिका के लिए;

वितः वन, उक्त विधिनियन की भारा 269-त की अनुवरक वी, वी, उक्त विधिनियम की भारा 269-त की उपधारा (1) की सभीत : निम्निलिखिल व्यक्तियों, वर्धात् :-- श्री मलच दवास राधेण्याम, एस० एम० भाटिया, रिग रोड़, सुरत।

(फ्रन्तरक)

(2) श्री महाजरप्रसाद प्रेम सुखलाल गोयल, श्रम्बर लाईन्स, सुरुत।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना आरी करके पूर्वोक्स संपरित के कर्जन के निए कार्वनाष्ट्रियां कर पहरू।

उक्त कमारिः के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप ः---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से ३; विन की अविभ वा तत्काम्बन्धी म्यक्ति को एद साता की बाबील से 30 दिन की बविष, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किया अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

त्यक्ष्ट्रीव्यक्षच्छ--श्वाको प्रवृत्तक वृत्तको सौर वक्षो का, शरे स्वक्त श्रीपृतिष्का के अध्याय 20-क में वर्शक्रमाविश श्री, वहीं वृत्त होगा, को उस वश्याय सं दिया भवा हैंं!!

ननुसूची

दुकान जो सुरत में स्थित है सब-राजस्ट्रार, सुरत में 117 नम्बर पर दिनांं 4−1~1985 में रिजस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडदा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर प्रायुक्त (िरीक्षण) प्रजैन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख: 16-8-1985

प्रकृत होतु हो . एन . एवं . ----==-----

नामः इर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-न (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निश्लेक्षण) श्रर्जन र्जेज-11, ग्रह्माकाबाद श्रहमकाबाद, दिनांक 16 अगस्त, 198

निदेश सं० पो० श्रार० नं० 3763/H/8:-86--श्रतः, मुझो, जी० के० पंडया

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परंचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं।

को पूर्वोक्स संपरित के उच्चित बाबार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफक्त के लिए जन्तरित की नक्ष हैं और मुन्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाम्बोंकत सम्परित का उचित बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफाल के पन्त्रह प्रतिशत से मधिक हैं और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरम के लिए तय वाबा गया प्रतिफल, निम्मिकिकित उक्केय से उक्त जन्तरण किकित में वास्तविक रूप से कथित वहीं किया गया हैं।—-

- (क) बन्तरण ते हुई किसी भाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वासिस्य में कबी करने या उससे अक्षये में सुविधा के शिष्
- (च) एसी किसी या किसी भन या उत्त्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनित्त्र, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपात में स्विधा के सिए।

कतः केवः, उवतं किंपिनयम की धारा 269 के अनुस्त्रक कीं, में, अकतं अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निलिचितं व्यक्तियों, अधीतः.—

(1) श्रो शीरव सिल्क मिल्स, हसमुखलाल नाशालाल बोडीबला, उषाकिरण सोसायटी, नष्तपुरी, सूरता

(अन्तरक)

(2) श्री भरतकुमार वीपचन्द, कबीरपुरा, भडौन।

(भ्रन्तोरती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन वं जिस् कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के बंबंध में कोंद्र भी बाक्षेप :---

- (क) इस भूषना के राषपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 'वन की अवीध का तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृषतः की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वपा के राजपत्र भा त्रकावन का तागंत से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी कन्य स्थानत ब्वारा वधोहस्ताकरी 23 पार्क निवास में किए जा सकती।

श्यक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, के उक्त जिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्यू चर

दुकान नं ोड 1178, सूरत में स्थित है। सबार गिस्ट्रार, सूरत,में 35 नम्बर पर विनांक 2-1-1985 में रजिस्टर्ड की गई है।

जा० के० पंडया, नक्षम प्राधि ारी, सहायक आयकर द्यायुक्त (निरंक्षण) स्रर्जन रोज-, प्रह्मदाबाद

तारीख: 16-8-1985

मोहरः

प्रक्षः बाह्रं 🛴 दौ ुप्त ुप्त 🖫 ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की अथ 269-म (1) के बचीन स्पृत्र

भारत चरकार

फार्यानय, महायक नायकर नायुक्त (निर्माकक) श्रर्जन रेंज-॥, श्रहमदाबाद

धहमदाबाद दिनांक 16 ग्रगस्त, 1985

निर्देश सं० पी० भार० ं० 3764/II/85-86:— मृहो, जी० के० पंडया,

कारकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात (उक्त अभिनियम कहा गया है), की धारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 64 पो० श्राई० डो० बी० वार्पा है तथा जो वापी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजन है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 37 ईई के श्राधीन 31 दिसम्बर,

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोचल संपत्ति का उचित नाजार मृल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल के पंचह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देष्य ते उच्च अंतरण लिखित में नास्त्-विक रूप से कथित महीं किया गवा है है—

- (क) अन्तरक सं हुइं किसी बाय की बाबत अक्ट्र अधिनियस के अधीन क्रांट दोने के बन्तरक की यायित्व में अभी करने वा उत्तते वचले में सुनिधा के लिए; बार्ट वा
- (क) एती किसी आप वा किसी धन या अस्य जास्तियों का, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती बुवार प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना वाहिए था, जियाने में बुविधा के सिंह;

जतः अव, उक्त जिथितियम की धारा 269-न के जनुबर्ध में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-चंकी उपधारा (1) के अधीन, निम्नति**चित व्यक्तियों, अर्थात् ⊯**— (1) नै युनियर्सल सिलेक्टीड एनोडा डायजर्स, सिलयस्मा रोड़, नार्पी, गुजरात ।

(ग्रन्तरक)

 मैं० सपे केमिकल्स इण्डस्ट्रियल प्रा० लि० मेकर भवन, ठेकरी मार्ग, बम्बई।

(प्रन्तरिती)

भी पह ज्यान जाड़ी करके पृथायिक सम्मृद्धि के वर्षन के हिन्दू कार्यभाहियां करता हुं।

वरत बन्दीरत के वर्षन के बन्नान्य में कोई मी बाबोद:--

- (क) इस भूवना के राज्यम में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन की अनिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की अनिभ, को भी अवस्थि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर प्रवेशिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित बुकारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वशोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, का उज्ज्य अर्द्धिण्यकः, के कृष्णाव 20-क में प्रिशाविक हैं, नहीं वर्ष होगा जो उस कृष्णाय में दिया सवा हैं 🗓

भ्रनुसूची

णेड जो वापी में स्थित है जिसका कुल मूल्य 2,49,000/--रुपये है 1 37 ईई का फ़ोर्म पर कार्यालय में जनवरी, 85 में पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक **श्रायकर श्रायुक्त (**निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, श्रहमदाक्षाद

तारी**ख**ः 1य⊷8—1985ः

प्रकार वार्ष_ः टी. एव<u>ं:</u> एष्_ःट्रान्य-न्य

नाधनार जीभीनयसः, 1961 (1961 का 43) काँ भारा 269-व (1) जे वचीन कुन्धा

भारत तरकार

कार्यासक, सहायक कायकर नायुक्त (निर्दाक्तक)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 24 अगस्त, 1985

निदेश नं ० पी० आर०नं ० 3765/2/85/86—अतः मुझें, जी०के०पडंया.

बायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवात् 'उनत निधिनयम' कहा गया है), की भारत 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर बन्दित, जिल्ला कियत बन्दार बन्दि 1,00,000/- रा. से विधिक हैं

प्रौर जिसकी सं० प्लाटनं० 10ए, ईतथा जो जललंपुर बड़ांदा में स्थित है (श्रौर इससे जपाबब अनुसूर्वा में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम; 1908 (1908) का 16) के अधीन 8-1-85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाकार शून्य से फन के अववाध प्रशिक्त के लिए जन्दरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाकार भून्य उसके अवभाग प्रतिकास से, एसे अवसाम प्रशिक्त का वस्तु प्रतिकास से विश्व है और अंबरक (अन्त्रारकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के गैच एसे जन्तरण से विष् स्थ भावा गया प्रतिकास निश्नितियों के गैच एसे जन्तरण से विष् स्थ भावा गया प्रतिकास निश्नितियों के गैच एसे जन्तरण से विष् स्थ

- (क) बन्तरण वे हुए जिल्ली बाव की बावत, उपल विश्वित्व की भूषीन कर गर्ने के बुन्तहरू की शावित्व में क्यों करने या उपले बुन्ने में सुविधा मैं सिन्; ब्रोड/वा
- ांशी किसी बाब वा किसी वन वा बन्य बास्तायों की, जिन्हों भारतीय बायकार विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) यर उत्तर विजिनमम, या धनकार विभिन्नमम, या धनकार विभिन्नमम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वन्सरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया काया चारिए का किया विभाग की किए;

शतः कव उक्त जीवनियम की धारा 269-म क जग्तर्थ में, में, उक्त जीवनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नालिखत व्यक्तियों, अर्थात् ८--- (1) श्री कुमुमसदन जगदीशचन्द्र अमीन 5, कृष्णाकुंज सोसायटी, बडौदा

(अन्तरक)

(2) श्री कुसुमसवन जगदीशचन्द्र अमीन 5,कृष्णाकुंज रीपटी, है बडौदा

(अन्तरिती)

का यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यविहिंगां कुरू करता हूं।

क्ष्मच सम्मरित के भर्मन के सम्बन्ध को कोई' की मानोप उन्न

- (क) इंड क्या के राज्यम में प्रकाशन की तारीक सें 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी स्वतिस्त्रों यह सूचना की सर्वील से 30 दिन की नविंध, को औं बजीध नाव में क्याच्य होती हो, के शीतर पृजीवस स्वतिस्त्रों में से फिसी स्वतिस्त प्रवास;
- (क) इस भूजना के ताजनन में त्रकाइन की सार्श्य के 45 दिन के बीवर याच्य न्यावर कमलि में दिए- वर्ष किसी सन्य न्यावित द्वारा, जन्महत्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकेंगे।

स्वाक्षेत्रपः — इसमें प्रमुक्त बन्दों और पूर्वों का, वाँ वर्वेष्ट्र विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं कर्ष होंगा को उस बध्यार में विका गना है।

वनुसूची

मकान जो जललेपुर, बडौदा में स्थित है जिसका कुल मूल्य 7,50,000/र रुपए है और प्लाटनं० 10-ए है। सब रजिस्ट्रार, सुरत में 192/85 नम्बर पर रजिस्टर्ड किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरोंज-2, अहमदाबाद

तारी**ख**: 26—8—85

मोहूर 🛭

प्ररूप नाइं, टी, एन, एस,------

भाथकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के विभीन सुचना

भारत तरकार

कार्याक्षया, सहामक आयकर जामुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 अगस्त, 1985

निदेश न^{*} पी० आर० नं० 3766/2/85-86——अतः मुझे जी० के० पंडया

आतकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वति 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर चिशको मं० जललपुर, यड़ीदा 4175, श्रीनगर को० आप०सो० है। तथा जो जलालपुरबड़ीदा में स्थित है (श्रीरइससे उपाबक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है); रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय वड़ीदा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-1-85

की नृजीक्त संपरित के उभित बाजार मृत्य से कम के करवमान प्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्र वह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार पृज्य उसके इच्यमान प्रतिफल से, एसे इच्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया मवा प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में बास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण तं हुइं किसी जाय की नावृत, उत्कत्त अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सृषिधा के लिए; और/या
- (ख) एसं किसी आप या फिसी धन था अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उद्धा शायानयम, या धर्म-प्रेर जॉब्यानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रणापनार्थ अंतिशी ख्वारा प्रकृत नहीं विद्या गया था सा निया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में मुविधा के लिए

(1) श्री मार्पाभाई वलसभाई पटेल गंगापिटार, वापी,

(अन्सर्क)

(2) श्री वासुनिपरन हीराभाई वालीपाल, सम्सई-5

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृशेंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां पृष्ट करता हुं।

<u>and analyzing the sole of the</u>

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, ाो भी अविधि साथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वार:
- (व) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाए लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मकान जबलपुर, बड़ौदा, श्रीनगर सरीपरी में स्थित हैं जिसका मुल्य 1,09,000/ रुपए हैं जिसका प्लाट नं० 9-ए है। सब रजिस्ट्रार, बड़ोदा में 33/85 नम्बर पर रजिस्टर्ड किया गया है।

जी० के० पंडया) ाजन प्राधि हारी सहायक आयकर आपुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख: 26-8-85

प्ररूप आई. टी. एन एस. -----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घके अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 अगस्त, 1985

निदेश सं० जी० आर० 3767/2/85→86→—अतः, मुझे जी० के० पंडीया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह बिश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00 000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 713, शिंग रोड, गूरत है तथा जो सूरण में स्थित हैं(श्रीर इसमें उपायड अनुसूची में गीर पूर्ण रूप से विणा है) कि की की कि जिस्ति सूर्य में रिक्ट्री किए अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अबीत दिनांक 25-1-85

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के रुष्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कार्रण है कि स्थापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रुष्यमान प्रतिफल से एसे रुप्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्यदेश्य से उक्त अन्तरण लिस्ति में बास्तिक एप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आर की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः उव उक्त अधिनियम की धारा 260-ग के अनुसरण मैं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिंखिस ध्यिक्सियों, अर्थात् :— (1) श्री अतु बेत पत्नी आलीदान सामुभाई अर्पता परकाता, रिंग रोड, भूरन

(अन्गरक)

(2) श्री अमृतभाई अर्जुतभाई उधना दरवाजा, रिग रोड, सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस प्रचात को राजपण मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मुचना की कार्याल में 30 दिन की अवधि, जो भी अद्धि भार मों समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मुखना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्षे किसी अन्य का कित द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीये।

स्पट्टीकरणं: --- इसमी अपूर्व राज्यों और पदों का, जो उनता अधिरियमा, के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। पत्र रिजिस्ट्रार, सूरत में 706 सम्बर्धर दिलांक 25–1–85 में एडिस्टर्ड की पर्व है।

> जी० कि० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण<u>)</u> अर्जन रेंज-2, अहमदाबा^द

नारीख: 26-8-85

C.T. Days . And St. Miller British

प्रकृष बाहा . टी . इस . एस , -----

आवकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत तर्कार

कार्यानव, बहायक आयकार नागुक्त (विद्रक्षिण)

अर्जन रेंच-2, अहमदाबाद अहमदायाय, दिगां ७ 26 अगस्त, 1985

निदेश नं० पी० आर० नं० 3708/285-86--अतः मझे जी०के० पंडया

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उसत अधिनिअनं कहा गवा है'), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका डाँचक वाजार मूल्य 1,00000/-क. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० वार्ड नं० 15, 2939, बंगला नं० 30 है। तथा जो सूरत में स्थित हैं (स्रौर इतने उत्तवद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणाई): रिजर्ट्रा कर्ना अधिकारी के नायलिय सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिभियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-1-85

को पूर्विक संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रीत्कल के लिए अंतरित की गई

हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्त्रों कत सम्पत्ति का उचित बादार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का दंदह प्रतिशत से अधिक हैं और अंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे मंत-रण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिसित में बास्तिविक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरम सं हुई किसी आध की राज्य, उन्हें अधिनियम के अधीन कर दीने के जन्तरक के शीयन में कमें राज्य राज्यसंक्रमों में सुविधा के लिए, और/या

कत. जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण के, में उक्त अधिनिया की भारा 269-घ की उरभारा (1) के अधीग, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री अदिलपटेल मनसुखलाल कोटान्र सरिपटी सूरत।

(अनारक)

(2) श्री जयचन्द तिलोकचन्द सरदारनागर, सुरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लि। कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पर्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स् 45 दिन की अविधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियां वा सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना क राजपण में प्रकाशन की तारी का 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्रध्य किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पा। निविद्य में किए जा सकों में।

स्वव्यक्तिरणः—इसमें प्रयुक्त सन्दों और पद्धे का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया

अनुसूची

मिलकत जो सूरत में स्थित है। सब रिजस्ट्रार सूरत में 479 जम्बर पर दितां रु 17-1-85 को रिजस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख: 26-8-85

प्रकृत साह^र्टी, यह , एसं, , कर क्षाप्त स्थान

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के नभीन स्थान

धारत परकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 अगस्त, 1985

निदेश सं० पी० आर० सं० 3769/2/85-86--अतः मुझे जी०के०पर्धेया

आसकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अभीन सकान प्रतिकारी को यह निक्ताब करने का कारण है कि स्थावर संपर्ति, जिसका अचित बाजार मृत्व 1,00,000/- रा. से अभिक है

सौर जिसकी सं० वार्ड नं० 70 नोर्थ नं० 4905 स्रौर 491 है तथा जो सूरत में स्थित है (प्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16) के अधीन 9-1-85

कां पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह निश्नास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसफे ध्यममन प्रतिफल से, एंगे ध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिति (अन्तरितियाँ) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत बिधिनयम को अधीन कर दोने को अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को बिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आग या किसी अन या अन्य वास्तियों को जिन्हों भारतीय आग-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या अग-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, खिपाने में हिष्या के लिए;

अत: अव, उठ त अधिनियम की धारा 269-म को जनसरण में, कैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन,

(1) श्री रामकृष्ण मधुसूदन महेत रामजीमन्दिर, मांडवी जिला सूरत

(अन्तर्ह)

(2) श्री मंजुलासरन धनसुखलाल लाकड़ावाला नवापुरा, सूरत

(अन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पृथाकित सन्मरित के अधन के दिन कार्यवाहिया सुक्क **करता हो।**

बक्त सन्तरित के वर्षन के सम्बन्ध से कोई भी मार्शन :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भा सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के क्ष

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कृष्यों और पदों का, जो उसस अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा पर्िट्र भाषित हों, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया गणा है।

अनुसूची

मिल पत जो सूरत में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, सूरत में 246 नम्बर पर दिनांक 9-1-85 को रिजस्टर्ड की गई है।

> जी० वेः० पडेया सक्षम प्राधि कारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, अहमदाबाद

तारीव: 26-8-85

प्ररूप आईं, टी. एन. एसा.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, श्रह्मदाबाद

ब्रहमदाबाद, दिनांक 29 श्रगस्त, 1985

निदेश नं० पी० भ्रार० नं० 3770/2/85--86--- अतः मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं 1334, वार्ड नं 5 सूरत है। तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपावख अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विश्वत है); रिजर्ट्रवर्ता श्रिधकारी के वार्यालय श्रह्मदाबाट मे रिजर्ट्रवरण इंटिनियम 37 ईश्वे श्रिधीन नदायर

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार क्रिल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्रत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री बभन्तलाल संहनलाल श्रीपे हरिपुरा, सूरत

(अन्दरक्)

(2) शः गंगविषभाई खुर्शलभाई राजी लालस, सुरतः।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के िण कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तरिस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी गे।

स्पव्योकरण:---इसमे प्रयूपत शब्दो और पदों का, जो जकत जिथिरियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हंगा जो जस अध्याय में निया गया हैं।

अतुसूची

मकान जो सूरत में स्थित है। उन्हेंई का फोर्म में यह कार्यालय में पेश किया गया है।

> र्जा ० के० पंडया नक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, भ्रहमदाबाद

तारीखा: 29-8-85

JATES STEEL

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चनः

भारत तरकार

कार्यालय, महत्यक प्रायक्षर प्रायुक्त (पिराक्षण) श्रजीत रेज-४, अहमदाबाद

श्रहमनाबाध, धिनां, 29 श्रहणन 1985

निर्देश नं पी० ब्राप्त न 3771/2/85-86--ब्रह्मः मझे, की विकास उसा,

जायकार अधिनियस 1964 (1961 का 43) (जिस्ने इसमें इसके प्रयास (बक्त शरिनियम क्या क्या है), की बास ्रक्ष ५- भव्याच राष्ट्रक अर्धानमधारी महा गृह विस्काद ऋषी व्या कारण है कि स्थावर संपंधित, जिसका उचित बाजार मूल्यः 1,00,000/- रह. में अधिक हैं।

श्रीर जिल्ला मं० नडेबाद, योगकृता परिपादी है। स्था जो निष्टयार भे स्थित है (आराइयम उपायक अनुसूक्ते में आर पूर्ण क्षभे विकित्त है); रिकिन्दोद ती अधिरार्ग रेघाय राग रहे गर में १रिस्ट्रीकरण अधिनियम: 1908 (1908 वर 10) है। ग्रधीन जनवर्ग 1985

को पूर्वीयन सम्पत्ति को उचित काजार क्रय सं क्रम को क्रबामम शतिका ने तिथ् बन्तरित था गर्व है और मूले कह विकास करने का कारण है कि जनभाजांक्य कंग्यांभ का उन्कार राजार मुल्द, उसके स्वयमान पांतकन सं, एस स्थमान प्रानिफल का ाद्रष्ठ प्रतिशत से अधिक हाँ और वंतरक (अंतरकाँ) और जंतरिली (अन्तरितयों) के बीच एंसे अन्तरण के (जए तम नाया) गया पतिफल, निम्नलिखित अहुराध्य स अवर अन्तरण जिस्ति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण ह सुद्ध रिक्स्यो ाजन कर मानस, उपन भिषितियम भी अधीन कार दोने की धन्दरका भी क्ट्रीबरन में काकी कार्यों का उन्नय क्ष्म में साधना के मिए; कौद्ध/का
- (ख) मुंदी जिसी अध या किया कि का कि कि जिस्तार्थी कां, जिन्हों भारतीय आध-ार अधिवेदयम, 1922 (1922 का 11) या इनत अधिनयम, बा वन-कर ऑक्टॉनवर, 195, (1957 प्र. 27) के प्रयोजनार्थ अन्दर्भ रखी ध्याका प्रकर नहीं किया गया था या किया बाला जाहिए था, किमाने में सुविधा के किए;

अस: अद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण , मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अधीत :--

- (1) भा अमलाग्य ठाकोरभाई केश्रर प्राफ समजवाई रामदीनसाँग सारोट पत्रनाचककी, सईपयाद । (ब्राग्टक)
- (2) थी रमेशनाई राजनीयग पवनपासकी, नर्डायाद

(ग्रन्तरिती)

को मह समना नागी करके पत्रं अन पर्धान्त के पत्रांन के लिए अपूर्ण हार्मिका करता है।

उक्त संपंक्ति के अर्थन के सब्द भा करेंद्रे 🖒 साध्यप 💴

- (क) इस कूथना के राजवत्र में प्रकाशन की तारीख से कर चित्र की अन्य । या एस्टामंत्री अविकास वर व्यक्त की बाजीक के 30 बिन की बसांग और श्री अवस्थि बाद भी समाध्य द्वारी हां. के भीत्रम प्रवीदश अधिकार में म किसी शिक्स स्वारा:
- (क) इस सूजना के राख्यपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को शीकर उल्लास्थालर संगील को विकासका विक्रमी अस्य दहरिका क्यान अधिहरूराधरी के पास निर्देशक भी दिला का हर्जांगी।

स्पच्छीकरण:---क्शनहाँ अनुसर शब्दा और पर्यो का, जो उन्हें अधिकित्यम १ श्रामात्र 20-एत भी विकासिक हैं, कही अर्थ होता, जो उस अध्याद में दिया TITE BE

an and

जनीत जो जलोबाद वें श्यित है। यद रजिला , नहीसाद में 29 तम्बर पर जनवरी 85 में रिजस्ट्रार तक की गई है।

> जी० कें। पंडया ∃अम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

नारीख: 29-8-85

अरूप आह'. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

Compression of the second control of the sec

भारः 26%-६ (1) के ६४०: शुरनः

भारत सरकार

कार्यांस्य, सहायक कायक र शायत्त तीन रोक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदावाद

ग्रहमदाबाद, दिनाँक 29 ग्रगस्त, 1985

निदेश नं० पाँ० ग्रार० नं० 3772/2/85-86—-स्रतः मुझे जी० कें० पंडया

कामकर जिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार नियम अभिनयम कहा गया है), की भाषा 269-का जे जधीन सवाम प्रीभिकारों को यह विश्वास करने का फारव है कि स्वाबर नम्परित जिनका उपित बाकार मुख्य 1,00,000/- रा. से विभिक्त है

ग्रीर जिस्की सं ० वी-18, ब्रह्ममनगर परिपार्ट है। तथा जो नर्ड साद में थिए हैं (ग्राप इसके इसावद्ध अनस्विकों ग्रीप पूर्ण रूप से बिल्लि हे): रिपार्ट्ट तो ग्रिश्वारी के सार्प कर नर्ड याद में रिपार्ट्टी ग्राप्त ग्रिपिटियम; 1908 (1908) 11 16) के ग्रिधीन 22-1-85

क्ष्म पृथिक तृंदित के उचित बाजार मूल्य सं कम के क्ष्यवान प्रित्मक्ष के लिए अन्तिरित की गाँई मौर पृथ्ने गाँ विश्वास इरने का लाग्य है कि ग्रथ्मपर्वाकत ग्रंपित का तिचल बाजार गृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से एके दश्यमान प्रतिकाल का गृत्यह श्रीतश्रात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रकारिती (अन्तरित्यों) के बीच अन्तरक के लिए तथ पाता प्रभा प्रतिकास गिम्निसित सद्देश्य से सन्तर अन्तरण लिखित है प्रश्नाकित क्ष्य में स्वित्त नहीं किया गया है :--

- ्कु करून है ज़ाड़ी जामी भाग का अकत उकत आँचन निवस के अकीए कर और की क्लारक के साकित में का भागों जा नाम गांच हा गर्गाह से निवसे: और/का
- (क) एंडी किसी बाद का किसी धन या जन्म जास्तियों की, शिक्ट भारतीय बावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त बाँधीनयम, या धन-भार अधिकार 1957 (1957 का 27) के प्राप्त करती करती स्वारा नक्ट बाद किया है।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) विक्तिमान, निम्निनिखित व्यक्तियों, अर्थान् :--- (1) श्रं: ध्यन्तः लग्नद समानान पटेल णानेज रोड, नडोबाद

(ग्रन्तरक)

(2) ज्योत्रमासस्य हरूमुखलाल वेटेल एलचे स्टोशन के पीछे, नडीयाद

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वाप्त वार्थ प्रयाप प्रयोगित प्रश्नित है कचन के लिए कार्यनाहियां शुक्त करता हूं।

उक्त हरूहित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी साखेंप :--

- (क) इस स्पना के राज्यभ में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि का तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर नुषका की तामील से 30 दिन की स्वधि, को भी स्थिष शब्द में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितक व्यक्ति को के मिलर प्रकार की किसी व्यक्ति कारा से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितक व्यक्ति कारा स्व
- (घ) इस सूचना के साखण में प्रकाशन की टारील से 45 विश्व के मीतार उक्त स्थावर संपत्ति में क्लि-बहुष किली अन्य अधित कुषारा अभोहस्ताशकी ते पास निकित में निस्स सा सकोंगे।

स्वच्छीकरण:--इसन ध्यूनत कब्दों और पदों का, जो उनस अधिनियम के अध्याद 20 के हो वरिमाणिक हो, वहीं अर्थ होगा को उक्त अध्याद में दिया स्वा है।

अनुसूची

म कान जो नडीयाद में स्थित है। अब रजिस्ट्रार, नडीयाद में 129 नस्बर पर दिनाँक 22-1-85 में रजिस्टर्ड किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी नहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरीज-2, ग्रहभदाबाद

तारीख: 29-8-85

प्रकृष् आर्ष . टी . एम् . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के जभीन सूचना

बाउव चुडव्हा

कार्यालय, सहायक शायकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद दिनाँक 29श्रगस्त, 1985

निदेश नं० पी० म्रार० नं० 3772/2/85-86--म्रातः मुझे जी० के० पंडया

श्रायक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे ध्रसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वांस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं आनन्द, 1238, 172 है। तथा जो श्रानन्द में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप के विणत है); रजिस्ट्रीकर्ता श्रिवि होरी के कार्यालय श्रानन्द में रिजस्ट्री-करण श्रिवियम; 1908 (1808) का 16) के श्रधीन

2-1-1985

को पूजी कत संपत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के वश्यमान प्रतिफल है लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूजींवत सम्पन्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल ने, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रशा प्रतिफल, निम्निलिसित उद्वेक्ष से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है —

- (क) जन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बधिनियत, से बधीन कर दोने के बन्तरक ले दावित्व में कमी करने या उत्तूसे बचने में सुविधा के सिद; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां करों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था, खिपाने में दिखा डे विका

बता. १८%, उक्त अधिनिक्या की धारा 269-ग के अनुगरण हो, मी उल्ला अधिनियम को भारा 260-घ की उपधारा हो) के अधीन जिम्मीलिखित व्यक्तियमें, अर्थीत :—

(1) श्री दलवाडो जशभाई, मंगलभाई कृष्नानगर सारीपाटी नडियाद

(अन्तर्ह)

(2) श्री पटेल श्राशीण भाई मोती भाई जरिसद।

(म्रन्तरिती)

भौ यह सुभना कारी करके पूर्वोक्त तम्मिल के गर्जन के जिल् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विष् की जबीं वा तरहान्य भी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की जबीं को भी खबीं बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेतिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इस व्यान के रायक्त को इक्सवन की हारीय से 45 किये के प्रीक्षर करत स्थावर कम्परित में हितवब्स विकास क्यांकर कृषारा ब्यांहरतासाही के गाय शिक्त में किए जा सकुने।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त विश्वित्वम, वे वध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होना, को उस मध्याव में विश्वा देवा हैं।

ग्रनुसुची

मिलकत जो ग्रानन्द में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, ग्रानन्द में, 19 नम्बर पर दिनाँक 2-1-85 में रजिस्टर्ड की गई है।

> र्जा० के० पंडया सझम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज-2, स्नहमदाबाद

तारीख: 29-8-85

प्रकप नाहरे. डी. एत. एत. ------

बायकर कॉधनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-व (1) के जबीन क्षत्रा

भारत घरकार

कार्यालयः, सहायक जायकर जायकतः (निरीक्षणः) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाव

अहमदाबाद, दिशांक 29 अगस्त, 1985

निर्देश नं० पी० आर० नं० 3.774/2/85-86---अतः मुझे जी० ने० पंडया

कायकर किभिनियम, 1961 (1961 का 43) (किसे इसमें इसके पण्यात् 'उथत अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-क के अधीन स्थाम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा से अधिक हैं

भीर जिसकी सं ० प्लैट नं ० ६, उदय अभार मेन्ट है। तथा जो आम्बेर लाईन्स, सूरत में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप से विणित है); रिजस्ट्री नर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्री करण अधिनियम; (37ईई का 16) के अधीन नवम्बर 1984

का पूर्विता सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से काम के दृश्यमान् वितिकल के लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वितत संपत्ति का उचित बाजार मन्य, इसके दृश्यमान प्रतिकल का पन्यह प्रतिशत से बिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिशी (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया पतिकल, निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्ते अन्तरण लिकित वे वस्तिधिक हम संकथित नहीं किया यथा है हि—

- (क) जंतरण में हुई किसी जाय की धावत, उसत जिथ-रिवम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दावित्व में कभी करने या बख्ये बचने में कृष्णा के निगः बीर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1972 का 11) या अक्त अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, या धर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पंजीजनार्के जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा की लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---23---276GI/85 (1) उदय अपार्ट रेन्ट, उदय बिल्डर्स, उदय संगमा, उदय लाईन्स, सुरत

(अन्सरक)

(2) श्री रामप्रसाद समपारीदास प्रवार रिगरोड, 133, रेशमवाला मारकेट, सुरत।

(अन्तिरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कर्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजप्रत में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्वित्तयों में से किसी व्यक्ति इंबरा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारित से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्र बद्ध किसी बन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकें है।

लाकीकरण ह- इसमें प्रयुक्त करूतें और वो का वो अवक अधिनियम के बन्दाय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया प्या हैं 0

जग्सूची

37ईई फार्म परकार्यालय में नये 84 में पेश किया गया है।

> (जी० के० पंड्या) सक्षम प्राधिकारी यहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, अहमदाबाद

तारीख: 29-8-85

प्रकार बार ही, एत, एस, -----

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन स्वना

भारत सहकार

कार्जालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 29 अगस्त, 1985

निर्देश नं० पी० आर० नं० 3775/2/85—86——अतः मुझे जी०के०पंडया

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें देसके पश्चात उन्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारल है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट ए/4, ए/6, मोलाद है। तथा जो ता० भरूच में स्थित हैं (ग्रीए इतने उपाबद्ध अनुमुची में ग्रीए पूर्ण रूप में वर्णित हैं); रिजिन्द्री इती अधिकारी के व्ययित्य भरूच में रिजिस्ट्रीकरण अधितियम; 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-1-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गर्द है और मृक्षे यह विद्वास करने का कारण है

का विश्वास करने की कारण है

कि यथापूर्वोक्त तम्पीरत का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का ५न्द्रह प्रतिहत से
भाधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितिणों)
के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निमनलिखित उद्देश्य से उत्तर अंतरण लिखित में वास्तिवक कण से
काथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आज की शावन, उकत अभिनियम के अभीन कर की के अन्तरक, के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौद्र/या
- (प) एसी किसी माय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था व्यापनि में किया गया भा मा किया जाना जाहिए था व्यापनि में किया गया मा

अतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्बलिखित व्यक्तिकों, अर्थात् :— (1) मैं ० विलेब्द समित्र नेन्टर देखाईचाकी वाडी, आई० हरिपटेल भठच

(अन्तरक)

(2) श्री टेनसटाइल इन्डस्ट्रीज लालुभाई चावला, भरच

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की टामील से 30 दिन की बंबीच, जो भी बंबीच वाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त क्यितितमों में से किसी व्यक्ति दवार;
- (ख) इस ग्वान के जियान में प्रक्रायन की ताराख में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पार लिंकिन भे किए जा सकों में।

स्पक्कीकरण :- व्हरामी प्रमुक्त गर्यों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के उभ्याय 20-के मी परिकारियत क्षेत्रकी अर्थ होगा, जो उस अभाग मी विकास गया हैं।

सन्**स्वी**

जमीत जो भोलाब में स्थित है। सब रजिस्ट्रार भरूच में 136 श्रीर 137 तम्बर पर अवजरी 1985 में रजिस्टर्ड की गई है।

> (जी० नेः० पंडया) सक्षम प्राधि कारी सहायक आयंकर आयुक्त निरीक्षण अर्जनरेंज-2, अहमदाबाद

तारीख: 29-3-85

बक्य बाइ. टी. एन. एस. --- --

कायकर विभिनियम, 196। (1961 का 43) की शहा 269-थ (1) के क्षीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अंशात । इ. दिनांक 29 अगस्त 1985

निर्देण नं० पी० आर०नं० 3776/2/85—86——अतः मुझे जी०के० पंडया

आसकर अधिनियम, 1901 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 260-ए के अधीन सक्षम पाधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भ्रौर जितकी सं० प्लाप्ट नं० 243, पाले न हैं। तथा जो भहच में स्थित हैं (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौरपूर्ण रूप से विणित); रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय भहच में रजिस्ट्री करण

अधित्यम; 1908 (1908का 16) के अधीन 31-1-85 को पूर्वाशत सरमाति के तीवत बाजार मुख्य से कम के जयमान **बै**रिफल के लिए **अ**न्तरित की ग्रह HA! **विष**्यास करने 45 का पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके इस्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त मन्तरण निविद्य में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया 🕰 ६---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए और/या
- (भाः प्रेंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य क्रास्तिवर्ध की. जिन्हें भारतीय काय-कर व्याधिनयम, 1922 (1922 का 71) या उवस अधिनयम, शा धम-कर अधिनियम, शा धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) थे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में तुविधा त्री व्यक्त

अतः अबः, जन्त जिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:— (1) श्री नाराणदास राजाराम नवसारी चैम्बर्स फोर्ट, बम्बई।

(अन्तरक)

(2) भारत जीनीग एण्ड प्रयाग फैक्टरी पालेज, जिला भरुच

(अन्तरिती)

को यह सुमना पारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के बर्चन के बम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष हन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि नाद में सभाष्त्र होती हों, के मीतर पूजावत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचनः के गजपन में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रपक्दीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उदस विभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, दहीं अर्थ होगा, जो उस स्थार में किस नया है।

अनुसूची

मिलकर्त जो पालेज में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, भरुष में 50 और 51 नम्बर पर जनवरी 85 में रजिस्टर्ड की गई है।

(जी० के० पंडया) सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

तारीख:29-8-85 मोहर: प्ररूप आहें.टी.एन.एस. ------

आयंकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनरेंज-2, अहमदाबांव

अहमवाबांद,विनाक 29 अगस्त, 1985

निवेश नं पी० आर० नं 3777/2/85-86-अतः मैंसे औं ने नंदर्या

कीयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें गरेबात 'उन्न अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000 / - रु. से अधिक हैं

मौरिजिसकी सं . 422, तारसाडी है तथा जो जिला मांगरोल में स्थित है (मौर इससे उपाबस अनुसूची में भीर पूर्ण इप से विणित है); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मांग-रोल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी 1985

को पूर्विकत संपत्ति के जिन्न बाजार मूस्य से कम के देश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की नद्दें ही और धूर्विक विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्विकत संप्रतिक का जिल्ला का पन्त्रह प्रतिकत से अधिक ही और अंतरिक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्विषय से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिक रूप से कृथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्याने में सूविधा के लिए; औंद्र/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :——

(1) श्री महेन्द्र कुमार जी पटेल सुखरूप गाई जी पटेल ग्राम लरसाडी, ता॰ मांगरील

(अन्तरक)

(2) श्री रसमुख माई मागीलाल शाह वीरन वाडी, लरसाडी, ता० मागरोल, जिला सुरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचवा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, श्री भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशक की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पास सिक्टित में किए जा सकोंगे।

स्मर्क्ट मिक्टण: ---- इसमें प्रयुक्त बाब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

जमीन जो तरसाधी, ता० मांगरोल में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, मांगरोल में 548 नम्बर पर जनवरी 1985 में रिजस्टर्ड की गईहै।

> (जी० के० पंडया) सक्षम् प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज-2, अहमदाबाद

तारीख: 29-8-85

मोहरः

प्रसन् कार्यः, स्ट्रीः, ध्रमः, एकः, न्यान्यान्यः

बाय्कर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

शारत ब्रकाड

शर्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 26 श्रगस्त, 1985

निदेश नं० पी० भार० नं० 3778/2/85-86---पतः मुझे, जी० के० पंडया,

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा कि एक के अधिन सके मार्ग कार्य का मार्ग कार्य है कि स्थावर सम्पत्ति, जिससे उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० नूदान रिरेम को० आ० सोसायटी है तथा जो हरजी रोड, सड़ौदा में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अन मूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है); रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के नार्यालय सड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम; 1908 (1908 का 16) के बर्धान जनवरी 1985

पूर्वितः संपत्ति के उचित बाजार मृस्य सं कम के धरयमान वितर्कत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्याल करन का कारण है कि यथापूर्वित संपरित का उचित बाजार भूल्य, उसके धरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का गन्दह गरिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निक्तिलिखत उद्योध्य से उन्त अन्तरण निचित में बास्त-दिक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कनी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (क) एसि किसी बाब या किसी बन या बन्य अपिरुक्ती को, जिन्हों भारतीय अप्यक्तर विभिन्तिम , 1922 (1922 का 11) या जबत अधिनियम, या धनकर विभिन्तिम, या धनकर विभिन्तिम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनी विकास करिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए

ात: अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसर्ण कें, गै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) असे सभीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ,, अर्थात अ— (1) श्री रावजी भाई नागजीभाई पटेल नागरवाडा, सङ्गेदा

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नूतन सरैम को० ग्रो० ए० सोताईटी हरमीदपुर, सड़ीदा

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृशींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कानवाहियां करता हैं।

डक्त् सम्मति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप व---

- (क) इस भूषना की राजपंत्र में प्रकाशन की तारीब कें 45 दिन की जबिभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की क्षामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हिंह- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंचे।

स्पादीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त ज़िश्मित्रम, के शब्दाध 20-के में परिभाषित है, वहीं वर्ष होंगा जो उस वध्याय में दिया नवा हैं।

अनुसूची

जमीन सवाद, जिला सडौदा में स्थित है जिसका कुल मूल्य 3,85,500/- रुपए है और कुल क्षेत्रफल 12301 चौ० मी० है। सब रजिस्ट्रार सडौदा 615 नम्बर पर जनवरी 85 में रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-2, श्रहमदाबाद

तारीख: 26-8-85

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 26 श्रगस्त, 1985

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० $^13779/2/85-86$ - श्रतः मुझे जी० ने० पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके रक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के राधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1.,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० दुकान, वार्ड, सडौदा, 33/7, 2988 है। तथा जो सगौदा में स्थित है (भीर इनसे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्पौर पूर्ण रूप से विणत है); रिजस्ट्रीकर्ता श्रविकारी के कार्यालय सगौदा में रिजस्ट्रीकरण श्रविनियम; 1908 (1908 का 16) के श्रदीन जनवरी 1985

को प्रशेवित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रथमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि गथापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रत प्रतिफल का पंद्रत प्रतिफल का पंद्रत प्रतिफल का पंद्रत प्रतिफल से एसे उन्तरितों और अंतरिती (अन्तरितियों) के बाव एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्टिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निकिचि∷ व्यक्तियों, अर्थात् ः--- (1) श्री मुलेमान ग्रलोभाई पटेल प्रतापनगर रोड, सगौदा

(भ्रन्तरक)

(2) श्री करसनभाई प्रेमयाभाई 20, श्रमोक कालोनी, सगीदा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जार करके प्रवेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोए भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित्यक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के भाषा लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशाधित हों, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

दुकान जो वाडी, सगोदा में स्थित है जिसका कुल मूल्य 2,16,000/- रुपए है जिसकी कुल क्षेत्रफल 1331 चौ॰ फुट है। सब रजिस्ट्रार सगोदा 499 नम्बर पर जनवरी 1985 में रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

तारीख: 26-8-85

The state of the s

प्ररूप बाई.टो.एन.एस.-----बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन स्वना

शारत परका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाक 2 शितम्बर 1985

निदेश नं० पी० ग्रार० नं० 3780/2/85-86--- ग्रतः मुझे जी० के० पंडया

कायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्ये इसके पञ्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाबार मृत्य ¹,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौरजितके सं० 234, प्लाट नं० 37 है तथा जो खंडप्ररमा जिला साबखांग में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है); रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय ईडर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम; 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 25-2-1985

र्द्धा पर्वोक्स संपत्ति के उचित बाबार मन्य से कम के **स्वयंत्रा**न इंजिफल के जिल अंतरित की गई है और मफे यह विश्वाम करने का हारण है कि स्थापबॉक्त मस्पत्ति का उपित बाजार सन्द इसके इध्यमान प्रतिफल से, एमे एथ्यमान प्रतिफल का पन्दह गीतदात ये अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के की क एसे अन्तरण के निए तब पाया नवा आरायपास, निम्नतिखित उद्दोश्यों से उक्त अन्तरण निकास में हरम्परितः राज्य वे किशा नशा है :--

- (क) र एक में हाई किसी नाम की बाबर, उक्त स्री हास ते क्षीन का धने के राज्यक के बाबिए में राम। करने वर उससे बचने में सविधा के तिए: कें लंबा
- (ख) एसे किसी काप या किसी भन या बन्य लास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय बायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिकिएम, बा धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) ले प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या दिया शना चाहिए था, छिपले में सुविभा के लिए:

इत: अट. उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उदत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीना, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

(1) श्री लक्ष्मी दाल मिल्स टाईपे रोड, खंडप्ररमा, जिलाईडर

(ग्रन्तरक)

(2) श्रोतवाल दाल मिल्स टाईपे रोड, खंडप्ररमा, ता० ईडर

(अन्तरिती)

को मह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हु।

उक्त नम्पत्ति को बर्जन को संबंध में कोई भी आक्षप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं ब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों क्य स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति प्रकराः
- (ख) इस सूचना को राजपत्र मो प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधेहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिता हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यया है।

अनुसुची

मिलकत जो खंडप्ररमा में स्थित है जिसका कुल मृत्य 4,95,000/- रुपए है। सब रजिस्ट्रार, ईडर में 447 नम्बरपर दिनाँक 25-2-85 में रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी. सहायक ग्रायकर ग्राय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

तारीख: 2-9-85

अस्य बार्". टी. ५२. एव.

ज्ञायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-व (1) के अधीन सूच्ना

भारत सरकार

कार्योत्तव, महायक जायकर वायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-2, महमदाबाद

ं ग्रहमदाबाद, दिनौंक 2 सित्तम्बर 1985

निदेश नं० पी० ग्रार० नं० 3781/2/85-86--म्रतः मुझे जी० के० पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्धात 'जिक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-भ के अधीन सक्षम प्रीधिकारी की, यह विक्वास करने व्यक्तिरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रा. में अधिक है

श्रीर जिनकी सं 543/1, प्लाट नं 4048, है तथा जो नौगलपुर भटनेण में स्थित है (श्रीर इमसे उनाबद्ध श्रनुसूची में श्रीरपूर्ण का से विगित है); रजिन्दी कर्ता श्रीध कारी के कार्यालय भटने गा में रजिन्द्रोकरण श्रीधिनियम; 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 19-1-85

को पर्योक्त सम्बन्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मृभे हर विश्वाम करेगे का कारण से कि यथापवींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान दित्रफल का पंप्रहें प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए हय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उदबेश्य से उक्त सन्तरण निखत में बास्तिषक रूप से अधिक नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हर्ष किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, १९२६ (१९२२ का ११) या उनत अधिनियम, ६. भन-कार अधिनियम, १९५७ (१९५७, का २७) के प्रयोजनार्थ अम्तिरिती देवारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण ब्रॉ, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, व्यक्षीत् :--- (1) श्री पिताँबर परसोत्तमभाई पटेल कृष्मा सोसाईटी मटसाणा

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नारणीभाई कोसरामाई वेटेल भटरेणा, जिला महसीणा

(भ्रन्तरिती)

को यह मृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजप्रक में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्त व्यक्तियों यो सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचनो के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उनेत स्थापर सम्पत्ति में हिते-बद्भ किमी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दिकरणः — इसमें प्रयम्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पीरभाषित हैं, कहा क्यें राज्य जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

जमीन जो नाँगलपुर, भटलाण में स्थित है जिलका कुल मूल्य 1,21,401/- चाए है सब रजिल्ट्रार, भटयाणा में रजिल्टर्ड की गई है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

तार**ेख**ः 2-9-85 -

मोहरः

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. ५-----

भागकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालय महायक **बायकर बायकः (निरीक्षण)**

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 11 सितम्बर 1985

निदेश सं० जी० आई० आर० संख्या 93/37ईई/ए क्यु०— यन: मुझे श्रीमती यू० कान्जी लाल बायकर गोधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स को सधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

म्रोंग जिसकी सं अाफिस नं 19 है तथा जो 11, एम० जी० मार्ग, हबीब उल्ला कप्पाउन्ड, लखनऊ में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री कर्ता अधि कारी के कार्यालय अर्जन क्षेत्र, में भारतीय आयकर अधि-नियम 1961 के अधीन दिनांक 9-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पावा गया इतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण किवित वें बास्तविक रूप से किवित गई किवा गवा है हिन्स

- (का) जनसरण से हुई किसी बाव की बाबत, उपक विभिन्नियम के वधीन कर दोने में जनसरक को दायित्व में कभी करने या उससे क्याने में सुविधा के निए; और/बा
- (स) ऐसी किसी भाग या किसी भन या कन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-रूप अधिनियम (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, स्त्रियाने में सविभा के निए।

कतः ज्ञाब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अभीन जिस्तीचित व्यक्तियों, अधित :----24----276 GI/94 (1) मैसर्स हलवासिया प्रापटींज (प्रा०) लि० हलवासियाकोटं हजरतगंज, लखनऊ

(अन्तरक)

(2) मास्टर सुमान चोपड़ा (नाबा०)

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन क लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

नन्सूची

आफिसरनं० 19, फोर्थ फिलोर पर पैमाईसी 275.76 वर्ग फिट कामर्स हाउस में स्थित 11, एम०जी० सार्ग बीब-उल्ला कम्पाउन्ड, लखनऊ करारनामा जोकि अर्जन क्षेत्र क्रम संख्या 108पर दिनांक 9-1-85 को सक्षम प्राधिकारी द्वारा पंजीकृत किया जा चुका है।

> श्रीमती यू० कान्जी लाल सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र लखनऊ।

तारीख : 11**-9-**85

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भामक्त (निरक्षिण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 11 सितम्बर 1985

निदेश सं० जी० आई० आर० सं० 94/37ईई/ए क्यु०---भतः मझे श्रीमती य० कान्जी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं अाफिस नं 6 भौर 7 है तथा जो 11, एम जी जो मार्ग हवीब उल्ला कम्पाउन्ड लखनऊ में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन क्षेत्र में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन, तारीख 8-1-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहक्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नीवित उद्दूष्टरेय से उक्त अन्तरण किलिसा में बाक्तविक क्य से कथित नहने किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः इतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अम्सरण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नोलिखत व्यक्तियों, अर्थात्ः—

(1) मैसर्स हलवासिया प्रापर्टीज (प्रा०) लि० हलवासिया कोर्ट, हजरत गंज, लखनऊ

(अलतरक)

(2) श्रीमती शारदा मुलाडी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्ति हों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में . दरिभाषित हों, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

ग्रनुसूची'

आफिसरनं० 6श्रौर 7 यर्ड फिलोर पर पैमाईसी 540 वर्ग-फिट कामर्स हाउस में स्थित, 11. एम० जी० मार्ग ह्वीबउल्ला कम्पाउन्ड हजरतर्गज लखनऊ करारनामा जोकि अर्जन क्षेत्र क्रमसंख्या 109 परदिनॉक 8-1-1985 को सक्षम अधिकारी लखनऊ द्वारापंजीकृत किया जा चुका है।

> श्रीमतीयू० कान्जी लाल सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ ।

तारीख: 11-9-1985

प्रक्ष नादौ, दी, एन , एस .,-----

बाक्कप निर्मित्तक, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-व (1) के वर्धीन बुक्रवा

भारत चर्चार

कार्यांसय, सहायक भायकर नामुक्त (रैनर्राक्रण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 11 सितम्बर 1985

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या बी-132/एक्यु०---यत:मुझे श्रीमती यू० कान्जी लाल

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें एरकात् 'उनत मिधिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के मधीन सक्षम प्रोधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उण्यत बाजार मून्य की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उज्यतान 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

धौर जिसकी संख्या मकान नं० 8 का हिस्सा है तथा जो दैगोर टॉऊन, इलाहाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनु-सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम दिनांक जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है बार मुम्में यह विस्वासं करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित्त बाजार कृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिस्त से अधिक है बार बंतरक (बंतरका) और बंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के जिए तब पावा वया ब्रिटिक्स निम्न्जिवित बहुवस्य से उच्छ कृष्टरण विवित्त में बार्स्टिक्स क्य से कार्यक क्यां कार्यका कर विविद्य में बार्स्टिक्स क्य से कार्यक व्यां

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय का बाबत, उन्नर निवय के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कमी करने या उससे कलने में सुविधा के लिख्; बीद/वा
- (थं) एसी किसी जान या किसी जन ना जन्म आस्तियों को, चिन्हों भारतीय बायकर विधिनयन, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनयन, या चन-कर विधिनयन, या चन-कर विधिनयन, 1957 (1957 का 27) के प्रकोचनार्थ जन्मीरती ब्वास प्रकट नहीं किया नवा था वा किया वाता चाहिए था, किया में विद्या वे विद्या

अत: अब जनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वो, बो, उन्नत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निकासिकत स्पितियों, अर्थात् ६(1) श्री रामकृष्ण सहकारी आवास समिति लि० इलाहाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीबी० के० श्रोझा

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूजानियं संगरित के अर्चन के विश् कार्यनाहियां कारता हो।

उन्तर रामरित से भूपीय से सुन्युत्व में मार्थ ही भागीय हान-

- (क) इस सूचना के रावपण में प्रकाशन की तारीब ते 45 विश्व की जबीभ या तत्सम्बन्धी स्थितत्यों पर सूचना की ताबीब ते 30 दिल की जबीब, को भी नवीब माद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त क्यांक्तयों में से किसी स्थित दुवारा;
- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाबन करें। तारीक स 45 किन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य स्थितित द्वारा कथोहस्ताक्षरी के राष्ट्र निस्ति में किए का सकोंचे।

स्वध्यक्तिरण:--- इसमें प्रमुक्त वन्नी बीर पर्यों का, को उनक विधिष्यम् के सध्याय 20-क में परिभाविक हैं, वहीं वर्ष होगा को वस सध्याय में विवा गया है।

अनुसूची

मकान नं० 8 का हिस्सा, पैमाईसी 711.11 वर्ग-गज, स्थित टैगोर टाउन इलाहाबाद, (जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीब तथा फार्म 37-जी संख्या 1912 में वर्णित है (जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी इलाहाबाद में जनवरी, 1985 को किया जा बुका है।

> श्रीमतीयू० कान्जी लाल सक्षम अधिकारी सहायम आयकर आयुक्त (निरीक्षी) अर्जन क्षेत्र, शखनऊ

तारीख: 11-9-85

मोहर 🛭

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या डी-61/एक्यु---यतः मुझे, श्रीमती यू० कान्जी लाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त बिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति विसका उजित बाजार मृत्य

1,00,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं प्रौर जिसकी संख्या मकान नं 2/209 है तथा जो सुन्दरपुर, परगना बेहात असान, जिला वाराणसी में स्थित है (घाँर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में घाँरपूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1985

को पूर्वोक्स सम्परित के उवित बाबार मून्य से कम के क्यमान प्रितिफल के लिए अन्तर्गरत की गई है और मूफी यह विश्वास करने का कारण है कि यंथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूच्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से सिफल है और अंतरक (अंतरकों) भीर अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया पया प्रतिफल, निम्नसिचित उद्वोचय से उक्त अन्तरण सिचित के बास्तिक कम से क्यित नहीं किया पता है —

- (क) मन्तरण वे हुई किती नाव की वावत उक्त विच-निवय के बधीन कर देने में बंतरक के दावित्य में कमी करने या उससे बचने में बुविधा के लिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी जाव या किसी धन या जन्य जिस्स्यों की, चिन्हीं भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनवम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाला चाहिए था, कियाने में व्याचा वी चिह्;

बतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री दुर्ग प्रसाद

(अन्तरक)

(2) श्री दीज नारायन राय

(अन्तरिती}-

को **दह स्वना बारी करके प्रांक्त सम्मरित के वर्षन के सिए** कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपस्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के गस लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरुण:--इसमें प्रयुक्त कन्दों और पर्दों का, जो उनके विविधम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अनसची

मकान नं० 2/209, पैमाईसी के 250 वर्गफिट स्थित भुन्दरपुर, परगनादेहातसानत जिला वाराणसी (जैसा कि 37-जी संख्या 119-में वर्णित है) जिल्ला पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वाराणसी के कार्यालय में जनवरी, 1985 को किया जा चुका है।

> (श्रीमती यू० कान्जी लाल) सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षी) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ ।

नारीख: 13-9-1985

प्रकल कार्य । की , एव , धुरा । ० ० ० ०००

भावकर वीपनिवन, 1961 (1961 का 43) की चान 269-म (1) के वभीन क्लान

प्राप्त स्ट्रिकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 1-1 सितम्बर 1985

निर्वेश सं० आई० आर० संख्या एच-57/एक्यु०---यतः मुझे श्रीमतीयू० कान्जलाल

नावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके बश्चात् 'उक्त विधीनयन' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्त प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृक्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं।

ग्रीर जिसकी संख्या भूमि है तथा जो बक्शी उपहार, परगना चायल, जिला इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजर्म्झा म्ली अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रिजर्म्झी करण अधितियम, 1908 (1908का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1985

अहीं पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अविकल के लिए अन्तरित की गर्द हो और मुन्ने यह विश्वास करने का करण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एंसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया इतिफल, निम्नसिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविक्त में बास्विक रूप से कथित नहीं किया गया है ॥——

- (क) अन्तरमा से इन्द्र कियों नाय की दावत, अपत अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के खिरास्य वी कवी करने वा उचने वचने में स्विधा के लिए कर्रिश्वा
- (क) ध्रेसी किसी बाय या किसी भन वा अन्य बास्तियों को चिन्ह्ं भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या अन्य अधिनियम, या व्यक्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्यरिकी ध्यारा प्रकट नहीं किया सवा या चित्रया जाना जाहिन् था. कियाने जे स्वियान के किया;

नतः जन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनसरण में, जैं, उक्त विभिनियम की गास 269-व की सपभाष (1) के जधीन, निम्नलिखित न्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री मुतीब अहमद उर्फ मजनू

(अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती हीरा देवी2. श्रीमती विमला देवी

(अन्तरिती)

को वह सूचना वारों करके पूर्वोच्य संपत्ति के अर्थन के जिए फार्यनाष्ट्रियों करता हुई ।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के नंबंध में कोई भी भारते :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में त्रकायन की शारीच से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी श्यक्तियों पर सूचया की शामील से 30 दिन की अविवि, को भी क्विध बाद में समाप्त होती हो, के मीलर प्रकेंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वास;
- (थ) इस खूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित्त-बद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षरी पास सिविष्ठ में किए जा करोंगे।

पंपसंची

भूमि पैमाईसी 483--वर्ग मीटर स्थित बक्सीस उपहार, परंगना चायल जिला इलाहाबाद (जैसा फार्म 37--जी संख्या 1811 में वर्णित हैं (जिसका पंजीकरण रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी इलाहाबाद के कार्यालय में जनवरी 1985 को किया जा चुका है।

> (श्रीमती यूकान्जी लाल) सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (रिनरीक्षी) अर्जनक्षेत्र, लखनऊ।

नारीख: 11-9-85

प्रक्ष बाह्री, टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत त्ररकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 13 सिसम्बर, 1985

निर्देश सं जी ्याई संख्या जी 83 /एक्यु — यतः मुझे श्रीमती प्०कान्जी लाल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या मकान है तथा जो ककघरा मधुं आपुरा, मुरादाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास एरमें का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिठ उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तिक रूप से किथत महीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कभी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भौ, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) भी अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अचित् ः— (1) श्रीमती सत्यवती मिश्रा

(अन्तरक)

(2) श्री गजेन्द्र पाल सिह

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ज्ये भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोदत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुधारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाशिक्ष है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

मकान पैमाईसी 174.93 वर्ग मीटर स्थित कटघरा, मछुवारा, मुरावाबाद (जैसा फार्म 317-जी संख्या 594 में विणत है (जिसकापंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुरावाबाद के कार्यालय में जनवरी, 1985को किया जा चुका है।

श्रीमतीय्० कान्जी लाल सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षी) अर्जन क्षेत्र, लखलऊ।

तारीख: 13-9-1985

प्ररूप आहर्र. टी. एन. एस.-----

काथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 सितम्बर, 1985

जी श्राई० ग्रार० संख्या एल०-50/एसयू०---श्रत: मुझे, श्रीमती यू० कान्जी लाल जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

जिसकी मं० भूमि है तथा जो ग्राम-भागपुर मिठोनी,
मुराद।बाद में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर
पूर्ण का से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय
मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जनवरी, 1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूख्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसं क्यमान प्रोडफस का
वन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती
(अन्तरितयों) के बीच एसे बंतरण के सिए दय पाण
च्या प्राहफस, निम्निलिक उद्योग से उनत बंतरण निर्वित में
मम्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण संहुद्धं किसी नाम की बायता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व मां कजी करने या उससे बचने मां सृष्टिया के लिए; भार/का
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय त्रायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या धनसर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा था का किया जाना चाहिए वा स्थिपाने में मौबधा के लिए,

अत: शव, उक्त आधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नजिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् ;--- (1) श्रो वेद प्रकाश छल

(भ्रन्तरक)

(2) लेबर सहकारश्रावास समिति जि॰ मुरादाबाद द्वारा सचिव श्री प्रेम सिंह (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्मत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र :---

- (क) इस स्थान के रायपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की जबीध सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर क्यान की तासीस से 30 दिन की अवधि, थो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सुचना के राजपन को प्रकाशन की तारीख ह 45 दिन को भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बव्ध-किसी बन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी बी बाह्य निवित्त को किस्र का नकी थे।

स्पर्वाकरण:—इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, ह°, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

भूमि पैमाईसी 1.04 डिसमिल स्थित ग्राम-भोजपुर मिठौनी, मुरादाबाद (जैसा फ़ार्म 37-जी० संख्या 52 में वर्णित है) जिसका पंजीकरण रजिस्द्रीकर्ता ग्रिधिकारी मुरादाबाद के कार्यालय में जनवरी 1985 को हिया जा चुका है।

> श्रीमती यू० कान्जी लाल सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी महायक श्रायकर श्रायुक्त श्रर्जन रेंज, लखनऊ

नारीख . 12~9−1985

प्ररूप बाइं.टी.एव.एस. -----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुमना

भारत स्रकार

कार्गाजय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) श्रजैन रेंज, लखनळ

लखनक, दिनाक 11 सितम्बर 1985

सं०जी० ग्राई० ग्रार० सङ्यापी०~139/एकवी०—ग्रत मुझे श्रीमती यू० कान्जी लाल

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो ग्राम-भानपुर, देहास लाइन ग.र १७ वर मुरादाबाद में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध श्रमुस्ची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधि-कारी के जायिलय, मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रथीन, नारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त संपरित के उधित बाजार मृत्य से कम के रागमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार पृच्य, उसके रूक्यमान प्रतिफल से एसे रूक्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिस्तित में गस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुइं किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए गर/या
- (क) ऐसी किसी बाब वा किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के फिए:

बत्तः अब उक्त विधिनयम की भारा 269-म के बनुसरक मं, मं, इक्त विधिनयम की भारा 269-च की उपभारा (1) के ज्योग जिल्लानिकत व्यक्तियों, जर्भात् :---

- (1) 1. श्रामती परवताः
 - 2. श्रामती गंगा देई
 - 3 श्र*ा*मर्त्। चन्द्रा

(अन्तरक)

(১) श्रं/ प्रेम नाथ

2. श्रीमती सतीश कुमार

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति संपरित के वर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास जिस्सा में किए जा सकोंग।

स्पष्टीकरण :— इसमे प्रयुक्त शन्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा हैं॥

घनुसूची

भूम पमाईसी 0.89 डिसमिल स्थित ग्राम मानपुर नरायनपुर, देहात लाइनपार परगना श्रीर जिला-भुरादाबाद (जैमा फार्म 37-जी० संज्या 800 मे वर्णित है), जिसका पंजोकरण रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी मुरादाबाद के कार्यालय में जनवरी, 1985 को किया जा चुका है।

> श्रीमती मू० कार्जी लाल रुक्षम प्राधिकारी निरीक्षी महायक श्रायकर श्रायुक्त श्रर्जन रेज, लखनऊ

तारीख: 11-9-85

प्ररूप आइ. टी एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, मङ्ग्यक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 12 मिनम्बर 1985

जी श्राई० ग्रार० संख्या गी०-140/एक्वं(०-ग्रत: मुप्ते, श्रीमती यू० कान्जा लाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

1,00,000/- रु. से अधिक हैं शीर जिसकी संख्या भूमि है तथा जो प्राम-खारगपुर फरोदी नगर लखनक में स्थित है (प्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में प्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्राक्क्ती प्रधिकारी के शायिला, लखनक में रिजस्ट्राक्कण प्रधिनियम, 1908 (1908 हा 16) के प्रयीन नारीख जनवरी, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास कृष्ट्रों का कारण है कि यथापृत्रीक्त मंपित का उचित बाजार मूल्य, उनके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रशिवात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्दश्य से उक्त अन्तरण निस्ति के वास्तिक रूप से कथिन नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाबत, उक्त श्रीधनियप के अधीन कर दोने को अंगिनक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उन्न अधिनियम की धारा 269-ए के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिशित व्यक्तियों, अर्थात :---- 25—276 Gl/85

(1) श्रो राम ग्राधार

(भ्रन्तरक)

(2) मैं मर्म प्रभाव सहै गरी स्रावा समिति लि० लखनक

(श्रन्तरितः)

(3) विकेता (बह् व्यक्ति, जिसके ऋधिभोग में सम्पत्ति हैं)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इसस्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकारी।

स्पव्यक्तिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

भूमि पैमाईसी 52951 वर्ग-फीट स्थित ग्राम-खारगपुर परगना, तहरु ग्रीट जिला लवनक (जैसा फार्स 37 जीरु संख्या 10607 में राणित है), जिलात पंजीकरण राजिस्ट्र -ार्ना ग्रीधार लखाक के कार्यालय में जनवर 1985 को किया जा चुला है।

> श्रामनी यू० ारजे ताल अक्षमा प्राधि । री निरीक्षी सहायक द्यायकर द्रायुक्त द्यर्जन रेज, लखनक

मार्गिख: 12**-9-85**

प्रस्प बाई .टी .एन .एस .-----

आगक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

भर्गालय, सहायक लायकर आयुक्त (निरीक्रण)

श्रजंग रेंज, लखनक लखनक, दिनांक 12 सितम्बर 1985

सं ० जो ० ऋहि० ऋ। २० संख्या पी ०--1 4 1/एक्वी ——श्रतः सुकी, श्री सर्ताः यु० द्यार्त्जाः लाल

आयमार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या महात है तथा जो प्रेम नगर भरमकान्टा, बरेली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से निणत है), रजिस्ट्रेंकर्ती श्रिधकारी के कार्यालय बरेली में रजिस्ट्रेंकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित शाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है आर अंतरिक (अंतरितियों) को अंद अंतरिक (अंतरितियों) को जीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिख उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (का) अन्तरण से हुई किसी आग की गावत, उक्त अधिनियम् के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में किमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर उधिनियम, 10 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्दिधा के लिए:

क्तः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. सक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीर निम्नितियित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रा प्रताप किणोर अरोड़ा

(ग्रन्तरक)

(2) श्रह परमानन्द गोस्वामहि

(अन्सरिती)

(3) विकेता

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में क्योर्ड भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इत सूखना के राजवत्र मों प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मो दिनाव किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त मों किए मा सकोंगे।

स्पत्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त निधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नन्स्ची

मकान पैमाईसी 475 वर्ग-गज स्थित प्रेम नगर धरम कान्टा, बरेला (जैसा फ़ार्म 37-जीठ संख्या 10278 में विणित है), जिसका पंजातरण रिजस्ट्राटर्ता श्रधिकारी बरेली के कार्यालय में जनवरी, 85 को किया जा चुका है।

> श्रोमती यू०कान्जी लाल सक्षम प्राधिक री निरीक्षी सहायता ग्रायक्त श्रायुक्त श्रर्जन रेंज, लखन्छ

नारीख: 12--9--85

परूप आई. टी. एन .पूस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुकत

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निशीक्षण) धर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 सितम्बर 1985

जीव ग्राईव ग्रारव संख्या ग्रारव-252/एक्की--ग्रत: मझे, श्रीमती यूव कान्जी लाल बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पव्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

1,00,000/- रह. से अधिक हैं और जिसकी सं० 5० न० 23/47/9/2 है तथा को मिट्यारा रोड़, इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपाबंद अनुसूकी में और पूर्ण छप में विणत है), रिजम्ट्रीकर्ता श्रीककारी के कार्यालय, इलाहाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रीकित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन नारीख जनवरी, 1985 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे श्रीयमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के भीच एसे अन्तरक के निए स्थ पाया गया प्रतिफल, निम्मिलिखत उद्योध्य से उक्त अन्तरण

लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचाने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

वतः जब, उक्त जीभीनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त आधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निय्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री रविन्द्र नरायन सिन्हा

(अन्तरक)

(2) श्री राजेश कुमार केसरवानी 2. श्री राम सेवक गुप्ता

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिट है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया या है।

अनुसूची

मकान नं० 23/47/9/2, पैमार्क्सी 376.32 वर्म-मीटर स्थित मटियारा रोड, इलाहाबाद (जैसा पार्म य37— जी० संख्या 1897 में विणित है), जिसका पंजीकरण रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी इलाहाबाद के कार्यालय में जनवरी 1985 को किया जा चुका है।

> श्रीमती यू० कान्जी लाल सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक श्रायकर ग्रापु**क्त** श्रजन रेंज, लखनऊ

तारीख: 12-9-85

प्रकार आर्थः दी एवः एकः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत तरकाइ

कार्यासय, सहायक मायकर मायक्त (निरोक्तक) ग्रर्अन रेंज, लखनऊ

. लखनऊ, दिनांक 12 सितम् र, 985 सं० जी० ग्राई० ग्रार० संख्या एस०-376/एक्नी--ग्रत : मुझें, श्रीमती यू० कान्जी लाल

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके प्रवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), का वारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित अजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या भूमि है तथा जो मौजा-सिकन्दरपुर, गाजीपुर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण म्प मे वणित है), राजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय गाजीपुर में राजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, नारीख जनवरी, 1985

करे पूर्वेक्सि सम्पत्तिः के अधित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रीतफल के लिए अन्द्रित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उपित बाजार भूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कस निभ्नतिबित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण निवित में बास्तविक कृष के कीथत नहीं किया गया है :—

- (क) बंतरण से धुव किसी बाय की बाबत, उनत अर्थ प्रश्नास के अभीत अर्थ धार्म के बन्तरक के बाबित्य में कामी कारने वा अससे बचने में धृष्या के जिए; स्रोत/या
- (च) एसी किसी अप वा किसी पन वा अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवीवनार्थ अन्यद्विती बुवाड़ा वृक्ट नहीं किया गया था वा किया थाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के जिए;

कतः तक, उकत विभिनियम की धारा 269-न के वनुसरण वो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के वधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :- (1) श्री गोपाल कुष्ण 2. श्री राम गोपाल

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीक्र^{ुग} सहकारी स्रावास समिति लि० गाजीपुर द्वारा सचिव, श्री श्राउपद्ध प्रसाद

(श्रन्तरिक्षीः)

को यह स्चना जारी करके प्यक्ति सम्पत्तिः के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हुः

उन्त नम्पील के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षण:---

- (क) इस त्यान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच भे 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तिकों पर व्यक्त की बामीन से 30 दिन की अवधि, जो बी कर्याः बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रविवद व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- किसी अन्य व्यक्ति इवारा स्थोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पाचीकरणः -- इसमें प्रयुक्त बन्दों भौर पर्यों का, जो उपर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है वही यर्थ होगा जो उप ग्राझ्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

भूमि पैमाईसी 4 बीधा 9 बिस्वा और 7 बिस्वान्सी स्थित मौजा सिकन्दरपुर, गाजीपुर (जैसा फार्म 37-जी० संख्या 75 में वीणत है) जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गाजीपुर के कार्यालय में जनवरी 1985 को किया जा चुका है।

श्रीमती यू० कान्जी लाल सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त श्रजंन रेंज, लखनऊ

तारीख: 1-9-85

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. - - -

नायकर नाभानयन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 न(1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निदेश स० जी० श्रई० श्रार० संख्या जी०-377/एक्बी० ---अत: मुझे, श्रीमती यू० कान्जी लाल

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इस की अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रुक्त से अधिक हैं

और जिसकी संख्या मकान नं० 6 है तथा जो सपू मार्ग, लखनऊ स्थित मे हैं (और इससे उपाबल ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ल ग्राधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में राजस्ट्रीकरण ग्राधितियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्स सम्मत्ति के उषित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान क्रिकेल के लिए अन्तरित को गई है और मृझ यह निक्तम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंत-रितियों) के औष एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल मिन्मिसिकत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक छप क्ष्म भ किए नहीं किया बना है कि

- (व, अन्तरण स हार्झ किसी आय की बाबत उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मा कमी करने या उससे बचने मां सुविधा के लिए. और/या
- (स, एसी किसी नाय या किसी धन मा कन्य कास्तियी को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (195) का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा पकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपान में मुविधा के लिए।

अतः अक्ष, उक्त अधिनियम की भ्रमरा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :- (1) मैसर्स किकूलाल ट्रस्ट कारा ट्रस्टी, श्री शिव नन्दन लाल तथा श्रीमती सरला लाल

(अन्तरक)

(2) श्री एस० पी० क्रिवधी

(ब्रन्तरिती)

को यह स्वना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर संचना है। प्रमान से 30 दिन का नवींभा, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्थानना मा में किसी व्यक्ति द्वार
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध फिना अन्य काजा द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेगं।

स्पष्टिकरण:---इसमा प्रावश शखा अप ।शा का, जो उक्त श्रिपियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, बही अर्थ हारा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्द्रची

मकान न० 6 स्थित सप्नू मार्ग लखनॐ (जैसा फार्म 37-जी' संख्या 11640 मे विणित है) जिसका पंजीकरण राजिस्ट्रीकर्ता प्रिक्षकारी लखनॐ के कार्यालय में जनवरी, 1985 के. किया जा चुका है।

> श्रीमती यू० कान्जी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

नारीख 13-9-85 मोहर , प्ररूप बाई. टी. इस. एव.-----

नामकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के जनीन सुचना

भारत सरकार

कार्बानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, लखनअ

लखनअ, दिनाक 13 सितम्बर 85

निर्देज स० जी० ग्राई० ग्रार० सख्या जी०-378/एक्बी०-ग्रत मुझे, श्रीमती यू० कान्जी लाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा
269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विक्वास करने
कारण ह कि स्थावर सम्पत्ति, चिसका उचित बाजार मृत्य
1,00,000/- रु. से अधिक ही
और जिसकी स० भूमि खसरा न० 128 है तथा जो
ग्राम-खरगपुर परीदी नगर, जिला-लखन उसे स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनूसूची मे और पूर्ण रूप से विणित है),
राजस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय, लखन उसे राजस्ट्रीकरण
ग्राधिनयम, 1908 (1908 वा 16) के ग्रधीन, तारीख
जनवरी, 1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इस्यमान

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृल्य, इसके दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अतरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मनिचित्त उद्युदेश्य से उक्त अंतरक लिचित के जास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की नावत, ठक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने दा उत्तर्ध क्ष्म में सुविधा अ िए, और/सा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपान में स्थिभा के अस्ट;

जतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के जनसरण जें, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के प्रधीन निम्नीलिजित व्यक्तियों, अभात :--- (1) श्रीमती शोधना राना

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ध्यान सिंह, सचिव गालीमार गार्धन, ईस्माईल गज, लखनऊ

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षण .

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी सविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स् 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हिस्सक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए का सकेंगे।

स्वक्टीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, को उनस बिभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभावित हीं, वहीं वर्ष होगा, को उस अभ्याय में दिवा गया है।

वन्स्यो

भूमि खसरा न० 128, पैमाईमी 9 बीघा स्थित ग्राम खरगपुर परीबीनगर पर० तह० और जिला-लखनऊ (जैसा फार्म 37-जी० सख्या 11079 में निगत है), जिसका प्रजी-करण रजिस्त्रीहर्ता प्रजिकारी लखनऊ के कार्यालय में जनवरी, 1985 को किया जा चुका है।

> श्रीमती यू० कान्जी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त_र(निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, लखनऊ

तारीख 13-9-85 मोहर प्रकव बाइं. टी, एन. एस.------

बादकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 268-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (मिर्डीकण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनॉक 12 सितम्बर 1985

निर्देश सं० जी० म्राई० म्रार० सख्या जी०-379/एक्बी०--म्रतः सुक्षे, श्रीमती यू० कान्जी लाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिलकी सं० दो मंजिला म० नं० 6/9/203 है तथा जो मोहरुला-कोठीवाल नरग मुराटाबाद में रिथत है (श्रीर ससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), जिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, जारीख जनवरी 1985

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मृल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल सं, एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास निम्निलिखित उद्दोष्य से उधा अंतरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किय गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त विध-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के बायित्य में कमी करने या उत्तर्श विधने में सुविधा के लिए, खौद/वा
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन वा जन्म आस्तियों को जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाडिए था, कियाने में धृविधा वे लिए;

क्क थव उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के जन्मरण वीं, बीं, उक्त सिधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के सधीम, निम्नितिवित व्यक्तिकों, अर्थाट रेस्स (1) श्रीमती भावित्री देवी,

(ग्रन्तरक)

(2) श्री शैलेन्द कुमार 2. श्री सुभाष चन्द्र

(ग्रन्थरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्वन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उच्छ संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेप हु--

- (क) इस सूचना के उपजपत्र में प्रकाशन की तारी के के 45 दिन की मनिष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की मनिष, जो भी कविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस भूषना के राषपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-नव्भ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए का स्थकेंगे।

स्पब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्रों का, जांउक्त अधि-त्रियम के अध्यास 20-के में परिभाषित हैं, यहां अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसुची

दो मंजिला मकान नं० 6/9/203 पैमाईसो 156.88 वर्ग-मीटर स्थित मोहल्ला कोठोवाल नगर मुरादाबाद (जैसा फार्म 37-जो संख्या 755 में वर्णित है), जिनका पंजीकरण रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी मुरादाबाद के कार्यालय में जनवरी 1985 को किया जा चुका है।

श्रीमती यू०कान्जी लाल मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

नारीख: 12-9-85

मोहरः '

प्ररूप आई टी एन.एस-----

नायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-भ (1) के नभीन स्चना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनॉक 13 सितम्बर 1985

निदेण सं० जी० आई० आर०संख्या यू०-44/एसवी---अतः मुझे, श्रीमती यू० कान्जी लाल शाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्थले परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा हैं). की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर सम्बक्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या मकान है तथा जो मोहल्ला-तबेला मुगदाः बाद में स्थित है (र्ग्राप इससे उपावड अनुसूची में श्रीप पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीवर्ता ग्रिधवारी के कार्यालय, मुरादाबाद में रिजस्ट्रीवरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वो क्स संपरित के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेश के अनुसार अंतरित कीगई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्स पूर्वोक्स सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बित के बास्तिक रूप से कन्तरण के लिए तब पाया

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर श्रीधीनगर्थ 10 7 (1057 का 20) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसा जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

क्त. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण बें, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन जिस्ति कित क्यीक्तवों, संवेत :--- (1) थीं जुनी लाल 2 श्रीमती वमला देवी

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती ऊषा
2 श्रीमती चन्चल ग्रग्नवाल
(श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्णकन सम्मीत क अर्जन के शाह कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृधना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं के बही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान पैमाईसी 141.73 वर्ग मीटर स्थित मोहल्ला तबेला मरादाबाद (जैसा फार्म 37-जी० संख्या 611 मे वर्णित है जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी मुरादाबाद के कार्यालय में जनवरी 1985 को किया जा चुका है।

> श्रीमती यू० दान्जी लाल मक्षम प्राधि तारी पहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज, लखनऊ

तारीख ' 13—9--85 मो**ह**र प्रकार बाह^र. टी. एन. एस. अ - - ----

बाधकर रुधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) में बमीन सुमना

शास्त्र सहस्राह

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनौंक 13 सिनम्बर 1985

निर्देश स० जी० म्राइ० म्रार० स० यू०--45/एक्घी०---म्रत : मुझे, श्रीमती यु० कान्जी लाल

भागकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके पश्चात् उथत अभिनियम कहा गया हैं), की भारा 269 के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- 7 में अधिक है

श्रोर जिसकी संख्या श्राधार हिस्सा प्रेमिसेज नं० 122 है तथा जो टैगोर टाउन इलाहाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्च) में श्रां२ पूर्ण रूप रू विश्वत हैं) विस्ट्रें कर्ता श्रिधिवारी के कार्यलय इलाहाबाद में रिजर्स्ट्र करण श्रिधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मृष्य से कम के ध्रयमान प्रिक्रिक के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उपित बाजार मृल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिष्ट से अधिक है है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से क्रिथत नहीं विश्वा गया है :--

- (क) नम्दरण ते हुं ै किको साथ भी बाबता, उपथ "पिरियम पे पार्ण सार दोने के समारक के प्रविज्ञ में सभी नाइणे वा जनके बचने में निष्णा के थिए स्रोद/का
- (स) एरेंसी किसी जाव सा किसी भन सा जस्य जास्ति। ते । जिन्हों भारतीय आय-कर जिथिनियम, 1922 (1922 को 11) या सकत जिथिनियम, या भनकर जिथिनियम, या भनकर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-गार्थ जन्तिरिती व्वास प्रकर नहीं किया गया था एर किया जाना जाहिए का किया में गिलिया जे जिन्हां की सिन्ह;

सत: सब, उपत अधिनियम की धारा 269-ए की अनूतरण में, में उधा अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अभीन, निम्न[©]लचित त्यक्तियों, अर्थात् :—— 26—276GI|85

- (1) श्री कें मां भट्टाचार्या,
- (म्रन्तरक)
- (2) श्रीमती उमा घोष

(भ्रातिसी)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्शित के अर्थन के सिप् कार्यवाहियां बुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के क्वान के संबंध में फ्रोहां भी बाओप ह---

- (क) इस ब्रावन के राज्यक में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविधि मा तत्सप्तन्थी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की लगिभ, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वाय;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाधन की नारीक कें 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हित्र क्ष्मुंच किसी सम्भ व्यक्ति देशांग अभोहस्ताक्षरी कें गास लिकित में किए था सकों के ।

स्वश्राक्षरक — इसमें प्रश्निक शब्दों और पदों का, जो अवद विधिनवस के अध्याय 20-क में परिभाविद ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ववा ही।

जन्त्ची

आधा हिस्सा प्रेमिसेज नं० 122, स्थित टैगोर टाउम (इलाहाबाद, जैसा फार्म 37-जी संख्या 2149 में वर्णित है) जिसका पजीकरण रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी इलाहाबाद के कार्यालय में जनवरी 1985 की किया जा चुका है।

> श्रोमती पू० कान्जी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, सखनक

तारीख: 13-9-1985

मोहर 🏰

प्रारूप आर्ड्: टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनौंक 13 सितम्बर 85

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह निश्चास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित प्राजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या भूमि है तथा जो चुप्पेपुर, शिवपुर, वाराणसी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, वाराणसी में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवरी, 1985

को प्योंकर सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एोमें दृश्यमान प्रतिफल को पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तन्कों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण सिखित में बास्तिक रूप से किंगत नहीं किया गया है कि

- (क) अंशरण से हुई किसीं आम की बाबत, अक्ट अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक करें वायित्व में कमी करने या अससे बन्दने में सुविधा के किए; और/या
- खि) ऐसी किसी आय या किसी धन मा अन्य जास्सिकी को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, भा धन-कर अधिनियम, 1057 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गंधा का बा किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा है किया

(1) मैसर्स शिस्क मिल्स मलदिहया, वाराणसी द्वारा पार्टेनर, श्री राज कुमार मेहरा व ग्रन्य

(भ्रन्तरक)

(2) सचिव, श्रजन्ता महकारी श्रावाम समिति लि० वाराणसी

(ब्रन्तर्त्तिः)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू. करता हुं।

उन्त बन्दीत के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीच चैं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिया चच सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, वा वा अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस स्वाप के राजपत्र में प्रकारत की तारीच च 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में द्विक-बद्ध किसी जन्म कावित द्वारा अभोइस्ताक्षरी चें पास निवित में किए था सकेंगे।

पक्टीकरण:—इसमें प्रयूक्त ज़क्दों और पदों का, को उक्क श्रीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही कर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया क्या हैशा

मगत्त्री

भूमि पैमाईसी 20 बिस्वा स्थित चुप्पेपुर, बाराणसी (जैसा फार्म 37-जी संख्या 127, में वर्णित है) जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता धिधकारी वाराणसी के कार्यालय में जनवरी, 1985 को किया जा चुका है।

> श्रीमती यू० कान्जी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्तर(निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

श्तः सव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीम निस्तिवत व्यक्तियों, अधीत :—

तारीख: 13-9-85

योहर 🛮

प्ररूप भाई. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अभीन सूचना

भारत सरकार

भागलिया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजंन रेंज, लखनऊ

लखनक, दिनाँक 13 सितम्बर 1985

निदेश सं० जी० म्राई० म्रार० संख्या बी०-133/एक्वी---श्रीमती यू० कान्जी लाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाह् 'उसत अधिनियमः' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी कों, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं

ष्प्रौर जिसकी सं० दो मंजिला मकान है तथा जो मोहल्ला ईदगाह रोड़ वागारत रुस्तम खाना, मुरादाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 को 16) के श्रधीन, तारीख 16-1-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ज्यमान अधिक के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार हमें दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरम के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिचित उद्देश्य से हक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया प्या है हन्न

- (क) अन्तरण से हुई किसी गाय की गावत, उक्त नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्ह^{र्ड} भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— () श्रीमती इन्द्र रानी ग्रग्यवाल

(ग्रन्तरक

(2) 1. श्री बिहारी लाल छाबड़ा । 2. श्रीमती शीला रानी ।

(श्रन्त रिती)

कों बह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के आर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास तिचित्त में किए जा सकोंगे।

स्थक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वे) मंजिला मकान पैमाईसी 117.68 वर्ग-मीटर स्थिल मोहल्ला ईदगाह रोड़ बागारत रुस्तमखाना, (ग्रादर्श नगर), मुरादाबाद जिसका पंजीकरण रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारीः मुरादा-बाद के कार्यालय में दिनाँक 16-1-85 को किया जा चुका है।

> श्रीमती यू० कान्जी लाल सक्षम प्राधिकारी निरीक्षण सहायक श्रायकर ग्रायुक्त श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 13-9-85

मोहरः

प्रकल आह्र टी.एन.एस.-----

मानकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भररा 269-व (1) को जधीन स्वता

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लंखनऊ, दिनौंक 13 सितम्बर 1985

निवेश संख्या जी० ग्राई० ग्रार० संख्या सी०-47/एक्बी---**ग्रतः मुझे, श्रीमती यू० कान्जी लाल,**

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्तः जिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, निसका उचित बाजार मृख्य 1,00,00ल ∕- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या भामि है तथा जो द्वारखेडा, तह० बिलारी जिला मुरादाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुभूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय चन्दौसी में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनाँक जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खब्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कि यथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य. उसके दृश्यभान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसिक उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे अव्यने में सुविधा केलिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आप या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनिशम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियमः या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जानः जाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए;

शतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. 約 राम
 - 2 श्री मही लाल
 - 3. श्री राम जी

(ग्रन्तरक)

(2) मैंसर्स चन्दौसी इन्डस्ट्रियल को-ग्रापरेटिय इस्टेट लिं० चन्दौसी, मुरादाबाद द्वारा श्री कमलेश चन्द्र (चेयरमैन) (भ्रन्तरिती)

को ग्रहस्थनाजारीकरके पूर्वोक्त सम्पत्तिके वर्जन केलिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (का**) इस स्**चनाके राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों स्चनाकी तामील से 30 दिन की नविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स्त) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में क्रि-बद्ध किसी व्यक्ति दुवारा, अधोइस्टाक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पर्ध्योकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तत जिल्लियम, इं अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ द्वांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि पैमाइसी 3.29 डिसमिल स्थित द्वारखेडा तह० बिलारी जि॰ मुरादाबाद (जैसा फार्म 37-जी संख्या 156 में र्वाणत है) जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी चन्दौसी के कार्यालय में जनवरी, 1985 को किया जा चुका है।

> श्रीमतीयु० कान्जी लाल सक्षम प्राधिकारी निरीक्षीक सहायक भ्रायकर भ्रायक्त ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 13-9-85

अरूप आर्घे. टी. एन. एस(.-----

सायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनौंक 13 सितम्बर 1985

निदेश सं० जी० ग्राई० ग्रार० संख्या डी०-62/एक्बी०--श्रतः मुझे, श्रीमती यू० कान्जी लाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इतमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन तक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

मौर जिलकी मंख्या एक मंजिला बिल्डिंग नं 509/147 है तथा जो पुराना हैदराबाद टी जी सिविल लाईन लखनऊ में स्थित है (श्री इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय. लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 31-1-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान कितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गबा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य ते उक्त अन्तरण लिखित मे नास्तिक रूप से किथत नहीं किया भया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भे, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री वासुदेव गुरनानी ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री दर्शन लाल कत्याल

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्वनाहियां करता हो।

उनत तम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधे हस्ताशरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणं:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्सूची

एक मंजिला मकान (बिल्डिंग) नं० 509/147, पैमाईसी 5870 वर्ग-फीट स्थित पुराना हैदराबाद टी० जी० सिविल लाईन, लखनऊ (जैसाफार्म 37-जी संख्या 10703 में विजित है) जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिविजारी लखनऊ के कार्यालय में जनवरी, 1985 को किया जा चुका है।

> श्रीमती यू० कान्जी लाल सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

त्रीख: 13−9−85

मोहर 🗓

प्रकप बार्ड. टी. एन्, एस.------

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाहा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 13 सितम्बर 1985

निदेश सं० जी० ग्राई० ग्रार० संख्या एच० – 58/एक्वी० – ग्रत: मुझे, श्रीमती यु० कन्जी लाल,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अभिनियम कहा गया है), की भारा 269-क के नभीन सक्षम प्राणिकारी की यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजिस याजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अभिक है

भ्रौर जिसकी संख्या भूमि है तथा जो ग्राम-परसेन्डा पर० लहरपुर, सह० व जिला-सीतापुर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, सीतापुर में रजिस्ट्रीकरण श्रीध-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी 1985

को पूर्वेक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्ममान प्रतिफल के लिए अंतरित् की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल कर पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण जिल्ति में शास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जान की बाबत, उक्क अभिनियम के अभीन कर दोनें के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे क्यान में सुविधा के सिए; और/या
- (भ) एभी किसी अब या किसी धन या अस्य आस्ति दे को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, किपाने में सुष्या के सिए;

अत: अब,, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बचीन, निस्नितिक्त व्यक्तिवाँ, वर्षात् ह— (1) श्री प्रताप सिंह

(भ्रन्तरक)

- (2) (1) श्री हरविन्द पाल सिंह
 - (2) श्री राजेन्द्रपाल सिंह

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सक्याँत के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्चन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षीप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अयिक्तयों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स अयिक्त मों में से किसी अयिक्त बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया वचा है।

धनुसूची

भूमि पैमाईसी 15 बीघा 15 बिस्वा स्थित ग्राम परसेन्डी पर० लहरपुर तह० हैं) जिला-सीतापुर (जैसा फार्म 37— जी संख्या 545 में विणत हैं जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिशिकारी सीतापुर के कार्यालय में जनवरी, 1985 को किया जा चुका हैं।

> श्रीमती यू० कान्जी लाल सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त ग्रर्जन रेंज; लखनऊ

तारी**ख**: 13-9-85

मोहरः

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस.:-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

न रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निदेश सं० जी० ग्राई० श्रार० संख्या एल०-51/एक्वी०---श्रतः मुखे, श्रीमती यू० कान्जी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या भूमि है तथा जो पिसयापुर, तह काशी-पुर नैनीताल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण क्य मेविणित है), रिजस्ट्रीक्ती ग्रिधिकारी के कार्यालय काशीपुर में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनितम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक जनवरी, 1985

को प्वेंकिर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- (1) 1. श्री गिरीराण सरन
 - 2. श्री प्रारविन्द कुमार
 - 3. श्री संजीव कुमार ।

(ग्रन्तरक)

(2) 1. श्रो लखवीर सिंह

2. श्री सुखवीर सिंह

(ग्रन्तिरती)

को यह पूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त लब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

पनुसूची

भूमि पैमाईसी 4 एकड़ स्थित पिसयापुर तह० काशीपुर, जिला-नैनीताल (जैसा फार्म 37--जी संख्या 90 में विणित है) जिसका पंजीकरण रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी काशीपुर के कार्यालय में जनवरी, 1985 को किया जा चुका है।

> श्रीमती यू० कान्जी लाल सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी, सहायक ग्रायकर ग्रायु**क्त** ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 13-9-85

मोहर ।

प्ररूप बार्ड .टी. एप .एच ..-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

भार्यासयः, सहायक जायकर जावृक्त (निर्देशिक)

श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निदेश संख्या जी० श्रार० संख्या एन०-97/एक्वी— श्रत: मुझे, श्रीमती यू० कान्जी लाल, श्रासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मन्परित, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं श्रीर जिसकी मख्या दो जिला महान है तथा जो श्रादर्श नगर हालोनी शितिल लाईन, रामपुर में स्थित हैं (श्रीर

नगर कालोनी सितिल लाईन, रामपुर में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ती श्रीधकारी के कार्यालय रामपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रीध-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जनवरी 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृस्य से कम के रहयमान पितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य उसके दक्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिनित उद्योग्य से उसत अन्तरण निम्नलिन में वास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, १०22 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., जियानं में मृतिका जै सिकः।

बत: जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण मैं, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हः— (1) श्रां सिया राम रस्तांगी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री नामे श्रली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिल् कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्मत्ति के नर्जन के संबंध वों कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्चना के राजपण में प्रकाधभ की तारी आ से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (च) इस स्वना के राज्यव में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पन्ति में हिन्यव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--क्रममें प्रयुक्त कब्बों और वदों का, शो उस्थ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होना जो उस अध्याय में विया गया हैं।

वन्द्रजी

दो मंजिला मकान पैमाईसी 175 वर्ग-गज स्थित म्रादर्श नगर कालोनी सिविल लाईन, रामपुर (जैसा फार्म 37— जो मंख्या 333 में वर्णित है) जिसका गंजीकरण रजिस्ट्री-क्रा प्रिकारों रामपुर के कार्यालय में किया जा चुका है।

> श्रीमती यू० कान्जी लाल सक्षम प्राधिकारी निरोक्षा, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त श्रर्जन रेंज, लखनऊ

मारीख: 13~9-8**5**

मोहर 🛭

प्रकृष बाही, दी. एव. एच. नननननन

भागकाः विभिन्नियः, 1961 (1964 का 43) काँ भारा 269-म (1) के विभीन क्यां

सारक सूत्रकार

कार्यासय, सहायक नायक र जायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 13 सितम्बर 1985 निदेश सं० जी० श्राई श्रार० संख्या एन-98/एक्वी--श्रतः मुझे, श्रीमती यू० कान्जी लाल,

नायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या भूमि है तथा जो कार्यापुर नैनिताल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक्ष श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता श्रीधानारी के कार्यालय, काशीपुर में रजिस्द्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त संपरित के उचित वाचार मूल्य से कम के क्यमाथ प्रतिफास को सिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास कुछ रने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित वाचार मूल्य उत्तके क्यमान प्रतिफास से, एसे क्यमान प्रतिफास का विश्व क्या विश्व क्या वाचाइ प्रतिचात से विश्व है बीर वस्तरक (बन्तरकों) बीर बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब पाया ग्या प्रतिकास, निम्निचित उद्देश्य से उच्त क्यारण जिल्ला में वास्तिवक रूप से काथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाव की बाबता, उचत अधिभियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा की शिष्ट; बौर/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भन्न: एभ, उक्त जिथिनियम की भारा 269-व के अनुसरण में, में, उक्त जिथिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिकित स्यक्तियों अर्थात् ए——

: —276GI/85

- (1) 1. श्री गुरदयाल सिंह
 - 2. श्री भगवान सिंह
 - 3 श्री शुकदेव सिंह
 - 4 श्री राजेन्द्र सिंह।

(श्रन्तरक)

(2) श्री नन्हे सिंह

(भ्रन्तरिती)

(3) केता (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को वह ब्याना वारी करके प्यानित संपरित के वर्षन के विव कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ;----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अविभिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पह सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

न्यव्यक्तिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

भूमि पैमाईमी 2 एकड़ 63 डिसमिल स्थित काणीपुर, नैनोताल (जैना फ़ार्म 37-जी संख्या 155 में बर्णित है) जिल्ला पंजीकरण राजस्ट्रोकर्ता श्रिधिशरी काशीपुर के द्वार्यालय में जनवरी 1985 को किया जा चुका है।

> श्री(मती: यू० कान्जी: लाल सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त अर्जन रेंज, लखनऊ

तारी**ख**: 13-9-85

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 13 मितम्बर 1985

निवेश सं० जी० ग्राई० ग्रार० संख्या एन-99/एक्वी ---श्रतः मुझे, श्रीमती यू० कान्जी लाल,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृस्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या वो मंजिला मकान है तथाजो मौजा मक श्राइमा टाउन एरिया पर० व तह० सौराम, जि०-इलाहाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सौराम में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 25-1-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यक्षान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और बृच्चे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एन्से इश्यमान प्रतिफल से एन्से इश्यमान प्रतिफल से एन्से इश्यमान प्रतिफल से एन्से इश्यमान प्रतिफल से एन्से इश्तिशत से अधिक है और अंतरिती (अंतरितियों) के बौच एसे अंतरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिकित इड्डेंक्स से उक्त अस्तरण सिकित में बास्तिक रूप से कथित प्रति क्या गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबस, अक्त अधिनियम में बभीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दासित्व के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) 1. খা ভার্র লাল
 - श्री सुक्खू
 - 3. श्री महंग्

(भ्रन्तरक)

- (2) 1. श्री नुस्ल इस्लाम
 - 2. श्री इमितयाज श्रहमद
 - अं इणित्याक ग्रहमद
 - श्री भो० मुश्ताक।

(अन्तरिती)

का यह तुमना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति में अर्थन के तिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वासीप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि कार्य में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित प्रवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा, अधोहस्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कान्यों और पर्यों का, जो अवस अर्डिनियन, के अध्याव 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

दो मंजिला मकान पैमाईसी 3836 वर्ग-फीट स्थित मौजा मक्रम्राइमा, टाउन एरियां पर० व तह० सौराम, जिला-इलाहाबार्द जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी सौराम के कार्यालय में दिनांक 25-1-85 को किया जा चुका है।

> श्रीमती यू० कान्जी लाल सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त ग्रजन रेंज, लखनऊ

तारीख: 13-9-85

प्रकृष् भार्च ्टी पुन पुपस _-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुव्या

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ लखनऊ, दिनाक 13 सितम्बर 1985 निदेश सं०पी—142/ए०सी०एक्यू०—अत: मुझे, श्रीमति यु० कान्जी लाल,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी स० भूमि है तथा जो मौजा लक्ष्मीपुर पट्टी, तहसील-काणीपुर, जिला-नैनीताल में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबड अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रेजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काणीपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, विनाक 31-1-85

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कन के दृश्यमान मितफल के लिए अन्तिरत की गई है और नुभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्म, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्सह प्रतिकृत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निकासित स्दृष्टेश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में धास्तिषक रूप से कांधित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से **हुई किसी** आय की बाबक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविभा के निए; और/या
- (का) एेसी किसी आय था किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमृसरण वें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) हे अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री नौबत सिंह।

(अन्तरक)

(2) मैससं प्रकाश ट्यूब्स लि० काशीपुर, मुरादाबाद द्वारा डिप्टी चीफ एक्जीक्यूटिव श्री केशय प्रसाद गुप्ता ।

(अन्तरिती)

(3) विकेता

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्फरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्िक अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस तृष्या के राष्पत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतुर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सृचना के राजपत्र में प्रकालन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि पैमाईसी एक एकड़ स्थित मौजा लक्ष्मीपुर पट्टी तहसील-काशीपुर, जिला-नैनीताल, (जैसा फार्म 37-जी संख्या 6 में वर्णित है) जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी काशीपुर के कार्यालय है दिनांक जनवरी, 1985 को किया जा चुका है।

> श्रीमती यू० कान्जी लाख सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेम क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 13-9-1985

ोहरः

अक्य नाहर् , टी., प्रन , प्रस , - - - --

बायक इ. मिशिनयस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के मभीन स्वना

प्राप्त पर्वाह

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (रिनरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनक

लखनऊ, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निवेश सं० जी० आई० आर/पी-143/एक्यू०---यतः मुझे, श्रीमती यू० कान्जी लाल,

भायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करूने का कारण है कि स्थावर सन्यत्ति, चिसका अधित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो टान्डा मल्लू, राम नगर नैनीताल में स्थित है (ग्रीर इससे ल्पाबड़ अनुभूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काशीपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के वन्त्रह प्रतिस्त से कृषिक है और जंतरक (जंकदक्ते) और जंसरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय नाम गया प्रतिक कर्न निम्नलिशित उद्वेष्य से उक्त जन्तरण मिश्वित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गवा है है—

- (क) बंतरूण से हुई किसी बाब की वाबता, उक्छ वीधिष्यम को स्थीन कर दोने को बंदरूक को दादित्व में कमी करने या उससे सचने में सूविधा के लिए; बॉर/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय. चा या किया चाना चाहिए चा, कियाने में सुविधा चौ सिए;

वतः शव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण भी, मी: अक्त अधिनियमं की धारा 269-य की उपभादा (1) भी अधीन, निकासिया व्यक्तियों, अधीत् :---

- (1) 1. श्री विष्णू भगवान
 - 2. श्री राम कुमार
 - 3. श्री रिव कुमार
 - 4. श्री विनय कुमार।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री प्रदीप कुमार
 - 2. श्री अशोक कुमार
 - 3. श्री राकेण कूमार।

(अन्तरिती)

(3) विकेता

(वह व्यक्ति, जिसके ग्राधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राषपण में प्रकाशन की तारीख के 45 विन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 विन की बर्बीध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्थानताों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस की 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिक्की बद्ध किसी अन्य व्यवित द्वारा अधोहस्ताक्षरी क पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः ----इसमें प्रयूक्त सम्बां और पवां का, को उक्त विधिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अभी होगा, को उस अभ्याय में विया गया है।

असम्ब

भूमि पैमाईसी 30 बीघा 15 बिस्वा स्थित टान्डा मन्लू, रामनगर नैनीताल (जैसा फार्म 37-जी संख्या 30 में बणित है) जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी काशीपुर के कार्यालय में जनवरी 1985 को किया जा मुका है।

श्रीमती यू० कान्जी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 13-9-1985

प्रका बार्' ुटी ु प्रग ु प्रश ु----≉≪

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-च (1) के संधीत स्चना

भारत तरुकार

कार्यालम, सहायक वायकर आयुक्त (मिरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निदेश सं० जी० आई० आर०/पी-144/ए० सी० ल्यू०---यतः मुझे, श्रीमती यू० कान्जी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परफात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,60,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० भूमि है तथा जो कवाकपुर, तहसील काशीपुर, जिला नैनीताल में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रांगर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय काशीपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान कितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंक्रम प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विध्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जुन्तरण से हुन्दै किसी नाय कर्तृ नावतः, सक्त वाधिनियम के जधीन कर्त्र को जन्तर्क को बाबित्व में कभी करने वा उत्तते वचने में सुविधा के किए; नीड/वा
- (स) एेसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनयम. 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनयम. या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृतिधा से सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) 1. श्रीमती हरजिन्दर कौर
 - 2. श्री लखबीर सिंह
 - 3. श्री सुखाबीर सिंह।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री प्रीतमसिंह
 - 2. श्री बचैल सिंह
 - 3. श्री सतनाम सिंह
 - 4. श्री लखविन्दर सिंह।

(अन्तरिती)

की बहु सूचना चारी करके पूर्वाञ्चत संप्रीत के अर्थन् के जिल् कार्यवाहियां करता हुं।

सक्त सम्परित के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा:
 - (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 विन को भीत र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्ब व्यंध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहम्ताक्षरी को पास सिवित में किए का सकोंगे।

स्यष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अमुस्पी

भूमि पैमाईसी 9 एकड़ 18 डिसमिल स्थित कथाकपुर' तहसील काशीपुर जिला नैनीताल (जैसा फार्म 37-जी० संख्या 162 में विणित है) जिनका पंजीकरण रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी काशीपुर के कार्यालय में जनवरी, 1985 को किया जा खुका है।

श्रीमती यू० कान्जी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 13-9-1985

वक्य वाद'्डी एन, एत----

नायकर निभिन्निम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) को नभीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनाक 13 सितम्बर 1985

निवेश र्स ० जी ० आई० अतर०/आर०-253/ए० सी० स्यू०---यतः मुझे, श्रीमती यु० कान्जी लाल

नायकर मिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इत्तमें इसके पश्चात् 'उक्त निधनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रा. से निधक ही

श्रीर जिसकी स० भूमि है तथा जो स्थित ग्राम सोनारी किच्छा, नैनीताल में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नैनीताल में र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य' उसके क्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किश्त नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा में सिद्ध; औड/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीन आय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) जो जनत निधिनयम, या धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ निस्ति व्याप प्रकट महीं किया यया था या किया जाना जाहिए था, जियाने में स्टिनभा की जिए;

अस्त अस्त, उन्त गरियोग्यम की पाडा 269-न ने सन्बरम श्री में में उन्त सीधीनयम की पादा 269-त की स्पभाद्य (1) से अधीय, निरमक्तियस स्वीतस्त्रीत स्थाय स्थल (1) श्रीमती सुगरा बेगम ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स आर० पी० इन्डस्ट्री, किच्छा, नैनीताल।

(अन्तरिती)

को यह स्वना बाड़ी करुके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्षन के निय कार्यवर्षियां कुक करता हुं [1]

उन्तु सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इत सूचना भी हाजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, को भी विषय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्य स्वित्यों में से किसी स्थित बुवाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाय अभोहस्ताक्षरी के पाझ सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभद्धित हैं, वहीं वर्ध क्षेगा, जो उस कथ्याय में दिया नवा हैं।

अनुसूची

भूमि पैसाईसी 7779.75 वर्ग फिट स्थित ग्राम सोनारी किच्छा नैनीताल में जैसा फार्म 37-जी सख्या 212 में वर्णित है) जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी किच्छा नैनीताल के कार्यालय में जनवरी, 1985 को किया जा चुका है।

> श्रीमती यू० कान्जी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखलऊ

तारीखा: 13—9—1985

मोह'र 🕄

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्बालय, सहायक कायकर काय्वत (निरीक्तण)

ग्रर्जनरेज, लखनऊ

लखनऊ,दिनाक 13 सितम्बर 1985

निर्देश सर्जी० ग्राई० ग्रार्थ्य सर्पार—254/एक्यु——ग्रनः

मुझे, श्रीमती यू० काम्जी लाल

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त निर्मिनयम' कहा गया ह"), की भारा 269-ख के सभीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्सास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रुत. से अधिक है

और जिसकी स० भूमि है तथा कि ग्राम भानपुर तह० काशीपुर जिला नैनीताल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) र्राजस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय वाशीपुर में रजिस्ट्रीकरण, ग्राधितियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जनवरी, 85

को पूर्वोक्षत संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास मृश्वे यह विश्वास करने का कारण है कि यथि पूर्वोक्षत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रस् प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विध्य से उसत अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से किंवत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरम से शुद्ध किशी माय की वायत, समय विभिन्नियम के विभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने वा उत्तसे वचने में सुविधा के निए; वीप/या
- (७) ऐसी किसी जाव वा किसी भन या जन्य जास्तिनों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त जिभिनयम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) है इवाबनार्व क्फिरिटी ब्वारा प्रकट नहीं किया बना वा वा किया वाना वाहिए वा जिना में सुविभा के लिए;

वात अर्थ, उसत अधिनियम की भारा 269-व के वन्तर में, मं, जकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) 1 श्री पुरधोतम लाल।

(ग्रन्तरक)

- (2) 1 श्री रधुबीर सिंह2 श्री ाक्ष्वबाल सिंह
 - 3 श्री कशमीर सिंह।

(श्रन्तरिती)

(3) विक्रेता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सपत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी वासोप ह---

- (क) इस सुचपा के राज्यन में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचपा की तामील से 30 दिन की वनिष, जो थी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपण में प्रकाशित की तारीब सै
 45 दिन के भौतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्यारा अभोहस्ताक्षरी के
 पास सिवित में किए वा बकोंगे।

स्वकाकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों बीर् पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितः . दें, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया स्याहा।

प्रनुसूची

भूमि पैमाईसी 7 एकग्ड 57, डिसमिल स्थित आम मानपुर तह० काशीपुर जिला नैनीताल (जैसा फार्म 37-जी सख्या 44 मे विणित है) जिसका पंजीकरण रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिक्षकारी काशीपुर के कार्यालय मे जनवरी, 1985 को किया जा चुका है।

> श्रीमती यू० कान्जी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज, लखन

दिनाक 13-9-1985 मोहर।

प्रक्ष आई.सी.एन.एस.-----

बायफर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, स्हायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखदऊ

लखनऊ, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निदेश सं० जी० श्राई० श्रार० संख्या श्रार-255/एक्यु--ग्रतः मुझे श्रीमतीयू० कान्जी लाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो मोहल्ला वजीरवाग लखनऊ में स्थित हैं (और ६ससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण ध्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्या से कम के रूपयमान प्रतिकल को लिए अन्तरिख की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित सम्बार सूल्य, उसको स्थ्यमान प्रतिकल से, एसे स्थ्यमान प्रतिकल को पंत्रह के काश्रीक के प्रथमान प्रतिकल से, एसे स्थ्यमान प्रतिकल को पंत्रह

आर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरफ के लिए तब पामा गवा प्रतिकल, निक्तिखिता उद्देश्य से उधत अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित । ही किया गया है :----

- (क) अस्तरण ने हुई किसी आग की शासत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तर्क के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय खायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मं स्विधा के लिए;

अतः नव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित रिवस्यों अर्थीन :—

- (1) 1. श्री मजहर ६ शतदा खां,
 - 2 श्रीमती नाहोद्र मनसूर,
 - 3 श्रीमती खालिद मनसूर,
 - 4. श्रीमती रूकसाना खान,
 - श्री रफीकउज्जमा खाँ।

(ग्रन्तरकः)

- (2) राज सहकारी गृह निर्माण समिति लि० लखनऊ। (श्रन्तरिती)
- (3) विक्रोना।

(वह व्यक्ति जिसके ग्राधिभोग मे सम्पति है)।

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन की संविध सा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास कि किसी में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भुमि पैमाइसी 17 बीघा 4 बिस्वा4 बिस्वान्सी और 17 कंचवान्सी स्थित मोहरूला वजीर बाग लखनऊ (जैसा फार्म 37—जी संख्या 10708 मे विणित है) जिसका पंजीकरण रजिरट्रीकर्ता प्रधिकारी जनवरी 1985 को किया जा चुका है।

यू० कान्भी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, लखनऊ

दिनाक 13-9-1985 मो**डर**ः प्रकथ बाइ. टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 13 सिनम्बर 1985

निदेश सं० जी० ग्राई० ग्रार० संख्या एस-380/एवयु---ग्रतः मुझे श्रीमशी यु० कान्जी लाल

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1 (19 000/- 75 से अधिक हैं

और जिसकी सं० भृमि है तथा जो करतपुर रुद्रपुर, जिला नैनीताल में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध प्रभुसूची में और पूर्ण रूप से वणित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय हलहानी में रजिस्ट्रीकरण प्रधितियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख जनवरी, 1985

कृतं पूर्वोगन सम्पत्ति के डिक्स बाजार मृस्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित काजार मृल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किवा नहीं किया नहीं है

- (क) अन्तरूप हे हुई किसी बाव की बाबत, सकत बीधिनियम के अधीन कर दोने के ब्लारक के दानित्व में कनी करने या उससे वजने में सुविधा के सिए; और/शा
- (ख) एसे फिसी आब का किसी थन ना अन्य नारिस्कां को चिन्हें भारतीय नामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर विधिनयम, या वज्न कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) वौ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए जा, कियाने में मुविका को खिए;

नतः नवः जनतः निधीनयमः कौ भारा 269-व नं अन्यरण नें, मैं, उसत अभिनियम कौ भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निध्नसित्तिक व्यक्तियों, अर्थात् ६— 28—276GI|85 (1) श्री भारत भूषण।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्भ शिव लिक श्रायन्स एन्ड फूडस, मिरतपुर तह० किच्छा, ननीताल।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पृत्रोंक्त मध्यसि के अर्थन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

अवत सम्पत्ति को वर्षन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी विधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवोंक्स व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (था) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तप्तांख ६ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिभित में फिए जा सकोंगे।

स्पन्धिकरणः--- इसमें प्रमुक्त लेखों और पदौका, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया शता है।

धनुसूची

भूमि पैमाइसी 29 बीघा 4 बिस्वा स्थित किरतपुर 'रूहपुर जिला नैनीताल (जैसा फार्म 37-जी संख्या 50 में बर्णित है) जिसका पजीकरण रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी हलक्षानी के कार्यालय में जनवरी 1985 को किया जा चुका है।

> यू० कान्जी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 13-9-1985

प्रकल काइ . दी . एन . एस . -------

मायकर सभिनियम, 1961 (1961 का 43) ची भारा 269-घ (1) के मभीन मृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज,लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 सितम्बर 1985 निदेश सं० जी० ग्राई० ग्रार० मंख्या बी-84/एक्य्--ग्रतः

मुझे श्रीमती यू० कान्जी लाल भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन स्क्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 1,00,000/-रु. से बिधक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो रामनगर जिला नैनीताल में स्थित हैं (और इसमें उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नैनीताल (काणीपुर) में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1985

को पर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिम्कल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती क्लंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निल खित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिकित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अरि/या
- (म) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती बनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीर निम्नीलिखित व्यक्तियों, अधीन :— (1) श्री बचन सिंह, श्री सरमुख सिंह।

(अन्तरक)

(2) 1 श्री विष्णुभगवान,2. श्री रिव कुमार,3. श्री विनय कुमार।

(ग्रन्तरिती)-

(3) विकेता।

(वह र्व्याक्त जिसके मधिभोग में सम्पति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करला हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्य किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिमित में किए जा सकींगे।

स्वक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त सध्यों और पर्वों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

भूमि पैमायसी 39 बीघा 12 बिस्वा स्थित राम नगर जिला नैनीताल (जैसा फार्म 37-जी मं 212 में विणित है) जिसका पंजीकरण रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी काणीपुर के कार्यालय में जनवरी, 1985 में किया जा कुका है।

> यू० कान्जी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रयु^{क्}त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ल**खन**ऊ

दिनांक: 13-9-1985

प्रकल नार्द्य, दी. ११व., एव., रूप

जायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीत स्थना

भारत चुड़कार

कार्याखय, सहायक बायकर बाबुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निवेश सं० जी० भ्राई० ग्रार० सं० ओ-17/एक्यु---ग्रतः मुझे, श्रीमती यु० कान्जी लाल

कामकार जीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतकों इसकों परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की जारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका द्वीजित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा से अधिक ही

और जिसकी मं० मकान नं० 6 है तथा जो मिन्टो रोड इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय इलाहाबाद में राजस्ट्रीकरण श्राधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन तारीख जनवरी, 1985

अ पूर्वों क्षत सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य सं कम से क्ष्यमान प्रितिक ल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह निकास करने का कारण है कि यक्षाप्यों कत सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके इच्यमान प्रितिक में, एस इच्यमान प्रितिक की पन्द्रह प्रोत्तकत से प्रियक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक न, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तिक क्य से किथत नहीं किया गया है ---

- (क) बन्तरण है हुए कियी बाव की बावत अकत बिधिनियम के लधीन कर-दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उसने बज़ने में सुविधा से भिएंह बहि/बा
- (क) एसी किती नाय या किसी भन वा अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (१.922 को 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कार अभिनियम, 1957 (1957 को 27) से प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गडा था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने डें स्विधा को सिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण वी, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) को अभीन . निस्तिविक्त कहिन्दवी, अभीद क्व-- (1) श्री ग्रब्दुल हई छान।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ओकार प्रसाद।

(अन्तरिती)

(3) कोता।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पति है)।

को यह सुचना बारी करके पृथाँक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त प्रम्पत्ति के वर्षन के बंबंच में कोई भी बांक्रोप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन की जनिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पष्ट सूचना की तामील से 30 दिन की सविधि, को भी जनिभ नाद में समान्त होती हो, के नीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकेंगे।

स्वक्रक्रिक रणः ----इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उक्त किंगियम, के कथ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्यहोंगा को उस कथ्याय में विया गवा है।

वन्त्रकी

मकान नं० 6, पैमाइसी 373 वर्ग मीटर स्थित मिन्टो रोड़, इलाहाबाव जिसका पंजीकरण राजिस्ट्रीकर्ता श्रीक्षकारी इलाहाबाद के कार्यालय में जनवरी, 1985 को किया जा चुका है।

> श्रीमली यू० कान्जी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 13--9--1985

शोहर∎

प्रकृप बाद . दी . एप . एवं . ------

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत रहका

क्श्यालिक, सहायक बावकर बायक्त (निर्जीक्रण)

श्चर्जन रेंज 2, मद्रास

मधास, दिनाक 10 सितम्बर 1985

निदेश २० 17/जनवरी 1985--म्रतः मुझे, श्रीमती एम सामुवेल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर 'सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 59 नेलसन माणिक्क मूदिलयार रोड़, है तथा जो मधास-29 में स्थित है (और इसमे उपाबक्क अनुसूची मे और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीक्स श्रिष्टकारी के कार्यालय कोडाम्बक्कम लेख सं० 154/85 में रिजस्ट्रीकर ग्रिष्टिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिष्टीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सपरित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उच्छोच्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्दरण से हूइ किसी बाद की बादत, उक्छ सिंभिनयम के अभीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी कर्ने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (वा) एंसी किसी भाग या किसी भन ना करण नास्तिकाँ की, जिन्हों भारतीय भाग-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था ना किया थाना खाहिए था, क्लिने में सुविधा के लिए;

मतः मन, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्र— (1) श्री वी० कासेश्वरन:

(अन्तरक)

(2) श्री पी० दामोदरन ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के वर्षन के तंबंध में कोई भी बालेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 निवासत में किए था सक्ताः

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जब्द अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित, ह", वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया भया हैं।

ग्रनुसूची

भूमि और मकान 59, नेलसन मणिक्क मूदलियार रोड़, श्रमिजिकर 154/85/कोडम्बाक्कम, मधास-29।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II मक्षास

दिनांक : 10-9-1985

प्ररूप आर्घ .टी .एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मधास

मधास, दिनाक 10 सितम्बर 1985

निदेश सं० 23/जनवरी 1985--श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 14, पेरियार नगर तिरूबो हिपूर, मधास19 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुबोहियूर लेख सं० 61/85 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1985 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विरुवास करने का कारण हो कि यथापुर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर आंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अधीत् ६—-

- (1) श्रीमती श्रार० वसंता और एस० रामानुजम । (अन्तरक)
- (2) डा० एस० महालिगम ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूनना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान--4, पेरियार नगर, हतिबोट्टियूर, मदास-19 तिष्वोट्टियूर लेख सं० 61/85।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 10-9-1985

प्रस्य आहें द्वी एन ह्य ुन्ना न्य

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक <mark>वायकर वाय्क्त (निरीक्षक)</mark>

ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मधास, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश मं० 24/जनवरी 1985—श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें समने परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 7, है तथा जो बारतबी एवेन्यु, बारतबी रोड, कीलपाक, मधास-10 में स्थित है (और धससे उपाबंध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्रा प्रधिकारी के कार्यालय, पुरशवाक्कम लेख सं० 42/85 में रिजिस्ट्रीकरण प्रधितियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान अतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित दाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दाधित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आर्सित्यों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा में स्विधा में स्विधा में स्विधा में स्विधा में स्विधा

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु— (1) श्री एन० के० विनायगम ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बी० एस० था।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की बारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृकारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तगरील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उर्वेत अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

पम्स्य

भूमि और मकान—7, बानरबी एवेन्यु, बारनबी रोड, कीलपाक, मक्रास—10, पुरशवाक्कम लेख सं $\sim 42/85$ ।

श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक: 9-9-1985

प्रकृष् आर्षः ही. एतः एसः -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जनः रेंज-2, मधास

मश्रास, दिनांक 10 सितम्बर 1985 सं० 36/जनवरी 1985—श्रतः मुझे, श्रीमती

एम० सामुबेल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह किरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मूल्य 1,60,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 257/हिस्सा विश्वमम्बाककम गांव है तथा जो मक्षास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीक्ता अधिकारी के कार्यालय तिश्वमबाक्कम लेख सं० 114/85 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1985

कुष्ट पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रित्तिक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल के पंग्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विचित्त में बास्तिम्क रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विध के लिए;

(1) डा० एन० सबापति।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एस० षण्म्गसुन्दरम्।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना **जारी करके पूर्वोक्स** सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क्ह) प्स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स ्रित की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि भाद में समाप्त हानेती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोष्ट्रस्ताक्षरी के पार लिखिश में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवस नया है।

असमाची

भूमि और मकान, के० के० नगर, मब्रास-78, विश्लाम्बावकम मक्रास, विश्लाम्बावकम गांव लेख सं० 114/85।

> श्रीमित एमः सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्राधुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मशस्र

कतः अबः, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निष्मिचित व्यक्तियों, अर्थास् :---

दिनांक : 10-9-1985

मोह?

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरौक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 9 सिनम्बर 1985

निदेश सं० 42/जनवरी 1985—ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभिन बाजार मूल्य 1,00,000/- रुठ. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० नं० 10/828/1, है तथा जो मक्षास में स्थित है (और इससे उपाबद ग्रुनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रीक्षकारी के कार्यालय कोयम्बतूर लेख सं० 313/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रीक्षिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन तारीख जनवरी, 1985

को पूर्वाक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के कश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित काजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिली (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए सच पाया गया प्रतिफल, जिम्लीजीवत उच्च का उक्त अंतरण जिल्लाम में बाल्सिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से क्रुड्र किसी आज की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कसी करने या उससे अचने में सूजिका के लिए; और/या
- (क्ष) एरेसी किसी आय या किसी धन वा अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीसिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री ए० एल० जयलक्ष्मी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एस० मुरूगेशन्।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए" कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं। वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान, टी० गम० नं० 10/828/ओर सं० 78, सौरिवालयम कोयम्बतूर, लेख मं० 313/85

श्रीमति एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मश्रास

दिनांक : 9-9-1985

प्रकण बाइ".टी.एन.एस.,------

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीत स्चना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, मदास मद्रास, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निदेश सं० 45/जनवरी 1985—श्रत: मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल;

नायकर निधित्तियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें ध्याके पश्चात 'उस्तर श्रीशितियम' कहा तथा हैं), की भाग 269-भा के मधीर सदेश की उत्तर हैं. हि विदेशन करने का फारण हैं कि स्थावर मन्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्ल 1,00,000/- रहे से अधिक हैं

और जिसकी सं० एस० नं० 672 है तथा जो कूनूर गांव में स्थित है (और असमे उपाबत अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्त अधिकारी के कार्यालय, कूनूर लेख सं० 55/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख जनवरी 1985

को पूर्विकत सक्पिति के उचित बाजार मूल्ट से कम के ध्यमजान ब्रितिकत के लिए अस्परित की गई है और मूझे यह विश्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार कृत्व, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पत्कल प्रशिक्त है और अन्तरक (अन्तरकार) बार अन्तरित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) बार अन्तरित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) बार अन्तरित से अधिक है और अन्तरण के लिए तब बावा क्या प्रतिफल, निय्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कैतिक कर वारा क्या प्रतिफल, निय्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कैतिक कर वारा क्या है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत सकत विचि-नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी अपने या उससे बचने में सविवा के लिए और / अप्र
- (य) इसी किसी जाय वा किसी धन या वाल बारियां की, जिन्हों नारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उपत बाँधनियम, या वसकर कर उपधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें सुविधा के निष्ट:

बत: बंब. उवत जीधनियम की भाषा 260-व से सन्बर्ध में, में, अबस अभिनियम की धारा 260-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नोनिसित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 29----276GY|85

- (1) श्री ए० ग्रण्चुत मेंनन और श्रन्यो की पावर एजेन्ट श्री ए० बालक्कुण्ण मेनन।
 - (भ्रन्तरक)
- (2) श्री कुन्ड लाल सूरी।

(ग्रन्तरिती)

की वह तुषना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इक सूचना के राज्यक को अकाजन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अस्तित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अस्पि, को भी अवधि वाज को वाजाया होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में दे किसी व्यक्तिय बुवास;
- (क) इस सुधान के राष्ट्रापण की प्रकाशन की तारीक है 45 किम को शीलर अल्ला स्थापर अंगितन मो तित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकिन को दिल का सकता

स्वकरिकरण ---इसमें प्रयुक्त अर्थ और धार्त का उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं सर्घ क्षांण को उस अध्याय में विका नवा हैं।

जनुसूची

भूमि और मकान भृनूर गांव सर्वे नं० 672, भूनूर लेख सं० 55/85

श्रीमित एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ज्ञायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, सब्रास

दिनांक : 10-9-1985

प्रकम बाई.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का भार 269-ज (1) के अधीन स्चना

भारत सहकार

कार्यासय, सहायक भायकर जागुक्त (जिरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-2, मन्नास मक्रास, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 57/जनवरी 1985—-श्रतः मुझे श्रीमती एम० सामवेल

अग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करमें का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित काजार मून्य 1,00,000/- का से अधिक हैं

और जिसकी सं० एस० एफ० सं० 292 संगन्र है तथा जो कोयम्बत्र में स्थित है (और इससे उपावद्ध ध्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) राजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय गांधीपुरम लेख सं० 297/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्विका सम्पत्ति के उपित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिकाल को जिल्ल अंतरित की गई है और मुफे यह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित याजार मूल्य, उतके दश्यमान प्रक्रिकल के ऐसे दश्यमान प्रितिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के जिए तय पाया गया प्रतिकल्ल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- [ंक) जन्तरण से हुए किसी जान की बावत, सक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के कलारक के सायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के सिक्ष; अधि/या
- (ण) एंसी किसी बाब या किसी धन या बन्त अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया नया था या न्तिया जाना चाहिए था, स्थिपाने में स्विधा से निए;

कतः अर्थ अकतः जिमियमं की भाषा 269-गं के जनुसरणं में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-यं की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखतं व्यक्तियों, अधीन:—— (1) श्रीमती डी० रेणुका।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती टी॰ मुकीला।

(ग्रन्त रिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति क वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मत्ति से बर्डन के सम्बन्ध में कोई भी भाओप :--

- (क) इब ब्रुचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वभि, जो भी, श्रवभि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोचन व्यक्तिस्ता में दे किसी व्यक्ति द्वाराह
- (व) हव बुजन में प्राप्त्य में प्रकारण की वाडीन में 45 दिन में बीचर क्या स्थानर क्यारत में दिवसहथ कियों क्या करिय हवाय स्थानस्थानकी में वास निर्देश में सिक्ष या सकीयें।

स्वादित्यः --इसमें प्रयुक्त कव्यों और वर्धों का, को संबंध शीधनियम के अध्यास 20-क में परिभावित ही, जड़ी कर्ष होना को उस अध्यास में वियर नवा ही।

अनुसूची

भूमि और मकान संगनूर, कोयम्बट्टर गांधीपुरम, लेख सं० 297/85।

> श्रीमिति एम० साम्वेस सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, मश्रास

दिनांक : 10-9-1985

माहर:

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निदेश सं० 52/जनवरी 1985----ग्रतः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमं' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव टीव एसव संव 249/3, वण्णानतुर शेष्ट्र हैं तथा को पोलच्की टाउन में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पोलच्ची लेख संव 90/85 में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1985

की पृत्रीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तर्रित की गई है और मुझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, जमके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गय। प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिता में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स नियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/धा
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

जत: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के मधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती सरस्वती।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० सोमगुन्दरम्।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के जर्जन के सम्मन्ध में कोई भी आक्षेप '---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं

अनुसूची

भीग और मकान—टी० एस० नं० 249/3, बण्णानतुरै रोड़, पोलाच्ची, पोलच्ची लेख सं० 90/85

> श्रीमृति एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, मन्नास

दिनांक : 10-9-1985

प्रकार बाहाँ, टरें, एन, एस,------

भायकर अधितियम 1961 (1961 का 43) की 269-म (1) के अभीन स्थाना

नारत सहस्रह

कार्याजय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्ण)

भ्रर्जन रेंज-2, मन्रास

मद्रास, विनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश मं० 66/जनवरी 1985—-म्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उच्चित्त बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव टीव एसव वार्ड नंव 31, महानिगपुरम कालोनी इंलगो स्ट्रीट है तथा जो पोलच्ची में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के नार्यालय पोलच्ची लेख संव 16/85 में रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जनवरी 1985

का पर्याप्त स्थान के अध्यास मान्य में कम के स्वयमान प्रतिपाल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिपाल से, एसे स्थ्यमान प्रतिपाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपाल, निम्नलिखित उद्योदय से उक्त अन्तरण लिखित को बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) बन्तरण ने हुन्दं कियी बाय की वाबत्त, उनका अधिनियम के अधीन कर दोन के सन्तरक के वादित्व में कमी करने वा उच्च वचचे में तृतिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाम या किसी धन या अन्य अस्तियों को, विक्त भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ध्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया थाना वाहिए था, छिनाने में सुविधा से सिहा;

बतः बवः, उक्त निधितियमं की भारा 269-न की अनुतरन भों, औं, उक्त अधिनियमं की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निकासिबित व्यक्तित्यों, अभीत् :--- (1) श्री डी० जोति प्रगामध्

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कुमार सामि।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के सिष्ट् कार्यवाहियां करता हुं।

सक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी नाओप :--

- (कं) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तितमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ख व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (च) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उत्कत स्थाधर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पाच निवित में किए आ सकांगे।

स्यव्यक्रिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त आयकर अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित-है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिवीं नमा है।

अनुस्ची

भूमि और मकान—पोलच्ची टाउन टी० एस० नं० 31, महालिगमपुरम कालोनी इंलगो स्ट्रीट, पोलाच्ची, पोलाच्ची लेख सं० 16/85 ।

> श्रीमित एम० सामुवे**ष** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्शन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 9-9-1985

मोहर ।

प्रकव बाई. टी. एन्. एत.------

जायकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मेपीन सूचना

भारत करकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास,दिनांक 10 सितम्बर 1985

निदेश सं० 70/जनवरी-1985---अतः भुझे श्रीमती एम० सामुवेल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जितका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव 87, मनुत्तम्पिंठ गांव है तथा जो कोयम्बतूर तालुक में स्थित है (और इसमे उपाव प्रमुची मे और पूर्ण रूप से विणत है) रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिक्षकारी के ज्ञार्यालय कोयम्बतूर, लेख संव 6/85 में रिजस्ट्रीकरण श्रिक्षित्यम 1908 (1998 का 16) के श्रिधीन तारीफ जनवरी 1985 को पूर्वोंक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गर्व हैं और मूके वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को पूर्व हैं अरेर मूके वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पुत्रह प्रतिक्षत से अधिक हैं और प्रतरक (अतरकों) और अम्बरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के नलए तय पाया नया शतिफल, नम्तिचित उद्वेदय से उन्हें अन्तरण कि का स्वित्त करण से किथा नहीं किया गया है :—

- हुँक) बन्तहरू से हुई किसी जाय की वाबस उक्स विभिन्निय के वधीन कर दोने के अन्तहरू वा दायित्व के कवी करचे था उससे वचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

क्षतः सम, उक्त जोधीनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त विभिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धाक (1) श्री मूल्कुष्णवेल ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० के० धब्दुल पक्र और घ्रन्यों।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के सिष् कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के कर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख तै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड़ लिखित में किए या सकने।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर श्रीधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

अनुसूर्चाः

कृषि खेती मृनुसम्पिठ गाँव कोयम्बतूर तालुक कोयम्बतूर लेख सं० 6/85 ।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 10-9-1985

प्रकृष वाह^र . टी <u>. ध्</u>यू . एक् . -----

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

HICE COME

कार्यासय सहायक आयंकर जाय्क्त (निर्देशक) ग्रर्जन रेंज-II, मत्रास

मद्रास, दिनांक 9सितम्बर 1985

निदेश सं० 76/जनवरी 1985—श्रतः मुझे, श्रीमती ए० सामुवेल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इक्स) इसके परधाद 'उक्क अधिनियम' कहा गया ही, की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाबार वृद्ध 1,00,000/- उन्हें अधिक ही

और जिसकी संठ 64, हिबबुल्ला रोड, टीठ नगर, महास-17 में स्थित है (और इसमें उपाबद अनुसूची में और पूर्ण क्या से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रविकारी के कार्यालय टीठ नगर, लेख मठ 47/85 में रिजस्ट्रीकरण अिक्षित्यम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1985 को पूर्वांक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफत का पन्यह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (जंतरितयों) के बीच एसे अंतरन के लिए तय पाया गया प्रतिकार में किया वा है है—

- (क) नश्यरम में हुए किन्से बाब की वायस , उपस् विधिनक्ष की अभीत कर वर्ग के वन्सरक की वायस्य में कती कहने वा उत्तर वक्त के सुविधा के किए; सार/या
- (व) ऐसी किसी बाब या किसी धन वा अन्य वास्तियों का, जिन्हों भारतीय वाय-कर वीधनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनियम, वा वनकर विधिनियम, वा वनकर विधिनियम, 1957 (1957 रा 27) के प्रयोजनाचे बन्तरिती हुवारा प्रकट नहीं सिवा भवा था ना किया वाचारती हुवारा प्रकट नहीं सिवा भवा था ना किया वाचारती हुवारा प्रकट नहीं सिवा भवा था ना किया वाचारती हुवारा विद्या

बक्तः वव, अक्त अभिनियम, की भाग 269-ग के अनुकारण कें, बी, अक्त अभिनियम की पारा 269-थ की उपधारा (1) कें, बाक्षण, निम्मीसिवत् व्यक्तियों, कर्षात् क्र- (1) श्री रंगम्माल और ग्रन्यों।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स ग्रार्थी एक्सपोर्टस प्रा० प्रोपराईटर जे० के० रमेणचन्त्र ।

(भ्रन्तरिती)

को बह स्थान थारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति वै अर्थन को विक् कायशाहियां करता हु।

तकत सम्मारित के वर्षन के सम्भाग में कार्य में नामेष :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारीच हैं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी सबीध बाद में समाप्त होती हो। जो भीतर पृथितह व्यक्तियों में से किसी स्थित बुदारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपन्ति में हितबद्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिल्हित में किए या सकींगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमे प्रयात शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विषया गया हैं।

मन्स्ची

भूमि और मकान 164 (पुराना नं० 90) हबीबुल्ला रोड, टी० नगर, मक्रास--17, टी० नगर लेख सं० 47/85।

> श्रीमत्ती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-II, मन्नास

दिनांक: 9-9-1985

मोडर ≝

भारत सरकार

कार्याजय, बङ्गयक मायकर नाव्यत (निरीक्तण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निदेश सं० 77/जनवरी 1985—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

आध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी नं बलाक नं 103ए, टी एस नं 4752/9 4753/21 है तथा जो टी नगर गांव 29, III लेन-1, बारती नगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी नगर, मद्रास, लेख सं 86/85 में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को दश्यमान प्रतिकल को लिए अंतरित की गर्द है और मूक्ते यह विश्वास का कारण है कि स्थाप्नोंक सम्बत्ति का उचित बाबार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (जन्तरका) और जन्तरिती (जन्तरितिया) के सीथ एसे जन्तरण के जिए तय थाया जना प्रतिकल, निम्मलिखित उद्वोध्य से उच्त अन्तरण लिखित में काल्यांविक रूप से कथित नहीं किया एषा है है—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त निधायतम् के कभीन कर दने के बन्दरक के शांकरण वी कभी करने या उमले क्याने में सुविधा के सिए; अडि/था
- (क) देवी किसी नाव वा किसी भव वा जाव जाक्सियों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या भम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रक्रोजनार्थ जन्दिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गय। वा किया जाना वाहिए वा, कियाने में सुविका वी किसा

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित्त व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री वी० एस० कृष्णामृति।

(अन्तरक)

(2) श्री सी० एम० विष्णुचेट्टियार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के कर्बन के हिसए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सन्यत्ति से वर्जन के सन्धन्ध में कीई भी वाक्षेप 🖫 🖚

- (क) इस स्पाना के राजपण में प्रकाशन की तारीच स 45 दिन की अविश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पाना की तामील से 30 दिन की अविश्व, जो भी भविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर वृत्तोंकल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दनाराः
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चे 4.5 दिन के भीतर सक्त स्थावर संस्थित में हितबंबुध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा संशोहस्ताक्षरी के पास लिकिंग में किए का सकोंगे।

स्थव्यक्तिरण :— इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पक्त हैं।

नन्त्रयो

भूमि और मकान--ब्लाक नं० 108ए, टी० एस० नं• 4752/9, 4753/21, टी० नगरगांव 29, III लेंन-1, बारती नगर, मद्रास ।

टी० नगर लेख सं० 86/85।

एम० सामुबेल नक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—II, मद्रास

दिनांक : 10-9-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आय्यत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास . मद्रास, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निदेश सं० 82/जनवरी 1985---अतः मुझे श्रीमती एम० सामुवेल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

ष्ट्रीर जिसकी सं० 4, ार्वे नं० 904, री० सर्वे नं० 1278 पिचम है तथा जो काटरोड़ पुदुष्पाकम में स्थित है (और उससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ट्रिष्टिक से क्षेत्र सं० 2/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1985

को प्रवंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से ए से रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ए से अन्तरफ के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के वार्थित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों की जिन्ह^{र्म} भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उंक्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, भैं, उक्त औधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन₄ निस्नीसिखत स्पिक्तयों, अर्थात् ि— (1) श्री आनन्द कलयाणपूर।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० के० अब्दुला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करका हो।

उक्त सम्पर्शि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो औं अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी भी पास तिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दो और पर्वो का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

शक्त संची

भूमि ग्रीर मकान 4, पश्चिम काष्टरोड़, पुदुष्पाकम मद्रास [ट्रिप्लिकोन लेख सं० 2/85।

> श्रीमता एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आक्युत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक: 10-9-1985

प्रकृष बाई.टी.एन. एव.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांस्य, सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) अर्जन नेज-2, महाम

मद्रास, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निदेश सं० 99/जनवरी 1985——अतः मुझे श्रीमती एम० साम्बेल

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके पर्वात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा १६९- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृज्य ,00,000/- रु. से अधिक है

,00,000/- रु. सं अधिक हैं

प्रांग जिसकी सं० 20, सौदरराजन स्ट्रीट, टी० नगर, मद्रास्
17 में स्थित हैं (और इसपे उपाबद्ध अनुसूची में और पूण
रूप से बाणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी०
नगर लेख सं० 8/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1985
को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के क्यमान
गितफल के लिए अन्तरिस की नई हैं और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि सथाप्वोंक्त मंपत्ति का उचित बाजार
मून्य उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का
बिह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरका) गरि अंतरिती
(अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नतिचित उद्विध्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया जनस हैं ॥—

- (क) बन्तरण से हुई किसी अगय की वाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के शामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एँसी किसी गाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जर्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 30 —276GI|85

(1) श्री एस० महादेवन।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० कण्णन श्रीर अन्य।

(अन्तरिती)

को वह सूचना चारी करको पृथींकत संपत्ति के अर्चन के तिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन की जमिंशि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की कविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ण) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्म स्थित ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकतेंगे।

स्यक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, वा उक्त अधिनियक, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया गवा है।

जन्स्ची

भूमि म्रोर मकान 2ए, प्राप्टनं० 32 (हिम्मा) सर्वे नं० 19/1418/हिस्मा ब्लाकनं० 132, टी० एम०नं० 5935 भीर 5936 सौन्दरराजन स्ट्रीप्ट, टी० नगर, मद्राम, टी० नगर लेख सं० 8/85

श्रीमनो एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकरि महायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्राम

दिनांवः : 10-9-1985

प्रकृप **बाइ", टी. एन**् एस. -----

भागकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यासय, सङ्घायक नायकर नायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्राम, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० 110/जनवरी 1985——अतः मुझे श्रीमती एम० सामुवेल

वायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात 'उकत विभिनियम' कहा गया है"), की भारा 269- व के विभीन तक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- र. से विधिक है

श्रीर जिसकी सं० 145, श्रीतियम निलंगराज गांव शैदापठ तालुक है तथा जो चेंगलपेठ डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुभूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय आयकर लेख सं० 104/85 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्स सम्यक्ति के उपित बायार मूक्य ते का के परवान प्रित्तफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यक्षापूर्वोक्द सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ए'से दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिशों) के बीच देते अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त सीचनियम के बचीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कनी करने वा उत्तवे वचने में सृष्टिभा के सिए; बौर/वा
- (क) ऐसी किसी जाम या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिल्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्यांजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया अया जा का चाहिए था, किया ने स्वांचा के निए;

(1) श्री ए० कन्दस्वामि।

(अन्तरह)

(2) एम० पी० प्रेमराज।

(अस्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अच्य व्यक्ति व्यारा अधे.हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसंमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह²⁴, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि—सर्वे नं ० १ 1/2ए, प्लाट नं ० 391, 145,श्रोतियम निलंगराज गांव गैदापैठ तालुक चेंगलपेठ जिला अडयार लेख सं ० 104/85

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ष) अर्जन रेंज-2, मद्रास

जतः अब उक्त आधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगों, अर्थात :——

दिनांक : 9-9-1985

प्रकप नाइ. टी. एन. एड. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

बाइच बुडकाड

कार्यालय, सहायक भायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, मधास र दिलांक 10 सिकास

मक्रास, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देश मं० 118/जनवरी 1985—श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

हायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं रिंग्स नं 13/253 ऊरूर गांव मीं वापेट है तथा जो तालुक मद्राम में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसुची में और पूर्ण रूप से बणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय श्रह्यार लेख सं 63/85 में रिजस्ट्रीकरण श्रिवित्यम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवरी

्रं पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपोत्त का उधित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिकात स अधिक है और अतरक (अतरकों) और अतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्मलिक्ति उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिकित में में अस्तिकिक रूप से किश्व नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/था
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धग-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया का या किया जाना चाहिए था, स्थितने में सुविधा के सिए।

बतः बन, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त कांधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निनियत व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री पक्षनाव दास रामा वर्मा।

(ग्रन्तरक)

(2) पोन्नवोल बजम्मा और टी० सुरेखा रेड्डी । (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई सी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकर्षी।

स्वष्टोकरण:—हसमें प्रयुक्त करूदों और पदों का, जा उक्त जीभनिवन, के अध्वाय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ऊधर गांव णैदापे तालुक मद्रास, सर्वे नं० 57/1 टी० एस० नं० 13/253 ब्लाक 21, प्रडयार, लेख सं० 63/85 ।

> श्वीमती एम० सामुबेल मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--2, मद्रास

दिनांक : 10-9- 1985

प्रकल कार्ष. टी. एन. एस.------

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-छ (1) के नभीन स्वना

HIST TEMS

कार्यातय, सहायक आवकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, मक्रास मक्रास, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निदेश सं० 119/जनवरी 1985—अतः मुझे श्रीमती एम० साम्वेल,

बायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कक्षा गया ही, की भारा 269-क के अभीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर तस्वीता, जिसका उीचत वाजार मृत्य 1,00,000/-उः से अधिक ही

और जिसकी सं० सर्वे नं० 53/1, टी० एस० नं० 13/253, ऊरूर गांव है तथा जो शैदापेठ तालुक मदास में स्थित है (और इससे उपावछ श्रनुसूची में और पूर्ण रुप से वणित है) रिजस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी के कार्याच्या श्रव्यार लेख सं० 64/85 में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1985

की पूर्वेनित सम्पत्ति के उचित बाधार मृत्य से कमं के क्यबाद प्रतिफल के निए अंतरित की गई है और मुभे कह कियाद करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रूप, उसके क्यमान प्रतिफल से, एवे क्यमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और कन्तरक (बन्तरकों) और अंतरित (कन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल निम्नितिबत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में में बास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गमा है ह——

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- अ) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा कै लिए;

मतः सन, उक्त निर्मित्यमं की भारा 269-ग के अनुसरण में, जै, उक्त निर्मित्यमं की भारा 269-च की उपधारा (1) के निर्मित निर्मितियतं व्यक्तिया, जर्मात् क्र--- (1) श्री पदमनाभ दास रामा वर्मा,

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स रामालयम ग्रस्पताल प्रा० लि०। (ग्रन्तरिती)

 को सह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

क्ष्यत कल्यात्व के वर्षन के बुल्क्य के कोई भी बाधोप्त--

- (क) इस सूचना को राजयत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, भो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति के सितर पूर्वोक्त
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विक्रित में किए जा मक्ये।

स्पव्यीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिद् भाषित हैं, वहीं वर्थ होगा जो उस बध्याय कें विया गया हैं।

अनुसूची

सर्वे नं० 57/1, ग्रब टी० एस० नं० 13/253, हिस्स ब्लाक -21, उरूर गांव भैदा तालुक मद्राम, श्रडयारपेठ लेख सं० 64/85 ।

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 10-9-1985

त्रस्य बार्ड्,टी.एन.एस.-----

बायकर संभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के सभीन सूचना

भारत करकार

कार्याक्य, सहायक जावकर जावुक्त (विरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-2, मधास मद्रास, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 131/जनवरी 1985—-ग्रतः मुझे श्रीमती एम० सामुवेल

नायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनक अधिनियम' कहा गवा है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राप्तिभकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समंचि, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-उ. वे अधिक है

और जिसकी सं० 145, नीलगरें गांव शेदापेठ तालूक है, तथा जो चेगलपेठ जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से विगत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय मदास दक्षिण लेख सं० 166/85 मे भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जनवरी 985

को पूर्विक्ष संपरित के उरिवा बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिकाल के लिए अक्टीका की नहीं हैं और मुक्ते यह विकास करिने का कारण है कि वधानुवींका सम्बद्धित का उरिवत बाजार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रक्षिकल से एसे क्ष्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रक्षिशत से अविधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया। प्रतिकाल, निम्नसितिवत उत्कारण से उन्तरण सिवास में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण वे हुइ किसी शाव की वायत, उन्तर विधिनियम को अभीन कर दोने के बन्तरक की दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिद्द; बॉर/या
- (च) ऐसी किसी या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए।

भतः सथा, चेन्स्य अधिनियम की भारा 269-म को अनुसरक मों मीं, उभत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मेसर्स स्कैलार्ड टेप रिकार्डस ; वै० भैनेजिंग पर्टनर एम० कृणा ।

(श्रन्तरक)

(2) मेसर्स हर्टस कोको प्रोडक्टस लि०, और श्रीकी० बेलायुत राजा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनक सम्मत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी कविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किंसी व्यक्ति बुधारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीदर उनत स्थावर सम्मित्त में हितबब्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकोंगें।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथीनवम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही जर्थ होगा जो उस जध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि निर्लगरै गांव मैदापेट नालूक चेगलपट डिस्ट्रिक्ट सर्वे नं 82/2, मदास दक्षिण, लेख सं 166/85

> श्रीमती एम० सामुबेल मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्राधुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मन्नास

दिनांक : 10-9-1985

ोहर :

प्ररूप आहू^{*}. टी. एन. एस्/.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, तहाबक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, मश्रास महास, दिनाक 10 सितम्बर 1985

निदेश सं० 100 जनवरी 1985—अतः मुझे श्रीमती एम० सामवेल

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्ब 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० टी० एस०नं० 8841, श्रार० एस० नं० 162, ब्लाक नं० 129, माडली 11 स्ट्रीट है जो टी० नगर, मधाम-17 में स्थित हैं (और इससे उपाबक श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्मा श्रीधकारी के कार्यालय टी० नगर लेख म० 20/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रजीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है ः—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविश्वा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्रीमिति के० एन० सुब्बुलक्ष्मी ग्रम्माल, (ग्रन्तरक)

(2) चर्च श्राफ साउथ इंग्डिया ट्रस्ट एसोसिएशन पावर एअन्ट श्री एस० सी० धर्मराज और जी० डब्ल्यु देवनबू। मद्रास 6 (ग्रन्सरिती)

को यह त्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पर्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु^{न्}ं

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त एव्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियमा, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान टी०एस० नं० 8841-16, माङली स्ट्रीट, टी० नगर मढ़ास—17 टी नगर लेख सं० 20/85

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज−2, मद्रास

अतः इव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियां, अर्थात् ध---

दिनांक : 10-9-1985

प्रकृष मार्च. टी. एन. एस.-----मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-थ (1) के बधीन स्थना

शारत बरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 सितम्बर .1985

निर्देश मं० 132/जनवरी 85--यत:, मुझे, श्रीमती एस० साम वेल,

कायकर कॅफिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हा कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मुख्य 1,00,000/- रह. से अधिक **ह**ै

श्रीर जिसकी सं० 53, (प्रानानं० 28) पेरूमाल कोइल स्ट्रीट है, जो कोठठूर मद्रास-85 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्व अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के भारतीय कार्यालय मद्राम दक्षिण लेख सं० 216/85 रजिस्ट्रीकरण अधिनि-यम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जनवरी 1985 को पर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मल्य से कम के रायमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुभे यह विकास र्करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एवे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के सिए तय पाया नया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया नवा है ए---

- (क) अन्तरण से प्रचे किसी बाद की बाबक, अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के शाधिरम में कभी करने वा सबसे वचने में स्विधा के लिए; जौर/या
- (ब्रा) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तिबाँ महो, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपानै में सावभा के सिए:

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री डारूयू० एस० रामदास ग्रौर अन्यो

(अन्तरह)

2. मैसर्स पुरुषोतम अन्मदुक्णन कार्परिशन ४० मैनेजिंग पार्टनर, श्री एम० रुघ्योत्तम गान्धी नगर, मद्राय-20 (अनारिती)

की यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के निए कार्यवाद्यिमं सुरू करता 🗗।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की दामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचनाके राज्यत्र में प्रकाशन की 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर संपरित में हिसबद्ध किती अन्य व्यक्ति दुनारा नभोहस्ताक्षदी के पाक लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भूमि ग्रौर मकान---53, पेरूमाल कोइल स्ट्रीट, कोढ़ठर, मद्रास-85

दक्षिण मद्राम--लेख सं० 216/85।

एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास-6

तारीख: 10-9-1985

१क्प् वार्ड्टी **्रव्**ट्रच्यानाव्यवस्थान

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

धारत सरकान

कार्यानय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निदेश सं० 153/जनवरी 85—यतः, मुझे, एम० सामुवेल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कार्ज हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं॰ लोव सं॰ 26/85 की शेष्ट्र में दी सम्पत्ति
तथा जो मद्रास में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर
पूर्ण रूप से विणत हैं),रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सत्यमंगल लेख सं॰ 26/85 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1985
को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान
प्रतिकल के लिए बन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास
करने का कारण है कि सथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार
मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का
पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती
(अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिकल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त कन्तरण लिसित में

वास्त<u>्रि</u>यक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण सं हुइं किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्यने में सुविधा के सिए; और/या
- व) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपता अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोबनार्थ जन्तिरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के तिए;

सतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीर, निम्नसिधित व्यक्तियों, क्रचांत् ध—— 1. श्री पेरियनायगन

(अन्तरक)

2. श्रीराजन श्रीर अन्यों

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उन्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप 🐎

- (क) इस स्थान के राज्यन ने प्रकासन की ताड़ीय से 45 दिन की स्थापन ना तत्त्वस्था व्यक्तियों पर भूगा की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी स्विध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्ब द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के .पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त जिभिनियम के सभ्याय 20-क में परिभाषित के सभ्याय 20-क में परिभाषित के निया वहीं जर्भ होगा, जो उस सभ्याय में दिया गया है।

वर्त्यो

भूमि — लेख सं० 2685 की शेडूल में दी हुई सम्पत्ति सत्यमंगलम्— लेख सं० 26/85।

> एम०सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीखा : 10-9-1985

प्रक्ष बार्ड, टी. एन. एस्. ५०००

नायकर जिमित्रमा, 1964 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के नभीत सुमना

भारत सरकार

कार्यां नय, सहावक जायकार् नायुक्त (निर्दाक्षिण)

अर्जनरींज-2, मद्रास

मद्रास, विनांक 10 मितम्बर 1985

ि निर्देश सं० 71/जनवरी, 85/रेंज-2--यत:, मुझे, श्रीमती

एम० सामुवेश

कार्यकार ऑिथनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त अधिनिक्म' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विरुक्त करने का कारण है कि स्थानर सम्मतिस, जिसका उचित नाजार मुख्य 1,00,000/- क. से अधिक है

भीर जिस्की स० 553, व रूपण गंडर वार्स नि से आउट तेल्गु पालयम गांव है, स्था जो कीयम्बत्तूर नालूक में स्थित है (भीर इससे उपाबर्ड अनुसूची में भीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कीयम्बत्तूर लेख सं० 21/85 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1985

कि पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के स्वकास बितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का क्लाइ प्रतिशत से बाधिक है बार बंतरका (बंतरका) और जंतनिता (अन्तरितिका) के बीच ऐसे अन्तरिक के सिम् तय पाया गचा प्रतिकता, निम्मृतिबिता उच्चेपस से उचित बन्तर्ण निधित के बास्तरिक रूप से कार्यका कर सिम्

- (क) जन्तरण से हुन्द किसी जाय की वाबत, उक्क जीधीनयम के जभीन कह दोने के जन्तरक की दानित्य में कभी कड़ने वा उक्क दुलने में सुनिया के लिए, जॉट/बा
- (क) एसे किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वार प्रकट नहीं किया गया भा ग्रा किया जाना चाहिए था, स्थिपने में मृतिधा वी सिद्ध स्थान स्थान के सिद्ध स्थान स्

अतः अवः, उत्तर विभिनियम की भारा 269-ग के वन्सरण वे, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1), वे अभीतः, निम्निसित व्यक्तियों क्रमाति ।——

31 -276GI|85

1. श्री एम० बाल सुन्नामणि । म श्रीर अन्यों

(अन्तद्भः)

पावर एजेट श्री एन० सुन्दरम

 श्री एसर्॰ रवीन्द्रन ग्रीर एसर्० विवेकानन्दन आर. एस. पूरन कोयमभ्बेट्र टाऊन

(अन्तरिती)

को बहु)स्चना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्ककाहियों करता हुं।

उपन सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेपृ:---

- (क) इस स्वना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि था तत्संबधी व्यक्तियों पर स्वाप्त की तासीत से 30 दिन की अविधि, जो भी विधि नोद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस स्वाम के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्त्य किसी व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताकारी के पाद जिक्ति में किए जा सकोंगे।

सम्बद्धितः :—इसमें प्रयुक्त क्षज्यों और पर्दों का, जो उक्त ज्ञित्वम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं बर्ध हारेग जो उस अध्याय में विया गना है।

अम् सुची

भूमि— 553, करूपण गोर्डर कालोनी लेआउट तेलगुपालयम् गांव कोयम्बस्र तालूक कोयम्बत् र लेख मं० 21/85।

> एम० सामुवेल मक्षम प्राधिकारी सहायक आय हर आगुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, मद्राम

तारीख : 10-9-1985

हरून ब्राह्म, दी. एव. एव्

मानवड वर्डिन्युन, 1961 (1961 का 43) की पास 269-म (1) के नजीते कुमल नावड करवार

चार्यज्ञ , सहायक कायकर कायुक्त (विद्राक्षण)

अर्जं भरें ज-2, मबास

मद्रास, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 80/जनवरी 85—यतः, मुझें, एम ० सामुवेल नायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारक है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं०एस० नं० 34, नया दी एस० नं० 8/42, कृष्ण-बाय स्ट्रीष्ट, टी नगर है, तथा जो मद्रास-17 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है), रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय टीनगर लेख सं० 93/85 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1985

को पृथिका सम्पत्ति के स्वित वाकार मृत्य से कम के प्रयमान शितपाल के सिक् वन्यरित की वर्ष है और वृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापृत्रीकत कम्बत्ति का उचित साजार मन्य न्यक्षे त्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्व्यमान प्रतिफल का प्रमुद्ध प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्यरितियों) के बीच एसे बन्तरच के सिक् तम पामा गमा श्रीकण्ड विश्वनिचित्त स्वास्त्रक से क्षण्ड कन्तरच किवित्त में पास्तीयक रूप से क्षिय नहीं किया नहा है हिन्स

- (क) जनसरक से हुई किसी जाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के खरियत में कमी.करने वा उससे वचने में 'सुविधा के कि:, और/या
- (श) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, चिन्ही भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या अध्ये अधिनियम 1922 का 11) या अध्ये अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था वा वा किया जावा थाहिए था, जियाने जो सुनिया के सिए;

1. श्री जी० बी० इम्बरम

(अन्तरकः)

2. श्रीजेव्बीव्हीव्एसव्एसव्यास्त्री

(अन्तरिती)

को बहु सूचना वाटी काटके पृत्रीका संपृत्ति के वृत्रीम के विक्रिः कार्यवाहियां करता हुं।

क्रमा प्रभारित में नर्मन ने सम्बन्ध के बादी ही नार्माय:--

- (क) इस स्वता के राज्यन में प्रकाशन को तारीय हैं
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी क्यनितयों पर
 क्षात की तासीय के 30 दिन की वयीय को भी
 मृत्ति क्या के सकत्य होती हो, के बीतर प्रवेकत
 व्यक्तियों में है किसी क्यांत दुनारा;
- (क) इस ब्राचन के राज्यम में प्रकारन की शारीय से 45 दिन के भीतर उन्त स्थापर संगीत में हितवय्थ किसी बन्द कावित द्वारा, वशेष्ठ्रस्टाक्ष्री के गर सिविद में किस वा स्कींगे।

स्थाकोकरण: --इसमें प्रवृक्त सम्बों करि पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित . हैं, वहीं अर्थ होगा करें उस अध्याय में विया सवा हैं।

नग्स्ची

भूमि---एस० नं० 8142, कृष्णानाय स्ट्रीट टी नगर, मद्रास-17 टी नगर लेख सं० 93/85।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-2, मद्रा

वराः जब, उक्त विधिनियम, की धारा 269-न के बनुसरण को, में, भक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) को मधीन, निम्निधिसित व्यक्तियों, सर्थात् :----

तारीख: 10-9-1985

प्रक्य नार्ह्, टी, एम । एस गुनन-नार्थन

नायकर निष्तियस : 1961 (1961 का 42) की पाल 269-म (1) के नधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनाँक 10 सितम्बर 1985

निवेश सं० 46/जनवरी 85---ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

आयकर अधिनाम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इहमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्रशिषकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्बत्ति जिसका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० टी० एस० सं० 62 तथा 63 वार्ड II, डोर नं० 33 है, जो चेंगलपठ ठीन में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिक्षकारी के कार्यालय, चेंगलपठ लेख सं० 102/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिक्षिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिक्षीन विनाँक जनवरी 1985.

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान शृतिकाल को लिए अन्सरित की गर्इ है और मुभ्ने यह विश्वास करते, का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्नलिखित उद्वेक्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-बिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण संहुई किसी जाव कौ बाबत, उन्कत अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या अससे बचने में सुविधा वी निए; अधि/या
- (वा) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम या धन कर अधिनियम या धन कर अधिनियम या धन कर अधिनियम विद्या 1957 (1957 का 27) के अयाजनार्थ अनिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया जा या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभिष्य निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-----

- (1) श्री एस० शंकरन्।
- (ग्रन्तरक)
- (2) श्री ई० नरसिम्हन ।

(ग्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूंचोंक्त सम्बन्ति के जर्बन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

जनत् सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में काहे भी काकन ---

- (क) इस स्वना के राक्वन में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की कर्मा क्षेत्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वका की तानीन से क्षित्रों का निर्मा को भी सर्वाध वाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में वे किसी कांक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वना के रावपण में प्रकासन की तारीं के विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इस्में प्रयुक्त खड्यों और दवों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

भूमि टी०एस० सं० 62 तथा 63 डोर स33, बार्ड नं०<math>H, चेंगलपठ्ठौन लेखा स102/85—चेंगलप्ठ।

श्रीमतो एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायंकर श्रीयुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेज-II, मद्रास

दिनांक 1)-9~85 मोहर: प्रारूप आई.टी.एन.एस.

आरंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

र्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास मद्राम, दिनाँक 10 सितम्बर 1985 शा सं० 58/जनवरी 1985—ग्रत: मुझे, श्रीमंती एम०

भिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें ात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा है अधीन सक्षम प्राधिकाही मा यह विश्वास करने का कि स्थावर सम्पत्ति विसका उपित बाजार मृत्य DO/- रत. से अधिक **ह**ै की सं० 19, कामराज रोड है, जो तिरूपूर ठौन मे स्थित ्ससे उपाबद्ध श्रन्भूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) र्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, तिरुप्पूर टाउन लेख मं० र्ग भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908) के ग्रधीन दिनाँक जनवरी 1985, ा सम्पत्ति के उभित बाजार मुल्य संकम के दश्यमान लिए अन्तरित की गई है और वरवास करने का कारण है कि यथा म्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यभान प्रति-े दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत भे अधिक है और तरकों) और अतौरती (अंतरितयों) भी बीच एसे अंत-ए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निरिखित उद्देश्य से ण लिखित में वास्तविक रूप से किश्वत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे गथने में सूविधा के लिए; और/या
- (भ) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अपिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1)57 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के जिए;

कर: अब, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ ही उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :~- (1) श्रीमती जयलक्ष्मी

(भ्रन्तरक)

(2) तिरूपूर डेरी

(भ्रन्तरिती)

को वह स्थना वारी करके प्वॉक्त कम्पोंत्त से वर्षन के विदे कार्यवाहियां शुरू करता हो।

बक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी बालेंग र-

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 4.5 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांचित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति स्वारा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितजबूध कि सी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाद शिक्ति में किए का सकें में है।

स्पष्टीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क्ष् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया चया है।

अनुसूची

भूमि श्रौर मकान वार्डसं० 19 का अरोड, तिरूष्यूर। तिरूष्यूर, लेख सं० 78/85।

> श्रीमती एम० सामु वेल मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (गिरीक्षण) ग्रजन रेंज-11, मद्रास

दिनाँक: 10-9-85

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याक्षयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--1^I, मद्रास मद्रास, दिनाँक 10 सितम्बर 1985 नेदेश सं० 22/जनवरी 1985—-श्रतः मृझे, श्रीमती

निदेश सं० 22/जनवरी 1985—-श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल,

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहे से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 92, मुक्गण्या नगर इरणावूर है, जो शैंदापेठ में स्थित है (श्रौर इससे क्विपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ग रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रितरूबोट्टियूर लेख सं० 68/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनौंक जनवरी 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कंस के स्थयनान प्रतिच्या के लिए अन्तरित की गर्द ही और मुभं। यह विश्वास अरने का कारण ही

कि-चथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्यः, उसके क्षयमान प्रतिपत्ति सं, होते क्षयमान प्रतिपत्ति के पन्त्रह प्रतिवास से बिधक हैं और कतरक (जंतरकों) और जंतरिती (अंतरितियों) के बीच एरें। अन्तरण के लिए तथ पासा गया प्रतिपत्ति, निम्नलिखित पृक्षिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिष्क रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उत्तसे बचने मीं सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधि नेयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधि नियम, या धनकर अधि नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा के लिए;
- जतः जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण की, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिचित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती श्रार० एम० वल्लियम्मै ।

(अन्तरक)

(2) श्री भ्रार० रविचन्द्रन ।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचन जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- गक्ष किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्तित में किए जा सकींगे।

• इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क म परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यार मं दिया गया है।

जन्स्ची

भूमि छ^{ार}मकान⊸−92,मुख्यप्या ताार, इरणायू*र*, णौदापेठ तालूक, तिर्वाहियूर लेख सं० 69/85।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज-II, मद्रा (-6

दिनौक : 10-9-85

प्रकम बार्ड्, टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन स्चना

नारत तरकार

कार्यालयः, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनाँक 10 सितम्बर 1985 निवेश स० 33/जनवरी, 1985---श्चत मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

कायक: जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सभाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति विसंका उचित बाजार मृन्य 1,00000/-रुपये से अधिक है

श्रोर जिसकी संव श्रारव एसव सव 116/2 जनमण्याकम, 9, सीववीव कोइल स्ट्रीट है, जो मद्रास 87 में स्थित है (श्रों हिमसे उपाबद श्रन्मूची में श्रों र पूर्ण रूप से विणित है), रिजर्ट्रीवर्ता श्रीध-कारी के कार्यालय, तिरूगम्बावकम लेख सव 43-85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 व 16) के श्रिधीन दिनौंक जनवरी 1985,

को पृषंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुकं यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वेक्ति सम्मत्ति का उित्त बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिखत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका और अन्तरित (अन्तरित सो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मसिचित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिक स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ने नार्य के हुई कियी बाद की धावत अक्स विध-विधिवयम के वधीन कर दोने के अक्सरक के वावित्व में कमी करने या उससे अज़ने में सृद्धिया के लिए; और/या
- (ण) एंसी किसी नाय या धन या अन्य आस्तियों की, जिस्हें भारतीय आयकर आंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अल-कर अधिनियम, 1957 (1)57 का 27) हो. अयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट हीं किया गया था किया जामा चाहिए था, छिपान में सुविधा की लिए;

अतः अब, उक्तं अधिनियम की धारा 2€9-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उण्धारा (1) के अधीर, निम्निजिबित धाकितयों, अधित ७--

(1) श्री बी० नागेन्द्रन ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कें रामु।

(श्रुन्तरिती)

को यह स्वान जारी करके पूर्वों कर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्थवाहियां करता हूं।

उक्त समात्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आओप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की व्यक्ति या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिवाँ में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 4.5 विभ के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबक्भ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिवित में किए जा सकोंने।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त सन्यों और पदों का., ' जो उन्तर्गान-अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गमा हैं.!

मन्त् वी

'पूमि श्रीर मकान एस स० 116/2, वल शरवाक हम् विरु-गम्बाक्कम्---लेख स० 43/85 ।

> एमः सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायवर श्रायुक्त (किरीक्षण), ग्रर्जन रेज-Ш, ग्रद्वास~-6

दिनाँक 10-9-85 मोहर :

प्रक्य बार्ड, टी., एन., খ্ৰ.র ক্ষেত্রকার बायकार अभिनियम, 1961 খ্র.1961 আ 43) की গাতা 269-ঘ (1) के अभीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज∸U, मद्रास मद्रास, दिनाँक 10 सितम्बर 1985 निदेश सं∘ 6/85 जनवरी—श्चतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्बद्धित, जिसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 25, रंगनाथन स्ट्रीट, टी० नगर, है, जो मद्रास—
17 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रनुसूची श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, मद्राम उत्तर लेख सं० 268 तथा 269 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम
1908 (1908 ला 16) के श्रधन दिनांच जनवरी 1985, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमाण प्रतिफाल के लिए कन्तरित की गई है और मृत्ये यह विद्यास प्रतिफाल के लिए कन्तरित की गई है और मृत्ये यह विद्यास मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल ते, एसे दश्यमान प्रतिफाल का प्रमुद्ध प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरक जिल्ला से लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नसिवित संब्रावित से उच्छ अन्तरण किवत में वास्तविक रूप से कवित नहीं किवा गया है अन्तरण

- (क) ब्लारन से धूर्व कितीं बाव् की बावत, उन्ध अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या जससे बचवे में सुविधा के लिए; और/बा
- (च) एसी किसी जाय या किसी भन या अभ्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया भया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विभा के सिक्;

बतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण बाँ, मी, उन्त जोधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (१) के अधीन, निम्निसिमिस व्यक्तियों, जर्भात ⊌—

- (1) डा० टी० एस० राचवन श्रीर स्रन्यों श्री श्रार० नन्दकुमार श्रीर दूसरे।
- (2) श्रनराज एस्टेट्स प्राइवेट लिमिटेड ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्टित के कर्जन के सिष् कार्यवाहिया करना हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र र----

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध मा तस्संबंधी व्यक्तियों पर त्जान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

जन सन्दर्भ

भूमि श्रीर मकान -24, 25 रंगनाथन स्ट्रीट, टी० नगर, मद्रास-17, मद्रास उत्तर लेख स० 268 तथा 269।

> श्रीमती एम० समुबेल ृंसक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–II, मन्नास

विनौक : 10-9-85

शक्य आई.टी.एन.एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

urte unuix

म्भायस्यात्, सहायक नायकर बायकर (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज—II, मद्राल मद्रास, दिनाँक 10 सितम्बर 1985 निदेश मं० 9/जनवरी 1985—ग्रत: मुझे, श्रीमती एम०

निदश मे ० १/जनवरा 1985 -- ग्रतः मुझ, श्रामता ए साम्बेल,

आयकर मिर्गिनयम, 1961 (1961 का 43) रिचर इसमें इसके पर्कार 'उमल मिर्गिनयम' कहा गया हैं, भी पादा 269-स के अभीन सक्षम प्राध्मिकारी को यह विस्त्राम काम्में का कारण ही कि स्थामर सम्पत्ति, विकन्ध्य उचित वाजार मून्य 1,00,000/- रुठ से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 9, रेलवे स्टेशन रोड, कोडम्बाक्कम् है, जो मद्रास में स्थित है (ग्रौर इसमें उपबाद्ध में ग्रनुसूची ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि हारी के कार्यालय, कीडम्बाक्कम् लेख सं० 44/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनाँक जनवरी 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बस्बार बृद्ध से कल के कार्यका प्रतिफल के लिए अन्तरित की मई है और जुझे यह विश्वकत करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बक्ति का स्वित बाजार भूजा, इसके दश्यकान प्रतिफल से, एसे स्ववनाश प्रतिफल का पद्ध प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसित्तित उत्वदेध से उक्त अंतरण लिखित में वास्तीयक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी मान की मानता, उन्हर विधित्त्वम के अधीन चर रोगे के अंतरक की उदिव्य के सभी करने या उन्नसे स्थम के बृदिया क त्तिए, कोर्टिया
- (ख) ऐसी किसी थाय या किसी थन या जन्य आस्तियों को, जिन्ते भारतीय जायकर अधिनिशम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती द्वारा प्रयट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खियाने में सुदिधा के लिए;

(1) श्री ए० शेकर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० ए० मुहम्मद नूनुल्ला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी कराई पूर्वोंकत सम्मत्ति के वर्षन के किए कर्मातिकों करता हो।

बस्ख ब्रेक्टिए के क्वॉन के सम्बन्ध में कोई भी नार्लय:---

- (क) इस सुवना के राज्यक के प्रकाशन की लाहीं के के 45 दिन की बनीं भा स्वाधन की व्यक्तियों कर सुवना की सामीत से 30 दिन की बनीं , को और वर्मीं वाद में समान्त होती हो, से भीतर पूर्वीका व्यक्तियों के से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति है।
- (क) इस सूचका के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 किन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिल-बहुध किसी बन्य स्थावत स्वारा वधोहस्ताक्षरी के शस लिकित में किए जा सकेंगे।

स्वकातिकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के जभ्याय 20-क में परिशाविक ही, नहीं अर्थ होगा जो उस जभ्याय में विका गुंवा ही।

नमस ची

भूमि श्रीर मकान --9, रेलवे स्टेशन रोड, कोडम्बाक्कम् मद्रास कोडम्बाक्कम् लेख सं० 47/85 ।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- , मद्रास

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-म के अनुसरक भो, मी, उचत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा 11 के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् क्ष-

दिनौंक: 10-9-85

प्रकृत काहाँ टी एन एस ------

सामकर निभिनियत्र, 1961 (1961 का 43) की चाडा 269-थ (1) की सधीन स्वना

ब्रारत गरकार

कार्याखयः, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

पर्वत रेंज—^II, महान मद्राप, दिनौंक 10 नित्यवर 1985 निदेश स० 3 /जनवरो 1985—-प्रतः मुझे, श्रोमतो **एम०** विका

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें रुमके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 क के अधीन राक्षण प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारक है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मुल्य

1,00,000/- रा. में अधिक हैं श्रीर जिस्की संग् टों० एतं० संग 8043'5 (दिन्ता) 20 तिरूमलैं निल्लै रोंड हैं, जो टों० नगर, मद्रा में िया हैं (श्रीर इत्से उपायद्ध अनुसूत्रों में श्रार पूर्णरूप से विज्ञा हैं), रिज दा ती श्रीधिकारों के कार्यालय, मद्रान नार्य लेख संग् 234/85 में भारतीय रिजिस्ट्रॉकरण श्रीधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दितौंक जनवरों 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यकान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल, निम्निलिखत उद्देशिय से उक्त अंतरण लिखित में बास्त-विक स्प्य से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया ा या किया जारा चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अक्षोक्ष: जिल्लालिखत व्यक्तियों, अर्थात :--- 32-276GI[85

(1) श्रीके० गुरूमूर्ति ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बी० कल्याणसुन्दरम् ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके प्रोंक्त सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

इक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर मुच्चा की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उवन स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया पया हैं।

जन्स्चीं

भूमि--20 तिरूमर्ज निल्लै रोड, टो० नगर, मद्रास-17, मद्रास उत्तर लेख सं० 234/85 ।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (तिरीक्षण), भ्रजन रेंज-11, मद्रास

दिनौंक : 10-9-85

प्रकल बाह^र, डी. युन. एव. ------

बायकर बिधिनयन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269--च (1) के बाधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास
मद्रास, विनौंक 10 सितम्बर 1985
निवेश सं० 5/जनवरी 85—ग्रतः मुझे, श्रीमती एम०
सामवेल,

कायकर सिमिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्वे इसके धश्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाल करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाबार मून्य 1,00.000/- रा. से विधिक है

श्रौर जिसकी सं टी० एस० सं 34, ब्लाक सं 4, पुलियूर गाँव, वडपलनी है, जो मब्राप में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, उत्तर मद्राप्त लेख सं 244/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीध-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक जनवरी 1985,

को धर्योक्स संपरित के उपित बाजार मल्य सं कम के क्ष्यमान शीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाभ करने का कारज है कि मधापर्योक्त सम्पत्ति का उपित बाजार बुख्य, उसके क्षयमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का बुख्य प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए इप भाग गमा प्रतिफल निस्तिसित उद्देश्य से उस्त अन्तरण सिकित में बाल्यनिक क्ष्य में क्षित नहीं कि बा नवा हैं—

- (क) जलगण मंबर्ड किसी आय की बावन उक्त वर्षि-र्देश्वक के बंधीन कार दोने के बन्तरक के वायित्य के कमी करने वा उससे वर्षने में सुविधा के सिए; बॉर/वा
- (क) एसी किसी नाय वा किसी पत्र वा कल्य आस्तियों कां, विन्हें भारतीय नायकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उनते निधिनियस वा पत्र कर निधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोच- नार्च कल्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया प्रवा वा वा किया नार्ना वाहिए था किनाने में सन्निधा के किए;

बत: कथ, उक्त श्रीधिनियम की धारा 269-न के अनुबरन की, मी, अक्त सीधिनियम की धारा 269-म की उपनारा (1) के क्ष्मीन, निम्मिलिक स्वीक्तयों, कर्णन ग्राम्स

- (1) श्रीमती बी० विजयलक्ष्मी श्रीर एस० बास्कर । (श्रन्तरक)
- (2) एम० ए० सी० इण्टरनेशनल । (मन्तरिती)

को वह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के वर्षन के लिए कार्ववाहियां करता हों.

उक्त सम्पर्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र :---

- (क) इस स्वना के रावधन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिस की अवधि सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की ववधि, को भी ववधि बाद में समाप्त होती हो, के भीवर पृक्विक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाय;
- (वा) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाबन की तारीच वे 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किती अन्य व्यक्ति इवारा सथाहेस्ताकरी के बास सिवित में किए वा सकोंने।

स्पक्कित्यः — इसमे प्रयुक्त सन्दों और पदों का, यो उपर् अधिनियन के अध्याय 20-क में परिप्राधिय हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशः नया हैं।

श्रन्_{स्}सूची

भूमि और मकान 7, गंगैअम्मन कालनी वडपलनी मद्रास टी॰ एस॰ सं० 34, ब्लाक सं॰ 4, पुलियूर गाँव उत्तर मद्रास-लेख सं० 244/85।

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण), मर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनाँक: 10-9-85

प्रकृष् काइ'. टी. एन. एस्. -----

बायकर व्यथितियम्, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म् (1) के मधीन सुभ्या

शाद्भव व्रकाट

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्काण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 11 सितम्बर 1985

निदेश सं० 1/जनवरी 1985--अतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पहकात उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वस्य करने का कारण है कि स्थायर सपीटत जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 12, णियाली अम्मन मन्दिर स्ट्रीट रोड है, जो मद्रास-2 में स्थित है (श्रीर इससे उपावत अनुसूर्वी में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी क कार्यालय, उत्तर मद्रास, लेख सं० 136/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान श्रितफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दूरयमान प्रतिफल सं, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) बन्तर्ज सं हुई किसी नाय की बावत उक्त विध-नियम के बभीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने वा उससे बजने में सुविधा ही लिए, श्राह्म/या
- (क) एसी किसी बाय वर किसी वन वा अस्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ जन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण काँ, काँ, उक्त जिथिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) विकासित निम्निसित स्पितियों, वर्षात् कार् (1) श्री कृष्णन ग्रौरदूसरे।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पी० के० एम० गुलारजम बीबी । (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्मरित के जर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई' भी बाक्षेप् :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया नवा है।

ममुस्ची

भूमि श्रौर मकान — 12 शियालि अम्मन मन्दिर स्ट्रीट, मद्रास-2 उत्तर मद्रास लेख सं० 136/85।

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज–II, मद्रास

विमांक : 11-9-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज⊸U, मद्रास

मद्रास, दिनां रु 11 सितम्बर 1985

निवेश सं० 4/जनवरी 1985—-अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० आर० एस० सं० 3847/24 दिस्सा 1 ब्लाक नं० 76, तेनाम्पेठ सेनाठीप है, जो मद्रास छेन में स्थित है (श्रीप् इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, मद्रास उत्तर लेख सं० 237 तथा 238/ 85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिकृत से निभक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिकृत मिन्निसित उद्देश्य से उक्त बंतरण सिचित में नास्तिक स्म से क्षिण नहीं किया बना है ——

- (क) बन्तरण वे हुई किसी बाद की बादस, उक्त बिभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक औ दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृविभा के सिए; बौर/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, उत्तर जिथिनियम की धारा 269-म कै अनुसरण वाँ, माँ. उत्तर अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री जम्बुडिंगम ।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० वेवराजन और श्रीमती इन्द्राणी। (अन्हरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्तिः के अर्जन के सिए कार्यग्रीहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब र 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक ध्वक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा!
- (ख) इ.स. सूचना को राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास सिवित मो किए का सकोगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदौ का, जो उक्त दिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गंगा ही।

अनुसूची

भूमि आर० एम० सं० 3847/24 तेनाम्पेठ मद्रास उत्तर मद्रास लेख सं० 237 तथा 238/85।

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–।।, मद्रास

¹दनकि: 11-9-85

प्ररूप आइर्.टी.एन.एस.-----

बाधकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के बिधीन सुचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-ग्रा, मद्रास मद्रास, दिनो हु। 11 तिहास्वर | 1985

िर्देश सं ० 14/अववरी 1985—अतः मुझे, श्रीमति एम० साम् देल,

बायकर अधिनियम, 1901 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात 'इक्त अधिनियम कहा गया हैं), की धारा 269- ह के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- फ. में अधिक हैं

श्रीर जि.की सं टी॰ ए ।० 59 प्रिनियूर गांत्र कोडन्वास इम है, जो मद्रात में स्थित है (श्रीर इतो उत्तब स्वतुन्त में श्रीर पूर्ण वर्ष वर्षित है), रिजिल्ह्राति अधि तरी प्रकार विद्यार कोडन्बान तम लेख सं ० 121/85 में भारतीय रिजिल्ह्रा तरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत दिनों त जनवरी 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिपृज्त के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार

- मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसं दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिखत उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथिश नहीं किया गया है द्र—
 - (क) जन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत उक्त जीध-नियम के जभीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में कामी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के किए; बॉर/या
 - (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करं, जिल्ह भारतीय जायकर जीविन्यम, 1922 (1922 का 11) वा अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जम्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ज्या वा या किया जाना चाहिए था, सिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बब, उक्त बिधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसर्धं भें, भें, उक्त विधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (१) के बधीन, निम्निविश्वतं अविस्तयों, बधीन् :---- (1) श्री सी० र्जा० पामुग सुन्दारम ।

(अन्दरक)

(2) श्रीमती राजलक्ष्मी।

(अस्तिरिती)

को सह सूचना चारा करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यमाह्या करता हूं।

अवत सम्पति के बर्चन के सम्बन्ध में के जो भी बाह्रोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, लो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित व्वारा अधाहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकेंगी।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

भूमि श्रीरमकान – पुलियूरगांव कोडम्बाक्कम लेखसं० 121/85 ।

> श्रीमती एमं० सामुवेल सञ्जम प्राधिक री सहायक आयकर आयुक्त (जिरीक्षण) अर्जन रेज-II, मद्रास

दिनांक: 11-9-1985

प्ररूप काइं. टी. एन. एस. -----

7 eq 314 . Ci . Qi . Qi . ---

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 सितम्बर 1985

निदेश सं० 60/जनवरी 1985—अतः सुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' धहा गया है), की धारा 269-ख के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं ० मुरूपुरालयम् तेलुगुरालयम् है, जो टी० एस० सं ० 441 तथा 442/1/11/1, में स्थित है (भीर इससे उनाबढ़ भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यात्रन, तिरूप्ट्र, लेख सं ० 17, 18, 19 तथा 20 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिमाक जनवरी 1985,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विसेख के बनुसार अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को बिल्य है और जन्तरक (जन्तरकों) जोड़ अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पान प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कै लिए तय पान प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कै लिए तस का स्वास्त्रिक क्या से किया गया ही किया गया गया ही किया गया गया ही किया गया गया ही किया गया गया ही किया गया गया ही किया गया गया ही किया गया ही किया

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-िग्यम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- एसी किसी आय या किसी धन वा अन्य अस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

मतः स्रथा, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के सन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ को उपभारा (1) के सभीन, निम्नसिश्चित स्यक्तियों, अर्थात् क्रु (1) श्रीमती ताये अम्माल ।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० पलितामि श्रौरपी० विमला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त ध्यिकता में से किसी ध्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4: दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसे अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्सित र' से किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, आं उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा ओ उस अध्याय में दिया गया है।

बनुस्ची

भूमि मुक्रगपालयम्, तेलुगुपालयम्, टी०एस० सं० 441 तथा 442/1/11/1, तिरूप् लेख सं० 17, 18, 19 तथा 20/85 ।

श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—II, मद्रास

दिनांक: 11-9-85

प्ररूप बार्ड, टी. एन. एस. - - -

नायकरु विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-व (1) के क्भीन सूचना

शारत स्रका

कार्यांनय, सहायक नायकर नायुक्त (निरोक्षण)

अर्जनरेंज⊸ा, मद्रास मद्रास, दिनांक 11 सितम्बर 1985

निषेश सं० 68/जनवरी 1985—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

भायकर प्रीपनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण द्रैकि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,0∩.000 / - रतः से अधिक ह[∎]

मीर जिसकी सं∘ टी० एस० सं० 94 / 1 हिस्सा, 16 को बैप्दूर है, जो कोयम्बद्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उनाबक्ष अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री क्ला अधितारी के कार्यालय, कोयम्बत्तूर लेख सं० 255/85 में भारतीय रजिस्ट्री हरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन जनवरी 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह दिश्वास **फर्द्रेकाकारण ह**ै

कि यभा पूर्वे वित सम्पर्क्तिका उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एोसे ध्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुदै किसी शाय की बावत, **उक्त** अधिनियस में अधीन कर दोने के अन्तरक के धामिल्य में कमी करने या उससे बचने में शुविचा च्डे निए; थौर∕वा
- (व) ऐसी किसी अाय या किसी भन या अन्य आस्तियौ को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) 🕏 प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के लिए:

कत: अब, उक्प अधिनियम की धारा 269-ए के बन्सरण ते. मी, अवस विधिनियम की भारा 269-क की उपभारा (1) क्रो अधीन, निम्नीयस्तित व्यक्तियों, ऋर्थात् :——

(1) श्रीटी०एस० क्रु॰णन ।

(अगरक)

(2) श्रीपी० जी० मात्यू बै० पात्रर आफ अधार्नी श्रीपी० जार्जमात्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सप्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु

उक्त सम्पत्ति को वर्णन को सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

भूमि भीर मकान टी० एस० सं० 94/1, हिस्सा बी०-16, कोवैपुदूर कोयम्बत्र 42 सुडक न्मुर्तूर गांव कोयम्बत्त्र लेख सं॰ 255/85 ।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधि कारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक: 11-9-1985

प्ररूप बार्ष: टी. एन. एस.-----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर जाय्क्त (निरीक्ण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्राज, दिनाँक 11 सिलस्बर, 1985

सं० 107/जनवरी, 85—प्राः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िक्ट इसमें इसके पद्मात, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), श्री भारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहे. से अधिक है

श्रीर जिल्ली मं० 39, भारतिवासन रोड, तेनालैठ, जी मद्रात में थिए। है (श्रीर इत्ती उत्तयद्ध श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण कर से बीं का है), रिल्ड्राली श्रीज करों के वार्यालय मद्रात सेंट्रल लेख सं० 58 श्रीर 50/85 में भारतीय विजयहाँ करण श्रीविद्यम, 1908 (1908 का 16) के अर्धान तारीख जनवरी, 1985

को पर्वावन सम्पत्ति के जीनन साजार मृत्य से कम के दृश्यमाण प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्यक रूप से कथित नहीं किया गवा है ह—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उक्सं बिश्वियम के बधीय कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे व्यने में सुविधा के किए; बौर/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या फिया जाना चाहिए था स्थिपने में सुविधा के लिए:

नतः जन उन्त अधिनियम की धारा 269-ग ने जनसरम में. में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) धे अधीन, निम्नसिनित व्यक्तियों, अधीत ह— 1. श्री एम० इलंगा श्रीर मन्यी

(ग्रन्तरक)

2. श्री एम० शेल्बराज

(मन्तरिती)

को वह स्वना जारी करके वृवाँक्त तम्मृतित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप ह--

- (क) इस स्वाग के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविधि, आं भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (द) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अथाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकी।

लब्दीकरणः -- इसमें प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिशियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस सध्याय में दिक्ता गया हैं।

अनुसूची

भूमि श्रौर मकान—39, भारतिदासन् रोड, तेनास्पेठ, मब्रास—मद्रास सेंट्रल 'लेख नं० 58 श्रोर 59/85।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास ।

तारीखा: 11-9-85

प्ररूप बार्च. टी. एन. एस.----

बायका अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कायालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनाँक 11 सितम्बर 1985

सं 109/जनवरी, 85---ग्रतः मुझे, श्रीमती एम सामुवेल बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है मद्रास-20 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन् सूची में ग्रीर पूर्ण

xगौर जिसकी सं० 20-11, मेन रोब, गाँधी नगर, xडयार है, जो रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रडयार, लेख सं० 70/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1985

- को वर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मत्य से कम के **व्यव**कान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दरममान प्रतिफल से, एसे दरममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वरमाजिक रूप रं कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियाँ 分、打碎 成分分析 成为行机 不断机 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासनार्थ प्रेजीएर्स हमान । १ वहाँ । वान १ । ना या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

वत: बाब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नलिबित व्यक्तियों, अर्थान :--33-276GI|85

1. श्री एन० ग्रार० सुन्द्र ग्रीर ग्रन्यों

(ग्रन्तरक)

2. श्री टी० ग्रार० श्रीनिवासन

(ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा :
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरी।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं बर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा यया है।

अनुसूची

भृमि और मकान--20-II, मेइन रोड, गाँधीनगर, मद्रास-20 ग्रडयार, लेख सं० 70/85।

> श्रीमती एम० साम वेल तक्षम प्राधिकारी. सहायक ग्राय हर ग्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 11 सितम्बर, 1985

प्रकल नाहरी, दर्गि, एन्, एस्, -------

सायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुमना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयक्कर आमुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्राय

मद्रास, दिनाँक 11 सितम्बर 1985

निदेश सं० 115/जनवरी, 85---ग्रतः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल

जानकर नहैं धनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गना हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारों को जह विक्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, जिसका उजित याजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० टी० एस० 13/253, हिस्सा, ब्लाक 4, ऊरूर गाँव, शेदा पेठ है, जो मद्रास में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कायलिय अख्यार, लेख सं० 57/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख जनवरी, 1985

करे प्रॉक्स सम्पत्ति के उचित नाकार मृत्य से कम के द्रियमान जीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विक्यास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्मत्ति का उचित नाकार म्स्य, उसके द्रियमान प्रतिकल से, ऐसे वृद्यमान प्रतिकल का इन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए सब पामा गया प्रतिकल, निम्नीलीकत उद्योग्य से उक्त अन्तरण विविक्त में अस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की मावत, उक्त मि-निवस के नभीन कर दोनें के मंतरक के वायित्व में कबी करने या उक्तम बचने में स्विधा के निए; नौर/या
- (च) ऐसी किसी आप या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उन्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण को, और, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्मिलिक्त व्यक्तियों, अर्थात् हो—

1. श्री पद्मनाब दास राम वर्मा।

(ग्रन्तरक)

7. श्री के० पी० कंडदस्वामी ।

(श्रन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्बक्ति को अर्जन को संबंध में कोई आक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर तृचना की ताजील से 30 दिन की जबिध, को धी जबिध बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राष्पत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संस्पत्ति में हितवब्ध किती कन्य स्थावत ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में से किए वा सकोंगे।

हमक्योकरणः — इक्कों प्रयुक्त शक्कों और पद्यों का, वो अर्वत अधिनियम, को अध्याच 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उत्त अध्याय में विका गया है।

श्रनुसूधी

भूमि—- ऊरूर गाँव, शेवापेठ तालूक, टी० एस० सं० 13/253, हिस्सा ब्लाक नं० 21—- श्रडयार, लेख ० सं 57/85।

> श्रीमती एम० सामुबेल हैंसक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-^{II}, मद्रास

तारीख: 11-9-1985

क्ष्म् आर्'्रहो<u>ः प्रमुख्यः । -----</u>

भाषकर निश्तिसन, 1961 (1961 का 43) करी) भारा 269-च (1) के नुभीत सुचना

ALSO AREAS

धार्याक्षय , सहायक वायकर वाय्यक (निर्दाक्षण) भर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनाँक 11 सितम्बर 1985

सं० 116/जनवरी, 1985—ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० ⊓मुबेल,

अपनकर अधिनियम, 1961 (1961 नम 43) (जिले क्रममें इसकी प्रवाह 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह क्रियास करने का कारण है कि स्थाबर सम्बद्धि, जिनका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० टी० एस० सं० 13/253 हिस्सा, ब्लाक 21, करूर गाँव; णेदापेठ है, जो मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय श्रद्धयार, लेख मं० 58/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख जनवरी, 1985

का पूर्वीक्स सम्पत्ति के उणित बाजार मृष्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्स सम्पत्ति का उचित काजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरित (यांतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उद्विषय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कार्य माना है क्

- (क) अन्तरण सो खुक् किसी आय की गामत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अक्तरक के दाबित्य में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/था
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हों भारतीय आवस्तर वृधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्तर अधिनियम, या धन्-कर् वृधिनियम, या धन्-कर् वृधिनियम, 1957 (1957 का 27) वौ प्रयोजनार्थ अन्तरिती च्यास्य भूकट तृहीं किया गय। धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा वौ निष्

जतः जब उक्त जिथिनियमं की भारा 269-ग की अनुसरण भों, मीं, उक्त अधिनियमं की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिवित व्यक्तित्ववाँ आव्यक्ति डिच्च 6. श्री प्रमनाब दास वर्मा, स्रगली ट्रांवकूर की महल राजा

(श्रन्सरक)

2. श्री भ्रार० वीरमाणी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जाड़ने कुछके पूर्वोक्त तस्पृत्ति के सर्वात के लिह्य कार्वपाहियां स्टूल करता क्ष्युं ।

उक्त स्मृति के कुर्वन् के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप् :---

- (क) इत् ब्यान के उपपान में प्रकाबन की तारीच से 45 दिन की जुनीभ ना तत्त्रान्त भी व्यक्तिसमें पूर ब्यान की तानीन ते 30 दिन की अनीभ, धो भी कनीभ नाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोच्छ व्यक्तियों में ते किसी व्यक्तिस दुशाइ;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाबन की शादीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्णि में हिसम्बर्ध किती जन्म व्यक्ति द्वारा अभोइस्साक्षरी में पास लिकित में किए जा तकोंगे।

स्मरकीकरण: ----इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो सक् ज़र्रभीन्दम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में विज्ञा

अनुसूची

भूमि--- ऊरूर गाँव, शेंदापेठ ताल्क, मद्रास, प्रख्यार लेख सं० 58/85।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-II, मद्रास

तारीखः : 11-9-1985।

प्रकृप बाह्", टी. एन. एस. ------

श्री यिश्वस्वामी,

(ग्रन्तरक)

नावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नभीन सुमना

2. श्री पी० राजेन्द्रन् श्रीर ग्रन्यों

(ग्रन्तरिती)

ब्रास्ट बहुन्सह

कार्यालय, सहायक आधकर आवृक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, विनांक 11 सितम्बर 1985

सं० 162/जनवरी, 85—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल, शायकर मुश्रिमियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चाद् 'उनत मिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-थ के बचीन समन्न श्रीधकारी के वह निश्नात करने का कारण है कि स्थापर सन्ति, जिल्ला ठिनत बाबार मृत्य 1,00,000/- रह. वे निश्का है

सौर जिसकी सं० सर्वे 684, 691/1 692/2, 688 दमाल गाँव है, जो चेंगलपेठ में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रांकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दमाल, लेख सं० 41 से 44/85 तक मे भारतीय रिजस्ट्रींकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सहयमान प्रक्रिश के शिए बन्तरित की गई है और मूज वह विश्वास करने का कारन हों कि बजापूर्वोक्त सम्बद्धि का उचित बाजार मूल्य, उसके दरमान प्रतिकत से, एसे स्थानान प्रतिकत का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरन के लिए तय पाया गया प्रतिकस, निम्निवित्त उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया बया है 2—

- (क) अतरण संहुद किसी मान की नामत, उसत कांधीम्बन के नधीम कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा की सप्: जार/या
- (क) श्री कियी नाव वा किसी धन वा कन्य जासित्वों को, जिन्हों भारतीय जायकार नृधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धन-कार जीधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के निए;

का बहु सूचना बारो कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति क अर्जन के सिए कार्यकाहियां कारता हुं।

उक्त सुम्बत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस तुजना को राजपत्र में प्रकारत की बारीच से 45 विन की जबीध या तत्त्रम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबीस से 30 विन की ब्बाध, जो भी ब्बाध बाद में स्थापत होती हो, के भीतर पूर्णेक्स स्थाबनामें में से किसी स्थाबत ब्यास;
- (क) इस स्थाना की राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 विकृ की भीत्र उनता स्थावर सम्भृति में हितनहरू किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किये जा सकीये।

स्यप्टीकरण :—-इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदां का, जो उक्त जीधीनयम के अध्याय 20-क में परिभाधित ही, वहीं जुधे होगा जो उस अध्याय में दिय नवा ही।

अनुसूची

कृषि खेती—दमाल गाँव, सर्वे सं० 684, 691/1, 691/2 श्रौर 688 दमल—लेख सं० 41 से 44/85 तकः । ह/-

> श्रीमती एम० सामुवेल मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास ।

भतः अव, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के जनुतरण वो, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्लिखित व्यक्तियों, अधीर 💝 ...

तारीख 11-9-1985 मोहर: प्रारत्य बाह्य, दी. एव. एस.,------

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (19**61** का 43**) की**

भारत 269-व (1) के वभीन सूचना भारत सरकार

कार्याज्ञयः, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्तण)

श्रर्जन रेज-II, मद्राम

मद्रास, दिनांकः 10 सितम्बर 1985

निदेश सं० 26/जनवरीं 85/रेंज्-I —श्रत: मुझे, श्रीमती एम० भामुबेल

नायकार लोभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पम्लात् 'खकत लीधीनयम' कहा गया है), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का समारण है कि स्थावर संपति, जिसका उथित बाजार मुख्य 1,00,000/- रह. से लिधक है

और जिसकी सं० 25, वल्लम् बंगारू चेट्टी स्ट्रीट. पुरण-वाकःम है, जो मद्राम-7 में स्थित हैं (और इसमे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के वायलिय पुरणवाकःम लेख सं० 117/85 में भूगरतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवरी 1985

का पूर्वितित संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वितित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया याया गया प्रतिफल, निम्निलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण सं हुई किसी बाय की वायत, उक्त विधिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दावित्य में कजी करने या उससे वचने में सुविधा के बिद््रा जॉर/वा
- (का) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्म जास्तियों की जिन्हों भारतीय जामकर जिथितियन, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथितियन, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिष्।

अंतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप्धारा (1) के अधीय, निम्नलिचिक चिक्तवों, अर्थात् ः— 1) श्री सीट मुख्या

(भ्रन्तरकः)

(2) मैसमी चिक्का इन्डस्ट्रीज. की पार्टनर, हरकचंद वालजी

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्नित्त के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की वर्वाध, जो भी जबिंध को साम में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्यारा;
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाबन की तारीक्ष सं 45 दिम को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त कन्यों और पदों का जो उबक्र विधिनियम, के अध्याय 20-के में पीरभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया एण है।

वन्स्ची

भूमि डोर सं० 25, वल्लम् बंगारू चेट्टि स्ट्रीट, पुरण-वाकःम, मद्रास, पुरणवाकःम (लेख गं० 1.17/85)।

> एम० भामुबेल यक्षम प्राधि भरी महायक ब्रायक्षय ब्रायुक्त (विरीक्षण) ब्रर्जन रेंज-II, मद्राम

नारीज: 10-9-1985

माहर :

प्ररूप आई. टी. एम. एस. -----

आयकर जिभिनिजम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निदेश सं० 31/जनवरीं 84,रेंज-II-- ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० नामवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियमं कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 76, 7, माधवन् नायर रोड है, जो महालिगपुरम्, मद्राम-39 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, थीसन्डलैंडस (लेख सं० 38/ 85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जनवरी 1985

की प्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्रयमान प्रित्तिकल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्येक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से एसे स्रयमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्तर नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् :--- (1) श्रीमतीं बीठ तैयनायगि श्रम्माल

(भ्रन्तरकः)

(2) श्रीमती ई० पीं० विजयलक्ष्मी नायर

(श्रन्सरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त तज्याँत के अर्जन के लिए कार्वनाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वितत स्थितयों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित — हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भूमि प्लाट सं० 76, सं० 7, माधवन् नाथर रोड, महालिगपुरम, मद्रास-34, यौक्षन्कलैंड्स लेख सं० 38/85।

> श्रीमती एम० सामुवेल मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-16, मद्रास

तारीख: 10-9-1985

प्ररूप बाइ . दि . एम . एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निराक्षण)

ग्रर्जन रेंज-11, मद्रास

मद्राम, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निवेण सं० 34/जनवरी 85/रेज-II--ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल,

भामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परवात् 'क्यत अधिनियम' कहा गया हैं), को भारा 269-य के अधीन सभन प्रतिभक्तारी को यह विश्वास खरने का कारण है कि स्थावर सम्प्रति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट नं० 24, चौधरी नगर, मलमखाक्कम है, जो मद्राम में स्थित है (और इससे उपयबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, त्रिरुगम्बाक्कम् लेख मं० 64,85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मुधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्बद्धि के बिजत बाजार मृत्य ते सम से धवक्तान ब्रोतकास के लिए अन्तरिक की गई और मृत्रे कह विश्वास करने का कारण है कि बमापूर्वोक्त सम्बद्धि का उपित बाजार करने का कारण है कि बमापूर्वोक्त सम्बद्धि का उपित बाजार करने, उसके व्यवमान प्रतिकास का पन्त्रह प्रतिकास से अभिक ही और अन्तरक (बम्लएकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच होते अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास, मिम्लिखिक उद्योक्त से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तरिक क्य से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण ते हुई कितीं नाय की वानतः, उन्तर निर्भातयम के अभीन कर देने के अन्तरण कें सामित्य में कमी करने या उत्तसे वचने में सुविधा के सिए; और/धा
- (च) ऐसी किसी लाय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय आयं-कर ऑधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रवोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में साबधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में., में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निकिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री एम० एम० एम० श्रार० पंचवर्णस्माल (श्रन्तरक)
- (2) श्रीं ग्रार० नटेणन

(श्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यूबाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन के संबंध में कोई भी वास्तेष ---

- (क)। इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी स्पन्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (च) इस तृषता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोक्रस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्प्यक्रीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सिध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाणित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान, प्लाट नं० 24, चौधरी नगर, मल-सेखाक्कम्, मद्रास। विरुगम्बाक्कम् लेख सं० 64,85।

> श्रीमिती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--11, मद्रास

तारीख : 10-9-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, मद्रास मद्रास, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निदेश सं० 79_i जनवरी 85_i रेंज-II---ग्रितः मुझे, श्रीमतीं एम० सामुवेल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन पक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार अल्प 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिपकी सं० 8 डा० मोमम रोड, टी नगर है, जो मद्रा — 17 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री ती अधिनारी के कार्यालय, री० नगर, लेख सं० 78/85 में भारतीय रजिस्ट्री- करण अधिनियम, 1908 (1908 ा 16) के अधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में गस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण में हुए किसी बाग की भावत , उपत सीधीनपन के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के चिए; बरि/बा
- (६) एमं किसी अध्य ा िकसी धन या अन्य आस्तियों तो, जिन्हों भारतीय आयकर अध्यानायः, 1922 (1942 का 11) त तकत आधितियः । ज्ञा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अप्रयोजनार्थ अन्तिरिती देवारा प्रकट नहीं किया गया गरा का का किया का निर्माण का किया किया का भी कर के किया का भी कर के किया के मिक्स

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण था, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधितः निमालिखिन व्यक्तियाँ, अर्थातः :—

(1) तमिलनाडु कैथोलिक बिशप काउन्सिल लि॰, डा॰ कण्मणि एस॰ शैल्वनाथन् ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री विल्लमुत्तु,
श्री सुन्नमणियम,
जयकुमार

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्थन कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के कर लिखित में किये जा सकारी।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान, 5 नयो सं० 8, डा० तामस रोड, टी० नगर, मद्रास, टी० नगर, लेखा सं० 78/85।

> श्रींमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 10--9--1985

प्ररूप आहाँ.टी.एन.एस.-----

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निदेश सं० 130|जनघरीं 85|रेंज-I^T--श्रतः मुझै, श्रीमती एम० साभुवेल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि. 4250 स्क्वेयर फीट, कलाक्षेत्रा कालोनी है, जो मद्रास-90 में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुचनी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रींकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास, दक्षिण लेख सं० 155/85 में भारतीय रजिस्ट्रींकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधींन तारीख जनवरी 1985 है

को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रितिकेल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाग गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वत में वास्तरिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की, बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के खिए; आर्र/सा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण कों, म⁴, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—
34—276GI∣85

(1) श्रीमती सराजिनी मोहन्

(श्रन्तरक्)

(2) बी० कृष्णमूर्ति

(श्रन्तरितीं)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

जक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्धं
 किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकी।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है :

अनुसूची

भूमि 4250, स्क्वेयर फीट, कला क्षेत्र कालोनी, मद्रास-90, दक्षिण मद्रास, लेख सं० 155/85।

> ण्म० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-गी, मद्रास

तारीख: 10-9-1985

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजेन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 सितम्बर 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि खेती, वेंगम्पर गांव है, जो इरोड में स्थित है (और इसमे उपावद धनसूची में और पूर्ण का त विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिवारी के टार्यालय कोइमडी लेख सं० 12/85 में भारतींय रिजर्दीर रिण इति रियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख जनवरी

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आरे/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सर्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्म्लिकित व्यक्तियों, अर्थात् ;---- (1) श्री पीं० मुब्बण्ण गोंडर और अन्य

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० एस० रामसामि

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त करूवों और पदों का जो उक्ते अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि खेती वेंम्गपूर गांव, ईरोड तालुक, कोडुमुडी, लेख सं० 12/85।

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-II, महास

तारीख : 10-9-1985

प्ररूप आर्ह्ः टी. एन. एस..======

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निदेश सं० 171/जनवरी 1985/----श्रत: मुझे, श्रींमती एम० साम्बेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रे पृवानित समपति के उचित गाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रितणल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार मन्त-रित की गई है और मुके यह विश्वास करने का अारण है कि यथापृवीकत संपत्ति का उचित गाजार मृत्य स्वयं करवान प्रतिकृत संपत्ति का उचित गाजार मृत्य स्वयं करवान प्रतिकृत से पृथे स्वयमान प्रतिकृत क्य पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तौ रितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया विकास, निम्बीसित उद्वेष्य से उक्त बन्तरण किवित के बाजार मही क्या पना है क्षा

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का •11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्तं अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्तं अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री मृत्तु शिषराम रेढ्डिशर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कुमारकृष्णन् रेद्दिख्यार

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जाड़ी करके पूर्वोत्रत संपरित के अर्जन के विक् कार्यवाहियां गुरू करक हुई ॥

हरू बन्धित के वर्षन के बन्धन में कोई भी बक्कोप:---

- (क) इस स्वना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वातः;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उचत स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य स्थित व्यास अधोहस्ताकारी के पास जिल्हा में किस का सुकोंगे।

स्पष्टिकरण :—इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान 28, सर्वे नं० 362 μ बी० 34, ए1, ए1, ए1, ए1, ए1, ए1, ए1, 81.06 वार्ड 6, पूरव प्रतुमार मन्दिर स्ट्रीट, विलुप्पुरम्, विलुप्पुरम् लेख सं० 20 μ 85।

श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रादकार श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग-2, मद्रास

तारींग्ड: 10-9-1985

वर्षा वर्षात् होतु कुर् तु कुर्क अन्तरमञ्चल

शावककः वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के विभीन क्यांग

पास्त्र संस्कृत

फार्वालय, सहामक नामकर वायुक्त (गिर**क्षिण**)

ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निदेश सं० 171/जनवरी 85—श्रत: मुझे, श्रीमती एम० साम्वेल

नावकर लिपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त निधिनियम' कहा गवा हैं), की भारा 269-क ने नथीन सक्षा प्राधिकारी को, वह विद्याद करने का कारण हैं कि स्थानर सम्मित्तं, जिसका उचित वाचार नृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 362/बी० 97, पूरब शनुसार मन्दिर, कोईल स्ट्रीट है, जो विलुप्पुरम में स्थित है (और इसमे उपाबड श्रनुचर्ना में आर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीक्ति श्रिधकारों के कार्यालय, विलुप्पुरम लेख स० 20/85 में रिजस्ट्रीकरण श्रिधितियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन मारींख जनवरीं (985 को

को पूर्वा कर सम्पत्ति के उचित याजार वृत्य र कम के स्वयाष्ट्र विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित वाजार वृत्य, । सके दश्यकान प्रतिकत से एसे दश्यमान ।तिकत का पंद्र प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरित (अन्तरि तेयों) के बीच एसे अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरित (अन्तरि तेयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा कल विद्यास पिस्निवित उच्चेक्स से उच्च श्वरिक्त विद्यास की विद्यास कर विद्यास की वि

- (क) अन्तरण ने हुई किसी बाब की बाबत अक्स बिभितिश्रम के स्थीन कर दोने के अन्तहक की शायित्व यों अभी अरने या उससे वचने में सुविधा के लिए; कोड्र/बा
- (ह) एसी किसी जाय या किसी भूप वा वृष्य जास्त्राम् का, जिल्हें भारतीय जायकर अधि नयम, 1922 (1922 को 11) या उक्त पिश्वियम, या भनकर लिश्वियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया नदा वा या किया जाना वाहिए वा कियाने में स्विधा के लिए,

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-धं के अन्सरण में, में, उम्त नाँधनियम की धारा 269-च की स्वभारा (1) के अभीन, निम्निजिसिंह स्पिक्तकों, अर्थात् 🖳

(1) श्री कुमारक्षणन रेढ्ढियार,

(ग्रन्तक)

(2) श्री मुत्तु शिवराम रेढ्ढियार

(अन्तरिती)

का वह बुचना बारी करके पृश्तिनत संपृत्ति के वर्णन के निहें कार्यनाहियां करता हुं।

उक्क संपरित के वर्षन के संबंध में काई भी वाशेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी कन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीसर प्वॉक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाह्य;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर के पास लिखिए में किए जा सकेंगे।

स्यक्षीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ष होगा, जो उस वध्याय में दिया नवा हैं।

अनुस्ची

भूमि और मकान सर्थ नं 367/बी, 92 पूरव अनुमार मन्दिर, (कोइल) स्ट्रीट, विलुप्पुरम, विलुप्पुरम लेख सं 20/85।

श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सह।यक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- 2, मद्रास

तारीख : 10-9-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

`कार्यालय`, सहायक आयकर आय<mark>ुक्त</mark>´ (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेण सं० 2/जनवरी, 85——ग्रत: मुझे, के० वेणुगोपाल राजू,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

और जिसकी मं० प्लाट सं० 59, कें० कें० नगर, महुरैं है, जो महुरैं में स्थित है (और इससे उपायड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी कें कार्यालय तल्लाकुलम दस्तावेज सं० 67,85 में रिजस्ट्रीकरण प्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख जनवरी 1985

को प्वोक्त सम्मत्ति के उचित नाजार मून्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोक्त सम्मति का उचित बाजार मूक्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिकल रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) जनसरण से हुई किसी आय की बागता, उक्त जिमित्यम के जभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/मा
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का. 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना जाहिए था, छिपाने जें स्विभा के विदर;

क्तः अब,, उक्त अधिनियम की धारा 263-ग के अनुसरण में, में', उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) ■ अधीनः, निक्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—- (1) श्री श्रार० एम० सोम्मलिंगम

(भ्रन्तरकः)

(2) रेमी तनगया -

(ग्रन्तिगती)

को वह सुचा वारी कारले पूर्वीक्स सम्पत्ति के कार्यन के लिख् कार्यवादियों जरता हो।

उक्त सम्⊹ित् के जुर्पन के संबंध में कोई भी शक्तोप् ह—

- (क) स स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 25 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्याक्तयों पर स्वना की तामील से 30 दिन कि दब भ, जो भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भंतर पूर्वोक्त विकित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की त रोख से 45 नि के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध कसी कन्य व्यक्ति व्वारा, स्थाहस्ताक्षरी के पास् व्यक्ति में कियों का सकेंगे।

स्वयाक्तिरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्ते अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित्र हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अन्याय में दिया ग्रां क्षेत्र हैं।

अनुसूची

भूमि ााँर माधान, प्लाष्ट सं० 59, के० हे० नगर, मदुरी।

> के० वेणुगंभाल राजू सक्षम पाधिनारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, महुरै

तारीख: + 9-1985

मोहर ः

प्ररूप मार्च. द्या. एन अस. -- 🗻

नायकाह मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन मुखना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मुदरे

मदुरै, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० 4 जनवरी, 85—-श्रत: गुर्की, केश वेणुगीपाल राज्,

गायकर अधिनियम, 1961 (1964 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सन्य 1,00,000/- रु. से विधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० सं० 146/5 और (प्लाट सं० 59) है, जो के० के० नगर, मदुरें में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण का में विणत है), रिजस्ट्रींकर्ता अधिकारी के वार्यालय, तरलाकुलम वस्ताविक सं० 70/85 में रिजस्ट्रीव्यण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरीं 1985

को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिपत्न के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित जाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरा के लिए तय पाया प्रतिफल, ट्रिम्निलिखत उद्देश्य से उनत अन्तरण निधित में बस्तिक रूप से क्रिथित नहीं दिवस गया है है—

- (क) बन्तार्थ से हुई किसी बाय की बावत्, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अभने भी सुन्धिमा के सिए। मौरू/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अधिसाती को, जिन्हीं भारतीय आय-कर निर्धानयन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा की लिए?

बाः बय, उसत अधिनियम की धारा : 69-म क जन्हरण के, भी तक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) की अभीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .—

- (1) श्री श्रार० एम० सोकशिलन्गम
- (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती श्रनत तन्गैया

(ग्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अञ्चल के किए अर्घवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पर्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षंप ह--

- (क) इस सुभान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अयिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर पृचना की तामील से 30 दिन की अयिध, जो भी वयिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तु अधिनियम के अध्याय 20-क में पेरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

धनुसूची

भूमि और मकान श्राप्त एस० सं० 146/8 और 9 (प्लाप्ट सं० 59) के० के० नगर मदुर।

(एस० भ्रार० ओ० तल्लाकुलम—-दस्तावेज मं० 70/ 85)।

> के० विणुधोपाल **राजू** सक्षर प्रधिता**री** सहायक प्राप्ताल आयुक्त (जिरीक्षण) श्रर्वत रेजा स**दुरे**

तारीख: 9--9-1985

नाहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

****** 4004 /4004 ******* 40***

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, मदुरी

मद्रै, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० *5|*जनवरी,<mark>85----भ्रत: मुझे, के० वे</mark>णुगोपाल राजू,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इस हैं। इसके परचात 'उकत अधिगायम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० डोर मं० 19, टीं० एस० स० 592/2, है, जो आगरीं स्ट्रीट, तल्लाकुलम, मदुरें में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीक्त संविधारी के कार्यालय, तल्लाकुलम, मदुरें दस्तावेज सं० 72/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1985 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी

को प्वंक्ति सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उष्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत, जबत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूविधा के लिए;

अत: अब, अक्ट अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, स्क्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री ग्रार० ग्रिश्चन्द्रन

(अन्तरक)

(2) श्री प्रार० सेखरन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह-

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्सची

भूमि और निर्माण डोर सं० 19 टीं० एस० सं० 592/2 धारारीं स्ट्रीट तल्लाकुलम भंदुरें। एस० म्रार० अं१० तल्लाकुलम दस्तावेज सं० 72/851)

के० वेलुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज सदुरै

तारीख: 9-9-1985

मोहर

प्ररूप नार्ष. टी. एन. एस. -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

धारत बहकाह

कार्यालय. सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंक मद्रौ

मदुरै, दिनांक 9 सितम्बर 1985 निदेश म० 6/जनवरी/85--- अत: मुझे, के० वेणुगोपाल ∙ाज्,

अप्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' लहा नया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की ग्रह विषय स सरने का कारण ही विः स्थापर् सम्परितः, जिसका उचित भाषार् भून्य 1,00,000/- रक. से अधिक है

और जिसकी संव टींव एसव संव 2791/1 और 2 बार्ड सं० १० है। जो जवार रोड चे (तिरक्षांम, मद्रौ में स्थित है (और उ व उपावड़ घनुसूची में ओर पूर्ण रूप से वर्णित है), अधिर्यात्ति अधिरारी के आर्यालय तल्लाकृतम **मद्रै** वस्ताबेद राज 78/85 में खान्तीय जीवस्दीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का. 16) वे अधीन नारीख जनवरीं

को पूर्विक सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यभापूर्वेक्स संपरित का उन्तित बाबार भूल्य, उसके पश्यमान प्रतिफल से, एसे अध्यमान शतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और जन्तरिती (अंतरितियाँ) के भीच एसे अंतरण के लिए त्य पावा गवा प्रतिफल, निम्नि, जिल्ला उद्देश्य से उत्त अन्तरा निचित 🛋 वास्तिथिक रूप से किथत नहीं किया गया है 🏖---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की अबत उक्त ारिशनियम के वाणीय कर शेने के यन्तरन के शावित्व में कमी करने या जससे ब्यने में सुविधा के बिए? धरिर/या
- (स) एमी किपी जाय या किसी भन या अन्य शास्तियों को जिन्ही भारतीय अध्यक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्छ अधिनियम, या भन-कर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) 🖷 प्रयोजनार्थ अन्तरिधी दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या विकास जाना चाहिए था, किपाने में सुविधा ध्ये न्यए।

अतः का, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग की वमुसरण मों, मों, उक्त विधनियम की धारा 269-ते की उपधारा (1) 🗣 अभीतः, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभाव 🤉

(1) श्री रामनाथन चेट्टियार

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती भवानी दिनेण।

(श्रन्तिनती)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यबाहियां शुरू करता हुं।

सकत सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इस सुमना के ,राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लि चित में किए अप सकों गे।

स्पद्मीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अर्धिनियम, के बध्याय 20-क में परिभावित है, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में विद्याक्ष गया है।

भूमि 12.345 सेन्टम वार्ड सं० 10 टी० एस० सं० 2791/1 और 2, जवाहर रोड, चोक्किकुलम, एस० म्रार० ओ० तस्लाकुलम (दस्तावेज स० 78/85।)

> के० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायकः ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, मदुरै।

तारीख : 9-9-1985

प्रारूप आर्इ.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन सूचना .

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, मदुरै मदुरै, दिनाँक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं०, 7/जनवरी/85----- प्रतः मुझे, के० वेणुगोपाल

राजू,

बासकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) तैंचले इसमें इसके प्रचान 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारत 269-च के जलीम बक्षम शर्मिकारी को यह पिक्ताच करने का कारण ही कि स्थानर बजारिक, विकास उपित कामाह स्थ्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 407 (दक्षिण भाग) श्रार० एस० सं० 79 है, जो मदुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), ईरिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के लायलिय, श्रक्षा नगर, मदुर (दस्तावेज सं० 84/85) में रिजस्ट्रीकरण श्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जारीख जनवरी 1985 को

को पूर्वोक्त संपत्ति के उणिए जावार मृत्य वे कम् के क्यकान अ प्रतिकल के लिए जंतरित की गई है और मुखे वह विश्वास करने कक्ष कारण है कि वंशापुर्वोक्त संस्थीत का जीवत नावार मृत्य उसके कावनान प्रतिकल से, हैं वे क्यकान प्रतिकल का पत्नह प्रतिकात से निधक है और जन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (जन्तरिर्वत्यों) के बीच हें के क्यक्त के निष् तक् पावा नवा प्रतिकल, निश्निलिक्त अव्हरेन वे सक्त बन्तरक कि विश्व के नाम्तरिक कर ते क्यकत महीं किया वना है है

- (क) बरायरण वे हुई कि की नाव की नावक, उच्छा अधिरित्यम की अधीन कहा दोने की वाकारक की वाजिरण में कभी करने या उससे बचने में सुविका ओ सिए; बीप/या
- (क) देसी किसी जाय वा किसी भन वा अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जनकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त. अभिनियम, भा भग-भार लिगिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती युवारा प्रकट नहीं किया गया अ: या जिल्ला शांका वाहिए था, क्रियाने में सुविधा जै सिक्;

(1) श्री एम० रामस्वामी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जें० सुरेश बाबू

(ग्रन्तरिती)

का बहु क्ष्या चारी कारके युवींबत सम्बति के वर्षन के निष् कार्बवाहियां गूर करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :

- (क) इस स्वता के राजपण में प्रकाशन की शासीब से १८ दिन की बर्शीम या तत्वंगेंं व्यक्तियों पूर स्वाय की शासील ये 30 विन की बर्जींं को की समित कार में समाध्य होती हों, के भीतल पूर्वीचा स्वितकों में से स्वारी क्षांक्य कुक्का;
- (क) इस तृषमा को राजपण में प्रकाशन की सारीक के 45 दिन के श्रीत्र प्रकार स्थापक स्थापक में दिन-शह्भ जिस्सी व्यक्ति क्षाप्त, अध्यक्तिकारी के कहा सिविक में किए या कर्मोंगे।

लाक्टीकाइल:---इक्नों प्रमुखतः श्रव्यों और वर्षों का, यो उपल अभिनियम, के अभाग 20-क में परिभावित क्षेत्र, बहुई अर्थ कोलए जो उस अभाग वो विवा वर्षा हो।

अनुसूची

भूमि 2225 स्क्वेयर फीट--प्लाट सं० 407 (पूरबी भाग) ग्रार० एस० सं० 79, प्रश्ना नगर, महुरै (एस० ग्रार० ग्रो० तल्लाकुलम, महुरै--दस्तावेज सं० 84/851)

> केऽ वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज; मकुरै

तारीख: 9-9-1985

प्रक्रम बाह् ु टाँ , एम ु एक् ,हररर

भायकर मधिनियंग, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक बायकार बायुक्त (निर्दाक्षण)

म्रर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनाँक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० ७ ए/जनवरी/85——श्रतः मुझे, के० वेणु-गोपाल राजू

नावकर लिपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के बभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मन्ति, जिसका स्वित बाबाद मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 407, भार० एस० सं० 79 पण्चिमी भाग है, जो भन्ना नगर, मबुरे में स्थित है (भौर इससे जपाबद्ध अनुमूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तल्लाकुलम, मदुरे (द० सं० 80/85 में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान ब्राह्मिक के लिए अंसरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्सि का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियाँ) के बीच ें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कन निम्निनिवत उद्दं है उक्त अन्तरम निवित में बाक्तिक अध्य से किंपित नहीं किंका गया है क्ष्र

- (क) निवासन हो हुन्द किली जान की बालक, सबस् बाबिनियन की बधीन कहा बोने की बन्तरक की बाबित्य में कती करने या उन्नवे ब्याने में सुविधा की विद्युः बाद/मा
- (क) ऐसी किसी जान या किसी भन या कन्य आस्तिका को, जिन्हों भारतीय आएकार अर्थभारत्य है, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ संतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, क्रियाने में सुविक्ष विक्या

भूजा भन्, उन्त गभिनियम की भारा 269 न के अनुस्रक भूजि भीत बन्त गभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) भी भभीत, निम्नसिणिट स्विक्तियों, कर्यांक अल्ल (1) श्री एम० रामस्वामी

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जे० भास्करन।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिए कार्यनाहियां शुरू करता हूं ।

बक्त धुम्पति, के गर्जन के धंतंत्र में कोई भी नाशंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की सर्वीभ या तत्संबंधी व्यक्तियाँ गढ़ सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वीभ, वो औं सर्वीभ दाद में समाप्त होती हो, के भीतर भूवोंकर स्मानतमां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचमा को राजपत्र में प्रकाशन की सार्यक्ष ने 45 दिन को भीतर अन्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य अमिस व्वारा अभोहस्ताक्षरी अ पास लिखित में किए जा सकोंगे।

वन्त्र्यी

भूमि प्लाट सं० 407 (पश्चिमी भाग) मार० एस० सं० 79, ग्रन्ना नगर, मदुरै (एस० ग्रार० ग्रो०, तस्लाकुलम, द० सं० 80/85।)

> के० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी महायक ध्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुरै

तारीख: 9-9-1985

प्ररूप आहें.टी.एन. एस.-----(1) श्री ए० वी० कन्दस्थामी।

(ग्रन्तरक)

मायकर वर्षिभियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्मना

(2) लेफ्टिनेन्ट करनल ग्रानन्दन ।

(श्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्याक्रव, सहायक्ष आवकर जायुक्त (निरीक्षण) ्रम्रर्जन रेंज, मदुर

मद्रौ, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० 19/जनवरी/1985--- ग्रतः मुझे के० वेणु-

आवकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 🖽 3) (जिसे इसमे इसके पक्ष्मातु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 2'69- ख के अधीन सक्षय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समात्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000/- रु. से अभिक है

ग्रौर जिसकी सं० टाउन वार्ड सं० 1 ग्रौर पहला डिवीजन है, जो उत्तर मर्खविलागम स्ट्रीट, करूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्च। में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार०-1, करूर वस्तावेज सं० 85/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख जनवरी

को पूर्वोदित सम्पर्तिको उचित बाजार मूल्य सेकम के इरुयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विदयास करने का कारण है कि यथा पूर्वीक्त संपत्ति का बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल द्धारमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिली (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखत उद्योदम ते उक्त अन्तरण जिक्ति में वास्तविक रूप से कथित न**हीं किया गया है** ह—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्ट कि भिनियम के अप्तीन अन्तर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करनेया उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तियी को, पिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया थायाकियाजानाचाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, अक्त अधिनियमं की धारा 269-गंको, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिसित व्यक्तियों, जर्थात् :---

का यह सूचना जारी कर्को पूर्वोक्त संपृत्ति को अर्जन को लिए कार्ययाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीख से 45 दिन की जनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चनाकी तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना को राजपत्र में प्रकाकन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति वृवारा अधोहस्साक्षरीकेपास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्डीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में गरिभाषित है, वही अर्थ होग(जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुसूची

भूमि भ्रौर निर्माण टाउन वर्डिसं० 1, पहला डिवीजन, उत्तर मडविलागम स्ट्रीट, करूर (जे० एम० ग्रार० 1, करूर द० सं० 85/85)

> के० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्राय्कत (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, मदुर

नारीख: 9-9-1985

मोहर 🤞

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनाँक 9 सितम्बर 1985

निदेश सं० 29/जनवरी/1985—-ग्रतः मुझे, के० वेणु-गोपाल राजू

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० सर्वे० सं० 250/1, श्रीर 250/2 हनु-मन्तन पट्टी गाँव है, जो उत्तमपलायम के द्वारा, मदुरै में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिजत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, उत्तम पालयम दस्तातेज स० 4/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जनवरी 1985 की

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के कश्यमान प्रतिकत को लिए अन्तरित की गई है बीट मूझे भह विद्यास करने का कारण है कि अभापनीकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उतके स्थ्यमान प्रतिकत से एसे अपमान प्रतिकत का पंदह प्रतिकात से मधिक है जीर एसे अंतरक (जन्तरकों) जोर अंतरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के सिए उप पाया प्या हित्कत, निम्नितिक्त उद्देश से उच्छ अन्तर्भ दिन्धित में बालारिक रूप में कथित नहीं किया नवा है है—

- (क्र) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दाने के अंतरक के बायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय का किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मक्द वा , उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उस्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीनिश्चित स्पन्तियों, अधीन, ---

(1) श्रीमती मीनाक्षी ग्रम्माल

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती के॰ एम॰ ए॰ उम्मुकनि श्रम्माल (ग्रन्तरिती)

को यह त्याना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तायल से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अधि भ को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अगोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थान्द्रीकरण:----इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त गिथ-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

सम्बद्धी

3.35 एकड़ कृषि भूमि, सर्वे सं० 250/1 श्रौर 250/2 हुनुमन्तनपट्टी गाँव, मदुरै जिला (दस्तावेज सं० 4/85)

के० त्रेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मदुरैं।

तॉरीख: 9-9-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बाव्कर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग्र 269-म (1) के वधीन बुखना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक वाषकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मदुरै

मव्रेर, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 30 जनवरी/85—अतः मुझे, के० वेणुगोपाल राज.

वायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इतमें इतके परचात 'उक्त विधितियम' कहा नवा हैं), की चारा 269-व के मधीन तक्षत प्राधिकारी की वह विध्वाद करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मृस्क, 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रार जिसकी सं० 93 ए श्रीर 93 की, नाडार स्ट्रीट, तिरुचेन्दूर टबुन हैं, जो तिरुचेन्दुर में स्थित हैं (आर इसमे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्री केती अधिकारी के कार्यालय तिरुचेन्द्रर (द० सं० 18/85) में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 की 16) के अधीन, सारीख जनवरी 1985

को पूर्वाक्त सम्पत्ति को जिस्त बाजार मूख्य से कम के इह्यमान श्रीतफास को सिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह निववास करने का कारण है कि यथापूर्वास्त संपरित का जीवत बाजार भून्य, उसके स्वयमान प्रतिकास से, एसे स्वयमान प्रतिकास का धन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अदरण के निय तय पाया प्या प्रतिकास निम्नितिया स्वयम्य से स्वत कन्त्रम् विविकत के बास्त्रिक स्थ से क्षित नहीं किया नवा है।

- (क) बर्ग्यरम सं हुई फिक्की शाव की बाव्य, अका अधिनियम के अधीर कर दोने के बन्तरण क कदिरम् मां कवी कर्ष या उपने स्थान के बृह्मिक। के दिसम् मां कवी कर्ष या उपने स्थान के बृह्मिक।
- (व) एसी किसी जान वा किसी भन या अन्य जास्तिनों की, चिन्हों भारतीय नाय-कर जिथिनियन, 1922 (1922 का 11) या उनते नियनियन, या वन्-कर अभिनियन, या वन्-कर अभिनियन, या वन्-कर अभिनियन, 1957 (1957 का 27) का प्रयोधनार्थ अन्तिहित्ती बुनारा प्रकट नहीं किया नवा था था किसा अन्ति पश्चिए था, किसा में जानन के लिए।

बारा अब , उन्हां निभागयम की भारा 269-ग के अनुसरक वी , वी , उन्हां निभागयम की भारा 269-म की उपभारा (1) वे सभीन , निन्तिवित व्यक्तित्वार्गे, मुख्यें के— 1. श्री ए० टी० आर्मिदम नाडार।

(अन्तरम)

2. श्री के० शम्भुगमुन्दर पान्डी श्रीर दूसर। (अन्तरिती)

का वह त्वता बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन में सम्बन्ध में कोई वासेप अ-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच त 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास सिचित में किए जा सकोंगे

स्वक्रीकरण '---इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पी।भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा चो उस अध्याय में दिया यवा हैं।

स्पूज

भूमि श्रौर मकान सं० 93ए श्रौर 93बी , नाडार स्ट्रीट तिरचेन्द्र टबुन एस० आर० श्रो० तिरचेन्द्र—दत सं० 18/85)।

> के० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुर

तारीख: 9-9-1985

प्ररूप वार्दे.टी.एन.एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यां लय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जंम रेंज, पालयमकोट्टै

मदुरे, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश सं० 4.6/जनवरी/1985—अतः मुझे, के० वैणुगोपाल राजू,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000∕-रुः से अधिक ह*

भौर जिसकी सं० प्लाट सं० डी० 11 बार्ड सं० 28, महराज नगर है, जो युनिपालयमकोट्टै सिपलिटी तिरुनेलवेंलीप-2 में स्थित है (भौर इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बींगत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पालयमकोट्टे ड० सं० 112/85 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन) तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निचित्त में बास्तविक रूप से कि भहीं फिया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (सू) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित म्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्रीमती अन्नपूरनम ग्रीर ग्रन्य।

(अन्सरक)

 श्री एस० अहमद अब्दुल कादर श्रीर अन्य। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के द्विए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छोकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो जनस अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो जनतः अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि भीर निर्माण प्लाट सं० डी० 11 वार्ड सं० 28, महराज नगर, पालयमकौट्टे म्युनिचिपलिटी, तिहनेलवेली (एस० आर० घो० पोलयमकोट्टै—ड० सं० 112/85)।

> के० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज मद्रे

तारी**ख**ः 9-9-1985

प्रकम बार्ड . टी . एन . एस .,------

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की कें भारा 269-थ (1) के बभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्दरै

मदुर, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देण सं० 47/जनवरी/85--अत: मुझे, के० वेंणूगोपाल

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अभिक **ह**ै

श्रीर जिसकी प्लाष्ट सं० 7, 15 स्ट्रीट, II वार्ड, वेलायुतम रोड है, जो सिवजासी दव्म में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिवकासी (दससं० 112/85)में रजिस्ट्री-करण घ्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,तारीख जमघरी, 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित नाजार मृस्य से कम के दश्यमान पितफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्लास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके परयमान प्रतिफल से, एसे परयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरका) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एभे अंतरण के लिए तय पाना गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देवदेय से उक्त अंतरण निचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है दू---

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोनें के बंतरक के दायित्व में 🕥 कभी करने याधससे अवने में सुविधा के निए; और/गा
- (क) एरेसी किसी बाय या किसी भन या अन्य अहस्तिकी को जिन्हें भारतीय अधिकर अधिनियम, 1922 (1922 का 🚻 या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1951 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ज अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग के बन्सरण कों, मीं, खक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के वर्धीन, निम्मृतिवित व्यक्तियों, वर्धात् 🖫 —

1. श्री श्रत्भसबापसी।

(अन्तरक)

2. श्री राम लिबास लोखोटिया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति में अर्जन के सिक् कार्यवाद्यियां शुरू करता हु ॥

उन्नत सम्पर्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेषु :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तासवा से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना करितामील से 30 दिन करी अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वोक्त व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्बत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्पक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सर्कोगे।

स्पक्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त कच्चों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित 👣, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

भूगुंची

भूमि --एलाट सं० 7, 15 स्ट्रीट, II वार्ड बेंलायुत्तम रोड, सिवकासी टवुन (एस० आर० ग्रो० सिवकासी दस० सं० 112/85)।

> के० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, मदुर

तारीख: 9-9-1985

कोहरू 🏻

प्रकृप आई.टी.एन. एस.-----

ाः श्री सुक्रमन्यम चेट्टियार।

(अन्तरक)

श्री रामस्वामी चेट्टियार।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भागत सरकार

कार्यालय, तहायक आयमार आयुक्त (गिपीक्षण)

अर्जन रेंज, मदुरैं

कारैक्कुडी, दिनांक 9 सितम्बर 1985

मिर्देश सं० 48/जनवरी/85---अतः मुझे के० वेंणुगोपाल सान

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारत 269 स के अधीन सक्ष्म पाधितारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित साजार मूख्य 1.00,000/-रा. में अधिक हैं

और जिसकी सं० डोरिंसं० 94 वी० ई० वी० श्रार० स्ट्रीट और जो कौरेकुड़ी में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुसूची श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कार्रैक्कुड़ी द० सं० 66/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जनवरी

को प्योंक्त सम्पत्ति के जीवक बाजार मृत्य से का के क्रयमान मितकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे कह किस्थान करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्स संपत्ति का उत्पन्नत बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, गोने दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह पतिहात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितिबों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तम पामा गवा प्रतिकल, निम्मिनिवत उद्देश से उन्तरण मितिकत में समाविक रूप से किथन किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त जीधीनयम के जभीन कर दोने के जनसरक के दायित्व में कमी करने या उससे जचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी थन या अन्त आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आसकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनसर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्त्रिपाने में स्रंबधा के लिए;

बत: जब, उदत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग की उण्धारा (1) के अधान, निम्मीचिक्तत व्यक्तियों, अर्थात् है— को यह स्थानक पद्धाः करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहिकां सुरूष करता हुई।

क्षमत संपत्ति के अर्थन के तंत्रंध में कोई भी अपक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीसा से 45 दिन की मंत्रीय या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीचर पूर्वोक्त क्वीनत में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 व्या के भीकार उपता स्थापर संपत्ति में हिस्सम्बर्ध विक्ती अन्य प्यतिकत क्वारा अधोहस्ताक्षरी के बात तिस्ति में किए जा संकोंगे।

स्पक्षीधारणः — इसमें प्रयुक्त करूवों और पूर्व का, जो स्वीक्ष अभिनित्तक, के अध्याब 20-क में परिकाणिक है, निक्षी अर्थ होगा जो स्त्र अध्याब में दिना गवा इति

मन्त्रची

भूमि और निर्माण क्षोर सं० 94, टी० एस० सं० 62, वी० ई० आर० स्ट्रीष्ट, कारैक्कुड़ी जें० एस० आर० 2 कारैक्कुड़ी ।

> कें वेंणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज

तारीख: 9-9-85

बोहर 🛭

प्राक्रण आह्र ं.टी एन .एस . .

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 को धारा 269 ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ृश्चर्जन र्जेज-मदुरै

ूमदुरै, दिनाक १ सितम्बर 1985

निर्देश सं० 50/जनवरी/85—अतः मुझे के० वेणुगोपाल राज्

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- गर. सं अधिक है

श्रीर जिसकी सं० डोर स० 21, प्लाप्ट स० 2166, टी० एस० सं० 922, नातवा स्ट्रीट जो तिरुवल्लुबर तिरुवरार कार्रेकुडी में स्थित हैं(श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से में बर्णित हैं), रिजिस्ट्री हर्ता अधि हारी के कार्यालय, जे० एस० आर- I^{I} दु० सं० 101/85 में भारतीय, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, ~ 1908 (1908 का 16) के अभीन तारीख जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृष्ट्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती /अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक इप में कथित नहीं कया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त ऑधनियम के पटीए कर टाप के अपना के दायित्व के लिए: और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयंक-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए:

गतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में,, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखत, व्यक्तियों, अधीत ——
36—276G185

া श्री पी० आ४० पेरियक्तरूपन।

(अन्तरक)

 श्री डाक्टर पी० ए.न० रामानुजयम । (अन्नरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

जक्त सम्पत्ति के गर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्नीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया हैं।

अनुसुची

भूमि जाँर निर्माण प्लाष्ट सं० 166, डोर स० 21, टी० एस० स० 922, सानवा स्ट्रीट निष्यन्युवर विष्यार, धरौकुडी जो० एउ० आर० कारौकडी (द०स० 101/85)।

> ति० वेगुगोराल राज् पक्षम प्राधिकारी पद्माय कन्नाय कर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जीक रेज-भद्रै

तारीख: 9-9-1985 मोहर: राज

प्ररूप वार्डं.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, मदुरई मदुरई, दिनॉक 9 सितम्बर 1985 निर्देश सं० 37 जनवरी/85—-प्रतः मुझे के० वेणुगोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्जात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

जौर जिसकी मं० सर्वे नं० 2533-ए, 533-ए ग्रार० 6400 ए है, जो ग्रंनन्तपुरम गाँव, तोवाले नालुका कन्याकुमारी जिला में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रंधिकारी के कार्यालय नागरकोयिल द० मं० 318, 323, 324, 325 ग्रीर 326/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रंधिनियम, 1908 (1908 क) 16) के ग्रंधीन तारीख जनवरी 1985

का पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाचार मृत्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकृत से विधक है जीर अंतरिक (अंतरिकों) जीन अंतरिती (अंतरिकरिंग) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिंख उद्विष्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तविक रूप से का अन्तर नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाग की वाबत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरद, के वासित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्; आद/या
- (क) ऐसी किसी माम वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सकिशा खे सिक्ट;

बर्दा बन, उक्त निधीनवम की धारा 269-न की जन्हरण में. में उक्त अधिनिवम की धारा 269-व की उधधारा (1) के करीय, निध्नलिसिस व्यक्तियों, अर्थात :---

- श्री पी० एम० भक्दुल हमीद जौर भ्रन्य। (भ्रन्तरक)
- श्री ए० कृरियन।
 (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्प्रीत के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो जी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्वक्थ किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्यक्किरण:--इसमें प्रयुक्त कर्नो और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिश्या गवा है।

ग्रनुसूची

कृषि भूमि एकरा 1 और 7 सेन्टस सर्वे नं० 640 ए। कृषि भूमि 2 जौर 0 सेन्टस सर्वे मं० 2533 ए कृषि भमिएकरा 1 श्रौर 85 1/2 सेन्टस सर्वे नं० 2533 ए० कृषि भूमि एकरा 1 श्रौर 85 1/2 सेन्टस मर्वे नं० 2533 ए० कृषि भमि एकरा 2 श्रौर 0 सेन्टस श्रार० एम० सं० 269/1 श्रौर 2

श्रनन्तपुरम गाँव तोबीलै तालुका कुल मिलकर 878 एकरा (द० सं० 318, 323, 324, 325 और 326/85, जे० एस० श्रार० I, नागरकोयिल।

के० वेणुगोपाल राजू मक्षम प्राधिकारी महायक म्रायकर म्रायुपत (निरीक्षण) म्रजन रेंज मद्दरे

तारीख: 9-9-1985

प्रकल काई .टी. एव . एत . १००४-११-११

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरक्षिण) अंन रेंज, मदुरै

मद्रै, दिनॉक 9 मितम्बर 1985

निर्देश सं० 36/जनवरी/85—म्प्रतः मुझे के० वेणुगोपाल राज्

भावकार मिर्गिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क से अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाचार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्नौर जिसकी स० सर्वे सं० 97/1, श्रौर 97/2, एरसक्क-नायकनार गांव है (ग्रौर इससे उपाबक श्रनुसूची में पूर्ण रूप मे विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय चिन्नमन्दिससं० 20/85 से 27/85 तक में भारतीय रिजस्ट्री करण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जनवरी 1985

कते पूर्वेक्ट सम्पत्ति के उचित बाबाद मून्य से कम के ध्रवमान श्रीतकल के लिए अन्तरित की गई हैं जॉर मूओं यह विश्वास करने का कारण हैं कि सभापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रवमान प्रतिफल से एसे ध्रवमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितिमों) के बीच के एसे बन्तरण के जिल्ल स्व लाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्योध्य से उक्त अन्तरण विविद्य में बास्तिक क्य से कथित नहीं किया नवा हैं:——

- (-ह) अन्तरण में हुई किसी आय की वावस, उपस्य अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सविधा के लिए; बार/बा
- (वा) एसी किसी जाय या किसी धन या अध्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ जन्तिरिती इवारी प्रकट नहीं किया वया या या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के जिए।

अतः अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीनः. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—

- 1. डाक्टर एम० श्रहणगिरी राज और श्रन्य। (श्रन्तरक)
- 2.श्री एम० मुलैया।

(म्रन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यशाहियां शुरू करता हैं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधि या तत्संत्रंभी व्यक्तियों कर सूचना की तामीन से 30 दिन की जबिध, को अधि जबिध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूक्त क्या करायों में से किसी क्यक्ति ह्यारा.
- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकरें।

स्वच्छीकरणः--इसमे प्रयुवत शब्दों आर पदी का, जो उपक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा को जस अध्याय में विका ववा है।,

अनुसूची

भूमि—सर्वे स० 97/1 और 97/2, एरसक्कनायकनार गाँव।

र्ह्म (दस स॰ 20/85 में 27/85 तक, एस॰ ग्रार॰ ओ॰ विश्वमन्र),।

कें० वेणुगं।पाल राजू सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मदुरै

सारीख: 9-9-1985

प्रारूप आहु¹ दी. एन एस

बायकर वर्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

كالمصال حدثة

कार्यानव, सद्भायक बायकर भावक्स (विरोक्षण) सहायक आयकर ्यायक्त मेनिरीक्षण) अर्जन रैंज, सदुरै

मद्रै, दिनांक 9 सितम्बर 1985

निर्देश मं० 36/जनवरी/85—-श्रनः मुझे कें० वेणुगोपाल राज्

नायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिथिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण है कि यथापृबंक्त संपीत का उचित वाधार मृस्य, 1,00,000/- रा. से अधिक है

जौर जिसकी सं० सर्वे सं० 97/1 श्रीर 97/2 एरसक्का है, जो नायकत्तर गाँव , सब्दै जिला में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ताश्रिधि गरी के कार्यालय चिन्नमनूर (द० सं० 23/85 श्रीर 26/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, जनवरी 1985

को प्वेंक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुफे यह विद्यास करने को कारण है कि यथाप्योंक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से बीधक है और जन्तरक (जन्तरकों) और जन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया वित्कल, निम्निसिच उद्देशमों से उक्त अन्तरण विविद्य में वास्तिकल रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (फ) अभारण से हुई फिबी बाल की बाल्स, संबद्ध विभिन्नित्त से बधीन कर दोने के अध्यारक के समित्व में कभी करने या उन्नचं बचने में बुनिया के लिए; मीन/या
- (प) धेनी निज्यों बाब वा किसी यन वा बन्त बारिसार्यों की विन्हें भारतीय वार्य-कर अविनियम, 1922 (1922 को 11) वा उक्त विभिन्नम, वा वनकर अधिनियम, वा वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किसा गया था वा किया वाना वाहिए था, कियाने में सुनिधा हो विष्;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण को, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. डाक्टर एम० श्रक्तिगिरि राज श्रौर श्रन्य। (श्रन्तरक)
- 7. श्रीमती एम० सौन्दरम श्रम्माल। (श्रन्तरिती)

का यह यूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के विश्वे कार्यवाहियां करता हुं।

बन्त सम्पत्ति को वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में मकावन की तारीय सं 45 विन की अविभि या त्रसम्बन्धी स्थिततयों पर स्वान की तामीस से 30 दिन की अविभि, जो भी अव्भि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी स्थित व्यक्ति ह्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताक्षरी के गास निवित में किए वा सकींचे।

स्वक्षीकरण:----इक्षमें प्रमुक्त कव्यों और पद्यों का, वां डक्कीं अभिनियम के जभ्याय 20-क में परिभाषित ही, यही अर्थ होगा वां उस सभ्याय में डिका प्या ही।

घनुसूची

24 एकड़ क्रुंषि भूमि सर्वे मं० 97/1 ग्रौर् े 97/2, एरसक नायकनूर गाँव, मदुरै जिला (एस० ग्रार० ग्रो० चिन्नमनूर, द० सं० 22/85 ग्रीर 25/80 ।

> के० वेणुगोपाल राजू स्त्रम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्त्रर्जन रेज, मदुरै

तारीख: 9-9-1985

मोहर ;

. . _-------

प्रस्य साइ¹. टी. एन. एस. -----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के नभीन सुचना

भारत सरकारु

कार्यालयः महायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण)

श्रर्जन रेंज, मदुर

मदुरै, दिनांक 9 सितम्बर 1985

िनिर्देश सं० 36/जनवर्रः/1985--श्रतः मुझे, के० वेणुगोपाल राज

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000 / रु. से अधिक है

ग्रीर जिपक्षः सं० सर्वे सं० 97/1 श्रीर 97/2, एरमक नाय: न्र गांव है लया जो महुरे जिला में स्थित है (श्रांर इससे उपाबड़ श्रमुख्ये में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), राज्यहूँ एत्ति श्राध शहर: के कार्यालय, चिन्न आरी के कार्यालय, चिन्नमनूर द० में भारतीय राजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 वा 16) के श्रिधीन, दिनांय जनवरी: 1985

कि पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के उध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इध्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और संतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की जाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में मृविधा के लिए; बीर/या
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आधित की की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या जन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रशासनार्थ अन्ति की दनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निमनलिखता व्यक्तयों, अर्थात् :--

- (1) डाक्टर एमः स्रम्निगरि राज स्रोर श्रन्यों । (सन्तरक)
- (2) मैनर एम० भेन्तिल

(भ्रन्भरिती)

को यह सूचना आरो करके वृद्धीक्त सम्पत्ति के वर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध
 । किसी अप्य जानि, देवाना आहरताक्षणों के पास
 निक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीयारण ---- क्ष्मा प्रयक्त शब्दों और १वों क्षा, यो उपस अधिनियम के अध्याय १०-क मा परिकारणन हुँ , वहीं अर्थ होगा औं उस अध्याय में दिया भवा है।

वन्त्वी

24 एकड रूपि भूमि सर्वे मं० 97/1 ग्रीर 97/2, एटमक्क नायकनूर गांव, मदुरै जिला (४० सं० 22/85 ग्रीर 25/85)।

> के० वेणुगोपाल राजू सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मसुरै

दिनां घ : 9 - 9 - 1985 मोहर : प्रकप बार्च टी एन एस् - - - - -

बायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-भ (1) के बभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक अधकर नायुक्त (निर्धिक)

अर्जन रेंज, मदुर

मदुर, दिनांव 9 स्तिम्बर 1985

निर्देश सं० 36/जनवरी/1985—म्प्रतः मुझे के० वेणुगोपाल राजू

कायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसको सं० सर्वे सं० 97/1, ग्रीर 97/2, एरसक्क नायकनूर गांव है तथा जो मदुरें जिला में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूर्च। में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीक्सी ग्रीध-कारा के जार्यालय' जिल्लामनूर द० सं० 24/85 ग्रीर 27/85 में भारताय रजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनयम, 1908 (1908 वा 16 के ग्रीधन, दिनाक जनवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिक्षल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे ध्यममान प्रतिकल का बन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंत-रिती (अंतरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिसित उद्वेश्य से उसत अन्तरण लिक्टिस में बास्तविक रूप सं कथित नहीं किया बना है:----

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बम्दरक के बाबित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिजान में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त विधिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण के में उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभागः (१) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री डाक्टर एम० ब्रह्नगिरि राज श्रीर झन्यों। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रो मैनर एम० अपर्णा (अन्तरिती)

का बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के सिक्ट्रे कार्यमाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस त्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है ते 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, वो भी बन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राह्मरा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए का सकने।

स्थळीकरण:—इसमें प्रयुक्त शन्तों और पर्वो का, वो उपर अधिनियम, के अध्याय 20-कं में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

24 एसड़ कृषि भूमि सर्वे सं० 97/1 श्रौर 97/2, एरसक्क नायकन्र गांव, मदुरै जिला (द० सं० 24/85 श्रौर 27/85)

> के० वेणुगोपाल राज् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरक्षिण) श्रजंन रेंज, महुर

दिनांक: 9-9-1985

महिर 🛭

त्रक्ष, बार्ष, दौ. एष्, एक. ----

शायकात्र अभिनित्रयः, 1961 (1961 का 43) हाई भारा 269-च (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याचन , सहावक आवकर आयुक्त (निरीक्राण)

श्चर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 26 श्रगस्त 1985

निदेश सं० श्रई-3/37ईई/15749/84-85--श्रतः मुझे ए० प्रसाद

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इक्तमें इक्तके परकार् 'उक्त जिनिनम' बद्धा गम्म है), की भाषा 269-व के अधीन तकम प्रतिभक्तारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर बस्कीय, जिल्ला डीचत बाचार मृत्य 1,00,000/- फ. से अधिक है

और जिसकी सं० पलेट नं० 15, ओ हमणिका, 84, गरोडिया नगर, घाटकोपर, (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रतुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है (और जिसका करारनामा प्रायकर ग्राधितयमय 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मबई में रजिस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

की प्लेक्त सम्मत्ति के उचित बाजार बृत्य से क्या के क्या का वित्रकास के रित्र अंतरित की गई है और मुक्के यह विश्वास कर के कथने का कारण है कि स्थापुर्जेक्द सम्बत्ति को उचित्र वाजार बृत्य, उसके द्वरकाम प्रतिकत से, एसे क्या माण प्रतिकत का क्षेत्र प्रतिकत से कि प्रतिकत की क्षेत्र प्रतिकत से कि प्रतिकत है और अंतरिक (जंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब पावा गवा प्रतिकत्त , निम्मतिथित उद्विवय से उच्या अन्तरण विविद्या में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाम की नावस समस निध-नियम के जभीन कर दोन के जन्तरक के दायित्व में क्ष्मी करण या उससे उचने में सुविधा के सिए; बीए/वा
- (ह) ऐसी किसी नाय या किसी भन या अपन आदिवानों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गवा था किया जाना चाहिए था स्थिपने में सुविधा से सिम्ब

बतः बदः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अकृसरण में, में, धक्त अधिनियम की धन्त 269-म की उपधारा (1) के बधीन निक्रमिनित व्यक्तियों, व्यक्ति में— (1) श्री ए० के० राममूर्थी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मालती दिलीप शहा ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांकित सम्पत्ति के अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बच्च बन्गीस के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाहोप :---

- (क) इत स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीश वें 45 दिन की नवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर ब्याचा की तामील से 30 दिन की नवधि, जो भी बचित्र का में समाप्त होती हो, के भीतर पृशेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्प्रीत में हिल-बंधूभ किसी अन्य स्थानत क्यांत अभोहस्ताक्षरी औं पास निकास में किए जा सकोंगे।

वनुसूची

पलेट नं० 15, जो हमशिका , 84, गरीडिया नगर, भाट-कोपर, पूर्व), बम्बई--77 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋम सं० श्र $\frac{5}{4}$ -3/37 $\frac{5}{4}$ /84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांकः $\frac{1}{4}$ -1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, बस्बई

विनांक : 26-8-1985

महेर :

प्रकृप नाइं. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

भारत धरकाड

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बस्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निर्देश सं० ऋई-1/37-जी/5180/84-85--श्रत मुझे, पी० एन० दुवे

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे एसमें एसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा 269-ख को अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिएका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 8 ब्लाक के साथ 4 मंजिल ६ मारत और गेरेज, जो, तल माला, जैका कि, सबें नं० 292/6, सायन डिंबीजन, बम्बई में स्थित हैं (और ६ससे उपाबद प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिंधकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण ग्रिंधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन तारीख 25-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल में, एसे स्वयमान प्रतिफल का नन्तह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरित्यों) के बीथ एसे अन्तरण के सिए तब पाया यया प्रि-क्ष किम्बसिथिस स्वयम्ब से सक्त क्रम्तरण कि विश्व में बास्तविक क्ष्य के स्वर्थ मही किया गया है ---

- (था) जन्दरण ते शुर्ह किसी साथ भी बाबत उक्द बाधित नियम के अभीन कर बोने के अन्तरक के वायित्व में कभी श्रद्धने वा सबसे बचने में स्विधा के सिए; और√या
- (थ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अस्तियां को, चिन्हां भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ध्रे प्रधादनाथं अन्तर्रित्यं ख्वारा प्रकट नहीं किया समा था का जिसा असा धारिक था, कियाने में मुनिया वे सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम कौ भारा 269-ग के अनुसरण में, मा, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नोनिश्चित अधीनतमें, अधीन, निम्नोनिश्चित अधीन,

- (1) श्रीमशी माधिकबाई कृष्णराव नाईक ,
 - 2. श्री धैर्पणलराव कुष्णनराव नाईक,
 - 3 श्री बैभव कृष्णराव नाईक और
 - 4. श्री मनोज कुष्णराव नाईक ।

(ग्रन्तरकः)

- (2) 1. श्री जनार्दन बेडूजी दिखें,
 - 2. सी० पार्वतीबाई जनीदन दिथे,
 - 3. श्री विकास जनदिन दिधे, और
 - 4. श्री राजेन्द्र जर्नादन दिधे।

(ग्रन्तिरती)

(3) भाडून।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रिक्षिभोग मे सम्पति हैं)।

का वह बुक्का बारी करके प्राप्त सम्मास्त क अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी वचीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे अवस्था का विद्या में से किसी व्यक्ति हुनाड़ान
- (थ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिंद-वर्भ किसी सन्य न्यक्ति क्वारा सभोहस्ताक्षरी के पास विकित में किए जा सकीं।

लक्षांकरण:---इसमें प्रयुक्त कर्कों और पदों का, को उक्क अधिनियम के अध्याय 23-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होंगा को उस अध्याय में दिया एया है।

अनसची

अनुसूची जैसा की विलेख नं वाम 2947/83 और जो उप-रिजिस्ट्रार, बम्बर्ड क्वारा दिनांक 25-1-1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्राधुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक . 13-1-1985

इक्प थाई. टी एव एव. -----

नावक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 (व) (1) के मधीन सूचना

भारत बरकार

कार्यानय, महाबक बायकार बायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्थन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाक 13 सितम्बर 1985

निदेश स० श्रर्ष-1/37-जी/5181/84-85--- श्रत मुझे भी० एनः दुवे

भायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त भनिनियम' कहा गया हैं), की धारा 259-स व कमान शलम प्रांचक राक्ष का जिल्ला का मन्य मुख्य 1,00,000/- रुक्त से अधिक हैं

और जिसकी स० जमीन के साथ घर, जी, सी० एस० न० 2734, भुलेशेवर डिविजन, यम्बर्ड है तथा ज बम्बर्ड में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकर्षा प्रधिकारी के कार्यालय बम्बर्ड में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 21-1-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य स कम के दृश्यमान बितकास के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि बचानुवांक्त सम्पत्ति का उचित बाबार भृत्य, उसके दृश्यमान शितफल स, एमे दृश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अतरक (अतरकों) और बंद-रिता (अतरित्यों) के बाथ एस बारण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्नतिचत उद्वेष्य से उक्त बंतरण निकित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (का) बंगरण संहुई किसी बाय की वानता, उक्त अभिनियम के अधीन कार दोन के बहार के वे दासिक्ष में कार अपने सामान कर सामान्य । वे सिग्द वरिश्वा
- (क, एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय देर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 हो 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जना चाहिए था छिपा में सिवधा के लिए;

मत. मन, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ग में, मैं जक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियो, अर्थास् —— 37—276@1/85

- (1) श्री मोहम्मद हशम ब्रुसेन खत्नी,
 - 2 अब्बुल सत्तार हुसेन खत्नी,
 - 3 श्रब्दुल महम्मद ६६। हिम हुसेन एकी,
 - 4 श्री मोहम्मद इकाहिम हुसेन खती।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री भ्रब्दुल कायूम भ्रब्दुल भ्राजिज कोरा। (श्रन्तरिती)

को कह त्यमा नारी करके प्रतिकत सम्मरित के वर्षम के हिंदू भागवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीब स 45 दिन की नविभ या तत्नम्मन्धी व्यक्तियों पड़ स्वना की तामील से 30 दिन की प्रविध, में भी त्रविभ बाद में प्रमाप्त होती हो, "भीतर प्रविक्त स्पित्यों नें से किसी स्थितत द्वात.
- (क) इस सूचन। ﴿ ग्रंबणन म प्रकाशन क तारांश ग 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पति म हिन्बस्थ किसी जन्म व्याप्ति द्वारा प्रमहस्ता(गरी के पास लिसित मा विग्राजा सकाग।

स्वकालरक: --- इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदी थ। शे उन्त अधिनियम के अध्याय 26-क में परिभाषित हैं, वहीं नर्ष होगा को उदे व साम में दिक्स गया है।

वर्द्यी

भ्रानुसूची जैसा की विलेख न० 290/84 और ओ उप-रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनाक 21-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर प्राथुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेज-1, बम्बई

दिनांक 13-9-1985 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भागाकर कार्जारवन, 1961 (1961 का 43) की भागा 269-व (1) के अभीत सुकता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर शायकत (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बर्र, दिनांक 13 मितम्बर 1985

निर्देश सं० प्रदे 1/37 जी/5182/84 85 ग्रतः मुझे पी० एन० दुवे

बायक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रमके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन के साथ ध्मारत, जिसका सी सर्वे नं० 228, युलावा डिविजन , राजवाडकर स्ट्रीट, नया सब नं० 2/1991 और क्लेक्टर्स नया नं० 7483, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और धमसे उपाबद्ध प्रनुसूधी में और पूर्ण ज्य में वर्णित है) रिजस्ट्रीवर्ता ग्राधकारी के कार्याल बम्बई में रिजस्ट्रीयरण ग्राधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन नारीख 21-1-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य संकम के धरयमान लिए प्रसिकल के अन्तरित की और र्* कि **गवा**च विद्यास करने का क्;≀रण थह पुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रति-फल से, एरेसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल निक्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण सं हुई किसी नाय की दावत, उक्त अधिनियम के जधीन कर दीने के अन्तरक के शांकित्व में कमी कन्त्रे एा उससे केचले में गरीनथा के किस्तर और विश्वास्त्री
- ्षा) ऐसी किसी अध्य या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वव-कर अधिनियम, या वव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जारा असीहए था. १६६५। ने मान से की लिए;

ं अतः अब, नरक्त अधिनियम की धारा 269-ध को, अन्सरण की, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के सधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- (1) 1. खन्नी ६स्माईल हाजी तायेब सालेह मोहमद,
 - 2. ग्रायेशाबाई हाजी तायब सालेह मोहम्मद,
 - 3. खन्नी ग्रहमद हसेन ग्रली, और
 - 4. खुकी हुकीब ग्रहमद ।

(भ्रन्तरकः)

(2) 1. ओरा ग्रब्दुल कैंयु ग्रब्दुल ग्रिक्स, 2. बीरा सलमान (मायनर), ग्रब्दुल कैंयुम के पुत्र ।

(भ्रन्तरिती)

(3) भाष्ट्रसा

(वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सै 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त हाँपृत्विष्यः, जें बच्चाव 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

श्रमुसूची जैसा कि विलेख सं० 1809/84 और जो उप-रजिस्ट्रार, बम्बई कारा दिनांक 21-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 13-9-1985

प्रकार बार्ड . टी. एस. एस. नन------

भागक क निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकाह

कार्यालय, सहायक भायकर नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 शितम्बर 1985

निदेश सं० प्रई- 1/37- जी/5166/84-85--श्रतः मुझे पी० एन० दुवे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चास जिस्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने की कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिनकी सं० जमीन ा हिस्सा, जो इमारत के साथ, नया नर्वे तं० 1313 (अंग) और सी सर्वे नं० 1158. मांडवी डिविजन वम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबड़ प्रनुसूची में आर पूर्ण रूप से धणित हैं) रिजिस्ट्रीतिर्ता प्रधिवारी के तार्यालय वस्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रिधितियम 1908 (1908 वा 16) के प्रधीन तारीख 8-1-1985

का पूर्वोक्त सम्परित के उभित्त बाजार मूल्य सं कम के ध्ययमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कर? का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उभित बाजार क्य उसके द्रयमान प्रतिफल सं, एसे ध्ययमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक इप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बस्तरण से हुई किसी बाय की बावत, अवन सिंपनियम को अभीन कार दोने के अस्तरण को काधिएय में कमी करने यर उसमें अध्येत में मृत्रिका के िन्ह; मौरं/श
- (क्ष) एँसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करा जिन्हों भारतीय आयकार आधानियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया सवा था या किया जाना थाहिए था, स्क्रियान में मुश्कित के लिए,

जना: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कं, मैं, उक्षत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) र अधीन निपर्नालिखित, व्यक्तियों, अर्थात् ह—र

- (1) ऐसु बाई हाजी हजाहिम हाजी अब्दुल सतार संध्य (अन्तरकः)
- (2) शहाबुद्दीन श्रार० भिमानी।

(श्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरकः ।

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)।

को यह सूचना चार्डी करको पूर्वोक्त सम्पक्ति के वर्णन को लिए कार्यक्षाहियां करता हुए।

उभत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काहे भी बाक्षेप :--

- (क) इस नुष्या के राजपत्र में पालान को तारील में 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी म्यक्तियों पर सूचना कि तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बहुभ किसी मन्य व्यक्ति बुवारा अधोहस्ताक्षरी के तार विकास में किए के सेलेंगे।

स्यब्दीकरण .--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क भी पीरभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

ग्रनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० बाम० 678/81 और जो उप-रिजस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक [8-1-1985 को । रिजस्टर्ड किया गया है।

> पीं० एत० दुवे संक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकण श्रायुक्त (निरीक्षणः) श्रर्जन रेज-1, बम्बर्ष

दिनांक : 13-·१-19**8**5

प्ररूप बार्ड्, टी., एन., एस., ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाय भारा 269-व (1) में क्षीय सुम्मा

ধারত ভরকার

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज -- 1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निवेश सं० अई- 1/37-जी/5164/84-85--अतः मुझे, पीं० एन० दुवे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम', कहा गया हैं), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकीं सं० जमीन का हिस्सा, जो, सी एवें नं० 1195, भुलेम्बर डिबिजन, जंजिमर स्ट्रींट, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रींकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रींकरण श्रिधनियम 1908 (1908 वा. 16) के श्रधीन तारीख 15-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिकल से होसे ध्रयमान प्रतिकल के पंत्रह प्रतिकत स अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के निए तम् पामा नवा प्रतिकत, निम्नलिखित उत्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिवक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं**हुइं किसी आय की वाबध**, उत्थस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए: आरि/या
- (ख) एसी किसी थाय या किसी थन या जस्य अस्तियों की जिन्हें भारतीय नाय-कर निधिनयन, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं सिका गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धाका 269-ग के अनुस्ररण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) 1. बाई खातिनाबू नोमानभाई दाउदभाई, औ
 - श्री कैयूम नोमानभाई दाउदभाई,
 - 3. श्री दाउदीं नोमानभाई,
 - 4. बाई विसरा नंमानभाई,
 - सालेह नोमानभाई,
 - 6. श्री दांच दीभाई मोहमदभाई,
 - 7. बाई खादिजा मोहमदभाई,
 - 8. श्री वाहेम मोहमदभाई,
 - श्री हातीम इसुफश्रली।
 - 10. तैयवजी इसुफग्रली,
 - 11. बाई खादिका इक्नाहिम अब्दुल हायूम,
 - 12. श्रीमती श्रतेका अलीभाई मलबारीं,
 - 13. श्रींमतीं फातिमा नोराब मोतींबाला ,
 - 14. श्रीमती क्षिश इसूफर्बरेल्ला,
 - 15. बाई रुखैया इस्माईल सालोभाई, और
 - 16. श्रीं दाउदी इसूफग्रलीं।

(भ्रन्तरक)

- (2) 1 प्रकास मुल्ला इनायतप्रली,
 - 2. प्रकबर मुल्ला इनायतप्रली, और
 - 3. मोहरूद मुस्ला इनायतश्रली ।

(ग्रन्तिन्तीः)

(3) भाष्ट्रतः।

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)।

की यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के वर्षन के मिए कार्यवाहियां करता हुं।

जन्त संपृतित को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारील हैं 45 दिन की जबकि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर बूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिश बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हितवर्थ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभृहिस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंवे।

स्पद्धीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अभ्याय 2C-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उम्लक्ष्याय हो दिया गया है।

अनुसूची

म्रनुसूची जैसा कि चिलेंख सं० 644/79 और जो उप रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 15-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुफ्त (निरीक्षण) ग्रर्जंच रेंज⊶1, बम्ब\$

दिनांक , 13-9-1985

मोहरु 🖫

प्रकथ आहें. टी एन. एस. ----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक जायकर बाबुक्त (मिड्रीक्रण)

ध्रर्जन रेंज-ा, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 सितम्बर 1985

निदेश सं० श्र**६-**-1/37-जी/5176/84--85---श्रतः मुझे, पी०एन० पुत्रे

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं० सम्पति, जो, खेतवाडी 10वी लेन और 12वी लेन और 12वी लेन आप 14विजन, सी० गर्ने नं० 1016, गिर्गांव, डिविजन, बम्बई हैं तथा जो बम्बई में स्थित हैं (और इस्से उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीश्त्री अधिवारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीश्रण अधितियम 1908 (1908 की 16) के अधीन तारीक 16-1-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमीन प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल सा पंत्रह प्रतिसत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच हुने अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किस निक्तिवित उद्देश्य से उक्त बंतरण निचित में वास्तिक क्ष्में से स्वतं वंतरण निचित्त में वास्तिक क्ष्में से किस ने के सिंदि के स्वतं के स्वतं के सिंदि नहीं किया नवा है हैं

- (क) बन्तरण में हुई किसी आप की बाबत, सक्त अधितियन के अधीन कर दोने के अन्तरक क ब्रायित्य में कमी करने या उसस वचने में भृतिधा के निए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिय। को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्व अस्तरिती व्वास प्रकट नहीं किया गया था वा किया कांग चाहिए वा कियाने में सुविधा वी सिका
- भतः अव, उनतः अधिनियमं की भारा 269-त के अनुसरण वो, माँ, उनतः अधिनियमं की भारा 269-त की उपभारा (1) के अधीतः, निम्मलिकित व्यक्तियों, अधितः ॥——

(1) मफलतलाल मोहनलाल शहा, उर्फ पारीख और पवाल चेंदूलाल शहा उर्फ प्रकाश।

(अन्तरकः)

(2) सुधीर लिठ्ठलशा मिस्कीन, श्ररिवंद बिठ्ठलशा मिस्कीन, रवीन्द्र बिठ्ठलशा मिस्कीन, प्रमनाथ विठ्ठलशा मिस्कीन।

(श्रन्तिरती)

(3) भाडूत।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभाग में सम्पति है)।

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सृचन के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास निचित्त में किए जा सकोंगे।

न्याकीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा कै।

अनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख सं०वाम० 2546/80 और जो उप-रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 16-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक**र श्रश्जुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंग्रे–ा, बस्बई

दिनांक 13-9-1985

मोहरु 🖫

प्रकृष बार्ष . ही, एन ., एस . -----

कायकर अभिनिषम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सुखना

पारत प्रस्कार

गर्णालय, नहारक शायकर आवृत्त (निरीक्रण)

ग्रर्जन रेंज~1, बम्बई

वम्बई, दिलाइ 13 शितम्बर 1985

निदेण सं० श्रई-1/37-जी/5169/84-85---श्रत: मुझे पीं० एन० दबे

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेकाल् 'सकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाधार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० मी सर्वे नं० 259, भाय खला डिविजन, काम रोड नं० 1 और 2 का जंक्शान, 2री पिरम्बान स्ट्रींट, बम्बई हैं नथा जो बम्बई में स्थित हैं (और इसमें उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं) रिजस्ट्रींदर्ती प्रधिकारी के नायलिय बम्बई में रिजस्ट्रीं रूप श्रीधिनयम 1908 (1908 हा 16) के अधीन तारीख 14-1-1985

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित याजार मूल्य से कम के दश्यमान धितफक के लिए बन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करन के कारण है कि यथापूर्वोकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य वासके वश्यभान प्रतिफल से एमें दश्यमान प्रतिफल का अन्तर्ह शित्रात का अधिक है और अन्तरिक (अंतरकों) और अत्तरिती (अन्तरिक्ति) के बीच एसे जन्तरण के निए तब पावा जबा प्रतिफल निम्मसिकित उद्देशक से उक्त बन्तरण कि बिक्त मे पान जिल्ला का पान जिल्ला क

- (क) जन्तरण त' हुई किसी बाव की वावत, अवत जिथानियम के अधीन कर दोने की बस्तरक के दासित्य में कमी करने वा सकसे बचने में तृतिधा ले किए: बार/बा
- (थ) एसी किसी आव या किसी धन या अन्य जास्तियों की, किन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थितने में सुविधा के सिस्;

न तः अव, उक्त विधिनियम की धारा 259-न के कनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रज्दुल करीम इस्मालजी नाग्री और युसुफन्राली इस्मालजी। नाग्री।

(श्रन्तरः)

- (2) 1. श्रीमती फातूबाई फिदा श्रली एम । लाला,
 - श्रमदाद हुमेन फिदा अली लाला,
 - 3. हातीमभाई फिदाश्रली लाला,
 - 4. प्राचीय फीदा अली लाला.
 - 5. जहरा फीदा श्रली एम० लाला और
 - झरींना फीदा श्रमी एम० नाता ।

(अन्तरिती)

(3) भाडूता।

(बहु व्यक्ति जिसका श्रिधिमोग में सम्पति हैं)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यपाहियां करता हु।

उक्त सम्मिरित के कर्मन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजधन में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की जनधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की जनधि, जो औ जनधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्वीक्तयों में से किसी स्पृत्तिस द्वार,
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की नारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मस्पित्त में हितबद्दश किसी अन्य अ्यक्ति द्वारा खधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

जन्स्यी

ग्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० बाम० 2225/83 और जो उप-रिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनाक 14-1-1985 की रिजस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी अहायक श्रायकर श्रायकर श्रायकर श्रायकर श्रायकर श्रायकर प्राजैन रेज-I, बम्बाई

दिनांक 13-9-1985 **बोहर** ७

प्रकप सार्च . दी . एन . एस . -----

नाधकर निर्भातियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (चिरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निदेण सं० ग्रंड-1/37-जी/5173/84-85--ग्रतः मुझे पी० एन० दुवे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्तः अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधी पक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- ः. से अधिक है.

और जिसकी संव सीव सर्वे तंव 8/644, मालबार हिल और खंबाला हिल डिविजन, फोर्जेट, स्ट्रीट बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसुकी में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के काथिलय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रिधितयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 9-1-1985

को वैशंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल गे, एमे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत में अधिक े और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उनल अंतरण लिखित में यास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क.) अन्तरण में हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दारियत्व मा कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन् कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, स्थिपने में सृविधा के लिए;

अक्षः अब, उक्षं अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, अपन अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) 'अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिकों अर्थात् —— (1) श्रीमती टेमिना खुर्णेटजी करंजिया, ग्रेसी के करंजिया और ध्जीशा ग्रेस्तोमनी पटेल ।

(ग्रन्तरक)

- (2) कुमारी चांद झाम्ब और कुमारी पूनम झाम्ब। (श्रन्तरिती)
- (3) भाष्ट्रत ।

(वह व्यक्ति जिसके श्रक्षिभोग में सम्पति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्धन को क्षिए कार्यवाहियो करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिश की अवृधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर रंपत्ति में हितब्ब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

सिष्टिकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रशिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

असुस्ची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख संव्वामव 1710/81 और जो, उप रजिस्ट्रार, बम्बई क्षारा दिनांक 9-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बस्वर्ष

दिनांक : 13-9-1985

प्रकल बाह्य ही एक एक उन्हरूल

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाउ 269-म (1) के बभीन सुजना

भारत नरकार

कार्यालय, सहायक आयकार कायुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निदेश २० प्रई-1/37-जी/5163/84-85--- प्रतः मुझे पी० एन० दुवे

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० हिस्सा, जो स्ट्रक्चर्स के साथ सी० सर्वे नं० 766, मौलाना ग्राजाद रोड (इंकन रोड), और सर्वे नं० 764, भायखलड विवजन, बम्बई है तथा जो अम्बई में स्थित हैं (और इससे उपावक श्रन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्रीकरण ग्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 10-1-1985

को पूर्वोक्त सम्मन्ति के उवित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उवित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का एन्नह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ते) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के मीक ऐसे बन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिकित अदृश्यम से उक्त अन्तरण लिकित में अधिक नहीं किया नवा है :---

- (का) करूरण हो हुई कियी जाब की बायका, स्थल विधिनियम के अभीन कर योगे के अन्तरक की बायित्य में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए बार/भा
- (ब) एसी किसी जाय वा किसी धन वा अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिसी ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाछिए था छिपाने में स्विधा के सिए।

अत: अव: उन्त निर्मायम की भारा 269-न के ननुसरक में, में, उन्त निर्मायम की भारा 269-न की उपभारा (1) के अधीम, निर्मालिखित स्पिक्तियों नथाँत हैं--- (1) लेडीजित् हीरजी जहागीर और श्रीमती ग्रल कैंखशर कामा।

(ग्रन्तरक)

(2) कैखुशर एच कामा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पृथोंक्त संपक्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियो सूरु करता हो।

उन्त सम्पत्ति के वर्षम के सम्बन्ध में कांड्र भी अभि

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थानितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्क स्थानितवों में से किसी स्थानत इकारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर तस्थित्त में हित-बव्भ किसी जन्य व्यक्ति व्वाय अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए का सकोंगे।

स्यच्दोकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में । इया गया हैं।

अनुसूची

ग्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० 143/79 बाम० और जो, उप रजिस्ट्रार, बम्बई ढारा दिनांक 10−1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> भी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त(निरीक्षण) म्रर्जन रेंज−1, बम्बई‡

दिनांक : 13-9-1985

प्रोहर:

प्रक्ष बार्ड. टी. एन. एस.-----

नाय्कर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के नभीन सुमना

नारव बहुकार

क्षामिस, कहामक जायकर जायकत (निर्काण) प्रजन रेज-1, सम्बद्ध

बम्बई, दिनाक 13 सितम्बर 1985

निदेश सं० श्रई--1/37-जी/5183/84--85---श्रतः **मुझे** भीरुएन० दुवे

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसम

और जिसकी संव सम्पत्ति, जो, "चन्द्र महल" इसारत और स्ट्रेक्चर्स के साथ प्लाट तंव 157, नायगांम इस्टेट, बीव एमव सीव स्कीम तंव 60, त्यू सर्वे तंव 2057 और जिसका सीव सर्वे तंव 785, दादर नायगांम डिचिजन, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबछ प्रानुस्ची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 16-1-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के तीचत गाजार मृत्य से कम के दश्यभान श्रीतक्तक के निए अन्तरित की नई है और मुक्ते वह विश्वास् करने का कारण ही कि नथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित गाजार मुख्य, उद्यक्ते दलकान अतिकक्त से, धेसे दश्यमान प्रतिकक्त का पंद्रम् प्रतिचात से जीवक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रवि-क्या, निम्ननिवित उद्योग्य में उक्त मन्तरण निवित में नास्त्रिक स्प में किंथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) बन्तरण से हुड़ किसी आग्य की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीत कर वाने के अन्तरफ के धावित्य म अभी करने या जससे बचन में सृतिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बारिसची को, जिन्हों भारतीय बानकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती ब्यार प्रकट नही किया गया था था किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

ात अब, उद्भत अधिनियम की धारा 269-ग के अम्सरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थास् :—— 38—276GI[85 (1) श्रब्दुल कादर हाजी सिद्धिक और अब्दल, हाजी सिद्धीक।

(भ्रन्तरक)

(2) नितीन भवानकी देखीया।

(ग्रन्तरिती)

(3) भाष्ट्रता

(वह व्यक्ति, जिसके ऋधिभोग में सम्पति है)।

(4) श्रन्तरवों।

्वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताकरी जानता है कि वह सम्पति में हितबढ़ है)।

को वह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सपरित के अर्घन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

इक्त सम्पत्ति क्षे वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी मन्धि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किमी स्यक्ति ब्वाय,
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाकतिकरण: — इसमें प्रयुक्त सम्बाँ और पर्वा आहा, जो अवस् अधिनियम के अध्यात 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा को उस अध्याक में दिया भया है।

अनुसूची

म्रनुसूची जैसाकि विलेख सं० वाम०3394/84 और जो उप राजस्ट्रार, बम्बई क्वारा दितांक 16-1-1985 को राजस्टर्फ किया गया है।

> भी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज∼1, बम्बई

दिनांक 13-9-1985

श्रुक्षप् बार्च. टी. एम. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

नारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निदेश सं० ग्रर्ह-1/37-जी/5177/84-85--ग्रत मुझे धी० एन० दुवे

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (णिसे इसमें इसके प्रचार 'उन्त अधिनियम' कहां गया है), की धारा 269-अ अ अधीन सक्षम श्रीधकारी की, यह विश्वान करन का शरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जसकी संव जमीन का हिस्सा, जिसका सी सर्वे नव 11/172, परेल सिवरी डिविजन, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध अतुनुकी में और पूर्ण रूप से घणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधितयम) 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यह यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान

कि यह यथा प्राक्त सपात्त का उाचत बाजार मृत्य, उसक क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्युष्टेय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से अधित नहीं किया गया है ---

- (को जल्करण से हुए किसी बास की बावस, अवस्ट सीपीनयम के सपील कार दोने के बस्तरक औं पायित्व में कमी करने या उससे दचने में स्विधा के किस्स आदि∕या
- (ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य अर्धिन्तयों की जिन्हें भारतीय अग्रय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ इन्तिरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, डिज्या के अधिन के आधि की किए;

श्रतः सद्य, उक्त समिनियम की भारा 269-त से अनुसरम से, जैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सधीन, निम्निसित व्यक्तियों, सर्थात :--- (1) हराख्य च खीमकी।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्भ मितशा धनवेस्टमेटस ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप ८---

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की नविभ मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्विध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (व) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-स्यूच् किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी कें पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्वध्यक्तिरणः ---इसमें प्रयुक्त सम्बां बहि पर्यो का, वो उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितें हूँ, वही अर्थ हरेगर वो उस अध्याय में दिसा न्या है।

श्रतुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख मं० बॉम 1819/81 और जेर उप रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनाक 23-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> भी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज-1, बम्बई

विनांक : 13-9-1985

प्ररूप कार्ड. टी. एन. एस. - - -

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निदेश सं० अई-1/37-जी/5167/84-85--अतः मुझे पी०एन०दुबे

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विद्याप करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० जमीन का हिस्सा, जो, प्लाट न० 78, आग्रीपाडा वेस्ट इस्टेट, नया सर्वे न० 3527 ग्रीर सी० सर्वे न० 1883, भायखला डिविजन, बम्बई हैं तथा जो बम्बई में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन के तारीख 5-1-1985

को पुर्वोचित संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करन का कारण है कि यथापूर्वनित सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एस स्वयमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिकात स अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए अय पावा गया प्रतिफल, निम्नितियों उद्देश से उथत अन्तरण मिनित में वास्तिक रूप से काथात नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आग की बाबत,, उक्त अधिनियम के अधीन कर की के अन्तरक क द्यियस में कमी करने या उससे अधन में सृष्टिका असिए; और/मा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां करो, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 19, र (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ध धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

सतः अध, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हो, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपपास ं) क अधीन, निम्नितिश्वित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) झरीनाबाई मोहमदहुसन बरोदावाला।

(अन्तरक)

(2) अलाईड होल्डिंग लिमिटेड।

(बन्तरिती)

(3) भाडूत।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति .है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अअन के सम्बन्ध में कोर्ड भी जासने '-

- (क) इब स्वान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख त 45 विन की जनीथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सचना की तामीन स 30 विन की अविधि, को भी जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर प्य स्वाम में किपी स्वितन द्वारा;
- (स) इस गुजिश के राज्यात र प्रकारन को का का कर स्थान के कि कि में हितनक के कि पास कि ना अपने के पास के प
- रा नगर । ५०० हे पदौँ ग्रा, मा उथल अधिनियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित हो । १ १ १००० हा छन्न

वम्स्ची

अनुसूची जैंसा कि विलेख स० बाम० 2962/82 श्रौर जो उप रिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनाक 5-1-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधि नारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज—I, बम्बई

दिनाक: 14-9-1985

t. í

प्रस्त् नार्षः द्वी , एन् , एन 👉 - 🛪 🗝 🗝

थायकर विभृतियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विभीन सुज्ञा

नारक सरकार

कार्यालय, सहायक कार्यकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सिनम्बर 1985

निदेश मं० अई-1/37-जी/5179/84-85--अतः मुझे पी० एन० दुबे

अ। थकर अधिनियम, 1961 (1961 क्या 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम श्रीभकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, इमारत के साथ, सर्वे न० 112, सी० एस न० 2605, भूल एवर डिविजन, वस्वई है तथा जो बस्बई में स्थित है (भीर इसमें उपाबद अनुभूची में और पूर्ण रूप से वर्णि। है) रिवस्ट्री कत्तां अधि कारी के कार्यालय वस्बई में रजिस्ट्री करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25—1—1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उकित बाजार मून्य से कम के क्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उकित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल निम्नलिवित उद्देश्य से उक्त बन्द्रण निचित में बास्यिक रूप से कथित नहीं किया पता है द

- (क) बन्तरुण से हुई किसी भाव की वावत, स्वस्तुं विधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक क प्रियत के कनी करने वा उससे वचने में सुविधा के किए; और/मा
- (स्त्र) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या मृत्-कृद् अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्याध प्रकट नहीं किया नया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सृतिभा के लिए;

हात अब उनल अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण भं, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन, निस्तिनिका अधिकार्यों, अर्थात् :— (1) शब्बीर नझरअली टांकीवाला।

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती झुबेदा ए० कादर घोगरी।
 - (अन्तरिती)
- (3) भाडून । (बह व्यक्ति जिसके अधिभोग मे सम्पति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यमाहियां करता हूं।

उक्त बन्धित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप .---

- (क)। इस स्चाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अमिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वीक्तयों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी

स्थळ्डीक रण: - इसमें प्रयुक्त जन्में और पर्वो का, जो उक्तू अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषितें हैं, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि बिलेख सं० बाम० 1407/82 ग्राँर जो , उप रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिलांक 25-1-1985 को .रजिस्टर्ड किया गया है ।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज—1, बम्बई

दिनांक : 13-9-1985

प्रकप शाइ. टी. एन. एस. ------

आध्यकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ल (1) के अभीन सूचना भारत धरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निर्देश सं० अई-1/37-जी/5174/84-85--अत: मुझे, पी० एन० दुबे,

आक्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से विधिक है

म्रोर जिसकी सं० सी सर्वे नं० 3723, डंकन रोड़, भुलेम्बर, डिकिलन, बम्बई है तथा जो बम्बई में न्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में म्रोर पूर्ण रूप संविणत है) रिजस्ट्रीकर्ता मिश्रीकारी के कार्यलय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-1-1985

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य स कम के इश्यभान प्रीक्षिणल के लिए अन्तरित की गर्इ है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त उन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कृथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क दावित्य में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकेर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उकत अभिनियम की धारा 269-व के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा '1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीचुनी नालडाह्याभाई ग्रौर श्रीमती झुबेदाबाई नोमामाभाई मलिक। (अन्तर्ह)
- (2) श्री फलूर्यदीन क्षमरुद्दीन कापसी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील सं 30 दिन की जबधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति श्रृंकारण;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अथोत्स्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों ना, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

जन क जी

अनुसूची जैमा कि विलेख स० बाम० 2172/79 श्रीर जो उप रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 21-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एस० दुबे स्वन प्रावि न(री सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज⊶1, बम्बई

दिनांक :13-9-1985

प्रक्ष नार्षः टी_, एतः, एसः, सान्यान्यका

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाक 13 सितम्बर 1985

निर्देश सं० अई-1/37-जी $\sqrt{5175/84}$ -85--अत: मुझे, पी० एन० दुबे,

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उसद अधिनेनयन' कहा गया हु"), की धारा 269-ख को अधीन सकाम प्रतियकारी को यह विश्वका करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित नाज़ार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० सी० सर्वे नं० 786, भुलेक्वर डिविजन, वम्बई है तथा जो वम्बई में स्थित है (ग्रीर इस में उपावद्ध अनुसूची में ग्रार पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी क कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-1-1985

को भूकोंकरा सम्बक्ति के उन्तित बाजार जुन्य से कम के सक्तमान शांति १७३५ के लिए अन्तरित की कई है और मुक्ते यह विश्वास करने का छारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उन्तित बाजार मूल्य, उरुफ दश्यमान प्रतिफल से इसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिग्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्निलिशत उद्देश्य से अक्त अंतरण किश्वित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुं के किसी जाय की बाबत, उक्त विधिनियम के अभीज कर दोने के अंतरक आ शियरण में कमी कहने वा उससे यजने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिल्लाने में मुजिशा में किया जाना चाहिए था, जिल्लाने में मुजिशा में किया

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसत व्यक्तित्यों, अर्थात् :---- (1) श्रीहसराज रत्तनसी श्रोहा।

(अन्तरक)

(1) 1. श्री गोवर्धनदास लीलाधर, श्रौर श्रीमती कांशल्याबाई उर्फ पोरीबाई गोवर्धन दास लीलाधर।

(अन्तरिती)

(3) श्री जयराज केशरी सिह।
(वह व्यक्ति जिसके अभिभोग मे
सम्पति है)।

की यह सुधनः आरी करके पूर्वाक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उन्त सम्परिए के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से

 45 दिन की अनिध : पत्सम्बन्धी ज्यों क्तमों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हों के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी क्वांकिः प्राराः
- (क) इस सूचना के राज्या में प्रकाशन का आ क्षिक स 45 दिन के मीतर जात स्थायर सम्पत्ति में प्रिताद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहरणाक्षारी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्वस्तीकरण: — इसमाँ प्रयुक्त शब्दां और पदां का, जो उकत अधिनिद्यम् क अध्यय 10-य मा परिभर्गतित ही, पदी अर्थ तीम जो उस अभ्याय में दिया वस ही।

नगरा ची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० बाम० 2380/79 श्रीर जो,उप रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 21-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिना क . 13-9-1985

प्रकप आर्धः दी. एम. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर वाय्क्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1885

निर्देण स० अई—1/37ईई/4326/84—85⊶—अत:मुझे, पी०एन० दुबे

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इतमें इसमें पश्यात् 'उन्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धार्ख 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर स्माति, जिसका उजिद बाजार मुक्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रांग जिसकी स० फ्लेटनं० 3, जो 2री मंजिल, इमारत नं० 7-वी, पटेल जपार्टमेटल, बी० जी० खेर मार्ग, वरली, वस्वई-18 में स्थित है (श्रांण इसने उपाबब अनुसूची में श्रोण पूर्ण रूप से विणत है) श्रांग जिसका कराणनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में गिजस्ट्री है, तारीख 21-1-1985 का पूर्वोभत सम्पत्ति के उचित बाबार मृज्य से कम के दश्याल शितफल के लिए बतरित की गई है और सुके यह विश्वात करने का कारण है कि संशाप्तित सम्पत्ति का उचित बाबार मृज्य से कम के दश्याल शितफल के लिए बतरित की गई है और सुके यह विश्वात करने का कारण है कि संशाप्तिकत सम्पत्ति का उचित बाबार मृज्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह शिवस्त से अभिक है और बंतरक (बंतरका) और बंतरिती (बतरितियों) को बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्मालिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में बास्त-विक कप से कथित नहीं किया गया है है----

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त शीधनियम के अधीन कर धेने के अंतरक की दायित्य में कभी करने या अबसे बचने में स्विधा वे किए; बौर/तः
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त स्थिनियम, या धन-फार ज्थिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अर्तारती ह्वारा प्रकट नहीं फिया गया बा या किया जाना चाहिए भा, कियाने में सुविधा विद्या

क्सेंक, जब, उन्ते जिथिनियम की भारा 269-त के जन्मरण मो, भी त्रक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को बचीन, निम्नीनियत व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री युमुक अब्दुल्ला पटेल।

(अराप्स)

(2) श्री मोहिउदीन तैयब सोनी।

(अन्वरिती)

को वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हों, के भातर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवार,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विम के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पन्नीकरण: ---इसमें प्रयानत कान्यों कोर पक्षों का, ओ उनका किनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं कर्ष होगा, को उस कान्याध में दियस गवा है।

जन्सूची :

फ्लेट नं० 3, जो, 2री मंजिल, इमारत नं० 7-जी, पटेल अपार्टमेंटस, बी० जी० खेर मार्ग,वरली, बम्बई--18 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-1/37ईई/3990/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-1-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक : 13-9-1985

प्रकम बाइ . टर्र . एम . एव .,-------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-ण (1) के मभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर नामुक्स (निरक्षिण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई,दिनांक 13 सितम्बर 1985

निर्देश सं० अर्ह-1/37ईई/5462/84-85--अतः मुझे पी० एन० दुबे,

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकरी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. मं अधिक है

धार जिसकी सं० युनिधनं ० 166, जो, 16वो मंजिल, अटलंटा इसारत, प्लाट नं ० 209, बनवे रेमलमेंशन, घोर खुली गाडी पार्टिंग, एगह नं ० 58 के साथ, मरीमन पाइन्ट, बस्बई है तथा जो बस्बई में स्थित है (घोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप ने विणित है) घोर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधीकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 30-1-85

कां पृशेक्त सम्मत्ति के जीनत बाजार मृत्य में कम के दश्यमान वितिक्ष के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निद्यास करने का कारण है कि यथाप्येक्ति संपत्ति का जीवत बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिक्षल ते, एसे क्यमान प्रतिकल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक लिंगिनलिखित उद्वेदेय से उक्त अन्तरण निश्वत में अस्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण स हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर द'ने के अनुरक प्र दायित्व में कभी करने या उचसे बचाने में सुविधा के लिए; और/मा
- (का) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को किस्हुं भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अब, उक्त बीधीनयम की भारा 269-ग के अनुसरण मी, मी अक्त बीधीनयम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीत, निम्निसिस स्पायितायों, अर्थात् :---

- (1) गिल्ल कम्युडिटी मार्केटिग प्राइवेट लिमिटेड । (अन्तरक)
- (2) मेमर्स इप्का लेबोरेट्रीज प्रा० लिए। (अन्तरिती)
- (3) अन्तरकों।

(बह ब्यक्ति जिसके अधिभोगे में सम्पति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक्ष करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीस से 30 दिन की अविभ, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थितियों में से किसी व्यक्ति ख्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यव्य किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमा प्रयुक्त शब्दां और पदां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याम 20-क को परिभाषित ही, नहीं कर्ष होगा जो उस अध्यास में दिया गया है।

युनिट नं० 166, जो 16वो मंजिल, "ग्रटलंटा" इमारत प्लाट नं० 209, बक्वे रेक्निशेंगत, श्रीर खुली जगह गाडी पाकिंग जगह नं० 58, नरीमन पाइन्ट, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-1/37/ईई/534 1 84-85 धौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30-1-1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे नक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनांक : 13-9-1985

प्रस्य बार्षः टी. एनः एसः

.बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धररा 269-थ (1) के अधीन सूचना

शास्त स्टुकार

शायलिय, स्हायक शायकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज्—1, बम्बई

अम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1985 निदेश सं० अई-1/37ईई/5587/84-85---अत: मुझें पी० एन० दुबे.

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269- में के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, जो स्ट्रक्चर्स के साथ, रानू घाटी चाल, आफ सयानी रोड़, प्लाट नं० 1002 श्रीर पुरानां प्लाट नं० 33, प्रभादेवी, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (श्रीर इस उपाबद्ध अनुसूची में श्रीण पूर्ण रूप से विणत है) श्रीण जिसका करणणामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 31-1-1985

कि प्वोंक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दरयमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापनाँक्त संपत्ति का उचित अखार बृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का बन्द्र प्रतिज्ञत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाषा गया प्रतिक का निम्नतिधित उद्देश्य से उचत अन्तरण सिविक में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाय की नावश्व अवस्य विध-रियम के जबीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे जबने में स्विधा के निक्कः बाह्य/बा
- (च) ऐसी किसी जाव मा किसी धन वा जम्ब जास्तिवाँ को, जिन्हें भारतीय भामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ जन्तरिती स्वारा प्रकट वहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के जिए:

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरम में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नित्तिक व्यक्तियों, अर्थात् :--- 39-276G1|85

(1) श्री अब्दुल कादर हाजी नूर मोहमद श्रीर श्री अबू वकर हाजी नूरमोहमद।

(अन्तरक)

(2) श्री ग्वी पूरवनकारा।

(अन्तरिती)

(3) 122 भाडूत।

(बहु व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के सर्जन के मध्यन्य में कोई भी शासेप:---

- (क) इस भूषना के राष्पत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्मकाशी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की जनिश जो भी व्यक्ति वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में वे तिकी श्रीकार रा
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर अवस्त स्थावर संपीता में दिका व दब्ध फिसी अन्य स्थावल द्वार कथाहन्ताकारी के शास निर्धाय से दिवा में दिवा में दिवा में

स्पव्योकरण: --- इसमें प्रयुक्त गब्दों आर पदों का, को उक्क अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा उर उस अध्याय में दिया क्या हैं॥

वगसची

अमीन का हिस्सा, जो स्ट्रक्चर्स के साथ, रानू घाटी चाल, ऑफ सयानी रोड, प्रभादेवी, बम्बई, प्लाट्ट नं ० 1002 ग्रीर पुराना प्लाट नं ० 33, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अर्ड-1/37ईई/5421/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ड द्वारा दिनांक 31-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> श्रिपी ०एन० दुबे रक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अध्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनाक : 13-9-1985

प्ररूप बाइ .टी .एन .एस . -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सुचना

नारव वरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1985 निदेश सं० अई-1/37ईई/5205/84-85—अतः मुझे पी० एन० दुबे

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 के अधीन संक्षम प्राधिकारों को वह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, जिसका नं० 17, खंबाला हिल डिविजन, कारमायकेल रोड़, बम्बई-26 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करायनामा आयकर अधिनियम 1961 की घारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 7-1-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के जिन्त बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यमास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल अक्र पन्त्रह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के बिए दय बाया गया प्रतिकल, निम्निवित्त उच्चेश्य से उन्तर अन्तरुव किश्वत में अग्तविक इन्य से किश्त महीं किशा गदा है ——

- (क) अन्तरण से हुई फिसी भाग की कावता, वर्कत विशिव्यक्ष के अधीन कह वर्ष से क्षान्त्रक के वादित्य में कभी कहनें का उक्त क्षानें में वृद्धिक के जिल; मार्थ/पर
- (क) एंती किसी मध्य ना किसी भव ना सम्ब नास्तिनों को, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उत्तर अधिनियम, या अल-कार अधिनियम, या अल-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभाजनाथ अन्तिरिती व्यारा ५ कट नृष्टी किया नवा जा शाहिए था, जिनाने को सुनिया के सिन्द्र,

श्रस: श्रम, उमल अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, श्रमत अधिनयम की धारा 269-ग की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) श्री अरुण बालकृष्ण चितले श्रौर मधुकर मेघ ध्याम रुपाजी (अन्तरक)
 - (2) मेसर्स कल्पतरु (इंडो सायमन) कन्सट्रमधानस । (अन्तरिती)
 - (3) 1. श्री जी० एफ० हरकिशन दास लक्ष्मीदास,
 - 2. एफ०एफ० पिस्लू बोटेलवाला ग्रीर,
 - एस० एफ० गोवर्धनदास पी० ए०,
 श्रीदर्यास बोटेलवाला भाडूत।

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग मं सम्पति है)।

(4) महाराष्ट्र राज्य।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है

काँ यह सुमना भारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के सिक् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उपन संपरित के नर्बन के संबंध में कोई भी बाधोप ह---

- (क) इस स्वान के रावधन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी स्वस्तियों पर क्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त झोती झो, को भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा वशोहस्ताक्षरी की पान किसीबत में किए वा सकते!

वन्त्रवी

जमीन का हिस्सा, जिसका नं ० 17, खंबाला हिल डिविजन कारमायकेल रोड़, बम्बई-26 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-1/37ईई/5155/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-1-1985 को रजिस्टई किया गया है।

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनांक: 13-9-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बारकप विशिवस्थ, 1961 (1951 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन ब्रुचना

भारत सरकार कार्बासक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई,दिनांक 13 सितम्बर 985

निदेश सं० ग्रई-1/37ईई/5504/84-85--ग्रतः मुझे पी० एन० दुबे,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित इसवें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाचार मृत्व 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं जिमीन के साथ, इमारत , ओ 2री फोफलवाड़ी और भुलेंटबर रोड, जिसका सी एस व नं 1649, भुलेंटबर डिविजन, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम 1951 की धारा 269क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 30-1-1985

करें पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के क्वजात प्रतिकस के जिए बन्तरित की नई हैं जीर कुके वह विवनाय करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार कुक्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, ऐसे क्यजान प्रतिफल का कुक्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, ऐसे क्यजान प्रतिफल का कुक्य प्रतिक्रत से अभिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिकों (बंतरितिमों) के बीच एसे जंतरण के क्षिए उस पाना नवा बहुत-फल निम्निलिखित उद्वोदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक कप से कृथित नहीं किया गया हैं :--

- (क) जलारण चे हुई किती जाव की वायत, क्यक विभिन्नियम के बभीन कर बाने के बन्तरक के वर्तिक्थ में कभी करने या उत्तरी वचने में सुविधा के हैंबए। बॉर/या
- (च) वृत्ती कियी भाव ना कियी भय ना अच्य वाजिन्ति, जा, जिन्हें पाइतीय जावकार विभिनित्ते , 1922 (1922 का 11), जा उनका कृषिनित्ते ना भनकर विभिनित्ते , 1957 (1957 का 27), जे प्रयोदनार्थ जन्तिरिती व्याद्य प्रकट नहीं किया भवा था वा किया वाना जाहिए था, क्रियाने जे सुविभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसक्त में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात् क्ष्य- (1) बाबू जीवनलाल पन्नासाल ट्रस्ट ।

(भ्रन्तरक)

(2) 1. श्री अंदूलाल जिन भाई जोशी,

2. श्री सोहनलाल भुलरालाल जोशी।

(अन्तरिती)

(3 भाष्ट्रता

(वह व्यक्ति जिसके ऋधिभोग मे सम्पत्ति है)।

की वह बुचना बारी करके पूर्वोक्स संपर्टित को कर्जन हो जिल्ला कार्यवाहियां करता होत्।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 हिन्दू की व्यविध मा तत्वम्यन्थी व्यवितयों पर सूचता की व्यविध की 30 दिन की व्यविध , वा भी व्यविध वास में स्वाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यवितयों में किसी व्यवित द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में द्विष्ट- बहुभ किसी जन्य स्थानत द्वारा, अभोहस्ताक्षरी में शाद सिविक में किए का बकों ने।

स्माव्यक्तिक्रण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त व्यक्तिवम, के अध्याय 20-क म परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नमुस्त्री

जमीन के साथ इमारत, जो, 2री फोफलवाडी और भुलेश्वर रोड, जिसका सी० एस०्रैनं० 1648, भुलेश्वर डिविजन, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋम सं० श्रई-1/37ईई/5374/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारा दिनांक 30-1-1985 को रेजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेंज-1. बस्बई

दिनांक : 13-9-1985

प्रकप नार्द्**. टो. एन**्ए**व**्य सन्तरमञ्ज्ञ

भाषकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन स्थान

नार्व बरकार

क्रायांचय, सहायक भायकर बायुक्त (निद्धीताण)

श्रर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निदेश सं० प्रर्ह-1/37ईई/5512/84-85—प्रतः मुझे पी० एन० दुबे,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसकें इसकें परकात् 'उन्त निर्मियम' कहा नवा हैं), की बाख 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को मह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका अधित वाधार मृक्व 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० जमीन के साथ बंगला, जो, चवेप टी, जिसका सी० सर्बे नं० 2/7986 और 1/1539, गिरगांव डिविजन, बम्बई है तथा जा बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है) और जिसका करार-नामा प्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 30-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कन के स्थमाय प्रितिफल के लिए अन्तरित की गर्च है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजा मृत्य उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए क्ष्य पाया गया शितफल, निम्नलिखित उद्देश्य स उच्छ अन्तरण लिखित में सास्तिक रूप से अधिक रूप किया पदा है अ--

- (क) अभ्यरण से हुइ किसी बाय को नायत, उक्त अभिनियम के अभीन कार दोने के जन्तरक के दावित्य में कला की कार्य के बावित्य में कला की कार्य में कार्य की कार्य में कार्य की कार्य में कार्य की कार्य में कार्य में
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करं जिन्हों भारतीय नायकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (195/ का 27) अभे प्रवोजनार्थ सन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया नवा भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के जिए;

क्य: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निक्तिविक्त व्यक्तिग्रों, सर्यात् क्र-

- (1 1 जथेन्द्र एमा ठाकुर 2 श्रीमती विमलाबेन मणिकलाल दमानिया ,
 - 3. गिरीश मणिकलाल दामनिया,
 - 4. माघव वि० शहा।

(भ्रन्तरक)

- (2) 1. मुराद भ्रब्दुलहुसेन तालीब,
 - 2. फराहशुजाउदीन तालीब,
 - 3. शाहेन झेनाब तालीब,
 - 4. यशिर खुझर फतेही,
 - विश्वर इस्माईल और
 - करीश्मा इस्माईल फतेही ।

(भ्रन्तरिती)

- (3) भाडूत । (वह व्यक्ति जिसके ऋधिमोग में सम्पति है) ।
- (4) मणिकलाल दामनिया और ग्रन्तरक ।
 (वह व्यक्ति जिस के ग्राधिभोग के बारे
 ग्रिधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति
 में हिनबक्क है) ।

को मह सूचना जारी करके पृत्रोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहिकां करता हुं।

उनत संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षंप :--

- (क) इस सूचना के कंकनपत्र में प्रवक्षण की तादीय ते 45 दिन की अविधिया तत्सवंधी स्पन्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी विधि बाद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्विक्ष स्वित्यों में से किसी व्यक्तिय द्वाहर;
- (क) इस त्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी बन्च स्थित ह्वारा वधोहस्ताक्षरी के शक्ष निवित में किए जा सकीं।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त स्मावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) के अभ्यास 2/0-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

अमृत्यी

जभीन के साथ बंगला, ग्राबी, जो चौपटी, जिसका सर्वे तं० 2/7986 और 1/1539, गिरगांव डिविजन, बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० ग्रई-1/37ईई/5377/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई छारा दिनांक 30-1-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज–1, बम्बई

दिनांक 13-9-1985

प्रकृष् वार्*.टी. एन. एस. -----

जर्मकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निर्देश सं० ग्रई-1/37ईई/5439/84-85----- प्रत मुझे पी०एन० दुवे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी स० प्राफिस न० 12, जो, 2री मजिल, रेक्स चेंबर्स प्रमायसेंस को० ओप० मोमायटी लि०, वालचेंद हिराचेंद्र मार्ग, बेलार्ड इन्टेट, बम्बई—38 है तथा जो बम्बई—38 में स्थित है (और इससे उपावश्च अनुमूची में ऑर पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम 1961 की आरा 269क; ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिन्द्री है, नारीख 22—1—1985

का पूर्वाचल सम्मास के उर्वास्त बाजार स्ट्या स कम के स्थामान शितफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते वह विकास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्मिस का उचित बाजार सून्य, उनके उरामान इतिएक र, एस दश्यमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिस्वा से विश्वक है और बंतरिक (अंतरिकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक स्व निम्नविधित उद्देश्य से स्थत अंतर्श्य विधित में वास्तविक इन से कायत नहीं किया नया है है—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन ु निम्नलिखित अभिन्तयों, अथित ;— (1) मेसर्स नारायण सिंह एण्ड कम्पनी।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स नव भारत कार्पोरेशन ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना पारी काइको पूर्वोत्रस सम्पहिता के मर्चन से जिल्ला कार्यनाहिया करता हुं।

डक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी जालेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपित में हितबक्ध किसी कन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पव्होकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिष्ठ है, वहीं अर्थ हानेगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रची

म्र फिस नं । 12, जो, 2री मजिल, रेक्स चेक्स प्रिमायसेस को अोप । सोसायटी लि । वालचेद हिराचेद मार्ग, बेलार्ड इस्टेट, बम्बई-38 में स्थित है ।

प्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई-1/37ईई/5322/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई क्षारा दिनाक 22-1-1985 को रिजम्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुवें सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक : 13-9-1985

क्षम् वाद्ये द्वी पुत्र पुत्र पुत्र

(1) श्री सुरेस्द्र कुमार खन्ना

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स सत्यानी न्नास ।

(मन्तरिती)

बायक्ट अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-ज (1) के अभीन सूजना

TOTAL STATE

कामिन्य, सहायक जायकर आयुक्त (पिरीक्षण)
प्रार्जन रेंज-1, बस्बई
बक्बई, दिनांक 13 सित्तम्बर, 1985

निदेश स० भ्रई-1/37ईई/5456/84-85--- श्रतः मुझे, पी० एन ० वुबे,

धायक श्रमिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पर्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसका सं० थ्निट सं० 430, जो, 4 थी म जिल, पचरता अनुसुवी म श्रीर पूर्णक्य से वर्णित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 वज्र के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रजिस्ट्री हैं। 30-1-85 को प्रवेक्त सम्पत्ति के अभिक काजार मूस्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उपित बाजार मूस्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का कम्बह प्रतिकात से अभिक हैं और अंतरिक (अन्तर्कों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तुयु गया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वर्षय से उकत अंतरण किखत में वास्तविक रूप से किशृत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स श्रीधीनयम के अधीन कर दोने के अन्सरक के वायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए, और/या
- (जा एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारो प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भू, मूँ, उक्त अधिनियम की धारा-269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध--- को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्स, सम्पत्ति के वर्षकृ के विदे विद्यु कार्यवाहियां करता हुरू।

उन्तु सम्पृत्ति के वर्षन् के संबंध में कोई भी बाक्षेप ट---

- (क) इस स्वना के दाज्यन में प्रकाशन की तारी हुं हैं
 45 दिन की अविधि या तत्स्म्बन्धी व्यक्तियों पूर
 स्थना की तामीन से 30 दिन की अविधि, यो और
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशित की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सीभनियम के सभ्याद 20-क में परिमाणिह है, वहीं अर्थ होगा, जो उस सभ्याय में विका न्या है।

अनुसूची

यूनिट नं० 430, जो, 4थी मंजिल, पंचरत्न इशारत, एम० पी० मार्ग, बम्बई-4 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भ्रई-1/37ईई/5336/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 30-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया

> पी० एन० दुने, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) सर्जन रेंज-1, बस्बई

सारीख: 13-9-1985

. **४रूपः बाह<u>ै .</u>टी . एन . एस**् चनन्न-भागा

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

काशीमय, सहायक मामकद भागकत ((निद्धीनक)

ग्रर्जन रेंज1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सिरम्बर 1985

निदेश सं० श्राई०-1/37 ईई०/5522/83~84--म्झतः मुझे, पी० एन० दुबे

भागकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 72 है तथा जो विंग बी/2, दस्तान भगार्टमेंट्स, बेलासिक रोड, बम्बई-8 में व्यित है (भीर इससे उपाबद श्रनुसूची में भीर पूर्ण क्प से विणित है), भीर जिसका करार्रामा श्रायकर श्रोधनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 30 जनवरी, 1985

कार् पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के बश्यमान प्रतिकल के लिए जन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके बश्यमान प्रतिफल से ऐसे बश्यमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाम पया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किलित में बास्तविक रूप से किशा ग्या है है—

- (क) अभ्यारण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियत के अधीन कर दोने के अंतरक के स्वीयस्थ में कमी करने या उससे वचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना खाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए:

जतः जन, उन्त अभिनियम की धारा 269-च के जनसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को जभीन, निम्नलिखित व्यक्तित्वों, अर्थात ह— (1) मोहम्मद युमुफ़ श्रन्युरुला पटेल ।

(भ्रन्सरक)

(2) ग्रब्बास नूर मोहम्द ।

(भ्रन्तरिती)

(3) अन्तरिर्ता) ।

(बह न्यक्ति; जिसके ग्राधिभोग में सम्पत्ति है)।

का यह स्थान बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के क्षर्यन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बन्द्र सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बासरे ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख क्षे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की सारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी बन्य विकत क्वारा अभोहस्त्राक्षरी के पास सिचित में किए जा तकींगे।

रचव्यक्तिरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, को अक्त अधिनिया, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

भनुसूची

फ्लेट न्०ए2, जो, विंग बी/2, दस्तान भ्रपाटकुमेंटस, बेलासिस रोड, बम्बई-8 में स्थित है।

श्रनुसुची जैसा कि कि सं श्रई-37ईई/5383/4-85 श्रौर ऐ। सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 30-1-985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बस्बई

तारीख: 13-9-1985

मोहर 🏻

प्रकृप नाइं.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

नारत तरकार

269-व (1) के अभीन सकता

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निदेश सं० प्रई-1/37ईई/4327/84-85--- अत: मुझे पीं० एन० दुवे

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं पलेट ने 4, जो, 2री मंजिल, इमारत ने 7बी, पटेल प्रपर्टमेंट, बी जी विषे रोइ, वरली बम्बई-18 है तथा जो बम्बई-18 में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वीणत है) और जिसका करारनामा आयकर प्रधिनयम 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्ट्री है तारीख 21-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाबार मृल्य से कम कै दब्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके क्रयमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण प्रिस्तित में सास्तिक स्प से कथित नहीं किया गया है के—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-निक्य को अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए चरि/बा
- (क) एँकी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की अयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया शाना किया शाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा की किया

बतः कतः, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण बीहः मी, उकत अधिनियम की धारा 269-थ की अपधारा [1] के बनीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, जर्थात् :--

(1) श्रीयुसुफ प्रब्दुला पटेल ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मोहिउद्दीन तैयब सोनी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सञ्मिति वी अर्थन, वो रिज्ञ्य कार्यवाही करता हुं।

उन्द सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अमिध या तत्सम्बन्धी भ्यानितयों पत्र स्वना की तामील ले 30 दिन की अविध, जो भैं। अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स, स्मृतित्यों में से किसी स्मृतित वृवारा;
- (क) इस स्वना के राज्यम में प्रकावन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-अव्य किसी अन्य स्थावत द्वारा मभोहस्ताकड़ी कें पास निवित में किए वा सुकोंगे।

स्पव्यक्तिस्यः स्थापं प्रयुक्त सन्धां और पवां का, जो उत्तर अधिनियम के सम्यास 20-क में परिवासिक हाँ, नहीं क्षं होगा को उस सम्यास में दिना गया हैं।

श्रतुसूची

पलेट नं व य4, जो, 2री मंजिल, इमारत नं 7 सी, पटेल भगर मेंट, बी जी खेर रोड, बरली, बम्बई—18 में स्थित है। धनुसूची जैसा कि क्रम सं प्रई—1/37ईई/3991/84—85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई धारा विनोक 21—1—1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एन० दुबे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 13-9-1985

प्रकृप आ<u>र्थः टी. एन. एस. -----</u>

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्रण)

प्रजंन रेंज्र-1, बम्बई

बबई, दिनांक 13 सितम्बर 1985

भावकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत किंपिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० वेंबर सं० 618, जो, 657 मंजिल, पंचरत्न, श्रीपेरा हाउस, बम्बई -4 है तथा जो बम्बई-4 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है भीर जिसका करारनामा श्रीयकर ग्रीधिनयम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 7-1-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान व्यक्तिक के निष् अन्तरित को नर्ष है और कुछ यह विश्वाद करने का कारण है कि स्थाप्वाँक तंपरित का उचित बाबार कुन्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकास से एंसे द्रश्यमान प्रतिकास का वन्द्र प्रतिकात से मिंगक है और अन्तर्क (जन्मारकों) और अन्तर्क रिती (जन्तरिक्तों) के बीच एंसे अन्तरण के निए तय पाना वना प्रतिकात, निम्मितिकार द्रश्यक ते उसत अन्तरण निवित में बास्तरिक कम से क्षियत नहीं द्रिया वना है है—

- (क) अंतरण से तुइ किसी नाय की नावत, अवत निवृत्तिक में स्थीद कह देवें के व्यवहरू क दानित्व में कती करने या उनसे नवने में सृतिका के बिक्; कींड/का
- (थ) प्रेडी किया बाथ ना किसी थन ना बन्स जास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय जानकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) ना उच्छ न्यिनियम, या अनकर विधिनियम, या अनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया वाना चाहिए था, छियाने में सुनिधा के सिए;

वत: वव, उपंत विभिन्न की भारा 269-य के बन्धरव वो, में, उन्नत अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) वो वधीन, निज्नसिवित व्यक्तियों, व्यक्ति — 40---276G[|85 (1) जोरमल मंगलजं महता ।

(भ्रन्तरक)

(2) प्रकल ग्रमीचंद जवरा ग्रौर चिन् प्रेमचंद जवेरी। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी सबिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीड हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के बाक
 जिज्ञित में किए जा सकरी।

स्पक्तीकरण: --- इसमें प्रयुक्त कर्के विश्वीय 20-क में परिभाषित विभिनियम, के विश्वीय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिगा विश्वाही।

अनुसूची

चेंबर नं० 618, 65ी मंक्निल, पंघरत्न श्रापेरा हाउस, बम्ब $\xi-4$ में स्थित है।

श्रनुसुची जैसा कि कम सं० श्रई-1/37ईई/6440/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिक रं \cdot , बम्बई द्वारा दिनांक 7-1-1985 को रजिस्टडं किया गया है।

पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिकार्रः सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरं≀क्षण) श्रर्जन रेंज–1,वक्बई

दिनांक : 13-9-1985

मेर्ड ।

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-च (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भर्जान रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निदेश सं० धर-1/38ईई/5600/84-85--- मूनः मुझे पी० एन० दुवे आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० श्राफ़ीस न्० 422 जो, 4थी मंजिल, तुल-सियानी चेंबसे, नरीमन पाईन्ट, बश्बई-21 है तथा जो बश्बई-21 में स्थित है (श्रौर इतसे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) श्रौर जिसका तरारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 2697, ख के श्रधीन बश्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, कारीख 31-1-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मूझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का गंदह प्रतिगत से अधिवः है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण कैं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्लिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मेसर्स कपूर ज्वेलर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्सदीपक इंटरप्रायसेस।

(भ्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🖫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख. से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मक्ष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त एडदों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

श्राफ़िस नं० 422, जो' 4थीं महंजिल, तुर्लास्यानी चेदर्स नरीमन पाइन्ट, बध्बई-21 में स्थित है।

श्रनुसूती जैसा ि कम सं० श्रई-1/37ईई/5427/ 31-1-1985 को रजिस्टर्ड विध्या गया है।

> पी० एन० दुबे सक्षम प्राधितारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्रक्षण) श्रजन रेंज−1 बस्बई

विनोक : 13-9-1985

प्रसम् आहे. टी. एन. एस.: -----

नायकर निर्मापयम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-म (1) ने वधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यागय, सञ्चयक आवकर भावन्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज 1, बस्बई बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निर्देश म**् प्रई**-1/37-ईई/5484/84-85------प्रतः

भुश्ते पी० एन० दुबे

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रू. से अधिक है

श्रीर जिसका गं० अ।।फ़रा नं० 126, जो 12वीं मंजिल मां विंग 'मित ल कोर्ट'' प्लाट नं० 1224 नर मन पाइंट बम्बई 21 है नथा जो बम्बई 21 में स्थिति हैं (श्रीरइसमें उपाबढ़ श्रमुसूचों में और पूर्ण म्य में विंगत हैं) श्रीर जिस ना करारनामा श्रायकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269 के ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रा है दिनांक 30-1-1985

को प्रवाकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकास क्षे सिए अन्तरित को अप्रे हां और मुक्ते यह विश्वास का कारण है कि यभाप्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य सकते व्यमान प्रतिकास से, एसे दश्यमान प्रतिकास के पंद्रह प्रतिकास से विषक है बीर अन्तरक (अन्तरकों) बीर अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के सिए तथ पाया गया प्रतिकाल, निजनितिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविका रूप से किंवत नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के व्यक्तिसम्ब में कमी करने या उसमे क्यने में .सृविधा के किए; औक्ता/वा
- (स) वृंती किसी वाय या किसी वन या वन्त्र सास्तियों को, जिल्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भनकत्र निधिन्तम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया यथा था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में वृतिया के किया;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण अॅं, अॅं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप्धास (1) के बभीन निम्नतियित व्यक्तियस स्थान् अल्ल

- श्री निर्मेल कुमार गंगवाल, 1 श्रीमिति निलम निर्मेल गंगवाल श्रीर 3 श्री प्रदीप कुमार मंगलूनिया। (श्रन्तरक)
- श्री वंद्रेश शिवालाल शहर 1 प्रोपराइटर म्हासोनिएटड एडवरटाईजर्स ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

ंजक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस त्वना के राजपन के नकायन की तारीच से 45 दिन की अवधि ना तत्वन्त्रनभी व्यक्तिकों एए सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के प्राचपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के मीतर सकत स्थावर सम्पत्ति में हितवबृध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकोंगे।

स्वकातिकरणः इतमें प्रयुक्त बन्दों और पर्वो का, जो उनक व्यक्तिनगर, के बन्दान 20-क में वरिमाणिक ही, वहीं वर्ष होगा जो उस सन्याय में विशा गया है।

धनुसूची

श्राफिस नं 126 जो 12वीं मंजिल, पी० विंग, "मिनल कोर्ट" प्राट नं 1224 नर्शमन प्याइंट बग्बई 2. में स्थित है ।

अनुपूचः जैसा ि क० सं० प्रई--1/37-र्नेई/5354, 84-85 औं जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वान दिनांक 30-1-85 को रजिस्टई किया गया है।

पी० एन० दुवे सक्षम प्राधिहारा, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निराज्ञण), ग्र**र्जन रोज 1, बस्बई**

ধিনাক: 13-9-85

मोहर 🖫

प्ररूप आहर्षे. टी. एन. एस.-----

ाइ. टा. एन. एस. ----- 2. मेसर्स एक्सल बिल्डर्स ।

(अन्तरक)
2. श्रीमति प्रविणा हिमतलाल भ्रजमेरा

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज 4, अम्बई

बम्बई, दिनांवः 28 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० ग्रई-3/37-ईई/14345/84-85---भः मुक्ते लक्ष्मण दास

हासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. सं अधिक हैं

1.,00,000/- र. मं अधिक हैं

और जिसकी प्लाट नं 32, जो 3री मंजिल, जिब दर्शन
इमारत, एस विश्व पा रोड, लांदिबली (प) बम्बई 67
में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रुप
से बिणत हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम,
1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राकारी के लार्यालय में रिजम्ट्री हैं, दिन क 1-1-1985
को पूर्वेक्ट सम्पत्ति के उचित बाचार मूल्य से कम के दर्यमान
अतिकल के लिए उन्तरित की गई हैं और गूझे यह विश्वास
करने का कारण हैं कि सभापूर्वेक्त तम्पत्ति का उचित बाबार
मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल ते एसे अम्मान प्रतिफल का
पंत्रह प्रतिशत स अधिक हैं और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती
(अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गवा
अतिफल निम्निलिखत तब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आक की बाबत, उक्स मियन के अभीन कर दोने के अंतरक के बाबित्य में कनी करने या उससे अचने में सुविधा के क्रीक्ए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट न हीं किया गया था या किया जाना चाह्निए था, छिनों में सुविधा असे किए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 26% ग के अनुसरण कैं, मैं, उक्ष्त अभिनियम की धारा 269 क की उपभारा (1) के अधोन, निम्ने लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(भन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के खिद्रा. कार्यवाहियां करता हूं।

उभत तम्मित के अर्जन के तम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस त्यना के रायपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, वो धी अविध साथ में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त स्थानत में से किसी व्यक्ति स्थार;
- (व) इस सूचना के राजपत्र को प्रकासन की तासील ते 45 दिन के भीतर जक्त स्थायर तम्पत्ति में हितवचुधः किसी जन्त् स्थावत द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पात सिवित को किस वा तकींगे।

त्वव्यक्तिरणः --- इसवें प्रवृत्ध शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में दरिशाबिक्तः हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गवा हैं।

अनुष्यी

्ष्लाट नं 32, जो 3री में जिल, शिव दर्शन इमारत, एस० वी० पो० रोड, कॉब्विली (प), बम्बई 67 में ख़िवत है ।

श्रनुसूर्यः जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37/ईई/14345/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्फ किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेनरोज 4 बम्बई

दिनांक : 28-8-85

प्रकप<u>.</u> वाह^र्. ट<u>ी.</u> एवं, एवं, = a + = s

शायकर विभिन्निया, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्वासय, सहायक भायकर जायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 भ्रगस्त 1985

निर्देशः सं० ग्रई-3/37-ईई/1454ं/84~85—ग्रक्षः मुझे लक्ष्मण द।स

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० दुकान नं० 2, जो दात्तानी ग्राम इमारत नं० 3, होमू कजानी कास रोड नं० 3, क्रांदिटकी (प), बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्राधनियम, 1961 की धारा 269 के ख के श्रधीन बम्बई स्थित क्षम प्राधिकरी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं दिनांक 1-1-85

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दबसमान क्षेतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह बिक्सात करने का कारण है कि स्थाप्त्रोंक्य संपृत्ति का उचित् वाचार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के किए तथ् बावा गया प्रतिफल निम्नीसीयत उच्चकेय हैं। उच्च अन्तरक अग्रियत में वास्त्रिक कम से कियत बहु किया गया है क्षे

- [कां) अन्तरण संहुई किसी आय की नायत उक्त। विभिनियत के वभीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; जौर/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन शा बन्य ब्रास्तियों को. जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धन-कर ब्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः नव, उक्त नाँधनियमं की धारा 269-त के जनुसरक तो, मी, उक्त नाधिनियमं की धारा 269-त की उपभारा (1) को नधीन, निम्नलिकित व्यक्तिसमों, अर्थात :— 1. दासाना कन्स्ट्रकशनन्स

(प्रन्तरक)

2. श्रं मिनलाल एच० दलाल

(श्रन्तरिती)

की यह रूपना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के जर्भन के दिल्ल कार्यवाहियां करता हो।

धनत् सम्मरित को नर्जन् को सम्बन्ध् में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकासन की शारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी क्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुकना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मीं हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास मीं किए जा सकोंगे।

स्थाबिकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, वो उक्त जिम्मिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया न्या है।

नंगु सुची

कुँकान नं० 2, जो दास्तानी ग्राम इमारत नं० 3, होमू कलानी क्रास रोड नं० 3, कांदिवली (प) बम्बई में स्थित है ।

ग्रनुपूर्च. जैसा ांक ७० सं० ग्रार्ड्-4/28-5िं14542/-84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाण 1-1-85 को रिजस्टाई किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज 4, बस्बर्ष

दिनांक : 21-8-85

माहुरु 🛭

प्रारूप आईं.टी.एन.एस.

Marin 1064 (1061 #7 42

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43 की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांक्य, सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज 4, बस्बई बस्बई, दिनांक 28 ग्रगस्त 1985 निर्देश सं० श्रई-4/37ईई/14369/85 85----श्रतः सुझे क्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (फिस इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्तम प्राधिकारी की यह चधवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसका संब ध्लाट नंब 203, जो 2रो पंजिल, इमान्त नंब 2, पारस नगर, एकर लैन, कांद्रीवलं (प) बस्बई 67 में स्थित है (ग्रीन इससे उपाबद्ध ग्रनुसूच म श्रांट पूर्ण रूप से बणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्राह्म अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन वस्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान पितपाल के लिए जन्तरित की गई है और गुक्ते मह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उभित बाजार हुस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे ध्यमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिष्ठत से विभक्त है और जन्तरक (जन्तरकों) और अंतरिती (जंतरितियों) के बीभ एसे जन्तरण के लिए तब पावा नया प्रतिफल, निम्निसित उथ्योग से उक्त जन्तरण लिखित में बास्पृतिक स्म से कवित नहीं किया गया है ...—

- (क) वन्तरण वे हुई किसी आय की नावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए बार/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तिय की, फिन्ह आरतीय भायकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या जक्त की शिन्यम, या धनकर अधिनयम, 1957 (1957 की 27) अं प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, अधाने में सुविश्वा के निए;

अंशः अव. उक्त मिधिनियमं की धारा 269-त क अनुसरके बाँ, बाँ, उक्त अधिनियम की धारा 269 के गरि कार्यास (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधान्य- डा० बद्ल सलाम उस्मानः

(अन्तः कः)

😕 कानजी बसाराम थकरार

(अन्तरितंत)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू कर्या हूं

उन्तर सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस ब्यान के राजपन में प्रकाशन की तारीज से 45 हिन की अविधि या तत्स्वन्यों व्यक्तियों पर स्वना की तानीज से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में तजाना होती हो, के भीतर वृजीनत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवार:
- (क) इस तुकान के राजपत्र में अकासन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास स्थित में किए वा सकोंगे।

अनुसुची

ण्लाट नं० ए० 203 जो 2र/ भंजल, इमारत नं० 2, पारस नगर, शंकर लेन, कांदिवली (प) बस्बई 67 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/3727/14369/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-85 को राजस्टर्ड किया गया है।

> निध्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्यक् (गिरीक्षण) ग्राजन रेज-4, बंबई

दिनांक . 28-8-85 **मोहर** ३ प्रस्प बाह्",टी. एत. एस. ------

मैं प्रवं का के के डेबल प्रेंट आपरिशन (अन्तरक)
 श्रीमति अंगना जे शहा श्रीर श्री जें आर् प्रहा

आर् नहा (ग्रन्तरिती)

बायबहर आंधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूत्रमा

भारत बर्चार

कार्यालय, सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रोंज 4, बम्बई

वम्बई, दिनांक 28 श्रगस्त 1985

निर्देश सं॰ श्रई-3/37-ईई/14546/84-85---श्रतः

मुझे लक्ष्मण दास

बायकर ऑधिनियम, 1961 (1961 का 43) िजसे इसमें इसके परवात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिनकी संव पलैट नंव 14, जो 1ली मंजल, जीव केंव नगर इमारत नंव 2 जीतर लेंन, लीदवर्ल (प) बम्बई 67 में रिश्वन है (और इसमे उपाबद्ध श्रनुमूचो में श्रीर पूर्ण कर से पितत है), श्रीर जिस ज करारनामा श्राय र श्रीय नियम 1961 को धारा 269 है, ख के श्रधीन बम्बई विश्वत सक्षम प्राधि तर के स्थार 269 है, ख के श्रधीन बम्बई विश्वत सक्षम प्राधि तर के स्थार ये की पह है, दिनाक 1-1-985 श्री प्रवोधत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्य आन प्रतिकल के लिए अनतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उनके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे असरण के लिए तय गया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्योचय से उक्त अन्तरण जिल्ला में धास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अभीन कर बोने को अस्तरक को दायित्व में कमी कारने या उससे बचने में सुविधा को सिए; बॉर/का
- (क) ऐसी किसी बाब या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, किया जें स्विधा के आए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अधीत :—— का यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहिया शुरू अरता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षभ के सम्बन्ध में कोई भी बार्थ्य 🛵 -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 चिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोचित अधिकारों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस ाचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्वक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेष्ठस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्ष्तीकरण -- इसमें प्रयुक्त सन्दा आर पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होरा जो उस अध्याय में दिया स्था हैं।

अनुस्ची

पलैट नं ० 14. जो 1ली गंजिल, जी ० के० नगर, इमा-रत नं ० 2. गंंं र लैन ांदियली (प) बंबई 67 में स्थित है। श्रतुसूच जैसा कि ऋ० मं० श्रई-4/37-ईई/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 28-8-85

प्ररूप बाइ .टी. एन. एस ------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यामय, सहाबक जायकर जायुक्त (मिरीकक) अर्जन रेंज 4, बम्बई

बम्ब , दिनांक 28 म्रगस्त 1985 निर्देश सं० म्रई-3/37-ईई/14230/84-85--म्ब्रतः मझे लक्ष्मण दाम

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्री जिसके: सं० प्लाट नं० 19, जो, 1नी मंजिल, जी नगर, इमारत नं० 2, शंकर लेन, कांदिवली (प) बम्बई 67 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से अणित है ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, की धारा 269 के, ख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-1-1985

को पूर्वोक्स सम्मित्त के उचित बाजार मून्य में कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नद्दं है और मूओ यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, ऐसे द्रायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतिस्ती (अंतिरितयों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय बाग गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विदेय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, आयकर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अम्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) कै अधीन, निम्नलिकित अधिल्ल्यों, अर्थात् :----

- 1. मैसर्म जंर० के० डेवलनमेंट कार्परियन । (अन्तरक)
- 2. श्री जे० के० गांधा स्रौर र्श्वामीत पी० जे० गांधा। (स्रोतरिता)

को यह क्षूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के दिनक्ष्

क्वत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रोप 🌣--

- (क), इक भूचना के राज्यभ में प्रकाशन की तारीख से 45 जिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर तृष्णा की तालील से 30 जिन की अविधि, जो भी सर्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ब) इस ब्रूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-क्ष्म किसी अन्य स्थित व्यारा अधोहस्ताक्षरी के राज निरीनत में किए जा सकेंगे।

स्पंच्छीक्करूण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीधानियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गयने हैं।

and the

प्लाट नं० 19, जो 1ली मंजिल, जी० के० नगर, इमा-रत नं० 2, शंकर लेन, कांदिवली (प) बम्बई 67 में स्थित है

श्चनुसूची जैसा कि सं० श्चई-3/37-ईई/14230/84-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1-1-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्म, दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेज 4, बम्बई

दिनांक: 28-8-85

प्ररूप आहु", ही एप. एस.----

बाबकर स्पिनियम, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-क (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

क्षश्रा**ज्यः ,** अ**हार्यक्ष अध्यक्षर आवृक्तः (निरीक्षण)** श्रार्जन रोज (4, वस्बर्ध

बम्बई, दिनांक 28 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० ऋई-4/37ईई/14478/84--85----- श्रतः मुझे लक्ष्मण दास

भागकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्नात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संचरित जिसका जिल्हा बाजार स्वय 1,00,000/- ए. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 8 जो 2र्गः मंजिल, प्रागला प्रिमायसास हाउसिंग सोसाईटी, श्राकुर्ला रोड, दांदि-वर्ला (पूर्व) बस्वई 101 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड़ अनुसूर्वा में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिधनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के के श्रिधीन बस्वई स्थित सक्षम प्रानिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-1-1985

पूजी पूजींकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कन के क्यानान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास भारते का कारण है कि रूपाय्योंकत संपत्ति का उचित बाजार मूख्य, उनके ख़रमान प्रतिकल हैं. खूजे क्यामान प्रतिफल का क्लाल प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (मन्यरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कत निम्नलिखित उद्वोष्य से उक्त अस्तरण निकात में बास्त-विक कप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अस्तरण सं हुई किसी क्षाय की बाबत उक्त ब्रोधिय नियम के अभीन कर बंधे के जन्तरक के दामित्य में कवी करम या उत्तव बचने में सम्बंधिय में लिए; बीप/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

करा कार, सकत क्रिभिनियम, की भारा 269-ग के अन्सरण में, में सकत अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीतिकित क्यक्तियाँ, अर्थात् कि—— 41—276GI|85 श्री मनोहरलाल जीक देवले

(ग्रन्सर्क)

2. श्रों भपेद्र जी डेंबले

(अन्तरिर्तः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

तकत सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ह---

- (क) इस सुचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास निर्देश में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भवा हैं।

अन्सूची

प्लाट तं० 8, जो 2लं मंजिल, प्रागना प्रिमायस हाउसिंग सोसाइटी, ग्राकुली रोड, कॉदिली (पूर्व) वस्बई 101 में स्थित है।

श्रमुक्तं जैसा कि श्रे० सं० श्रई-3/37-ईई/14478/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधि ार् बम्बई हारा दिनोरू 1-1-85 को रजिस्टई किया गया है।

ृतक्ष्मण टास, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायूक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज 4, वस्बई

दिनांक: 28-8-1985

मुक्त कार्यु हो प्रमुख पुर्व क्रान्यान

भागकर भिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाउउ 269-भू (1) के सुभीन सूचना

THE STATE

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज 4, वस्बई

बम्बई, दिनांच 28 भगरत 1985 निर्देश सं० श्रई-3/37-ईई/14226/84--85---भ्रतः मुझे

कायफर निधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनिजम' कहा गया हैं), की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर तत्र्यांता, जिसका उजित आजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

ौर जिसकी सं पलैट नं 30, जो 2री मंजिल, जी के नगर, इसारत नं 2 शंकर लैन कांदीवर्ली (प) बम्बई 67 में स्थित है (श्रीर इसके उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य में विणत है), श्रीर जिसका अरारनामा श्रायकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के श्रमान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकरी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-1-85

को पूर्वेक्त सम्मत्ति के उचित बाबार मूक्य से काम के अवसान प्रतिकल के लिए अंसरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके अवसान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे असरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्मिलिखित उद्देशय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से काथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तराय से हाई किसी आप की बाबत जनता अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के क्यिए में कमी करने मा उसने बचने में स्विधा के लिए; सौर/याई
- (च) ऐसी किसी जाव वा किसी धन वा बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के अवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जवा धा वा किया जाना चाहिए था, क्रियाने में बारिया को विद्यु;

कतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हो. मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिस व्यक्तियों, जर्मात् पु---

1 मससं जा०के० डेवलपमंट कार्परिशन

(श्रन्तरकः)

2. श्रांमति धर्मिष्ठा श्रार० दोशं।

(प्रन्तरितंः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बन्द सम्मृतिक के वर्षन के सम्बन्ध भें अग्रेड भी साक्ष्मे :---

- (क) इस भूगना के राज्यम में क्लास्त्र की सामीस से 45 दिन की अवधि वा सरकायन्त्री व्यक्तियों पर क्लाना की सामील से 30 दिन की मंगि, यो भी नविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति इनारा;
- (स) इस सूचना के राज़पत्र में प्रवासन की सप्तरिक्त से 45 दिन के भीतर उचत स्थायर सम्प्रीत में हिन्न-बद्ध किसी जन्म क्योंक्त युवारा, अभोहस्तासरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण 3--इसमें प्रयुक्त सन्यों और वर्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस सम्याय में दिया गया हैं।

मन्स्यो

प्लौट नं० 30, जो 2 रो मंजिल, जो० के० नगर, इमा-रत नं० 2 णंहर लैन, कांदिवली (प) बम्बई 67 में स्थित है।

श्रनुसूचे। जैसा ि क० सं० ग्रई-3/37ईई/14226/ 84-85 श्रीर सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारादिनांक 1-1-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> तक्ष्मण दात सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयूक्स (निरीक्षण) ग्राजन रोज-4, बस्बई

दिनांक: 28-8-85

एक्ट् बार्् की : प्रश्_त पुत्र :------

कायकर् अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भाख 269-क (1) के अभीन सुकता

शास्त्र बहुकाह

कार्यालय, सहावक बावकर काबूक्तु (निवीक्षण)

म्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांग 28 श्रगस्त 1985

निदेश स० **ग्रई**--4/37**ग्रई**ई/14258/84-85---ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दाम,

बालकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विशे का के इसके प्रचार जन्म विधिनियम का नियम है), की भारा 269-व के अभीन सक्षय प्राधिकारी की, वह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिलका उचित बाजार मुख्य,

1,00,000/- रु. ते अधिक हैं
और जिसकी स० पर्चंट सं० 11, जो, पहली मंजिल, हेरमेस
प्रपार्टमेंटस, गुलजी नगर, एस० बीं० रोड, धांदिवली (प),
बम्बई-67 में स्थित हैं (और इसम उपाबद प्रमुखी में और पूर्णरूप से पणित हैं) और जिल्हा करारनामा श्रायकर ग्रिधिनयम,
1961 कीं घारा 269 कख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के नार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 1-1-1985,
को पूर्वोक्त सम्बद्धित के स्थालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 1-1-1985,
को पूर्वोक्त सम्बद्धित के स्थापना मूल्य से कम के स्थाना
प्रक्षिक्त के सिए कन्द्रित के ग्रुई हैं और मुक्ते वह निश्चास
करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बद्धित का पहिनत बाजत
मृत्य, उसके स्थमान प्रतिकत ते, एसे स्थनान प्रतिकत का
पन्द्रद् प्रतिकत से अधिक हैं और वंद्यक (अवस्को) और अंतरिती
(अतीरीवर्वा) के बीच हमें बंदरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत का
पन्द्रद प्रतिकत से अधिक हमें बंदरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत्त का निम्नाविद्या स्वयंक्त से जवस कन्द्ररण सिवित में वास्तिकक
स्प से किथित नहीं किया नवा है हम्म-

- (क) मृत्यरण से हुइ किकी बाव की वासक, उसक विभिनियम के वभीन कर धेने के बत्सहरू की व्यक्तिक में कनी करने वा उसके बज़ने में सुविधा के सिक्; बीटु/का
- (क्) एंसी किसी वाज या किसी भन वा जन्य आस्तियों का, विज् भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या कन-कर अभिनियम, या कन-कर अभिनियम, या कन-कर अभिनियम, या कन-कर अभिनियम, या किया गर्या असी जानार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में मृतिभा से विज्

शतः जब, उत्तर अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, में उथरा जभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) श्र अभीर∴ जिल्लाकिल क्लिसमों, सभीर हरू (1) मेसर्स कर्नाटक ट्रेडर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रभाकर वि० शेट्ट्री।

(भ्रन्तरितीं)

की बहु सूचना चाड़ी कड़के पूर्वोक्स समीत्स के अच्न के देवस् कार्यवाहियां करता हो।

उभव सन्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षण है—
(क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45
दिश की वर्षीय या तत्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सुकता की तामील से 30 दिन की जनिया, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति

स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;

(क) इस श्वना के राज्यन में प्रकायन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायए सम्मृति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात सिसित में किस जा सकोंगे.

स्वाचीकर्णः — इसमें प्रमुक्त कब्दो और पड़ों का, को सक्व जीभीनवन के जन्माय 20-क में गरिसाविक ही, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में प्रिया गया है।

जगुस्थीं

पलेंट म० 16, जत, पहलीं मंजिल, हेरमेस श्रपार्टमेंटस, गुलजीं नगर, एस० वीं० रोड, कांदिवलीं (प), बम्बई-67 में स्थित है।

श्रतुसूचीं जैसा कि ऋ० सं० श्राई-4/37-ईई/14258/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रिजस्टर्ड दिया गया है ।

लक्ष्मण दास प्रथम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज–4, बम्बर्फ

दिनांक : 28-8-1985

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-व(1) के बभीन स्वना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-4. बस्बर्ध

बम्बई, दिनांक 28 भ्रगस्त 1985

निदेश सं० अई-4, 3वईतू, 14461, 784-85--- प्रत: मुझे, सक्ष्मण दाम,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सक परचाल उक्त अधिनियम कहा गमा है), की धार्य 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्त्यावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसेकी संव फ्लैट मंव 13. जो पहली मंजिल. जींव केव नगर, इमारत संव 8. शंकर लेन, नांदिवलीं (प), बम्बई— 67 में स्थित है और इससे उपाबत श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), (अगर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कक के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-1-1985.

करे पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित काजार मृत्य ते कम के अवस्तान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने बह विस्थास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दरममान प्रतिफल सं, एसे दरममान प्रतिफल का पन्नद्व प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पांधा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण तिकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्न अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाियत्व में कमी करने या उससे बचने में साब्ध के लिए; बारि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था सा सिया जाना चाहिए था, क्याने में सूरीया के लिए:

जत: जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसर्म में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मेशर्स जीं० के० डेपलपसेंट कारपोरेणन । (श्रन्तरक)
- (2) श्री श्रतूच चन्द्रकांत संघवीं ।

(श्रन्तरितीं)

की बह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

बन्द सम्बद्धि के भर्मन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुधारा;
- (5) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा जधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किह जा सकेंगे।

राष्ट्रीकरण:--इसमें प्रयुक्त घळां और पदों का, जो इक्तू अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित ही, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ही।

धनुसूधी

पर्लंट सं० 13, जो, पहलीं मंजिल, जीं० के० नगर, इमारत सं० 8, गंकर लेन, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-4/37श्रईई/14461/ 84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रोंज⊶4, बम्बई

दिनांज: 28-8-1985

प्रकप शाह , टी. एस. एस. ----

जायकर अधिनिश्चम 1001 (1901 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सम्मा

RIVE TRUET

कार्यालय, शहायक मान्कर नायुक्त (हैनरीक्षण)

श्रर्जन रेज⊶4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 प्रगस्त 1985

निदेश सं० **श्रई**- 4/37-**ईई**/14439/84-85---श्रतः मझे लक्ष्मण दासः

काम्कर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इक्के इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गा है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव फ्लैट संव 40, जो तींसरी मृजिल, शिवम इमारत, एसव वींव रोड, फतेह्बाग, छांदिवलीं (प), बस्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूचीं में और पूर्ण हप से विणत हैं), और जिसका करारतामा आयक्त अधिवियम, 1961 की धारा 269 कुछ के अधीन बजबई स्थित रक्षम प्राधिक्तरीं के दार्यालय में रिजस्टी है, दिनांक 1-1-1985,

को पूर्वेक्श सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रित्तिक की नई है और मुके यह विद्वास करने को कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य मृत्य, उनके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंकरितियाँ) के बीच एस अन्तरक के अबर मन्तरण निम्नितिवत उद्देश्य से उचत मन्तरण लिखित अस्तियक रूप में कथित नहीं किया नवा है :--

- (क) अन्तरण से इंद्र किसी जाब की बाबत उक्त बीध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शामित्य में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाम या किसी भन या अन्य अस्तियों की, विन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम 1920 (1922 का 11) या एक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा था किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविभा के लिए; और/या

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) में भर्म राजलक्ष्मी ानस्टुमणन वप्पनी ।

(भ्रन्तरःयः)

(2) श्री बाबाभाई माधवजी शहा ।

(भ्रन्तिन्तीं)

का यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांड भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस र्स 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की सर्वीध, जो भी अविध बाद में तमान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ बहुध किसी कर्य क्थित द्यारा अधीहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकींगे।

स्वव्योकस्थः---इसमें प्रयुवित शब्दां और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याव 20-क मा पानमतीया है, नहीं वर्ष होंगा को उस अध्याय में दिया विश्व हैं।

अनुसूचे।

फ्लैट सं० 40, जो तींअरीं मंजिल, शिवम ६६०.त, एस० वीं० रोड, फतेहबाग, क्यंदिवलीं (प), बम्बई में स्थित हैं ।

श्रानुसुची जैंसा कि कि० सं० श्रई-4/37-ईई/14439/ → 84--85 और की सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1--1 1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारीं सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रोंज-4, बम्बई

दिनांक : 28-8-1985

मोह्रर 🛭

प्रकप बार्ड . ही . एन . यस . - - - - - -

भायकर मिभीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आमकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन मेंज--4, बम्बई
बम्बई, दिनांदः 28 श्रगस्त 1985

निदेश सं० अई--4/37-ईई/14336/84--85----श्रतः मुझे, लक्ष्मण दान,

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन स्थाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित काजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

अं(र जिनकी तं० फ्लैंट सं० 3 जो, 4थीं मंजिल, हेरमेस ग्रपार्ट सेंटमे, मुकती तगर, एस० वि० रोड, लांदिवलीं (प), बम्बई-67 में स्थित है (आंर इत्तर उपावद्ध श्रानुमूचीं में और पूर्ण क्य से विणित है), और जिसका कराकामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 एख के श्रधींन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारीं के कार्यालय में रिजस्टी है, दिनांक 1-1-1985,

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंक्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिमक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण श्रं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को दारियर को कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एली किसी बाय या किसी थन या बन्य आस्ति। को, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर धिभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विज्ञा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अत⊹ अभ, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरणी मों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसों, जर्मात्ः— (1) मेसर्स कर्नाटक ट्रेडर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेमर्म श्रफालीं फार्मास्युटींकल्स लिमिटड (अन्तरितीं)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्वशिक्षां करता हूं।

उनत संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति ब्तारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विश्वा गया है।

नन्स्वी

प्लैट सं० 3, जो, 4थीं मंजिल, हेरमेस श्रपार्टमेंट, गुलजी नगर, एम० थि०, रोड, कांदिवलीं (प); बम्बई-67 में स्थित हैं।

प्रमुसूची जैसा कि क० मं० श्रई-4/37-ईई,14336, 84-85 और जं। सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1--1--1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण द्वाम सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रामकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज- 4, बम्बई

दिनांक: 28-8-1985

प्ररूप कार्ड ्टी ् एन र एस्र. ---- कन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 260-धा (1) के स्थीन सचना

भारत सरकार

कार्यानय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 अगम्त 1985 निदेश मं० अई-4/37-ईई/14333/84-85--अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

जासकार विधित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम श्रीभकारी को मह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्मत्ति, जिसका उपित बाबार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट सं० 1, जो, ए-विंग, दर्शन अपार्टमेंट, शंकर लेन, जांदिवली (प), बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विंगत हैं), श्रीर जिपका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-1-1985,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उण्चित बाजार मूख्य से कम के कश्वमान प्रतिकृत के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विक्वास करने करने का कारण है कि वथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उण्चित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिकृत, निम्निलिक्त उद्युष्टम से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुईं िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-त के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिस्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्म संभव बिल्डिर्म ।

(अन्तर्ह)

(2) श्री विष्णमण दोणी श्रीरश्रीमती एचण विष्दोशी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षंप 🧺

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिवाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गम तिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो जनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं जर्भ होगा जो उस अध्याय में दिया गथा हैं।

अनुसूची

पलैट सं० 1, जो, ए-विंग, ६र्शन अपार्ट मैंट, शंकर लेन, कांदिवली (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ०सं० अई-4/37-ईई/14333/ 34-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास ाञ्चन प्राधि हारी सहायक आयकर आपुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-4, बम्बई

दिनांक: 28-8-1985

मोहरः

प्ररूप आप्रैं दी, एन्. एस.-----

भागकर ब्रामिनिमझ, 1961 (1961 का 43) करी भारा 269-श (1) के नामील मुखना

बारत नरकार

आर्यास्य, सहायक अत्यक्तर बायुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनां रु 28 अगस्त 1985

निदेश सं॰ अई-4/37-ईई/14346/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसमें प्रभात उक्त अधिनियम कहा गया हैं) की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावण सम्परित, जिसका उज्जित वाजार मृत्य 1,00,000- के अधिकार्

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट सं० 404, जो, 4थी मंजिल, जी० के० नगर इमारत सं० 1, गंकर लेग, कांदिवली (प०), बम्बई 67 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबज्ञ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रिजस्ट्री है, दिनांक 1-1-1985,

को प्रशिक्त सम्पत्ति के उक्कित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्लोक्स संपरित का अधित बज़ार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह अतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरक के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्निसिवित उच्चरेव से उच्चर बन्दरक जिल्हा की सामारक निम्निसिवित उच्चरेव से उच्चर बन्दरक जिल्हा की सामारक निम्निसिवित में वास्तिमिक क्य से काथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण स कृष्ट किसी बाद की अध्यः, जनस अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के समित्य म कनी करने मा उससे दचने मां सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आब या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भगरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया भा था किया जाना पाहिए था. कियाने में स्विधा अर्थ लिए:

अक्षः अक्ष, उन्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसर्भ में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) मेपर्म आशिष कन्स्ट्रवणनम ।

(अन्तरक)

(2) श्री अर्शिद आर० करेलिया धाँर श्री एच० आर० करेलिया ।

(अन्तरिती)

का बह भूचना बारी करके पूनोंक्त संपत्ति के भर्बन के विक् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त तस्पत्ति के अर्थन के संबंध में की हैं भी बाक्रेप :---

- (क) इस बुजना के स्थपन में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुजना की तासीस में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृत्राय;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी जन्म स्थानत द्वारा जधाहरलाक्षरी के पार्ट सिक्ति में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इरामें प्रयुक्त शक्यों और पवां का, जो उक्त अधिनियम, के कथ्याब 20-क में परिभाषिक हैं, नहीं अर्थ होगा, जो उस कथ्याय में दिवा स्वाही।

मनुसूची

फ्लैट सं० 404, जो, 4थी मंजिल, जी०के० नगर इमारत सं० 1, शंकर लेन, कांदिवली (प), बम्बई→567 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि ऋ० मं० अई-4/37ईई/14346/84-85 श्रीरजो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास तक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, वस्बई,

दिनांक: 28-8-1985

प्रकृप बार्डे.टी.एन.एस.-----

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहस्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

वस्बर्ध, दिनां के 28 अगस्त 1985

निदेश मं ० अई-4/37-ईई/14766/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण साम,

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जितका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-छ से अधिक है

स्रोर जिसकी मं० फ्लैंट सं० 701, जो, 7वी मंजिल, इमारत जी० के० नगर सं० 1, शंकर लेन, कांदिबली (प), बम्बई-67, में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि गरी के कार्यालय में रजिस्ही है, दिनांक 1-1-1985,

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कब के क्षणमान कृतिफलः कें लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करन करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसकें इयमान प्रतिफल से, एसे इच्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाका गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किसिस मं वास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सृविधा को सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

(1) मेशर्स आशिष कन्स्ट्रक्यन्य ।

(अन्त्रह)

(2) श्री किशोरभाई जे० गहा ग्रांर श्रीमती पी० जे० शहा।

(अन्तरितो)

का यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के विष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कार्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राषपत्र तें प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथिकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इसत्त्वना के राजपन में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिटबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहम्ताक्षरी के पांच निषित में किए जा सकर्ने।

स्पद्धीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और ववों का, जो उक्त वीधीनयम के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गवा हैं

अनुसूची

फ्लैट सं० 701 जो, 7वी मंजिल, इमारत जी० के० नगर नं० 1, शंकर लेन, कांदिवली (५), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क०स० अई-4/37-ईई/14766/84-85 थ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दियां क 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया ई।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, . महायह आयहर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-4, बस्बई

दिनांक: 28-8-1985

प्ररूप आइं.टी.एन.एस. ------

भाषकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन जुवना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (निद्रक्रिक्) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 अगस्त 1985

निदेश सं० अई-4/37-3र्ह/14390/84-85--3तः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० फ्लैट मं० 1, जो, तल माला, हैरमेस अपार्टमेंट प्लाट सं० 7, मुलजीनगर, एस० बी० रोड, कांदिबली, बम्बई—बम्बई—67 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपात्रद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के लायलिय में रिजस्ट्री है, दिनांक 1—1—1985.

को पूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण जिल्ला में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (स) ए'सी किसी बाय या किसी धन या कर्य आस्तिकों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, धा धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था खियाने में खे किए;

जतः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनिय की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीएल∙ वि० व्हाबी।

(अन्तरक)

(2) श्री एन०ए० पधियार ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन संबंध में क्षेष्ट्रं भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्वाम के रावपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाम की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (प) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवद्य किशी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पान, विश्वित में निग्र का सकर्ण।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्धों नीर पदों का, जो उन्ह अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं नर्थ होगा, जो जत नध्याय में दिया नया ही।

प्रनुसूची

पर्लंड सं • 1, जो, तल माला, हेरमेस अपार्टमेंटस, प्ल.ट सं • 7, मूलजी नगर, एस० बी० रोड, कांदिवली, बम्बई--67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-4/37-ईई/14390/ 84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ब्र

> लक्ष्मण दाम संक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

दिनांक: 28-8-1985

प्ररूप नाईं.टी.एन.एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 ग्रगस्त 1985

निर्देश सं० अई--4/37-ईई/14257/84--85---अत: मुझे, लक्ष्मण दाम,

बायकर किंभिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसंइसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उपित बाजार स्क्य 1,00,000∕-रा. से अधिक हैं

और जिन्नी सं० फ्लैट नं० 1, जो, तथीं मंजिल, हरमेस अपार्टमेंटस, मुलजीं नगर, एन० बीं० रोड़, ादिवलीं (प), बम्बई में स्थित हैं (और इनसे उपाबद्ध अनुसूचीं में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिस्ता रारारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 ए, ख के अधींत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के ार्यालय में रजिस्ट्रीं है, तारींख 1-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के इर्यमान प्रेतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल कर पन्तर प्रतिफल के पन्तर प्रतिफल के पन्तर प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बिख में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त वीधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दासित्व में कमी करने या उत्तत कक्षों में स्विधा के लिए; बार्ट्या
- (क) एसी किसी जाय या किसी वन अन्य जास्तियों को सिन्हों भारतीय जायकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, या धन-कर जिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए वा कियाने में सुविधा के सिए;

बतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अजसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैंसर्स अन्दिश ट्रेडर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सदानंद सिताराम सालवीं।

(अन्तरितः)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्सविधी व्यक्तियों पर स्थान की लामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध िकसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्थव्यीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्ता अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्तिक हैं, नहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिका नया है।

वन्स्ची

पलैट नं० 6, जो, 4थी मजिल, हेरमेस श्रपार्टमेंटस, मुलजी नगर, एस० वीं० रोड़, वादिवलीं (प), बम्बई में स्थित है। श्रनुसूचीं जैसा कि क० स० श्रई-4/37 ईई/14257/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारीं, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरक्षिण) ग्रजन रोज-3, बम्बई

दिनांक: 28-8-1985

मोहर:

1 ...

वचन् वाद<u>्रेडी. एन. पुत्र</u>्-----

भागभर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

प्रारत बरकाइ

कार्यक्षम, सहायक नामकार नायुक्त (निर्याक्रण) ग्रजन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 अगस्त 1985

निर्देश सं० ग्रई-4/37-ईई/14490/84-85:---श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कार्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त किथिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिन्हीं संव दुकान नव 2, जो, तल माला, समृद्धी शापिम सेंटर, एमव जीव रोड ग्रांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित हैं (और उनसे उपाबद्ध अनुभूवी में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिन्हा रारनामा श्राय र अधिनियम, 1961 की धारा 269 ्र, ख के श्रधींत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रजिस्ट्री हैं, नारींख 1-1-1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से जिथक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिवित उब्दोस्य से उक्त अन्तरम स्थिवत में नास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:----

- (कं) अंतरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त विभिनियम से अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उत्तदे वचने में तृष्टिभा के तिए; और/वा
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य नास्तियों स्त्री, जिन्ही भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त निधिनयम, या धनकार निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिद्;

कतः भव, उक्त अभिनियम की भाग 269-ग के बनुसरण भो, भी, अक्त अभिनियम की भाग 269-म की उपभाग (1) के अर्थान, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री महेन्द्र एम० वैद्य.

(अन्तरक)

(2) श्रीमतीं सुरजीबाई जी० गांधी।

(अन्तरिती)

को वह बुब्धा बारी करने प्यायत सम्पत्ति के नर्बन् के जिल्ल कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

डक्त संपरित के वर्षत के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकासन को तारी वे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति इवारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-विश्व किसी जन्म व्यक्ति स्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास विविद्या में किए जा सकोंगे।

स्वकाकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनक प्रीकिनयम के अध्याय 20-क में परिभावित् है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दियाँ वैचा है।

श्रनुसूची

दुकान न० 2, जो, तल माला, सम्जि णांपिंग सैंटर, एम० जी० रोड, कांदिवली (4), बम्बई -67 में स्थित है।

अनुसूची जैसे कि कि रो० शई-4/37-ईई/14490/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरी**क्षण**) श्रजन रेज-3, बस्बर्फ

दिनौक: 28-8-1985

मोहर 🖫

वक्य बार्ड .टी. एत .एस .,======

बाधकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) का पारा 269-म (1) के विधीन स्वना

भारत संस्कार

कार्यासय, सहायक नामकर जनमूक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांवः 28 अगस्त, 1985

निर्देश मं० अई-·4/37—ईई/14304/84-·85:——अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अभिनिवस, 1961 (1961 का 43) (रिवर्स इसमें इसके प्रथात् 'उक्त अभिनिवस' कहा गवा हीं), की भारा 269-स के अभीन तक्षम प्राधिकारी को वह निक्यात करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 1,00,000/- रू. से अभिक है

और जिस्की संब दु तान नंब 6, जत, तल माला, वर्षमान कुटीर मा र लेन, क्रांदिवली (प), वस्वई में स्थित हैं (और इससे उपाबढ़ अनुभूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिनका व रारनामा आय हर अधिनियम 1961 की धारा 269 वा छ के अधीन वस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के जार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

कहें पूर्वीक्ष्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे वह विश्वास करने का कारण है कि स्थापृष्टित सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पण्यह प्रतिशत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, विम्नलिखित उद्देष्य से उन्तर अन्तरण निविद्य भें वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी बाय की बायत. उक्त अधिनिक्स के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे स्थाने में तृत्विधा के लिए; और/या
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी धन या अत्य आस्तियों कों, जिन्हें भारतीय सामकर निधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गंग मा वा किया जाना माहिन था, कियान में स्विभा के सिन्ह;

अक्षेत्र अव, उन्त अधिनियम की धार्य 269-न वै अनुवरण ८०, परे उक्त अधिनियम की धार्य 269-व की उपवास (1) के अधीन,, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैसर्स वर्डमान बिल्डर्स ।

(ग्रन्तरकः)

(2) श्रीं रामजीं प्रेमजीं पटेल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की अविध सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वचीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिवस, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उन्न अध्याय भे विया गया है।

अनुसूची

दुकान नं ।, जो, तल माला, गर्अमान मुटीर, एंबर लेन, कांदिवली (प), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि ऋ० मं० श्रई--/4/37-ईई/14304/84-85 और जो सक्षम प्राधिशारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास. सक्षम प्राधिककारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई।

नारीख : 28-8-1985.

महिर :

प्ररूप माई. टी. एन. एस.-----

बायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन सूचना

बाइक सर्कार

आर्यालय, स**हायक जायकर जायुक्त (विज्ञीसक)**

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनां : 28 धगस्त, 1985

निर्देश सं ० अई--4/437-ईई/14430/84--85:--- श्रतः मुझे, लक्ष्मण दासः

नाभकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जित इसमें असके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा 'गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाद करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाचार मुख्य 100,000/- रा. से अधिक है

और जिनकी सं० पत्रैंट तं० 28, जो, 2री मंजिल, शिव दर्णत,एम० वी० पी० रोड, कोविवली (प), बम्बई-67 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं (, और जिसका व्यारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के वार्यालय में रजिस्ट्रीं है, तारीख 1-1-1985

को पूर्वक्ति सम्पत्ति के उचित गाजार मृत्य से कम के स्थमान पंतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त समपत्ति का उचित बाजार अस्य, असके स्थमान प्रतिकल स्थे, एसे स्थमान प्रतिकल का पत्यह ब्रितिकत से विधिक है और जन्तरक (जन्तरका) और अंतरिती (जन्ति तों) के बीच एसे जन्तरक के लिए तम पाया नवा प्रतिक्थ कि अनिविद्यों के बीच एसे जन्तरक के लिए तम पाया नवा प्रतिक्थ क्या निम्नानिकत उद्विक सं उक्त अन्तरक विधिक में वास्तक्थि प्र से कि थिश नहीं किया गया है.—

- (क) अन्तरम् थे हुन् किसी नाम् की नाम्छ, उनक निप्तितन के बचीन कर दोने के धन्तरक औ गानित्य में कनी करने या उससे नमने में सुनिभन के सिए; नौर/ना
- (क), एरेसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तिकों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27), कें प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया पर था का किया जाना चाहिए था, जिनाने के सिए;

नतः नव उन्त निमिन्न की भाष 269-व कै नन्दरण में, कें, उथत निमिन्सम की भारा 269-व की उपभारा (1) के जधीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री वाडीलाल पी० शहा।

(अस्तरक)

(2) श्रीमती वि० सी० भावनार।

(अन्तरिती)

का वह ब्या वारी करके प्यांक्य बम्बरिय के वृजीम के तिर कार्यवाहियां करता हुं।

इन्द्र सम्बद्धि के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विष की बनींच ना इस्कुम्बन्धी व्यक्तिकों पुत्र बूचना की तानींक से 30 दिन की बनिथ, को भी बचींच नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों नव व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मुख्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारील है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर बम्मीत में हितबब्ध किसी बन्ध म्योक्त ब्वारा अधोइस्ताक्षरी के पार निवित में किए वा क्केंगे।

स्वकीकरणः—इक्षेत्रं प्रमुख्य कर्मा क्षेत्र क्ष्मी क्षमी क्ष्मी क्ष्मी क्ष्मी क्ष्मी क्षमी क्ष्मी क्ष्मी क्ष्मी क्ष्मी क्षमी क्ष्मी क्ष्म

प्रनुसूची

प्लैट नं० 28, 2री मंजिल, शिव पशेन, एस० वी० पी० रोड, क्रांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई — 4/37 — ईई/14430/84 — 85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनॉक 1 — 1 — 1985 की रुजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिनारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजीन रेंजे--4, बस्बई ।

दिनांक: 28~8-1985

प्ररूप आर्ड.टी.एम.एस.-----

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-व (1) के विभीत सुभाग

भाउन सुउन्सड कार्यांचय, सहस्रक भावकर माबुक्त (भिवीक्षण)

म्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 म्रगस्त, 1985

निर्देश सं० श्रई-4/37-ईई/15441/84-85:---श्रतः मझे, सक्ष्मण वास,

बाब कर श्रीपिनियम, 1961 (1961 का 43) (विज ध्वामें इसके नश्कात् 'उनत निधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के वधीन सकाम प्राधिकारी को नह निद्यक्त करने का कारण हैं कि स्थानर तस्परित, जिसका उचित गांचार मुक्स 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 132, जो, 13वी मंजिल, श्री जी० दर्शन, एस० वी० रोड़, ग्रौर ग्रांतीलाल मोदी रोड का जंक्यन, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत हैं), श्रौर जिसका करारनामा भ्रायकर किंधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 1-1-1985

को पूर्वोक्त सम्मिति के उचित बाबार मृत के कम के स्थानन प्रतिकत के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निर्वात करने कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मन्य इसके स्थानन प्रतिकास से, एसे स्थानन प्रतिकास का पत्त्व बित्त से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के सिए तक वावा नवा प्रतिकात, निम्नितियत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कम में किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बीविश्विक के अधीन कर दोने के अन्तरक अ बीवित्व में केसी करने मा उसने मुचने में सुविधा वे सिए; बीर/या
- (क) एसी किसी जाम या किसी धन या जन्म जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किसा क्या या या किया जाना चाहिए था, खियाने में जिन्हा वी विद्या।

े अक्क अप , अक्त वीधीनयम का धारा 269-न के बनुबरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवस्ति ह— (1) रूपा अशोक लाखानी और, श्री प्रणोक इसरदास लाखानी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती लता किशन गाँधी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी ज्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के शक्त स्थित में किए या सकोंचे।

भ्यक्षिकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्द अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

मन्त्र्यो

फ्लैंट नं० 132, जो, 13वीं मंजिल, श्री जी दर्शन, एस० बी० रोड़ और शाँतील ाल मोदी रोड़ का जंक्यत, कॉदिवलो (प), बम्बई— 67 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि कं संब्यूई-4/37-ईई/14416/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनौंक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मग दास, सक्षम प्राधिकारा, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण), श्रवेन रोज-4, बश्यई ।

दिनौंक : 28-8-1985.

माहर:

प्रकृप बाह् टी एन पुर्व अञ्चलकारका

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीर स्भाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जनरेंज-4, अम्बर्ध

बम्बई, दिनाँक 28 अगस्त, 1985

निर्देश मं० श्रई-4/37-ईई/14329/84-85:---श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्स्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं पर्लौट नं ० ई-3, जो, भावना, प्रेम भावना को आप० हाउसिंग सोनाईटी लि०, एस० बी० रोड़, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और बूभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्म-लिखिक उत्त्वेष्य से उच्द अंतरण लिखित में वास्त्विक रूप से किथत नहीं किया गया है हि—

- (क) जन्तरण सं हुई किसी नाम की वावत, स्थल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी 'किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनक्त अधिनियम, 1987 (1957 का 27 को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में स्विधा को लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:—— (1) श्रा अजीत द्वारकादास भीर, श्री प्रकाश द्वारकादास।

(श्रन्तरक)

(2) श्री रजनोकांत डी० घेलानी।

(भ्र तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष्

एक्स सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्सेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच के 45 विन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिवाँ पत्र सूचना की तामील से 30 विन की वचिष, वो की जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में वे किसी व्यक्ति वृतारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्ष्मीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशायित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्था है।

ननसची

फ्लैंटनं ० ई-3, जो, भावना, प्रेम भावना को -श्राप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, एस० वी० रोड़, काँदिवनी (प), बस्बई-67 में स्थित है।

ग्रन्स्ची जैसा कि क० मं० ग्रई -4/37—ईई/14329/84— 85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनौंक 1-1-1985 को रिजम्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मग दाप, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-4, बम्बई।

दिनाँक : 28-8-1985.

नोहर 🛭

प्ररूप वा<u>ष्ट्रं टी एव एव</u>ं कार्यास्टरकार

श्वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के वधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यानय, सहायक नायकर नायकर (निरुक्षिण) अर्जन रेंज-3, बस्बई

बम्बई, दिनांक 26 अगस्त 1985

निर्देश सं • अई-4/37-ईई/14626/84-85:--- श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त किथिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्रीभिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाधार मूच्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० पलैट न० 61-ए, जो, दात्तानी श्रपार्टमेंट ्रनं० 4 पारेख नगर, एस० बी० रोड़, काँदिबली (प), वम्बई में स्थित हैं ॣ (श्रौर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बाँणत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख द्रुश्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालयं में रजिस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

का पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के स्थानान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्र यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्नोंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार सृत्य, उसके दूरमान प्रतिफल से, एसे दूरमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिकत से विधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती कश्मरितियों) के सीच देते प्रान्तरण के सिक् तब पाया गयः प्रतिफल निज्नतिस्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लिस में बहुतिकत निज्नतिस्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लिस में

- (क) बन्दास्य ने हुन्दी किसी बाय की बावतः, उनके वींपरियम में स्थीन कार दोने के बन्दारक के दावित्य को कही कश्में वा उससे बन्दों की स्ट्रीयका में लिए; कोर/मा
- (स) ऐसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जावकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ जंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसा बाना चाहिए था, कियाने में रिक्श के किए:

्रम : विष्यु अक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक को को, उक्त ऑधिनियम की भारा 269-व की उपयोदा (1) को अधीन . निस्तिलिखत व्यक्तियों ः अर्थात् ि—— 43.—276GI[85 (1) श्रीमती ते ० पो० शहा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती एस० जी० शहा ग्रौरु प्रन्य।

(अन्तरिती)

को बहु स्थान जारी अडके प्रशंकत स्थातित में अर्थन के विश् कार्यमाहिया कडता हूं।

उक्त बन्दरित के वृत्ति के तुम्बुरूप में कोई भी वाशेष्ऽ---

- (क) इस ब्या के राज्य के प्रकार की गाड़िय है 45 दिन की जनिथ या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की जनिथ, जो भी जनिए नाम के बनान्य होती हो, के मीएड पूर्वका व्यक्तियों में से किसी स्वीतन द्वारा;
- (क) इस ब्याना के रावजत में अफायन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में दित-बद्दभ किसी जन्म स्थानत ह्वारा, नभोहस्ताक्षरी के वास निवित्त में किये ता सकीते।

स्वकातिकरणः:---इतवाँ प्रवृक्तः सन्धाँ और पदाँ का, यो उच्छ वीधिष्णवेत्र के विध्याम 20-क वो परिधाणित हाँ, वहीं वर्ष होगा थो उस वध्याय वो . विधा वया है।

अनुसूची

प्लैट न ० 61-ए, जो, दात्तानी श्रपार्टमट न ० 4, पारख नगर, एम० वी० रोड़, कौदिबली (प), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-4 37-ईई/146266/84<math>-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 1-1-1985 को रजिस्टडं किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर्गआयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 28-8-1985

मोह्-दु

प्रकृष माइ". टी. एन. एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के सभीन स्थना

भारत तरकार

कार्यांसय, सहायक वायकर नाम्क्त (विरक्षिण)

प्रजीन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 28 श्रगस्त, 1985

निर्देश सं० ग्रई-4/37-ईई/14637/84-80:---ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास।

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राचिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाबार मूच्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० पलैंट नं० एँक-07, जो, 3री मंजिल, प्रेम भावना को-ग्राप० हाउसिंग सोमाईटी लि०, एस० बी० रोड़, काँदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित र (ग्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिपका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी है, तारीख 1-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तित बाधार मृत्व से कम के कावमान प्रतिफल के लिए जन्मरित की गई है और मृत्वे वह निकार करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उत्तिक बाधार मृत्य , उसके उर्वमान प्रतिफल से ऐसे कावमान जिल्ला का बाद्य प्रतिकात से अधिक है और जन्तरक (बन्तरका) और बन्तरिकी (अन्तरिक्वों) के बीच ऐसे कावरण के लिए तथ शाया गया प्रतिफल, निम्मणिविक उन्द्रोंक्य से उन्त अध्याप गया है :---

- (क) अभ्यरण से हुः इं किसी जाय की वावस उक्त अधि-अधिनियम के अभीन कर दोने के अभ्यरका की वाधित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा की किए।
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का राष्ट्रिया जाना साहिए था, ख्रिपाने में सुविधा के लिए; और/या

अक्ष: सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिसित व्यक्तियों, अर्थान् १—- (1) श्री हिमतलें ल करशनदास कोटक।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती निला के० मेहता श्रीर श्रीमतो सी० एन० मेहता।

(ग्रन्तरिती)

का वह सूलमा चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के जिस् कार्वपाहिकों कड़का हुई।;

उन्द तन्मीता के नर्भन के संबंध में कोई भी आक्षेप ए---

- (क) इस स्वाम में राज्यन में प्रकार की संस्थित में 45 दिश्व की मुद्दीय वा एरकम्बर्गी म्युनिस्तों एवं स्वाम की सामीय से 30 दिश की नव्या, को सी व्याप नाव में समाध्य होती हो, से भीतर प्रविका म्युनिस्तों में से किसी स्वीवत स्वाहा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 धिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवप्थ किसी जन्म व्यक्ति प्कारा अथोहलाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्वाध्योकारणः --- इसमें प्रयुक्त कव्यों जौर पथीं का को जनत अधिनियम के अध्याद 20-कं में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होना को उस अध्याद में प्रिया नवा है।

जनसर्जी

प्लैट नं ० एफ-7, जो, 3री मंजिल, प्रेम भावना को-माप० हाउसिंग सोसाईटी, एस० वी० रोड, काँदिवाली (प) बम्बई-67 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-4/37-ईई/14637/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 1-1-1985 को रजिस्टर्डकिया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बस्बई।

तारीख: 28-8-1985.

मुक्य आर्थः द्री पुरु पुरु ग्रामानामान

भाषकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43)) को भाषा 269-भ (1) को असीन सुन्ता

भारत संद्रकार

काशीयन, श्रह्मानक जावकार जानुक्त (निद्वालिक)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनौंक 28 ग्रगस्त, 1985 निर्देश सं० श्रई-4/37-ईई/14727/84-85:--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दांस,

मागकर अभिनित्रमा, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनित्रमा' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्ता प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्बद्धिः, जिसका उपित काबार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ष्ट्रौर जिसकी सं गाना नं 3,जो, तल माना, बालाजी इंडस्ट्रियल इस्टेट, काँदिवली (पूर्व), बम्बई-101 में स्थित है (श्रौर डिससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकरी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

को क्षूपूर्वेक्त सम्मत्ति के उपित नाजार मृत्य से कम के व्यवमान प्रतिकृत के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते वह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संवति का उणित वाजार मृत्य उत्तक व्यवमान प्रतिकृत से एसे व्यवमान प्रतिकृत का प्रतिकृति से विभिक्त है और अंतरक (अंतरका) और अंतर्ग्रेरतीं (अन्तरितवां) के बीच एसे अन्तरण के किए तब गया जवा प्रतिकृत, निम्नलिचित उप्तिकृत से उस्त अन्तरण निसित वो वास्तविक रूप से अर्थित नहीं किया गया है है—

- (क) नजरण वे हार्च किसी नाम नहीं नामक, उपक क्रीक्टिनक ने अपीन क्या वेने के नजाहक से व्यक्तिक में केनी करने ना उन्हों दुवने में सुनिया के जिए: मीट/वा
- (व) एती किसी जाव वा किसी धन या जन्य जास्तियाँ को, जिन्हीं भारतीय जायकर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम या धनकर विश्वविद्या, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री सूर्यं कौत पूनमचन्द शहा।

(ग्रन्तरक)

(2) सरस्वती प्लास्टिक ग्रण्ड मोल्डिंग वर्क्स ।

(भ्रन्तरिती)

को यह बुचना बाहरी करके नुवानित सम्परित के अवस्ति के तिल् कार्नितिहरों हुक करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की बारौस बे 45 दिन की अविध या तत्संबंधी, व्यक्तियों पर तृचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के वास निकास में किए जा सकेंगे।

स्पत्तीक हण: --- इसमें प्रयुक्त कल्यों और पद्धों का, को अक्त जिमितियम को जभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही जर्भ कोगा जो अभ्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गाला नं० 3, जो तल माला, बालाजी इंडस्ट्रियल इस्टेट, कांदिवली (पूर्व), बम्बई~101 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-4/37-ईई/14727/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दान्त, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रजन रेज-4, वस्बई

बतः क्व, उन्त निधीनका की भारा 269-ग के ननुसरण वो, बी, बनत निधीनका की भारा 269-ग की उपधारा (1) के ब्राधीन, निकालिकिक स्थितायों, अर्थात् क्

दिनाँक: 28-8-1984.

मोहर

AND ALL AL HAZHER COMMERCENT

नायकर निधिनियम, 196/1 (1961 का 43) क्या धाक्र 269-न (1) के अधीन बृह्यना

Rich Grant

कार्यातच्, सहायक नायकर नायुक्त (निर्दाक्क)

श्चर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनाँक 28 ग्रगस्त, 1985 निर्देश सं० श्रई-4/37-ईई/14629/84-85:--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके एक्षात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धाए 269-च के नेधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाध करने का कारण है कि स्थानर सम्परित, विश्वका उचित बाजार बुक्च 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० युनिट नं० ए/17, जो, तल माला, बोनान्सा इंडस्ट्रियल इस्टेट, अशोक चक्रवर्ती रोड़, कांदिवली (पूर्व), बस्बई—67 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रीर जिसका करारनामा भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख वे श्रधीन, वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, नारीख 1-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिपत्त के लिए अन्तरिक्ष को गई है और मूले यह निक्वास करने का कारण है कि वभापूर्वोक्त संवत्ति का उचित बाजार नृत्य, उसके अवनाम प्रतिपत्त है, एसे अवभाप प्रतिपत्त का प्रतिपत्ति विद्या प्रतिपत्ति (अंतरका) और अंतरिक्षी (अन्तिकितिका) के नीक एसे बुक्तप्त के विद्य तद नामा नृत्या कृष्टि-पत्ति विद्या उच्च देश से उक्त अंतरण लिखित में भास्त्रीयक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरम से हुए नियों बाब भी वासका, बन्ध अहुँपनियस में वर्षीय कर दोने से कम्परण में वानिस्थ के कमी करने का उन्नते बहुए में सुविधा हो सिक्षु संदि/या
- (क) प्रेती विकति नाव ना विज्ञी वन ना बन्य नारित्यों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के इसोवन्यन जन्मदिक्ती नुनाहा प्रवाद नहीं विकास का वा वा विद्या का विद्या का विद्या की स्वीकृत वा. कियाने के सविवा की विद्या की विद्या की स्वीकृत वा. कियाने के सविवा की विद्या

जत: जब; जबत जिधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में,, उक्त विधिनमम की भारा 269-घ की उपभारा (1) ं नधीन, निम्नतिवित व्यक्तियों, कर्भात् ह-- (1) प्रभात बंगल वर्क्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दुर्गा प्रसाद एन० पारवल।

(ग्रन्तरिती)

न्हीं बहु कुलना बादी करके पूर्वों नत् सम्परित में अर्थन में किन् कार्यनाहिनों करता हूं।

शन्त बुल्हित् के बुर्चव के बुल्ह्म्य में कोई औ बाबेक्स-

- (व) ध्रुष ब्रुक्त के तावध्य में अकाव्य की वारीय वे 45 दिव के त्रोधर उनत् स्थान्य कलात्व में दिववद्य किसी अस्य व्यक्ति द्वारा नृशोहस्ताक्री के शंक सिर्धिय में किए वा बकेंगे।

शुक्तकोबसम्बद्धनः प्रवासे प्रमुख्य कृति स्था का है स्थान है कि स्थान है स्थान है स्थान के स्

बन्स्ची

युनिट नं II/17, जो, तल माला, बोनान्झा इंडस्ट्रियल इस्टेट, श्रशोक चक्रवर्ती रोड़, काँदिवली (पूर्व), बम्बई-67 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई $-4/37/\xi \xi/14629/84-85$ श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

् दिनाँक : 28-8-1985

मोहरः

प्रकृत वार्ष न स्त्री । स्त्रीतः स्त्रीतालका

नान्कर नृतिनित्कः, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन शुक्ता

आर्ष द्वरकार

कार्याचन , बहुरवक वास्कार आयुक्त (निहासिक)

श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 28 श्रगस्त, 1985

निदंश सं० भ्रई-4/37-ईई/14343/84-85:--भ्रतः मुझे, लक्ष्मण दास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० दुकान नं० 17, जो, तल माला, नंद धाम इमारत भासउसाहेब परेब रोड़, दिहसर (प), बम्बई-68 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-1+1985

को पूर्वोक्त सम्बक्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्ष्यमान अदितफाल के लिए अन्तरित की गर्द है कि मुक्ते वह विकास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिकात से अधिक है और अन्तर्क (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तर्क चे अक्षान्त्व वास गया प्रतिफल, जिल्लीकित उन्नरिक से उक्त अन्तर्क मिनित में वास्तविक क्ष से क्षिण वहीं किया यहा है है—

- (क) मलाइल वे हुई कि की बाव की बावत । कचत बीधीनयब के बधीन कर दोने के बन्ताइक के बायित्य में कमी कड़ने वा उत्तरे बचने में सुविधा के लिख; बीड/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना था, कियाने में सुविधा के जिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को सधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— (1) मैसर्स दात्तानी मासोसिएटस ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती प्रतिमा श्रार० ठाकुर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूजना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्जन के कि कार्यवाहियां करता हुं।

सक्त सम्मत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जासेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच चै 45 दिन की अविधि या तत्सं कंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवव्य किसी अन्य व्यक्ति व्याग अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे ?

स्पाद्धीकरणः - इसमें प्रयुक्त शस्यों और पवों का, वो जनक अधिनियम्, के अध्याय 20-क में परिभाषित् हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में विका नवा है।

वन्स्ची

दुकान नं ० 17, जो तल माला, नंद धाम इमारत, भाउसाहेब परव रोड़, दहिसर (प), बम्बई-68 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-4/37—ईई/13434/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 1-1-85को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण वासं, सक्षम प्राधिकाी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-4, बम्बई।

तारीख: 28-8-1985

इ**ल्ल बाह**ेडी_ह्रव_्ड्रच_्क्रकालाला

वानकार विभिन्निया, 1961 (1961 का 43) की वार्डा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकाड

सार्थालय न बहायक जावकर जाव्यत (नियुक्तिक) श्रर्जन रेंज-4, बस्बई

बम्बई, दिनाँक 28 ग्रगस्त, 1985 निर्देश सं० ग्रई-4/37-ईई/14228/84-85:--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बाधकर विभिन्निक, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसकें इसकें प्रथात 'उक्त विभिन्निक' कहा गया है'), की भारा 269-व के वभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाधार मूच्य 1,00,000/- फ. से वभिक हैं

भौर जिसकी सं ० दुकान नं ० 21, जो, तल माला, नंद धाम इमारत, भाउसाहेब परब रोड़, दहिलर (प), बम्बई-68 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारींख 1-1-1985

को पूर्विक्त सम्परित के उचित काकार मूल्य सं कम के क्लमान प्रतिक्रम के सिए जन्तरित की नहीं ही और जुने यह निक्ताब करने का कारण ही कि अधायुर्विक्त सम्परित का उचित वाकार मूख्, उद्युक्त क्रयमान प्रतिकृत्व सं, एति क्लमान प्रतिकृत का बंद्रह प्रतिमृत से अधिक ही बोह नंतरक (बंद्रह्का) कोह बंद्रिकी (बन्दरितियाँ) के बीच एवं बंदरण के जिल्ल तब बाला पना प्रतिकृत, निकासिक स्वृत्योंक से बच्द बंद्रहर्ण मिल्ला में मुस्सानिक कुन से कृष्य नहीं किया वका है है---

- (क) अन्तरम ते हुन्हें किसी नाम की बालका, क्रमक बीमिश्यम की बाधीन कहा की के बालहरू के बामित्स में कभी कहाने वा सबसे बामने के सुविधा के लिए? बोर्/मा
- (ण) एंबी किन्द्रां काम मा किन्दी धन को धन्य बास्तियों की, जिन्ह्रों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, वा धव-कन्द्र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दिरती द्वारा प्रकट महीं किमा बना या किया बाना चाहिए था, किमाने में कृतिचा से क्रिक्टा

शतः सम् , उन्ह सीभीनम्भ की भारा 289-म में समूतरम कों , कों , उन्हें सीभीनयम की भारा 289-म की उपनारा (1) में अभीन्∡ निम्निकिय स्मित्यमाँ ह स्मीत् क्ष्म (1) मेसर्स दत्तानी प्रासोसिएटस ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रामबली रामलखन कनौजिया भ्रौर,श्री एस० भ्रार० कनौजिया ।

(भन्तरिती)

 को वह बुचना चारों कारके पुर्वोत्तत सम्पत्ति के वर्धन के सिक् कार्यवाहियां करता हुं।

बन्ध बंदति में नदीनं के संबंध में कोई भी नाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारींच है 45 दिन की जबभि या तत्संबंभी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविभि, को भी जबभि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इब स्थान के रायनन में प्रकाशन की सारींच से 45 दिन के भीतर उनत स्थानर सम्पत्ति में हित-जन्म किसी नन्य स्थानत द्वारा नभोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सक्षिं।

स्वक्रीकरण :- इसमें प्रयुक्त बच्चों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विका मना है।

बर्जुर्ज

दुकान नं ० 21, जो, तल माला, नंद धाम इमारत, भाउसाहेब परब रोड़, दहिसर (प), बम्बई-68 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि के सं श्र श्र श्र - 4/37-ईई/14228/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेंज-4, बम्बर्ष

दिनाँक: 28-8-1985

प्रकृत बार्चा, टी. एन . एस . -----

बायकाड विभिट्टिनथस, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-भ (1) के विभीत स्वता

मारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 अगस्त, 1985

निर्देश सं० अई--4/37--ईई/14446/84-85:----यतः मुझें, लक्ष्मण दास,

शावकर गिभिन्यम, 1961 (1961 का 43) (वित्ते इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाष 269-च के जभीन सक्षम प्राभिकारों को, यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

ग्रौर जिसकी सं ० दुकान नं ० २, जो, चन्द्रलोक इमारत, ए-इमारत, जयवंत सायंत रोड़ ग्रौर लोकमान्य तिलक रोड़, दहिसर (प), बम्बई-68 में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, खके अंधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है, तारीख 1-1-1985

को पूर्वेक्स सम्मत्ति को उचित बाजार मूल्य सं कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए जल्हिरत की बार्च है और भूके यह विषयात करने का कारण है कि यथाप्योंक्स सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एगें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से विभक्त है बौर नन्तरक (वंतरकों) नौर वंतरिती (वंतिरित्यों) के बौच एसे वंतरण के निए तय पाया गया प्रदि-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त क्ष्यारण लिखित में वास्तिवक कम से कथित नहीं किया गया है क्ष्य--

- (क) बन्तरण से झुड़ी किसी जान की बावत सकत वीपनियम की बधीन कर दोने के बन्तरक को शायित्व में कामी करने वा उससे बचने में सुविधा को किए; अरि/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या केन्य जास्तिवों को, जिन्हों भारतीय जावकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना जाहिए था, डिज्याने में सुविधा में किस;

अतः छवः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, इक्तं अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन्र निम्नसिखिता व्यक्तियों, अर्थात् ः--- (1) श्रीजें० एन० हलकरा।

(अन्तरक)

(2) श्री पी० एस० काटकछोंड़, श्रीमती बी० पी० काटकघोंड़, श्रीर कुमारी एम० एच० राव ।

(अन्तरिती)

को बह शुलना बाही करके पूर्वोक्त सम्मरित के नर्जन के विश्व कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त बन्दरित के बर्डन के संबंध में कार्र भी माओर अ-

- (क) इंड तुकान के रामपत्र में प्रकाशन की ताराँच से 45 दिन की व्यक्तियों पर स्काशन की ताशीन से 30 दिन की व्यक्तियों पर स्काश की ताशीन से 30 दिन की व्यक्ति को भी व्यक्ति या में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति विषक्ति व्यक्ति व्यक्
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य श्वनित द्वारा अधोहस्ताकारी के पास किसित में किए या सकेंगे ।

स्वक्षीकरण :---इसमें प्रयुक्त सन्यों और पर्यों का, जो उनक्ष अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हाँ, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया कवा है।

प्रनुष्ची

बुकान नं ० २, जो चन्द्रलोक इमारत, ए-इमारत, जयवन्स सावत रोड़ ग्रीर लोकमान्य तिलक रोड़, वहिसर (प), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-4/37-ईई/14446/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिमांक 1-1-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ल**क्ष्मण दास,** सक्ष**म प्राधिकारी,** सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-4, **बम्बई**।

तारीख: 28-8-1985.

मोहरः

त्रेरूप नाइ<u>ै.टी</u>.एन,एस<u>.------</u>

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कर्ते धारा 269-म (1) के अधीन सूचना भारत करकार

कार्बालय, सहायक जायकर जायूक्त (निर्दासक) अर्जन रोज-4, बस्बई

बम्बई, विनोक्त 28 अगस्त, 1985

निर्देश सं ० अई--4/37--ईई/14474/84-85:--अतः मुझे, लक्ष्मण दास

जादकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख की अधीन सक्ष्म प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्थित जिसका उचित बाबार मृस्व 1,00,000/-रु. से विधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं ० पलैट नं ० 1, जो, 1ली मन्जिल, ए -विंग; राजा अपार्ट में ट प्लाट नं ० 732, एल० टी० रोड़, दिहसर स्टेंशन के सामने, दिहसर (प), बम्बई-68 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विंगत है). ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, खे के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख

1-1-1985

को पृत्रों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के स्थवनाम प्रतिकान के लिए अंतरित की गई है और मुक्तें यह विस्वास करनें का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृख्य उसके दश्यमान प्रतिकाल से एसे दश्यमान प्रतिकाल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिक्ती (अम्बरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण किंगिकत में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुइ कि सो जाप की बाबत, उक्त अधि-निवास के वधीन कर दोने के बंतहरू के वानित्य की अभी करने या उससे वचने में तृत्यिका के बिद: बील/का
- (क) एसी किसी नाग या किसी भन या क्रस्य जास्तियों की, किन्ह भारतीय जायकर व्यक्तियम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का क्य-कर विभिन्नमा, 1957 (1957 का 27) खें प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में स्विधा के सिए:

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमृतरण बैं, मैं, उक्त अधिभियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीत क्र— (1) मैसर्स अचल डेवेलपमेंट कारपोरेंशन

(गःनाक)

(2) विलास बनराम कर्णिक और कल्पना विलास कर्णिक ।

(अन्तरिती)

को वह सूचना बारों करकें पूर्वोक्त सम्पर्टित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त बम्पत्ति के अर्थन के संबंध में करोई भी आक्षेप ए---

- (वा) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविध या तत्त्वस्वन्धी व्यक्तियों कर सूचना की ताजील से 30 विन की व्यविध, यो भी अविध शद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (च) इस सूचना के राजपन में प्रकाबन की तारींच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपर्तित में द्वित-बद्ध किसी जन्म व्यक्तित द्वारा अधार्हिस्ताक्षरी वें पास लिखित में किए जा सकोंगे।

मन्स्यो

प्लैट नं ० 1, जो, 1ली मंजिल, ए-विंग, राजा अपार्टमेंट, ण्लाट नं ० 732; एल ० टी० रोड़, दहिसर स्टेंशन के सामने, पहिसर (प), बम्बई-68 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-4/37–ईई/14474/84– 85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1–1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, मक्षम प्राविकारी, सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 28-8-1985.

प्ररूप आई. टी. एन.. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालर, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रेंज्~4. बम्बई

बम्बई, विनांक 28 अगस्त, 1985

निर्देश सं ० अई--4/37--ईई/14551/84--85:---अन: मुझे, लक्ष्मण दास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिल्लिकी सं बोती की जमीन का हिस्सा जो, सर्वे नं ० 67, एच० नं ० 1, सी० टी० एस० नं ० 1395, 1396, ह्विलेज, दिहसर (पूर्व), बम्बई उपनगर जिला, दिहसर (पूर्व), बम्बई में स्थित है (श्रीत इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की ध्यूरा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्सी है, तारीख 1-1-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्प से किथत नहीं किया गया है :--

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों। को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अप्तः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभेन. निम्मिलिखित व्यक्तिआयों, अर्थात् ः—

(1) श्री अनंत धर्मन पाटील।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री एन० जे० तेज्रा,
 - 2. जे० जे० नाथवानी,
 - 3. श्री एस० एस० नारायणम, ग्रीर
 - 4. श्री एस० वि० संजनवाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों मो से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्ध होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेती की जमीत का हिस्सा, जो, सर्वे नं० 67, एच० नं० 1, सी० टी० एस० नं० 1395, 1396, ह्विलेज दहिसर (पूर्व) बम्बई उपनगर जिला, दहिसर (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि कि अई-4/37-ईई/14551/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधि हारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

नक्ष्मण दास, मज्ञम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन र⁷ज–4, बम्ब**र्द**

दिनांक: 28-8-1985

मोहर:

-276GI|85

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, विनांक 28 अगस्त, 1985 निर्देश सं० अई-4/37-ईई/14572/84-85:--अतः मुझे, लक्ष्मण दास.

ायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निरुवास करने का कारण हैं कि स्थावर तम्पत्ति, जिसका उपित नाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं ० युनिष्ट नं ० 135, जो 1ली मंजिल, वर्द्धमान इंडस्ट्रियल इस्टेंट. एस० वी० रोड़ भीरए मसप्रेम हायवे, वहिंसर (पूर्व), बम्बई—68 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपायद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत हैं), श्रीर जिसका कराएतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीम, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रिजस्ट्री हैं, तारीख 1-1-1985 को पूर्वीका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के सिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वीका सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रवमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का मन्त्रह प्रतिकान से विभिक्त हैं और वंतरक वंतरकों) और वंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे वंतरण के लिए स्य पाना गवा ब्रितिफल, निम्नितीखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखत में वास्तीबक रूप से किथत नहीं किया नया हैं:---

- (क) अंतरक से हुई किसी जाय की नावत, उक्त जीध-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (सं) एसी किसी बाब या किसी धन या अस्य आस्टियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृषिधा के चिए;

उन्तः अब, उक्त आंधनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भी. भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपधारा (1) के उपीन, दिशक्रीलखित व्यक्तियों, अर्थात् :- (1) मैसर्स वर्धमान कन्स्ट्रमणन कम्पनी।

(अन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र धिमन श्रीर, श्री महेन्द्र जैन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिएँ कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजधत्र में प्रकाशन की तारील ते 45 दिन की अधीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्निरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिशा गया हैं।

मनसभी

युनिट नं ० 135, जो 1ली मंजिल, वर्धमान इ न्डस्ट्रियल इस्टेट, एस० वी ० रोड़ श्रीर एक्सप्रेस नायवे, दिहमर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि कं सं अई-4/37-ईई/14572/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ाप्तरम द्वास, राजम प्राधि जारी, सहायक आयकर अध्युक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज−4, बस्बई।

दिमांक: 28-8-1985.

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आबकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4 बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 अगस्त 1985

निर्देश सं ० प्राई-4/37-ईई/14599/84--85:----ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गयः हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 5 श्रीर 6 जो 1ली मांजल "साई प्रसाद" छन्नपति शिवाजी रोड़ आनंद रोड़ दहिसर (पूर्व) बम्बई— 68 में स्थित है (श्रीर इससे उनाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ा खांचे अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिनारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-1-1985

को पृशीक्षत संपत्ति के उधित वाजार मूल्य सं कम के दशकाय प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मझे यह विश्वास करने कि कारण है कि यथापूर्यांकत संपत्ति का उधित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मिलिखत उद्देश्य में उथत अन्तरण निस्ति यो वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मैसर्स स्वाती बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) दि ग्रेष्टर बारबे की-आप० बैंक लिमिटेड । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फ्लैट न ० 5 और 6 जो 1ली मंजिल "साई प्रसाद" छक्षपति शिवाजी रोड़ आनंद रोड़ दहिसर (पूर्व), बम्बई – 68 में स्थित

अनुसूची जैसा कि क० सं० अर्ड-4/37-ईई-14599/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बई।

विनांक: 28-8-1985-

त्रक्ष बार्ड, टी. एन्, एवं,-----

भावकर जीधीनवन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के जुधीन बुधना

शास्त्र स्टब्सर

कार्यात्तय, बहायक आयकर आधुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 अगस्त, 1985 निर्देश सं ० अई-4/37-ईई/14470/84-85:--अतः मुक्षे, नक्ष्मण दास,

बावकर बीधीनवम्, 1961 (1961 का 43) जिसे इक्कें विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, विश्वका उचित वाबार मूल्य 1,00,000/-ए. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 301, जो, गिरीराज, विग—बी०, 3री मंजिल, हरी गंकर जोशी रोड़, वहिसर, बम्बई—68 में स्थित है (स्रौर इसमें ज्याबद्ध अनुजूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), स्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1–1–1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके करमान प्रतिकत्त्र सं, एवं क्ष्यमान प्रतिकत्त का पंद्रश् प्रतिवत से गाँभक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तम् पाना गुना प्रतिकत्त, निम्नतिविद्य उद्दर्धन से उक्त बन्तरण निवित को दुस्साविक कम के कथिए नहीं किया गुना है :—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी जान की बाबत, उचत अधिनियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसके जनने भें सविधा के लिए; आर/या
- (क) इंबी किसी भाव या किसी भन या जन्य शास्तियों की, किस्टू भारतीय आव-कर अभिनित्रम, 1922 श्री 922 का 11) वा उक्त अधिनित्रम, या भूत-कर अभिनित्रम, या भूत-कर अभिनित्रम, या भूत-कर अभिनित्रम, 1957 (1957 का 27) के अनोजनार्थ जन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गम। वा वा किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा की निरुष्ट;

बार: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा '1) के जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :—

(1) श्रीमती सी० पी० शहा।

(अन्तरक)

(2) श्रीलक्ष्मणए० यादव।

(अन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के कर्जन के कूलड़ कार्यवाहियां करता हुः

वक्त संपत्ति के अञ्चन के रूपंच को कार्ड भी बाक्षप :----

- (क) इस भूचना में राज्यत में प्रकाशन की लायीक से 45 दिन की जबाधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर बूचना की ताबीन से 30 दिन की बबाधि. जो भी बब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र को प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थाबर सम्मान्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा व्याहस्ताकरी के गस विविद्य में निक्ष वा तुकीने

स्वकारिकरणः --- ५ समी प्रज्ञान वास्त्री आँ प्रवी का, वा स्वतः विधिनयम, को वध्यात 20-क माँ परिभाविट हाँ, वहाँ वर्ष होगा, वाँ उस अध्याय में दिवा वबर हाँ।

जन्द्र की

फ्लैट नं० 301, जो, गिरीराज, विग—वी, 3री मंजिल, हरी शंकर जोशी रोड़, दहिसर, बम्बई—68 में स्थित है।

अनुभूची जैसा कि ऋ०सं० अई-4/37-ईई/14470/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

नक्ष्मण दास, मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनां रः: 28--8-1985.

शक्क वार्चाः टी . **स्व . एक** मुख्यम् न्यवस्थानम

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निर्देशण)

अर्जन रोज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 अगस्त, 1985

निर्देश सं ० अई-- 3 4/ 3 7-- ईई/ 1 4 3 1 8/ 8 4-- 8 5:--- अत: मुझे लक्ष्मण दाम,

आयक्षण जीभनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्स भीभीनवभ' कहा गया ही), की भारा 269-स के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को, वह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

भीर जिसकी सं० पलैंट नं० 303, जो गिरीराज, विंग-ए, 3री मंजिल, हरी शंकर जोशी रोड़, दिहमर, बम्बई-68 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम श्रीधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

मा पूर्वोक्त संगत्ति के उषित नाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रिक्ति के निर्मारिक की नई है और मुख्ये यह निर्मास करने का कारण है कि संजन्ने निर्मार संगति का उषित संगत् मूल्य, अंश्वर करमान प्रित्यक का प्रमुख्य प्रतिशत निर्मा प्रतियक का प्रमुख्य प्रतिशत निर्मा है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्राया गया शिक्यक, निम्मसिचित उष्वेष्य से उक्त अन्तरण निम्मसिचित संगति का स्वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मृत्यस्य वं श्रुप्तं विकार्धं नाम क्षां नामकः, उनकः व्यथितिनक वी नयीन क्षरं योगे के नामस्य के व्यवित्य में कामी कहते ना सकते नचने में वृष्यिमा के विव्यः; वाहः/याः
- (ण) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय अवय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में तिक्या के लिए:

कतः वसः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, में, उक्त लिधिनियमं की धारा 269-वं की उपधारा (1) हो अधीन निम्निनिकित व्यक्तिसमितं वर्धातः—— (1) श्रीसी०पी० शहा।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० ए० सप्रे।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके प्याप्तत सुम्पृतित के वर्जन के जिल् कार्यवाहिया सुरूष करता हो।

उन्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की समीध या तत्सम्बन्धी क्यन्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की संबंधि, को भी स्वीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेशिक क्यान्त्रकों में से सिक्सी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकावन की सारिक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास हिसीकत में किए जा सकेंगे।

स्वक्योकरणः -- इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पर्यो का जो जन्म अधिनियम, के अध्याय 20-क में पारभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

फ्लैट नं ० 303, जो, गिरीराज, विग⊸ए, उरी मंजिल, हरी शंकर जोशी रोष्ट, दहिसर बस्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-4/37-ईई/14318/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण), अर्जनरोज–4, बस्बई

दिनां क: 28-8-1985.

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 अगस्त, 1985 निर्देश सं ० अई – 4/37–ईई/14296/84–85:——अतःमुझे, लक्ष्मण दासः,

आयकर अधिकियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमे इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लैट नं० ए/9, जो, 2री मंजिल, माधवक्रुषा इमारत, मराठा कालनी रोड़, दिह्सर (पूर्व), बम्बई – 68 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीत बम्बई स्थित सक्षम प्राधि कारी के कार्यालय है में रजिस्ट्री है, तारीख 1–1–1985

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरफ (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्वं में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री परमातन्द टी० ग्रहा और श्रीमती टी० पी० ग्राहा।

(अन्तरक)

(2) श्रीबी०पी० भहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि था तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम,, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पर्लेट नं ० १/9, जो, 2री विज्ञल, माजव-कृषा इमारत, मराठा कालनी रोड़, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि का सं अई-4/37-ईई/14296/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोंज-4, बम्बर्स ।

दिनांक: 28-8-1985.

क्रक्त नाइं. टी. एन. एक्. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सहकार

भागास्य, सहायक कावकर वायक्स (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज--4, वस्वर्ष

बम्बई, दिनाँक 28 श्रगस्त, 1985

निर्देश मं ० ऋई-4/37-ईई/14585/84-85:--ऋतः मृझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम कहा गया है'),, की भारत 269-व के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थाबर सम्परित, विसका उचित जाबार मृस्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० फ्लैट नं० 303, जो 3रो मंजिल, मनिषा अंगर्ट-मेंटम, फ्लाट नं० 246 एच० नं० 2, मर्बे नं० 247, मी० टी० एम० नं० 946, ह्विलेज दिह्नर, स्वामी विवेकानंद रोड़, दिह्नर (पूर्व), बम्बई—68 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिनका करारनामा श्रायकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित स्थान प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-1-1985 का पूर्वोक्स सम्पत्ति के उपालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-1-1985 का पूर्वोक्स सम्पत्ति के उपालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-1-1985 का पूर्वोक्स सम्पत्ति के उपालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-1-1985 का पूर्वोक्स सम्पत्ति के अधीन बनार मूल्य में काम के ध्रयमान प्रतिकत्त के लिए बनारित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि अधाव्योक्त सम्पत्ति का उपाल बनार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिकत से, एसे ध्रयमान प्रतिकत का पन्दा अतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) आर अंतरिती (अन्तरितों) के बीच एते बन्बरण के निए बय पाया मया प्रतिकल, निम्निविषत उद्योध्य से उसत अन्तरण लिकित में मास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (कः) अन्तर्भ से हुए किसी अग्य की मन्यतः उत्तर अधिनियम के स्थानित कर्तित की जन्तरक के नामित्य में कमी भरते या उससे अजने में सुविधा अभित्रः और/भा
- [क] ए.सी भिक्तां आय या किसी धन ा अत्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या गनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था किपाने में साँबधा के सिए;

सहः ब्रह्म. अक्न जिमिनियम की धारा 269-ग के जमसरण हो, मी अक्न अधिनियम की धारा 269-छ की उपधारा (1) हो प्रभीन, निम्नलिखित त्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैसर्स राजदीप इंटरप्रायजेस ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हैमंत विजय,द्वारार्श्वा एम० एम० कोल कर।

(भ्रन्तरिती)

कां यह सुनना जारी कराने पूर्वीकल सम्पत्ति क अर्बन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उबस सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की ताबीस से 30 दिन की व्यक्ति, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस स्थान के स्थापन में प्रकाशन की दारीय वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विकाश में विश्व वा सकते हैं!

स्पत्कर्षक्षरणः -- हममें प्रयुक्त शब्दों और पदों अर, आं उनक अभिनियम, के नश्वात 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होन्य को उस जन्माव में विद्या गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 303, जो 3री मंजिल मनिषा प्रपार्ट मेंटस, प्लाट नं० 246, एच० नं० 2, सर्वे० नं० 247, सी० टी० एस० नं० 946, विलेज ,दिहसर, स्वामी विवेकानंद रोड़, दिहसर (पूर्व) बम्बई-68 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० श्रई-4/37—ईई 14585/84— 85 श्रौर जो सक्षम पाधिकारी, ब्रम्बई द्वारा दिनौंक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मग दास, नक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण), श्रजन रेंज−4, बस्बई

दिनाँक : 28-8-1985.

में हर:

भूक्ष मार्च, टी. एन, एस, -----

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के वधीन सुचना

भारत संस्थान

कार्यालय, अहानक आगकर आनुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

वस्यई, दिनाँक 28 श्रगस्त, 1985

निर्देश सं० श्रई-4/37-ईई/14732/84-85:—श्रतः मुझे, लक्ष्मण दाम,

अगयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चिम् 'उन्त अधिनियम' नहां गया हुँ), की धन्न प्राचिक्त की अधिन स्थान प्राधिकाली की, यह विद्यास कारने के कार्य हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उत्तिम बाजार प्रत्य । 00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिप्तकी मं० पर्लंट नं० 304, जो, 3री मंजिल, मिनपा ग्रपार्ट-मेंटम, प्लाट नं० 246, एच० नं० 2, सर्वे नं० 247, मी० टी० एस नं० 946, ख्लिन दिहमर, स्वामी विवेकानंद रोड़, दिहमर (पूर्व), वम्बई – 68 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायंकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 1–1–1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बागर मृत्य के का के अवकाल प्रतिफल के लिए जन्ति को गई जहिर मुक्ते यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित्त वालार मृत्य, उक्कें दृश्यमान प्रतिफल से, एते दृश्यमान प्रतिकल का निक्स का विद्या की अविक के और अंतरक (अंतरका) और अंबिक्ति की शिक्ति के बीच एते अंतरण के लिए तब माना गया प्रतिकल, जिम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण शिक्तित में वास्तीवक लप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बायत, उक्क ग्रीभनियम को सभीन कर दोने को अन्तरक के दायित्य में कनी करने वा उससे बचने में नृतिधा स्टेडक कीप्रका
- (श) एसी किसी आब वा किसी धन या अन्य आस्तियों कार किसी कार अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, वा अनकर अधिनियम, वा अनकर अधिनियम, वा अनकर अधिनियम, विश्व (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया काश्र भारिए था कियाने में स्विभा में सिए:

अतः आः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कें, की, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) कें अभीर जिल्लािकत व्यक्तियों, अर्थात् ः— (2) मेयर्स राजदीप इंटरप्रायजेस ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मय्र हंसराजभाई गाला।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना बाटी कास्ते पृष्टिका सम्मृत्ति से वर्षन के विष्टु कार्यवादियां करता हो।

अवस्त हर्मित के ब्रॉन् के सम्बन्ध में कोई भी कार्या :---

- (क) इस बूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की अवधि सा तरसंबंधी व्यक्तियों पर बूचना की तानील से 30 दिन की अवधि, जो और अवधि नाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्ति होता होता होता है।
- (वं) इत ब्याना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उच्छ स्थायर सम्पत्ति में हितमक्ष किसी अन्य व्यक्ति ब्यारा नथोहस्ताकरी के शुब दिवित्त में किए जा सकी

स्पष्टिकरणः---इसमें प्रमुक्त बन्दों और पदों का, भो उच्छत विभिन्निम, को अध्याय 20-क में परिआदित हाँ, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में विभी क्या हो।

भ्र**नुसूची** ्

फ्लैंट नं ० 304, जो, 3रो मंजिल, मनिषा श्रपार्टमेंटस, प्लाट नं ० 246, एच० नं ० 2, सर्वो नं ० 247, सी०टी० एस० नं० 946, ह्यिलेज दहिसर, स्वामी विवेकानंद रोड़, दहिसर (पूर्व), बम्बई— 68 में स्थित है ।

ग्रनुसूची जैसा कि कि नं ग्रई-4/37-ईई/14732/ 84-85 ग्रीरजो उक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, नक्षम प्राधिकारी, नहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण), श्रर्जन रेंज-4, बस्बई

तारीख : 28-8-1985.

प्रकथः बाह्रैः टीः पूनः एसः जनस्यानः जनस्य

नायकर विश्वितयम्. 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुभवा

भारत स्रकाह

कार्यासय, सहायक शायकर अध्यक्त (निरक्षिण)' श्रर्जन रेंज-4, सम्बर्ध

बम्बई, दिनाँक 28 श्रभस्त, 1985 निर्देश सं० श्रई–4/37–ईई/14617/84–85:––अतः मुसे, लक्ष्मण दास.

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसमें प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

1,00,000/- रा. से अधिक **ह**ै श्रीर जिस्की सं० फ्लैट नं० 402 है, जो 4 थी गंजिल, मनिषा श्रपार्टमेंटस, प्लाट नं० 246, एच० नं० 2, सी० टी० एम० नं० 946, ह्विलेज व्हिसर, स्वामी विवेकानंद रोड़, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है (श्रीर इयसे उपाबद्ध अन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है)/ग्रीर जिनका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, खके ऋधीन,बम्बई स्थितसक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-1-1985 को पर्वोक्त सम्पन्ति के लियत बाजार मृत्य श्रे कम के बन्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का वन्द्रहप्रतिकत संविधिक ही और अन्तरक (बन्तरकों) और बंतरिती (बंतरितियाँ) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया भवा प्रतिकृत निम्नसिसित स्वयोग्य से स्वत अंतर्**ण निविद्य में** भास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुइ किसी शाय की वायत. उसत श्रीधानयभ के अधीन कर दोने के बन्तास्क के दायिस्व भो कभी वारने या उसमें अभने भी मुविधा के लिए, भारा/कः
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करो, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम या भनवार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वार प्रकट नष्टीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अप उक्त विधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, सक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के लक्षीत निम्मलिबित व्यक्तियों म सर्मात् हा— 45—276GI|85 (1) मेसर्स राजदीप इंटरप्रावजेस ।

(अन्तरक)

(2) श्री संजय विदुल नारी।

(अन्तरिती)

को यह सुमना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के उर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप ए---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की प्रविध या तरसंबंधी व्यश्तियों पर स्वान की तामील में 30 तिस की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्ट स्पक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस मुखना के राजपण में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर एक्ट्रा स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्युष्टीकरण: --इसमें प्रथानर अब्दिशीन पर्वा हा, तर उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होरा के उन्न अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

पर्लंट नं ० 402. जो 4थी मंजिल, मनिया श्रपार्टमेंटस, प्लाट नं ० 246, एवं ० नें ० 2, सी ० टी ० एस० नं ० 941, ह्रिनेज दहिसर, स्वामी विश्वेकानद रोड़, इहिन्य (गुर्व), वस्वई-68 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंगा कि अ० सं० ग्रई-4/37-ईई/14617/84-85 ग्रीरजो सज्जम प्राधिकारी, बम्बई द्वारादारा दिनाँक 1-1-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, यक्षम पालिकारी, सहायक स्रायकर स्रायक्क्व (निरीक्षण), स्रजैन रेंज−4, बस्बई

दिनाँक : 28-8-1985.

जोद्दर

प्ररूप बार्द्, टी. एन : एस . ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) की अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निर्देशक) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 28 ग्रगस्त, 1985

निर्देश सं ० श्रई-4/37-ईई/14482/84-85:--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दोन्,

अध्यकः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार् उत्तर अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-ख में अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वार करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कर्माशियल प्रिमायसेम नं० ए/203, जो, 2री मंजिल, पियुष भ्रपार्ट में ट. वाय० श्रार० तावडे रोड़, दहीसर (पूर्व), बम्बई में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकष्ट के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ,,एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकॉ) और अंतरिती (अंत-रितयॉ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिकक रूप से किथित नहीं किशा गया है :—

- (स्त्री) जन्तरण से हुइ किसी बाव की बावता, उपता बाधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के खाँगत्व में क्षमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आहु/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य जास्ता की की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना बाहिए था, खिपाने में सुविधा के हिंगए;

अतः अब, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसितित व्यक्तियों, अर्थात् हु---

- (1) कुम कुम बिल्डर्स।
- ं (अन्तरक)
- (2) श्री न दलाल एस० सिंग।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वेक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति में अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी काकीप 🛚

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से
 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पत्र
 स्चाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाहा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पक्किरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों आहेर पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

सन्दर्भी

कमिशियल प्रिमायसेस नं० ए०/203,जो, 2री मंजिल, पियुष श्रपार्टमें टेस, बाय० श्रार० तावडे रोड़, वहीसर (पूर्ष), बम्बई में स्थित है।

श्चनुसूची जैसा कि कि० सं० श्चई-4/37-ईई/14482/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, कुसहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज−4, बम्बई।

दिनौंक : 28-8-1985.

प्ररूपः **वार्**ष्ट्रेट**्रिन्**र्, **एस**्यानसम्बद्धन्यनस

नासकर माधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के संधीन सूचता

श्रारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर नायुक्त (निरीक्षण)

प्रजीन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 ग्रगस्त, 985

सं० श्रई-4/37/ईई/14404/84-85:--- ग्रत मुझे, लक्ष्मण सं.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्व 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या दुकान नं० 6, जो, तल माला, गुलमोहर, ए विंग, रामनुंबर रोड, दिहसर (पूर्व), बम्बई में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कीर्यालय में रिजस्ट्री है, नारीख 1-1-1985

को पूर्विक्त संपत्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिद्धित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त- विक कथ से कथिस नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबब, उचक अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरण के दायित्व में कमी करने वा उससे अचने में सुनिधा के सिए; और/वा
- (क) एोसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्सियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा भन-कर अधिनियम, बा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना शाहिए था, डिपाने में सुनिभा के सिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुकरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के बधीम, निक्नीसिक्कित व्यक्तियों, वर्षात् ४--- 1. ५थे मोहम्मद नथू राठोड ।

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स सदाविजय बिल्डर्स।

(ग्रन्तरिती)

को अह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन खें लिए कार्यगाहिमां सुरू करता हुं।

उनत सुन्यत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ६---

- (क). इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुदारा;
- (ण) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सभ्यत्ति में हिल-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमं प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20 का में परिभाष्टित है, अक्टी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया है [8]

श्रनुसूची

दुकान नं० 6, जो, तल माला, गुलमोहर, ए विग, राम बुंबर रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

ग्रतुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-4/37ईई/14404/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को राजस्टर्ज किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्ष्म प्राफ्तिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–4, बस्बई

दिनांक: 28-8-1985

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज~4, बम्बई बम्बई,दिनांक 28 श्रगस्त 1985

सं० ग्रर्ह-4/37/14739/84-85:----ग्रत मुझे, लक्ष्मण दास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिल्ला उचित वाजार कृत्व 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या 32, जो, 3री मंजिल, श्री जी दर्णन, एस० वि०, रोड और ग्रांति लाल मोथी रोड का जंक्शन, कांदिवलीं (प०), बम्बई-67 में स्थित हैं (और इससे उपा-बढ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अविनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम आधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 1-1-1985

कां पूर्विक्त संम्मित के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रितिकाल के लिए मंतिरत की गई है और मृत्रों यह विद्यास कर्ते का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दर्यमान प्रतिकल से, एसे दर्यमान प्रतिकल का पत्तु अतिकत से भाविक है और भण्डक (अन्तरकों) और भण्डिकी (भाविकित में बोक ऐसे भ्रष्टिक के लिए तय बाबा क्या प्रतिक्ष क्या विद्यालित उद्देश्य ने उनत भण्डिक लिखित में बाबतिक में क्या गया हैं—

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की वायत, जनस अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे वजने में सुविधा के विद्राः बीर/था
- (व) ऐसी किसी गय या किसी भन या अन्य ग्रास्तियाँ की; जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत प्रधिनियम, वा अन-कर ग्रीभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती हुवाहा प्रकृष्ट नहीं निवास ग्राम का किया जाना जालिए जा, जिलाने अ सुविक्षा के लिए ;

जतः अथः, तनम् अपिनियमं कौ धारा 269-म कै मनुसरण भौ, भौ, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपभास (1) भौ सभीतः, निम्नीसांखतं अधुनित्रगाँ । समाद्रे मच्च 1. मैसर्स युनाइटेड बिल्डर्स।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती मुक्ताबेन के० पटेल और डा० के० ग्रार० पटेल।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अनोभ मा तत्सवर्धा व्यक्तियाँ पर सूचना की ताबीस से 30 दिन की अनिध, जो भी अविध माद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वाधीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो खक्त विभिन्निमा, के अध्यास २० कर यथा पारकार अस हाँ, बही अर्थ होंगा जो उत्तर सम्बास भें विका स्वा है।

अमुसुची

पलैंट नं० 32, जो, 3री मंत्रिल, श्री जी दर्शन, एस० बी० रोष्ट और णांति लाल मोदी रोड का जंनणन, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-4/37ई $^2/14739/84$ -85 और जो सक्षम श्राधकारी, बम्बई हारा दिनांक <math>1-1-11985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुवत (निरीक्षण), श्रर्जन रोज⊶4, बस्बई

दिनांक: 28-8-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आवकर **अधिनियम**, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ के अधीन स्चना भारत सरकार

कार्यालय, स्हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 भ्रगस्त, 1985

सं० ऋई-4/37ईई/14434/84-85:--अत: मुझे, लक्षमण दास,

आयकर अधिनि स, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके परचात 'उधत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/ र. ते अधिक हं

और जिसकी संख्या पलैट नं० 18, जो, बुंती बुंज, पहली मंजिल, गोखले रोड, डहाफँकर वाडी, प्लाट नं० 41, कॉदिवली, (प०), बम्बई-67 में स्थित है (और असमे उपाबक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

्रको पूर्वेक्त सम्पाति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश् मान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) व बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से अन्तरण निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से अन्यर कहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम फे अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/जा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित :---

1. मैसर्स क्रिमूर्ती बिल्डर्स

(ग्रन्तरक)

2. कुमारी संध्या सावकार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मो से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के रज्जपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पार में हितास्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधिहस्ताक्षरीं के पास लिखित में किये जा सकीं।

स्थव्योकरण :---इसमें प्रयुक्त शादों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क मो परिभाषित ह^{र्ड}, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसुची

पलैट नं० 18, जो, कुंती कुंज, पहली मंजिल, गोखले रोड, डहाणकर वाधी, प्लाट नं० 41, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ सं० श्रई-4/37ईई/14434/84-85 और ओ सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वांरा दिनांक 1-1-1985 को राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेजि~4, बस्बई

विनांक: 28-8-1985

प्रस्य नाही, टी. इन्. एस , ननव्यत्त्रनवन्त

बायकर निर्भागयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के संभीन सुवना

भारत सरकार

कार्याक्षयः, सहायक वावकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 10-9-1985

सं० ग्रई-4/37ईई/14584/84-85:--- श्रत भुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परानत् , 'उन्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निरनास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1.00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 304, जो, सी-2 इमारत, बोहरा कालोनी, महात्मा गांधी रोड, बोरिवली (प०), बम्बई 67 में स्थित है (और इससे उपावछ श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम श्रधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्वास करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्वे) बौर अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीज एसे अंतरण के निम्न तब पावा ग्या प्रतिफल निम्निशिवत उद्देश्य से उच्छ दन्तरक जिल्ला के वास्तविक स्था से कांचिक नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई िकती आय की बाबत, उक्त अधिनियम के सधीन कर बेने के अंतरक के दाधित्व में कमी करने या उससे बजने में तृष्टिभा के लिए; और/था
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्यः आस्तियाँ फा, जिन्हाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उमस अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना आहिए था, फियाने में सुविधा के सिंधु;

बरतः अभ, उन्त अभिनियम् की नारा 269-त्र के अनुसरण कोन मी. सामा अभिनियम की भारा 269-त की उपभारा (1) के अभीत, निक्निलिसत व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैं वि वाउदी बोहरा वेल्फयर ट्रस्ट।

(अन्तरक)

2. श्री सालेह मोहम्मद भाय रूपवाला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कस्के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

सम्बद्ध सम्पत्ति को मर्जुन की संबंध में काई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वाध, जो भी अविधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त कहिनायों में से किसी स्थक्ति ख्वारा;
- (क) इस स्वभा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य विकत द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्कीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उथ्रह अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया हैं।

बनुतुची

पलैंट नं० 304, भी, भी०-2 धमारत, बोहरा कालोनी, महात्मा गांधी रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० अई-4/37ईई/14584/84 85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई भ्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 10-9-1985

मोहर 🗧

प्ररूप आई.टी : एन : एस : ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 सितम्बर, 1985

निदेश सं० अई-4/37ईई, 14645, 84-85--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दासे,

शायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा नवा हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित्त बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकीं संख्या जमीन का हिस्सा, स्ट्रक्चर्स साथ, जो, एम० वीं० रोड, बोरिवलीं, एन० ए० सर्वे० नं० 55, (सर्वे० नं० 114 ई) और सर्वे० नं० 114, एच० नं० 2, सीं० टी० एस० नं० 802, बोरिजलीं, बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद श्रनुसूचीं में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधींन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान इतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिकास से, एसे दृष्यमान प्रतिकास का वन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए स्थ पाया नवा प्रतिकास निम्मितिसा उच्चेसम से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कमित महीं किया गवा है है——

- हुँक) जन्तरण से हुन्द किसी नाम की बावत सामत अभि-विषय औं वसीन कर दोने में अन्तर्यक को दायित्व में कमी करने या उत्तरी वचने में सुविधा के सिए; और/शा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आर्सितयों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविभा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के सुधीन, निम्निसिचिक व्यक्तियों के संबंधि क्र— 1. मसर्स गौतम बिल्डर्स (इण्डिया)

(भ्रन्तरक्)

(2) जयदीप इन्द्रप्रायजेज

(भ्रन्तरिती)

नौ यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पति की वर्षन को सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुने।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ु---

- (क) इस श्रृचला को राजपत्र में प्रकाशन की शारीच से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विम के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-स्वूच किसी जन्य स्थित व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिग्निंक्त में किए जा सकोंगे।

ल्क्डीकरणः:—इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को उक्क निधिनियम, के नध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस नध्याय में दिवा गवा हैं।

अनुमुखी

जमींत का हिस्सा, स्ट्रक्चर्स के साथ, जो एस० वी० रोड बोरिवलीं एन० ए० सर्वे० नं० 55, (सर्वे० नं० 114 एष० नं० 2, सीं० टीं० एस० नं० 802, बोरिवलीं, बम्बई-92 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि कर सं० अई-4/37ईई/4645/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> नक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4 **वस्बई**

दिनांवः: 6-9-1985

प्रकृष् आहें हो एन एस . -----

भावकर मधिनिससं, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

साम्य संस्कार

कार्यान्य, सहायक जायकार आयुक्त (जिल्लाक्त)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्मेंई, दिनांक 30 श्रगस्त 1985

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार 'उकर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार शृक्य 1,00,000/- एउ. से अधिक है

और जिसेकी संख्या जमींन का हिस्सा, जो, विलेज मागठाणा, तातुणा बोरिजली, सर्वे० नं० 159 (अंण), स्वामी विवेकानन्द रोड. बोरिजली, बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका करार-नामा आयक्र अधिनियम 1961 की धाया 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में रिजस्टी तारीख 1-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल को लिए रिजस्ट्रीकर्ता विशेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि अथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एन्स्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचत में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है क्ष्म

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय का किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय लाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा जी किया;

बत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्नुलिखित व्युक्तिवाँ, क्यांत् क्र— 1. मैसर्स एम० जे० मेहता एण्ड कम्पनी।

(ग्रन्तरकः)

2. मैसर्स शिल्पा बिल्डर्स।

(भ्रन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किसिट में किए का सकेने में

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त कर्ना और पर्दो का, जो उन्हें अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिका प्रा हैं भे

अवसर्वी

जमीन का हिस्ता, जो, एस० बी० रोड, विलेज मागुठाणे तालुका बोरियली, मर्वे० नं० 159 (अंश), स्वामी विवेक्श-नन्द रोड, बोरियली, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि क० सं० श्रई-4/37ईई/14321/83-84 औरंजो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई ग्लारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास गक्षम प्राधिनारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज-4, बम्बई

दिनांक: 30-8-1985

हक्य बार्च, दी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) क अभीत स्वटा

नारत वरेकार

कायसिय, सहायक बायकर बायकन (निरीक्षण) श्रजीन रेज--4, बम्बई

बम्बई, दिनाँ र 28 अगस्त, 1985

रिदेश सं ० अई- 4, 3 रिई/ 14 2 2 2/ 84 - 85:--- अतः म्हो, लक्ष्म गरात,

अन्तरस्कर अनीधनिसम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्में इंख कं पक्ष्य भृ 'उक्क्त अभिनियम' कहा यमा है'), की भाग्र 269 आप की अपीन सक्तान प्राधिककारी क्ये यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर समस्ति, जिस्तका उपित बाजार मुक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिकि में का दुगर नं० 3, जो, तल साला, गजेश इमारत, एक्सार िले ।, एकार राड, अपर्ड, बोरि जे, (प०), बम्बई- 92 में स्थित है। (अंर इ : उ विस िन् ची में और पूर्ण रूप से वर्षित है), और जिल्ला धनारहमा झा ्र श्रीचिम 1961 की धरा 269 👉 खहे प्रीर दम्बई स्थित क्षम प्राधिकारी के बार्यालय में किस्ट्री है, तारीख 1--1--1985

क्यों पृत्रों सक्य कम्पत्ति के उपयक्ष सामार मृत्य वे कम की उत्पर्यमान प्रोप्तफाल के जिए करनोरन की न्डों हैं और शुक्र क्या विकास करने का कारण है कि नंधानुनोंक्त बन्धीत का उधित काचार धुन्द, अन्यक अध्यमान प्रतिकान संग्रं**स क्या**मान प्रतिकास 🗪 बल्क्ट प्रतिकत से मिथक है और जनरक (बतरकों) मार सर्वारकी (अल्बर्गरकियाँ) के बीच होने जन्तरफ के लिए इन्ह बाबा क्या प्रतिकाल, निम्नलिकित उद्घेषय से उक्त अन्तरण विविधा मे पास्तिविक क्ष्य में कथित नहीं फिबा गवन हैं ∜—

- (क) अस्तरम से हुए किसीबाग की बाबत, अधिनिवस का अभीन कार वन की कन्तरका शास्त्रिक्त मं कामी कारत या उत्तर अवन ही बृधिका को लिए. की १/का
- (क्र) ऐसी किसी अगब वा किसी धन या अन्व आस्तियों कां जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, सन् भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) क्के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया था का किया जाना चाहिए था, छिपाने में भगवशानी निए;

क्या: अर्थ, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग के अनसरण मैं, मैं, उक्त रीधीनयम की धारा 269-च की उपधारा (1) क्षे कारीन जिल्ला क्यांनितयों, हा ति :---

1. घनद्रकान्त मगन व्हालः अजिमेता।

(फ्रांत.क)

श्री मोहण्मव अली दूरभाई अदारीया।

(श्रन∷ितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्ववाहियां शुरू करता हूं।

इक्ट सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (कः) इस ल्चनाके राचवण में प्रकादभ की तारीस मुं 4.5 दिन की क्रमांध या तत्स्थअ थी व्यक्तियाँ पर स्चनाकी क्रामील से 30 दिन की बबीप, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाजी हो, के श्रीसर पर्योकः स्याक्तया में सं किसी स्यक्ति बुकाराः
- 🌠 इंड तुमना के राजपत्र में प्रश्चावन की शारीच है 4.5 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पारत मा हिन्द-बब्ध किसी बन्च व्यक्ति वृत्रारा, बधाइस्वाक्षरी के फांच बिराचक में किए का समोगे।

स्थळ कि एम :--इमार्से प्रकलन भवदीं और वक्षी स्था, उसे सक्का साधि-निवन के अध्याध 20 का में परिभाषिक हैं, बहु। अर्थ होता, का उस अभ्याय में दिया स्या

प्रनुरूचि

युक्तात नं० ३, जो, तथ माक्ष, क्षिण इमास्त, एक्षार बिले :, बाराई, बोजिले, (७०), बनाई 192 में स्थित है।

ब्रनुसूर्व जेता ि क सं० ४६-ा ३ ६२/,422//84-85 ऑंट जो 'क्षेत्र प्राचितारी, दल्की, हता दिली, 1--1--1985 को रिस्टर्ड िया गया है।

> लक्षमण दापः, स्थाप्रधि।री सहायक आयकर आयक्त (रिकाण), मर्ज ः – ४, बम्द ई

বিনাজ : 28--8-1985

मोहर :

46 -276GI|85

प्ररूप आईं. टी. एन एस.----

ाः नै कि जासा अस्ट्रमान ।

(邓记二)

काथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) क अधीन सुचना

2. श्री मार्टीरे. एम० ए.:० फर्नान्डीं.:।

(ग्रन्तिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आकर आय्क्ट (निरीक्षण) अजः रेंग च, प्रार्ट्ड

बर ई, ? 1 : 28 अरू, 1985

निरेश तं ० ६६ ५४/३ दिने ४८१०/८४ १८५ ४८६ : मुझे, ६६६७ वस.

बायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख का अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का करण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1 00,000/- रु. से अधिक है

आर जिल्ही संख्य दुवस नं 5, जो, द्विर्थ, प्राप्ट नं 34, ए० आर सी जावनी, विजित्ती, (प्र), द्विर्धन 103 में पित है (अंगः इसी जावक अनुसूची में और पूर्ण हर देशीं हैं, और जिल्हा जा जानामा हरा ए आ दिम, 1951 की धारा 263 है, हो गिर्दे हैं, जरिख 1-1-1985

को पूर्वोकत सम्मत्ति को उचित बाजार मृल्य हैं कर की दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और यह विश्वास बरन का कारण ही कि यथप्रवाकर मन्पाल का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एम दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रशिक्षत से अधिक हैं और अतरक (अतरकों) और अतरिती (अन्तरित्या) के यांच एम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्यों में उक्त अन्तरण लिखित के बास्तावक रूप से कोषत नहीं किया गया हैं:—

- (कां) अन्तरण मंहुइं फिसी बाय की बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर दीन के अन्तरक के दायित्व में कभी करन मा उत्तस अवन में सुविधा के लिख्; और/स।
- [क] एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियं की, जिन्हें भारतीय आय-कर आंधीनयम, 1922 (14.2 की 11) या उक्त अंधिनयम, या धन नंदः कांधिनयम, या धन नंदः कांधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्याजन्य अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया सबा था वा किया जाना चाहिए था, छिपानं संस्तिधा क लिए;

बंह बंह, इक्त अधिनियम की भारा 269 स के अस्यर्थ बंह, के, उक्त अधिनियम की भारा 269 के प्राप्तास 11 के के करीत, जिल्लिसन व्यक्तियों, अधिन क्ला को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए काम का हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तिया वर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, सो भी सर्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्ध व्यक्तियों से सि कसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख इ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंदा-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी इ पास निश्चित में किए जा सकते।

स्पब्दोकरण:---इसमें प्रयुक्त श्रद्धों और पदों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशाधि ही, वहीं अर्थ होगा, या उन अध्याय में विशेष भवा है।

अनुस्ची

दुःगः गं० 5, जो, िद्धाथ, पाट गं० 34 ए० प्राप्तः सीत् बालानी, बाजिली, (प०), बार्च 108 में स्थित है।

असूती वैसा ि क० सं० हि-4/3 हिंगू 14219/84-85 आ। आ अत आजितारी करवारे द्वारा वितार 1-1-1983 को विवास है।

> राह्मण दा सक्षम प्राधि : ग सहाय : श्राय : श्रायुक्त (िरीक्षण श्राप्ती रेंग :4, बस

दि तै ': 28 -8 -1985 मोहर: प्ररूप बार्ड . टी. एन. एस. -----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं धारा 269(घ) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयकत (निरीक्षण) कर्जाः रेज-4, बस्ट ही

बाहाई, विकेट 30 प्राप्त, 1985

सं० ६**६** ४/3 **६**३/1453 /84 (85) श्रतः मुझे, ाःमग थास,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाह 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-स के उपीन मधाम प्राधिकारों का यह किस्वास कारन का कारण है कि स्थावर संस्थित जिसका सचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मीं ि की संख्या पर्लंड नंव 405, जो, एएव बीव आगर्ड-मेट, रमाज नंव 6व, पर्क बाबा रकाः, बंगिली (एव), बर्का-9 में ियत है (औं इर्ष्ट जाबा श्रुसूची में और पूर्व क्या र्राह्त हैं। और जिल्ला जार प्रमा आर.पार्विसमा 931 की घरा 209 , राबेश्विसी, ब्रुट्व ियत किम प्राधितारी के लायीकाः में पिट्टी है, तार्रेखा 1-1-1985

का प्योंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्री प्रकार के लिए अंतरित की गर्म है और क्षेत्रे यह विश्वास कान का कारण है कि यथाप्योंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूख, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पश्च प्रीतिश्व से अधिक है और बन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्युव्ध से उच्त अन्तरण भाषित में वास्तविक रूप से कचित नहीं किया गया है:---

- (३%) सन्तरफ से हुई किसी बाय की वाबसः, उपस्य संचितित्रम से बचीन कर दोन को बन्दरक बो सम्बद्ध में कभी करने वा उससे बचने को स्मृतिकार के लिए, बॉर/या
- (अ) ए'में किसी बाय या किसी थन या अस्य बास्तियों का जिल्हों भारतीय अयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धम-अरूर अधिनियम, वा धम-अरूर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औं प्रयोजनार्थ अन्तरिकी देवारा प्रकट नहीं किया जया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा औं सिए !

क्राप्त: अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनस्रण कों, मीं., उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को बधीन, निम्मजिस्ति व्यक्तियों, अथित्:--- श्री मर्भूष श्राह्मकाती दातानी।

(फ्रन्सः∴)

2. (1) श्री धाः एम० नेवानी और

(2) श्रीनर्ता डीं० प्राः नेंघ.घी।

(भ्रः,,रिती)

को यह मुखना जारी करके पूर्वीक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन का अवधि सा तत्सम्बन्धी श्रामितयों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि भाष मा ममान हाती हो के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (वा) इस स्वका के गजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य न्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकींगे।

न्यष्टोकरण ----इसमा पयवस शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, वहां वर्थ हाना जा उस अध्याय में दिया। नया हैं।

मन्स्ची

परैट तं० 407, ी, बर दी श्रामिंट, इसाज न० 6 बी, पर्द सवा उप, बिटाली, (२०), बर्फ्स्ट्रिं-92 में स्थित है।

हानुसूची चौसा की कल्मल हाई व्या ईति1453 तृ84→ 8 व अंट की सक्षम प्राध्य पर्दा द्वावश्य दिवाय । 1--1→ 1985 को परिसर्ध दिवायका है।

> लक्ष्मा दास, सक्षम प्रधि .ारी, राहायका द्यारा कायुक्त (निर्वाक्षण), सर्वेत रेज-2, संवाही

दिनों ∷ः 30 8 ⊥983 ---

प्रकृप बाइ ,दी, एन , एस ,------

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) क बचाद क्ला

बारत बरकार

भावीत्रव, तहावक वावकर वावका (दिर्दाक्र्य)

अर्जन रेंज-4, बस्बई

बण्डई- दिसंस 28 अगस्त 1985

सं० द्रार्ड 4/3, ईई/14391/84 ·85.—-अतः मुझे, त्रक्ष्मण दासे.

कायकर कथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमर्में इसके परकात् 'उकत कथिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करन का कारक है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्रवेट नं 13, जो, िस्ला टेरेप, 1 ली मंस्यि, स्पोलीं राड, यनू पार्क, बंदिबली (प०), बर्ध्य 92 में स्थित हैं और इसो उाबाद अनुपूर्वी में और पूर्ण क्या से दिख्य हैं, और जिसा प्राप्तान शय-वार शिक्षियम 1961 की धारा 269 ं, खंदी प्रधिन, बराई स्थित सक्षम प्राधितारी, के दायरिय में प्रिट्र हैं, तारीख 1-1-(1985)

को वृबोंक्त सपिता को उमित बाजार मृल्य से कम के क्रवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने वह विश्वाब करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सपित का उमित बाबार मृल्य, उसके क्रवमान प्रतिफल से, एसे क्रवमान प्रतिफल का पंच्छ प्रतिक्षत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित वें) को बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया नवा प्रतिक्षल का नम्तरित विश्वत में बास्तविक क्ष्म सं करित नहीं किया नवा है :—

- (का) अन्मरण मं हुएं किसी भाग की बाधत, अध्या अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मं कमी करन या उसस अचन मं श्रीचधा के लिए; और/या
- (वा) इसी किसी नाय या किसी धन या खस्य जास्तिनों का, जिल्हा भारतीय नायकर निर्धायक्ष , 1922 (1922 का 11) या उक्त निर्धायम, वा धन-कर निर्धायम, 1957 (1957 का 27) क्षं अध्याक्रनाच जान्तीरती क्ष्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया नाना चाहिए था, क्रियाने में स्विधा के लिए;

कतः कथ उकत विधिनयम की धारा २६०-ग की सनसरक वा, मी, उक्त अधिनियम की धारा २६९-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियाँ, अर्थात :---

- श्री एवंद्र श्रीतिव स सालियन अप्त प्रत्य । (अन्ययः)
- 2. श्री भन्त रमनलाल शाहा और अन्य । (अन्।रिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहिया करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के नर्चन के सम्बन्ध में कोई नाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख चें 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचन का नामाल स 30 दिन का बचीच, ♥ भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति हवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से किसी अन्य व्यक्ति इसारा अभाहस्ताक्षरी के शास 45 दिन के भीतर उच्चत स्थावर सम्पत्ति में हितबबुंब् निवित में किए वा सकीं।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभावित है, वहीं अर्थ हांगा को उस अध्याय में विका भवा है।

बन्स्ची

फ्लेट नं∘ 103, जो, जिल्ला टेरे, 1 लीं मंतिल, शिम्पोली रोड, ∴स्तूर पार्क, बाल्विलो, (प०), बन्बई 92 में स्थित हैं।

अनुसूत्री जैंग हिं कम सं० प्रार्थ-4/37 हिं| 1439 1/84-85 और जो सभन प्रजि तरी, बचई द्वारा दिसंत 1-1-1985 को रिजस्टर्ड हिया गया है।

> लक्ष्मण दास, ःक्षम ग्रधि गरी, सहायक श्राय र पायुक्त दिख्यण), श्रको र्रेज~4, बस्बर्ध

दितां ह 28-8-1985 मोहर: प्रकृप अष्द्र'.टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ(1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेण 4, बन्दर्श

धमर ही, विश्वांव 2 अधरन्त 1985

सं० क्रई: 4/3 ईं2/ _463 -/64 -85:- --क्रा : मुझे, लब्मण दासः

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित काजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिलाको नंकरा फ्लैंट नंक एक 95, जो, 4 थी मंजिल, गोरानाधी अपार्टमेंट, घनाघारा गोड आँए एक विक रोड का जंकरान, बोरिएली, (10), बार्ट्ड 92 में थिया है (और इतिजाबह अ मूरि में और पूर्व का गार्टिश है, और जिला एक निकास शाहर शिक्सि 1961 विक धारा 269 के के अधीर बार्ट्ड स्थित विकास प्राथिति के वार्याट में जिल्ही है, नारी जन-1985

की प्वांकर सम्पत्ति क जीवन बाजार मृत्य स कम के स्थममन प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करन का कारण है कि यथाप्यांक्स सपरित का जीवत बाबार मृत्य, उसक स्थमान प्रतिफल स एस स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत स अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तिरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के जिए तथ बाबा गया प्रतिफल, निम्निविधित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि सिधित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (!) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दनं के जन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे क्चन में सुविधा के लिए, आर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हा भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) की प्रयाजनाथ अन्ति ग्ली इलारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्त्रिधान में सुविभा के लिए।

अतः अंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीर, निक्निलिखन व्यक्तियों, अर्थात् :---- 6. श्रीं चनद्रकान्त फकी पन्ध और ग्रन्थ।

(প্রন্যায়)

श्री संहित्सार पृत्ति चन्द भीता।

(भ्रन्., रिती)

की यह स्वना कारी करके प्वेक्ति सम्पत्ति के वर्णन के लिए कायवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन को भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति मों हितबक्ष सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद मों समाप्त हाती हो, को भीतर पूर्वीक्ष व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निधायत में किए जा सकींगे।

स्थव्हीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा जा उस अध्याय में दिया। गया है।

अमुसुची

प्लैंट नं० एफ 5, जो, 4 थी मंजिल, गोतांगधी भ्रपार्टमेंट, चन्द्राचार, र रोड, और एस० बी० राख ा जंकना, बाहिस्ली (प०), बार्फ्र 92 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जो ा ि कल्मं० ाई-43 ई²/14634/84-80 ऑ: जो वक्षम प्रथितारी, बाबई इता दिलील 1,-1-1985 को जिल्हाई िया गया है।

> लक्ष्मण रास, सक्षार प्रधि.ारी, सहाय ः श्राय∵र श्राप्^{रल} (िरीक्षण) श्रजा (रेंज-4, ब्रम्स)

दिनां कः 18-8 1985

प्रकप आर्च . ही . एत . एस . -----

भारत सरकार

नायकर नियमित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (किरीक्षण)

इ.र्जन रज- ∙4, कल्टई

बग्दाई, शिरांष: 30 आगस्त 1980

सं० **६६** का 37ईई, 464-, 8 . - 8 : - का : मुझे, राक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- एत. से अधिक ह³

र्जीर जि की संख्या पलेट न० ए... 5, जो, 2 री मजिल, भन्त्रमुखी, प्राट सर्वे० न० 225, एच० न० 10, सीं०, टी० ए ७ न० 221 ए, एक्सार राष्ट्र, बोलिजीं, (प०), बराई-92 में स्थित हैं (और इ.स. पबा अमुमूची में बीट पूर्ण रूप से दिन्त हैं), और जि ल लालामा प्राय-दार प्रविधिम 1961 की धारा 269 ं, ख के प्रविधि, स्थार स्थित रेटम प्रविधारी के लायित में एडिएई हैं, तारीख 1-1-1985

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्षम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और उन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दंश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 6. मैं सं मंग / बिल्डसं।

(श्रन्तरक

7. श्रीं ए;० ए० मर्वेल्ट।

(भ्रः..रिती

को यह सूचना जारी करके पूर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लि**ए** कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अनिध या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें के 45 दिन के भीतर उबत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा, अध हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा जो उक्त^र अधिनियम, के अध्यार 20-क में यशा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्तः अध्याः मे दिया गया है।

बनुसूची

फ्लेट नं० ए-0, जो, 2 रीं मृति , चन्द्रमुखीं, प्राप्त सर्वें ० नं० 225, एच० नं० 10, सीं० टीं० ए। नं० 221 ए, एक्तार राष्ट्र, बाहिस्ली, (५०), बस्त्रई -92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैता कि असमारंगाई व्या 37ईकी 14644 84-85 और जो समन प्रक्ति को व्याई हता दिलो । 1-1-1985 को रिस्टई किता गया है।

> लक्ष्मण दान, सक्षम प्राठि ारी, सहार्वक श्राद :र श्राय्का (िरीक्षण), श्रुकीत रोजेन-४, स्यई

दिनों ह : 308 983

प्ररूप आइं.टी. एन . एस . ------

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, बस्धई

बम्बई, रिनांक 30 श्रास्त्र, 1985

रं० श्रई-3/37ईई/14671/84-85:--श्रत मुझे, लक्ष्मण दास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसक परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और िसकी संख्या पर्यंट सं० 306, जो, 3री संजित, इमाला सं० की-39, येगी नगर, एक्सार रोड, कोलिक्सी (पं), बम्बई-92 में एक्स है (और इसो उगाक अंसूबी में और पूर्ण रूप से विणत है), और किसमा करारतामा आयकर अधि यम 1961 की धारा 269 के, ख के अजीत, बम्बई स्थित सक्षम प्रादिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, सारीख 1-1- 1985।

्रको पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कि गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्चत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, ीनम्निलिखत उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथत नही किया गया हैं:——

- (क) अंतरक से हुई किसी आय) बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अत्रक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (सं) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तिकों कां जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

1. श्री भिखाताल रमजी बाई मोगे।

(भ्रन्तरक)

2. श्री गणेश संजीव मोधीयार।

(भ्रन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायबाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के जर्जन के सम्बन्ध मं कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी उन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्स्ची

पलैट नं० 306, जो, 3री मंजिन, इमाएत नं० दी-39, गोनी नगर, एक्सार रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनसूची जैमा कि के सं० श्रई-4/37ईई/14671/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लध्मग वास, सक्षम प्राधि ारी सहायक भायकर भायुक्त (निरःक्षण) भर्जन रेंज-4, म्बई

दिनौक: 30-8-1985

प्ररूप आइ'.टी.एन.एस.-----

बायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन ेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 30 ध्रगस्त, 1985

रूं० म्प्रई-4/37ईई/ 4661/84-85:--म्प्रत मुक्रे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके परचात 'उक्त धिनियम' कहा गया है की धारा 260-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्ला उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से उधिक है

और जिसकी संख्या पर्लंट ने० ए-203, जो, लगी स्पार अप भिट, 2री मंजिन, सर्थे ने० 09, ए एत ने० 3, क्यांति आश्रम के पास, ए सार, दोशिकी (प०), वम्बई-103 में प्यत है (और इसने उपायक अनुस्वी में और पूर्व रूप से विभाग है), और जिन्हा क्यारा अनुस्वी में और पूर्व रूप से विभाग है), और जिन्हा क्यारा पा नाम प्राप्त प्रशिक्षण 1961 की धारा 269 के, खे के प्रवीत, बमबई स्थित सक्षम आदिकारी के कार्यानय में श्रीयार्थी है, तारीक 1-1-1985

का पृवीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मृज़ं यह विश्यास करने का कारण है कि यथापवीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तरक (अनतरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियिक रूप सं कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्सरण से हर्द्ध किगी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के असरक के दायित्व में कमी करने या उसस बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अपन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए;

अतः अतः, त्रञ्च विभिनियमं की धारा १६०-घ के अनुमरण के अधीन, निमालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- त्रे तथीन, निम्नलिकित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

- 1 मैसर्स एम० फो० गणात्रा एण्ड कम्पनी। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री ज दीजथ भी० मुथरेजा और श्रीमती बी० जे० मृथरेजा। (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहिया करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकार की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील स 30 दिन का अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हानी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मुख्ना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मन्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास लिखित में किए जा सकोंगे।

ह्यच्दीकरण:—हममें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हा अधिनियम. के अध्याय 20-क में परिभावित हाँ करी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुमुची

क्लैंट नं ए-203, जो, लबी स्पर अपर्थेनेंट, 2री मंदित, सर्थे नं 99, एचा नं 3, शांति ग्राश्चम के पास, एक्सार कोद्यिकी (प०), बम्बई-103 में स्थित है।

ग्रनस्ची जैसा कि न सं० ग्रई-3/37ईई/14261/84-85 और जो सहम शाधिकारी बम्बई द्वारा जिनांक 1-1-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मग दास, सक्षम ५र्गध्राची सहायक ग्रायकर श्रायुका(दिक्षण), ग्राजन रेज-3, बस्बाई

दि^{नांक}: 30—8—1985

भोहर 1

ोक्ष्य कार्ड, द_ि धर्म केंद्र

जायकर वर्षिनियम्, १९६१ (१९६१ का ४३) की धारा 269-ए के अधीन सचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायकः आयकर आयक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेज-4, ध्वर्द

बम्बई, दिनांक 30 प्राप्टन, 1985

निर्देश सं० श्रष्ट-4/37ईई/14465/84-85:---- अत: मुझ ए लक्ष्मण दास,

भागकर जिथिनियम, 1961 (1961 क्षा 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को , यह विकास करने का कारण है कि स्थावर पंपस्ति जिसका 'त्रिक्त शाकार मुख्य 1,00,000/- रा. में अधिक हैं

और जिसकी संख्या फ्लैट 3री संजिल पर,जो, कासा मरीना, कंदारपाडा रोड, बोरिवरी (प०), वस्वर्ड- 103 में स्थित है (और इसके उपादक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर शक्षिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम आधिकारी के कार्यालय में, राजस्दी है, नारीख 1-1-1985

को प्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करते का कारण हो कि यथाएक बित सम्पत्ति का उचित बाबार मुल्य उसके दश्यमान प्रतिकाल से एोसे दश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के कीच एमें अन्तरण के लिए तथ पाया गया पति-फल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अस्तरण से हार्च किसी आय की अन्तर उत्तर कीथ-जियम को मधीन कार दोने को अन्तरका को दायिका मी फारी कारन या उसम अधन मा मंबिधा का विष् THE VIEW
- (स) एसी किमी आय या किसी धन या जन्म आस्तिओं का, जिन्हीं भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, मा धन्-कोर अधिरियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया भादा किया जाना चाहिए जा, कियाने में सुविधः

 स्थः अवः उपल विविधित्तम का पातः १६५ प के नगान ग में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

47 -276GI|85

1. १५ड हन्स्डक्यम क्रम्यनी।

(भ्रन्तरक)

2. श्री की० एस० जन्हाण।

(म्रन्तरिती)

को यह सुधना बारी करके पर्योक्त जरूनीता की अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

उनत सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचर। की सामीस से 30 दिन की. अविधि, को भी अविधि बाध में समाप्त होती हों, को श्रीतर प्रवासिक चा वित्तयों भी में फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इ.स. सचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख है 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिल-बद्ध किसी बन्य स्पक्ति बनाय, अधोहस्तःकारी के पाष्ट िल्बित में किए वा सक्नें।

स्पष्टीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा एका परिसाधित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

फ्लैट 3री मंजिल, पर, जो, कासा मरीना, कंदार पाडा रोष्ट, बोरियली (प०), बम्बई-103 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम मं० अई-4/37ईई/ 14465/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-1-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक अध्यक्त च्याय्क्त (निरोक्षण) अर्जन रोज-4, बस्बई

दिनांक: 30-8-1985

प्रकल्प क्षाई. टी. एव. एव.

जायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-भा (1) के विभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, महायक बायकर बावुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, वस्वई

बम्बई, दिनांक 30 अगस्त, 1985

निर्देण सं० ग्रर्ड-4/37ईई/14712/84-85:—-ग्रत मुझे * लक्ष्म ग दास,

बाएका अधितियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 से के अधीन सक्षय प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- का से अधिक हैं

और जिसकी संख्या पर्लंट कं 1405, जो इमारत कं 57-58, थोगी नगर, एक्सार रोड, बोरियली (पा), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में बणित है), और जिसका करारतामा आयकर अधितयम, 1961 की धारा 269 के ख के अधीत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-1-1985 को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करत का कारण है कि यथापत्रीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल स, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बंकर का अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एम अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्नरण लिखित में बास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण मं हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, बौड/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम मा 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम मा धनकर अधिनियम मा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रस्टेन्सर्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिपाने में सविधा के निरा

कतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) क अधीतः निरुक्तिकार व्यक्तियों, अर्थातः :—

1. मैसर्स, विजय नगर कारपोरेशन।

(भ्रन्तरक)

2. श्री राम सिह ठाक्र।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्षन के विश् कार्यवाहियां क्र करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वन्त के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिउबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पार लिसित में किए जा सकेंगे।

स्थळींकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जा बैंक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ववा है।

ग्रन्सूची

फ्लैंट नं० 405, ओ, इमारत नं० 57-58 थोगी नगर, एक्सार रोड, बोरिबली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-4/37ईई/14712/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मग दास, सक्षम प्राधि तरी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज∼4, बम्बई

दिनांक: 30-8-1985

प्ररूप आहूर.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की अपन १५० के (1) में के जिस सूचना

भारत नरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आव्यक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 30 श्रगस्त, 1985

नियेश सं० श्र $\frac{1}{3}$ -4/37 ईई/14242/84-85 --- श्रतः मझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसफे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या दुहान नं 4, जो, तल माला, सस्यम इमारत, रायानी श्राम, सिम्पोली रोड, घोरिवली, (प०), वम्बई-92 में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और और पूर्ण रूप में विणित हैं), और जिसक करार-नामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 1-1-1985

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित आजार मृत्य से कम के स्थममान प्रतिकृत वे लिए अंतरित की शह है और मुक्ते यह विश्वास करने शहने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति आ उपित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिकृत से, एसे स्थमान प्रतिकृत का धन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत्क कृत निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण निम्मित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बाधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरफ के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (अ) एसी किसी जाय या किसी धन वा जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर जीभनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

जतः अथः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन. निय्त्रीलिंगन व्यक्तित्यों, अर्थात् :--- 1 श्री जमनादास दयालाल भोजाती।

(प्रन्तरक)

2 श्रीमती एम० जी० वाघेला और श्री एच० जी० वाघेला।

(ग्रन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काइ भी माक्षप .--

- (क) इस स्थाना के राजणश्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तिया में में किसी व्यक्तिय इसारा;
- (घ) इस मुचता के राजपत्र मां प्रकाशन की तारीच से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गांच लिए जा सकरेंगे।

स्पस्तीकरणः—इसमें प्रयुक्त पब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम देशभगव १०-क्रमी परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स् ची

दुकान नं० 4, जो, तल माला, मृत्यम इमारत रायानी ग्राम, मिस्पोली रोड, बोण्विली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रतुसूची जैसा कि के सं० श्रई-4/37ईई/14242/84-85 और जो सक्षम प्राक्षिकारी वस्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्श किया गया है।

> लक्ष्मण दास, क्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (किरीक्षण) श्रर्जन रेज-4, बम्बई

दिनांक : 30-8-1985

प्रथम बाह्यं ्रि. वृत्र ्युवा -------

आप्राकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा **269-च (1) के बचीन स्व**ना

भारत संस्कार

ार्यालयः महाएक बायकार नायका (निहस्तिका) प्रार्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 ग्रगस्त, 1985

संव् ग्रई-4/37ईई/4355/84-85:--- प्रत मझे, लक्ष्मण वास,

क्ष्य कर्णान्यक. 196! (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा १६०-स के बधीन सभज प्राधिकारी को यह विश्वास करने के काण्य है कि स्थावर सम्मस्ति, जिसका निष्य प्राची मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसवी संख्या दुकान नं० 2, जो, तल माला, ंविल धारा, देविदास रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-93 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और ग्रुफ रूप से विणित है), और जिसका करारतामा श्रायकर श्रक्षित्यम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

को प्रविक्त सम्परित को उचित बाजार मृन्य से कम के दरमान बितिफल के लिए अंतिरित की गई है और मुफे यह विकास करने का कारण ही कि यकापुलेंकित सम्पत्ति का उचित वाजार करने का कारण ही कि यकापुलेंकित सम्पत्ति का उचित वाजार करने का कारण के कि प्रविक्त का प्रवृद्ध प्रतिक्रत में अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरितिकों) के गीज एमें अन्तर्ण के लिए स्थ पामा का शिक्तन, निम्मतिखित उद्देश्य से उक्त कन्तरण कि जिल में शास्तिवक रूप से क्षित नहीं किया गया है म

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की गायता, उसत विध-नियम के मधीन कर दोने के अंतरक के वासिस्य में कमी अन्तर्भ मा उससे बचने में सुविधा के निए; बरि/स
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या बत्य बास्तियों का किसी भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धन-का विश्वित (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ﴿ अभोत्, भिम्नलि**बित व्यक्तियों, सर्वात् ट—**ः 1. बागजी जी० मेहता।

(अन्तरक)

2. श्री प्रवीण अमरतलाल वंसारा।

(श्रन्तरिक्षी)

को बहु सूचना बार्रा करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यकाहियों करता हो।

उन्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में खोर्ड भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की समिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वों बेट स्वित्यों में से किसी व्यक्ति दशारा,
- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिविस में किए वा सकोंगे।

स्वस्टोकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित्र है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दियी विधा है।

अनुसूची

दुकान नं० 2, ओ, तल माला, बिल धारा, देविदास रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-93 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि के सं० श्रई-4/37ईई/4355/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक <math>1-1-1985 को रिजस्टर्भ किया गया है ।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रार्जन रेज-4,बम्बई

दिनांक: 30-8-1985

प्रकप् बाई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत संस्कार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 सितम्बर, 1985 सं० ग्रई-4/37ईई/14702/84-85:—ग्रंत मुझे, लक्ष्मण दास.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं 702, जो, 7 की मंजिल, हरीओम श्रापार्टमेंटम, 'ए' एस० वी० रोड, बोरिवली बम्बई 92 में स्थित है (और इससे उपावद्ध श्रन्सूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारन मा श्राटकर श्रीटिन्यम 1961 की वारा 269 क ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्स्ट्री है, तारीख 1-1-1985

कर्ते पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में भास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है हि

- (क) अन्तरण स हाइ किसी साथ की सावत उक्क वीभिनियम के जभीन कर दने के अन्तरक के प्राधित्य मा कमी अपने या उसस शभने में सुविभ के प्लाए; और/या
- (क) इसी किसी भाग या किसी भन या कम्य कास्तिबाँ को भिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त प्रिथिनियम, या यन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया एका चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्री जयराज मेरूमल मंघानी।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती, हिस् चत्र जेयवाती।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जालंप —— (क) इस ग्नान के राजण्य में प्रकाशन की तारीख के 45 दिल की अविध मा तत्म खन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तिओं में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना व्हे राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपित्त में हिसबक्ष किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थळीक रण:---इसमे प्रयुक्त शब्धों और पक्षों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, बहुं। अर्थ हाता जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

म्मुमी

मर्थेट मं० 702, ओ, 7 बी मंजिल, हरी ओम अपर्ट मटम "ए $^{\prime\prime}$, एस० बीठ रोड, बोल्विली, बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि य सं० अर्ड-4/37ईई/14702/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्भ किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्राधुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनोक: 11-9-1985

भाहर:

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कत्यनियः, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजेन रेज-4, त्रम्बई

बम्बई, दिनांक 11 सितम्बर, 1985

सं० भ्रई-4/37ईहिह 14449/84-85:—-म्रत मुझे लक्ष्मण दास,

मारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या पर्नेट नं० 201, जो, योबेश्वर श्रीपा, सी० टी०एस० नं० 561 (अंश), एस० टा० रोड, बोरियला (प०), वस्वर्ष-92 में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध प्रमुद्धी में और पूर्ण रूप में बिणत हैं), और जिसका करार-नामा प्रायकर प्रदिन्यम 1961 की धारा 269 के, ख के प्रकीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्द्री है, तारीख 1-1-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रथमान प्रांतफल वें लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मूझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उधके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से जुक्त अन्तरण जिखित में अस्तिकल रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्नरण म हुद्दे किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियभ, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियभ, या धनकर अधिनियभ, या धनकर अधिनियभ, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए:

बतः अवः, उक्त शीधीनयम की धारा 269-य के बनुसदकः स्रो, स्रो, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को सधीन, निस्त्रीलिया स्पादितयों, अर्थात् :--- 1. मैसर्स बारा कन्स्ट्रक्शन्स ।

(ग्रन्तरक)

 श्री हुंगर मल भण्डारी उर्फ दिपक भण्डारी। (अन्तरिती)

का, यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चे 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच डे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्मर्ब्दिकरण:---इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित -ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

फ्लैंट नं० 201, जो, योगेश्वर दिया, सी० टी० एस० नं० 651 (अंग), एल० टी० रोड, बोरिवली (प०), बम्बई 92 में स्थित है।

ग्रनुमूची जैसा कि क्र सं० ग्र $\frac{1}{3}$ $\frac{1}{3}$ $\frac{1}{1}$ $\frac{1}{4}$ $\frac{1}$

लक्ष्मण दाम, सक्ष्माप्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-4, बम्बई

दिनांक: 11-9-1985

प्रकप आहाँ . टी . एन . एस . ------

भायकर अधिनियम, 1931 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

भारत शरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, ई

बम्बई, दिनांक 11 भितम्बर, 1985

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या पलट नं० 402, जो, 4 थीं मंजिल, योबेण्वर कीपा, सी० एस० टी० नं० 51, (अंग), एस टी० रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका करारनामा प्रायकर अधिनयम 1961 की धारा 269 के खे के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी की कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

को प्रवेकित सम्पत्ति के उक्षित आजार मूल्य से कम के क्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उक्षित आजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह ५िएफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (कां) अन्तरण से हुई किसी साय को बाबर, उच्या अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक औ दायित्व में कसी करने या समसे बचने में अधिभा वो लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं से समिधा के लिए:

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगों, अधीन :---

1. बारा कन्स्ट्रक्शनन्स।

(ग्रन्तरक)

2. श्री मनसूखलाल के० ल्हार और प्रन्य।

(भ्रन्त(रती)

का यह सूचना जारी करके पूर्विकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र मो प्रकाशन की मारीख से 45 दिन की अविध या तत्मम्त्रन्थी व्यक्तियों पर स्थान की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पन्नीकरणः ----इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिशा

मन्त्र्यी

फ्लैंट नं० 402, जो, 4धीं मंजिल, विशेषर योकीषा, सीठ एसठ टीठ नं० 51 (अंग), एलठ टीठ रोड, बोरिवली (प०), बम्बई—92 में स्थित है।

श्रामुची जैसा कि क सं० श्राई-4/37ईई/14 92/84-95 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक <math>1-1-1985 को रिजस्टर्श किया गया है।

लक्ष्मण दास, सदाम प्राधिकारी, सहायक स्राधकर प्रायुक्त (निरीक्षण), स्रजीन रेज-4, अम्बई

दिनांक: 11-9-1985

मोहर ः

५ कम बाहा टी. एम. एस ----

कायकर ऑभनियम, 1961 (1961 का ४३) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भागम भारकार

कार्यालय, महायक आयकार शायक्त (निरीक्षक) श्रर्जन रेज-1, बम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 28 ग्रगस्त, 1985

निवेश सं० ग्रई-4/37ईई/14263/84-85:—-ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थातर सम्पत्ति, जिसका उजित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी संख्या दुकान नं० 35 और 36, जो, 1 पल गांपिंग मेंटर किम मसेय "बी' इमारत, चन्दावरकर रोड, कोरियली (प०), बम्बई-92 में स्थित हैं (और इससे उपा-बस्न श्रनुसूची में और पूर्ण हप में वर्णित हैं), और जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिक्षित्तयम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्ट्री है, तारी द 1-1-1985

की प्रविक्त सम्परित के लिचत बाजार मूल्य सं कम के ध्रयमान प्रितिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य., उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंसरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया बितिफल कि निम्मिलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किचित में बास्तिवक कर स करियन स्री किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अकेर/गः
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता साहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मितिकार क्योंनिय अधीन :---

1. मैसर्भ प्रयास लैकोरेटरी।

(ग्रन्तरक)

2. श्री बसन्त लाल भाई भाई चन्द्रभाई प्रजापति और श्रत्य (श्रन्तरिती)

को यह सुमना नारी करनी पूर्ताकत सम्माल के अर्जन क दिनिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी **बाक्षेप** ---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की संविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूजना की तामील स 30 दिन की अविध, जो भी सविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टें कत व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्थान के राजभन में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीएर उब्हा स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वयाकरणः ----इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का. को उक्त अधिनियम के अध्याय. 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय भें हैं देशा वक्षा हैं।

मन्स्ची

दुकान नं० 35 और 36, ओ, पटेल शापिग सेंटर, प्रिमावसेस ('ब "६मारत, चन्दावरकर रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि के सं०, ग्रई-4/37ईई/14243/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई छारा दिनांक 1-1-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, राक्षम प्राधिकारी सहायक श्राथकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेज⊶4, अस्बई

दिनांक: 28-8-1985

मातुर् ;

श्रुव्य बाह्ं टो., पुन्, पुन्, पुन्,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्चना

नारत् सरकार

कार्याक्य, सहायक आयकर आयुक्त (निदीक्षण)

प्रर्जन रेंज-4, बम्बर्ध बम्बर्ड, दिनांक 29 ग्रगस्त, 1985 निर्देश सं० ग्रई-4/37ईई/14543/84-85:---ग्रतः भुक्षे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'जनत अधिनियम' कहा गवा हैं), की भारा 269-च के अधीन सकाम शिथकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित्त, जिसका दिन्ता बहनार मृश्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या दुकान नं० 11, जो, तल माला, समर्पन "बी" इमारत, बौलत नगर रोड नं० 3, बोरिवली (पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इससे उपावल प्रदुम्नी में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधान बम्बई स्थित 'बिकम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अधिक बाजार बृश्व, असके स्वयमान प्रतिफल को एखे स्वयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत जिथक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिकों) के बीथ ऐसे अन्तरण के निष्ट तय बाबा नया प्रतिफल, निक्निसिक्त उच्चेक्य से उच्न बंकरण कि बिक्त में बास्तिक रूप से किन्त नहीं किया स्था है प्रत्य

- (क) बन्तरण सं धूर्य किसी नाम की नामस्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने से अक्सरक के बावित्य में काकी करने ना उन्हों नमने में सुनिया से सिए; औरु/ना
- (क) एसी किसी जाय या किसी थन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय ताय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्वा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा को लिए;

अत: अस, छक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन कियमितिबत व्यक्तियों, वर्धात :——
48—276GI|85

1. मैसर्स एस० ए० कन्द्रैक्टर।

(ग्रन्तरक)

2. श्री उमेशकी जी० श्रगरताला।

(ग्रन्तरिती)

को बहु बुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सन्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप हन्न

- (क) इस सूचना के ट्राज्यन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की समित या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की समित, जो भी अविध साथ में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त स्थापन स्य
- (ब्) इस स्थान के राज्यक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर सम्पत्ति में हित- ब्युथ किसी बन्य ब्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पक्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शस्दों और पदों का, जो उन्हर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अथ होगा, जो उस अध्याय स्परिया गया है।

भनुसूची

हुकान नं० 11 ओ, तल माला, समर्पन "बी" धुमारत, बौलत नगर, रोड नं० 3, बोरियजी (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

श्रातुमुची जैसा कि के सं० श्रा $\frac{1}{3}$ $\frac{1}{5}$ $\frac{1}{3}$ $\frac{1}{5}$ $\frac{1}{3}$ $\frac{1}{84}$ $\frac{1}{85}$ और जो सक्षम श्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक $\frac{1}{1}$ $\frac{1}{1}$ $\frac{1}{1}$

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राक्षिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-4, बस्बाई

दिनांक: 29-8-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आहू^र. टी. एन. एस्।.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज 4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 अगस्त, 1985

सं० म्राईर 4/37ईई/14587/84-85:---म्रतः मक्षे, लक्ष्मण वास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 7, जो, 3री मंजिल, "जय श्री प्रपर्टमेंटस', जय राज नगर, बिह्मरा नाका, बोरिवली (प०)में, बम्बई-92 में स्थित हैं (और इसस उपावक प्रतुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारन मा श्रायकर धार्धिनयम, 1961 जी धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-1-1985।

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- '(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविश्या डूड सिए; और∕या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— 1. भैसर्भ जय राज बिरुडर्भ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री मंगेश एम० देसाई।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितु, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्यो

पलैट नं० 7, जो, 3री भंजिल, "जय श्री श्रपार्ट मेन्टस)", जय राज नगर, बिक्षरा नाका, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० ग्रई-3/37ईई/उ4587/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ज किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी,• सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 28--8--198**5**

मोष्ठर 🤌

प्रकृत वार्षं , श्री , एव , एक , , -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-म (1) के मभीन स्मना

नाहत जरकार

आर्यानय, सहायक भायकर भायक्त (निर्देशक) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई-, (दर्नांक 28 अगस्त 1985

निर्देश सं० श्रई-3/37 ई ई/14422/84-85—यत., मुझे, लक्ष्मण दास,

नामकर नौपनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इतमें इसके पश्पात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-चु के नधीन सक्षम प्राधिकारी को वह निश्वास करने का कारण् हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसको सं ० फ्लैट नं ० 123, जो, छटा मंजिल, "सुग्रा श्रापार्टमेंट", विद्यार नाका, बोरिवर्ला (प), हैं, तथा जो बम्बई-92 में स्थित हैं (श्रौर इसने उपाबद्ध श्रनुसूत्रा में और पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम 1961 की धारा 269 कु ख श्रधीत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार। के कार्यालय में रिजस्ट्रा हैं, तारोख 1 जनवरो, 1985

का पूर्वोक्त सपस्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रितृप्त के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के कीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक क्य में किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरक संहुदं किसी बाय की बायत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिखा में कमी करने या उससे बचनं में सुविधा के रूतए; और/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्रोमती बीना देवगन श्रीर श्रन्य।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती हसुमती भानू चढ़ शहा श्रीरं श्रन्य । (श्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप हुन्न

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की मनीम या तत्संबंधी व्यक्तिहरों पर स्वता की ताबीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उचत स्थानर सम्परित में हिता-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी कें पास लिखित में किए का सकांचे।

स्यष्टिमिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्यार 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या ग्या है।

वन्त्रची

पर्लंट नं र 123 मंजिल, "सुर्गा≀का श्रपःर्टमेंट". विद्यार ना ा, वोरियल: (प), वस्वई-932 में स्थित है ।

अनुभूको जैसा कि क्र० सं० द्याई-4/37-ई ई/14422/84-85 फ्रींश जो अजन प्राप्त कारा, बस्बई द्वारा दिनो रु 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सञ्जय प्राधिताराः सहायक आयकर आयुक्त ("नर क्षण) अर्जन रोज-4, बस्बर्ध

可艾爾 : 28-8-1985

बोहर 🛭

प्रकृष बाह्⁸, टी., एन. एस्.-----

नामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीत स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्ज न रेंज-4, बम्बई

बस्बई, दिनांक 28 श्रगस्त 1985

निर्देश सं० भाई-4/37-ई ई/14531/84-85- • रहः, मुझ स्थमण धारा

शायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन इसमें इसके क्षित्र, 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की अारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, खू विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका ः चित वाजर मृक्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी संव्यक्तैटनंव 192, डो बी-विंग, हपारत 3, माँजावाल भ्रपार्ट मेंट, बोरिजल: (प), है, तथा जो बगाई-932 में स्थित है (शीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचें) में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क ख के अधेत, सक्षम प्राधिकारी के पार्यालय में रजिस्ट्रें है, नारीख 1 जनवरी, 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफान के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मूल्य उसके शृश्यमान प्रतिकल है, ऐसे वृश्यमान प्रतिक सका अन्तर्शिक्तिकत से प्रजिक है बोद कन्तरक (अन्तरकों) और सन्तरिती (सन्तरितियों) के बीच पेसे अन्तरक के लिए तय पाया चया प्रशिक्त किन्निसितित उद्देश्य से उन्त सन्दरण निस्तित में वास्त्रविक इप से सन्तित वहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त किंधिनयम के अभीन कर दोने की अन्सरक वो अधिरूक में कमी करने या उससं अचने में सुविधा के लिए; बाँड/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अिनिवस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) औं प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, दिलाने में स्विभा के जिए; वरि/वा

भार अस् अस्य वर्षभानियम को भारा 269-ग अर्थ अनुधरण मों, गीं, उक्त अधिनियम को भारा 269-व्य अपधारा (1) को अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- 1. श्री किशोर कुमार कांतीलाल सोनी
- (मन्तरक)
- 2. श्री ग्रशोक कुमार वाडीलाल शहा

(भ्रन्तरितो)

को यह तुमना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के क्षियु कार्यवादियां मुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षात के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र 🚈

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की दारीश है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों बड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तिवाँ में से किसी व्यक्ति बुवादा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विदन व्हंभ किसी मृत्य व्यक्ति द्वारा, अभाहस्ताकारी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त कव्यों बीट पदों का, को अवस विभिन्नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याप में दिवा क्या हैं।

प्लैटनं व 192, जो, बी-विंग, इमारत 3, गांजावामा ग्रपार्टमेंट, बोरिवली (प), बम्बफ़-92 में स्थित है ।

अनुसूचो जैसा कि ऋ० सं० आई-4/37-ईई /14531/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निर्राक्षण) स्रर्जन रेज-4, बस्बई

तारीख : 28-8-1985

 $P \bigoplus T$

क्रम्प अर्ह्निको <u>। प्रस्तु सुक्तान</u>्यस्थान

बायकुष्ट वृष्टिन्वम्, 1961 (1961 का 43) की पाछा 269-प (1) के वर्षीन क्यान

भारत सरकाड

कार्यासयः, सहायक वायकर वायुक्त (निर्राक्तिक),

श्रर्जन रेंज-4, बम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 28 ग्रगस्त 1985

निर्देश सं० म्राई-4/37-ई ई/14632/84-85—यतः, मुझे, लक्ष्मण दास,

नामकर निर्मानयम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्नात् 'उक्त निर्मानयम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्तम प्राधिकारी को,, यह निर्मास करने का कारण हैं कि स्थानर संपत्ति जिसका उपित नामार मृत्य : 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संबब्धाए नंव 17, जी, मेघना श्रनार्टमेंट, विधरा नाका, गोरिवला (प), है, तथा जी बम्नई-92 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुमूचा में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिस हा करारनामा श्रायकर धिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधोन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्या जाय में रजिस्द्री है, तारीख 1 जनवरी, 1985

को पृशांक्त संस्पत्ति के उपित भावार मृत्य रं कम के क्यमान हितक के सिए बन्तरित की पह है, बीर मुक्के यह विश्वाद करने का कारण है कि वृथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित वाचाइ वृक्य, उसके क्यमान प्रतिकत्त से ऐसे क्यमान प्रतिकत्त का पंद्र प्रतिकत्ति से अभिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (बन्तरित्यों) के बीच एचे अन्तरण के निष् तव पावा नृद्ध हिक्क, निक्तृतिविद्य जहुवरक से अक्त वृत्युरण कितिह्व वी पास्तिक रूप से कथित नृत्युरण के सिंहर क्याप्त कितिह्व वी पास्तिक रूप से कथित नृत्युरण कितिह्व

- (क) अन्यत्रक के हुन्दे निवासी आव्य करी भाष्य जनक व्यक्तिक निवास को वाणील कर वाले के समायक को दासित्य को काली कारने वा उन्तरे नावने को नृतिका के लिए; वीप/वा
- (व) ऐसी किसी जाम वा किसी धन या बन्न आस्सिओं, को, जिन्ही भारतीय नाय-कर गिंधनियन, 1922 (1922 का 11) वा उन्त जी धनिवस वा प्रकार क्षित्रियन, 1957 (1957 का 27) से प्रवोधनार्थ क्षित्रियन, विभाग प्रकार नहीं किया प्रवाधी या विका क्षाना काहिए था, कियाने में क्या प्रवाधी हैं सुष्

जल: अब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग कें, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) कें अधीन, निस्तिखिख व्यक्तिस्क्रें अव्यक्ति क्र— 1. के० टी० कन्स्ट्रक्शन्स

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती मंगल एल० मेहेंदरे

(ग्रन्तरिता)

की यह स्वान जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति को अजन को हैंसए कार्यवाहिया सुरू करता हूँ। उक्त सम्मत्ति को वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाई/प ह—

- (क) इस ब्रांचा के राजपम में प्रकार की ताड़ीय है . 45 दिन की बदीभ ना उत्संबंधी व्यक्तियाँ प्र त्यान की तामीन से 30 दिन की अवधि, यां भी अधिभ नाम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्वमित्वों में ने किसी अधिस ब्रवाड़ा;
- (च) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित व बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के शक्ष निविद्य में किए या सकेंगे।

स्वच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों कर, थो उक्त अधिक नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुरी वर्ष होगा, को उस अध्याय में विया गवा है।

वनुसूची

ब्लाक नं । 17, मेघन। श्रपार्टमेंट, विद्यास नाका, बोण्विली (\mathbf{q}) , बम्बई-92 में स्थित है ।

म्रनुस्कः जैसाकि क० सं० म्राई-4/37-ई ई/14€32/84-85 भ्रीर जो सप्तम प्राधिकारोः, बम्बई द्वारा दिनांक 1-:-1985 को रिजस्टर्ज िया गया है ।

> लक्ष्मण दास नक्षम प्राधि ारी महायक आयकर श्रायुक्त (निराक्षण) श्रर्जन रेज-4, बम्बई

ताराख : े9-8-1985

मोहर 🛭

प्रस्प बाइं.टी.एन.एस-----

कायकर क्षिनियम, 1961 (1961 व. 43) की भाग 269-घ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-4. बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 श्रगस्त 1985

निर्देश स० ब्राई-4/37 ई ई/14250/84.85- -यतः, मुझे. लक्ष्मण दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् जिक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह फिरवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,06,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकः सं० फ्लैंट नं० 501, जो, पांचवीं मीजल राज भवन ग्रपार्टमेंट, एल० टं१० रोड़, बोरिवर्जः (प), है, तथा जो बस्बई-92 में स्थित है ग्रीर इसमें उपायद्व ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामः श्राचः र श्रिधित्यम 1961 की धारा 269 की उप धारा व ख के ग्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालर में रिजस्ट्री है सारीख 1 जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफान के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उवित बाजार मूख्य दसके श्रयमान प्रतिफल से, एके दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिमत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के जिए तथ पाया गया वित्रका, निम्नीमिकत उद्वोधन से उक्त अन्तरण कि सिविच मूँ वास्तरिक रूप से किया नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय श्री बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुकिधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन 4: अन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकानहीं किया गया था मा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

बत अब, उक्त अधिनियम की धारा 2€9-ग के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधिन, निम्नलिसिए अक्तियों, अधीत् —

- 1. श्र/मतो शांताबोन डी० मिस्त्री ग्रीए ग्रन्य (ग्रन्तरक)
- 2. श्रो प्रशोक डो० मिस्त्री

(प्रन्तिरतः)

का यह स्पना जारी करकं पृत्रों क्ल स्पृति हु के अअन् का लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के बर्चन के सम्बन्ध में काई भी आक्ष्य:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि साद में समाप्त होती हो, के भीशर पूर्वित क्यं क्त्रयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारीख से '45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध मिसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षर के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रवृक्त कान्यों और नदों का, जा उक्त जियाम की अध्याय 20-क मा नीरभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 501, जो,पांचवी भौजिल, राज भवन श्रपार्टमेंट, एखा टा० रोड़, बोरिवला, (प), बस्बई-92 में थिया है।

श्रनुसूची जिसकी भ० सं० श्रई-4/37-ई ई/14250/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को एजिस्टर्ड किया गया है ।

> ाक्ष्मणदासः सङ्गयः गान्धिः । र. सहायकः भ्रायकरः अञ्चलकः (निर्मक्षण) भ्रजनं रोज-५ वस्बर्धः

हार्राच : 28-8-1985

मोहर ः

प्ररूप बार्च हो हो पुनल पुराल ध = = ====

कायकर अधिनियम, 1961 (1**961 का 43) की** भारा 269-व (1) के वभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायकत (निर्काश)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 अगस्त 1985

निदेश मं अई-3/37ईई/14330/84:85---अतः मुझें लक्ष्मण दामः

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पर्णात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, कि. धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीप जिस्की संव फ्लेंट नंव 10, जो ए-विंग, बोरिवरी राजण्याम कीव श्रापक हाउसिंग सोसायटी लिव "एफ" प्लाट विण्वमंगलम हाउमिंग कालोनी, एकसार रोड़, बोरिवरी (प), बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर श्रीर पूर्ण कर ने विण्त है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिवयम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1-1-1985 को एवंकिन संपत्ति के उम्बंद भाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, जिम्मलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी वाय की वावतः, उनकः अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व ा अधी करने वा उचने वचने ही सुद्धिया के निष्कः जौर/या
- (ख) एंनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोख-नार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियादे में सृतिभा के जिए?

अलः अट, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग **में जनसरण** में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) डे क्यीन निम्नसि**सित स्वीक्तर्यों, हर्ीत डे**— (1) तिलक वि० अमीन ।

(अन्तरक)

(2) श्री चित्रेश के राजपूत श्रीर अन्य।

(अन्तरितो)

को <mark>यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन कें लिए</mark> कार्यवाहिया करता ह**ें**।

उन्तर सम्पत्ति के अर्जन को संबंध में कोई भी नाक्षेप ⊪--

- (क) इस श्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 रिन की अविधि या तरसम्बन्धी क्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के एस अवित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरण ----इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

प्रनुसूची

फ्लेट नं 10, जो, ए-विंग, बोरिवली राजरत्नम को० ग्राप० हाउभिंग सोप्तायटी लि०, "एफें प्लाट विश्वमंगलम हाउभिंग कालोनी एउट्यार रोड्,बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैक्का कि ऋ० सं० अई-3/37ईई/14330/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्थई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रिजन्धई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊶4, बम्बई

दिनांक : 30-8-1985

प्रकृषः हार्<u>ष</u>्ट्रीः एवः एस<u>ः , ---</u>-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन सूचना

भारत सूर्यका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 अगस्त 1985

निदेश सं९ अई-3/37ईई/14613/84-85—अत: मुझे लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सभग्न प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

को० स्रोप० हाउसिंग सोक्षायटी लि०, एस० वि० रीड़, बोरिवली, (प), बम्बई-92 में स्थित है (स्रीर इस्मे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौ पूर्ण रूप से वर्णित है) स्रीर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, नारीख 1-1-1985

को पूर्वोक्त सम्बत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए जंतरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत स रिक्क है और अंतरक (जंतरिकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय थाया गया प्रतिफल निम्निलिक्ति उद्योग से उक्त अंतरण सिचित के बास्तिक क्य से किया नहीं किया गया है:—

- (क) वन्तरण सं हुइ किसी बाय की बायत, उक्त अर्थिनियम के वधीन कर दोने के वंतरक के शिमित्व में कभी करने या उससे वख्ये में सुनिधा अ लिए; बॉर/बा
- (ख) एमी किसी आय वा किसी भन या अन्य वास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या अन-कर विभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ध्वारा प्रकट नाहीं किया ग्या था या किया बाना वाहिए वा, किया सिव्या के विषय;

अक्ष: अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की लपधारा (1) हे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्र- (1) मेनर्स फेन्सी कार्पोरेशन लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्री मुकेश एन० शहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति से अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ह—

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व ते 45 दिन की जबाबि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तानील से 30 दिन की अविध, जो भी विषय सक्त में स्मान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी स्वक्ति इतारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन हो और उक्क स्थावर सम्पत्ति में हितवह्म किसी अन्य व्यक्ति वृत्ताय, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किये वा सर्वीभी।

रनवाकिरण:--इसमें प्रयुक्त कृष्यी और पर्यो का, वो उनत वृद्धियम् के मध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वृष्टी होगा वो उस मध्याय में दिवा

फ्लेंट न $^{\circ}$ 16, जो 2री मंजिल, श्रोम सदन को० श्रोप० हाउसिंग सोसायटी लि०, एस० वि० रोड़- बोरिवली (प) अम्बई-92 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-4/37ईई/14613/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लब्भण दास सक्षम प्राधि कारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज−4, **बम्बई**

दिनांक : 30-8-1985

(1) श्रीके०एस०ठाकूर । प्ररूप आर्हे.टी.एन.एस.----

(अन्तरक)

(2) श्रीमती भूरजहान णिराज खान ।

(अन्तरिती)

आगय और अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3 बम्बई बम्बई, दिनांक 30 अगस्त 1985

निवेश सं० अई-3/37ईई/14754/84-85-अत: मुझे लक्ष्मण दास

अगयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे परकार् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अवीग सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि रशवर संपीत जिसाका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक **है**

भ्रीर जिसकी सं० फ्लेटनं० 801 जोतल माला, विग-सी, अल्का एम्सार विलेज, सर्वे नं० 208, एच० नं० 2, सी टी० एम० नं० 2246 बोरिवली, (प), बम्बई-92 से स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित ह प्रौर जिसका करारनामा आयक्तर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

वा पूर्वीकः, संम्पीत्त के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण 👸 कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पैक्क प्रतिइत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ए^२सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-क्र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गथा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269- घकी उपधारा (1) के अधीन, निकालिक्षर व्यक्तियाँ, अर्थात् : 49-276GT|85

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीय से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्परक्षीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेंट नं० 801, जो तल माला, विग⊸मी, अल्का भूवन एक्साप विलेज, सर्वोनं० 208, एत्र०नं० 2, सी०टी०एस० नं॰ 2246, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि ऋम सं० अई-3/3/ईई/14754/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम पाधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण डास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 28-8-1985

मोहर अ

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 अगस्त 1985

निदेश मं० अई-4/37ईई/14224/84-85--प्रतः मुत्रैं। लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

ष्मौर सकी सं० फ्लैंट नं० 103, जो, पहली मंजिल, ए विंग, प्लाट भं० 14, 19, सिटी सर्वे नं० 13/15, 13/21, देसाई भौर शेठ नगर, आफ एस० विरू रोड़, पोईडर वस डिपो के पास, बोरिवली (प), वस्वई में स्थित हैं (प्रांर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित हैं) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की द्वारा 269क, ख के अधीन बस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 1-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) एनी किसी जाय या किसी पन वा अन्य आस्तिव्यू को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्पा के दिखा,

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

(1) मेसर्स अरहिंत ईटरप्रायसिस ।

(अन्तरक)

(2) श्री नैतमलाल बी० शहा स्रौर जे० एम० शहा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्यक्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो धणक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिके हैं, तहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्थी

फ्लेट नं 103, जो पहली मंजिल, ए—र्बिंग, प्नाट नं 14, 19, सिटी सर्वे नं 13/15, 13/21, देसाई शेठ नगर, आफ एस॰वि०रोड़, पोईसर बस डिपो केपास, बोरिवली (प), बस्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-4/37ईई/14224/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई क्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राघि तारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–4, बम्बई

दिनांक : 30-8-1985

मोहर ः

प्रस्य ब्राइंट टी., हुन्ट हुन्छ क्राव्यानकार

आयकर अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासंय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाक 28 अगस्त 1985

निदेश सं० अई-4/37ईई/14340/85-85—अत: मुझे लक्ष्मण दास

श्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अभिनियम' कहा पया हैं) की भारा 269-ज के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अभिक हैं

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि, जो सर्वे नं० 16, एच० नं० 1, सिटी सर्वे नं० 86, विलेज बोरियली, विश्वरा विलेज, के पीछे, बोरियली, बम्बई में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप सेविणत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

का विश्वांक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के सिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने भन्न कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पल्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्गे) और अतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिचित उद्वेश्य से उत्तरण निचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ६—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त आधिनियम की अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सृविधा को लिए; जॉर/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, १९५७ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया यया था विस्था जाना काहिए था, छिवाने में सुर्विधा के लिए:

जत अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण झैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) डो अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ःक (1) श्री केणरीनाथ महादेव भंडारी।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स डी० के० एन्ड एसोसिएटस । (अन्त रिती)

को यह सुचना जारी करुके पूर्वीक्स सम्पत्ति के वर्षन के तिथ् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी ह से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी विषयि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कुवारा;
- (च) इस सुचना के राजपण में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे

स्पर्काकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जे उस अध्याय में विद्यागया है।

जन्**स्**ची

कृषि भूमि, जो सर्वे नं० 16, एच० नं० 1, सिटी सर्वे नं० 86, विलेज बोरियली, विक्ष रा विलेज के पीछे, बोरियली अम्बई में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि ऋम सं० अई-4/37ईई/14340/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बग्बई द्वारा दिनाक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधि हारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

दि नाक: 28-8-1985

प्ररूप आइ. .टी. एन . एस . -----

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वृधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बर्ष बम्बर्ष, दिनांक 28 अगस्त 1985

निवेश सं० अई-4/37ईई/14677/84-85---अतः मुझें लक्ष्मण वास

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 1,00;000/- रु. से अधिक है

भौर जियकी सं० 'सखी निवास", जो कार्टर रोड़ नं० 2, प्लाट नं० 45ए, टीं० पी० एस० -2, बोरिवली (पूर्व), बम्बई में स्थित है (भीर इससे जपाबद्ध अनुसूची भौर पूर्ण रूप सेविणत है) भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की यारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के शरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के खिराय कें अभी करने या समसे वक्तने में स्विधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कों, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

ज (1) जे० एस० विजर ग्रीर अन्य।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स एवरेस्ट बिल्डस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के जिल्हा कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उँकैत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सखी निवास, जो कार्टन रोड़, नं० 2, प्लाट नं० 45ए, टी० पी० एस० 2, बोरिबली (पूर्व), बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क्रम मं० अई-4/37ईई/14677/84-85 स्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बई

विनांक : 28-8-1985

मोहर

प्रकृष् नार्य हो पुत्र एव , ----

बायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना बाह्य सरकार

कार्याजय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 अगस्त 1985

निदेश स० अई-4/37ईई/14683/84-85--भः मुचे लक्ष्मण दाम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं आफीस नं 19, जो, 1ली मंजिल, गोयल गापिंग सेंटर आकेंड, एस० वि० रोड़ और एल० टी० रोड़ बोरिवली (प) बम्बई-92 में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित हैं) भीर जिसका करार नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के भागलिय में रिजस्ट्री हैं तारीख 1-1-1985

की पूर्विकत सम्परित के उचित बाकार मृन्य से कम के क्यामान है तिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथ अविकास संपरित का उचित बाजार मृन्य उसके दृष्यमान प्रतिकार से एसे दृष्यमान प्रतिकाल का पंद्रह प्रतिकार से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निस्थित उद्देश्य से उसत अन्तरक जिल्ला के निस्त स्था गया प्रतिफल, निम्निस्थित उद्देश्य से उसत अन्तरक जिल्ला के बीच एसे अन्तरण के लिए तम

दायित्व में कभी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; और/या

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबस, उवत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के
- एसी किसी आय था किसी धन या अन्य आस्तियों करो जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वे निए;

जतः अस उक्त अभिनियम की भारा 269- क के अनुसरक में, मैं,, उक्त अभिनियम की भारा 269- क की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसियन व्यक्तियों, अभीत :---

(1) मेसर्स साईनाथ बिल्डसं ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स रिद्दी सिद्धी जनसद्रवानस ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्मत्ति के अचन के लिए कार्ववाहियां करता हुं ।

जबल संपत्ति को अर्थन को संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस मुखना के राजपत्र मा प्रकाशन की सार्याच स 45 विन की सर्वाच मा तत्संबंधी स्पक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की सर्वाच, जो भी सर्वाच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंक्त स्वविक्तयों में से किसी स्योकत दुषारा
- (क) इस स्वता के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्तित में किए जा सकते।

स्यब्दीक रणः — इसमें प्रयुक्त कर्कों और वर्षों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

आफीसनं 19 जो 1ली मैंजिल गोयल णापिंग आफेंड एस०वि० रोड़ और एल०टी रोड़ मोरिवली (प) बम्बई-92 मेंस्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि फ्रम सं० अई-4/37ईई/14683/ श्रौर 84-85 जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जं न रेंज-4 बम्बई

दिनांक : 30-8-1985

CZ- 10-02-MARKATHARAGE

प्रका बार्ड , दी , एव . एव . ------

(1) गोयल अदर्स।

(अन्तरक)

कायकर गिंधतियम, 1961 (1961 का 43) की भक्त 269-म (1) वे क्षत्रीन म्लना

बारत बहुकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (विरक्षिण)

अर्जन रेज-4 बम्बई

बम्बई दिनाक 30 अगस्त 1985

निश म० अई-4/37ईई/14502/84-85--अत. मुझे लक्ष्मण वास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परुपात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पर्तिः, विसक्त जीवल बाबार मूस्य 1,00,000/-छ. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० आफीय न० 132 जो 1ली मजिल गोयल शार्पिंग आर्केंड एल० टी० रोड बोरियली (प) बम्बई-92 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुमूची में ग्रौर पूर्ण रूप विणत हैं) ग्रौर जिपका करारतामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ख क अधीन बम्बई स्थिन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी हैं तारीख 1-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित वाजार बूल्प से कम के उत्यमान प्रतिफान के सिए अंतरित की गई हैं और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार बूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफान में एमे द्रम्यमाग प्रतिफान का बल्द्य प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंदरकाँ) वीर अंतरिती (अन्तरितियाँ) के नीच एसे अन्तरक से किए तब पाया अभा बतिफान, निम्मलिखित उप्रोक्त से उक्त बन्तरण किकित में बाह्यक्रियक रूप से कथित महाँ किया गया है "---

- (क) शन्तरण ते हुई किसी नाव की बाबत, उक्त श्रीभिनियम के वर्षीय कर दोने के शन्तरक के वाण्यिक म सभी करने या उससे वक्ते में सुविभा के निग् श्रीक्र/गा
- (क) ऐसी किसी जाव या किसी अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम सा भन-कर अधिनियम सा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था कियाने के सुविधा औं सिए:

कत वय. उक्त विधिनियम की धारा 269-म के अन्मरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात --- (2) डा डी० जी० पालकर ग्रौर श्री विजय डी पालकर। (अन्त रि

को यह सूचना बारा कारके पुर्वेचित संपरित के अर्थन के निर्दे कार्यवाहिया कारता

उक्त सम्परित के वर्षन के संबंध में कोई भी बाम्रोप---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकासन की तारीस से 45 दिन की जबीप या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषेक्ति स्पिक्तिया में से किसी व्यक्ति इसारा
- (क) इस स्पना के राजपण में प्रकाशन की तारीं है के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्र विकास किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

क्यव्यक्तिरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यो

आफीस न० 122 जो श्ली मजिल गोयल शापिंग आर्केड एल० टी० रोड़ बोग्विली (प) बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम स० अई-4/37ईई/14502/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकरआयुक्त (निरीक्षण) अर्जैन रेज-4 बम्बई

दिनांक : 30-7-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज बम्बई

बम्बई दिनांक 10-9-1985

निर्देश सं श्रर्ष-4/37-ईई/14688/83-85--- अतः भूसे, लक्ष्मण दास ।

जायक्षर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाचार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या जभीन का हिस्सा, जिसका सर्वे नं 525 सी टी एस नं 497, श्विनेज कान्हेरी फायनल फ्लाट नं 31, टी पीर्एम 2 के अंटर वीरिवली, बम्बई स्थित है (और इससे उपाबब अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है)। आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 क खके अधीन बम्बई स्थित सक्षम आधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उपित धाजार मृन्य से काम के स्वयंता प्रतिफल के लिए जन्तिरत की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवाकत सम्मत्ति का उपित वाकर मन्य उमक दृष्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयंमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्षित उष्टबच्य से उक्त अन्तरण लिकिन में कास्तिक कप से कथिस नहीं किया गया है:——

- (क्ष्णे अन्तरण संबुद्ध किसी नाथ की बावत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक की वामित्य में कभी करने वा उसने बचने में सुविधा की निष्; और/बा
- (ध लगी जिसी आय का किसी धन या कस्य कारिसकों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अस. अब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के जनसरण म, में, उक्त जिथिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों जथर्मत :— (1 श्रीमती ताराभाई जमनादीस ।

(ग्रनरेक)

(2) रिश्ववी पाउन्हेशन।

(ग्रन्तरिती

को यह सूचना जारों करके पूर्वोंकत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां **शुरु** करता हु-।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की भविध सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , जां भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख खें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पृतों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

जमीन का हिस्सा, जिसका सबें नं० 525 सी० टी० एस० नं० 497, विहलेज कान्हेरी, पायनल प्लाट नं० 31 टी० पी० मी० नं० 2, के अन्दर, बोरिवली बम्बई मे स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ऋई-4/37ईई/ 14688/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मणृ दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रंज-4 बस्बई

दिनॉक . 10-9-1985

मोड्डर ध

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-4 अम्बई

बम्बई दिनांक 30 श्रगस्त 1985

निदेश सं० श्रई-4/37ईई/ 4207/84-85---श्रतः महो, लक्ष्मण दास

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकेपश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्ब 100,000/- रु. से अधिक है

और जिसके सं शोपर्टी जिसका नं की टी एस 519, 5592. 559/1 से 12,560 वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे विलेज कन्क्रेरी तालुका बोरिवली बम्बई स्थित है (और इसमे उपाबद्ध भ्रमुम्ची में और पूर्ण रूप से वणित है और जिसका करारनामा ग्रायकर श्रीधनियम 1961 की धारा 269 क खं के अधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधकारी के कार्यालय में र्राजस्ट्र है तारीख 1-1-1985

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्षयमाम प्रतिफल के लिए अन्तारित की गई है और मूफ्ते यह विश्वार करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, देसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निकर में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की गवत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देन के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिभा के लिए; गौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अफ अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निस्तिविधित, व्यक्तियों, अधीत :—

- (1) मेसर्स खटाय मकनजी स्पिनिग एन्ड धांविग कं०लि० (ग्रन्तरक)
- (2 श्री चंद्रएल ० रहेणा। (श्रन्तिनितीं)

का ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवादियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत धें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किंद्र व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्षत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए वा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

प्रोंपर्टी जिसका नं॰ सी0टी॰ एस॰ 519, 559/1 से 12, 560, वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे, विलेज काहरी तालुका ओरिवली बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋम सं० श्र $\mathbf{\hat{z}}-4/37\mathbf{\hat{z}}\mathbf{\hat{z}}$ 4207/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई धारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्अ किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण श्रर्जन रेंज-4 बम्बई

दिनांक: 30-8-1985

प्रकष् बार्षः, टी., एम्., एस्.,------

नायकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन स्वना

भाइत सहस्रह

कार्यातमः, सृष्टायक नायकर नायक्त (निर्द्राक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाक 10 सितम्बर 1985

निर्देश सं० ग्रई 4/37ईई/उ4206/84-85 ग्रतः मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के परवात 'उक्त अभिनियम' कहा गवा हैं), की भाषा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण हैं । क स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- के से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलेट नं० 402 जो 4थी संजिल विग-ए ग्रादित्य नगर छक्षपति शियाजी रोड दिहसर (पूर्व), बम्बई 68 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनयम 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित ज्याधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-1-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बच्चमान प्रतिफल के लिए ग्रंतरित को गई है और मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ख्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और गंतरक (अंतरकार) और गंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे गंतरक (अंतरकार) और गंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे गंतरक का कल्तरण लिखत में वास्तिकल, निम्निशिसत उद्घेष्य से उसत कल्तरण लिखत में वास्तिकल, निम्निशिसत उद्घेष्य से उसत कल्तरण लिखत में वास्तिकल रूप से कियत नहीं किया गणा है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के शायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, रिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासनार्थ अन्तरिती ब्वार प्रकट नहीं किया वया था वा किया थाना वाहिए था, छिपाने ये स्विभा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण व', मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) उन्हें न निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— 50—27601[85

(1) श्री के० बी० भायानी।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० जे० वैद्य और श्री के० एम० वैद्य । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बादी करुके पूजाँचत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्हा सन्परित के वर्षन के संबंध में कोई भी माक्षेप हु---

- (क) इस बुधमा के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की ब्रविध मा सत्त्रम्बन्धी व्यक्तियों पर सूधना की ताबीज से 30 दिन की ब्रविध, जा भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी स्वीकत दवारा;
- (क) इस बुक्ता के राजपन में असासन की तारीस से 45 विश्व में भीतर उपके स्थापर तकारित में हितबब्ध विश्वी भन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताकरी के पास निधित में किए जा सकारी।

स्पच्छीकरणः ----इसमें त्रणुक्त शब्दों और पदां का, वो उन्ह विधिनयम, के अध्याद 20-क में परिभाधित हैं, वहीं नर्थ होंगा जो उत अध्याद में विधा शया है।

अनुसूची

पलेट नं ० 402, जो, 4थी मंजिल, विग-ए, म्रादित्य नगर, छन्नपति शिवाजी रोड, दहिसर, (पूर्व) अम्बई-68 में स्थित है।

श्चनुसूची जैसाकी क्रम सं० श्रई-4/37ईई/14206/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्ष्म प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-4, बम्बई

दिनोंक : 10-9-1985

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

वायां लय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रार्थन रेंज-4, अम्बर्ड

वम्बई ,िवनांक 28 भ्रगस्त 1985

निदेश सं० प्रई-4/37ईई/14579/84-85---प्रत. मुझे लक्ष्मण दास

कायकर लाधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उद्देश अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षक प्राधिकारी का, यह विष्वास करने का कारण हैं कि स्थापर मंगीत जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,0ਹਨ/- ਦਨ. से अधिक है और जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, जो विलेज भौगिला पाडा, शिवाजी रोड, उप-जिला बाँधा, बम्बई, मर्बे नं० 66, एच० नं० 9-ए और सर्वे नं० 68 एच० नं० 14, दहिसर (पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्णं रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधीनयम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्ट्री है , तारीख 1-1-1985 को पूर्विक्त संम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल क लिए अतरित की गई है और स्फेगह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्वॉक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसक द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फक निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने द; उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ उन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः जयः, उत्यक्त अधिनियमः, की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उसते अधिनियमः भी धारा 269-घ की उपधारा (1 के अधीनः, निम्मिकिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री जी एन० गोबंड और श्रीमती एस० जी० गोबंड ।

(भ्रन्तरक्)

(2) मेसर्स ओंकार कन्स्ट्रवशनम ।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जानी करके पूर्वेक्ति संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्भा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 रिन की अर्थाध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी स्थिध बाद से नमाप्त होती हो , के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए आ सकेंगे।

स्पर्ध्योकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जाशीन का हिस्सा, जो, विलेज भागिना पाडा, णिवाजी रोड, उप-जिना बाक्षा बम्बई, सर्वे न०-66, एच० नं० 9-ए और सर्वे नं० 68, एच० नं० 74, दहिसर (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋम सं० अई-4/37ईई/14579 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई छारा 1-1-1985 को रजिस्टर्भ किया गया है।

> लक्ष्मण दास नक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्राधुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

विनांक : 28-8-1985

१क्ष्य बार्च स्त्री हुन पुरु हुन ।

जासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 209-प (1) के अधीन भूचना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहारक कार्यकर जायुक्त (निर्द्रीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 अगस्त 1985

निदेश सं० अई--4/37ईई/14440-84-85--अत: मझे लक्ष्मण दास

आयकर आभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रतात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

यौर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा जो, सर्वे नं० 66, एच० नं० 14, सी० टी० एस० नं० 1367, विलेज दहिसर (पूर्व), बम्बई में स्थित है (प्रीर इसमें उपाबद अनुसूची में प्रौर पूर्ण कर्य ने विणित है) और जिसका करारतामा आयकर अधिवियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कायालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

को पूर्वी असे सर्पात्त के जीवत बाबार मून्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे प्रथमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिष्टितयों) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बासिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) निवाहण से हुए किसी माथ की सावत, उन्हें जिल्लान के अभीत कर दोने के जंतरक के प्रसिद्ध में कभी करने या उन्हों बचने में स्विचा के निए?
- (क) ऐसी किसी जाब वा किसी भव वा कम्थ वास्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्तां अधिनियम, या चन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनाथं जन्तिरिती क्लास प्रजट नहीं किया गया था या वित्या जाना आहिए था, क्रियाने में मुजिला के लिए:

जतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण मो, मी. उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निस्नसिधित व्यक्तियों, अर्थात र—— (1) कें एस० ब्यास ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स एवरेस्ट बिल्डर्स ।

(अन्तरिती)

को यह सुब्दा आहो करके पूर्वीक्य सम्मित के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हुई का

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सुम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ह—

- (क) इस सूचना के प्राचम में प्रकाशन की ताशीस सं
 45 दिन की अविश्व मा तत्संबंधी व्यक्तियों दर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविश्व, जो भी
 अविश्व वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्थिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और यदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा, जो सर्वेनं० 66, एच० नं० 14; सी०टी०एस०नं० 1376, विलेंज दहिसर, (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुभूची जैसा कि कम सं० अई-4/37ईई/14440/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास नक्षम प्राधिकारी सहाय : स्नायकर स्नायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 28-8-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4..बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 अगस्त 1985

निदेश सं० अई-4/37ईई/14402/84-85--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जि कि मं र पुतिट नं ० 25, जो, तलमाला, वर्धमान इंडस्ट्रियल इस्टेंट, एस० वि० रोड़, श्रौर एक्सप्रेस हायवे रोड़, दिहसर, (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं) श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

को पूर्वोक्त सम्बक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतर रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया बतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कभी करने यो उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्य अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:
- औं. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) कतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को अन्सरण की अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) मेसर्स वर्धमान कन्सट्र स्थानकांपनी।

(अन्तरक)

(2) श्री बाबूभाई प्रेमजी बाघेला।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के शिक्ष्य कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तायस से 45 विन की अविध या तत्त्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

श्रनुसुची

युनिट नं० 25, जो तलमाला ,वर्धमान इंडस्ट्रियल इस्टेट एस० वि० रोड़, श्रीर एक्सप्रेस हायवे रोड़, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-4/37ईई/14402/ 84-85 श्रीर जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ङ किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बई

दिनांक: 28-8-1985

प्रचल बाहील देश देखल देखेल मान नगर

अरवक्त विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यानय, सहायक भाषकर भाष्युक्त (निद्धीक्रण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 सित्तम्बर 1985

निदेश स० अई-4/37ईई/14371/84-85-3नः मुझे, लक्ष्मण दास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निभीनयन' सहा क्या हैं), की धारा 269-क के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उपित नायार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसंकीसं० प्लुट नं० 1, जो पहलीमंजिल मधुवन अपार्टमेटस प्लाट नं० 7, मेडोना कालोनी, भगवती हास्पिटल के पास, आफ मंडपेश्वर रोड़, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

कि पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाबार मूल्य से कम के खबमान डातिकन के लिए कस्तरित की गई है जोर मुझे यह विकास करने का कारण है कि यभाप्बोंकत सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यज्ञान प्रतिकत्त से, एते खबमान प्रतिकत का पन्त्रह प्रतिकात से अभिक है जार अस्तरक (अन्तरकार) जार अन्तरिती (जन्तरित्यार) के बीच एसे अन्तरम के लिए तय बाया गया प्रतिकत, निम्नितिबत उद्वेष्य से उक्त अम्बरण सिवित में वास्तीवक रूप से किया मही किया गया है ...

- (क) जन्तरण सं हुइ किसी जाय की बावत उक्त अधिमित्रण के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मं कमी करने या उससे अधने मां सृष्टिया के लिए, आर/वा
- (क) प्रीती किसी काय वा किसी वन या अध्य वास्तियों की चिन्हों भारतीय जायकर विभिन्निया, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभनयम, या धन-कर विभिन्निया, 1957 (1957 का 27) के अध्यक्षणार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुन्धिया है निका?

बतः सम, बन्त सिंगियम की भारा 269-ग को बन्तरक कों, कीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निरामिसियत स्पितियों, निर्मास (1) मेसर्स पराग कापौरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्री जयेश मणिलाल गोर श्रीर अन्य।

(भ्रग्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति को वर्णन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हो।

उनक सम्पत्ति के कर्नन के सम्मन्ध में कोई भी वाक्षेत्र :---

- (क) इस मुचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनिए या तरसम्बन्धी व्यक्तियां पर स्वान की ताबीस से 30 दिन की वसीध, को धी नुवीध काद में तवाचा होती हो, से मीलर पूर्वीकर स्वीवता में पे किसी गांधित सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंग्।

स्वध्दीकरण: ----इसमं प्रयुक्त शब्दा आर पदा का, जा उक्त अधिनियमः के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

वन्युपी

फ्लेट नं० 1, जो पहली मंजिल, मधुवन अपार्टमेटस, प्लाट नं० 7, मेडोना कालोनी, भगवती हास्पिटल के पास, आफ मंडपेश्वर रोड़, बोरिघली (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-5/37ईई/14371/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिसटर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारीं सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 11-9-1985

प्ररूप बाद् टी एन एस -----

भायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के क्यीन सुवना

STEEL MEMBER

आर्वायथ, सहायक बायकर आयुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाक 30 अगस्त 1985

निवेश स० अई-4/36ईई/14426/84-85---अंतः मुझे लक्ष्मण दास

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

कौर जिनकी स० प्रवेध न० 33, जो, प्रमु निवस्स, प्लाध न० 160 आफ फेक्टरी लेन, बोन्विली (प), बम्पई-92 में स्थित हैं (श्रीर इसे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में बॉणन हैं) श्रीर जिसका जनारनामा आयकर प्रधितियम 1901 की धारा 269न, ख के अजीत बम्बईस्थित सक्षम प्रधितियम गर्मा में रिम्टी हैं, नारीख 1-1-1985

को प्रविचल सम्पत्ति के अंचत बाषार मूल्य सं कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रस्यमान प्रतिफल सं, एसे रस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिक्षी (अंतरितियों) के सीम एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विध्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिषक रूप से किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दने के अंतरक के बाधित्य में कभी करन या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) एसी किसी आय या कसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हें स्ट्रेंब आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिधा श्री किया।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीय. निम्निलिकित व्यक्तिया अधीर अ--- (1) मेमर्स हिमाश् इटरप्रायसेम ।

(अन्तरक)

(2) मुरेश एच० शहा घौर प्रमीला एस० शहा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कामवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन में सम्बन्ध में क्रोई भी वाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का सं 45 दिन की अविधिया सत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपश्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पणि में हिल्- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिलित में किए जा सकेंगे।

स्पत्कीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्रम्स हैं।

वन्स्ची

फ्लैटन ० 33, जो प्रभु निवास, प्लाटनं० 166, आफ फैक्टरी लेन, बोग्विली (प), बम्बई-92 में स्थि है। अनुसूची जैसा कि क्रम स० अई-4/37ईई/14426/ 84-85 फ्रींर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-1-1985 को प्रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधि हारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

दिनाक : 30-5-1965

प्ररूप आइ े. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाक 11 मितम्बर 1985

निदेश सं० अई-4/37ईई/14379/84-85—अतः मुझे लक्ष्मण दास

आस्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित्त बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीप जिस्की स० पलेटन० 1, जो पहली मजिल, मधक्न अपार्टमेंटस, प्लाटनं ०, 7, मेडे ला कार्ल नी, भगवती हारिपटल के पास, आफ अंख्रेष्वर रोड़, बोरियली (प) बम्बई में स्थित है (श्रीप इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीप पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीप जिसका करारमामा आयक्षण अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में टूजिस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पन्नि के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई जिसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ध्मकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः उस, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्हालिखत व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) मेसर्स पराग कार्पोरेशन।

(अन्तर्ह)

(2) श्रीमती रोशन रियान खातीब।

(भ्रन्तरिर्तः)

को यह स्चना जारी करक प्रवेकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुः।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ':--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी ह से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषिश हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं ० 1, जो पहली मंत्रिल, मधुवन अपार्ट मेंटस, प्लाट नं ० ७, में डोला फालोनी, भगवती हास्पिटल के पास, आफ मंडपेक्यर रोड़, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अर्-4/37ईई/14370/84-85 स्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, ब्रम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 की रिजस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राक्षिकारो सहायक भ्रायकर स्राप्तित (निर्रक्षण) · अर्जनर्रेज-4, बम्बई

दिनाक : 11-9-1985

मोह्र् :

मरूप नाइ' टी । एन्। एस० --

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

थारा 269-व (1) के अभीन सूचवा

भारत सरकार

कार्यालयः, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनाक 10 नितम्बर 1985

निदेश सं० अई--4/37ईई/14202/84-85--अनः मुझे लक्ष्मण वास

शाधकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित गजार मृत्य 1,00,000/-रु. से जिधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट न ं० 102,जो, "सी" हमारत, गगनगिरी नगर, लक्ष्मी नारायण टेपल के पीछे, ठाकुर पखाडी, एक्सार रोड, बोयरिवली (प), बम्बई मे स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है)श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रजिस्ट्री है, तारीख

1-1-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और भूझे यह विश्वास कर, ना कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित काजर मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेदेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कांधत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी शाय की वावस, उनत जिथ-तियम को जधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बीर/बा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, 1952 का 27) अन्ततर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अन्न प्रयाजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में स्विधा के किए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविद्युत व्यक्तियों, अर्थात् (1) गगनगिरी डेवेल्पमेट कार्पीरेशन।

(ग्रन्तरक)

(2) चद्रशेखर कशव देवजी।

(श्रन्तरिती)

को बहु सूचना जारी कारको पूर्वोक्त तथ्यत्ति को अर्थन के सिध कार्यमाहियों कारता

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) हर त्यना के राजपण में प्रकावन की तहतील से 45 विन की नगींच या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामीस से 30 विन की मनींच, जो भी संबंधि बाद में संज्ञाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी क्योंक्त द्वारा;
- (च) इस त्चना के राजपत्र में प्रकायन की तारीच से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हितवध्य किर्म, अन्य स्वित्त ब्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित्त में किए जा सकोंसे।

स्थव्यक्तिस्त्र हिन्द्या प्रमुक्त कर्म्या बीह्र पदा का, को बीह्रिक अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होना को उस अध्यास में दिया नुवाही।

ज्यूपी

फ्लेंट नं ० 012, जो, "सो 'इमारत, गगनगिरी नगर, लक्ष्मी नारायण टेपल के पीछे, ठाकुर पखाडी, एक्सार रोड, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० अई-4/37ईई/14202/84-85 श्रीर जो पक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1995 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दाम सभम प्राधिकारः सहायक द्रायकर प्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बई

दिनांक : 10-9-1985

ब्र**क्ष** आहें .टी . एन . एस . -----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

सार्व बंदकान

कार्याजन, तहासक नामकर नामुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनोक 28 अगस्त 1985

निदेश सं० अई-4/37ईई/14347/84-85--अत: मुझे लक्ष्मण, पास

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ष्मीर जिसकी सं० पलेट र्न० ए/602, जो सुमेर नगर, एस० वि० रोड, बोरिवली (प०), बम्बई:-92 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से धणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय क्रें रिजस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित शाजार अच्या, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तर प्रति (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया च्या प्रतिफल निम्नलिचित उद्योध्य से उक्त अंतरण निचित के वास्तिक क्य से क्षिण नहीं क्षिण गया है है—

- (क) बस्तरण ते हुई किसी नाय की बाबत उक्त अधिनियम को अभीन कर दोने की अंतरक की दावित्य में अभी करने वा बतते बचने में सुविधा में निष्ठ; ब्रीट्/बा
- (च) एसी किसी नाय मा किसी भन या जन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविभा के सिए;

- (1) श्रीमती कुमुम गुप्ता श्रीप अन्य। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री नागिनदास नाथालाल शहा और अन्य। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधांप 2--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से
 45 विन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रः
 स्वना की तामील से 30 विन की अविभि, को भी
 अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस स्वाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-अव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उन्हें अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

थपुष्क्री

पलेष्ट नं० ए/602, जो, मुमेर नगर, एस० वि० रोड़, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित हैं। अनुसूची जैसा कि क्रम स० अई-4/37ईई/14347/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास ाञ्जम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निराक्षण) अर्जनरोजन-4 बस्बई

विनांक . 28-8-1985 मोहर :

प्रकृत बाह्यं.. टी.. प्रम . प्रस .------

नाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के नभीन स्थाना

भारत संस्कार

कार्याजयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

धम्बई, दिनांक 28 अगस्त 1985

निवेश सं० अई-4/37ईई/14312/84-85--अतः मुझे लक्ष्मण दास

जायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्चाल 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लंडनं० 18, जो, तिलकंठ इमारत, एस० वि० रोड़, फतेहबाँग, किंविवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम पाधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के उपयमान प्रतिफल के लिए अंसरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिक्रस, विस्तिविद्या उद्वेद्द वे उच्च बन्दरण निक्तित में वास्त्रक किक रूप से कथिस नहीं किया पना है है—

- (क) ता ता से हुए किसी नान की नानव तक। वृधि-रियम के बचीन कर दोने के ककरूक के शामित की कमी करने ना चस्ती नचने भी जूनिया के लियो; बरिया/
- (क) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रदेशनार्थ अन्योगियों प्रदारा प्रकट नहीं किया नवा धा वा किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा है लिए;

जत. जज, उज्जत अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरक वें, मैं, उज्जत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (१) के अधीन, जिस्स्विकित व्यक्तियों, अधीत कुल्य

- (1) मेसर्स राजलक्ष्मी कन्सद्रम्शन कंपनी । (भन्तरक)
- (2) अर्रीवद कुमार के० शहा । (भ्रन्सरित*ी*)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

जनस सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में करोड़ी भी: नाक्षेप ह---

- (क) इस स्वना को रावपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाम की तामील से 30 दिन की अविधि, यो जी विधि हो से भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसा ब्राथ किसी कन्य स्थावत द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगी।

स्वक्रीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों जींद पदों का, जो जनत जिथिनियम के जध्याय- 20-का में परिभाषिष्ट हैं, वहीं कर्ष होगा को उस कथ्याय में दिसी गया है।

अनुसूची

पलेट नं० 18, जो तिलकंठ इमारत, एस० वि० रोड़, फतेहबाग, कांदिबली (प०), बम्बई-67 में स्थित हैं। अनुसूची जैमा कि क्रम सं० अई-4/37ईई/1431284-85 प्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई बारा दिनांक 1-1-198 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दाग सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, वस्बई

दिनांक : 28-8-1985

MARIE . TITLE

लक्ष्मण वास,

प्ररूप नाई. टी. एन., एस. -----

भागकर विधिनियमः, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व् (1) के वृधीन सुवना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंग-1, बम्बई बन्बई, दितार 28 श्रमस्त्र 1985 निदेग मं० श्चर्ड-4/37ईई/11628/84-85--श्रतः मुझे,

सायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि रभावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अभिक ही

श्रीर जिन्हा सं० पतेट नं० 47. जो, 4र्था मंजिल, शिवम इमापन, एप० वि० रोड, फनेहबाग, हादिवला (प), बस्बई में स्थित है (और इस उत्तवह श्रनुसूच, से श्रार पूर्ण क्य से विणित है) श्रीर जिन्हा जरारनामा श्राय पर श्रिविनयम 1961 की धारा 269 है, ख के श्रधान बस्बई स्थित सक्षम प्राधि । री के कार्यालय में रजिस्द्री है दिनांक 1-1-85।

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के रहयमान प्रितृफल के लिए बन्तिरत की गई है और मूक्कि यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रितिफल सं, एसे दहयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरिकी (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्ट अधिन्यम के अधीन कार देने के अंतरक के प्राप्तिस्त में बार्ग करने के क्षेत्र में अधिक्ष के किम् अर्थित्य
- (क) एसी किसी अब का किसी धन मा जन्य अस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स लिबिनियम, मा जन-कार ज्यिनिस्म, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंसरिती क्यारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मेसर्स राजलक्ष्मी कन्सदृक्शन कंपनी ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रामतो एन० वि० जोशी, ग्रीर श्रामता कें० एस० जोशी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त इस्परित के वर्षम के संस्कृत्य में कोई भी आक्षप अन्न

- (क) इस सूजना के राजपण में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की जविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामीज से 30 दिन की अविभ, जो भी जविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्य स्मिन्तयों में से किसी स्मिन्त बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबबुध किसी जन्य स्थित ब्वास जभोहस्ताक्षरी के वाब् लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धिकरण: --इसमें प्रयुक्त सन्दर्भ और वसों का, वा उन्हरू वीधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ही।

मन्स जी

पनेट नं र 47, जो 4थी मिजिल, शिवम हमारतः, एल० वि० रोड, प्रतेह्बाग , कोदिवल∴, (प), बम्बई में स्थित है। श्रतुसूचः जैता कि श्रम मं० श्रई-4/37ईई/14628/ 84-85 श्रीर जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनाक 1-1-1985 को रिजस्टई तिया गया है।

> ाध्म बात सलम प्राधितार सहायक प्राथकर प्रायुक्त (जिरक्षण) प्रार्जन रेंच वा, बस्बई

हिता 28 -8−1985 संहर : भूकपात् वार्षात् होत् एम् । एस्तु - ४ - ४ -

थायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) क्यें धारा 269-म (1) के मधीन कुण्या

भारत बहुकार

कार्यालय, सहायक जावकर जावृक्त (भिर्दाक्रक)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

वभ्बई दिनां के 28 अगस्त 1985

स्विण सं० ग्रई- $\sqrt{37}$ ईं $\sqrt{11276/84-85}$ --ग्रतः मुझे लक्ष्मण दास

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पत्थात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिल्लास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

स्रीर जि को सं० फ्लेट नं० 17, जो, 1ला म जिल, शिवस इमारत, एन० ि रोड, हो, जा, जादिवली (प), बस्बई-67 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिल्हा जरारतामा स्थायकर श्रीधित्यम 1961 को धारा 269 ते, ख क स्रवान बन्बई स्थित पक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिन्हा है, तारीख 1-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल को लिए अम्तरित की गई है और मृष्ठे यह विश्वास करने का बारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तर्गितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा अतिफल निकासिकत उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किनत नहीं किया गया है।

- (क) कन्तरण संहुई किसी नाय की कास्त, उथत अधिनियन के बजीन कर दोने के कुन्तरक हैं दासित्य में किसी करमें या उद्देश क्ष्ने में सुविधा के लिए; और/या
- (इ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिल्हों भारतीय आय-कर अगिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त पिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छि ाने में सुविधा को लिए;

बतः अब उक्त अधिनियम कौ धारा २१3-ग क्षे अमृखरण बौ, बौ, उक्त अधिनियम की धारा २६९-च की उपधारा (1) को अधोग, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

- (1) मेनर्स राजलक्ष्मी कन्सट्क्थान कंपनी।
- (भन्तरक)
- (2) श्री के० सी० महा।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

जनत सम्मति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी धार्शय ह—

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकासन की तारीच वे 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्वना की तामील से 30 विन की बविध, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्ड व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपून में भकावन की ताड़ीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बर्थ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकोंगे।

स्वक्किरच :---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहाँ अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा गया हैं।

नमृत्यी

पलेट नं 17, जो, 1लो मंजिल, शिवम इसारत एस० वि० रोड, फनेहबान, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है।

श्रनुभूवी जैसा कि कम सं० श्रई-4/37ईई/14276/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास पक्षम प्राधि हारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

विनांक ' 28-8-1985 मां**हर** ∎ प्रकथ आई.बी.एन.एस.-----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निर्जीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 श्रगस्त 1985

निवेश सं० प्रई-4/37ईई/14201/84-85---प्रतः मुझे लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचिया बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

म्रीर जिसकी मं० पलेट नं० 17, जो, 1लीं मंजिल, निलक इमारन, एस० वि० रोड, फ़तेहवाग, कांदिवलीं (प), बम्बई में स्थित है (और इमसे उपाबस मनुसूची में 'प्रौर पूर्ण रूप है वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर शिवनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

्रेक़ो पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के उच्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निच्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया चया प्रतिक कत, जिम्मिचित उच्चेद्य से उच्त बन्तरण निवेच्य में बास्तिवृद्ध कप से कथित नहीं किया गया है ं म्ल

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे धचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन ना अन्य आस्तियों मंत्रे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. हिल्पाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कै. मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) कृ प्रधान, निम्नलिक्ति व्यक्तिस्यों, अर्थात् :--- (1) मयर्स राजलक्ष्मी कन्सद्रक्शन कंपनी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रामतो एम॰ भ्रार॰ सिंह, भ्रौर श्राभार॰ एस॰ सिंह, ।

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना जा<u>री करके पूर्वोक्त</u> सम्पत्ति के भणन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपात के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विकित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरणः----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

पलेट २० 17, जो 1र्ला मंजिल, निलकंठ इारत, एस० वि० रोड, पत्रेहबाग, कांदिवली (प०), वम्बई में स्थित है। श्रतुसूच जैसा कि क्रम सं० श्रई-4/37ई ई/14201/ 84-85 शोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई इरा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निक्ष्मण धाम सक्षम प्राधि परी सहायक प्रायकर त्रायुक्त (निर्देक्षण) श्रर्जन रेंज--4, बम्बई

दिनांक : 18-8-1985

मोहर .

प्रकम बार्ड, टी. एन. एस. "-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-म (1) के अभीत स्थला

भारत संरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजीन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाक 28 ग्रगस्त 1985

निदेश सं० ग्रहें-3/37ईई/1442/84156-37 मुझे लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्कान 'उक्त अधिनियम कहा गया १'), को भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह 'वश्कास करने का कारण है' कि स्थावर सम्परित, जिसका उक्तित बाजार भूल्य 1,00,000/- रुठ. से अधिक हैं

श्रीर जिनका संव पलेट संव 8, जो, 12, विजित, शिवम हमारत, एसव विव रोड, फ़लेहबाग, वाहिस्त (प), हमाई में स्थित हैं (श्रोर इस उपाबद्ध श्रमुसूच में श्रां: पूर्ण कर विजित है) श्रोर जिसका प्रारतामा श्रायक्तर श्रीधितियम 1961 के धारा 269 है, ख के श्राकृत बस्वई स्थित सक्षम प्राधि कर के व्यक्तिय में रिजस्ट्रों है, तारोस्त 1-1-1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के इरणमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और स्कि यह निष्वास करने का कारण है कि यभापूर्वाक्त सम्मति का उचित बाजार पूर्य उसके दृण्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतर हों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंधरण के लिए एस पामा गमा प्रविक्ष क्या जिम्मीवितिस समूब स्थान सम्मद्द विश्व में बास्कृष्य का स्थान नहीं किया गमा है ---

- (क) विश्वासन से दुई किसी नाय का शायत, उत्ताप अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कार्ने या उत्तस वलने को सुविक, के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर प्रांतिकता, 1922 (1922 का 11) या सक्स अधितियन, बा भनकर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती द्वारा उक्त नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किया सीमा के लिए;

अतः अब, उन्तर अधिनियम की धारा 26 ग कें, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की लपधारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियारे, अर्थात = -

- (1) मेनर्स राजलक्ष्मी कन्सद्रक्शन कंपना ।
- (ग्रन्तरक)
- (2) श्रं: कृष्णाकात जी भवानी:।

(ग्रन्तरितः)

नार क्यू कृत्या बार्डी क्रके पूर्वोक्य कृत्युतिय के वर्शन के क्रिक कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बन्द बन्दरित के बर्चन के दृष्युन्द में कोई भी माबोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविः, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीटर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्य) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4. दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति मं हितबक्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरः के पास विकास में किए वा सकर्णे।

स्थकांकरण: -- इसमें प्रयुक्त कवां की पर्या का, को उनसे विभिन्यम, के अध्याय 20-क के परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या है।

प्रनसूची

पलेट नं० 49, जो 4थी मंजिल, शिवम इमारत , एस० वि॰ रोड, फ़तेह्बाग, कॉदिवली (प), बम्बई में स्थित है। प्रतुमुची जैसा कि कम मं० अई-4/37ईई/14442/84-85 ग्रीर जो सक्षम ध्रुप्राधिनारी, सम्बई हिए। दिनांक 1-1-1995 को रजिस्टई विधा गया है।

लतमण दास ाक्षम ग्राधि परी सहायक **श्राय**क्ष श्रीकृष (ार क्षण) स्रजीत रेज− 4 ायक्ष

दिनांक : 28-8-1985

गोहर:

THE WATER AND A PROPERTY OF THE PARTY OF THE

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के **स्थीन स्थ**ना

भारत सरकार

कार्यातच्य, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, अम्बर्ष

बम्बई, दिनाँक 28 श्रगस्त 1985

निर्देश स॰ प्रई-4/37ईई/14435/84-85--प्रत. मुझे लक्षमण दाम

भावकर लिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके बश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के लथीन, तक्षम प्राधिकारों को कह विकास करने का करने हैं कि स्थावत संवीत्त, जिसका दिवस बाजार मृख्य 1,00,000/- रु से जीभक है

श्रीर जिसकी स० फ्लैंट न० 3, जो, शियम इमारत, ए.स० वि० रोड, फनेहाआग, काँदिवली (प) बम्बई में स्थित है (श्री इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्च। में श्रीर पूर्ण रूप से विण्त है), श्रीर जिएका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 का श्रारा 269क ख के श्रधीन, बम्बई स्थिन सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रजिस्ट्री हैं तारीख 1-1-1985

्रे पूर्विक्षत सपरित के जीवत बाबार मृत्य से काम के कामान प्रोतफल के लिए बंतरित की गई है और मुक्तें वह विकास कारने का कारन है कि वशानुविक्ष कन्नीत का जीवत बाबार बूक्ष, उसके दश्यवान प्रतिकास से, एसे क्ष्यवान प्रतिकास का नंबह प्रतिकास से विभक्ष है और बंतरफ (बंतरकों) और बंदरिकी (अंतरितियों के बीच एसे बंतरण के किए तय पाना क्या प्रति-फ स निक्तिसित उद्देश्य से उसके बंतरण सिचित में नास्तरिक कर में किथित नहीं किया गया हैं:—

(क्र) अस्तर्थ व हुन्द्र किश्री मान की मान्त्, उनस् अधिनिक्य के वचीन कर दोने के मन्त्रपद के शावित्य में कमी सहने ना उन्हें नचने नी सुन्धा के जिए; मांड/मा

नी जिसी बाव या किसी धन या अन्य वारिसर्वी को, जिन्ही भारतीय वाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्य विधिनियम वा धन-कर विधिनियम, 1957 (1857 को 27) के प्योप गर्म बन्दिर वादार प्रकट नहीं किया नया को नी निया पाना चाहिए था, कियान में सुविधा के लिए;

चतः वाव, उक्त कथिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मो, मीं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ...—

- (1) गैंगर राजनक्ता कन्स्ट्रक्शन कपनी। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रा इरीश एन० कोटाडिया श्रीर श्रीमती जे० एचः कोटाडिया। (ग्रस्तरिसी)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थाय के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष ---

- (क) इस तृथना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सबिध ने तत्त्वस्थानीं स्थिततारों पर कृषना की तासीस से 30 दिन की सबिध, को भी अविद नाय में समाध्य होती हो, से भीतर न्वींक्स किल्यों में से किली व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस श्रृष्णा के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उथत स्थावर संपत्ति में दिशनदथ किसी जन्म व्यक्तित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निर्माशन में किस का सर्वोंगे।

अनुसुची

फ्लैंट न० 3 जा शिवम इमारन, एस० वि० रोड, काँदितली (प), ৰফাई में स्थित है।

श्रनुसूचो ै।। कि कि स् प्रई-4/37-ईई/14435/ 84-85 ग्रोर जो लक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 फों रिजस्टर्ड किया गया है।

> ल तम् ॥ वास । अम् प्राधिकारी सहाय क्रम्यकर आयुक्त (निरोक्षण) स्रर्जन रेज-4, बस्बई

िनौक 28-8 1985 **म**ोहर प्रस्य बाह्ये, द्वी. एन. १स. -----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीत स्थाना

भारत सरकाड

कार्जनम्, तहायक मायकड आध्यतः (निडीसम्) अर्जन रेंज-4 बम्बर्ध

बम्बर्घ, दिनौंक 11 सितम्बर, 1985

निर्वेश सं० श्रई-4/37-ईई/14237/84-85--- यतः मुझे लक्षमण दास

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उयत अभिनियम' कहा रवा हैं), की भाख 269-च के नभीन तक्षत्र प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर कम्पीत, जिसका उचित वादार मुख्य 1,00,000/- रा. से अभिक ही

ग्रीर जिनकी सं० फ्लैंट नं० 25, जो, 2री मंजिल, प्रभु निवास, प्लाट नं० 166, ग्राफ फैक्टरी लेन, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित हैं (ग्रीर इनसे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं),ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1951 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं तारीख 1-1-85

को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मृश्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मणापूर्वोंक्त तंपत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एवे स्थमान प्रतिफल का बन्द्र प्रतिकात से मिक है और वह कि मेसरक (जंसरका) जीर बंसरिती रिती (अम्तरितिवीं) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तब पावा गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उनत बन्तरण लिखित में वास्तिवक स्थ से कि बिंद के विश्वास गमा है प्रनार्थ

- (क) जन्तरक ते हुई कियी भाग की गायदा, उक्त निभिनियम के गभीन कर देने के बस्तरक की वाजिएव में कभी करने या उक्स वर्षने में सुविधा के लिए; शहि/वा
- (न) एसी किसी जार या किसी धन या बन्य जास्तियाँ का, जिन्हों भारतीय बाय-कर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था जियाने में सुविधा के सिए;

चत्र वर्ष, उक्त धीर्थिनयम की भारा 269-ग के बनुसरण कें, कें, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) मैसर्स हिमांशू इंटरव्राइजेस।

(भ्रानरक)

(2) श्री प्रफुल्लचन्द्र ए० मेहना ग्रीर ग्रन्थ। (श्रन्तरिती)

कां यह श्रृष्टना वाही करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्डन के कार्यवाहियां करता हुं।

उनक सम्मति से नर्पन के सम्बन्ध में नोर्घ मी मार्थव :---

- (क) इस सूत्रम के यजनम में प्रकारन की तारीज है 45 दिन की जनींथ या तत्त्राम्बन्धी क्वनित्वों पर सूत्रमा की ताजीस से 30 दिन की नवींथ, को भी जनींथ नहरं में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्य व्यक्तियों में से किसी क्वनित स्वाद;
- [व] इस ब्रुचना के ग्रामध्य में प्रकाशन की वारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावड़ सम्परित में दिवबर्ध किसी जन्म स्थित व्वाय अधोहस्ताक्षरी के पांच निवित्त में किए या बर्कों ने ।

स्वक्कोकरण:—इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उनके कियान के कथ्याय 20-क में परिभावित्र हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्यास में विकास ना है।

मन्त्ची

फ्लैट न० 25, जो, 2री मंजिल, प्रभु निवास, प्लाट नं० 166, ग्राफ फैक्टरी लेन, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि ऋ० सं० मई-4/37-ईई/14237/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 1-1-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ऋायुक्त (निरोक्षण) स्रर्जन रेंज-4, सम्बद्ध

दिनौक: 11-9-1985

मोहर 🕄

प्रकप कार्ड टी एन एस -- ---

(1) मैसर्स हिमाँणू इटरपाइजेप।

(2) प्रमिला एस० शाहा और श्रन्य।

(ग्रन्तरक्र)

(श्रन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सृष्या

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर क्षायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-4, बम्बर्ष

बम्बई, दिनाँक 11 मिनम्बर, 1985

निर्देश म० ग्रई-4/37-ईई/14425/84-85—-यतः मुझे लक्षमण दास

सायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उनत मधिनियम कहा गया है), की धारा 269-च के बभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० फ्लैट त० 34, जो, प्रभु निवाप, प्लाट त० 166, श्राफ फैक्टरी लेन, बोरिवली (प), बम्बई-92 मे स्थिन है (ग्रीर इप्ले प्रपावद्ध प्रत्यूची मे प्रतेर पूर्ण रूप से इंगित है), रजिस्ट्री श्रीर जिसका करारतामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 के,ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रजिस्ट्री है नारीख

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्फे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल के पदह प्रतिकात से अधिक है और अतरक (अतरका) और अतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के सिए तय पावा गया प्रतिफल, फिम्निश्चित उद्वदेश से उकत अतरण निक्ति में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ----

- (का) अंतरण संहुई िकसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम ८० प्रधीन कर दान के अन्त्रक के दामित्व में कमी करन या उससे दचन में स्थिश के लिए; बॉर/या
- (स) ऐसी किसी बाय का किसी धन या जन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनि से, 1922 (1922 का 11) या तकत अधिनायम ए पन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट तहें किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान यो सुविधा के लिए।

अतः अज्ञः, उक्तः अधिनियम की धारा ृ60-ग के सनसरण में, भें, "क्ल हितियम को श्राप्त का उत्तर हो। **डे सभी**न निकासिककिय प्रक्तियो चर्चे -52—276 GI/85 को यह सूचना जारी करक पूर्वांक्त सम्पत्ति को अजन के लिए कार्यवाहिया शरू करता हु।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्वान के राजपत्र मा प्रकाशन को तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति माँ हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्त मा किए जा सकरो।

स्पाक्षीकरण: इसमा प्रयुक्त शब्दो और पदो का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ द्वीगा जो उस अध्याय मा दिया गमा है।

अनुसूची

पलैट न० 34, जो प्रमु निवास, प्लाट न० 166 ऑफ फैक्टरी लेन, बोरियली (प), अम्बई-92 में स्थित है, । अनुसूची जैसा कि क० स० अई-4/37-ईई/14425/ 84-85 श्रीर जो पक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिताँक 1-1-1985 को रिजिट्ट विधा गा है ।

> लक्षमण दास सक्षम प्राधिभारी सहायक श्रायक श्रायका (निरीक्षण) अर्जन रेपा- 3 (स्वर्ष

दिनौक: 11-9-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अभीत मुखना

The state of the s

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेज-ा. बस्बई

बम्बई, दिनांद 11 सिहम्बर 1985

लक्ष्मण द्वास

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात 'उक्त मीधिनियम'कहा गया है), की भारा 269-स को पधीन सक्षम भाषिकारी को यह विश्वास करने का कारक हो कि क्याएक अस्पति विका**म उचित बाजार म**ुख 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकां मं० फ्लेट नं० 28, जो, इलिजीखल को-श्रॉप० हाउसिंग सोक्षाईटः लि०, ए६/14, जंखन बीमा कार, बोरिस वला (१), वस्वई-92 में स्थित हैं (ग्रौर इसने उपाबदा अनुभूष में और पूर्ण का ने वर्णित है) और जिनका करारतामा प्राच*ा*र प्रधितियम 1961 को धारा 269 का, ख के अब्बन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रजिन्द्रः है नागीख 1-1-1985

की पर्जावन संपत्ति के उभित बाजार मृत्य में कम के रूपमान प्रतिकल के लिए अंतरिक की गई है और मुक्ते यह विरवास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का लियत बाजार मुख्य, इसके इध्यमान प्रतिफल से एंस इध्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक कु³ और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (बन्तरितियाँ) के नीच एंसे अन्तरक के ^{प्र}ाग मय काया अवा निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भें वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- ेका अस्तरण न हाद किसी नाम की धानर, क्रोभीत्यम को अधीन धन धार्म को अन्तरक की दानित्व में कमी अपने या उससे अभने में समिक्र का इसिंग, बीटिंग्स
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हे भारतीय शाय-कर अधिनियम, 1923 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर **बरिधिनयम । 1957 (1957 का 27) के प्रयाजना**ं बन्दरियो बुबारा प्रकट नहीं फिया गया था या जिल्हा बाना चाहिए था, स्टियाने में मनिधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण में, में उबत रीपियम की पारा 269 व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---

(1) संजाब मेट्टा

म्रात्रक)

(2) धर्मेद्र एस० रावल।

(ग्रन्तरिती)

की यह स्थान। कारी करके प्रशिक्त सम्मिति के अवाद के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त तम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इ.स. सचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा सं 45 दिन की अविधिया हार्स्ट्रंशी व्यक्तियों पर सुबनाकी सामील यं 30 दिलको अवधि स्थामी जबीध बाद कें समाप्त होती हों, के धीतर पर्जीबर शाकितमों में में किमी स्पवित देशारा.
- (थं) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बबुध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षर के पास लिखित में किए का बकीगे।

स्वय्दीकरणः— इसर्मे प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया **R** .

जन्स्ची

फ्लेट नं० 28, जो, इलिजीबन को-प्रॉप० हाउमिन सोप्ताईटो लिय, ए६/14, जोवन बीक्षा नगर, बोरिवली(प०), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुभूषा जैसाका ऋबन अई-4/37-ईई/14763/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रज/स्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर **प्र**ायुक्त (िर्राक्षण) श्चर्यतः रेप्ट-४, बम्बई

तार्रिः : 11-9-1985

माध्र .

प्ररूप बार्द टी एन एस. -----

कायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भागत सरकाम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज- 4, बम्बई

बम्बई, विनार 11 मितम्बर 1985

निदेण मं० ऋई-4/37-ईई/14236/84-85----श्रतः मुझे, लक्ष्मण दाम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्थात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पर्तित, जिसका निषत नाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसका सं० फ्लैंट नं० 35, जो, 3 रो मंजिल, प्रभू निवास प्लाट नं० 66 श्राफ फक्≥री लेन बोरीवली (प०), बस्बई-92 में स्थित हैं (ग्रीर इसस उपाबड अनुसूर्वा में श्रीर पूर्ण का से विणित हैं), श्रीर जिसका उरारनामा श्रायकर श्रीधिनियम 1961 को धारा 269 कुख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारुख 1-1-1985।

कर्म पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एमी जिल्ली आय या अन या जन्य जास्तियाँ को, जिल्हें भारतीय शक्षकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या जनत अभिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ब्रंगेजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्रंथा का किया जाना पाहिए था, कियाने वें सर्विचा के निए;

सतः अथ., उक्त अभिनियम की भारा 269-ण की अनुसरण में. मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— (1) हिमाणु इंटरप्रायजेसः।

(ग्रन्त रहा)

(2) आ जितेंद्र बार पारेख स्रीरस्रन्य।

(भ्रनारिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता ः

जक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र मां प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्याच्याधी व्यक्तियां एट स्चना की तामील से 30 दिन की आधिश, भो भी अविधि बाद मो समाप्त होती हो, में भीतर पूर्ववित व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति बुदार.
- (स) एस भ्रमा क शाजपण में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर पदत स्थानण सम्मदित में हिन्दब्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वाय अभोहम्दाक्षरि के पास विक्ति भी विष्णु ए। गर्कोंगे ।

स्पष्टिकरणः -- - इसमाँ प्रयुक्त शब्दों और पद्मों का, जो उक्त - अर्थाने काम के अन्तर कुछ का प्रायस्थित हाँ, प्रहीं गर्थ जोगा जो उस प्रश्लास में दिशा

अनम्बः

फ्लैट नं० 35, जो. *3री संज्ञिल,* प्रभू नियास, प्लाट नं० 166, ग्रांफ़ फ़ैक्टरी लेन, बोरिकली (प०), बम्बई-92 में स्थित हैं।

श्रमुमुची जैसाकी क्र०सं० श्रई-4/37-ईई/14236/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधि परी बम्बई द्वारा दिनांब 1-3-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दान पक्षम प्राधि ारी सहायक आयकर प्रायुक्त (निर्राक्षण) प्रजैन रेंज-4, बम्बई

नारोख: 11-9-1985

परूप बाई टी एन.एस. - - --

(।) श्री एमनन्द पर्मुमल।

(भ्रन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का **43) की** भारा 269-च (1) के अभीन स्**थना** (2) श्रेश्योधर एन० मेट्टी।

(ग्रन्तरिती)

भारत सरकाह

कार्बालय . सहायक वायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बस्तर्द बम्बई, दिनांस 13 सितन्बर 1985

निर्देश सं० ग्रई-4/37-ईई/14548/84-85---श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'अक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पौत्त, जितका स्थित बाजार मूल्य 1,00,000/- स्त. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 201, इमाएत नं०13, प्रेम नगर, बोरीवल (५०), बंबई 92 में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूचः में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायक्षर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 ह,ख के अधीन, बस्पई स्थित सक्षम प्राधितार्यः के एय्पिन्य में रिजस्ट्रा है, तार ख 1-1-1985

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित्त नाजार मृत्य से कम के करमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह निश्वासं करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पृष्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का उन्तर् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सब पाया दृशा प्रतिफल, निम्निसित उद्वदेय से उक्त अन्तरण लिक्ति के सम्पत्ति के स्वार नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभि-नियम के अधीन कर वोने के अंतरक के दायित्व में क्षमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; बौर/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्ह³ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जात: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जर्भरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपगण्य (१) क अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— का यह सूचना जारी करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहिया करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के नर्बन के संबंध में कोई नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस हैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किती जन्म व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो व्यक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया हैं।

श्रनुसूर्च≀

फ्लैंट नं० 201, जो दूसरी मंजिल, इमारत नं० 13, प्रेम नगर, बोरिवली (प०), बंबई 400092 में स्थित है।

श्रनुसूर्च। जैसाकी क्रमंश श्रदी-4/37-ईई/14548/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी तस्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को स्थजिटई िया गया है।

> लक्ष्मण क्षास सक्षम प्राधि गरी सहाय⊛ ग्रायक्त (नि**र्रक्षण)** ग्रजन रेंज-4, बस्ब**र्ड्**स

नारीख : 13~9-1985

प्रस्य वाद .डी .एन् .एक . -----

माथकार अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन मुखना

शास्त्र सहस्राह

कार्यालय, सहायक आयकर बायक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-4, वन्बई

बम्बई दिना ः 10 सितस्बर 1985

सिदेश मं० ग्रई-4/37-ईई/14337/84-85---ग्रतः म्झे, लक्ष्मण दाम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का निरम हैं कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिला संव पर्लंट नंव 12, जो, इसारत नंव 1/ए, 3री मंजल, राम नगर, बोरिवलं सी तह्य की-श्राप्त हाउ- सिंग मोपाईटी लिव, एराविव रोड, बश्बई-92 में स्थित है, (श्रीर इसमें उपावड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं), श्रीर जिला करारनामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269 कु,ख के अध्यत, बस्बई स्थित सक्षम प्राधि- कारी के कार्यालय में रजीस्ट्रा है, तार्य ख 1-1-1985

को पूर्नोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ते काम के द्ववनाल क्षितफल के निए अन्तरित की गई है ज्यैन मुक्ते यह विववास करने का कारण है कि अभापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित अकार मृत्य उसके दृश्यकान प्रतिकत्त वी पूर्व हृश्यकान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिवास अधिक है और वंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के सिए तय नहा नवा प्रतिकल, निम्निशिष्ट उद्देश्य से उक्त अंतरण निमित्त में वास्तिविक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी नाय की बाबत, अक्ट अभिनिया के अभीन कर दोने के अन्तरक के वृद्धिक में कमी करने या उसने क्वने में सृविधा वै सिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बच्च बास्कियों को जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. खिपानें में सुविधा से खिए,

जत: जब, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के जनुतरण जो, मी, उक्त जिभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के जभीन, निस्तिचित व्यक्तियों, जभीत् ः--- (1) श्रं: नटवरलाल नाथालाल रामी।

(अन्तरक)

(2) श्रीः योगेश जयंतीलाल दोणीः श्रीर श्रन्य। (श्रन्नरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिख् कार्यवाहिकां करता हों।

तकता सम्बन्ति के बर्जन के संबंध में करेड़े भी आखेप :---

- (क) इत स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की रारीं वे 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविच्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस तुमना के राजपन के प्रकासन की तारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थातर संपरित में हितनस्थ किसी अन्य स्थातित द्वारा जभाहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकते।

स्वच्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्धों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्यास में दिया गया है।

ग्रन्मूकी

फ्लैंट नं० 12, जो, इमान्त नं० 1/ए, 3रे मंजिल, राम नगर, बोरिवलें। सि व्ह्यू को-श्रांप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, एस०वि० गोड, बस्बई-92 में स्थित है।

प्रमुखा जैसाको कर्मर प्रई-4/37-ईई/14337/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजीस्टड किया गया है।

> लक्ष्मण धास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरंक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बस्बई

तारीख: 10-9-1985

प्रकृप बाइं. टी. एन. एस.-----

बायकार अधिनियम, 1961 (19**61 का 43) की** भारा 269-व (1) के **बभीन सुचना**

नारत चरकार

कार्यालय, सहादक अन्यकर आवृक्त (निरीक्तण)

भ्रार्थन रेंज-4 अम्बई बम्बई दिनांक 10 नितम्बर 1985

निदेश मं० ग्राई-4/37-ईई/14505/84-85---- ग्रातः मुझे, लक्ष्मण दास

वायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें प्रचात् उक्त अधिनियम' क्छा गया ह"), की बाख 269-ख के अधीन तक्षम प्राधिकारी को मह विक्वात कारने का कारण है कि स्थानर तस्मित, जिसका उचित बाखार भूक्य 1.197, (2007) र ग. में अधिक है

और जिनका नंव पर्लंड नंव 602, जो. 6वीं मंजिल, इमा-रत-सुमेर नगर, कोरा केन्द्र के सामने, एसविव रोड, बोरिवलीं (पव), बम्बई-92 में स्थित है (ग्रौर इससे उपा-बद्ध श्रासूचा में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसना उपारनामा ग्रायार श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 न्व, ख की श्रधान, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के नार्यालय में रजीस्ट्री है, तार्र ख 1-1-1985

को प्रविक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के अस्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथाप्त्रोंका स्परित का रिचित जाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंग्ररका) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्निसित उच्चरिय से उक्त अंतरण जिस्ति में बास्तिबक क्य से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण म हुइ किसो आप को बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के याग्रिस्त में कमी करने या उससे यमने में सुविधा के निष्; आर्रिशा
- (ब) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्थियों की जिन्हें भारतीय भागकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भव-कर अधिनियम, वा भव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने में सुविधा के निष्

बत: बव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, जी, अक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) को अधीन निम्नसिवित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री तीला ाम अभूमल ।

(अन्तरक)

(2) श्रामतः जयश्रंः प्रितमदास परवार्नाः।

(ग्रन्ति-तं∶)

को कह तुमला जारी करके पूर्वोक्स संपरित के अर्जन के लिए के कार्यमाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्वाम के राज्यत में प्रकाशन की तारीर से 45 दिम की जबिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वाम की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्वाबत मों में किसी व्यक्ति इवारा,
- (क) इस कुरना के हायपुत्र में प्रकारन की दार्यन से 45 दिन के भीदर अनत स्थावर संपरित में हितवयुथ किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास विविद्या में किए जा सकति।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्सूं विधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याक में विधा गया है।

अनस्ची

प्लैंट नं० 602, जो, 6वीं मंजिल, इमारत-सुमेर नगर, कोरा होंद्र के सामने, एस०वि० रोड, बोरिवर्ला (प०), वस्बई-92 में स्थित है।

श्रनभूचो जैसाकी क्र०मं० श्रई-4/37-ईई/14505/84-85 श्रीर जा पक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निर्राक्षण) ग्रर्जन रेंऽ-4, बस्बई

तार्खाः 10-9-1985

प्रकृष आई. टी. एन. एर.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 पितम्बर 1985

निर्देश सं० श्रई-4/37-ईई/14241/84-85—श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मंब हुकान नंव 5, जो, तल माला, वर्धमान प्रपार्टमेंट्स, ब्लांक एसवनंव 84, 2, 3, 4 एचवनंव 14, सोधावाला लेन, बोरियली (पव), बम्बई-92 में स्थित है और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण कर से विणित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 ब,ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के क्यार्यलय में रजिस्ट्री है दिनाँक 1-1-1985

को प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कारने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का अभित बाजार ब्रूब, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रवृद्ध प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया शांतफल, निम्नलिकत उद्वेद्य से उक्त अन्तरण निस्तिन में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) जनसरण स हाइ किसी जाय की वावत, उक्त वाधिनियम के अधीन कार दोने के अतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य असितयों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के स्पैंचका के जिए;

क्त: अब,, उक्त आधीनयम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम को धारा 260-च की उपधारा (।) के अबीच, जिस्तालिखित व्यक्तिया, अधीत :—— (1) मेसर्भ वर्धमान डेंब्ह्रसपमेंट कांपेरियन।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती स्वशमणि भावजी गाला।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना बारी कारके पृथीक्त सम्पत्ति के वर्बर के जिए कार्यवर्शहरा फारता हो।

उक्त सम्बक्ति के कर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध कि सी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किये का सकेंगे।

स्युक्त क्षस्यां आरे पर्वा का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित्र हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विशा गंगा हैं।

अन्स्ची

दुकान नं० 5, जो, तल माला, वर्धमान ग्रपार्टमेंट्स, ब्लाक एस० नं० 84, 2,3, 4 एच०नं० 14, सोडाबाला होन, कोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की ऋंक्सं० श्रई-4/37-ईई/14241/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिनांक 1-1-1985 कों रजीस्टई किया गया है।

त्यदमण दास सदम प्राधिकारी सहायक प्रायकर भ्रापुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, सम्सई

मारीख: 10-9-1985

प्ररूप बार्षः दी, एनः, एसः,=======

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई दिनांक 13 सितम्बर 1985

निर्देश सं० ग्रई-4/37-ईई/14311/84-85---ग्रन: मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

और जिसकी सं० शांप नं० 4, तल मंजील, विक्रम श्रपार्ट-मेंट, बोरीवली (प०), बंबई-92 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), और जिपात करारनामा श्रायक्त श्रविनियम, 1961 की धारा 269 ए, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित स्थाम प्राधिकारी के नार्यालय में रजिस्ट्री हैं। तारीख 1-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बाजार मूं ते काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच उसे, अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य सं

- (क) मध्य ६६ स ट्रॉ इंकरी मध्य को झकत हक्त मधिन दिसम के अधीन ४३ ६ त क मन्तरक से द्रायत की अभी करने या उससा चचने में सुविधा की निर्णेष्ट (1-5, %)
- (व) एसी किसी बाय या किसी अन अन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तिरिती (बारा प्रकट नहीं किया स्था वा वा किया बाना वाहिए था कियाने में अनिभा के विषय,

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम को धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :--- (1) श्री प्रदीन भाग्तालाप्त दर्द और श्री एन ब्लंब सोधी।

(भ्रन्तरक)

(2) हरीचन्द्र ए० म्हाज्ञे और जीतेन्द्रन किस ठाकुर।

(अस्तरिती)

को यह मुखना जारों करके पूर्वीक्त सम्पत्ति यः अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हो।

उक्त सम्पारत के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप 🏖

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियां
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास कें के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उपेत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सर सची

णाप नं० 4, जो तल मंजील, विक्रम ग्रपार्टमेंट, बोरी-बली (प०), बंबई 400092 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी कल्मं अई-4/37-ईई/14311/84-85 श्रोर जो पक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा, दिनौंक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड कियागया है।

> लक्ष्मण दास सक्ष्म प्राधिकारी महायक ग्रामकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-4, बस्बर्ध

न**्रीख**: 13-9-1985

मोहर ।

बक्ल बाह्य टी.एम.एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) भारा 269-भ (1) फें सभीन मचना

नारत धरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देश सं० भ्रई-4/37-ईई/14533/84-85----- मुझे,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने एसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सद्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00.000/-रा से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 4, जो, तल माला, दत्तानी अपार्टमेंट नं० 1, व्हिलेज बोरिवली, एल०टी० रोड, बोरिवली(प०), बम्बई-92 में स्थित है) और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा आगकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम आधिकारी के कार्यालय में रिजिस्नी है, तारीख 1-1-1985।

कारे पृष्टिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बच्यमान प्रतिफल के लिए अंटिश्त की गई है और मूम्में यह शिएबास इस्ते का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार ब्ल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे खम्यमान प्रतिफल के इन्द्रह प्रतिकात से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और इन्द्रित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के इन्द्रित तय पाया बया प्रतिकल, निम्निलियान उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिलित वे बास्तियक रूप से कायत महीं किया भया है है—

- (क) जन्तरण से हुई जिल्ली जाय की बाबत, उक्त जिथितियम जै जभीत कर दोने जै सल्हरक कें बाबिटच में कमीं करने वा उससे क्यमे में शीनधाः के सिन्ह; जीहा/बा
- (क) ऐसी किसी नाप था किसी भन या अन्य आस्तियाँ की किसी भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गवा था रा किया जाना काहिए था, खियाने में मुद्रिका के लिए।

(1) मेसर्स संदीप द्रस्ट।

(अन्तरक)

(2) श्री मधुसूदन एन० काकड और ग्रन्य। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सम्राप्त होती हो, के भीतर प्रकेशन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा:
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच वें 45 दिन के भीतर उस्त स्नावर सम्पत्ति में हिसबव्ध किसी काथ जातिक ब्यार स्वीम्याकरी के पास चिकित में बिका का सक्तेंगे।

स्क्रक्क किर्णः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्तरस्य

दुकान नं 4, जो, तल माला दत्तानी प्रपार्टमेंट नं 1, ब्लिलेज बोरियली, एल०टी० रोष्ड, बोरियली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

न्नतुम् जैसाकी अल्सं ग्रई-4/37-ईई/14533/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजीस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 10-9-1985

प्रकंप काइं.टी.एन.एस ु------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 सितम्बर 1985 निर्देश सं० श्रई-4/37-ईई/14396/84-85—ग्रतः मुझे, स्मण हास

न्नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात जिक्त विधिनियम कहा गया है), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. में अधिक है

और जिसकी सं० पलैट नं० 603, इमारत नं० 1, मुमर नगर, बोरीवली (प०), बंबई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिसी (जन्तरितियों) के बीज एसे जन्तरण के लिए तम पामा गया गतिक स निम्निसित्त उद्देशम से उक्त कन्तरण निवित्त में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है ।——

- (क) बन्तरण वे हुई स्थिती बाव की बावसा, उपस बर्गिनियन के बधीन काए दोने के बन्तरक की दासिस्थ भें सभी काइने या उन्तर्स क्षत्रने में स्वीवधा की विद्यक्ष
- (क) एंसी किसी आय या किसी भन वा बन्च नास्तिओं को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, जिपाने में सविधा औं रैंबंद्र)

भिष्यः जब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अधीन, निस्नीसिचित व्यक्तियों, अर्थात् क्र-- 1) श्रीमती शोभा ए० बजाज।

(भ्रन्तरक)

(2) महमद इब्राहिम शेख और भ्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सन्पत्ति के वर्षन के सिंए फार्यवाहियां कारता हो।

इ. क्या संपत्ति की वर्षन को संबंध में कोई भी वासोप :---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जनभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनभि, जो भी अविध बाद में इनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधेहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा तकेंगे।

स्पर्धाकरणः — इसमें प्रयुक्त अन्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्यास 20-क में परिभाष्ट्रित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में क्या यहा है।

धनुसूची

पलैट नं० 603, जो छटवी मंजिल, इमारत नं० 1, सुमर नगर, केरा केन्द्र के सामने, एस०वी० रोड, बोरीवली (प०), बंबई 400092 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी अं०सं० श्रई-4/37-ईई/14396/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

ारीख : 10--9--1985 त .

प्ररूप बाह्_य टो्_उ एन_{्ड} कुर्_{ड-न्ड-न्डन्ड}

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की प्राह्म 269-म (1) के बधीन स्वता

(1) हर्षा इंटरप्रायजेस ।

(प्रस्तरक)

(2) के०ओ० देवासी।

(भ्रन्तरिती)

मारक पहला

कार्यानय, सहायक भावकर बाय्क्स (निरीक्षण):

श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निदेश सं० ग्रई-4/37-ईई/14678/84-85----- श्रत: मुझे, लक्ष्मण दास

जायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विस्ते इसके) इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गवा हैं), की भारा 263-च के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने स्त्र कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार वृक्व 1,00,000/-ए. से अधिक है

और जिसकी मं० पलेट नं० बी-102, जो, शिव छाया इमारत, एक्सार निकामुद्दीन रोड, बोरिवली, बम्बई में स्थित है(और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा स्रायकर श्रिक्षिनयम 1961 की धारा 269 क,ख के प्रधीन, बम्बईस्थित सक्षम प्राधि-्रञ्चारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकस का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिखीं (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिकल, निम्नलिखित उद्दश्य सं उक्त अन्त<u>ारण निचित</u> में दास्तविक रूप से कथिब नहीं किया गया 🛢 🖫 🗕

- (क) मन्तरण ते हुई किसी मान की नावस्ता उस्स सिंपिनियम के नधीन कर दोने के बन्तरक व दायित्व में क्यी करने या उससे बचने में सुविधा अं निए; भीड∕ या
- '(स) एोसी किसी अाय या किसी भन या अन्य आस्तिकीं का, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा थन-कर **व**िधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गरा था का किया जाना चाहिए था खिलाने में सविभा के सिए;

बक्ट बंब, उक्त विभिनियम की भाग 269-ग की जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन, हैनम्नलिखित व्यक्तियाँ_। वर्षात् ड्रास्ट

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन क तलग्र कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस सुचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख़ क्षे 45 बिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त श्यक्तियों में से किसी श्यक्ति खुवारा;
- (का) इस स्चना को राजधन में प्रकाशन की तारील ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति बुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निम्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, अधिश्वियम के अध्याद 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

पलैट नं० बी-102, जो, शिव छाया इमारत, एक्सार निकाम्हीन रोड, बोरिवली, बम्बई में स्थित है।

म्रन्सूची जैसाकी ऋ०सं० म्रई-4/37-ईई/14678/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

तारीखा: 10-9-1985

भाषकर गीपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बचीन बुवन

वादव प्रत्यात

कार्यासय, सहायक आयकर माय्क्त (निर्देशन)

ध्वर्णन रेंज-4 बम्बई बम्बई,दिनांक 10 सितम्बर 1985

निदेश सं० प्रई-4/37-ईई/14398/84-85—-प्रत: मुझे, लक्ष्मण दास

जायकर अधिनियम, 1961 (1931 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,90,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी नं पलैट नं 604, इमारत नं 1, सूमर नगर, बोरीवली (प०), बंबई 92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रमुखी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा प्रायकर प्रक्षिनयम 1961 की धारा 269 क,ख के बधीन, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 1-1-1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) बाँच बन्तरिति (अंतरितियां) के जीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मूँ वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त अधिनियम क अधान कार दोन के अन्तरक की अधिरक में कमो कारने या उरासे बचले में सुदिहाई की लिए; कांबु/आ
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें आरतीय नाय-कड़ निभिनयमं, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिन्यमं, या भन-कर अधिनियमं, 1957 (1957 का 27) के पराजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में विवास के जिल्हें;

क्रिंग कर्न जनत अभिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में , मैं, उक्त करिशनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के वर्धान्त निम्नाजितिक क्रिक्ति क्रिक्ति क्रिक्ति क्रिक्ति क्रिक्ति

1. श्रीमती श्राशा हरीश भाटिया

(ग्रन्तरक)

2. श्री प्रेमचन्द के० भडारी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपत्ति के अर्जन के ज़िए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संस्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप्:"--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो। के भीतर प्रवास्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रुपाचर सम्पत्ति में हितदक्ष किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पाच लिसित में किए या सकेंगे।

स्पक्कीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय २०-क में परिभावित हैं, बही कर्ष होगा जो उस अध्याय में विद्या एका हैं,

अनुसूची

पलैट नं० 604, जो छटवी मंजील, इमारत नं० 1, सूमर, नगर, केरा केन्द्र के सामने, एस०वी० रोड, बोरीवली (प०), बंबई 400092 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की फ़॰सं॰ श्रई-4/37-ईई/14398/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्राधुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारी**ख** : 10**--**9--1985

माहर 🖫 🕟

प्रकृत नाइ<mark>र् टी. एक. एस-</mark>मन्दरनननन

बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-घ (1) के वधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्स (भिरीक्षण) प्रजीन रेज-4, बम्बई

बम्बई,दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देश सं० ग्रई-4/37-ईई/14636/84-85—श्रत: मुझे, लक्ष्मण दास

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को भाष 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 503, इमारत नं० 1, सूमर नगर, बोरीवली (प०), बंबई 92 में स्थित है (और इससे उपावद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रीध नियम 1961 की धारा 269 क, खं के अधीन, बम्बई स्थिन सक्षम प्राधिकारी के कोर्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 1-1-1985

करं पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निचिचित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूबिभा के लिए; और/मा
- ्स) एसी किसी बाय था किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27), का प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, अध्याने में सूरिवधा के सिष्

जतः जयः, उक्त अधिनियम की पारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-स की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिवित व्यक्तिस्तयों, जुर्धात हिन्स (1) श्री मुलचन्द जी० मेन्दा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती जें बी० ठक्कर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृवाँक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाह्यां सुरू करता हूं [1]

उक्त सम्पंति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की वर्तीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की बर्ताध, जो भी अविध बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोचस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्द व्यूष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पूर्वों का, जो उक्त, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

ग्रनुसूची

पलैट नं० 503, ओ पांचवीं भंजिल, इमारत नं० 1, सूमर नगर, केरा केन्द्र के सामने, एस०बी० रोड, बोरीवली (प०) बंबई 400092 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी क्र०सं० श्रई-4/37-ईई/14636/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारी**ख**: 10-9-1985

प्रकार नाव े ही, पुन, एस लगावनकार

नाथकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के विधीन सूचना

भारत बास्कार

कार्यात्व, सहायक वावकार बावका (निर्देशका)

श्रर्जन रेंज 4, बम्बई

बम्बई दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्देश सं० ग्रई-4/37-जी/91/84-85—-अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

वावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह पिदवास करने का कारण ही कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी संव जमीन का हिस्सा, जिसका सर्थे नंव 217 एचव नंव 1 सीवटी व्यवस्व 2972, व्हिलेज मनोरी, तालुका बोरियली, बम्बई हैं तथा जो बम्बई में स्थित हैं (और अससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बाजत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिक्षकारी के कार्यालय, बम्बई मैं राजिस्ट्रीकरण ग्रिक्षित्यम, 1908(1908 का 16) के ग्रिक्षीन, तारीख 16-1-1985।

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उत्तित वाजार मूल्य से कम के क्यामान प्रतिफन के जिए संतरित की गई है और मुक्ते यह निकास करने का कारण है कि अथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उज्जित बाजार मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और कंत-क्ति (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के सिए तय पाया गया प्रतिपन्न, निम्निजिति उद्देश्य से उन्त अंतरण जिल्लित में क्तियक रूप से कर्ष्यत नहीं किया गया है :---

- (क) नंतरक से हुई किसी बाय की बाबत, उनत विचित्र नियम के अधीन कर दोने के बंतरक के कारित्य में कमी करने वा उसले बचने में सुविशा के सिह; ज़ॉर/का
- (क) इसी किसी थान वा किसी धन वा क्या अस्तियों को जिन्ही भारतीय जानकर अधिनिवन, 1922 (1922 का 11) वा उच्छा अधिनिवस, वा धन-कर अधिनिवस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंदारिकी सुनन्त प्रकट नहीं किसा भना था यह किया बाना आहिए था, क्रियान के सुनिधा के निव्हा;

वरः वदः, उक्त विधिनवम की भारा 269-व के बन्तरण् में, में, उक्त विधिनवम की वारा 269-व की स्वधारा (1) के अधीन, निम्निसिसिस व्यक्तियों, अर्थात्--- (1) ओसेप थांमस (पेड्रू)।

(भ्रन्तरक)

(2) 1 मास्टर अंन्थोनी आनियल गोम्स, और 2 मास्टर उन आनियल गोम्स। (ग्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ट सम्मित के वर्षन के विष् कार्यग्रहिमां सूक करता हुं।

उक्त सम्मति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी बबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों, में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों,
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति य्वारा म्याहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. बही अर्थ होगा जो उस अध्याय के दिया नमा हैं।

प्रवस्ती

ग्रनुसूची जैसाकी विलेख सं० और जो उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 16-1-1985 को रजीस्टर्फ किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधकारी सहायक आकयर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-4,बम्बई

तारीखा: 10-9-1985

मोहर 🖟

प्ररूप आहें हो . एन . एव . ; *-----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

बारत सरकाइ

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिक)

श्रर्जनरेंज -4, बम्बई

बम्बई दिनांक 10सितम्बर, 1995

निदेश सं० श्रत-3/37-/जी89/84-85-श्रतः मुझे, लक्ष्मणदास,

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्परित, जितका उचित बाजाह मून्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

और जिसकी सं जिसेन का हिस्सा, जिसका सर्वे न 271 एच । न 1, सी टी । एम । न 2972, जिलेज मनोरी, तालूका । बीरिवली, बम्बई में स्थित , तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रतृमुचीं में और पूर्ण क्य से विणत है (, रिजिस्ट्री कर्ता प्रधिकारीं के कार्यालय, इम्बई में रिजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, क्रिंथ 08 (1908 का 16) के प्रधींन, तारीं का 16-6-1985, को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पत्यह प्रथिवत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरित्यों) के बीच ऐसे कन्तरण के किए तथ पाया गया हिंदिक, जिल्ला की कि एसे क्यारा के किए तथ पाया गया हिंदिक, जिल्ला की कि एसे क्यारा के किए तथ पाया गया हिंदिक, जिल्ला की कि एसे कि स्था क्यारा की किए तथ पाया गया हिंदिक, जिल्ला की कि स्था की कि एसे कि स्था की कि से से कि स्था की कि से से कि स्था की कि से से की कि सिंप की कि सिंप की कि सिंप से कि स्था की कि से से कि सिंप से कि स्था की कि सिंप से सिंप से कि सि

- (क) बन्तरण सं धुषं किसी शाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक की बार्यित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा क्षे सिए; कीर/बा
- (भ) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, चिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंदरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिह;

जतक अज, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जे, जे, अक्त अधिनियम की भाग 269-त की उपभाग (1) के अभील, जिस्तिविक्त अधिकार्यों, अभित् क्र— (1) श्रीं आवेत बताई जोतंक ।

(भ्रन्तरक)

(2) 1. मास्टर ग्रन्थांनी डेनियल गोम्स, और 2. मास्टर वन डेनियल गोम्स।

(भ्रन्तिरती)

करें यह स्चना जारी करके प्योक्त सम्यम्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन की अवधि या तत्सेवंधी व्यक्तियों प्रस्माचना की तामील भें 30 दिन की अवधि, जो भी जनधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्रप व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर एक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोइस्ताकारी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्यध्दीकारण :---इसमी प्रशासत शब्दी और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विका गया है।

श्रनुसूची जैसे कि ऋ० स० विलेख न० 1465/83 और जो उप रिजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिना रा 16-6-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीखा: 10-9-1985

मोहय:

प्ररूप आर्चे.टी.इन्.एस्.ु------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज़ (1) के विधीन त्यना

भारत गरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निजीक्षण)

ग्रजन रें ज-4, बम्बई

बम्बई दिनांक 10 मितम्बर 1985

निवेण सं० ग्राई-4/37-जी/90/84-85- श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नाबकर अधिनिबस, 1961 (1961 ना 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियस' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित प्राप्तार मृस्य 1,00,090/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं जिसीन का हिस्सा, जो, रेवेन्यू विलेज, मनोरी तालूका, सर्वे न० 285, एस० नं 3, सी टी० एस० नं 137, बोरिवली, बस्बई तथा जो बस्बई में स्थित हैं और इसमे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पर्णक्त से वर्णित है, (रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के वार्यालय, बस्बई में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 ाा 16) के प्रधीन, तारीख 16-1-1985, को पूर्वोक्त रायपित के जिसत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिपक्त के लिए बंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का जीवत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रकारत से प्रसिक्त से प्रसिक्त से प्रसिक्त की एसे दश्यमान प्रतिकत का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का जीवत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रकारत से एसे दश्यमान प्रतिकत का पन्तह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्ता) के बीच एते जन्तरच के लिए तय पामा गया, प्रतिकत, निक्निश्तित उद्देश्य ते उक्त अन्तरण मिवित में वास्तिक रूप से किंग्त नहीं क्या गया है ध--

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वानत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दागित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दागित्व के लिए; और/वा
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या जस्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयठ-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) रा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जत: अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुबरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन , निम्निलिखित व्यक्तियाँ, जर्थात् ∷— (1) श्री जॉन फिलिप्स गोम्स।

(म्रन्तरक)

(2) मास्टर ग्रन्थोनी डेनियल गोम्स, मास्टर डान डेनियल गोम्स।

(भ्रन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्बन्धि को अर्थन के लिए कार्यकाहियां करता हुं।

उचन सम्पत्ति को सर्वन को सर्वध में काड़ि भी आक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज ने 45 दिन की जबीध या तत्सव्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्तियां जो भी जब्दीध बाद में सकारत होती हो, के भीकर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित क्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में त्रकावन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर तम्पत्ति में हित- क्यूध किसी बन्य व्यक्ति व्यादा, अभोहत्ताक्षरी के पात सिवित में किए जा सकीं में।

स्पन्दक्रिया:—इसमें प्रयुक्त सन्धी और एकी का, वो उन्हीं अभिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिया गया ही।

नर्स्डी

प्रमुस्ची जैसा कि कि कि 2992/1982 और जो उप रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 16-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज -4, बम्बई

तारीख : 10-9-1985

ਸਂ:

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस. -----

जासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-4, बस्ट ई

बम्बई विपां : 10 ितस्बर, 1985

िदेण सं० अर्थ-4/२१ई६/14200/84-85-- अतः मुझे. लक्ष्मण दाः:

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00.000/- रा से अधिक है

औं कि की संवपलैंट नंव 530, जो गग भीरी त्यार, बोतिली बम्बई 9 में स्थित है औं इंदि उपाबड़ श्रमूर्व में औं एणें-रूप से विषय हैं, (अं ए जिए ता त्यारतामा शायाप श्री रिम 1961 की धार 269 त्यां के शधीत, बम्बई स्थित क्सम प्रधि-व्यक्तिके तमित्य में किन्द्रिय है। तार्रीस 1-1-1985

को पूर्वोक्त सम्परिक के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई वृं और मूं में यह विद्वास करने का कारण है कि बंधापुवाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार अ्त्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक अंतरकों; और अंतरिता (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया विद्या, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में अस्मानक क्य व काथत नहीं किया गया ही

- (क) अंतरक से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त श्रीध-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; जॉर/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी बन या कन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय अधकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या बन-कर अधिनयम, या बन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट महा किया गया का या किया जाना वाहिए भी, छियान में सुविधा की लिए।

बत: अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जननरम भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) क अधीन जिम्मिलिखित व्यक्तियाँ, अधात :----54---276 GI/85 (1) गानीरी डवः,पनेट ग्राग्योरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्रीं नेरूपोतम सदाजन्द गावसार।

(श्रन्अस्ति)

को यह स्वना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवीधि या तत्संत्रधी व्यक्तियाँ पर स्थान सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

्रमञ्ज्यीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों कौर पदों का, जो उक्त आयकर साधीनयम के अध्याय 20-के में परिभाषित ही, बही अर्थ द्वांगा जा उस अध्याय में विवा गया है।

अन<u>ृ</u>स्ची

फ्लैंड नं० 530 जो ए लिंग, गगाभीरी नगर, एकार रोड, को पिली, बन्बई-400092 में स्थित है।

श्रनुसूची जै ा ि क० सं० श्रई 4/37ईई/14200/84-85 और जो अम प्राधि ारी, बम्बई ब्राम दिनोठ 6-1-1985 को रजिस्टई स्थि गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम गवि.1री सहायः ग्राय : प्रायुक्त (तिरोक्षण) भजेन रेज-4, बम्बई

नारींद: 10-9-1985

शहर :

प्रकृष बाह्र टी एन एसं. .-----

भायकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत बरकार

कार्यानयः महाधक बाधकर बायक (निरीक्षण) अर्जन रॉज-4, बम्बर्द बम्बर्द, दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्दोश सं. अर्घ-4/37-ई र्घ/14672/84-85---अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक परकात उक्त अधिनियम कहा नवा है), की धारा 260-व के कथीन मक्षक प्राधिकारी को यह विकास करन का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, विसका उचित बाजार बुस्ब 1,00,000/- का से अधिक है

कीर जिसकी सं. शाप नं. 6, स्टार गैलेक्सी, बांरिवली (प.), बम्बई-92 मे स्थित हुं (ग्रीर इससे उपाबत्त्व अनुसूची में और पूर्ण रूप सं विणित हुं), और जिसका कर रनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिक री के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-1-85 का पूर्वाका सम्पत्ति के जार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-1-85 का पूर्वाका सम्पत्ति के जार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-1-85 का पूर्वाका सम्पत्ति के जार्यालय में कार मूल्य से कम के रिश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्म है और मूक यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सपत्ति का उचित बाबार पूर्वा, उसक का यमान प्रतिफल सं, एम क्रयमान प्रतिफल के पन्तरित (अन्तरित को प्रमान प्रतिफल सं अधिक हैं और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरित (अनारितयों) के बीच एम अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य सं इकत अन्तरण निवित्त को बास्तिक क्या से किया गया है :——

- (क) बन्तरण संहुई किसी बाय की बाबत उक्त बाधिनियम के अधीन कर दन के अन्तरक के बायित्व में कमी करन या उत्तस बचन में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) एसी किसी अग या किसी अन वा अन्य आस्थिय। की जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या अम-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपान में वृविधा के लिए।

कत है । उक्त अधिनियम की धारा १६०-ग के बनमरक कों, कों: इक्त अधिनियम की धारा 269-रे की उपधारा (1) को सधीर निम्नलिखित व्यक्तियों, अधात । 1. श्री दालचन्द सी. पालीवाला।

(अन्तरक)

2. श्रीमती पृष्पा एम. नवानी।

(अन्तरिती)

को यह मधना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन्नके सिर कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

इक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र मन्न

- (क) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीस स् 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों प सुखना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो अं अविधि बाद में समाप्त हाती हों, के भीतर पूर्वेक्श व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका -45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हितबक् किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पा लिखित में किए जा सकींगे।

स्वच्यीकरणः — इस्में प्रयक्त कवां और पदों का, को उच्च अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभावि हैं वहां अर्थहागा का उस अध्याय में वि वकां हैं।

अनुस्की

शाप नं. 6, जो तल मंजिल, स्टार गैलेक्सी, एल. टी. रोड शेरीयली (\mathbf{r} .), बस्बर्ध-400092 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क. सं. अई-4/37-ईई/14672/8/ 85 और जो सक्षम प्राधिक री, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-198 को रजिस्टर्ड किया गया हो।

> लक्ष्मण वा सक्षम प्राप्तिकाः सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण अर्जन र्रज-4, सक्क्

दिनांक : 10-9-1985

शक्य बाह् . दी एस एस ------

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यासब, सहायक भायकर वाग्यक (निरीक्षण)

मार्ति रेज-४, बग्दही

बंद है, दिता : 10 ितम्बर, 1983

िदे : सं० अई-4/3 ईई/ 2440 ,8 283 श्रतः मुसे, सदमा दाम,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 265-क क अधीन सक्तम प्राधिकारी का यह विश्वान करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाबार मून्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

भी जि. मी संवेधाएं नंव 2, इमा त नंव 2, ज्या हुट र, बारा जि. (10), बम ई-9, में था है और इंग उपाबत प्रमुक्त में जीर पूर्ण हुए । बोजत है, और जि. ग. ा मा मार पर्धा पिम 1931 की धारा 239 जि. के अधीन, ब वई स्थित मानम नाचे गरा के जायी है में जि. दें है लारीख 1-1-1985,

को पूर्व कत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रांतफल के लिए अन्तारत का गद्दे हैं आर मूफ यह विद्यास करने का कारण हैं कि यथापूर्वकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके न्ह्यमान प्रतिफल सा, एस दश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिक्षत स अधिक हैं और अतरक (अतरकों) और अतरित (अत-रित्यों) के बीच एस अहरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नोलियत उद्दुद्ध से उक्त अतरण लिखित में बास्तिकक हैं से का किया गया हैं:—

- (क्क) जंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उथस आधीनश्रम के अधीन कीर देते के अतरक के एर्शिश्य में अभी कीरन सा असस सच्चम में सृषिधा के जिए, जौर/मा
- (क) एली किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां का चिन्ह भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्न अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 1957 का 27१ के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूबिशा के लिए;

बत बंध, सबल अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हो, हो, शबल बीधीनयम को धारा 260-थ की उपधारा (1) की अधीन, मिस्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---- (1) श्रा चलद्र किन एम० ६ जारा।

(श्रन्तः)

(2) श्री एस० वी० गुप्त काँउ धन्य।

(घ ः(तीं)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के शिष् क यंवाहियः करतः हुः।

सक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप र---

- (क) रत स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन को अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तिया पर स्थान का तामाल स 30 दिन का अवधि, या भी सवधि बाद में समाप्त हाती हा, के भातर पूर्वाक्त ध्याक्त या से सम्भावित स्वादा स्वादा स्वादा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दां किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीगे।

स्पष्टिधिरण:---इसमें प्रयुक्त बाद्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहां अर्थ होंगे जा उस अध्याय में दिसा गया है।

शा वं 2, तो, ा ति ; ाति वं 2, हता तर बुटीर हैं उर ले , मा व ति (२०), । ई-40000 : में हेम हैं। भा सूची जै ति कि सा ई- /3 ईमें 440 98 -85 और जो जिसा कि तरि, माई पा पाक 1-1-1983 को रिवार के टितार तहै।

> स्यमः धाः, सक्षमः प्रिः। प्री सहायः, धारः, र ध्युक्तः (निर्देक्षणः) सर्वतः रेप-4, बस्**वर्षः**

तारीखः 10-9-19**8**5 माहर प्रकृप बाई टी.एन.एस. -----

भाषकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-भ (1) के नुभीन सुमना

RICE STATE

नायांच्या, सहायक आयकार वाम्क्त (निरीक्षण) प्रज्ति रेंड-4, वम्बई

बम्बर्ष दिनांदा 10 तिस्बर, 1985

निदेश सं॰ एम-405/85-86--अतः, मुझे, लक्ष्मण दास

वायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमे इसके शक्तात 'उक्त विधिनयम' कहा गया इ'), की धारा 269-च के नधीन मक्षत प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाचार मुख्य 1,20,000/- रा. से अधिक है

पलैट नं 102, ए-गिंग, एग्टा इपारमेंटस बे लिए (०), बार १-92 में रियत हैं श्री इसते उपादक अनुशूर्च में और पूर्ण ए एंगिए हैं अगर जिसका का प्रताम गया १ शि यम 1961 की धारा 2 9 वस के अधीन बे ई स्थित सक्षम प्रधित्ति के रायरिय में रिजिट्टी है तार्र छ 1-1-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दरामान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करन का कारण है कि उभापबाक्त सम्पान्त का उपक्रत बाजार मूल्य उपके दरयमान प्रतिफल सो, एसे दरयमान प्रतिफल का फल्दर प्रतिकत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरका) और बन्त-रिती (जन्तरितयों) के बीच एस जन्तरण के मिए तब पाना नवा बनिफल निम्नोलिक उदयक्य में उक्त अन्तरण कि बिस्त में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया नया है क्रिक्त

- (क) अन्तरण से दूर किती बाग की बाबत उक्त अविनियम के अधीन कर दोने के बन्तरफ वे दायित्य में क्वी करने या उत्तर्ध अपने में सुविधा के लिए, आरं/शा
- (च) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिजियम, 192? (1922 को 11) या उक्त अधिजियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. क्रियानं में सुविधा के जिए;

नतः नव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसम्ब में में, उसन अधिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों,, अर्थात् :--- (1) श्री सी॰एम॰ ५टे : ।

(प्रन्तर:)

(2) श्री डी० सी० ग्रजावश्र ।

(भ्रन्तरिती)

का वह ब्या बारी करके पृशीयत सध्यात्ति के बचन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उन्त दलाति के वर्षय के सन्तत्व में कोई ही बाह्यप्र---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर बचना की तामील में 30 दिन की अविध, को भी बचित्र बाद में सजाप्त होती हो, के डीतर पूर्वों कर न्यान्तरायों में से किसी स्वित्र दुवाराह
- (च) इस सचना के राजपत्र में प्रकालन की तारीच से 45 दिन के बीतर उक्त स्वावर सम्मित्त में दितवदय किसी बन्य स्थावत द्वारा वभोहस्ताक्षरी के वाख् सिचत में स्थित वा सकत्य।

रनकीकरण:—इसमें प्रयुक्त काव्यों और पर्यो का, जो उनके अभिनियम के अभाय 20-क में परिभा कि हैं, वहीं नभं हाया जो उस अभ्याय में विशासन के वि

वरस्त्री

पलैंग तं० 20 र, जो दूतरी पति उ, ए-िंग, पुला श्रमार्टमेंटस, एस गिते ।, बा लिंस (प), अन्तर्द 4000 र में स्थित है। श्रमुसूची जैसा ि क० सं० है- /3 हैं / 4612/84 85 और जा सक्षम प्रक्षि गरी, बम्बई डाला दिलाई 1-1-1985 को ्जिस्टर्ड िया गया है।

लक्ष्मा दास सक्षम प्रधि (रि सहाय : श्राय :र प्रायुक्त तिरोक्षण) श्रजीन रेंज-4, बस्बर्ध

तारीख: 13-9-19**8**5

प्रकृत वार्ट . हो . एवं . वृत्र .------

बावकर वीधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के वधीन स्वान

भारत बरकार

कार्यासय, सहाबक भायकर आयुक्त (निराधक) श्रजी रेंज-4, बस्बई

बम्बई दिनाँ उ 10 नितम्बर 1985

:नदे र पं० आई-4/37-ईई/14393,84-85 --फ्रतः मुझे, लक्ष्मग क्षास,

बावकर बाधानियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसक पश्चात् 'उक्त बाधानियम' कहा गया है), की धारा 269-व क बधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विकास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधिय बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और बिन हीं सं० पर्नेष्ट न ० 30%, जो, श्राहाक्षा, ए '० वी० पीं० राज, मगत्रती हास्ने हैं। वे ामन, ब क्यिली (प), बरू ई- 03 में त्यत है (ऑस्ट्रान उपावद्ध श्रासूची में ऑस पूर्ण रूप संधित्त हैं), श्रीर कि । पर्नरातामा श्रीय श्रीर प्राप्त कि श्रीर कि श्रीर की स्थान श्रीय । स्थान श्रीय । स्थान श्रीर के अधीर की स्थान स

्का पूर्वाचित सम्बंति क बीचत वाजार मूस्य से कम के स्वयंत्रण मेतिकल के सिए जन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि संधापूर्वाचल सम्मत्ति का बीचत वाजार मूस्य, इसक स्वयंगन प्रतिकल स एस स्थ्यमान प्रतिकल का नहाइ प्रतिस्त स अधिक है बार अन्तरक (अतरका) आर अन्तरित (अन्तरित में) क बीच एसे अन्तरित के निए तय पांचा नहां मिलक में वास्तिवक कम स काथत मुद्दा किया ग्वा है :---

रिजिन्दा है। तारीख 1-1-1985

- (क) जन्तरण से धुर्द किसी जान की बानत उक्त जीभीनयम के बभीन कर दान को बन्धरक बी द्यायरूप में कमी करने या उनमें बचन में सृत्रिया को जिए, आरि/धा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन वा बन्ध वास्तियों का, चिन्ह भारताय अध्यक्त आधानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाबनाय अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया ज्वा का या किया बाना बाहिए था किया में सुविधा से स्विद्;

अत: जा, उकत अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण वं', वं', उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) चे बधीन, निम्नलिएका स्विक्टनों, नेशांत् ८(1) बोनान्सा बिल्डर्स प्रा० ि०।

(भ्रन्तर :)

(2) श्रीमती नूतन ए १० गडा र।

(घन रिती)

का बहु चूचना भारी करके पृशांकत संपरित के अर्जन के तिहं कायवाहिया करता हुं।

उनक सपरित के बर्चन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस समान के राज्यपत्र में प्रकाशन की शारी का स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की कथि। को भी बनाध बाद म समाप्त हाती हा, क भीतर प्रांचित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखिट में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ द्वागा, जा उन्छ अध्याय में दिया शक्का हैं।

अनुसूची

पलैट नं० 30%, जो आताक्षा एम० वी० पी० रोष हासिट को सामन, बाविवसी (ए), दार्स्ट- 05 में स्थित है। अनुसूची जै गरा क० सं० आई.4,3.ई.दी.439.48.-85 और जो 'क्षम प्राधि गरी, दम्बई द्वारा दिना-' 1-0-1985 को रास्टिड िया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्रधि.ारी सहाय: क्षाय:र क्षायुक्त (रिक्षण) क्रजेन रेंज-4, **बस्बई**

तारीखा: 10-9-1985

मोहर 🖫

प्ररूप बाइं.टी एन एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 263-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

धर्जनरें ज-4, बम्बई

बम्बई दिनांक 10 सितम्बर 1985

निदेश सं० ग्रई-4/37ईई/14342/84-85-- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000∕- रु. स अधिक हैं

भौर जिसकी सं० पलैंट नं० 404 जो दक्त.नी नगर, हमारत मं०3, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित हैं (भौर इससे उपावद्ध भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से दिणान हैं), भौर जिसका गरारनामा भायकर भिधिनियम 1961 की धारा 269 कख के भधीन, बम्बई स्थित सन्नम नाजिकारी के कार्यालन में रिजस्ट्री है तारीख 1-1-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इरगमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रोतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एस अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित्त में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दान के अन्तरक के दायित्व मा कमी करन या उसस वचन मां सुविधा के लिए, और/मा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के लिए;

कतः क्रबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्दरण में, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थात् म्ल्ल- (1) श्री दीरीत केंद्रो।

(भ्रन्त क)

(2) श्री चन्द्रकान्त ताराचन्द शाह ग्रीर ग्रन्य। (ग्रन्तरिती)

को यह स्थान बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के बिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधि या तत्मबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वाकत क्यां क्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 4.5 विन के भीतर उक्त स्थावर सपित्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधांहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्यव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हागा जा उस अध्याय में दिया गया है:

अनुसूची

फ्रेट नं० 494, जो 4भी नंतिन, दनाती नगर, इमारत नं० 3, र्ग० को० रोड, हो तेन तो (ग), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रानुपूत्री जैना कि कल संल श्राह-4/37ईई/14343/84-85श्रीर जी मश्रम प्राधिक री, बम्बई द्वारा विनांक 1-1-1985की रजिस्टर्ड किया गया है।

ल°मण दाः. सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुख्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-4, बम्बई

तारीच : 10-9ब1985

प्रम कार ता. या प्र

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) भी धार्य 269 घ(1) के अधीन संपन्त

भारत सरकार

कार्यालय, महायक वायकर वायुक्त (विर्वाक्षण)

भ्रानेन रेंज-4, बम्बई बम्बई दिनाक 28 अपर 1985

दिंग सं० ग्रई-4/37ईई/14491/84-85---ग्रत: मुझे, लक्ष्ण दःन,

बाग्रकर श्रीधितयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसवें इसके पश्चात 'उक्त अधितियम' कहा नया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह यिश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सर्पास्त्र जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु से उधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० सी-508, जो 5 वी मंजिल, भ्रमृत सागर, एस० वी० रोड, विलेज, मागठाणे, ह्रीभ्रोम, भ्रपार्ट-मेंट के पास, बोरविली (प) बम्बई-92 में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णंरूप से विणित्र है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-1 1985,

की प्रशंक्त सम्पत्ति के उधित आखार मन्त में कम के स्वयं प्रशिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यांक्त सपित का उधित बाजाए मृत्य, उसके उत्यमान प्रतिकल के, एसे उपयमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिशत में अधिक है और अतरक (सतरका) और वतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अतरक के लिए तम पांचा प्रतिकल निम्नलिकित उद्योग्य म उस्त अन्तरण लिखित में शम्भविक नप म कथित नहीं किया गया है ३--

- (कः) अन्तरण सं धूर्व किसी बाब की वाबस, उपक अधिनिक्षम की बधीन कर वीचे हैं अन्तरक को दाबित्व में कामी करन वा उक्कस ध्वन मां सुविधा को निए; सौर/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को (अन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 कर 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर आधि-वियम, या धन-कर आधि-वियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अल्लिकी विवास प्रकट नहीं किया गया था पा खिया धाना चाहिये था, कियाने में सुविधा में लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 260-म के अनसरक में में उक्क व्राथितियम की भाग 260 म की उपधारा (1) के अधीन, निक्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्री सागर, बिल्डर्स प्रा० लि०।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमित मीनू विजय लावूल भौर भ्रन्थ। (भ्रन्तरिती)

का वह त्वना धारी करके प्तोंक्य सम्मित्त के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हो।

अथवा संपत्ति के सर्वन के संबंध में कार्द भी माक्षांप :----

- (क) इस स्थान के राज्यक में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि शा तत्थ्यक्ष्मच्यी व्यक्तिया दर स्थान की तायील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध शव में समाप्त हाली हा, के भोतर प्रविक्त व्यक्तिमों में से किसी व्यक्तिस बुवारा;
- (ख) इस सचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवकुथ किसी बन्य क्यक्ति द्वारा, स्थांहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकतें।

स्वयाधिकाण:---इसमें प्रथ्वत कर्मा थीर पदों का, जो उसस अधि-नियम के कथाय 20-क में परिभाषित हैं, वहुँ कर्भ हाना, यो उस अध्याम में दिया गया है।

अनुसुची

पर्शेट नं शी-508, जो 5वीं मंजिल, श्रमृत सागर, एस०वी० रोड, विलेत, मागठा में, हरी नोम, श्राार्टमेंट के पास, बोरिवली (प बम्बई-92 में स्थित है। श्रनु त्वो जैन की कि सा श्रर्ष- -37 ई) 1449 1-18485 अंश जो सक्षम प्रतिवारी, बम्बई द्वारा ि कि 1-1-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण वास संक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 28-8-1985

भोहर :

प्ररूप आर्द्दा. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रार्गेन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 ग्रगस्त 1985

निर्वेश सं० भई-4/37ईई/14238/84-85---भत: मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269-ख के **अधी**म सक्षम प्राधिकारी को, यह विज्वास करने का कारण है कि स्थावर सपित जिसका उचित बागर मृल्य

ा.∩∩.∩∩o/- रु. से अधिक ह**ै**

भौर जिमकी सं० प्रेट नं० 503, जो, 5वीं गंजिस, अमृत सागर एम० वी० रोड जिले ज मागठा गे, हरी प्रोम अपार्टमेंट के पास, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है (प्रीर इपसे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्णरूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा श्राय तर श्रधि नियम 1961 की प्रारा 269 कख के प्राप्तीन, बम्बई स्थित सप्तम प्राजिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 1-1-1985 को पूर्वीवत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियां) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत. अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; गौर/या
- (स) ऐसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधाके लिए।

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिलिल व्यविल्गों, अर्थात् :---

(1) श्री सागर बिल्डर्स प्रा० लि०।

(श्रन्तरक)

(2) श्री नागर मल दीनदयाल काका ग्रीर ग्रन्थ। (भ्रन्तरिती)

को यह सुचन जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिएँ। कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सी 4.5 दिन की अर्था या पत्क्षवंभी **व्यक्तियों पर** सूचना की तामील से 30 दिन की अपबीध , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किमी अन्य व्यक्ति दवारा, अभोष्टस्ताक्षरी 🕏 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उपत अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा ही. यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

फ्लैट नं० 503, जो 5 वीं मंजिल, ग्रमुन सागर, एम० वी० रोड, विलेज, मागठाणे, हरीग्रोम भ्रपार्टमेंट के पास, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनस्**ची जैपाकि क**० सं० श्रई-4/3*7*ईई/14238/84-85 बरीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 का रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रें ज-4, बम्बर्ष

तारीख: 28-8-1985

कोदर्

प्ररूपु आह्र^न्टी . एन . प्रस_{्त}------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आपकर आपुक्त (निरीक्षण) अर्जन ^अज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निर्देग मं० प्रार्ड-4/37ईई/14639/84-85--- प्रतः मुझे, लक्ष्मण ६।म,

अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मल्य 1,00,000/- रह से अधिक है

श्रीर जिसका सं पलैट नं 5, जो, तल माला, वैभव-बी, प्लाट नं 6 81, जाम्बला जली, एस० वी० रोड, बोराविली (प); बस्बई-92 में स्थि। है (श्रीर इस । उपाबढ़ श्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रीय कर अधिनियम 1961 की धारा 269 कुछ के श्रवीन, वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के नार्यालय में (जिस्ट्री है, तार्र ख 1-1-1985

मिने पूर्वे कित सम्पत्ति के उचित साजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिपल के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वे कित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिपल से, एसे दश्यमान प्रतिपल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) की यंतरिकी (अंतरितियों) के बीच एसे जन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिपल , निम्नीलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में स्विधा के लिए:

अतः अव, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-ग के उन्सरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीर किरम**िश्वित व्यक्तियों, वर्षातः:—** 55—276GI|85 (1) मैससं गीतम बिल्डर्स ।

(श्रकार ः)

ig(2ig) रमिलाबेन - र्xिलाल भावधार ।

(ग्रन्निंग्तीं)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्पिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ लिखित में किए जा सकींगे।

स्पत्त्वीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

> नक्ष्मण दाा क्ष्मम प्राधितारी महायक क्रायकर क्रापुक्त (निर्रक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

"¦र्रख : 13-9-19**8**5

मोहरः

प्रकार बाही, बीच एम्., ऐसान् धालान

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जामुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जनरें ज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 13 सितम्बर 1985

निदेश सं० अई-4/37ईई/14468/84-85--- श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

द्यौर जिनकी सं० फ्लैट नं० 4, जो, तल माला, माई प्रमाद, छत्र-पति शिवार्जः रोड, (हिसर पूर्व), बम्म्बई-68 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रमुखी में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), और जिनका करारतामा अथिकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कब के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रें है, कारीख 1-1-1985,

को पूर्वोक्त समाति के उपित अनाम मूल्य में कम के सहयमान प्रतिफल के लिए अंतरिस की गई. है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित नाजार मूल्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्दोश्य से उक्त अंतरण निस्तित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी शाय की वाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी भन या अन्य कास्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कर्तारती द्यार प्रकट नहीं किया गया था या किया भाग चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-रव के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम को भारा 269-व की उपभारा ं(1) को अभीन, निम्नलिधित व्यक्तियों, जबति क्र—

- (1) मैंससं स्वाती बिल्डसं।
- (ग्रन्तरक)
- (2) श्री एच० जे० दुबे।

(भ्रन्तरितो)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

चक्त संपत्ति के कर्चन के संबंध में कोई भी आसीर :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की बविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए का सकेंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ट अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिश्ला-गवा है।

मन्स्यी

पलैट नं० 4, जो, तल माला, साई प्रसाद, छत्रपति शिवाजी रोड, दहिसर (पूर्व) बम्बई-68 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि श्रं० सं० ग्रई-4/37ईई/14468/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्राया दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड निया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधि झर्र सहायङ आयक्ष आयुक्त (किरीक्षण) प्रर्जन रेजिन्य, बस्बई

तारीख: 13-9-1985

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----=--

(1) श्री एम० एल० श्रगरवाल।

(भन्दरह)

(2) श्रा जे० सी० गोहिल।

(ग्रन्:रिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जनरें ज-4, वम्बई

बम्बई दिनांक 10 सितम्बर 1985

निर्वेग सं० ग्रई-4/37ईई/14463/84-85---श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी स० फ्लेट नं सी-1, जो, श्रोम विशावल को०-भ्रॉप० हाउसिंग सोसाइटी लि० एस० वे ० रोड, बोरियली (प), बस्बई-92 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर सिंधनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 1-1-1985

सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजन्दी है तारीख 1-1-1985 को धूर्वाक्त समपत्ति के उपनत बाजार मूल्य से कम को अवस्थाल प्रेतकल के लिए रिक्ट्रिकृत बिलंब के अनुसार अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का बारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य अवक्ते अवस्थान प्रतिकल से एसे व्यवसान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरितीं (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पामा मबा प्रतिकल, निम्नितिवात उद्वास्य से उन्त अन्तरण विश्विक को स्विकत में अधिक कर्म से क्षिय महाँ किया नवा है है

- (क) अन्तरण से हुई किसी काय की बायब, उक्त जिस्तियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूर्विया के किए; और/जा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1), को अधीन, निस्मीली्खत व्यक्तियों, अर्थात् सं— को यह सूचना जाही करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के किए कार्यग्रहियां शुरू करता हुई।

व्यक बन्नीता के मर्बन के बक्वत्य में कोई भी बाहांक्र---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि था तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (ज) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश खूँ 45 विश के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा वक्षोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए या सकोंगे

स्पालीकरण :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों कां, पदों का, को जनत अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० सी-1, जो, श्रोम विशाल को०-श्रॉप० हाउसिम सोसाइटा लि०, एस० वो० रोड, बोरिवली (प), बस्बई मे स्थित है।

श्रन्मूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-4/37ईई/14463/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-1-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है

> नक्ष्मण दास सक्षम प्राधि ारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-4, बस्बर्ड

नारीखा : 10-9-1985

मोहर:

प्रकृष कार्च .टी . एन . एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायूक्त (निर्देशिक)

भूर्जन रेंज-2, कलकत्ता कलकत्ता, दिनाँक 9 सितम्बर 1985

निवेश सं० ए० सी० 45/ब्रार०-2/क्लकत्ता/85-86---श्रतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

जिसकी सं० 6 है तथा जो हस्टिस् पार्क रोड, कलक्सा मे स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचो में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), राजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में राजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 7 जनवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित गजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरितयों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकत हक्षेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किमत महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों करो, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः कतं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनिया की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री धर्मेश कुमार ग्रग्नवाल ग्रीर ग्रन्थ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमर्ता मनोहरी देवा जैन और श्रन्य। (श्रन्तरिती)

का यह सूचना आर्श करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिला को किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ते अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अप्याय में दिया गया है।

अमुसुधी

209.11 वर्ग मोटर प्लाट श्रपार्टबेट्स नं० 2-बी, 6, हेस्टिस् पार्क रोड, कलकत्ता 27 मे प्रवस्थित है। सक्षम प्राधिकारी के पास रजिस्ट्री हुआ 7 जनतरी, 1985 तारीख में। रजिस्ट्री के कमिक सं० 35 ।

णेख नईमुद्दीन नक्षप पाधिकारी सहायक स्रायकर स्रायक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज-2, कृतनचा

तारीख : 9~9-1985

मोहर:

संब लोक सेवा भायोग

सम्मिलित चिकित्सा सेवा परीक्षा, 1985

नई दिन्ली, दिनांक 12 प्रक्तूबर 1985

मोटिस

ूर्सं ० एफ ० 14/3/85-प० 1 स-संघ लोक सेवा प्रायोग द्वारा नींचे पैरा 2 में दी गई सेवाधों तथा पवों पर भर्ती हेतु 7 धप्रैल, 1986 को धगरतला, झहमवाधाद, ऐजल, इलाहाबाद, बंगलीर, भोपाल, बम्बई, फलकत्ता, चण्डीगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ली, दिसपुर (गोहाटी), हैदराधाद, इम्फाल, ईटानगर, जयपुर, जम्म्, जोरहाट, कोहिमा, लखनऊ, मद्रास, नागपुर, पणजी (गावा), पटना, पोर्ट ब्लेयर, रायपुर, मिलांग, शिमला, श्रीनगर, तिरूपिन, ब्रिवेन्द्रम, उदयपुर धौर विशाखापट्टनम में एक सम्मिलित परीक्षा ली जायेगी।

झायोग यदि चाहै तो परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों नथा तारीक्षों में परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा के लिये उनकी पसन्द के केन्द्र देने के सभी प्रयास किये जायेगे हो भी भायोग परिस्थितिक्षा किसी उम्मीदवार को भ्रपनी विवक्षा पर झलग केन्द्र दे सकता है। जिन उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाता है उन्हें समय सारणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलो) की जानकारी देवी जायेगी [नीज पैरा 19(ii) देखियों]।

उम्मीवयारों को ध्यान रखना चाहिये कि केन्द्र में परिवर्तन से सम्बद्ध अनुरोध को सामान्यतथा स्वीकार नहीं किया जायेगा। किन्तु जब कोई उम्मीवयार प्रपने उस केन्द्र में परिवर्तन चाहता है जो उसने उक्त परीक्षा हेतु प्रपने प्रावेदन में निदिष्ट किया था तो उस मचिष, संब लोक सेवा प्रायोग को इस बात पर पूरा शौचित्य बनाते हुए एक पक्ष रिजस्ट डं डाक से श्रयप्य भेजना चाहिये कि यह केन्द्र में परिवर्शन क्यो चाहता है। ऐसे अनुरोधों पर गुणवत्ता के आधार पर विचार किया जायेग। किन्सु 6 मार्च 1986 के बाद प्राप्त श्रन्रोधों का किसी भी स्थित में स्वीकार नहीं किया जायेगा।

- 2. जिन सेवाफ्रो/पदों पर भर्ती की जानी है वे तथा भरी जाने वासी रिक्तियों की धनुमानित संख्या नीचे दी गई है:---
 - (i) रेलवे में सहायक प्रभागीय चिकित्सा श्रिष्ठकारी।**
 - (ii) श्रायुध तथा श्रायुध उपस्कर कारखाना स्वास्थ्य सेवा में कनिष्ठ वेत्रतमान पद लगभग (80*) रिक्नियां*।
 - (iii) केन्द्रीय स्वार्थ्य मेवा में कनिष्ठ घेतनमान पद---700 र्*।
 - (iv) दिल्ली नगर निगम में सामान्य ख्यूटी चिकित्सा भ्रधिकारी -- 50* --इम संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है।
 - **जिनितयों की संख्या सरकार द्वारा सूचित नहीं की गई है।
 - *प्रनुसूचित जातियों प्रौर श्रनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिये धारक्षण भारत सरकार द्वारा निश्चित रिक्तियों के ग्रनुसार होगा।
- 3 कोई उम्मीदनार उपर्युक्त पैरा 2 में उल्लिखित किसी एक या एक से अधिक सेवाम्रो/पदों के सम्बन्ध में गरीक्षा में प्रवेश के लिये आचेदन कर मकता है। उम्मीदवारों को उचित समय पर सेवाम्रों/पदों के लिये स्वपना वरीयता कम बताना होगा।

यदि कोई उम्मीदवार एक से छ्रधिक सेवाओं/पदो के लिये परीक्षा में प्रवेश पाना चाहता है। तो भी उसे एक ही ध्रावेदन-पद्ध भेजने की ध्रावण्यकराः है। नीचे पैरा 5 में उल्लिखित णूल्क भी उसे केवल एक ही धार देना होगा उस प्रत्येक सेवा/पद के लिये ध्रलग-भ्रलग नहीं, जिसके लिये वह धावेदन कर रहा है।

- 4 पानता की शर्ते:
- (क) राष्ट्रीयताः

जम्मीदवार को या तो:---

- (i) भारत का नागरिक होना चाहिये, या
- (ii) नेपाल की प्रजा, या
- (iii) मृटान की प्रजा, या
- (iv) ऐसा तिन्यती शरणार्थी, जो भारत में स्थाई रूप से रहने की इच्छा से पहली जनवरी, 1962 से पहले भारत आ गया हो, या

कोई भारत मूल का व्यक्ति जो भारत में स्थाई रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका और कीनिया, उगांडा, तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया, (भूतपूर्व तंगानिका धौर जंजीबार) के पूर्वी अफीका के वेशों से या जाम्बिया, मलाबी, जेरे और इथोपिया और वियननाम से ग्रामा हो।

परन्तु (ii), (iii), (iv) धौर (v) अगौ के धन्तर्गत धाने वाले उम्मीदवार के पास भारत सरकार द्वारा जारी किया गया पास्नता (एलिजीबिलिटी) प्रमाण-पत्न होना चाहिये।

परीक्षा में ऐसे उम्मीदवार को भी जिसके लिये पात्रता प्रमाण-पत्न भावश्यक हो परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है परन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव भारत सरकार द्वारा भावश्यक प्रभाण पत्र दिये जाने पर ही दिया जायेगा।

- (ख) भाषु सीमा--पहली जनवरी, 1986 को 30 वर्ष से कम । ऊपरी भाषु सीमा में निम्न प्रकार छूट प्राप्त है :--
- (i) यवि उम्मीदबार किसी धनुसूचित जाति या धनुसूचित जनजाति का हो तो अधिक से अधिक पांच वर्ष तक,
- (ii) यदि उम्मीदवार भ्तपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (म्रज बंगला देश) का बास्तिविक विस्थापित व्यक्ति हो और यह 1 जनवरी, 1964 भौर 25 मार्च, 1971 के बीच की घ्रविध के दौरान प्रवृजन कर भारत प्राया हो तो अधिक रो प्रधिक तीन वर्ष तक,
- (iii) यदि उम्मीदनार प्रनुस्चित जाति अथवा घनुस्चित जनजाति का हो भीर वह 1 जनवरी, 1964 भीर 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के दौरान भ्नपूर् पूर्वी पाकिस्तान (घव बंगला देश) से प्रवृजन कर नाया वास्तिथिक विस्थापित व्यक्ति हो सो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक,
- (iv) यदि उम्मीदवार श्रवसूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका करार के श्रधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद श्रीलंका से वस्तृत. प्रत्यावतित होकर भारत में श्राया हुआ या आने वाला मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो तो श्रधिक से श्रीधक तीन वर्षे तक,
- (v) यदि उम्मीदनार अनुसूचित जाति धथवा अनुसूचित जनजाति का हो और माथ ही अक्तूबर 1964 के भारत-श्रीलंका करार के प्रधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उमके थाद श्रीलंका से वस्तुतः प्रत्यावतित होंकर भारत में श्राया हुश्चा या श्राने वाला मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो श्रधिक से ग्रिकिक ग्राठ वर्ष तक,
- (vi) यदि जम्मीदवार भारत मूलक व्यक्ति हो भीर उसने की निया.
 जनांबा, संजानिया के संयुक्त गणराज्य (भृतपूर्व तंगानिका भीर जंजीवार) से प्रयुजन किया हो या जाश्विया, मलाबी, जेरे श्रीर इणियोपिया से प्रत्यावर्तित हो तो अधिक से प्रविक तीन वर्ष तक,

- (vii) यदि उम्मीदवार प्रनिस्चित जाति या श्रन्नुचित जनजाति का है भीर भारत मूल का वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है तथा कीनिया, उगाँचा तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूतपूर्व तंगानिका तथा जंजीवार) से प्रवृजन कर भाया हो या जाम्बिया, मसावी, जेरे तथा इथोपिया से भारत मूल का प्रश्यावर्तित व्यक्ति है तो अधिक से श्रिधक भाठ वर्ष,
- (viii) यि उम्मीदवार 1 जून, 1963 को या उसके बाद वर्मा में वस्तुत: प्रत्यावितत हो कर भारत में धाया हुआ भारत मूलक व्यक्ति हो, तो ग्रिधिक से प्रधिक तीन वर्ष तक,
- (ix) यदि उम्मीदवार श्रनुस्चित जाति श्रथम श्रनुस्चित जनजाति का हो श्रीर साथ ही । जन, 1963 या उसके बाद बर्मा बस्तुतः श्ररपाविति होकर भारत में श्राया हुआ भारत मृलक व्यक्ति हो तो श्रष्टिक से श्रष्टिक श्राठ वर्ष तक,
- (x) रक्षा से अधों के उन कर्मचारियों के मामले में प्रधिक सं प्रधिक तीन वर्ष तक जो किसी विदेशी देण के साथ संवर्ष के अथवा प्रशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रावाई के दौरान विकलांग हुए तथा उसके परिणामस्वरूप निर्मुदन हुए।
- (xi) रक्षा गेवाध्रों के उन कर्मकारियों के मामले में प्रधिक से प्रधिक धाठ वर्ष तक जो किसी विदेशी देश के माथ संघर्ष में प्रथवा ध्रमांतिग्रस्त क्षेत्र में फीं जी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए सथा उसके परिणामस्वरूप निर्मृक्त हुए हो भीर जो अनुसुचित जातियों या प्रनुसुचित जनजातियों के है।
- (xii) यदि कोई उम्मीदबार वास्तिविक रूप स प्रत्यावितित मृलतः भारतीय व्यक्ति (जिनके पाम भारतीय वारपत्न हो) और ऐसि उम्मीदबार जिसके पाग वियतनाम में भारतीय राज दूतावास द्वारा जारी किया गया आपात प्रमाण-वत्न हैं, और जो वियतनाम से भूलाई, 1975 से पहले भारत नहीं श्राया है तो उसके लिये प्रधिक से श्रीधक तीन वर्ष नक,
- (xiii) यदि कोई उम्मीदवार धनुसृक्षित जाति या अनुसूक्षित जनजाति का हो जो वास्तविक स्प से प्रत्यावितित भारत मूलक व्यक्ति, (जिसके पास भारतीय पारपद्र हा) श्रीर ऐसा उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया भाषात प्रमाण पत्न है तथा जो वियसनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं भाया है तो। उसके लिये भिषक से भिषक भारत नहीं भाया है तो।
- (xiv) जिन भृतपूर्व सैनिकों श्रीर कमीशन प्राप्त स्रिक्षिकारियों (श्रापात कालीन कमीशन प्राप्त श्रिकारियों/श्रत्य कालिक सेवा कमीशन प्राप्त श्रिकारियों सिंहत) ने 1 जनवरी, 1985 को कम से कम 5 वर्ष की सैनिक सेवा की है श्रीर जो कदाचार का सक्षमता के श्राचार पर वर्षास्त या सैनिक सेवा से हुई शारीरिक अपंगता या सक्षमता के कारण कार्य मृक्त न होकर श्रन्य कारणों से कार्य काल के समापन पर कार्यमृक्त हुए हैं। (इनमें वे भी सम्मिलित है जिनका कार्यकाल 1 जनवरी 1986 से छः महीनों के अन्वर पूरा होना है) उनके मामने मे अधिक मे अधिक 5 वर्ष तक,
- (xv) जिन भूतपूर्व सैनिको और कसीशन प्राप्त भिधकारियो (भ्रापात कालीन कसीशन प्राप्त श्रीधकारियो/श्रहप कालीन सेवा कसीशनपाद्य प्रधिकारियों सहित) में 1 जनवरी 1986 की कम से कम पांच वर्ष की सैनिक सेवा की है और जी कवाचार या भ्रक्षमता के भ्राधार पर बर्खास्त या सैनिक सेवा से हुई शारीरिक अपंगता या श्रक्षमता के कारण कायमुक्त न होकर भ्रन्थ कारणों से कार्यकाल के ममापन पर कार्यमुक्त हुए हैं (इनमें के भी सम्मिलित है जिनका कार्यकाल 1 अनवरी, 1986 से का सहीनों के भ्रन्यर पूरा होना है) तथा जा अनुसुवित

- जातियों या भ्रनुसुचित जनजातियों के हैं उनके मामले में प्रधिक संभाधिक दस वर्ष तक,
- (XVI) यदि कोई उम्मीयवार मरकालीन पश्चिमी पाकिस्तान से बास्तिशक विस्थापित व्यक्ति है और भारत में 1 नवम्बर, 1971 तथा 31 मार्च, 1973 के बीच की श्रविध के दौरान प्रभूजन कर आया था तो श्रविक से सिधक तीम वर्ष तक,
- (Xvii) यिव कोई उम्मीदवार धनुसूचित जाति या धनुसूचित जनजाति का है धौर तत्कालीन पश्चिमी पाकिस्तान से बास्तविक विस्थापित ध्यक्ति है भौर भारत में 1 अभवरी, 1971 तथा 31 मार्थ, 1973 के बीच की धनिब के दौरान प्रवृजन कर द्वाया बा तो अधिक से प्रविक भाठ वर्ष तक।

उपर्युक्त व्यवस्था को छोड़कर निर्धारित धायु सीमा में किसी भी स्थिति में छूट नहीं दी जायेगी)।

भायोग जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्न या किसी भारतीय विश्व-विद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गये प्रमाण-पत्न या किसी विश्वविद्यालय द्वारा भनुरक्षित मैट्रिकुलेटरों के राजस्टर में दर्ज की गई हो भीर वह उद्घरण विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो या उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसकी समकक्ष परीक्षा प्रमाण पत्न में दर्ज हो, ये प्रमाण-पत्न परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम की घोषणा के बाद प्रस्तुत करने हैं।

धायु के सम्बन्ध में कोई धन्य दस्ताबेज जैसे जन्म कुंडली, शपथपत्न, नगर निगम से धौर सेवा अधिकेख से प्राप्त जन्म सम्बन्धी उदारण, तथा धन्य ऐसे ही प्रमाण स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

भनुवेशों के इस भाग में भाये हुए "मैट्रिकुलेशन उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न" वाक्यांश के अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्न सम्मिलित हैं।

टिप्पणी 1— उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिये कि आयोग जन्म की उसी तारीख को स्वीकार करेगा, जोकि आवेवन पत्न प्रस्तुत करने की तारीख को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्न या समकक्षा परीक्षा के प्रमाण-पत्न में दर्ज है और इसके बाव उसके परिवर्तन में किसी अनुरोध पर न तो विचार किया जायेगा और न उसे स्वीकार किया जायेगा ।

टिप्पणी 2—जम्मीदवार यह भी व्यान रखें कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिये जन्म की तारीख एक बार भोषित कर देने भीर आयोग द्वारा उसे भपने अभिलेख में दर्ज कर लेने के बाद उसमें बाव में या किसी परीक्षा में परिवर्तन करने की अनुमति नहीं दी आयोगी।

(ग) शैक्षिक योग्यतायें:

उमत परीक्षा में प्रवेश के लिये उम्मीदवार फाइनल एम० बी∙ बी• एस० परीक्षा के लिखित तथा प्रायोगिक भागों में उत्तीर्ण हो।

टिप्पणी 1—वह उम्मीदबार भी झाबेबन कर सकता है जिसने फाइनल एम० बी० बी० एस० परीक्षा दे ली है या जिसकी अभी देनी है। यदि ऐरे उम्मीदबार प्रन्यथा पात हुए तो उन्हें छुनत परीक्षा में प्रवेश दे दिया जायेगा परन्तु उनका प्रवेश प्रनत्तम रहेगा तथा फाइनल एम० बी० बी० एस० परीक्षा के लिखित तथा प्रायोगिक भागों को उत्तीर्ण करने का प्रमाण प्रस्तुत न करने की स्थिति में रद कद दिया जायेगा। उनत प्रमाण बिस्तुत भावेदन पन्न के, जो उनत परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम के भाधार पर ग्रहेना प्राप्त करने बाले उम्मीदबारों बारा भायोग की प्रस्तुत करने पड़ेगे, साथ प्रस्तुत किया जायेगा।

टिप्पणी 2— उन्त परीक्षा में प्रवेश के लिये वह उम्मीदवार भी शिक्षिक रूप से पाल है जिसे भभी भनिवार्य रोटेंटिंग इन्टर्नेशिप पूरी करती है, किन्तु चयन हो जाने पर उन्हें भनिवार्य रोटेंटिंग इन्टर्नेशिप पूरी करते के बाद ही तिसुक्त किया जायेगा।

5. शुस्क :

परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदिवारों को आयोग को रु० 28.00 (अट्ठाइम चपये) के मुल्क का भुगतान करना होगा, जो कि सचिव, संघ लोक गेवा आयोग को नई दिल्ली की रटेट बैक आफ इण्डिया की मुख्य शाखा पर देग स्टेट बैक आफ इण्डिया की किसी भी शाखा द्वारा जारी किये गये रेखांकित बैंक ड्राफ्ट या सचिव संघ लोक सेवा आयोग की नई दिल्ली के प्रधान डाकधर पर देग रेखांकित भारतीय पोस्टल आईर के क्ये में हो विदेश में रहने वाले उम्मीदिवारों को निर्धारित शुल्क भारत के उच्च आयुक्त या विदेश स्थित प्रतिनिधि के कार्यालय में, जैसी भी स्थित हो, इस अनुरोध के साथ जमा करना होगा ताकि वह "051 लोक सेवा आयोग परीक्षा शुल्क" के लेखा शीर्ष में जमा हो आये और उन्हें आवेदन वि के साथ उसकी रसीद लगाकर भजनी भाहिये अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों को कोर्ड णून्क नहीं देना है। जिन आवेदन प्रपक्षों में इस अपेक्षा की पूर्ति नहीं होगी उन्हें एकदम अस्वीकार किया जायेगा।

हिप्पणी I— उम्मीदवारों को अपने घावेदन पत्न प्रस्तुत करते समय बैंक कृपट की पिछली धोर उपर के सिरे पर घपना नाम तथा पता लिखना चाहिये । पोस्टल घार्डरों के मामले में उम्मीदवार पोस्टल घार्डर के पिछली धोर इस प्रयोजन के लिये निर्धारिन स्थान पर अपना नाम पता लिखें ।

टिप्पणी II--यिव कोई ऐसा उम्भीवबार 1986 की परीक्षा में प्रवेश हेतु आवेदन करने का इच्छुक है जिसने "मिमिलन चिकित्सा मेवा परीक्षा, 1985" दी है तो उसे परिणाम या नियक्ति प्रस्ताव का इन्नजार किए बिना भायोग के कार्यालय को अपना भावेदन-पन्न निर्धारित तारीख तक भ्रवस्य भेज देना चाहिये। यदि उसे 1985 की परीक्षा के परिणाम के भाधार पर नियुक्ति हेतु भनुगंसित कर विया जाना है तो 1986 की परीक्षा के लिये उसकी उम्भीदवारी उसके कहने पर रह कर दी जायेगी बणतें कि उम्भीदवारी रह करने भौर शुल्क भापसी का उसका भनुरोध भायोग के कार्यालय में 1985 की परीक्षा के फाइनल परिणाम के "रोजगार समाचार" में प्रकाशन की तारीख से 30 दिन के ग्रन्वर तक प्राप्त हो जाता है।

आवेषन कैसें करें :

प्रारम्भिक परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को दिनांक 12 अक्तूबर, 1985 के समाचार पद्यों में या "रीजगार समाचार" दिनांक 12 अक्तूबर, 1985 में प्रकाणित तथा आयोग के नोटिस परिणिष्ट II में प्रकाणित प्रावेदन-प्रपत्न पर सचिव, संघ लोक तेवा आयोग, धौलपुर हाउस, वह दिल्ली-110011 को आवेदन फरना चाहिये। उम्मीदवार समाचारपक्षों मा "रोजगार समाचार" में प्रकाणित आवेदन-प्रपत्न मूल रूप में उपयोग कर सकते हैं। वे सफेद कागज (फुल स्केप साइज) पर केवल एक तरफ क्याई के साथ उबल स्पेस पर टेकिस आवेदन-प्रपत्न को भी प्रयोग में या सकते हैं। उम्मीदवार प्राहवेट एजेस्सियों में उपलब्ध छपे हुए, आवेदन-प्रपत्न तथा उपस्थित पत्नकों को प्रयोग में ला सकते हैं, वंशतें कि वे इस विकापन के समाचार पत्नों या "रोजगार समाचार" दिनांक 12 अक्तूबर 1985 में यथा-प्रकाशित आयोग के नोटिस के परिणिष्ट में प्रकाशित नमूने के अनुवप हों। उम्मीदवार ध्यान रखे कि पिछली परीक्षाओं के लिये प्रमुक्त प्रवहीं (पर्भुभरें) प्रोहेश्री केदन पत्ने स्विकार नहीं कि वे उस विकापन के समाचार पत्नों का प्रयोग समाचार" दिनांक ग्रे प्रकाशित नमूने के अनुवप हों। उम्मीदवार ध्यान रखे कि पिछली परीक्षाओं के लिये प्रमुक्त प्रवहीं (पर्भुभरें) परिश्लो के स्थान रखें कि पिछली परीक्षाओं के लिये

आवेदन पत्न के लिफाफे पर साफ साफ मोट अक्षरों में 'सम्मिलित चिकित्सा सेवा परीक्षा, 1985 के लिये आवेदन'' लिखा होना चाहिये।

- (क) उम्मीदवार को प्राप्ते प्रावेदन-पत्न के साथ निम्नलिखित प्रपत्न अवस्य भेजने चाहिएं
- (i) निर्धारित मुक्त के लिय नेखांकित बैंक आपट भारतीय पास्टल कार्डर वा भारतीय मिकन की रसीव, (ii) कुल स्केप साक्ष्ण पेपर पर

विधिवन भरा हुआ उपस्थित यहक "रोजगार समाचार" विनाक 12 अपनुष्वर, 1985 में या दिनाक 1 ' पान्तूबर, 1985 के समासार पत्नों में यथा प्रकाणित आयाम के नोजिय के पतिष्ठि II के प्रनुसार, (iii) उम्मीवदार के हाल हो के पासपार्ट प्राकार (लगभग 5 सें० मी०× 7 सें० मी०) के फोटा की दाएक जैसी प्रतिया—एक प्रावेदन पत्न पर नथा दूसरी उपस्थित पत्नक में निर्धारित स्थान पर लगी हो, एक पोस्ट कार्ड प्रपने पत्ने के साथ, (V) 11.5 सें० मी०× 27.5 सें० मी० प्राकार के बिना टिकट लगे हुए वो लिफाफ प्रपने पत्ने के साथ।

- (ख) उम्मीदरार घ्यान रखें कि श्रावेबन प्रपन्न भरते समय भारतीय भंकों के केयल अन्तरराष्ट्रीय रूप को प्रयोग करना है । चाहे माध्यमिक स्कूल छोड़ने के प्रसाण-पन्न या सनकक प्रमाण-पन्न में जन्म को तारीख हिन्दी श्रंकों में दर्ज है, तो भी उम्मीदवार यह सुनिश्चित कर लें कि जो श्रावेदन-प्रपन्न वह प्रयोग में लाता है उसमें नन्म की तारीख भारतीय श्रंकों के अन्तरराष्ट्रीय रूप में लिखी हो। वे रूम बारे में विशेष सावधानी बरतें कि शावेदन-प्रपन्न में की गई प्रविष्टियां स्पष्ट श्रौर सुपाट्य हों। यदि वे प्रविष्टियां पढ़ी नहीं जा सकती है या भ्रामक है तो उनके नियंचन में होने वाली भानि या संदिख्या के लिये उम्मीदवार ही जिम्मेदार होंगे।
- (ग) मभी उम्मीदवारों को, चाहे वे पहले सरकारी नौकरी में हो या सरकारी श्रीद्योगिक उपत्रमों में हो, या इसी प्रकार के अस्य संगठनों में हो या गैर सरकारी नस्थाश्रों में नियुक्त हों, अपने आवेदन-प्रपन्न आयोग को सीधे भेजने चाहिये अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-प्रपन्न अपने नियोक्त। के द्वारा भेजा हो श्रीर वह संघ लोक सेवा आयोग में वेर सें पहुंचा हो तो आवेदन-प्रपन्न पर विचार नहीं किया जायेगा, भले ही वह नियोक्ता को आखिरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले में सरकारी नौकरी में, स्थाई या घरषाई हैसियत से काम कर रहे हों, या किसी काम के लिये विशिष्ट रूप में नियुक्त कर्मचारी हों, जिसमें धाकरिमक या दैनिक दर पर नियुक्त व्यक्ति शामिल नहीं है या जो लोक-उद्यमों में स्थारत है, उनको यह परिकल (अण्डरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से घपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिये आवेदन विया है।

उम्मीदनार को ध्यान रखना चाहिये कि यदि प्रायोग को उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिये प्रावेदन करने में परीक्षा में बैठने सम्बंध प्रनुमित रोकते हुए कोई पक्ष मित्रना है तो उनका भावेदन-पक्ष प्रस्वीकृत कर दिया जायेगा। उसकी उम्मीदनारी रह कर दी जायेगी।

हिप्पणीः जिन श्रायेदन-पत्रों के साथ निर्धारित श्रूल्क संलग्न नहीं होगा या जो प्रधूरे गा गलत मरे हुए हों, उसको एकदम श्रस्तीकृत कर विया जायेगा श्रीर किसी भी श्रवस्था में श्रस्तीकृति के सम्बन्ध में श्रम्यावेदन ! या पत्र-ध्यवहार को स्वीकार नहीं किया जायेगा।

उम्मीदवारों को धाने आवेदन-अपन्नां के साथ आयु और सैकिक योग्या, तथा "अनुस्चिन जाति और 'अनुस्चिन जनजाति आदि के दावों के समर्थन में कोई प्रमाण-पन्न प्रस्तुत नहीं करना है। इसलिये वे इस बात को मुनिष्टिचन कर ले कि परीक्षा में प्रवेण के लिये पान्नता की सभी पार्तों को पूरी करने हैं या नहीं। परीक्षा में उनका प्रवेश भी पूर्णनः धनन्निम हागा। यदि किसी बाद की भागित ना मस्यापन करते समय यह पता चलता है कि वे पान्नता की मभी पार्ते पूरी नही करते हैं तो उनकी उम्भीदवारी रहे हो जायेगी।

उम्मीदवारों थे श्रनुराध है कि वे उन्त लिखित परीक्षा का परिणाम जिसके जुलाई, 1986 में घाषित किये जाने की संभावना है, घोषित होने के बाद ग्रायोग को जल्बी प्रस्तुत करने के लिये निम्नलिखित प्रलेखों की ग्रनु-प्रमाणित प्रनिया तैयार रखें।

- 1. ग्रायुका प्रमाण पत्र।
- 2. शैक्षिक योग्यता का प्रमाण पत्न।
- 3. जहां लागू हो, वहां परिणिष्ट में निर्धारित प्रपन्न में धनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का होने के दावे के समर्थम में प्रमाण-पका।
- 4. जहां लागू हो वहां भायु/शुल्क में छूट के दावे के समर्थन **में** प्रमाण-पक्ष।

परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम की योगणा के तत्काल बाद आयोग सफल उम्भीदवारों से प्रतिरिक्त सूचना प्राप्त करने के लिये एक प्रपत्न भेजेगा। उपर्युक्त प्रमाण-पन्नों की अनुप्रमाणित प्रतियां इस प्रपत्न के साथ प्रायोग को भेजनी होंगी। मूल प्रमाण-पन्न साक्षात्कार के समय प्रायोग करने होंगे।

यदि उनके द्वारा किये गये थावे सही नहीं पाये जाते हैं हो उनके खिलाफ द्यायांग द्वारा नीचे पैरा 7 के धनुसार धनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है।

- 7. जो जम्मीदवार निम्नांकित कवाचार का दोषी है या आयोग द्वारा दोषी घोषित हो चुका है:---
 - (i) किसी प्रकार से अपनी जम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करना या
 - (ii) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होना या
 - (iii) अपने स्थान पर कसी दूसरे व्यक्ति को प्रस्तुत करना या
 - (iv) जाली प्रलेखों या फेर अदल किये गये प्रलेख प्रस्तुत करना का
 - (v) भ्रमुद्ध या ग्रसस्य वक्तव्य देना या महस्वपूर्ण सूचना क्रिया कर रखना या
 - (vi) उक्त परीक्षा के लिये अपनी उम्मीववारी के सम्बन्ध में कोई अनियमित या अनुचित साधन अपनानाः या
 - (vii) परीक्षा के समय अनुचित तरीके अपनाना या
 - (viii) उत्तर पुस्तिका(भ्रों) पर श्रसंगत बाते लिखना जो भ्रस्कील भाषा या श्रमक्र भाषाय की हों या
 - (ix) परीक्षा भवन में भौर किसी प्रकार का दुव्यवहार करवा या
 - (x) परीक्षा चलाने के लिये ग्रायोग द्वारा, नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या ग्रन्य प्रकार की शारीदिक शिंत पहुँचाई हो या
 - (Xi) उम्मीववारों को परीक्षा देने की घनुमति देते हुए प्रेकित प्रवेश प्रमाण-पत्न के साथ जारी किसी घनुवेश का उस्कंचन किया हो ।
 - (xii) ऊपर खंडों में उल्लिखित सभी या किसी भी कार्य को करने का प्रयास किया हो या करने के लिये किसी को उक्तसाया हो तो उस पर ग्रापराधिक श्रभियोग चलाया जा सकता है भीर साम हीं:---
 - (क) वह जिस परीक्षा का उम्मीदवार है उसके लिये आयोग द्वारा, अयोग्य ठहराया जा सकता है अववा बह
 - (सा) (i) भ्रायोग द्वारा उनकी किसी भी परीक्षा या चवन के लिए;

- (ii) केल्प्र सरकार द्वारा, उसके मधीन किसी नियुक्त के लिए;
 स्थायी रूप से या कुछ अवधि के लिए अपवर्जित किया जा सकता है; और
- (ग) धगर वह पहले में सरकारी नौकरी में हा तो अजिय नियमावली, के धनुसार धनुशासनिक कार्यवाई का पाझ होगा।

किन्तु गर्त यह है कि इस नियम के भाषीन कोई शास्ति तकतक नहीं यी जाएगी अब तक—

- (i) उम्मीदबार इस सम्बन्ध भें जो लिखित अभ्यावेदन देना चाहें उसे प्रस्तुत करने का अवसर उसको न दिया गया हो, और
- (ii) उम्मीवार द्वारा धनुमन समय में यदि कोई अभ्यावेदन प्रस्तुन किया गया है, तो उस पर विचार न कर लिया गया हो।

8. **धावेदन-**प्रपत्न लेने की अन्तिम तारीख

भरा हुमा, मावेवन-पत्न मानश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लंक सेवा मायोग, घौलपुर हाउस, नई विल्ली-110011 को 25 नवस्वर, 1985 (25 नवस्वर, 1985 सें पहले की किसी तारीख से मसम, मेधालय, घरणायल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, लिपुरा, सिकितम, जस्मू और काश्मीर, राज्य के लहाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लहौल स्पीति जिले, चस्वा जिले के पांगी उप भंडल, मंडमान भौर निकोबार हीप प्रमुख्या लखद्वीप भौर विवेशों में रहने वाले उस्मीदवारों के शौर जिनके घावेवन उपपृंक्त में से किसी एक क्षेत्र सें बाक द्वारा, प्राप्त होते हैं, उनके मामले में 10 विसम्बर, 1984) तक या उससे पहले डाक द्वारा, प्रवश्य विखवा विया जाए, या स्वयं, मायोग के काउण्टर पर प्राकर जमा करिंकिया जाए।

प्रसम, मेबालय, प्रकणाचल प्रदेश, मिओरम, मणिपुर, नागालैण्ड, लिपुरा, सिक्तिम, जम्मू धौर करमीर राज्य के लहाब प्रमाग, हिमाचल प्रदेश साहौल धौर स्पीति जिले चम्बा जिले के पांगी उपमंडल, ग्रंडमान शौर निको-बार द्वीप समूह या लक्षद्वीप धौर विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों से धायोग यदि बाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 25 नवस्बर, 1985 में पहले की तारीख से ध्रसम, मेबालय, ध्रदणाचल प्रवेश, मिओरम, मणिपुर, नागालैण्ड, लिपुरा, सिक्किम, जम्मू धौर काश्मीर राज्य के लहाब प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल धौर स्पीति जिले, चम्बा जिले के पांगी उपमंत्रल, धंडमान धौर निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप धौर विदेशों में रह रहा था।

- हिष्यणी (i) जो उम्मीदवार ऐसे क्षेत्रों के हैं जहां के रहने वाले आवेदन की प्रस्तुति हेनु भतिरिक्त समय के हकदार हैं, उन्हें आवेदन-पत्न के संगत कालन में भपने पतों में भतिरिक्त समय के हकदार इलाके या क्षेत्र का ताम (प्रश्रीत् भसम, मेघालय, जम्मू तथा कक्ष्मीर राज्य का लहाज प्रभाग) स्पष्ट रूप से निर्दिन्ट करना चाहिए भ्रष्यणा हो सकता है कि उन्हें भ्रतिरिक्त समय का लाम न मिले ।
- टिप्पणी (ii) उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्न संघ लोक सेवा प्रायोग के काउण्टर पर स्वार्ध एमा कराएं या रजिस्टर्ड डाक क्षारा, मर्जे । श्रायोग के किसी कर्मणरी को दिये गये प्रावेदन-पत्र के लिय श्रायोग जिम्मेदार नहीं होगा। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी ग्रावेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।

तिर्धारित तारीख के बाद प्राप्त किसी घावेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।

- 9. परीक्षा की योजना : इस परीक्षा में निम्नलिखित का समावेश होगा :--
 - (क) लिखित परीक्षा :-- उम्मीवयार दो-को घट की भविधि के निम्निलिखित दो प्रण्न-पत्नो मे, परीक्षा देगा, जिनमें नी के दिये गए विषयो पर वस्तुपरक प्रण्न होंगे। ये भिक्षकनम 200 प्रको के होगे। प्रण्न-पत्न (प्रण्न पृह्निकाण्) केवल अग्रेजी में होंगी। क्षोनों प्रश्न-पत्नों में ऐसे प्रपन होंगे, जिनमें विभिन्न विषयों के भंकों का प्रतिशन निम्न प्रकार होगा :--

प्रधन-पत्न I	(कोड सं० 1)	ग्रंकों का प्रतिशत
	(1)	(2)
	(i) मामान्य भ्रासुधिकान जिसमें हृदयरोग विकान तक्षिक विकान, त्यचारोग विकान, भ्रौर मनोरोग विकान सम्मिक्षित हैं।	60%
	(ii) मल्य विज्ञान जिसमें कर्ण-नात्मिका, कण्ड,	

नेज विज्ञान, स्रभिषाम विज्ञान और विक-

लाग विक्षान सम्मिलित हैं।

प्रधन-पन्न II (कोड सं० 2)

(i) शिशुरोग विज्ञान 20%

(ii) स्क्रीरोग विज्ञान तथा प्रसूति विज्ञान 40%

(iii) निरोधक मामाजिक तथा सामुदायिक ग्रायुनिज्ञान 40%

(ख) लिखित परीक्षा में घ्रष्टेताप्राप्त उम्मीववारों का ष्यक्तिस्व परीक्षण

200 प्रक

40%

टिप्पणी I-नमूने के प्रश्न सहित घस्तुपरक परीक्षा में सम्बद्ध ब्योरे का उल्लेख करने वाली, "उम्मीदवार सूचनार्य विवरणिका" उम्मीदवारों को प्रवेश प्रमाण-पक्ष के साथ भेजी जाएगी।

10. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में श्रायोग द्वारा, श्रपती विवक्षा से निर्धारित भ्यूनतम ग्रहंक शंक प्राप्त कर खेते हैं, उन्हें श्रायोग द्वारा व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षारकार के लिए बुलाया जाएगा।

किन्तु शर्त यह है कि यदि आयोग का यह मस हो कि अनुसूचिन जातियों या अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदिवारों के लिये आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए इन जातियों के पर्याप्त उम्मीदिवार सामान्य स्तर के आधार पर व्यक्तित्व परीक्षण के हेतु साक्षात्कार के लिए नहीं बुलाए जा सकते हैं तो आयोग अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदिवारों को इन के लिये आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिये सामान्य स्तर में छूट देकर व्यक्तित्व परिक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए युना सकता है।

व्यक्तिस्य परीक्षण के लिए होने वाला साक्षास्कार किखित गरीक्षा के अनुपूरक के रूप में होगा जिसका उद्देश्य उम्मीद्भुवारों के अध्ययम के विशिष्ट क्षेत्र में उनकी सामान्य जानकारी और क्षमता की परीक्षा करना होता है और साथ-साथ जैमा कि किसी व्यक्तित्व परीक्षण में होता है उम्मीदवारों की स्वीद्धक जिक्षासा समीक्षात्मक सूक्ष-बूक्ष की शक्ति, सन्तुलित विशेचन गीलता मानसिक जागरकता, सामाजिक मानंजस्य की क्षमता चारिजिक सरें। निष्ठा स्वतः प्रेरणा और नेत्स्व की योग्यता का भी मूल्यांकम किया जाता है। 56—276 GI 276

1. साक्षात्कार के बाद प्रत्येक उम्मीदवार को लिखित परीक्षा धीर व्यक्तित्व परीक्षण के अंकों के कमश. 6 2/3 प्रतिशत धीर 3 1/3 प्रतिशत का महत्व देने हुए कूल मिलाकर प्राप्त शंकों के आधार पर उम्मीदवारों की प्रोप्या के कम ने आयोग द्वारा उनको एक सूची तैयार को जाएगी और जिनने उम्मीदवारों को आयोग दम परीक्षा में योग्य पाना है उनमें में उनने ही की उमी कम से निगृधिक के लिये अनुशंगित किया जाता है जिननी अभारिकत रिक्तियों को इस परीक्षा ने आधार पर भरने का निश्चय किया जाता है।

परन्तु श्रनुस्चित जातियो श्रीर श्रनुस्चित जनजातियो के लिये प्रारक्षित रिक्तियों में, सामान्य स्तर के श्राधार पर जिनती रिक्तियां नहीं भरी जा सकती है उनती के लिये स्तर में छूट देकर श्रनुस्चित जातियों भीर श्रनुस्चित जनजातियों के उम्मीदयागं को श्रायोग द्वारा श्रनुश्चित किया जा सकता है बणतें कि परीक्षा में उनके योग्यता के श्रम में निरपेक्ष रूप में इस सेंबा में नियुक्त के योग्य हो।

- 12. परीक्षा में बैठे उम्मीदवारों को वैयक्तिक रूप से उनका परीक्षा परिणाम किस प्रकार और किस रूप में सूचित किया जाये इसका निर्णय आयोग स्थय अपने वियेक ं: करेगा और परीक्षा परिणाम के सम्बन्ध में आयोग उनके साथ कोई पक्ष-व्यायकार नहीं करेगा।
- 13. ६म नोटिस में उल्लिखित धन्य उपबन्धो के प्रध्यधीन सफलता प्राप्त करने वाले उम्मीद्यारों की निमुक्ति पर धायोग द्वारा उनकी संग्यता के कम में नैयार की गई सूची धौर उनके द्वारा प्रपने धावेदन पत्नों में विभिन्न पदों के लिये बनाई गई वरीयता के श्राधार पर विचार किया जायेगा ।
- 14. परीक्षा में सफल होने मात्र से नियुक्त का कोई प्रधिकार तब सक प्राप्त नहीं होता जब तक प्रावण्यक पूछताछ के बाद सरकार इस बात से सन्तुष्ट न हो कि उम्मीदवार प्रप्ने चरित्र ग्रीर पूर्व वृक्त के प्राधार पर उक्त सेवा में नियुक्ति के लिये मर्वथा उपयुक्त है। उम्मीदवार को नियुक्ति के लिए यह भी एक शर्त होगी कि उसके प्रनिवार्य रोटोटिंग इन्टरिश्वप सफलतापूर्धक पूरी कर लेने के सम्बन्ध में नियुक्ति प्राधिकारी संतुष्ट हो।
- 15. उम्मीदवार को मन श्रीर शरीर से स्वस्थ होना चाहिए श्रीर उसमें ऐसी कोई भी शारीरिक कमी नहीं होनी चाहिए जो उक्त सेवा के श्रीधकारी के लप में कार्य करने में बाधक सिद्ध हो सके। सरकार या नियोक्ता प्राधिकारी जैसी भी स्थित हो द्वार। निर्धारित इस प्रकार की शारीरिक परीक्षा में जो उम्मीदवार इन श्रपेक्षाश्रों की पूर्ति नहीं कर पाता है, उसकी नियुक्ति नहीं होगी। व्यक्तित्व परीक्षण के लिये योग्य घोषित किये सभी उम्मीदवारों को स्वास्थ्य श्रीर परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा गिरित विकित्सा बोर्ड के पान शारीरिक परीक्षा के लिये भेजा जायेगा।

16. कोई भी व्यक्ति --

- (क) जो किसी ऐसे व्यक्ति के साथ वैवाहिक सम्बन्ध बना लेता है या १स सम्बन्ध में करार् कर लेता है जिसका कोई पति या पत्नी जीविन है, या
- (खा) पति या पत्नी के जीवित होते हुए, किसी दूसरे व्यक्ति से वैशाहिक सम्बन्ध बना लेता है या इस सम्बन्ध में कोई करार कर लेता है।

इस सेवा में नियुक्ति का पात्र नहीं होगा:

परन्तु यदि केलीय सरकार इस बात से सन्तुष्ट हो कि इस प्रकार का विवाह उस व्यक्ति और विवाह से सम्बद्ध दूसरे व्यक्ति पर लागू वैयक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐमा करने के और भी आधार मीजूव हैं तो किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकता है।

17. उम्मीदवारों को सभी उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे। किसी भी हालत में, उन्हें उत्तर लिखने के लिये अन्य व्यक्ति की सहायता झेने की अनुमति नही वी जायेगी। 18. भाषोग भ्रपनी विवक्षा पर परीक्षा के लिये भ्रहेक (क्षार्लाफाइंग) श्रंक निर्धारित कर सकता है।

19. भाषोग के साथ पत्र-अवहार:

निम्नलिखिन को छोड़कर श्रायोग श्रन्य किसी भी मामाले में उम्मीववार के साथ पत्न-व्यवहार नहीं करेगा:-

- (i) झायोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक ग्रावेदन-पत्न, जिसमें देर सें प्राप्त भ्रावेदन-पत्न भी सम्मिलित हैं, की पावती दी जाती है तथा भ्रावेदन-पत्न भी प्राप्त के प्रतीक के रूप में उम्मीदवार को धावेदन पंजीकरण संख्या जारी की जाती है। इस तथ्य का कि उम्मीदवार को श्रावेदन पंजीकरण संख्या जारी कर दी गई है भ्रपने श्राप यह मतलब नहीं है कि श्रावेदन-पत्न सभी प्रकार पूर्ण है श्रीर श्रायोग हारा स्वीकार कर लिया गया है। यदि परीक्षा में सम्बन्धित प्रावेदन-प्रत्यों की प्राप्त की भ्राविदन-पत्न की भ्रावेदन-पत्न की पावती न मिले तो उमे पावती प्राप्त करने के लिये श्रायोग से तत्काल सम्पर्क करना चाहिए।
- (ii) इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदियार को उसके आवेदन-पत्न के परिणाम की सूचना यथाणी द्वा दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता है कि आवेदन-पत्न का परिणाम कब सूचिन किया आयेगा। यदि परीक्षा के शृक होने की तारीख में एक महीने के पहिले तक उम्मीदिवार को अपने आवेदन-पत्न के परिणाम के बारे में संघ लोक में या आयोग में कोई सूचना न मिले तो परिणाम की आनकारी के लिये उसे आयोग में तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदिवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किये जाने के दावे से वंचित हो आयेगा?
- (iii) किसी भी उम्मीदनार को उक्त परीक्षा में तब तक प्रवेश नहीं विया जायेगा जब तक उसके पास प्रवेश प्रमाण-पन्न न हो।

केवल इस तथ्य का कि किसी उम्भीववार को उक्त परीक्षा के लिए प्रवेश प्रमाण-पत्न जारी कर विया गया है यह ध्रथं नहीं होगा कि आयोग द्वारा उगकी उम्मीववारी ध्रन्तिम रूप से ठीक मान ली गई है या कि उम्मीववार द्वारा प्रपने प्रारम्भिक परीक्षा के ध्रावेदन पत्न में की गई प्रविष्टियां घायोग द्वारा सही ध्रौर ठीक मान ली गई हैं। उम्मीववार ध्यान रखें कि ध्रायोग उम्मीदवार के लिखत परीक्षा के परिणाम के भाषार पर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिये ध्रहंता प्राप्त कर लेने के बाद ही उसकी पालता की शर्तों का मृष्य प्रलेखों से सत्यापन का मामला उठाता है। ध्रायोग द्वारा ध्रीपचारिक रूप से उम्मीववारों की पुष्टि कर दिए जाने तक उम्मीववारी ध्रनंतिम न्हेंगी।

जम्मीदवार जक्त परीक्षा में प्रवेश का पाझ है या नही है इस बारे में श्रायोग का निर्णय ग्रन्तिम होगा ।

उम्मीदवार घ्यान रखे कि प्रवेश प्रमाण-पत्न में कहीं-कहीं नाम तकनीकी कारणों में संक्षिप्त रूप में लिखे जा सकते हैं।

(iv) उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके भावेदन-पन्न में उल्लिखित पते पर भेजे गए पन्न आदि, भावश्यक होने पर, उसकी बदले हुए पते पर मिल जाया करें, पते में किसी प्रकार का परिवर्तन होने पर भायोग को उसकी सूचना यथाशीध्र दी जानी चाहिए । भ्रायोग ऐसे परि-वर्सनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयस्त करता है, किन्तु इस विषय में कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता ।

1. परीक्षा का नाम

- 2. श्रावेदन पंजीकरण सं० श्रयवा उम्मीदवार के जन्म की तारीख यदि श्रावेदन पंजीकरण संख्या/धनुक्रमांक सूचित नहीं किया गया है।
- 3. उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा मोटे ग्रक्षरों में)
- 4. भावेदन-पत्न में दिया गया डाक का पता।

विशेष ध्यान(i): जिन पदों में यह स्यौरा नहीं होगा, संभव है कि उन पर ध्यान न दिया जाए।

विषोष ध्यान (ii) : यदि किसी उम्मीववार से कोई पत्न/सप्रेषण परीक्षा हो चुकने के बाद प्राप्त होता है तथा उसमें उसका पूरा नाम, अनुकर्माक नहीं है तो इस पर ध्यान न देने हुए कोई कार्रवाई नहीं की जायेगी।

20. प्रावेदन-पक्ष प्रस्तुत करने के बाद उम्मीदवारी की वापसी के लिए उम्मीदवार के किसी प्रकार के अनुरोध पर किसी भी परिस्थित में विचार नहीं किया आएगा।

21. संघ लोक सेवा श्रायोग ने "संघ लोक सेवा श्रायोग की वस्तु-परक परीक्षाओं हेतु उम्मीववार विवरणिका" शीर्षक से एक समूल्य पुस्तिका छापी है। यह विवरणिका संठ लोक सेठ श्राठ की परीक्षाओं या चयनों के भावी उम्मीदवारों को सहायता देने के उद्देश्य के तैयार की गई है।

यह पुस्तिका प्रकाशन नियंत्रक, मित्रिल लाइन्स, दिल्ली-110054 के पास विकी के लिए मुलभ है भौर इन्हें उनमें सीधे मेल आईर द्वारा या नकद भुगतान पर प्राप्त किया जा सकता है। यह केवल नकद भुगतान पर (i) किताब महल, रिशेली सिनेमा के सामने एम्पोरिया बिल्डिंग, "सी' क्लाक, बाबा खड़क सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001 भौर (ii) उद्योग भयन, नई दिल्ली-110011 में स्थित प्रकाणन शाखा का बिकी काउण्टर भौर (iii) गवर्नमेंट भ्राफ इण्डिया बुक्त डिपो, 8-के० एस० राय रोड, कलकत्ता-700001 से भी ली जा सकती है। उन्नत विवरणिका भारत सरकार प्रकाशनों के शिभन्न मुफसिल शहरों में स्थित एजेंटों से भी उपलब्ध है।

22. इस परीक्षा के माध्यम सें जिन सेवाफ्रों पर भर्ती की जा रही है उनके संक्षिप्त विवरण परिणिष्ट में दिये गये हैं।

> एम**० बालकृ**ज्णन उपस**धिव**

परिशिष्ट-1

इस परीक्षा के माध्यम में जिन सेवाक्यों में भर्ती की जा रही है, उनके संक्षिप्त विवरण नीचे दिए गए हैं:--

रेलवे में सहायक प्रभागीय चिकित्सा प्रधिकारी

(क) पद घ्रस्थायी है भीर ग्रुप 'क' में है। पद का वेतनमान रु 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1250-द० रो०-50-1600 (परिशोधित वेतनमान) है। इसके घलाना, समय-समय पर प्रवर्तित घावेशों के धनुसार प्रतिबन्धित, प्रैक्टिस निषेध भक्ते भी होंगे। फिलहाल ये दरें चालू हैं:-

निजी प्रैक्टिस को प्रतिबंधित या निषिद्ध करते हुए समय-समय पर रेलवे मंत्रालय या धन्य प्राधिकरण द्वारा जारी किए गए ध्रावेशों का पालन करने के लिए उम्मीदवार बाध्य द्वोगा। जो उम्मीदवार सरकारी नौकरी

- तें| हो खनको उपर्युक्त केतनमान में नियमानुसार प्रारंम्भिक वेतन विज्ञा आयेगा। दूसरे लोगों को उपर्युक्त वेतनमान का न्यूनतम वेतन दिया आजेगा।
- (व) उम्मीदवारको दो साल की परिजीक्षा पर नियुक्त किया जायेगा भीर भावण्यक समझा जाये तो सरकार इस श्रवधिको भागे बढ़ा सकती है। परिजीक्षा की भवधिको सन्तोषजनक ढंग से समाप्त करने पर वह श्रस्थायी असियब से धनको ग्रागे चलाया जायेगा।
- (ग) परीकी का की अविधि में और उसके बाद अस्वायी नियुक्ति के वीरान, दोनों नरफ से एक सहीने के नोटिस के द्वारा, नियुक्ति को समाप्त किया जा सकता है। नोटिस के बदले एक महीने का बेतन देने का अधिकार सरकार अपने पास रखेगी।
- (घ) उम्मीदवार को रेलवे मंत्रालय द्वारा, निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा सौर सभी विभागीय परीक्षाओं में उत्तीर्ण होना पड़ेगा।
- (क) उम्मीदकार रेलवे पेंक्षन नियमों से नियन्त्रित होगा भीर राज्य रेलवे भविष्य निधि (ग्रैर-भंकदायी) के समय-समय पर लागू नियमों के प्रधीन उस निधि का सदस्य बनेगा।
- (च) उम्मीदनार समय-समय पर प्रवित्त और भ्रपने स्तर के श्रीध-कारियों पर लागू श्रवकाण नियमों के अनुसार श्रवकाण का श्रीधकारी होगा।
- (छ) उम्मीदवार समय-समय परप्रवित्ति नियमों के ब्रनुसार निःशुल्क रेलवे पास घोर विशेष टिकट घादेशों का घधिकारी होगा।
- (ज) उम्मीदवार को उसकी नियुक्ति के बाद दो साल के अन्दरहिन्दी परीका में उत्तीर्णहोना पड़ेगा।
- (झ) नियमानुसार, उपर्युक्त पद पर नियुक्त प्रत्येक व्यक्ति को अपेक्षित, होने पर किसी रक्षा सेवा में भारत की रक्षा से संबंधित किसी पद किस से कम कार वर्ष की अविधि के लिए काम करना पड़ सकता है जिसमें किसी प्रक्रिक प्रक्रिक पर क्या पर क्या है जिसमें किसी प्रक्रिक पर क्या पर क्या है जिस से किसी प्रक्रिक पर क्या पर क्या से स्वाधि सामिल है।

परन्तु उत्स व्यक्तिको

- (क) नियुक्ति की तारी कासे 10 वर्ष की समाध्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्यनहीं करना होगा।
- (ख) सामान्यत: 45 वर्ष की श्रायु हो जाने के बाद पूर्वोक्त, रूप में कार्य नहीं करना होगा।
- (ञा) संगणनीय सेवा --जो व्यक्ति इन नियमों के घ्रधीन उन पक्षों पर नियुक्त होते हैं जिन पर धारतीय रेंखवे स्थापना संहिता के नियम 2423 क [के॰से॰नि॰ 404 (ख)] में निर्धारित धार्न लाग् होती है, वे उस नियम में निहत उपवन्धों के लाभ के पास होंगे।
- (ट) जो बातें ऊपर विनिधिष्ट रूप से कही गई हैं उन में भीरभन्य मानसों में उम्मीदवार भारतीय रेलवे स्थापना संहिना भीरसमय-समय पर परिकोधित/प्रवितित नियमों के स्रधीन कार्य करेगा।
- (ठ) प्रारम्भ में उम्मीदवार को पाग्वंस्य स्टेशनों के रेलवे स्वास्थ्य केन्द्रीय ग्रीषधालय में नियुक्त किया जायेगा। सहायक प्रभागीय चिकित्सा ग्रीक्षकारियों को किसी भी रेलवे में स्थानान्सरित भी किया जा सकता है।
 - (इ) उच्चतरग्रेडों में वेतनमानों भीरभत्तों संहिना पदोन्नति के प्रवसर
 - (1) ऐसं सहायक प्रभागीय निकित्सा प्रक्षिकारी जिन्होंने अनत ग्रेड में नियमित नियुक्ति के नाव पांच वर्ष की सेवा कर ली है, प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी (वरिष्ठ वेतनमान) के नदों पर पदोन्नित के पाझ हैं। इन पदों का वेतनमान इ० 1100-1800 है। जिसके साथ 1 से 9 तक की प्रवस्थाओं तक इ० 300/- प्रति मास सीमित प्रेक्टिस निधेश भला तथा 10 प्रवस्था से प्रांगे २० 350/- प्रति मास प्रेक्टिम निधेश भला ग्राह्म है।

- (2) ऐसे प्रभागीय चिकित्सा श्रिक्षितारी/विरिष्ट चिकित्सा श्रीध-कारी जिन्होंने उक्त भेड़ में नियमित नियुक्ति के बाद पांच वर्ष की सेवा कर ली है चिकित्सा श्रधीक्षकों के पदोंपर पदोन्तित के पात्र हैं। इन पदों का वेतनमान ६० 1500— 2000 है तथा साथ में ६० 500/- प्र० मा० प्रैक्टिस निषेश्व भक्ता ग्राह्य है।
- (3) जैसा कि समय-समय पर विहित किया जाता है रु 1500-2000 के ग्रेट में सेवा वर्षों की संख्या के आधारपर चिकित्सा अधीक्षक/श्रतिरिक्त मुख्य चिकित्सा श्रीधकारी के पदों पर पदोन्ति के पान्न हो जाते हैं। इस पद का जेतनमान रु • 2250-2500 है तथा गाथ में कु 500/- प्र० मा० प्रैक्टिस निषेध भत्ता ग्राह्म है।
- (4) ऐसे प्रतिरिक्त मुख्य चिकित्सा प्रधिकारी जिन्होंने जक्त ग्रेड निर्यामन नियुक्ति के बाद दो वर्ष की सेवा कर ली, मुख्य चिकित्सा ध्रधिकारी के पद पर पदोरनित के पान्न हैं। इस पद का वेननमान क० 2500- 2750 है तथा साथ में ६० 500/- ग्र० मा० ग्रैक्टिय निषेध भत्ता ग्राह्य है।
- (ड) कर्तव्य और दासित्व :--

सहायक प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी:

- (1) वह प्रतिदिन श्रीर श्रावण्यक हाने पर भीतरी बाउँ श्रीर बाहरी चिकित्सा विभाग का काम देखेगा।
- (2) वह लागृ विनियमों के अनुसार उम्मीदवार ग्रीर सेवास्त कर्मवारियों की शारीरिक परीक्षा करेगा।
- (3) वह ग्रपने ग्रधिकार केन्न में परिवार नियोजन, लोक स्थास्थ्य, ग्रीर स्वण्छता का काम देखेगा।
- (4) वह सामान विकेताओं की जांच करेगा।
- (5) वह घरपताल के कर्मचारियों में धनुशासन धौर कर्तका पालन के लिये उत्तरदायी होगाः
- (6) वह अपनी विशेषज्ञता से सम्बद्ध कार्य, यदि कोई हो करेगा भीर अपनी विशेषज्ञता से संबंधित विवरणियां श्रीर मांग पन्न नैयार करेगा।
- (7) यह सभी उपस्करों का रख-रखाव और देखभाल अपने प्रभार में रखेगा।
- टिप्पणो (1) : जब सहा० प्र० चि० अ० किसी प्रभाग के मुख्यालय
 में प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी के प्रभाग के अधीन
 नियुक्त किया जाता है तो वह प्रभागीय चिकित्सा के
 सभी कर्तव्यों में उसे सहायता देगा किन्सु विणेष रूप से
 उसको कुछ कार्य ग्रीर दायित्व भी सौपे जा सकते हैं।
- टिप्पणी (2): सहा० प्र० चि० अ० को समय-समय पर सौंपे गये भ्रन्य कर्लब्य भी निभाने होंगे।

रक्षा मंत्रालय के शन्तर्गत श्रायुद्ध तथा श्रायुध उपस्कर कार-काना स्वास्थ्य सेवा में महायक चिकित्सा श्राधकारी के पद--

(क) पद ग्रुप 'क' में श्रस्थायी किन्तु यथाविध स्थामो किया आ सकता है। बेतनमान रु० 700-40-900-द० रो०-10-1100-50-1300 है तथा साथ में समय-समय पर लागू श्रादेशों के श्रनुसार प्रैक्टिस निषेध भत्ता (प्र० नि० भ०)। इस समय दर निम्नलिखित है:--

1-- 5 स्टेज

प॰ 150/- प्रतिमास

6-10 स्टेज

० 200/⊸ प्रतिमास

11 स्टेंज से ग्रागे

• 250/- प्रसिम्ध्स

- (ख) उम्मीक्षार नियुक्ति की तारीख से दो वर्ष तक परिजीक्षा पर रखा जायेगा। यह भ्रवधि सक्षम प्राधिकारी की विवक्षा पर घटाई या धढ़ाई जा सकती है। परिजीक्षा भ्रवधि संतोषजनक उंग से समाप्त करने पर उन्हें स्थायी रिक्ति पर भ्रस्थायी किये जाने तक भ्रस्थायी हैसियत से चलाया जाएगा।
- (ग) उम्मीदवार को भारत में कहीं भी किसी भायुध कारखाना ग्रस्पताल या भौषधालय में नियुक्त किया जा सकता है।
 - (घ) किसी भी प्रकार की निजी प्रैकिटस करना मना है।
- (क्र) परिवीक्षा की ग्रवधि में ग्रीर उसके बाद भ्रस्थायी नियुक्ति के दौरान दोनों तरफ से एक महीने का नोटिस देकर नियुक्ति को समाप्त किया जा सकता है। सरकार को नोटिस के बदले एक महीने का वेतन बेने का श्रीवकार होगा।
- (च) उच्चतर ग्रेडों के वेतनमान श्रोर भक्तों सहिस पदोक्षति के ग्रथसर :--
 - (i) वरिष्ठ वेतनमान--वरिष्ठ चिकित्सा प्रिप्तकारी/सह।यक निदेशक,
 स्वास्थ्य सेवा

किनष्ट वेतनमान में कम से कम 5 वर्ष की सेवा रखने वाले प्रधिकारी वरिष्ठ चिकित्सा प्रधिकारी/महायक निदेशक, स्वास्थ्य सेवा के वरिष्ठ वेतनमान के लिये पात्र होंगें। वेतनमान रु० 1100-50-1600 है तथा साथ में निम्नलिखित दरों पर प्रैक्टिस निषेध भक्ता :--

1- 3 स्टेंब	₹∘	250/-	प्रतिमास
4- 5 स्टेज	₽∙	300/-	प्रतिमास
6- 7 स्टेज	ŧο	350/-	प्रतिमास
8-9 स ्टेज	र्⊛	400/-	प्रसिमास
10-11 स्टेज	৳●	400/-	प्रतिमास

(ii) सुपरटाइम ग्रेड 2--प्रधान चिकित्सा ग्रधिकारी/उप-निवेशक, स्वास्थ्य सेवा

बरिष्ठ वेतनमान (बरिष्ठ चिकित्सा प्रधिकारी/महायक निवेशक, स्वास्थ्य सेवा) में 5 वर्ष की नियमिल सेवा प्रीर स्नानकोत्तर योग्यता रखने वाले प्रधिकारी प्रधान चिकित्सा प्रधिकारी/उप निवेशक, स्वास्थ्य सेवा के सुपरटाइम प्रेड 11 में पर्वोक्षति के लिए विचार किये जा सकते हैं । वेतनमान ६० 1500-60-1800-100-2000 हैं तथा ६० 600/- प्र० मा० की वर से प्र० नि० म०।

(iii) सुपर टाइम ग्रेड-I निदेशक स्वास्थ्य सेथाएं

प्रधान चिकित्सा प्रधिकारी और उप-निर्देशक, स्वास्थ्य सेवा 6 वर्ष की सेवा पूरी कर लेने पर रु० 2250-125/2-2500 प्रतिमास तथा साथ में रु० 600/- प्र० मा० की दर से प्रैक्टिस निषेध भन्ते के वेतनमान बाले निर्देशक स्वास्थ्य रेजा के सुपर टाइम ग्रेड-I में नियुक्ति के पान्न होंगे।

- (গু) कार्यस्वरूप---(1) सहायक चिकित्सा अधिकारी
- (i) ने प्रतिदिन श्रीर धावस्यक होने पर ग्रस्पताल के बाड़ों के विभागों के ग्रन्तरंग रोगियों श्रीर श्रीवधालगें।/बहिरंग विभागों के रोगियों को वेखेंगे।
- (ii) वे नियमों के प्रनुसार कर्मचारियों भीर नौकरी के लिए झाने बाले उम्मीदवारों की स्वास्थ्य की परीक्षा करेंगे।
- (iii) वे सभी उपस्करों का रख-रखाय भौर देखभाल भ्रपने प्रभार में रखेंगे।
- 3 (iv) वे अपने अधिकार क्षेत्र में परिवार कल्याण लोक स्वास्थ्य भौर भौगोगिक कर्मनारियों के स्वास्थ्य का कार्य देखेंगे।

- (v) वे ध्रस्पताल धीर श्रीपधालय के कर्मचारियों के प्रणिक्षण श्रमुशासन श्रीर कर्ततंत्र्य पालन के लिए उत्तरवायी होंगे।
- (vi) वे नियमानुसार प्रभारी चिकित्मा श्रधिकारी द्वारा सौंपे गए श्रन्य भार्य भी करेंगे।
- (2) जी० ग्री० ग्रोड स्वास्थ्य सेवा सहायक निवेशक श्रीर गरिष्ट चिकित्सा प्रक्षिकारी
- (क) मुख्यालय में पदस्थ स्था० से० सं० नि०/स्था० से० उ० के निवेशन पर चिकित्सा सम्बन्धी सभी विषयों में कर्त्तंच्य निभाने में उनकी सहायता करेगा।
- (क) ध्रनुभाग प्रधिकारी के रूप में चिकित्मा ध्रनुभाग को दैनंबिनी कार्य करने में बह स्था० में ० नि०/स्वा० सें ० उ० नि० की सहायता करेगा।
- (ग) समय-समय पर स्वा० से० नि०/स्वा० से० उ० नि० द्वारा सीपे गए दूसरे कार्य भी जसको करने होगे।
- (भ) चिकित्सा भण्डार और उपस्कर से संबंधित सभी प्रथनों का समाधान करने में वह स्वा० में० नि० की सहायता करेगा।
- (घ) प्रभारी चिकित्सा प्रिष्ठकारी के रूप में चिकित्सा सम्बन्धी सभी मामलों में कारखाना, महाप्रवन्धक के सलाहकार रहेंगे ग्रीर श्रावश्यक श्रनुगंसा करते रहेंगे।
- (छ) नियमानुसार वे कर्मचारियों भीर उनके परिवार के सबस्यों के लिए चिकित्सा का प्रबन्ध करेंगे।
- (भा) वे किसी संविधि या सरकारी श्रावेश द्वारा निर्धारित या स्था॰ सें० नि० द्वारा सीपे यए भन्य कार्य भी करेंगे।
- (3) सुपर टाइम ग्रेड--स्वास्थ्य सेवा उप-निदेशक ग्रौर प्रधान चिकित्सा ग्रधिकारी
- (क) मुख्यालय में पवस्य स्वा० से० उप-निवेशक/स्वा० से० निवेशक के द्वारा निर्दिष्ट उनके सभी कार्यों में उनकी सहायला करेगा।
- (खा) स्वा० सें० नि० की गैर हाजिरी, छुट्टी या दौरे की भविधि में वह कारखाना महानिदेशक के भ्रादेशानुसार स्वा० सें० नि० के रूप में कार्य करेगा।
- (ग) प्र० चि० घ्र०--प्र० चि० घ्र० 75 या इससे घछिक पर्लग बाले किसी कारखाना प्रस्पताल भीर वहां की चिकित्सा स्थापना का प्रभारी चिकित्सा प्रधिकारी रहेगा।
- (भ) प्रभारी चिकित्सा धिकारी के हप में व चिकित्सा सम्बन्धी सभी मामलों में कारखाना महाप्रबन्धक के सलाहकार रहेंगे धौर ग्रावश्यक ग्रनुगंसा देते रहेंगे।
- (इ) नियमानुसार वे कर्मचारियों ग्रीर उनके परिवार के सदस्यों
 के लिये वे चिकिरसा का प्रवन्ध करेंगे।
- (च) किसी संविधि या सरकारी ध्रावेश में निहित या स्वास्थ्य सेवा निवेशक हारा मीपे गए धन्य कार्यभी वे करेगे।
- (4) सूपर टाइम ग्रेड--स्वास्थ्य सेवा निदेशक
- (क) चिकित्सा और स्वास्थ्य सम्बन्धी सभी मामलों में कारखात्मक महानिदेशक का चिकित्सा सलाहकार—व्यावसायिक और प्राविधिक समस्त भामलों में कारखाना महानिदेशक संगठन की चिकित्सा स्थापना का नियंक्षक प्राधिकारी—कारखाना महानिदेशक द्वारा प्रदत्त सभी प्रशासनिक प्रधिकारों का यह उपवाग करेगा।

- (श्व) सरकार द्वारा स्वीकृतः प्रतिवेदनों/प्रनुशंसायों का कार्यान्वयन करमे के लिए यह योजनाएं तैयार करेंगे।
- (ग) नियंत्रक प्राधिकारी के रूप में वह म्रावण्यकतानुसार कारखानों में कर्मचारियों का वितरण करेंगे।
- (घ) संघ लोक सेवा आयोग में सामान्यतः कारखाना महानिदेशक का प्रतिनिधिस्व करेंगे।
- (इ.) सामान्यमः वर्ष में एक बार वह सभी कारखानो का निरीक्षण करेंगे या करा लेंगे और चिकित्सा स्थापना के सम्बन्धित सभी मामलों में चिकित्सा प्रतिष्ठानों की कार्यविधि के सम्बन्ध में कारखाना महानिवेशक को प्रतिवेदन भेंजेंगे।
- (च) वे स्वास्थ्य सेवा उप-निदेशक तथा स्वास्थ्य रेवा सहायक निदेशक की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट लिखेंगे ग्रौर सभी प्रधान विकित्सा धधिकारियों, वरिष्ठ चिकित्सा धिधकारियों मथा महायक चिकित्सा धिधकारियों की रिपोर्टों की पुनरीक्षा करेंगे।

(III) केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के घ्रधीन कनिष्ठ वेतनमान के पव

- (क) पद ध्रस्थायी है किन्तु घ्रनिष्चित काल तक चल सकते हैं। उम्मीदवारों को कनिष्ठ ग्रुप 'क' बेननमान में नियुक्त किया जाएगा धौर नियुक्ति की नारीख में दो वर्ष की ध्रष्ठि तक वे परिवीक्षा के ध्रुष्ठीन रहेंगे। यह ध्रविध सक्षम प्राधिकारी के निर्णय पर घटाई या बढ़ाई जा सकती है। परिवीक्षा की ध्रविध की सन्तोषजनक समाप्ति के बाद जनको यथासमय कनिष्ठ वेतनमान (क० 700-1300) में स्थायी पक्षों के उपलब्ध होने पर स्थायी बनाया जाएगा।
- (ख) जम्मीदवार को केन्द्रीय स्वास्थ्य मेंवा में सम्मिलित किसी भी संगठन के मधीन किसी भी श्रीषधालय या मस्पनाल में भारत में कहीं भी नियुक्त किया जा सकता है, प्रश्नीत् विरुली, बंगलीर, बम्बई, मेरठ श्रादि में चालू के० स० स्व० से० कोयला खान/माहका खान श्रम कस्याण संगठन, श्रसम राइफल्स, श्ररुणांचल प्रदेश, लक्षद्वीप, श्रंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह डाक सार विभाग श्रादि । प्रयोगशाला श्रौर परामर्श सेवा सिहत किसी भी श्रकार की निजी श्रीकटस निविद्ध है ।

(ग) घेतन की ग्राह्म दरें निम्नलिखित हैं :-किमष्ठ प्रथम श्रेणी वेतनमान (चिकित्सा प्रधिकारी)

वेतनमान : रु० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300

য়ীত লিত **খত**

1 से 5 अवस्था तक गुरु 150 प्रतिमास ६ से 10 अवस्था तक ७० 200 प्रतिमास 11 अवस्था तथा आगे ६० 250 प्रतिमास

सामान्य डयूटी संघर्ग के ऐसे चिकित्सा श्रष्टिकारी विराट वेतनमान में पदोन्नति हेतु पात्र हो जाएंगे जिन्होंने उक्त ग्रेड में कम रंगकम 5 वर्ष की नियमित सेवा कर ली है।

वरिष्ठ वेतनमान (वरिष्ठ चिकित्सा श्रधिकारी)

वेतनमान : र० 1100-50-1600

	য়ৈত বিত খ ০
1 से 3 धवस्था तक	रु० 250 प्रतिमास
4 से 5 भवस्था तन	र ० 300 प्रतिमास
6 से 7 प्रवस्था तक	रु० ३५० प्रतिमास
8-9 भवस्या तक	रु० 400 प्रतिमाम
10 से 11 भवस्था तक	क० 450 प्रतिमास

सामान्य ४५टी संघर्ग के ऐसे यरिष्ट चिकित्सा प्रधिकारी मृख्य चिकित्सा प्रधिकारी के रूप में पदोन्नति के पात्र हो जाएंगे जिन्होंने उक्त ग्रेड में 5 वर्ष की नियमित सेवा कर ली है।

मुख्य चिकित्सा घष्टिकारी

बेतनमान : ६० 1500-60-1800-100-2000 तथा साथ में ६० 600 प्रतिमास प्रे॰ नि॰ भ०।

ऐसा मुख्य निकित्सा प्रधिकारी, मुख्य निकित्सा प्रधिकारी (चयन ग्रेड) में नियुक्ति का पाट होगा को इस बेतनमान का प्रधिकतम प्राप्त कर चुका है भीर जिसकी उक्त ग्रेड म नियमित नियुक्ति के बाद कम से कम दो वर्ष तक बेतन वृद्धि कक गई हो।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चयन ग्रेड)

श्रेतनमान : रु० 2000-125/2-2250 तथा साथ में रू० 600 प्रतिमास प्रे० नि० भ०

मुख्य चिकित्सा प्रधिकारी (चयन ग्रेड) के ग्रेड में पदम्य ऐसे प्रधिकारी सुपर टाइम ग्रेड (स्तर-11) में पवीक्षति हेनु पात होंगे जिन्होंने उकत ग्रेड में 7 वर्ष की नियमित सेंवा कर ली है। सुपर टाइम ग्रेड (स्तर-11)

बेतनमान : ६० 2250-125/2-2500 तथा 'साथ में ६० 600 प्रति माम प्रै० नि०भ०

सामान्य ड्यृटी उप-संघर्ग में मुपर टाइम ग्रेड (स्तर-II) के $\bar{\rho}$ में प्रक्षिकारी सुपर टाइम ग्रेड (स्तर-I) में पदोन्नति के पात्र होगे जिन्होंने उक्त ग्रेड में 2 वर्ष की नियमित सेवा कर ली है। मुपर टाइम ग्रेड (स्तर-)

न्नेतनमान: च० 2500-125/2-2750 तथा साथ में र० 600 प्रति मास प्रै० नि०भ०

चिकित्सा अधिकारी, दिल्ली मगर निगम

(i) वर्ग 'क' का उन्त पव भस्यामी है किन्तु यथाणी हा स्थायी हो सकता है। वेतनमान कु 700-40-900-द रो०-40-1100-50-1300 तथा साथ में समय-समय पर लागू आदेशों के अनुसार प्रतिबंधित प्रैक्टिस निवेध भत्ता (एन० पी०ए०) इस समय दरें इस प्रकार हैं:---

1--5 स्टेज ए० 150/- प्र० मा० 6---10 स्टेज म्० 200/- प्र० मा० 11 स्टेज तथा इससं धारो र० 250/- प्र० मा०

- (ii) उम्मीदवार नियुक्ति की तारीख से 2 वर्ष की श्रवधि तक परिवीक्षाधीन रहेगा । यह श्रवधि सक्षम प्राधिकारों की विवक्षा पर घटाई या अवाई जा सकती है। परिवीक्षाधीन श्रवधि के मन्ताथजनक समापन पर वह नव तक श्रस्थायी पद पर रहेगा जब तक स्थायी रिकिन पर स्थायी किया जाता है।
- (iii) उम्मीदबार की नियुक्ति दिल्ली नगर निगम के प्रधिकार-अंत्र के प्रकार्यत कही भी किसी धस्पताल/डिस्पेन्सरी/मान धीर शिशु कल्याण तथा परिवार कल्याण केन्द्र/प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र धादि में की जा सकसी है।
 - (iv) किसी भी प्रकार की निजी प्रैक्टिस करना मना है।
- (v) परिवीक्षा तथा उसके बाद श्रस्थायी हैसियत से नियोजन की श्रवधि के दौरान किसी भी तरफ से एक महीने का नोटिस देकर नियृक्ति समाप्त की जा सकती है। दिल्ली नगर निगम को नोटिस के बदले में एक महीने का बेतन देने का श्रधिकार है।

उच्चतर ग्रेडों में पदोक्षति की सम्भावनाएं, जिनमें वेतनमान तथा भत्ते सम्मिलित हैं, भर्ली विनियमों के उपबन्धों के श्रनंमार होगी।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 6th September 1985

No. A-32011|2|85-Adm.I.—The Chairman, Union Public Service Commission is pleased to appoint the following permanent Section Officers of the CSS Cadre of UPSC to officiate as Under Secretaries in Grade I of CSS on ad hoc basifor a period of 3 months w.c.f. 2-9-85 or until turther orders, whichever is earlier under the powers vested in him vide Regulation 7 of UPSC (Staff) Regulations, 1958.

- 1, Shri B. D. Sharma
- 2. Shri D. R. Madan
- 3. Shri Dhanish Chandra

M. P. JAIN Under Secy. (Personnel Admn) Union Public Service Commission.

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 17th September 1985

No. 2|1|85-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri Kul Bhushan, Surveyor of Works (Civil), Ministry of Communications as Technical Examiner (Civil) in the Commission in officiating capacity in the scale of pay of Rs. 1100-50-1600|- with a special pay of Rs. 200|-per month with effect from the forenoon of 26th August, 1985, until further orders.

K. L. MALHOTRA Under Secy. (Admn.) for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110003, the 29th August 1985

No. P.VII-4|80-Estt-I.—The name appearing at S. No. 6 of our Notification No. P.VII-4|80-Estt-I dated 2-2-1982 be read as "BHANWAR SINGH SHEKHAWAT" instead of "BHANWAR SINGH".

The 12th September 1985

No. O.II-2012 85-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. Pramod Kumar Mathur as IMO in the CRPF on ad-hoc basis with effect from 7-8-1985 (FN) for a period of three months or till the recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 13th September 1985

No. O.II-2045 85-Estt.—Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. K. Seetharamaraju as JMO in the CRPF with effect from 9-8-1985 (FN) on ad-hoc basis for a period of three months or till the recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 16th September 1985

No. O.II-1101|73-Estt(CRPF).—Consequent on his retirement from service on superannuation, Shri Sant Singh, Assistant Commandant, 70 Bn CRPF, relinquished the charge of his post on the afternoon of 30th June, 1985.

ASHOK RAJ MAHEEPATHI Assistant Director (Estt)

DIRECTORATE GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 13th September 1985

No. E-16013(2)|17|85-Pers-I.—On appointment on deputation Shri V. V. Thambi, IPS (WB: 78) assumed charge of the post of Commandant, CISF Unit, ISRO Thumba with effect from the forenoon of 2nd September 1985.

The 16th September 1985

No. E-16013(2)15|85-Pers-L.—On appointment on deputation Shri K. Nityanandan, IPS (Guj: 77) assumed charge of the post of Principal, CISF Training College, Hyderabad with effect from the afternoon of 2nd September 1985.

The 17th September 1985

No. E.16013(1)|20|84-Pers.I.—On appointment on deputation Shri P. K. Vinayak, IPS (WB: 66) assumed charge of the post of Deputy Inspector General CISF Unit DSP Degapur with effect from the forenoon of 4-9-85.

The 18th September 1985

No. E-16013(1)|2|81-Pers.I.—Consequent upon his promotion to the rank of Inspector General of Police, Manipur, Imphal Shri V. P. Kapur, IPS (UP: 61) relinquished charge of the post of Deputy Inspector General (Adm), CISF HQrs. New Delhi in the afternoon of 9th September, 1985.

(Sd.) ILLEGIBLE Director General CISF.

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 20th September 1985

No. 11/6/84-Ad. i - The President is pleased to appoint, by promotion, the undermentioned Office Superintendents in the Office of the Director of Census Operations as mentioned against each, as Assistant Director of Census Operations (Group-A; Gazetted) in the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1150-50-1300, on regular basis, in temporary capacity in the same office, with effect from the dates mentioned against each, until further orders:—

Sl. Name of Officer No.	Office in which working	Date of appoint ment as Assis- tant Director of Census Operations
S/Shri		
1 D.N. Sharma	Directorate of Consus Operations, Himachal Pradesh, Simia.	16-8-85 (A.N.)
2. Virender Kumar	Directorate of Census Operations, Uttar Pradesh, Lucknow.	19-8-85 (F.N.)

2. The headquarters of Shri D.N. Sharma and Virender Kumar will be at Simla and Lucknow, respectively.

V.S. VERMA Registrar General, India

MINISTRY OF WORKS & HOUSING DIRECTORATE OF ESTATES

New Delhi, the 19th September 1985

No. A-19012|3|81-Adm.B.—The President is pleased to appoint Shri S. B. Saran Supdt. (Legal) in Deptt. of Legal Affairs, M|O I.aw, Justice and Company Affairs, Government of India, New Delhi, to the post of Assistant Director of Estates (Lit) in the Directorate of Estates with effect from AN of 2nd Sept. 1985 vice Smt. Shail Kumari Goel Assistant Director of Estates (Lit) transferred.

LACHHMAN DASS Deputy Director of Estates (E)

DIRECTORATE OF PRINTING New Delhi, the 27th September 1985

No. N(2)|AII.—On attaining the age of superannuation, Shri V. Narasimhan, Manager, Government of India Press, Coimbatore will stand retired from Government service with effect from the afternoon of 30-9-1985.

H. R. GROVER Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF LABOUR & REHABILITATION LABOUR DEPARTMENT (LABOUR BUREAU)

-. _____ -

Shimla-4, the 4th October 1985

No. 23|3|85-CPI—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on Base: 1960=100 increased by three points to reach 618 (Six hundred eighteen) for the month of August, 1985. Converted to Base: 1949=100 the index for the month of August, 1985 work out to 751. Seven hundred fifty one).

J. N. SHARMA Director,

MINISTRY OF LABOUR

DIRECTORATE GENERAL FACTORY ADVICE SER-VICE AND LABOUR INSTITUTE

Bombay-400 022, the 19th September 1985

No. 24|2|85-Estt.—The Head of Department, Directorate General Factory Advice Service and Labour Institutes, Bombay permits Shri Y. V. Abhyankar Assistant Director (Artist & Layout Expert) Central Labour Institute, Bombay under this Directorate General to retire voluntarily from Government Service with effect from the afternoon of 6-9-1985 under Rule 48-A of C.C.S. (Pension) Rules 1972.

Shii Y. V. Abhyankar accordingly relinquished charge of the post of Assistant Director (Artist & Layout Expert) Central Labour Institute Bombay with effect from the afternoon of 6-9-1985.

S. B. HEGDE PATTL Dy. Director General & Head of Department.

MINISTRY OF FINANCE

(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS) BANK NOTE PRESS

Dewas, the 10th September 1985

F. No. BNP|C|59|85.—Shri Hawaldar Singh, Section Officer of the Office of the Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad, is appointed on deputation as Accounts Officer in the Bank Note Press, Dewas (M.P.) with effect from 5-9-1985 (F.N.) to 4-9-1986 (A.N.).

M. V. CHAR General Manager.

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) MADHYA PRADESH

Gwalior, the 12th August 1985

No. Admn.XI[Gr.I]AO-Promotion|158]754.—The Accountant General (Audit): I, Madhya Pradesh, Gwalior has been

pleased to accord proforma promotion under 'next below Rule to Shri A. R. Sıddiqui, Asstt. Audit Officer (02|399) on deputation to Kendriya Vidyalaya Sangathan, Bhopal as Audit Officer in an officiating capacity in the scale of Rs. 840-40-1000-1-B-40-1200|- with effect from 12-7-1985.

(Authority: Orders of A.G. (Audit): I dated 30-7-85.)

M. DEENA DAYALAN Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E) RAJASTHAN

Jaipur, the 19th September 1985

No. Admn.II|G-Notfn|85-86|232.—The Accountant General (A&E), Rajasthan, Jaipur, is pleased to promote Shri Shri Niwas Agarwal, Selection Grade Section Officer of this Office and to appoint him as officiating Accounts Officer, with effect from 5-9-85 (F.N.) till further orders.

A. K. MAFTRA Sr. Dy. Accountant General (Admn.).

MINISTRY OF DEFENCE INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-1, the 16th September 1985

No. 34|G|85.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri G. N. Chaturvedi, Gentral Manager (SG) Level I (Subst. ADGOF Gr. II|GM Gr.II|Dy.G.M.) retired from service w.e.f. 31st July, 1985|A.N.

V. K. MEHTA DDGOF|Estt.

THE TALL WAS TO Y

MINISTRY OF SUPPLY AND TEXTILES

(DEPARTMENT OF TEXTILES)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 18th September 1985

No. A-12025(i)|3|83-Admn.III.—The President is pleased to appoint with effect from the 28th August, 1985 and until further orders Shri Krishna Kumar Sharma as Assistant Director Grade-I (Processing) in the Weavers Service Centre, Hyderabad.

No. A-3013(2)|84-Admn.III.—The President is pleased to appoint with effect from the 9th July, 1985 and until further orders Shri A. K. Mukherjee as Deputy Director (Designs) in the Weavers Service Centre, Calcutta.

V. K. AGNIHOTRI Addl. Development Commissioner of Handlooms

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun the 11th September 1985

No. C-6256/707—The undermentioned officers who were appointed to officiate as Officer Surveyor, purely on adhoc provisional basis, are now appointed to officiate as such on regular basis with effect from the date as stated against each:—

SI. Name No.		Name				e No. & date of Notification under which appointed on adhoe provisional basis				under which appointed on adhoc provisional	Unit/Office to which posted	Date of promotion	
1	2					3	4	5					
,	S/Shri					Notification No. C. 5027/707	MOREO (MOREO DE LA						
1.	Sudar han Lal	•	•	•	•	Notification No. C-5837/707 dt. 5-7-78.	MR&IO (MP Dte), Dehra Dun.	29-1-85					
2.	Surendra Kumar Khatri .	•	٠	•		Notification No. C-6061/707 dt. 26-4-84	No. 36 Party (STI), Hyderabad.	11-2-85					

1	2						3	4	5
S/Shri									
3. Sohan Singh Rawat			-				Notification No. C-5878/707 dt. 4-11-82	Survey (Ait) Office, New Dolhi	6-5-8 5
4. S.D. Chatterjee							Notification No. C-5837/707 dt. 5-7-78	No 38 Party (PMP), Hyderabod	11-2-85
5. B.K. Sahni		•					Notification No. C5395/707 dt. 24-7-78	No. 36 P rty (STI), Hyderabad.	11-2-85
6. A.K. Uniyil .					,		Notification No. C-5428/707 dt. 4-11-78	No. 72 Party (G&RB), DehiaDun	23-2-85
7. Nothu Rom Sh. rma	١.						Notification No. C-5438/707 2811-78.	No. 74 P. 1(v (SEC), Ranchi	11-2-85
8. Biswanath Bhattach	ai jec						Notification No. C-5859/707	No. 13 DO (NEC), Shillong	26-2-85
9. Shyam Singh	•						dt, 3-9 82 Notificatin No. 5859/707	No. 71 Party (G&RB), Dehra-	1-4-85
10 Ramesh Chandra St	างเมา						dt.3-9-82 Notification No. C-5836/707 12-7-82	Dun. No. 70 (F) Prty (NC), Dhera- Dun.	13-5-85
11. K. Charkavorty							Notification No. C-5859/707 dt. 3-9-82	No. 5 Party (NEC), Shillong	26-2-85
12. P. Kanti Sen .							Notification No. C-5859/707 dt. 3-9-82	No. 80 (P) Party (NEC), Shillong	27-4-85
13. P.L. Muindola					,		Notification No. C-5859/707 3-9-82	No. 29 Party (NEC), Shillong	26-2-85
14. U.C. Bhatnagar							Notification No. C-5946/707 dt. 23-4-83	No. 35 Party (NEC), Guwahati	26-2-85
15. Manishi Dev .			•				Notification No. C-5946/707 dt. 23-4-83	No. 9 Perty (NEC), Shillong	28-2-85
16. Jai Krit Singh Negi					,		Notification No. C-5934/707	No. 20 (P) arty (NC), Dehra Dun.	19-4-85
17. Saktı Pada Das							Notification No. C-5934/707 dt. 6-4-83	No. 12 Party (NEC), Shillong	26-2-85
18. Suchida Nand					,		Notification No. C-5977/707 dt. 13-7-83	MRIO (MP Dtc), Dehra mun	13-5-85
19. Shri R.B. Doy							Notification No. C-5934/707 dt. 6-4-83	No. 81 Perty (NEC), Shillong	10-4-85
20. Shri Bimlesh Kumai	r		,				Notification No. C-6002/707 dt. 28-9-83	No. 71 Perty (G&RB), Dehra Dun	13-6-85
21. Shrj Subash Chandr	а Мап	ngain					Notifice tion No. C-6099/707 dt. 17-7-84	No. 92 Party (SEC), Varanasi	11-2-85
22. N.C. Sundriyal	. ,			•		,	Notification No. C-6039/707 dt. 17-1-84	No. 90 Party (NE), Dehra Dun	22-2-85
23. Amar Nath Gupta							Notification No. C-6039/707 dt. 17-1-84	No. 56 Perty (NWC), Chandig wh	13-5-85
24° V.S. Bist							Notific+tion No. C-6002/707 dt. 28-9-83	No. 92 Party (SEC), Varanasi	11-2-85
25, V., Bahuguna							Notification No. C-6062/707 dt. 26-4-84	No. 14 Party (G&RB), DehraDun	17-4-85
26. Som Nath Chauhan	(SC)						Notification No. C-6039/707 dt. 17-1-84	No. 71 Party (G&RB), DehraDun	3-5-85
27. Paulas Kuzur (ST)							Notification No. C-5992/707	No. 48 (P) Party (CC), Jabalour	15-4-84
28. Herman Mini (ST)							dt. 22-8-83 Notification No. C-5992/707	No. 11 Party (SEC), Ranchi	11-2-8
29. J.S. Tomar (ST)							dt. 22-8-83 Notification No. C-5447/707	No. 1 DO (MP Dte), Dehra Dun	20-5-85
30. Somra Tirkey (ST)							dt. 21-12-78 Notification No. C-5438/707	No. 74 Party (SEC), Ranchi	11-2-85
ya, 2011an - 11111 / (117)							dt. 28-11-78 Notification No. C-5837/707	No. 82 Party (G&RB), DehraDun	6-5-85

Note:—The following amendments may please be made in this office Notification No. G-6216/707 dt. 5-7-1985:—

38. Shri H)rish Chandra (SC)

SI. Name

⁽i) For: "No. 46 Party (CC) Jabalpur"
Read "No. 14 Party (G&RB) Dehra Dun"

⁽fi) For: "14-2-85 "Read" "10-6-85".

-	
No. C-6257/707—The undermentioned officers are appoin-	_
ted to officiate as Officer Surveyor (Group 'B' post), Survey	_
of India in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-	
880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date as shown	
against each on regular basis:-	

Sı. No	Name and Designation	 I	Unit/Office	With effect from
1	2		3	4
S	/Sh r i			
1. B	achi Ram, Sur eyor		No. 16 Party (STI) Hyderabad	27-4-1985
2. R	am Awadh, Surveyor		No. 11 Party (SEC) Ranchi	11-2-1985

	?	3	4
3.	Om Prakash Khatri-1, Surveyor	No. 79 (photo) Party (NWC) Dehra Dun.	30-5-1 9 85) (A/N)
4.	M.C. Goyal, Surveyor .	No. 55 Party (NWC) Chandi- garh	22-5-1985
5.	Janardhan Prasad, Surve- yor	No. 7 Party (WC) Mt. Abu	29-4-1985
6.	Sukh Dev (SC), Surveyor .	No. 3 Party (NWC) Ambala City	8-5-1985
7.	Om Prakash Misra, Surveyor	No. 16 D.O. (MP Dte) Dehra Dun,	30-4-1985

No. C-6258/707—The undermentioned officers who were appointed to officiate as Officer Surveyor, purely on ad-hoc provisional basis, are reverted to the post of Surveyor (Selection Grade) from the date as indicated against each

SI, No.	Name & Designation	No. & date of Notification under which appointed on ad-hoc provisional bc sis	Unit/Office to which posted	Date of reversion
_1	2	3	4	5
S	/Shri			
1. R	K, Puri, Surveyor (Sel. Gde.)	. C-6038/707 dt. 17-1-84	No. 92 Party (SEC) Varanasi	31-5-85 (A/N)
2 Ñ	d.C. Sonowal (ST), Surveyor (Scl. Gde.)	. C-5992/707 dt. 22-8-83	No. 5 Party (NEC) Shillong	1-6-85 (F/N)
3. D	S. Chauhan(ST), Surveyor (Sel. Gde.) .	. C-5992/707 dt. 22-8-83	No. 9 Party (NEC) Shillong	1-6-85 (F/N)

The 12th September 1985

No. C-6260/594 - The following Technical Assistants (Map Reproduction) Selection Grade are appointed to officiate as Assistant Manager, Map Reproduction (G.C.S Group 'B' post) in the Survey of India in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the dates as given against each and posted to No. 104 (HBD) Printing Group (PMPP), Hyderabad:

SI. Name	~ -	 		Date of appoint- nent
2		 		
S/Shri		 	 — —	0.604/5333
 Satyam Amesh (ST) Ram Deo Singh (SC) 	•			9-5-84 (F.N.) 9-5-85 (F N.)
			or G	C. AGARWAL Major General eneral of India ting Authority)

ISPAT KHAN AUR KOILA MANTRALAYA KHAN VIBHAG

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 13th September 1985

No. 9305B|A-32013(AO)|84|19A.—Shri Somnath Banerjee, Superintendent, Geological Survty of India has been appointed by the Director General, G.S.I. on promotion as Rdministrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-37-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200|- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 25-7-85 until further orders.

The 16th Sept. 1985

No. 9342B|A-19012 (MSSPB)|84|19A.—Shri M. S. S. P. Bhardwaj is appointed by the Director General, Geological Survey of India as Stores Officer in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200|- in a temporory capacity with effect from the forenoon of 8-8-85, until further orders.

A. KUSHARI Director (Personnel)

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 20th August 1985

No. 4/3/85-SII—In continuation of the Directorate General, All India Redio's marginally noted notifications the Director General, All India Radio, New Delhi is pleased to extend the deputation period of the following Hindi Officers 57—276 GI|85

in the pay so le of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on ad-hoc basis for a further period of one year with effect from the dates indicated against each, until further orders:—

	S. No. Name & place of posting		Date from which depu- tation period extended					
1		-	-			2	3	4
No. 4/3/83-SII dt. 20-8-83			<u> </u>	<u> </u>	<u>-</u>	1.	Shri N.S. Sharma, Hindi Officer, AIR, Patna	1-8-1985
No. 4/5/83-SII dt. 20-10-83	•	٠				2.	Shri H.S. Arya, Hindi Officer CE(NZ), AIR, New Delhi.	30-9-8 4
No. 4/6/83-SII dt. 9-12-83 .	•	•				3.	Shri R.P. Tiwari, Hindi Officer, CE(R&D), AIR, New Delhi.	17-11-8-
No. 4/8/83-SII dt. 17-12-83				•	•	4.	Shri M.M.L. Sharma, Hindi Officer HPT, AIR, Kingsway, Delhi.	17-11-8-
No. 4/2/84-SII dt. 27-3-84 .		•		•		5.	Shri Sant Ram Tripathi, Hindi Officer, AIR, Hyderabad	5-3-85
No. 4/8/82-SII dt. 28-12-82	-	•	•	٠		6.	Shri Uma Kant Khwalkar, Hindi Officer, AIR, Bombay.	31-12-84

MOHAN FRANCIS

Dy. Director of Administration

For Director General

New Delhi-1, the 17th September 1985

No. 6(105)|62-SI.—Shri U.B. Bellakki, Programme Executive All India Radio, Dharwad retired from Government Service on supersymulation with effect from the afternoon of 31st August, 1985.

I. S. PANDHI Dy. Director of Administration. for Director General.

New Delhi, the 19th September 1985

No. 17/17/85-S IV - Consequent upon their promotion the undermentioned Senior Engineering Assistants have assumed charge of the post of Assistant Engineer in a temporary capacity at different Stations/Offices of All India Radio and Doordarshan from the date shown against each till further order:

SI. No Name	Statoins/Offices	Date of Joining
1 2	3	4
S/Shri		,
1. A. Rama Rao	. AIR, Hyderabad	12-8-85
		(F.N.)
2. R.Ş Khalsa .	AIR, New Delhi	12-8-85
		(FN.)
3. G Leo Joseph Selvaraj	. AIR, Kohima	24-7-85
•		(F N.)
4. O.P Aggarwal	HPT, ATR, Kham-	2-8-85
	pur, Delhi	(F.N.)
5. M.K. Omkar	. TVRC, Solapur	5-7-8 <i>5</i>
		(FN.)
6. P.V. Rangacharyulu	. CE(EZ) Calcutta	21-6-85
• •		(F.N.)

B. S. JAIN

Dy. Director of Administration (E)

for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 29th August 1985

No. A-12025|2|83-Admn-I.—Director General of Health Services is pleased to appoint Smt. Chhabi Mathur to the post

of Assistant Architect in the Directorate General of Health Services in a temporary capacity with effect from the forenoon of 5th August, 1985, until further orders.

The 18th September 1985

No. A. 12025|2|84-M(F&S).—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri N. Krishnamurthy, in the post of Scientific officer-cum-Tutor at Jawaharlal Institute of Post Graduate Medical Education & Research, Pondicherry with effect from the Forenoon of 25th June, 1985 in a temporary capacity.

P. K. GHAI Deputy Director Adminstration (C&B)

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400085, the 17th September 1985

No. B-1701 Est.-II 3448.—Shri Konanath Govindamenon Balachandran, relinquished charge of the post of Assistant Personnel Officer on 31-7-1985 (AN) consequent of Superannuation.

K, VENKATAKRISHNAN Dy. Establisment Officer

Bombay-85 the 16th September ,1985

No. PA|73(8)|85|R-IV|939.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Dr. (Smt) Takhtani Padmini as Resident Medical Officer in Medical Division of this Research Centre in a purely temporary capacity with effect form the forenoon of August 19, 1985 to the afternoon of September 20, 1985.

M. D. GADGIL Dy. Establishment Officer

DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES Bombay-400 001, the 13th September 1985

No. DPS|41|17|85-Adm.|6637.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Suresh Shantaram Prabhuzantye, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accountant to officiate as an Assistant Accounts Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 from 21-6-85 (FN) to 31-7-1985 (AN) in the same Directorate.

Bombay-400 001, the 13th September 1985

No. Ref. DPS|41|3|85-Adm.6646.—The Director, Directorate of Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri L. Unnikrishnan a permanent Upper Division Clerk and officiating—Asst. Accounts Officer to officiate as an Accounts

Officer-II on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 from 17-6-1985 (FN) to 10-8-85 (AN) in the same Directorate vide Shri S. R. Shidlyali, Accounts Officer, KRAU, Kota granted leave.

P. GOPALAN
Administrative Officer

OBJICE OF THE DIRECTOR OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 5th September 1985

No. A. 38013|1|85.EA.—Shri S.P. Rikhi, Aerodrome Officer, Office of the Director of Aerodromes, Delhi, retired from Government service on the 31-7-85 on attaining the age of superannuation.

M. BHATTACHARJEE
Dy. Director of Administration,
for Director General of Civil Aviation.

New Delhi, the 2nd August 1985

No. A. 32013 14 81EI.—In contination of this Office Notification No. A-32013 14 81-EI dated the 4th May, 1984, the President is pleased to continue the adhoc appointment of Shri S. Ranjan in the grade of Director of Aerodromes, Hyderabad for further period from 28-9-84 to 31-10-85 or till the date, the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

The 10th September 1985

Na. A. 35018|11|83-E1.—In continuation of this Office Notification No. A. 35018|11|83-E1, dated the 29th May, 1984, the Presideent is pleased to continue the adhoc appointment of Shri U. G. Mokhasi to the grade of Assistant Director, Civil Aviation Security at Calcutta for a further period of six months this from 15-7-1984 to 14-1-1985.

J. C. GARG Joint Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 13th September 1985

No. 12|3|85-EST.—The Director General, Overseas Communications Service hereby appoints Shri E. C. Affonso, Officiating Chief Mechanician of O. C. S. as Chief Mechanician, in a Substantive capacity with effect from 1-12-1984.

R. K. THAKKER Dy. Director (ADMN), for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF INSPECTION CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 17th September 1985

No. 23|85.—Shri P. G. Garude, lately posted as Senior Supdt. of Gentral Excise, Bombay II Collectorate, on his transfer to the Directorate General of Inspection (C&CE) vide Ministry of Finance, Deptt. of Revenues order No. 98|85 dt 9-7-85 issued vide letter F. No. A-22012|42|85-Ad-II, assumed charge of the post of Asstt. Director, SRU, DGICCE, Madras w.e.f. 14|8|85 (FN).

The 18th September 1985

No. 24|85.—In pursuance of Ministry of Finance, Deptt. of Revenues letter F. No. A-60011|9|85-Ad. II. B dt. 7-8-85, has been decided to extend the period of re-employment of nri R. C. Gupta working as Inspecting Officer in the Directorate General on superannuation, for a further period of one year w.e.f. 1-8-85 to 31-7-86 in continuation of this Directorate General's notification No. 9|84 dt. 18-8-84 issued ride C. No. 1041|15|80.

A. C. SALDANHA Director General of Inspection

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110 066, the 19th September 1985

No. A-19012 1086 85-Estt. V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group-B), Chairman, Central Water Commission appoints Shri Kailasn Prasad Singh, Supervisor to the grade of Extra Assistant Director Assistant Engineer (Engg.) in he Central Water Commission on a regular basis in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 20-4-85 until further orders.

2. The above mentioned officer will be on probation in the grade of E.A.D. A.E. in the Central Water Commission for a period of two years with effect from the aforesaid date.

The 20th September 1985

No. A-19012|1076|85-Estt. V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B) Chairman, Central water Commission nereby appoints Shri D. D. Chattopadhyay, Supervisor, who was on deputation to Chukha Hydel Project, Bhutan, satisfies all the conditions of the 'Next Below Rule' while on deputation abroad on ex-cadre post, to the grade of Extra Assistant Director|Assistant Engineer (Engg.) in the Central Water Commission in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 15-5-1985, the date of his junior had been promoted in the grade on regular basis, until further orders.

2. Shri D. D. Chattopadhyay will be on probation in the grade of Extra Assistant Director Assistant Engineer in CWC for a period of two years with effect from the aforesaid date.

MEENAKSHI ARORA Under Secy. Central Water Commission

New Delhi-110066, the 9th September 1985

No. 559|85. F. No: 22|1|85-Admn. I(B).—The Chairman Central Electricity Authority, hereby appoints Shri Swapan Kumar Pal, Techincal Assistant to the grade of Extra Asstt. Director|Asstt. Engineer of he Central Power Engineering (Group B) Service in the Central Electricity Authority in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 2nd August 1985.

R. SESHADRI Under Secy. (P) for Chairman

MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS
(COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M|s. Kosmek Fashions Private Limited.

Bombay-400 002, the 16th September 1985

No. 684 17222 560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the the expiration of three months from the date hereof the name of the M|s. Kosmek Fashions Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Mts. Maharashtra Yarn Spoolers Association

Bombay-400 002, the 16th September 1985

No. 694 16620 560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Maharashtra Yarn Spoolers

Association unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company w.ll be dissolved.

O. P. JAIN Addl. Registrar of Companies, Maharashtra, Bombay

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Homeland Finencing Company Private Limited

Ahmedabad, the 17th September 1985

No. 1132 | CP | 560.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Homeland Financing Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

V. Y. RANE,
Asstt. Registrar of Companies,
Ahmedabad

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400 020, the August, 1985

No. F.48-Ad(AT)|1985.—I. Shri R. Dakshinamoorthy, Assistant Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Madras Benches, Madras is appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Cochin Bench,

Cochin on ad-hoc basis in a temporary capacity for a period of 3 months with effect from the forenoon of 1st August, 1985 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri R. Dakshinamoorthy, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis will not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

II. Shri T. K. Genguly, Assistant Superintendent, Incometax Appellate Tribunal, officiating as Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay on ad-hoc basis is appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal Cuttack Bench, Cuttack on ad-hoc basis in a temporary capacity for a period of 3 months with effect from the forenoon of 1st August, 1985 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri T. K. Ganguly, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis will not bount for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

(Sd.) ILLEGIBLE President

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
RCQUISITION RANGE-II,
CALCUTTA

Calcutta, the 9th September 1985

Ref. No. AC-45|R-II|Cul|85-86.—Whereas, J. SHAJKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing

No. 6 situated at Hasting Park Road, Alipore Calcutta-27. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Competent Authority on 7-I-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

 Dharmesh Kr. Agarwal.
 Hitesh Kr. Agarwal.
 both of 29, Alipore Avenue, Calcutta.

(Transferor)

(2) 1. Manohari Devi Jain.
 2. Sarta Jain.
 both of Apartment No. 2B,
 6. Hasings Park Road,
 Calcutta-27.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

209.11 Sq. m. flat with parking space situated at Apartment No. 2B, 6, Hastings Park Road, Calcutta-27. Registered before the Competent Authority on 7-1-1985 vide Sl. No. 35

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16,

Date: 9-9-1985

Seal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 9th September 1985

Ref. No. AC-44|R-II|Cal|85-86.-Whereas, I. SHAIKH NAIMUDDIN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Apartment No. 6 situated at Block-C, Sector-II, Salt

Lake City, Calcutta-91
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Competent Authority on 7-1-1985

Competent Authority on 7-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evanton of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in transfer: respect of any income arising from the andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Gita Roy of 21, Moharaja Tagore Road. Calcutta-31.

(Transferor)

(2) 1. Sri Sentilal Mukherjee 2. Smt. Suprova Mukherjee, both of Apartment No. 6, Block No. C. Sector-II, Salt Lake City, Calcutta-91.

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1237.50 Sft. flat situated at Apartment No. 6, Block No. C, Sector-II, Digantika Samabaya Abasani, Salt Lake City, Calcutta-91. Registered before the Competent Authority on 7-1-1985 vide Sl. No. 34.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux Acquisition Range-II 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-9-1985

Seal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Jagmegh Singh & others Vill--Kaserwa Khurd PO. Kaserwa Kala-Muzeffarnagar,

(Transferor)

(2) Shri Narenda Varma & others Vill-Titauali-Shamli, Muzaffar Nagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106 282 KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. I.ANIN PARK, KANPUR

Kanpur-208 012, the 12th September 1985

Ref. No. M-273 85-86.—Whereas, I, H. R. DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No. 93 situated at Tiloli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at registration No. 693 dated 30-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the strvice of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Ag. land No. 93 situated at vill. Titauli Shamli- Muzaffar Nagar.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subpersons namely :---

Date: 12-9-1985

Scal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106|282 KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR

Kanpur-208 12, the 19th September 1985

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Mu sori under registration No. 4.85 dated 5-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesad property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the ascernant property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shii M. K. Jagut Shamshere J.B.R. s|o H. H. Maharaja Dev Shamshere J.B.R. R|o Sunsan P.O. Katha Pathar Dehiadun. (Transferor)
- (2) M|s. Prem Eng. works Ram Mill, Delhi Road, Meerut.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. Whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of fair lawn Estate Jhari Pari, Mussoori,

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 19-9-1985

Seal:

FORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Prem Singh S|o Javand Singh 46|110 Badshchi Naka Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Dharam Das Slo Shri Girdharl Lal Sanmukh Das Slo Kalyan Das Rlo 106/400 P. Road, Kanpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106|282 KANGHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR

Kanpur-208 012, the 5th September 1985

Ref. No. K-79|85-86.—Whereas, I. H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 126|6|63 situated a. Govind Nagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 4118 date 21-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limitity of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act 1922 (41 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Crazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaze.te.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act hall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

126/6/73 Govind Nagar, Kanpur.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 5-9-1985

Soal;

FORM TINS-----

MOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 106|282 KAN LIT NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR

Kanpur-208 012, the 5th September 1985

Ref. No. K-89|85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to 42 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000|- and bearing No. 133|27|149 situated at Kidwai Nagar fand more tully described in the Scheinle annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 2593 date 1-1-85 for yn apparent consideration which is tess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said set in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Rajeev Jain Slo Damodar Das Jain 133127/144 Block in Kalwed magat Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Subhash Chand Gupta So Late Shri Kedar Nath Gupta, 81/91, Dhankutty Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the aid property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days t om the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House No. 133[27]144, Block 'N' Kidwai Nagar, Kanpur.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said let. I hereby initiate proceedings for the requisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 5-9-85

Scal:

FORM IINS

(1) Sail. Mitniesh Kumar Soo late Jayanti Præad Saxena 40/69, Parade Kanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACI, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Suresh Kumar Soo Shri Devi Prasad Goonka & others, 113|216, Swaroop Nagar, Kanpur (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETIAN, ACQUISITION RANGE

106|282 KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARA, KANPUR

Kanpur-208 012, the 5th September 1985

Ref. No. K-92|85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property naving a rair flux set value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 7|141 situated at Swaroop Nagar

(and more uny described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 2858 date 15-1-85

tor an apparent consideration which is its than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen between to such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partie, ha not been truly state in the said instrument of extansfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesa'd persons within a period of torty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, with n 45 days from the dite of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any uncome arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the conceament of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House No. 7|141 Sweroop Nagar, Kanpur.

H. R. DAS
Competent Authory
Inspecting Assistant Commissioner of Income tox,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Pate: 5-9-1985 Scal:

Scal

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sardar Sardul Singh Slo Ujagar Singh 119 74 Naseemab. 1 Kanpur.

(Transferor)

(2) Smt. Shanti Devi Wie Dam Autar Gupta 119|47 Nascemabad, Kanpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106 282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR

Kanpur, the 5th September 1985

Ref. No. K-93|85-86.-Whereas, I, H. R. DAS, kell No. K-35/85-80.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the sair Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No. 117/34814 (1) Block Geeta Nagar Kanpur citizated at Kanpur

situated at Kanpur

(and more tuny described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registrat on No 2867 date 15-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 ef 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 2690 of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquistoin of the aforesaid property by the issue of this notice under submection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Clazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1|7|348 O-Block Geeta Nagar, Kanpur.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 5-9-1985

Scal:

FORM ITNS-

(1) Shri Ayodhya Prasad So Ganpat Rai Ro 17/81, Ram Naraina Bazar Kanpur, (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Nehru Smarak, Sahkari Grih Nirman Sam ti Ltd. th ough (Secy.) Sh. Prem Prakash Tripathy 128|35 O-Block Kidwai Nagar Kanpur. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106|282 KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR

Kanpur-208 012, the 5th September 1985

Ref. No. K-94|85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereina ter refe red to us the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Ag. land No. 832 Dahell Sajanpur (and more tully described in the Sendule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Offi er at Kanpur under registration No. 2897 date 15-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apprent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the and Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the indian income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or it id Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

No. 17, Plot No. 1 at Village Katrap.
 Khet No. 832 at Daheli Sajanpur Distt. Kanpur.

H. R. DAS
Competent Au horacy
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 260D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:—

Date: 5-9-1985

Scal :

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

> > Kanpur, the 7th August 1985

Ref. No. K-105|85-86.—Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the incompetent Act, 1961 (43 of 1961) (herens her territed to as the 'said Act'), have reason to believe that the minutes all the property of the propert

No. 118[187, situated at Kaushalpuri Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Rigistering Officer at

1908) in the Office of the Registration Act, 1908 (10 of 1908) in the Office of the Registration Officer at Kanpur under registration No. 4762 date 29-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than rifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to per tax under the said Act. 10 respect of any motione arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conceniment of any income or any moneys of other assets which have no see of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indust Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weslth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in purvisance of Section 269°C of the said Act. I believ initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:——

(1) Smt. Devjeet Kumari Window of Latte Inhanjan Singh 118/187 Kaushaipuri, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Shyam Sundar Khandelwal, Slo Shri Jai Gopal Khandelwal & others, Rlo 118|553 A Kaushalpuri, Kanpur.

(3) —do— (Person in occupation of the property)

(4) —do—
(Persons whom the undersigned knows to be registered in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of has notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 118|187 Kaushalpuri, Kanpur.

H R. DAS, Competent Auth that Inspecting Assistant Commission r of Income-tax Acquistion Range, Kanpur

Date: 7-8-1985

Уст:

PART III—SEC. 11

PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCAON BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 7th August 1985

Ref. No. 106|85-86.—Whereas, I. H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable p operty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and bearing to

81 situated at Govardhan Purwa Kanpur

(and more fully 1 of an the Schedule annexed hereto), has been transferred under

transter with the object of :-

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kanpur under registration No. 4750 dated 30-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesayl exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such supparers consideration and that the consideration for such transfer as ag sed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. Jenab Begum Ro 81. Govardhan Purwa. Kaupur.

(Transferor)

34739

(2) Shri Ram Sawroop Sochan & Snri Ram Narain Sachan Ro VIII Gasi Ten. Cahianpur, Distt. Kanpur.

(Transferee)

(3) -do---(1 cison in occupation of the property)

(4) -do--(Person whom the undersigned kn w to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period or 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official unitable.

EXPLANATION .-- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 81, Govardhanpurwa Juhi, Kanpur,

H R. DAS. Competent Authority Inspecting Assistant Commission f Income-tax Acquistion Ream Kanpur

Date : 7-8-1985 Soal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
A' QUISIT O I RANG".

106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR.
OPP. LANIN PARK.
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 10th September 1985

No. K-153|85-86.—Whereas, I, H. R. DAS being the competer Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to a h said Act) have reason to believe that the immovable property having a far market value exceeding Rs. 1,00 0001 and bearing No. 4413 situated at Chaubey Gola, (and more tuly described in the Schedule annexed hereto), has been tran fetted under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Cofficer at Kanpur under registration No. 49|2 dated 31-1-85 for an apparent consideration which is tess than the fair market value of the property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid expeeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such appa ent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability respect of any income arising from the transfer,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. It is not the acquisition of the accressid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269DL of the said Act to the following persons, namely:

(1) Shri Vijay Kumar Kesorwani, Krishan Kumar Kesorwani & o.hers, 411111, Chaubey Gola, Kanpur.

(Transferor)

(2) Smt. Saliha Begum wo. Shri Mohd. Umar Mallik & others, 44|4. Chaubey Gola, Kanpur.

(Transferer)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 13 lays from the date of the publication of this notice in the O fficial Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA if the ward Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 44|4, Chaubey Gola, Kanpur.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tag
Acquisition Range
Kanpur

Dated: 10-9-1985

Soni i

FORM, I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-1AX,

ACQUISITION RANGE, 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 5th September 1985

Ref. No. K-181|85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to at the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. As land situated at Pasewa, Distt. Kanpur (and more fully described in the Special Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at (Chatanipur) Kanpur under registration No. 49 date 14-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property as aforemaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument extransfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the usual Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Lax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Garho widow of Mama Lal, R'o Pascwa Per Ghotampur, Distt. Kanpur.

(Transferor)

(2) Sh. Pradeep Kumar Dixit, Sanjay Dixit S|o Kamla Shanker Dixit & others, R|o 160 Anandour, T. P. Nagar, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property sawy be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 1 f in the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION:—The terms and expressions used berein as are defined to Chapter XXA of the said.

Ac. the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land at Vill. Pasewa Pugay Ghatanipur, Distt. Kanpur.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commission of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date : 5-9-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISIT'ON RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR, OPP. I ANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 10th September 1985

Ref. No. A-2|85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. 3|203 situa ed at Shyam Nagar P. Nagar. Aligarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred undy the Registration of ict, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Aligarh under registration No. 854 date 21-8-85

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid axceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wanters with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby minuse proceedings for the acquisition of the affore aid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Chely D.vi, Bewa Shri Deen Dayal, Shrimati K. han Peyari woo. Shri Bal Kahan Mara, Rla ham Nagai (Prem Nagar) Aligath.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Kishor Slo. Shri Lakhmi Chand, Shrimut Kusum Ram Wlo Shri Jagdish Kishore Rlo Malveya Nagar, Atroli, Aligath.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to he undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovaable property within +5 days from the date of the publication of this notice in the Official Canadata

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

One House No. 3/203, Shyam Nagar, (Prem Nagar) A'igarh.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income track
Acquisition Range
Kangur

Date: 10-9-1985

Scal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Chuil Behari Lal Tanya, Shri Ram Bhrusay Lal, Klo 65, Civil Lane, Thuns..

(T.ansferor)
(2) Smt. Kamla Sahgal woo Shri Krishan Sahgal
ulo Sh.1 Krishan Sahgal
Rlo 146, Ba.deo,
Ihans..

(Transferce)

OI FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-LAX
AUQUISTEON RANGE,
106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR,
OPP. LANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 5th September 1985

No. A-6-85-86.—Whereas, I, H, R, DAS being the Competent Authority and a section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable projectly h ing a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing

No. 63 shouted at Civil Lane, Jhansi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act. 1908 (6 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jhans under registration No. 56 da e 2-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and hat the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whicheve, period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the producation of this notice in the Official Gazetic.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferr to pay tax und the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any sources of other smeets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Westth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Bagla No. 63, Civil Lane, Jhansi.

H. R. DAS
Competent Author ty
Inspecting Assit Commission of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of ha said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following ususons, namely:

Date: 5-9-1985 Seal .

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISTANT ACQUISITION RANGE,
106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR,
OPP. LANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 10th September 1985
No. A-20(A)[85-86.—Whereas, I, H R. DAS
being the Competent Authority under Section 269B of
the income-tax Act, 1961 (45 of 1961) (hereinster reserved
to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a Fair Market Value exceeding Rs.
1,00 000]—and
bearing No. situated at Kasbakol Aligarh
(and more fully describ d in in Schoule annexed hereto)
has been transferred and registered
under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Reg's ring Offices at
Aligarh under registration No. 523 date 10-1-85
for an apparent on 11 atton which is less than the fair

1908) in the office of the Regs ring Offices at Aligarh under registration No. 523 date 10-1-85 for an apparent on it ation which is less than the fair market value of the aforesa d property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such that the as a agreed to between the parties has not been truly stated in the said insurument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in tespect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa d property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Shi Harish Chand slo Sudhir Chand Rlo Ram Coloney, Haridwar Bo ha Ram slo Shri Asha Nand 1260 Mukarji Nagai, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Mukesh Prakash so Bhagwan Das Ratan Prakash so Har Chand Lal Ro Bhanoo Bhajja Aligarh, Nanctan Das so Ram Chand etc., Surya Harim Aligarh.

(Transfere)

(3) —do—

(Person in occupation of the property)

(4) -do-

(Persons whom the undersigned knows to be interestedd in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X \(\lambda\) of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One kittn Jaydad Kasba-Kol Aligarh (Aligarh).

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission of Income-tax
Acquisition Ra e
Kanpur

Date: 10-9-85

Scal:

FURM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NACAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208-012, the 10th September 1985

No. A-24|85-86.—Whereas, I,

H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing
No. sicu. ted at Man Sarowar Aligarh,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aligarh under registration No. 436 dated 8-1-85,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair marker value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) Man Sarowar Greh Nirman Samiti Aligarh, Sachiv Keini Pai Singh ojo Suri Klinan Singh Moha, ·Vir Paik, Aligaih.

(Transferor)

(2) Shri Sushilender Pal Singh, Charam Pal Singh, Rio Man Sarowar Colony, Aligarh.

(Transferee)

- (3) Shri Sushilender Pul Singh. Lharam Pai Singn, Ro Man Sarowar Colony, Aligarh. (reison(s) in occupation of the property)
- Shri Sushi'ender Far Sanghan Pal Singh,
 Roman Sarowar Colony, Aligarh.
 (Persons Whom and under igned knows to be interested in the property) (4) Shri Sushi'ender Pal Singh.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Crazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as arc defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2890 sq. m. Aligarh.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 10-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIUNCK OF INCOME-IAX,

> ACQUISITION RANGE 106 282, NAINCHAN BHAWAN GANDHI NACAK UPP. LANIN PARK KANPUK-208 012

> Kanpur-208 012, the 5th September 1985

No A-35|85-86.—Whereas, 1, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the theometax Act, 1961 (45 of 1961) (herematte) referred to as the said Act), have reason to believe that the mimovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

situated at Hind Nagar Civil Line. No.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered

under the Registratio, Ac, 1908 (16 of 1908) in the office o. the Registering Oncer a

Etah under registration No. 1056 dated 11-12-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be dislessed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Kanta Paliwal Bewa Krishan Duit Paliwal, Vikash Paliwal, Rlo Hand Nagar Civil Line, Etah.

(Transferor)

(2) Shii Dinesh Baboo Sax na Slo Fagir Chand Saxena, Smt. Vema Saxena, a .an Saxsena 1.A Singar Nagar Etah.

(Transferee)

- (3) Shri Dinesh Biboo Saxsena Slo Shri Faqir Chand Saxena, Smt Vema Saxsena, L a an Saxsena 1.A Singar Nagar Etah. (Person(s) in occupation of the property)
- (4) Shri Din-ch n h Sanara Şlo Shri Faqir Chand Saxena, Smt Vema Saxsena, xsena یا۔۔ 1. A.S. Singar Nagar Etah. (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) he and of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the eaid immovproperty, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Situated at one House Hind Nagar Civil Lane Etah.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range, Kanpur

Now therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NACAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 6th September 1985

No. A-42|85-86.---Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value of Rs. 1,00 000] and bearing No. situated at Daimpear Nagar, Mathura (and more fully described in the Schedule annexed hine) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mithura under registration No. 28 dated 9-1-85,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the soluction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in sect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ough to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the unit of Act, or the Weakh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Art, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Shri Shyam Sunder Slo Kunha Lai Rlo Choona Kankatan, Mathura.

(Transferor)

(2) Shri Deena Nath Chaturvedi, Slo Re hi Kesh Ji, Rlo Gali Gu,rana, Mathura.

(Transferce)

- (3) Shri Deerky Nath Chaturvedi.
 So Re hi Kesh Ji,
 Ro Gali Gujrana, Mathura.
 (Person(s) in occupation of the property)
- (4) Shri Deena Nath Chaturvedi,

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

"XPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Situated at Daimpear Nagar, Mathura.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 6-9-1985 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 9th September 1985

No. A-110|85-85.—Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to be the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fail market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing

Rs. 1,00,000]- and bearing
No. 123, 124, 125 Lie, Naga Dal,
Simod, ur, under registration No. 6488 dated 15-1-85,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transfer ed under Rightratic Act 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at Etmatpur
under registration No. 6488 dated 15-1-85

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to be verthat the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration to such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transfero in pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (1) or 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ram Singh Slo
Bush Stan,
Rlo Nagla Dal,
Teh. Post Etmodpur (Distt. Agra).

(Transferor)

(2) Shri Surender Pal Singh, Rayınder Pai Singh, Slo Shanker Lal, Rlo Nagla Dal, Post. Tch. Etmatpur, Distt. Agra.

(Transferse)

(3) Shri Surender Pal Singh, Ravinder Pal Singh, Slo Shanker Lal, Rlo Nagla Dat, Post. Tch. Etmat-ur, Distt. Agra. (Person(s) in occupation of the property)

(4) Shri Surender Pal Singh, Ravinder Pal Singh, So Shanker Lat, Ro Nagla Dat, Post, Teh. Etmat-ur. Distt. Agra, (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Araji Bhomdhari No. 123, 124, 125 etc. R|o Nagla Dal—Agra.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commiss of the Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely to

Date : 9-9-1985 Soul !

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208-012, the 10th September 1985

No. A-185[85-86.—Whereas, I,

H R. DAS,

H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1.00,000|- and bearing

No. 98 situated at Grand Prad Road Chowami Agra, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1008) in the Office of the Registration Officer.

has been transferred under the Registration Act, 7908 (10 or 1908) in the Office of the Registration Officer Agra under registration No. 6940 dated 16-1-85, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to beserve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afficen her cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons namely:—60—276 GL/85 (1) Shri Raj Narain Mistri Slo Har Narain Mistri, Rlo 98 Grand Prad Road, Agra.

(Transferor)

(2) Shri Layak Singh S|o Late Shri Iswari Prasad, R|o Mohalla Teh, Distt. Agra.

(Transferce)

(3) Shri Layak Singh Slo Late Shri Iswari Prasad, Rlo Mohalla Teh, Distt, Agra, (Person(s) in occupation of the property)

Shri Layak Singh Sio Late Shri Iswari Prasad, Rio Mohalla Teh, Distt, Agra. (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property) (4) Shri Layak Singh Slo

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Building No. 98 at Agra.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 10-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE 106¹²92, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAB OPP LAMEN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208-012, the 10th September 1985

No. A-188|85-86.-Whereas, I,

H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tox Act. 1961 (43 of 1961) (hereinnfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoving the content of able property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. No. F-12 situated at Hari Prabat Agra,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agia under registration No. P.P. dated 7-1-1985, for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any baseme arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House Plot No. F-12 situated at Kamla Nagar Hari Parwat

Waid, Agra.

Date: 10-9-1985

Seal:

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said vct. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Dr. Tara Chand Gupta, Late Sri Rugvir Sultan Rlo Ramke Choune Belan Gung Agra

(Transferor)

(2) Smt. Parkash Wati Wjo H.P. Dhawan Rjo Tower House Old Vijai Nagai Colony, Agra.

(Transferee)

(3) Shri Parkash Wati Wo H.P. Dhawan Rlo Tower House Old Vijai Nagar Colony, Agra.
(Person(s) in occupation of the property)

(4) Smt. Parkash Wati Wlo H.P. Dhawan Rlo Tower House Old Vijai Nagar Colony, Agra. (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immbyable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Acquisition Range, Kanpur

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
106/282 KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 10th September 1985

No Λ-191|85 86.—Whereas, I,

H. R. DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Ps 1,00,000 - and bearing No

No 163 situated at the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1'08) in the office of the Registering Officer at

Agra under registration No 6381 dated 1 1 85, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid cauceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely are

(1) Shij Girdhar Singh Slo Khan Ram Ro Naglo Haveli, Agra.

(Transferor)

(2) Ashoka Palace Salturgui Notes Sanut Ltd grathough Secretary Rajiv Again of Sorragga Ram Rlo Kamla Nagar, Λ giti.

(Transferee)

(3) Ashoka Palace Sahargari, Awas Samul I td. Agia through Secretary Rajiv Aguwal So Yagga Ram Rlo Kamla Nagar

(Person(s) in occupation of the property)

(4) Ashoka Pulace Sahagari, Awas Sam (Ltd. Agra through Secretary Rajiv Agarwal Slo Lagga Ram Rlo Kamla Nagar, Agia.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of lotice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khasia No 163 Mauja Jaganpur Purgana & Tehsil Agra

H R DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Kanpur

Date 0-9-1905 Scal:

FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 10th September 1985

No. A-194|85-86.-Whereas, I,

H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-us the 'said Act'), have reason to believe that the immevable and bearing No.

No. situated at Agra,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at

Agia under registration No. 7058 date 17-1-85,

and the registration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by most than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- a) facilitating the reduction on evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Verender Kumar Slo Desh Raj Bhujal Rlo North Eldgah, Agra.

(Transferor)

 Siri Jugdish Gupta Slo Mathura Prasad, Rlo Jaswant Nagar, Etwaha.

(Transferee)

(3) Shri Jagdish Gupta Slo Mathura Prasad, Rlo Jaswant Nagar, Etwaha.

(Person(s) in occupation of the property)

(4) Shri Jagdish Gupta S|o Mathura Prasad, R|o Jaswant Nagar, Etwaha.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in Writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the sume meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three Room, Rasoi, Gusal Khana etc. Agras.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 10-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 10th September 1985

No. A-199/85-86,—Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing
No. 1422 23, 24 situated at Agia,

No. 1422 23, 24 situated at Agra, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registrating Officer at Agra under registration No. 6374 dated 4-1-85

Agia thick registration 10. 0574 dated 4-1635 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tas Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely:—

(1) Shri Putan Chandra Soo Phateh Singh, Village Banguri Teh. Phaliyad, Agra.

(Transferor)

(2) Shree Hit Cooperative Housing Society Ltd., Agia through President Shii Ramji Lal, Society Ram Room Room Ramji Lal, Agra.

(Transferee)

(3) Shri Hit Cooperative Housing Society Ltd. Agua through President Shri Ramji Lal, Slo Debi Ram Rlo 15|160 Soro Katrashah ganj, Agra.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a paried of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khasra No. 1422, 1423, 1424 R|o Bhogi pura, Teh. & Dist. Agra.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 10-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP LANIN PARK KANPUR 208 012

Kanput 208 012, the 10th September 1985

No A 207 85 86 — Whereas, I, H R DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1901 (43 of 1961) incremafter referred to as the 'said Act'), have a reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 and bearing

No situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Agia under registration No PP dated 9 1-85

Agia titude registration which is less than the fair market value of the atolesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

(1) Shri Shyam Mewa Sya, Slo Naiksa Rlo Pajawa Panchaiti, Village Ghatwasan Feh Distt Agra S

(Fransteror)

(2) Santi Nagai Eahkaii Girh Niiman, Samiti Lid Agra, Sachiv Sri And Sharma, Slo Damodai Sharma Rlo Tal Tola Agra

(Transferce)

(3) Santi Nagar Sahkan Girh Nirmal Samiti Ltd Agra, Sachiv Sri Anil Shaima, Slo Damodai Shaima Rlo Tal Tola Agra

(Person(s) in occupation of the property)

(4) —do—

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 45 days from the service of notice on the respective persons whichever period expides later;
- (b) by any other person interested in the said immovaable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land.

H R DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date 10-9-1985 Seal

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 6th September 1985

No. M-1405[84-85.—Whereas, J, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. 22-M situated at Mohebewala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

the Office of the Registration No. 277 dated 8-1-85 for an apparent consideration which is loss than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of caneler with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) U.P.F.C. Dehradun.

(Transferor)

(2) MIs I.T.A.C. (India) Mfg. Co. Ltd. 31. B.B.D. Bagh (South), Calcutta.

(Transferce)

(3) M/s 1.T.A.C. (India) Mfg. Co. Ltd. 31, B.B.D. Bagh (South),

(Person(s) in occupation of the property)

(4) M|s 1.T.A.C. (India) Mfg. Co. Ltd. 31, B.B.D. Bagh (South), Calcutta.

> (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objectious, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Emplanation .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaptet.

THE SCHEDULE

Agriculture Land No. 22-M at Mohebewala Distt. Dehra-Dun.

> H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

New therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 6-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDIII NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 6th September 1985

No. M-1406|84-85.-Whereas, I,

H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. 22-M situated at Vill. Mohebewala, (and more fully described in the Schedule annoxed hereto).

has been transferred under registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Dehradun under registration No. 276 dated 8-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforceald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been OL which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incomo-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

(1) U.P.F.C. Rajpur Road, Dehradun,

(Transferor)

(2) Mis Caristrap Systems Ltd. 31, B.B.D. Bagh (South), Calcutt1-700001

(Transferee)

(3) M/s. Caristrap Systems Ltd. 31, B.B.D. Bagh (South). Calcutta-700001.

(Person(s) in occupation (7xep1C

(4) M|s Caristrap Systems Ltd. 31, B.B.D. Bagh (South), Calcutta-700001,

> (Person in occupation of the property) interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gagette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture Land No. 22-M at Mohebewala Distt. Dehra-

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 6-9-4985

FORM NO. ITNS----

(1) U.P.F.C. Rajpur Road, Dehradun.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 260-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mls. Hope (India) Ltd. 31, BBD Bagh, Calcutta.

(3) —Do—

(Person in occupation of the property)

—Do--

(Persons whome the undersigned knows to be interested in the proptry)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAYAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-203 012

Kanpur, the 6th September 1985

Ref. No M-1407[84-85.--Whereas, I. H. R. DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immercials property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

No. 22-M, situated at Vill. Mohebewala No. 22-M, situated at VIII. Monepeward (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dehradun under registration No 275 date 8-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason 10 believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than firmen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective permone whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agriculture Land No. 22-M at Mohebewala Distt. Dehradun.

> H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the still act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :— 61—276 GI/85

Date: 6-9-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 12th September 1985

Ref. No. M-119|85-86.—Whereas, I;

H. R. DAS, being the Competent Authority under sction 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No. 841, 844 etc. situated at (and more fully described in the schedule annexed hereto),

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1903) in the office of the Registering Officer at

under registration No. 671 dated 21-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Sudha Rani Singhania, Wo Shri Hemant Pidit Singhania, Kamla Tower, Kanpur.

(Transferor)

(2) M|s. Nand Kumar Prem Kuman Mandı Govindgarh through Sri Jagdish Rai 201. Civil Lines. Muzaffar Nagar.

(Transferee)

(3) —Do—
(Person in occupation of the property)

(4) —Do—
(Porsons whome the undersigned knows to be interested in the proptry)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (2) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture Land No. 841, 844, 846, 851, 852, 853 &

H. R. DAS
Competent Authority
Impecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 12-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK. KANPUR-208 012

Kanpur, the 12th September 1985

Ref. No. M-136|85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1561) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the imnovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. R-3 22

No. R-3/22 situated at Raj Nagar, Ghaziabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ghaziabad under registration No. 17636 dated 14-1-85 for an apparent consideration No. 17636 dated 14-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of in instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, stamely :--

(1) Shri Ajit Singh Slo Sri Kartar Singh FC-2, Kavi Nagar, Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Smt. Santosh Agrawal Wo Sri D. D. Agrawal 92, Chandrapuri, Ghaziabad.

(Transferec)

-Do-(Person in occupation of the property

--Do--(Persons whome the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. R-3|22, Block-3, Raj Nagar, Ghaziabed.

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Kappur

Date: 12-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1861)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpul, the 12th September 1985

Ref. No. M-137 85-86.—Whereas. I.

I' R. DAS. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have remove to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

No. KM-5D

situated at Kavi Nagar, Ghaziabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ghaziabad under registration No. 17479 date 10-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to octween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (6) facilitating the concealment of any income or any moneys or other results which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said. Act, I hereby initiate proceedings for the accubition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Ast, so the following persons, namely:—

(1) Smt. Sudesh Goyal Wo Sri Shyam Sunder Goyal 13 13, Sirki Road, Modi Nagar.

(Transferor)

(2) Shti Satish Chand Jain So Laxman Das Jain KC-41, Kavi Nagar, Ghaziabad.

(Transferce)

(Person in occupation of the property)

4) —Do—
(Persons whome the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as able property, within 45 days from the data shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. KM-50 at Kavi Nagar, Ghaziabad.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 12-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUK-208 (1) 2

Kanpur, the 12th September 1985

Ref. No. M-148 85-86,---Whereas, I.

H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'mid Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding

Ks. 1,00,000 and bearing No. A 93,

situated at I ohia Nagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ghaziabad under tegistration No. 18586 dated 25-1-85 fee an apparaent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparnt consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the I ndian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:— (1) Shri Jai Bhagwan Shaima Slo Muntan Lal shama. 3. G. D. A. Statt Quarter, Lohia Nagar, Ohaz abed

(Transfator)

(2) All India Gaurd, Confeil 3317 Rajendia Nagar, New Delfa.

(Transferue)

(3) —Do---

(Person in occupation of the property)

--Do-

(Persons whome the undersigned knows to be interested in the property)

Objections of any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the afternaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of estice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. Al93 Block-A, Sector-8, Lohia Nagar, Ghaziabad.

> H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kampur

12-9-1985 : יו יו

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 12th September 1985

Ref. No. 151/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[- and bearing No. 5]24. situated at Raj Nagar, Ghaziabad

5/24, situated at Raj Nagar, Ghaziabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ghaziabad under registration No. 18306 date 22-1-85

for an apparent consideration which is less than the fau market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Padniawati Devi, Wlo Shri Har Prakasa Malak Clo Multan Engineers, Near Junk, Lal Kuan, Delhi-6.

(Transferor) (Transferee)

(2) 1. Shri Nirankai Piasad Asthana, Slo Shri A. P. Asthana.

S|o Shri A. P. Asthana.

2. Shri Vivek Asthana,
Shishir Asthana, S|o N. P. Asthana,
H. No. R-7|B-4, Raj Nagar,
Ghaziabad.

(3) —Do—
(Person in occupation of the property)

(4) —Do—
(Persons whome the undersigned knows to be interested in the proptry)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 5|24, at Raj Nagar, Ghaziabad.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 12-9-1985

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 12th September 1985

Ref. No. M-255 85-86.—Whereas, I,

H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.
No. 669 situated Vill. Alipur Aterang (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Budhang under registration 4444 Jate 25-1-35 for an apparent consideration which is less than the fair tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer. andler

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1967):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons mannely :--

(1) Shri Rajendra Kumar So Shiv Dayal Tyagi, Vill. Alipur Ateing, Par. & Teh. Budhang, Distt. Muzafar Nagar.

(Transferor)

(2) Shri Ram Narain Nakli, Omvir & Ram Kumar, Slo Srl Mukhtar Singh, Vill. Lithone, Par. Shamli, Teh. Kairang, Distt. Muzafar Nagar.

(Transferce)

—Do— (Person in occupation of the property)

(Persons whome the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the afteresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used breein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture Land No. 669 at Vill. Alipur Aterang Pai, Budhang, Distt. Muzafar Nagar.

> H. R. DAS Competent Authority Inspecting Asatt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kunpur

Date: 12-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208012

Bangalore-208012, the 12th September 1985

M-262|85-86.---Whereas, I,

H. R. DAS
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. property situated at Niranjangur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dehradun No. 128 on 3-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair somtket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the abject of :-

- (a) facilitating the reduction or everton of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)1

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the ento Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shyama Devi, 19 Dharampur, Dchradun

(2) Bhagiathi Sahakari Avas Samity Ltd. 39 Rajpur Road Dehradun

(Transferee) (3) --do.

(Person in occupation of the property) (4) --do.

> (Persons whome the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Mauza Niranjanpur, Dehradun

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Kanpur

Date: 12-9-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208012

Kanpur-208012 the 12th September 1985

M-266 85-86.--Whereas, I,

H. R. DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

Rs. 1,00,000 and bearing No. 184 situated at Vill Hasanpur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri under registration No. 443 on 10-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of fransfer with the object of :—

- (a) (activating the reduction or avastor of the invality of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; MANUSE.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferne for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afcresaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons namely: 62 -276 GT /85

(1) Sabbir Hassain, So Basir Hussain & others, H. No. 11, Patel Road, New Delhi.

(Trensferor)

(2) Asha Pusp, Bihar Sehkari Avas Samiti Ltd. 653, Hasanpur, Par. Loni, Tch. Dadri Distt.,

(Transferee)

(3) -do.

(Persons in occupation of the property)

(4) --do.

(Persons whome the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the maderalgaed :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning at given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture Land No. 184 at Vill. Hasanpur Par. Loni, Tch. Dadri, Distt. Ghaziabad.

> H. R. DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 12-9-1985,

Çeal:

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP, LANIN PARK KANPUR-208012

Kanpur-208012 the 12th September 1985

M-319|85-86.—Whereas, I.

H. R. DAS
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeling Rs. 1,00,000|- and bearing No.

122 situated at Vill. Halpura
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Bulandsahar No. 754 on 21-1-1985 for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 al 1967);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Smt. Savitri Devi, Wo Late Shri Chitar Singh Shaima, Vill. Halpura, Par. Shikarpur Teh. & Disti., Bulandsahar.
- (2) Gopal Sharma, Chandrapal Sharma, Indrapal Sharma & others Vill Halpura, Par. Shikarpur, Tch & Distt, Bulandsahar.

(Transferee) (3) —do.

(Person in occupation of the property) (4) —do.

(Person whome the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture Land No. 122 vill. Halpur Par. Shikarpur Distt Bulandsahar

> H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 12-9-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208012

Kanpur-208012 the 12th September 1985

M-326|85-86,-Whereas, I,

H. R. DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 457 & 462 situated at Vill.

Sekhpura Kadian (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Saharanpur under registration No. 892 on 21-1-85

sandamphi titler registration red, 692 on 21-1-69 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other ussets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purmance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Bugli, Wo Late Shri Saliaiuddin Vill. Sekhpura Kadın & P.O. Khas Leh. & Distt. Saharanpur.

(Trensferor) (2) M/s. Star Paper Mills Cooperative Society Ltd. Saharanpur through Sri O.P. Bhardwaj

(Transferee) (3) —do.

(Person in occupation of the property) (4) ---do.

(Persons whome the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture Land No. 457 & 462 at Vill. Sekhpura Kadin, Teh, & Disttt. Saharanpur.

> H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range,

Date: 12-9-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, 106|282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 12th September 1985

Ref. No. M-327|85-86.—Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. 661 situated at Vill. Dara Milkang (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Scharanpur under registration No. 861 date 18-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to beheve that the fair market value of the property as aforemaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the cone alment of any income or any moneys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Hazi Ninna So Shri Ismail Ghosi, Moh, Chipiyan Khappar, Distt. Saharanpur.

(Transfero.)

(2) Smt. Sumitra Devi D|o Late Sri Jagat Singh & Others, Vill. Ghunna, P.O. Khas, Par, Teh. & Distt. Saharanpur.

(Transferee)

(3) Smt. Sumitra Devi Dio Late Sri Jagat Singh & Others, Vil! Ghunna, P.O. Khas, Par, Teh. & Distt. Saharanpur. (Person in occupation of the property)

(4) Smt. Sumitra Devi
Do Late Sri Jagat Singh & Others,
Vill. Ghunna, P.O. Khas, Par,
Teh, & Distt. Saharanpur.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lates:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPENSION:—The terms and expressions used morain as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agriculture land No. 661 at Vill. Dara Milkang, Distt. Saharanpur,

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kanpur

Date: 12-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE

106|282, KANCHAN BHAWAN

GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK

KANPUR-208012

Kanpur-208012 the 12th September 1985

M-395[85-86.—Whereas, I, H. R. DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Agricultural land, situated at Hapur Distt., Ghaziabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hapur No. 649 dated 18-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration

ethosideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

apparent

herefor by mor than fifteen per cent of such

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferero to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Smt. Krishna Rani.
 W|o Late Sri Trillok Singh
 D|o Panjabi Building, Railway Road, Kabari Bazar, Gaziabad.

(Trensferor)

(2) Akesh Chand Jain So Sri Suraj Chand Jain E-2|19, Model Town, Delhi.

(Transferee)

(3) —do.

(Person in occupation of the property)

(4)—do.

(Persons whome the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land at Hapur Distt. Ghaziabad.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kanpur

Date: 12-9-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN. GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK, KANPUR-208012

Kanpur, the 12th September 1985

Ref. No. M-348/85-86.—Whereas, 1,

H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

situated at Hapur, Distt. Ghaziabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hapur under Registration No. 882 dated 18-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid. said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trnsfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Gurbux Singh S/o Shri Balwant Singh. R/o Punjabi Building, Railway Road, Kabari Bazar, Hapur.

(Transferor)

(2) Shri Satish Chand Jain, S/o Shri Biromal Jain R/o Pusp Bihar, Jain Lok, Kothi Gate. Hapur.

(Transferee)

(3) —Do— (Persons in occupation of the property)

(4) ---Do-(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov. able property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land at Hapur, Distt. Ghaziabad.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 12-9-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

REFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDIII NAGAR, OPP. LANIN PARK, KANPUR-208012

Kanpur, the 12th September 1985

Ref. No. M-353/85-86.--Whereas, I,

H. R. DAS,

being the Competent Anthority under Section 26918 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horeinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

1467 situated at Village Dara Shivpuri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Saharanpur under Registration No. 1202 dated 28-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Rati Ram S'o Shri Harmal. Village Vaizpura Mazra Dara Shivpuri Distt. Saharanpur.

(Transferor)

(2) Shii Budhumal S/o Surjamal, Village Chuhadpur Kala, Tal. Muzafarabad, Teh & Dist. Saharanpur.

(Transferee)

(3) —Do—

(Persons in occupation of the property)

(4) —Do—

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture land No. 1467 at Mazra Dara Shivpur, Distt. Saharanpur.

> H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 12-9-1985

PORM ITMS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK, KANPUR-208012

> > Kanpur, the 12th September 1985

Ref. No. M-361/85-86,—Whereas, I, H. R. DAS,

heing the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000% and bearing No. situated at Hapur, Distt. Ghaziabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), here have truerferred and registered under the Registerston Act.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hapur under Registration No. 650 dated 18-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

 Smt. Krishna Rani W/o Late Sri Trilok Singh R/o Punjabi Building, Railway Road, Kabari Bazar, Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Shri Shubh Chand Jain, S/o Shri Puran Chand Jain, C-2|19, Model Town, Delhi.

(Transferee)

(3) —Do—

(Persons in occupation of the property)

(4) —Do—

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture land at Hapur, Distt. Ghaziabad.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesuid property by the issue of this notice under subpersons, namely:—

Date: 12-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK, KANPUR-208012

> > Kanpur, the 12th September 1985

Ref. No. M-403/85-86.—Whereas, I.

H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
situated at Hapur, Distt. Ghaziabad
(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hapur under Registration No. 645 dated 18-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Shri Harvendra Singh Sio Shri Trilok Singh R/o Punjabi Building, Railway Road, Kabari Bazar, Dist. Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Shri Sanjay Kumar Jain, S/o Shri Suresh Chand Jain, R/o Chandi Road, Hapur, Dist. Ghaziabad.

(Transferee)

(3) ---Do---

(Persons in occupation of the property)

(4) —Do-

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid porsons within a poriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture land at Hapur, Distt. Ghaziabad.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpr.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-63---276 GI/85

Date: 12-9-1985

NOTICA UNDER SECTION 269D(1) OF THE DOOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK, KANPUR-208012

Kanpur, the 12th September 1985

Ref. No. M-404/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Plot Nos: 8, 9, 10 & 11 and of situated at Benaulim (Goa) (and more fully described in the schedule annexed hereto) property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated at Village Makanpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Officer at Dadri under Registration No. 599 dated 16-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than formal part and the same part of the property as aforesaid. fifteen per cent of such apparent consideration incretor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer, eed/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 '41 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shii Raghubii S/o Shri Narpat, Village Makanpur, Par, Loni, Teh. Dadri, Dist, Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Hindon River Sehkari Avas Samiti Ltd. Sahibabad, Through Sri Om Parkash Shaima, Secretary, 115, Mukund Nagar, Ghaziabad.

(Transferee)*

(3) —Do— (Persons in occupation of the property)

(4) —Do-(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture land at Village Makanpur, Par. Loni, Teh. Dadri, Distt Ghaziabad.

H. R. DAS Competent Authority nspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parsons, namely .-

Date: 12-9-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK, KANPUR-208012

Kanpur, the 12th September 1985

Ref No. M-405/85-86,-Whereas, 1.

H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Chereinster referred Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act').

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 6/19 situated at Kalyan Nagar

(and morefully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Regisering Officer at Meerut under Registration No. 2935 dated 5-1-85

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/ 10
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Raghubir Singh S/o Ram Saran Ruhela, 6, Kalyan Nagar, Meerut.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Pai Bhatnagar, S/o Hanuman Parshad Bhatnagar, 109, New Mohanpuri, Meerut.

(Transferee)

(3) —Do— (Persons in occupation of the property)

(4) —Do— (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

6/19, Kalyaa Nagar, Meerut.

H R. DAS Competent Authority nspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Kanput

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Act Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the eard Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-9-1385

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 12th September 1985

Ref. No. M-407|85-86.-Whereas, I, H. R. DAS,

being he Competent Authority under Section 269B of the Incompetent Act, 1961 (43 of 1961) (here lafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable proper y having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

situate at Hapur, Distt, Ghaziabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act, 1 08 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hapur under registration No. 641 date 18 1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fi teen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfest and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any, moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

140w, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Sardar Amar Singh Slo Sardar Balwant Singh, Rlo Punjabi Building, Railway Road, Kabari Market, Hapur, Distt. Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Shri Anil Kumar Jain Slo Shri Bhondumal Jain, Chandi Road, Hapur, Distt. Ghaziabad.

(Transferee)

(3) Shri Anil Kumar Jain Slo Shri Bhondumal Jain, Chandi Road, Hapur, Distt, Ghaziabad.

(Person(s) in occupation of the property)
(4) Shri Anil Kumar Jain

Shri Anni Rumar Jain,
Slo Shri Bhondumal Jain,
Chandi Road, Hapur,
Distt. Gnaziabad.

(Persons whom the undersigned knows to be

interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this not/ce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture Land at Hapur, Distt. Ghaziabad.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Kanpur

Date: 12-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106 282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. I ANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 12th September 1985

Ref. No. M-410|85-86.-Whereas, 1, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. 73 situated at Hardwar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration. Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hadwar under registration No. 232 date 19-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to be-lieve that the fair market value of the property as aforesaid exceed; the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the suid instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937). 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shii Virendia Komar Slo Sri Hatlal Singh, Qr. No 133, Type-3, Sector-3, B.H L.L. Ranifur Hatdwar, Dis t Saharanput.

(Transferor)

(2) Shir Om Prakash Kalia Slo Sir Lutch Chand Kalra, 131. Daya Niketan Maig, Satvan Nath Nagar, Ha dwa. Dist. Saharanpur.

(Transferce)

(3) Shii Om Prakash Kalia So Sii Jotch Chang Kalia, 131, Daya Niketan Marg, Saivan Noth Nogar, Ha dwar.

Dr., Saharanpur

(P' son(s) in eccupation of the property)

(4) Shti Om P., Kash Kalra,
Slo Sri Fatch Chand Kalra,
132., Daya Niketan Marg, Sarvan Nath Nagar, Ha dwar, Dist. Salaranpur,

(Persons whom the undersigned knows to be

interested in the property)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immov-Abl: property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 73 at Avas Vikas Colony, Delhi Boad, Hardwar, Distt. Saharanpur.

> H. R. DAS Competen: Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquistion Range, Kanpur

Date , 12- 1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK. KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 12th September 1985

Ref. No. M-414[85-86.-Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 2096 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing No. 97 situated at Chikanberpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration. Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at

Dadri under registration No. 457 date 11-1 85 for an apparent consideration which is les than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the p operty as aforesaid exceeds the apparent consideration there or by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of aransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; mad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any maneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the cquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Snehlata W|o Late Sri Chaudhary Man Singh, Vill. Bhadola, Par. Jalalabad, Teh. & Distt. Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Northern Beni Volend Fund, 407, Ashok Bhawan, 93, Nehru Place, New Delhi, through Sri Chand Gotia.

(Transferce)

(3) Northern Benr Volend Fund, 407. Ashok Bhawan, 93, Nehru Place, New Delhi,

through Sri Chand Gotia.
(Person(s) in occupation of the property)

(4) Northern Beni Volend Fund, 407, Ashok Bhawan, 93, Nehru Place, New Delhi, through Sri Chand Gotta.

(Persons whom the undersigned knows to be

interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the same ammovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 97, Block-A, Sector-7, Ranipur, THA Chikanberpur Colony, Teh. Dadri, Distt. Ghaziabad.

> H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of neome-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 12-9-1985

PART III—SEC. 11

FORM JINS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106|282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP, LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 12th September 1985

Ref. No. M-416 85-86.—Whereas, I,

H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Rs. 1,00,000|- and bearing
No. situated at Hapur, Distt. Ghaziabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and registered under the registrat on Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hapur under registration No. 636 date 18-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (*) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shii Bhajan Singh Slo Shu Amar Singh, Ro Panjabi Building, Railway Road, Kabari Bazar, Hapur,

(Transferor)

(2) Shri Amrit Chand Jain 5|0 St₁ Puran Chand Jain, C-2|19, Model Town, Delhi.

(Transferee)

(3) Shu Amut Chand Jain, Slo S.i Puran Chand Jain, C-2|19, Model Town, Delhi.

(Person(s) in occupation of the property) Shri Amrit Chand Jain, Slo Sri Puran Chand Jain, C-2[19, Model Town, Delhı.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture Land at Hapur, Distt, Ghaziabad,

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 12-9-1985

NO ICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 0J2

Kanpur-208 012, the 12th September 1985

Ref No M-417[85-86.—Whereas, I,

H. R. DAS,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

 $R \le 1.00 \ 0.00^{\circ}$ and bearing

No situated at Hapin Dist Ghaz abad (and more ully described in the Schedul's annexed horeto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hagur unda registration No. 883 date 18-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds, the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys, or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shii Gurbux Singh Slo Si, Balwant Singh, Rlo Panjabi Building, Railway Road, Kabari Bazer, Hapui, Distt, Ghaziabid.

(Transferor)

(2) Shri Jai Prakash Jain & Sons (H.U.F.), B-1|33. Faiz-11, Ashok Bihar, Delhi, through St. Jai Prakash.

(Transferce)

(3) Shri Joi Piakash Jain & Sons (H.U.F.) B-1|33, Faiz-II, Ashok Bihar, Delhi, through Sri Jai Piakash.

(Person(s) in occupation of the property)

(4) Shri Jai Prakash Tain & Sons (H.U.F.), B-1|33, Faiz-II, Ashok Bihar, Delhi

through Sri Jai Prakash.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immogable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gassies.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated at Par. & Teh. Hapur, Distt. Ghaziabad.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Kanpur

Date: 12-9-1985

FORM ITNS----

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGF, 106|282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP, LANIN PARK, KANPUR 208 012

Kanpur-208 012, the 12th September 1985

Ref. No. M-422|85-86.—Whereas, I, H. R. DAS,

ment of transfer with the object of :-

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a tail market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. 22 situated at Mission Compound, Dev Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registrated Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Meritt under registration No. 4188 dated 21-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as affectsaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/es
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

64-276GI|85

 Shri Baljit Kakkar & Others, Slo Late St Wazii Chand Kakkar, Rlo Mission Compound, Dev Nagar, Meerut City.

(Transferor)

(2) Smt. Shakuntala Devi Wo Kanti Prasad, Western Court Road, Nandan Garden, Meerut City.

(Transferee)

(3) Smt. Shakuntala Devi, Wlo Kanti Prasad, Western Court Road, Nandan Garden, Meerut City.

(Person(s) in occupation of the property)

(4) Smt. Shakuntala Devi Wo Kanti Prasad, Western Court Road, Nandan Garden, Meerut City.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersimed :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 22, Mission Compound, Dev Nagar, Meerut City.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 12-9-1985

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF the INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-IAX.

ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN GNDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 12th September 1985

Ref. No. M-430|85-86 - Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horeinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000and bearing

No. 166-3 situated at Saket, Meerut (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut under registration No. 4322 dt. 24-1-1985 for an apparent consideration which is the third the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such time a agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 111 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1 1 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ravindra Nath Monga, So Shri Prem Nath Monga, 145 BC Lines, Meerut Cantt. as attorney Mis. Prem Nath Monga.

(Transferor)

(2) Shri Mahendra Prasad Jain S|o Shri Ugra Sen Jain & others R|o 61, Urgrau, Meerut City.

(Transferee)

(3) Shri Mahendra Prasad Jain So Shri Ugra Sen Jain & others Ro 61, Urgrau, Meerut City.

(4) Shri Mahendra Prasad Jain
Soo Shi Ugra Sen Jain & others
Roo 61, Urgrau, Meerut City.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 166-B at Saket, Meerut.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the followby persons, namely :--

Date: 12-9-1985

Seal ·

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 12th September 1985

Ref. No. M-439|85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding

Rs. 1 lac. and bearing
No. situated at Makanpur
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri under registration No. 600 date 16-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee that the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following poreons, namely:—

 Shri Murli S|o Shri Narpat Vill, Makanpur & Par. Loni, Teh. Dadri, Distt. Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Hindon River Sehkari Avas Samiti Ltd. Sahibabad, through Sri Om Prakash Sharma, Secretary Mukand Nagar, Ghaziabad.

(Transferce)

(3) Hindon River Sehkari Avas Samiti Ltd. Sahibabad, through Sri Om Prakash Sharma, Secretary Mukand Nagar, Ghaziabad.

(Person in occupation of the property)
(4) Hindon River Sehkari Avas Samiti Ltd.,

Sahibabad, through Sri Om Prakash Sharma, Secretary Mukand Nagar, Ghaziabad.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections. If any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the ateresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture Land at Vill. Makanpur Par. Loni, Teh. Dadri, Distt. Ghaziabad.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date: 12-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208 012

Kanput-208 012, the 12th September 1985

Ref. No. M-442/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and hearing

and bearing
No. 6|3 situated at Tcg Bahadui Road, Dehiadun
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
Office at Dehradun under registration No. 1552 dt. 30-1-85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid proper; and I have used to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfert andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922). or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the add Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Lovleen Kaur Wo Shri Kulwant Singh 63, Teg Bahadur Road, Dehradun.

(Transferor)

 Smt, Urvashi Suri
 W|o Shu Subhash Chand Suri
 Subhash Chand Suri
 S|o Shu K. L. Suri
 H. No. 2 Haruar Road Dehadun.

(Transferee)

(3) I. Smt. Urvashi Sun
 Wlo Shri Subhash Chand Sun
 2. Subhash Chand Sun

2. Subhash Chand Sun Slo Shri K. H. Suri Slo Shri K. L. Suri Dehradun.

(Person in occupation of the property)

Smt. Urvashi Suri
 Wlo Shu Subbash Chand Suri
 Subbash Chand Suri

Slo Shri K. L. Suri H. No. 2 Haruar Road Dehradun

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be usade in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aloresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 6|3, Teg Bahadur Road, Dehradun.

H R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Karpur

Date: 12-9-1985

FORM I.T.N.S. 187----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LAIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur 208 012, the 12th September 1985

Ref. No. M-455|85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269-B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 167-B situated at Saket, Mcerut (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut under registration No. 4323 date 24-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market 'alue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the cansideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the imbility of the transferor to pay tax under the said Act, is respective of any income arising from the transfer; and/or
- (b) *acilitating the conceelment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the war war Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afformation said property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ravindra Nath Monga Slo Shii Prem Nath Monga 145-B, C. Lines, Mecrut.

(Transferoi)

 Smt. Shashi Rani Wlo Shri M. P. Singh, Rlo 78, Bankers Street, Meerut.

(Transferee)

(3) Smt. Shashi Rani Wo Shri M. P. Singh, Rlo 78, Bankers Street, Mccrut.

(Person in occupation of the property)

(4) Smt. Shashi Ranl Wo Shri M. P. Singh, Ro 78, Bankers Street, Mccrut.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 167-B, Saket, Meerut.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date: 12-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LAIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 12th September 1985

Ref. No. M-492|85-86.-Whereas, I, H. R. DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. 580, 582, 602 & 604 situated at Vill. Nagla Karan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bulandsahar under registration No. 1030 dt. 19-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 259D of the mid not, to the following persons, namely:-

(1) Shri Nirmal Kumar Jain Slo Sri Manohar Lal Jain D-935, New Friends Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Prem Pal Singh Shri Virendra Singh & Others. Vill, Nagla Karan, Par. Baran Teh. & Distt. Buland Sahar.

(Transferce)

(3) Shri Prem Pai Singh, Shri Virendra Singh & Others. Vill. Nagla Karan, Par. Baran

Teh. & Distt. Buland Sahar.

(Person in occupation of the property)

(4) Shri Prem Pal Singh

Shri Virendra Singh & Others.

Vill. Nagla Karan, Par. Baran

Teh. & Distt. Buland Sahar.

(Persons whom the undersigned knows

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agriculture No. 580, 582, 602, 604 at Vill. Nagla Karan, Par. Baran Teb. & Distt. Buland Sahar.

> H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Kanpur

Date: 12-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106|282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LAIN PARK KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 6th September 1985

Ref. No. M-499/85-86.-Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000[- and bearing

No A-389 situated at Noida (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri under registration No. 487 date 27-2-85 of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :--

(1) Smt. Pritpal Kaur, H. No. 2065, Nai Wala Street, Gali No. 38, Karol Bagh, New Delhi-5.

(Transferor)

(2) Shrl L. R. Gera S|o Shri Mukand Lal Gera A-434, Sector 19, Noida (UΓ).

(Transferce)

(3) Shri L. R. Gera
Slo Shri Mukand Lal Gera
A-434, Sector 19,
Noida (UP).

(Person in occupation of the property)

(4) Shri L. R. Gera So Shri Mukand Lal Gera A-434, Sector 19, Noida (UP).

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noiter in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. A-389, Sector-19, at Noida,

H. R. DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Kanpur

Date: 6-9-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 11th September 1985

Ref. No. CHD|122|84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing House No. 492, situated at Sector 20A, Chandigarh (and more trily described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registration Chandigarh in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the habit to of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or he Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Mehar Singh So Shri Jai Singh, Ro H No. 3305, Sector 32D, Chandigarh.

 (2) Smt. Surinder Kam Wlo Shri Juspal Singh
 23, Chittranjan Avenuc, Calcutta-72. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 492, Sector 20-A. Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1043 of January, 1985 of the Registering Authority, Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ludhiana

Date: 11-9-1985

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 9th September 1985

Ref. No. CHD|132|84-85.—Whereas, I JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Plot No. 173. situated at Defence Colony,

Sector 36A, Chandigarh

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-extlon (1) of Section 69D of the said Act, to the following norsons, namely 🦠 65-276GI|85

(1) Smt. Manmohan Kaur Bhinder Wo Shri Sardara Singh Bhinder and Shri Amar Iqbal Singh Bhinder So S. Sardara Singh Bhinder Ro Bhinder Farm VPO Gilwali Taran Tarn Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Karnail Singh S|o Sh. Bhagat Singh Smt. Surinder Kaur W|o Sh. Karnail Singh Smt. Gurmeet Kaur D|o Sh. Ajit Singh, Smt. Gurmeet Kaur Dlo Sh. Ajit Singh, through her General Attorney
Sh. Karnail Singh Slo Shri Bhagat Singh
Master Ramandeep Singh Slo Sh. Paramjit Singh
Dhaliwal, through his grand father
Sh. Karnail Singh Slo Shri Bhagat Singh
Rlo Vill Kothe Agwar Khaza Baju,
P.O. Nanaksar, Teh. Jagraon,
Distt. Ludhiana, Now H. No. 2383,
Sector 22.C. Chandigath Sector 22-C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 173. Defence Colony, Sector 36-A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1086 of January, 1985 of the Registering Authority, Chandigarh).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana

Date: 9-9-1985

Scal:

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 9th September 1985

Ref. No CHD|142|84-85.-Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority ander Section 269B of the Income-tax Act, 1951 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Factory No. 31 situated at Industrial Area Phase-I, Chandi-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigath in Jan. 1985 for an apparent cor consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the

said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely .--

(1) Smt. Sita Rani Kirpal Wo Late Sh. Jaswant Rai Kirpal, Ro 31, Industrial Area, Phase-I, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Jagdish Singh Slo Sh. Inder Singh, Mrs. Manjit Kaur Wo Sh. Kulwinder Singh both Rlo F-12, Rajouri Gardens, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made 'n writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of by any of the artofestial periods within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory No. 31, Industrial Area, Phase-I, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1136 of Jan. 85 of the Registering Authority, Chandigarh).

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Ludhiana

Date: 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 10th September 1985

Ref. No. CHD|145|84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing H. No. 40 situated at Sector 10-A, Chandigarh

H. No. 40 situated at Sector 10-A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been to insterred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in Jan. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. N. L. Khanna Slo Sh. K. C. Khanna, Rlo DII-363 Vinay Marg, New Delhi, Now at H. No. 1222, Sector 18-C, Chandigarh.

(Transferoi)

(2) Mrs. Kulwant Kaur Kohli Wlo S. Manmohan Singh Kohli, Rlo H. No. 214, Sector 19-A. Chandigath, through her attorney S. Manmohan Singh Kohli.

(Transferce)

(3) Sh. Adarshpal Singh, Manager, Indian Overseas Bank, R|o H. No. 40, Sector 10-A, Chandigarh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 40, Sector 10-A, Chandigath.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1440 of Jan. 85 of the Registering Authority, Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 10-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 9th September 1985

Ref. No. CHD 146 85-86.—Whereas, I. JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'anid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing, House No. 48 situated at Sector 27-A, Chandigarh

House No. 48 situated at Sector 27-A, Chandigarh and more fully described in the schedule annoxed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in Jan. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1937 (27 of 1937).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Mr. B. S. Bal Slo Late Nawab Singh, Rlo H. No. 48, Sector 27-A,

(Transferor)

(2) Mrs. Jasbii Kaur Sabhaiwal wlo S. Surinder Singh Sabhaiwal and S. Surinder Singh Sabhaiwal Slo S. Kertar Singh Sabhaiwal, Rlo H. No. 1204, Sector 34-C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House No 48, Sector 27-A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1141 of Jan. 85 of the Registering Authority, Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ludhiana

Date: 9-9-1985

—— (1) Shri Sukhdev Raj S|o Sh. Baboo Ram, R|o H. No. 1299, Phase 3-B-2, Mohali, Teh. Kharar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Raj Kaur Wo Sh. Harbans Singh Sarna, Smt. Devinder Kaur Wo S. Pritpal Singh Sarna, House No. 2622, Phase VII, Mohali, Teh. Kharar.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 10th September 1985

Ref. No. KHR|74|84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

House No. 1299 situated at Phase 3-B-2, Mohali, Tch. Kharar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration, Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Kharar in Jan. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evalues of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income_tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said 4. t. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

21.PLANATION .—The terms and expressions used herein sa are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1299. Phase 3-B-2, Mohali, Teh. Kharar,

(The property as mentioned in the sale deed No. 3836 of Jan. 85 of the Registering Authority, Kharar).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ludhiana

Date: 10-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 9th September 1985

Ref. No. KHR|77|84-85.--Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing H. No. 1677-C, Phase 3-B-2 situated at Mohali Tch, Kharar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Pagestration Act 1908 (16 of

has been transferred under the Registration, Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in Jan. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Smt. Santosh Dhiman Wo Sh. Ashok Kumar Dhiman, Rlo 3068, Sector 21-D, Chandigarh.

(Transferoi) (2) Smt. Inderjit Kaur Wo Sh. Jatinder Singh, Sh. Jaspal Singh

So S. Avtar Singh Rlo 1677, Phase 3-B-2, Mohali, Teh. Kharar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this potice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter:---

THE SCHEDULE

H. No. 1677-C, Phase 3-B-2, Mohali, Teh. Kharar. (The property as mentioned in the sale deed No. 3900 of Jan. 85 of the Registering Authority, Kharar).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 11th September 1985

Ref. No. KHR|79|84-85,-Whereas, I. JOGINDER SINGH,

being the Computent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

House No. 20, situated at Phase 3-A, Mohali, Teh, Kharar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kharar in Jan. 1985

an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have remen to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the paid to has not been truly stated in the said instrument of intrivier with the object of .--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:---

(1) Shri Rajinder Kumai Kakkar Slo Shri Bhagat Ram Kakkar, Rlo H. No. 675, Sector 11-B. Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Manoranjan Singh Sawhney So Shri Gurbachan Singh Sawhney & Smt. Iqbal Kaur Sawhney Wo Sh. Gurbachan Singh Sawhney, Ro 14, Model Town, Yamuna Nagar, Distt. Ambala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by many other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as the defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 20, Phase 3-A, Mohali, Teh. Kharar, (The property as mentioned in the sale deed No. 3923 of Jan. 85 of the Registering Authority, Kharar).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-9-1985

Scal:

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. Gopal Dass Slo Sh. Takan Dass. Sh. Ashok Kumar Slo Sh. Gopal Dass, Rlo H. No. 1750, Phase VII, Mohali.

(Transferor)

(2) Smt. Manjit Kaur Wlo S. Kuldip Singh, Rlo H. No. 6/7, Singh Sabha Road, New Delhi.

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CHNTRAL REVENUE BUILDING, LUDHIANA

Ludhiana, the 10th September 1985

Ref. No. KHD|80|84-85.—Whereas, I. JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing H. No. 1750 stuated at Phase-VII, Mohali, Teh. Khaim

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration, Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kharar in Jan. 1985

Kharar in Jan. 1983
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the llability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

H. No. 1750-C. Phase VII, Mohali, Teh. Kharar. (The property as mentioned in the sale deed No. 3926 of Jan. 35 of the Registering Authority, Kharar).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana -

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 10-9-1985

FORM I'INS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING -LUDHIANA

Ludhiana, the 10th September 1985

Ref. No. KHR|81|84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

H. No. 1324, situated at Phase 3-B-2, Mohali, Teh .Kharar. situated at Phase

situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1961) in the Office of the Registering Officer at

Kharar in Jan. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-table exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;--66-276GI|85

(1) Sh. Prem Nath Slo Sh. Lachhman Dass Rlo H. No. 1324, Phase 3-B-2, Mohali

(2) Sh. Sh. Harnek Singh slo S. Amar Singh.
Smt. Gurmel Kaur
wlo Harjit Singh
rlo Vill. Boothgarh, Tehsil Kharar.

(Transfer∞)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 1324 Phase 3-B-2, Mohali Teh. Kharar. (The property as mentioned in the sale deed No. 3936 of Jan., 1985 of the Registering Authority Kharar).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, LUDHIANA.

Date: 10-9-1985.

Sear :

FORM ITNA

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th September 1985

Ref. No. KHR 83 84-85.—Wheeras, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re. 1,00,000 and bearing H. No. 2098, situated at Phase, VII - Mohal, Teh. Kharar. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in Jan. 1985
for an apparent consideration which is less than tol an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Smt. Shiksha Devi wdlo Sh. Roshan Lal Ghai rlo H. No. 3531 Sector 35-D. Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Mohinder Singh, Amarjit Singh ss|o Sh. Gurdit Singh r|o H. No. 2084 phase, VII, Mohali,

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective narsons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 2098, Phase, VII, Mohali Teh. Kharar (The property as mentioned in the sale deed No. 3974 of Jan. 85 of the Registering Authority Kharar).

JOGINDER SINGE Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta-Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely—

Date: 10-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhtana, the 10th September 1985

Ref No. CMK|1|84-85.—Wheeras, I JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 100,000- and bearing No.

Building with land measuring 48 Kanals situated at Cham-

kaul Sahib, Teh. Ropar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration, Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Chamkaui Sahib in Jan, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in in respect of any income arising from the transfer; and/or:

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

So Sh Hardial, Smt. Shashi Puri Wo Kuldur Chand, Parminder Kumar, Parveen Kumar sslo Roshan Lal all residents of Sirhind Mandi, Distt. Patiala.,

(1) Sh Prem Chand

(Transferer)

(1) M|s Hargobind Rice & General Mills. Sirhind Branch at Chamkaur Sahib. Distt. Ropar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building with land measuring 48 Kanals at Chamkaui Sahib, Jeh Ropar (The property as mentioned in the sale deed No 874 of January, 1985 of the Registering Authority, Chamkaui (ahi)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date 10-9 985, Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 11th September 1985

Ref. No. PTA 45 84-85.—Whereas, I JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. House property situated at Rajbaha Road, Patiala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Patiala in January 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as ag eed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (1) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have lot been or which ought to be disclosed by the transferee for the burposes of the Indian Income-ts r Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the equisition of the aforest d property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Dr. Prithvi Pal Singh So S. Kartar Singh. Rajbaha Road, Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Inder Singh So S. Mohan Singh Smt. Jagdish Kaur Wo S. Gurmail Singh Ro V. Ramgarh Teh. & Distt. Sangrur, Now at Rajbaha Road, near Kothi of S. Zore Singh Brar, Patiala.

(Transferes)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from he date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property at Rajbaha Road, Patiala (The property as mentioned 11 the sale deed No. 3892 of 1/85 of Registering Authority Patiala).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 11-9-1985,

(1) Shri A. N. Sharma Slo. Nonidh Rai rlo Kothi No. 564, Phase 2, Mohali.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 11th September 1985

Ref. No. KHR[73]84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (he einafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inamovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

H. No. 564 situated at Phase 2, Mohali, Ten. Kharar

H. No. 564 situated at Phase 2, Mohali, Te₁. Kharar (and more fully described in the Schedule annexed herete) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) n the Office of the registering Offices at Kharar in Jan. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeseld property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Sor Pritam Paul Singh Rishi Slo Hardit Singh Parkash Kaur Dlo. Darshan Singh, rlo Air Force Station, Mulltanpur Geriodass, Tel. Kharar.

(Transferec)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 slays from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 564, Phase 2, Mohali, Teh. Kharar. (The Pro city as mentioned in the sale deed No. 3816 of Ian. 1981 of the Registering Authority, Kharar.

JOGIND! R SINGH Competer t Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana

Date: 11-9- 985

(1) Shri Ram Lal Aggarwal Slo. Diwan Roshan Lal rlo H. No. 53, Sector 2-B, Chandigarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Yog Parkash Aggarwal Soo. Shri Lekh Raj Singal, roo H. No. 53, Sector 2-B, Chandigarh.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE. CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

> Ludhiana, the 11th September 985

Ref. No CHD 128 84-85 .- Whereas, I, JOGINDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the income- ax Act, 1961 (43 of 1961) (herein for referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 1/2 share H. No. 53, situated at Section 2-E

Chandicarh

(and more fully described in the Schedule annaxed hateto). has been transferred under the Registration at 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Chandigath in Jan. 1985

for an apparent consideration which is her than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the p. sperty as aforesaid extends the apparent consideration thucker by more than fifteen per cont of such apparent consic and on and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sa l instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the tiensferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 2,9C of the said Act, I rereby initiate proceedings for the a quintion of the aforesail property by the issue of this nonce under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manuely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persecwhichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as shall have the same meaning as given Act. in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 share H. No. 53, Sector 2-B, Chandigath,

(The property as mentioned in the sale need No. 1070 of Jan. 1985 of the Registering Authority, Chand garh).

JOGINDER SINGH-Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisit on Range Ludhiana

* Tale: 11-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 9th September 1985

Ref. No. CHD|140|84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000!- and bearing
No. SCF. No. 47 situated at Sector 23-C, Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigath in Jan. 1985

Chandigath in Jan. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) ficilitating the concealment of any income or any the nerveys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pergans, namely :---

(1) Mt S. awerj et Kam Grewal wo. Brig. B. S. thewai 110 Kotlii No. 2504, Sector 35-C, Chaudig wh.

(Transferor)

(2) Mrs. Surji. Kau: W|o Late Shri Naranjan Singh Mis. Naimder Kaur w|o. Shri Dan Singh 1|o II, 'No 613, Sector 16-D, Chandigarh.

(Transferce)

(3) M/s. New Krishna Sweets SCF No. 47, Sector 23-C, Chardicath

(Person in occupation of the Property)

Objections, it ony, to the acquisition of the said property may be mide in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

SCF No. 47, Sector 23-C, Chandigarh.

The property as mentioned in the sale deed No. 1124 of Jan. 1985 of the Registering Authority, Chandigarh.)

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana

Date: 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

CFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 11th September 1985

Ref. No. DBS|21|84-85.--Whereas, I. JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 260B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinefter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000- and bearing

No. Land measuring 117 Bighas, situated at Vill, Rampur

Kalan Sub Teh, Dera Bassi

(and more fully described in the Schedule annixed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dera Bass in Jan. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to better ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transfereo for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269B of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Hazma Singh So. Shri Munshi Singh Shri Nachhtar Singh So. Shri Narata Singh and Shri Anokh Singh, Jagir Singh So. Shri Sunder Singh ro Vill, Rampur Kalan, Sub-Teh. Deta Bassi.

(Transferor)

(2) The Panchsheel Co-op. House Bldg. Society Ltd. (Regd.) Vill. Rampur Kalan, Sub-Teb. Deva Bassi.

(Transférée)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 117 Bighas at Vill. Rampur Kalan, Sub-Tch. Dera Bassi.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1251 of Jan. 1985 of the Registering Authority, Dera Bassi).

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana

Date: 11-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Jaodish Mittar Slo. Shri Hari Rem Shri Vishwa M'tter Slo Shri Hari Pan though GPA Shri Jand h M'tter Slo Shri Hari Ram 1 o Kothi No. 67, Sector 28-A, Chandigarh,

(Transferor) (2) The Panchsheel Co-op, House Bldg, Society Ltd. (Prod) V'I Rampur Kalan, Sub. Teh. Dera Bassi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 11th September 1985

Ref. No. DBS|41|84-85.--Whereas, I. JOGINDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred so as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 100 0001- and braring No

Land measuring 6 Bighas situated at Vill. Rampur Kalan Sub-Tch Dera Bassi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been tran-forced under the Pegi t ation Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in Jan. 1985

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have recom to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration there or by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate preceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, mamely :-

67---276GI 85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned):-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within fortyfive days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 Bighas at Vill. Rampur Kalan, Sub-Teh. Dera Bassi.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1252 of Jan. 1985 of the Registering Authority, Dera Bassi)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incom -tax Acquisition Range Ludhiana

Date: 11-9-1985

Soul !

FORM IIN> -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCUME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-LAX ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDH.ANA

Ludhiana, the 11th September 1985

Ref No. DBS|23|84 85.--Whereas, I, JOJINDER SINGH

being the compe in Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00 000|- and brating No.

Land measuring 6 Bighas situated at Vill. Rampur Kalan,

Sub-Teh De a Bas'i
(and more fully described in the c edule annexed hereto),
has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Dera Bassi in Jan. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of he property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen not cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of an income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceed has for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Jagaish Milter Slo. Shri Hari Ram rio K.hi No. 6/, Sector 28-A, Chana garh. Shri Vishwa Maler, Jaguev Miter 5510 Shri Hari Rum through Shri Jaguish Mittet Slo. Shri Hari Ram rlo Kothi No. 67, Sector 28-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) The Panchsheel Co-op. House Bldg. Society Ltd. (Regd.) Vill. Ram, ur Kalan, Sub-Teh. Dera Basi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 48 days from the date of the publication of his notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 B'ghas at Vill. Rampur Kalan Sub-Teh. Dera Bassi.

the property as mentioned in the sale deed No 1253 of Jan. 1985 of the Registering Authority, Dera Bassi.)

> JOGINDER SINGH Competent Au ho ty Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana

Date: 11-9-1985

Scal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1951 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE. CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

> Ludhiana, the 11th September 1985

Re". No. DBS|24|84-85.--Whereas, I, JOUINDER SINGH

occus one competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable p operty, having a last market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing

No. Land measuring 6 Bighas situated at V. Rampur Kalan Sub-Teh. Dera Bassi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred up at 2 Register of Asia 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in Jan. 1985

for an apparent consideration which is less thant the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the tail market value of the preparty as aforesaid exceeds the apparent consideration the efor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such a nister as age of to be ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlo
- (b) feeilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be diclosed by the tra sferce o the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act. 1957 (27 of 1957),

Now therefore, in pursuance of Section 269C of he said Act. I hereby initiate p obedings for the a quisition of he fall aforesaid property by the issue of this not to under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namety:— (1) Shri Jagdish Mitter Slo. Shri Hari Ram rlo H us No 67, S ctcr 28-A, Chan I ga h for self and Atorney of S|Shri Vishwa Mi.ter & Jagdev M .ter sylo. Snr H. i Ra rlo House No. 67, Sector 28-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) M's. Panchsheel Co-operative House Building Society Registered, V. Rampur Kalan Sub-1eh. Dera Bassi, Distt. Pat.ala.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, waithnever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 B ghas at C Rampur Kalan, Sub-Teh, D. ra Bassi, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1262 of Jan. 1985 of the Regi tering Authority, Dera Bassi).

JOGINDER SINGH Competent Au hority Inspecting Assistant Commissione of Inc me-tax Acquisition Range Ludhiana

Date: 11-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHANA

Ludhiana, the 11th September 1985

Ref. No. DBS|28|84-85.—Whereas, I, JUGINDER SINGH,

being he Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to an the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. land measuring 6 Bighas 7 Biswas situated at V.

Rampur Kaian cub-reh. Dera Bassi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has een nansier ed under the Registrat on Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Data Bass, in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay that under the east Aug in respect of any shooms arraing from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) or 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 317 of Section 269D of the said Act, to the following pertons, namely :-

(1) Shri Jagdish Mitter Slo. Shri Hari Ram r o Kothi No 67, Sector 28-A, Chandigath for self and Atto ney of S|Shri Vishwa Mitter & Jagdev M.tter sso. Shri Hari Ram rlo House No. 67, Sector 28-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) M|s. Panchsheel Co-operative House Building Society Reg stered, Rampur Kalan, Sub Ich. Dera Bassi, Dist. Patiala. (Tansferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the andersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Crazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expites later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 bighas 7 Biswas at V. Rampur Kalan Sub-Teh. Dera Bessi, Distt Patiala.

(The property as mentioned in the Sale deed No. 1309 of January, 1985 o. the Regis ening Authority, Deta Bassi)

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana

Date: 11-9-1985

(1) Shri Ripudaman Singh (Bansal) s|o. Shri Amba Sahai r|o 654, Phase I, Mohali, Teh Kharar.

(Tarsnferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) The Panchsheel Co-op. House Bldg. Society Ltd., (Regd.) Vill. Rampur Kalan, Sub-Teh. Dera Bassi. (Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 11th September 1985

Ref. No. DPS¹29¹84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 100,000/-and hearing.

and bearing
No. Land measuring 7B, 19B, situated at Vill. Rampur Kalan
Sub-Teh. Dera Bassi

(and more fully described in the schrödle annexed hereto), has been tran ferred under the Registering Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dera Bassi in Jan, 1985

tuon which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as to essend exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the Consideration for such transfer as agreed to between the physics has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Crazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act as respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 7B-19B at Vill. Rampur Kalan, Sub-Teh. Dera Bassi.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1310 of Jan. 1985 of the Registering Authority, Dera Bassi).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissions of Income-tax
Acquisition Range
Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the anid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the affected in on the by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 11-9-1985

PURM TINS-

(1) Sh. R pudaman Singh (Bansal). Slo Amba Sahai, rlo 654, Phase I, Mohali Teh. Kharar.

(2) Sh. Bhupinder Pal Singh, Jagmohan Singh sslo Hari (Regd) Vill. Rampur Kalan, Sub. Teh. Dera Bassi. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

> Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

> > whichever period expires later;

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

from the service of notice on the respective persons,

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th September 1985

Ref. No. DBS|30|84-85.—Whe eas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. Land incasuring 13-19B, situated Vill. Rampur Kalan

Sub Teh Dera Bassi (and more fully described in the Schedule annexed here o) has been transferred under the Registra ion Act 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer

at Dera Bassi in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apaprent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explantion:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said. Act in respect of any income arising from the transfer, andior

THE SCHEDULE

Land measuring 7B-19B at Vill. Rampur Kalan Sub. Teh. Dera Bassi. (The p operty as mentioned in the sale deed No. 1376 of Jan. 85 of the Registering Authority Dera Bassi).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been gr which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-wax Act 1922 (11 of 1922) or the was Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

JOGINDER SINGH Competent Authori Inspecting Assistant Commission., or Income-tax Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Data: 11-9-1985 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

FFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOMPTAX OF INCOMPTAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10h September 1985

No. DDH|514'84 85 -- Whereas, I, JOGINDFR SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1.00 000[- and bearing

No 113-d share of meters Building No XVIII 224 (Plot No 306) situated at Industrial Area-A. Ludhiana (and more fully discribed in the Schedule annixed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 260AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Ludhiana in January, 1985 of the application of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is 26 m said exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen percent of such apparent consideration and that the accentaged to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mils. Indian Agr.co Incus ries, Iudhiana through Sh. Grish Kumat Bansal, 50 Palmatina Saran Bansal, 810 Detente Colony, Mexic Cantt for self and G.P.A. of Smt. Ram Dulari Wo Palmatina Saran, 50t. Asha (san). Wio Sh. Satish Kumar Bansal, Sh. Haitsh Kumar Bansal, Sh. Palmatina Saran, 50t. Palmatina Bansal, Sh. Haitsh Kumar Bansal, Sh. Palmatina Bansal, Sh. Palmatina Saran St. Palmatina Saran St. Palmatina Saran St. Palmatina Saran Saran, residents of V. Badrudin Nagar Nanu, Teh. Saidhana, Distt. Meeiu.

(Fransferor)

(2) M/s. Harinant Woollen Mills, Dal Bazar, Ludhi ma. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable are arty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of he said Act, shill have the saine meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1|3rd share of Factory Building No. B XXII 224 (Plot No. 306) Indl. Area A, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 10303 of January, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons namely :---

Date: 10-9-1985

FORM NO. I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-14X
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th September 1985

Ref. No. LDH'539\84-85.—Whereas, I. JOGINDER SINGH,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1901 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the minimal reproperty having fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No

H. No. B-20-1173|6 situated at Vill. Javwadi. Sarbha Nagar Ludhiana

and more fully lescribed in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Ludhand in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reas in to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen because the apparent apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Bhupinder Singh Thind, Slo Shiv Dit Singh, rlo 617-L, Model Town, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Sh. Bhupinder Pal Singh, Jagme an Singh sslo Hail Singh rlo 23-D, Sarabha Nagar, Ludhiona.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. B-20-1173/6 Vill. Jaywadi, Sarabha Nagar Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 10221 of January 85 of the Registering Authority, Ludhiana).

IOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range, Ludhiana,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date: 9-9-1935

Scal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10h September 1985

Ref. No. DHR|1|84-85,—Whereas, I, IOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

No Land measuring 3 bighas with sructur situated at Dhurl

Malerkotta Road, Dhuri (and more fully descirbed in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Dhuri in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fairmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (#) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wesith-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the . aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons namely :-68-276GI|85

Sh. Pawan Kumar, Slo Sh. Lekh Rum, Slo Sh. Raja Ram. rlo Mandi Dhuri.

(Transferor)

Sh. Mangal Sain Ram Saran & Sushma Rani partners of Mls. Mangla Rice Mills, Dhuri Maler-(2) Sh. Mangal Kotla Road, Dhurl.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 bgihas with structure situated at Dhuri Malerkotla Road, Dhuri. (The property as mentioned in the sale deed No. 3582 of lanuary, 85 of the Registering Authority Dhuri).

> JOGINDER SINGH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 10-9-1985.

34814

FORM ITNS -- -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th September 1985

Ref. No. LDH¹⁵29₁84-35.- Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 196! (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immivable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No.

and bearing No.

4 share of House No. B. 31, 1138, situated at Mundian Kalan. I udbiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered a der Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Comp.tent Authority

of the Completin Ammony at Ludhiana in January, 85 for an apparent consideration which is less than the formarket value of the aforesaid property and I have tensor to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for "The triding to the said Act," or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957):

(1) Smt. Surjit Kaur, Wo S. Balwant Singh, Rlo V. Mundian, Kalan, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Rajinder Pal Singh, minor son of Shri Hira Singh through father & natural guardian Shri Hira Singh, Slo S. Nuanjan Singh, Rlo H. No B. 30, 1386|1, Mudian Kalan, Ludhiana, Now Clo Mls. Naranjan Singh Kartar Singh, Link Road, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of th's notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4 share of H. No. B. 31-1138, V. Mundian Kalan, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 10112 of January, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

IOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

set, 1 hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 11-9-1985

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th September 1985

Ref. No. LDH|530;84-85.-Whereas. I. **JOGINDER** SINOH. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No.

* share of House No. B. 31.1138 situated at V. Mundian

Kalan, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered if de Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

of the Competent Authority
at Ludhiana in January, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
morethan fifteen per cent of such transfer as agreed to
and that the consideration to such transfer as agreed to
hattened the particle has not been truly extend in the crid between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/o
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, ' hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Surjit Kaur, Wo S. Balwant Singh, Slo Sh. Mota Singh, Rlo V. Mundian Kalan, Ludhana.

(Transferor)

(2) Shri Rajinder Pal Singh minor son of Sh. Hita Singh through father & vatural guardian Sh. Hira Singh Slo S. Naravian Singh, R.o House No. B-30 13861, Mundian Kalan, cudhiana. Clo Ms. Naranjan Singh Kartar Suigh, Link Road, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said inanovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4 share of H. No. B. 31 1138, Mundian Kalan, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 10172 of January, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 11-9-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDIJIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th September 1985

Ref. No. LDH|530|34-85.-Wheraes, I. JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. 4 share in House No. 31-1138 situated at V. Mundian Kalan, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Ludhiann in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the lair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which bught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Balwant Singh, Slo S. Mota Singh, Rio Village Mundian, Tch. Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Rajinder Fel Singh minor son of S. Hira Singh through father & Natural guardian Sh. Hira Singh, So S. Naranjan Singh, House No. B. 30 138611, Mundian Kalan, Ludhiana, Now Co Ms Naranjan Singh Kartar Singh, Link Road, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Carette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested is the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

share in H. No. B. 31.1138, V. Mundian Kalan. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 10113 of January, 85 of the Registering Authority, Ludhiana).

> JOGINDER SINGH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 11-9-1985

Scal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10h September 1985

Ref. No. LDH 477A 84-85. Whereas, I, JOGINDER SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

No. H. No. B-XIX-1337/49A situated at Kitchlew Nagar, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Ludhiana in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sh. Rajinder Kumar Gup'a, Sh. Vidya Sagar Gupta, Rlo 66, Madhopuri, Ludhiana.

(Transferor)

THE R. D.

(2) Sh| Anil Kumar Talwar Sio Sh. Tarloki Nath, Smt. Rakesh Talwar, Wio Sh. Anil Kumar Talwar, Rio 1302, Brahmpuri, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. B-1387 49A, Kitchlew Nagar, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed 9563 of Jan. 85 of the Registering Authority Ludhiana).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 10-9-1985

FORM NO. I.T.N.S.----

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 11th September 1985

Ref. No. NLG[5]84-85.—Whereas, I, loginder Singh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000]- and bearing

No. Land measuring 8 bighas 2 biswas situated at V. Billan-wali-Lubana, Pargana Dharmpur, Tch. Nalagarh (and more fully described in the schedule annixed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nalagarh in January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesnid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acq uisition of the doresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 769D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Gian Chand Slo Sh. Shia Rlo V. Billanwali-Lubana. Teh. Nalagarh chrough J.P.A. Sh. Deepak Bhandari Slo Sh. D. S. Bhandari, Rlo 72-LIG, Parwanoo, Teh. Kasauli, Distt. Solan.

Clansferor

(2) Ms. Hamachal Tubes & Wires Limited, Regd. Office at Sabathu Road, Sabroon, Distt. Solan through its Director Sh. I, Parkash Chand Banwat. Slo Sh. Inder Chand Banwat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person incrested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Land measuring 8 biheas 2 biswas at V. Billanwali-Lubana, Pargana Dharampur, Teh. Nalagarh, Distt. Solan. (The property as mentioned in the sale deed No. 46 of January, 1985 of the Registering Authorly, Nalagarh).

> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 11-9-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 11th September 1985

Ref. No. NLG[6]84-85.—Whereas, I. JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269R of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No. Land measuring 6 bighas 10 biswas situated at V. Billian-

No. Land measuring 6 bighas 10 biswas situated at V. Billian-wali-Lubana, Pargana, Dharampur, Jeh. Nalagarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Nalagarh in January 1985 for an apparent consideration which is less then the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that take fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and the transferee (s) has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) S|Shri Krishan Chand, Sarwan Kumar, Blrbal Mal. sons of Sh. Uday Ram. Rlo V. Billanwali-Lubana, Pargana Dianampur Feh. Nalagarh Distt. Solan through G.P.A. Sh. Deepak Bhandari Slo Sh. D. S. Bhandari Rlo. 72-I.IG Parwanoo Feh. Kasauli, Distt. Solan (H.P.).

(Transferor)

(2) M/s. Himachal Tubes & Wires Limited Regd. Office at Sabatha Road, Sapron, Distt. Solan through its Director Sh. I. Parkash Chand Banwat, Slo Sh. Inder Chand Banwat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 bighas 10 biswas at V. Billanwali-Lubana, Pargana Dharampur, Ich. Nalagarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 47 of January, 1985 of the Registering Authority Nalagarh).

> JOOINDER SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection '1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING,

Ludhiana, the 9th September 1985

Ref. No. LDH|474|84-85,— Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

as the sa'd Act I have reason to believe that the liminovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 1|3 share of H. No. 19-1, situated at Sarbha Nagar, Ludhiana. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in Jan. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisit'on of the aforesale property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 2691) of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Prem Lata Sood, Wo. Sh. Bai Bahadur Kumar, Ro. 49-E, Sarbha Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Mohinder Kaur, Wlo. S. Balwant Singh, Rlo. 26-D, Sarbha Nagar, Ludhiana.

(Tarnsfree)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1|3 share of H. No. 19-I, Sarbha Nagar, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 9531 of Jan. 85 of the Registering Authority Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ludhiana

Date: 9-9-1985

. Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
LULHIANA
CENTRAL KEVENUE BUILDING,

Ludhiana, the 11th September 1985

Ref. No. LDH|502|84-85.— Whereas, I, JOHNSER SINGH,

being he Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 or 1961) (hereinalter referred to as the said Act), have reason to believe that the aimovacle property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Proton of House No. B. XXIII. 179|70 situated at New Kidwa, Nagar, Ludmana.

(and more ruly described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (to of 1908) in the office of the Registering Office, at Ludmana in Jan. 1965

to a, apparent consideration which is less than the fair market value of the afore aid property and i have reason to be leve that the fair market value of the pi pert, as aforesaid exceeds the apparent consideration the efoi by more than fifteen per control such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pageties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not occur or which ought to be discosed by the transferce for the purpoles of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or h said Act, or the Wealth-fax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acqui ition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

69-276GI|85

(1) Smt. Bachittar Kaur urf Satvinder Kaur urf, Sm. Am n Kaur, Wo. S. Pritam Singh, Slo. Sh. Santa Singh through G. P. A., Sh. Matakii Laj, Slo. Sh. Khan Chand, Rlo. H. No. 1074, Hargobind Pura, Ludhana.

(Transferor)

(2) M[s. N. K. Station Store, Books Market Ludinana.

(Tarnsfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the time had that the or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from he d e of the publication of this n tice in the Offic al Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expr s ions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of H. No. B. XXIII, 179|70, New Kidwal Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 9843 of January, 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Table
Ludhiana

Date: 11-9-1985

Seal ·

FORM IINS-----

NOTICE UNDER SECTION 265D(1) OF THE INCUME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OI FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, Ludhiana, the 9th September 1985

Ref. No. LDH|536|84-85.—Whereas I JOJINDER SINGH

transfer with the object of :--

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 114 hare H. No. B-XXVI-644|3, situated at New Lajpat

Nagar Near Pakhowal Road Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in Jan. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-parties has not been truly stated in the said instrument of said excreds the apparent consideration therefor by more than the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, un respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax. Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax. Act, 1957 (27 of 1957), (1) Smt. Narinder Kaur, Wo Sh. Chhaminder Singh Through, Sh. Ama jit Singh Schhon, Ro. Village, Pamai Disti. Luuhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Adrash Kaur, Wio. Sh. Sunder Singh, Rio. 10-C, Saibla Nagar, Ludhiana.

(Tarnsfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1|4 share H. No. B-XXVI-644|3, New Lajpat Nagar Near Paknowal Road Ludhiana,

(1 he property as mentioned in the ale deed No. 10147 of Jan. 85 of the Regi tering Authority Ludhiana).

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistan: Commissioner of Income-tax Acquisition Kange Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-9-1985

Soal:

Charles and the second second

FORM IT'NS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE LUDHIANA

Ludhiana, the 10th September 1985

Ref. No. KHR|70|84-85.— Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competen Authority

being the Competen Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the lan-movable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00 000/- and bearing No.

H. No. 2950-C situated at Phase 7, Mohali, Teh. Kharar

H. No. 2950-C situated at Phase 7, Mohali, Teh. Kharar (and more fully described in the Scheduled armexed hereto) has been transferred under the Registrat on Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in Jan. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Smt. Krishana Kumari, Wo Sh. Krishan Kumar, Ro. H. No. 558, Sector 11-B, Chandigarh.

(2) Smt. Satwant Sandhu, W|o S. Balwinder Singh Sandhu, Bajinder Singh Sand u Mino, S|o. Late S. Balwinder Singh Sandhu, R|o. H. No. 3217, Sector 35-D, Chandigarh, Now H. No. 2950 Phase 7, Mohali. (Tarnsfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any gases or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferoe for the purrouse of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); H. No. 2950 Phase 7, Mohali. Teh. Kharar. (The property as mentioned in the ale deed No. 3709 of Jan. 85 of the Registering Authority Kharar).

THE SCHEDULE

JOGINDER SINGH
Comretent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Pange
Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, samely:—

Date: 10-9-1985

FORM LT N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX **ACQUISITION RANGE** LULHIANA

Ludhiana, the 9th September 1985

Ref. No. LDH|631|84-85,-Wherea, I, JOGINDER SINGH,

wherea, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R 1.00 0001- and braing No. 114 share H No. B-XXVI-644[3, situated at New Lajpat Neer Neer Parkhousi Road Ly Ibiana

Nagar Neer Pakhowal Road Lulhiana.
(and more fully described in the Schedule anexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been ruly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act In respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Moresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269() of the said Act to the following

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby tolerate proceedings for the acquisition of the

(1) Smt. Bhagwant kaur, Wlo. S. Amijit Singh, Natinder Kaur, Wlo. Chhaminder Singh through, Sh. Amarpt Singh Seknon, R|o. Vill. Pama' Distt. Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Gursaran Kaur, Wo. S. Sant Singh, Ro. Kundan Nagar, Model Town Ludhiana.

(Tarnsfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- i(b) by any other person interested in the said immovable prope ty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein that are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

1|4 Share H. No. B-XXVI-644|3 New Lajput Nagar Near Pakhowal Road Ludhiana.

(The property as mentioned in the rale deed No. 11355 of Feb. 85 of the Registering Authority Ludhiana).

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissional of Income-tax Acquisition Range Ludhiana

Date : 9-9-1985 Soal 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE CENTRAL REVLNUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 9th September 1985

Ref. No. LDH|616|84-85.~ Wherea , I, الماليك أند عبي MGH, iving the Competent Authority under Section 269B of the facome-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to ga the said Act') have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1.00 000]- and bearing No. 1|4 share H. No. B-XxVI-644|3, situated at New Lajpat

Nagar near Pakhowal Road, LuJhiana (and more fully described in the Schedule annexed bereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ludhiana in Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability et the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-max Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follows ing persons, namely :---

(1) Smt. Bhagwant Kaur, Wo Sh. Amarjit Singh, Natinder Kaur, Wio. Sh. Cumaminder Singh through, Sh. Amarju Singh Sekhon, R.o. Vill, Pamai Ditt. Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Amarjit Kaur, Wo. Sh. Tain Singh, Ro. Kundan Nagar, Model Town, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1|4 share H. No. B-XXVI-644|3 New Lajpat Nagar, Near Pakhowal Road, Ludhiana.

(The property as mentioned in the cale deed No. 11142 of Feb. 85 of the Registering Authority Ludhiana).

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ax Acquisition Range Ludhiana

Date: 9-9-1985

NCTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 11th September 1985

Ref. No. KHR[71]84-85.-Wherea, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (beceinsfier referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000]—and bearing House No. 33, ituated at Phase IV Mohali, Teh. Kharar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in Jan., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforemid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferandior
- (3' facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11) of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the usue of this monic under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely i-

(1) Shri Deepak Kumar Sondhi, S₁0. Sur. Am., La. Somul, R|o H. No. 1004, Sector 35B, Chandiga.h.

(Transferor)

(2) S| Shri Charanjit Singh Duggal, Manmohan Singh Duggal, Sons of Sh. Pritam Singh Duggal, B-10 Pram Villa, Model Town Society, Road No. 1, J.V.D. Scheme, Bombay-400 049.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this natice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have he same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 33, Phase IV, Mohali Teh. Kharar.

property as mentioned in the ale deed No. 3736 of Jan. 85 of the Registering Authority, Kharar.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range Ludhiana

Date: 11-9-198'

Soul :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th September 1985

Ref. No. CHD|118|84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

Rs. 1,00,000]- and bearing
H. No. 46, Sector 8 A situated at Chandigerh
(and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration A.t. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in Jan. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bequeen the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sh. Som Nath Ahuja and V.shwa Nath Ahuja, ss|o Late Sh Kisnore Chand, R|o H. No. 46, Sector 8-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Harimohinder Kaur Wo Sh. H. D. Singh, S. Manjit Singh and S. Manmohan Singh sslo Sh. H. D. Singh and S. Tejpal Singh Slo Sh. H. D. Singh, Rlo H. No. B-1, Gitanjij Enclave, New Delhi 17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 46, Sector 8-A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1035 of Jan. 85 of the Registering Authority, Chandigarh).

JOGINDER SINGH
Competent Au hority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Renge,
Ludhiana

Date: 10-9-1985

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. Birbal Nath, IPS So Sh. Chuni Lal, Ro No. 2, Lodhi Estate, New Delhi-110003.

(Tian.feror)

(2) S. Kawaljit Singh Slo S. Rajis Singh, Rlo SCO No. 1, Sector 7-C, Chandigarh.

(T. ansferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-1AX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 11th September 1985

Ref. No. CHD|124|84-85.—Wheeras, I, JOG:NDER SINGH,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

H. No. 197 situated at Sector 11-A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annuxed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in Jan. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the commit fation to such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acaquisition of the said property toray be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this source in the Official Gazette or a period of 30 tays from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferror to pay lax onder the said Act of respect of any income arising from the transfer;
- (b) faullitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 f.1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 197, Sector 11-A, Chandigath. (The property as mentioned in the sale deed No. 1048 of Jan. 85 of the Registering Authority, Chandigath.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afo esaid prope ty by the issue of his notice under subsect on (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-9-1985

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. Bachittar Singh Slo S. Sher Singh, Rlo H. No. 54, Sector 8-A, Chandigarh.

(Tiansferor)

(2) Sh. Surinder Singh Sidhu Slo Late Sh. Polojit Singh, Rlo Sl7, Sant Nagar, Patiala (Pb.).

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 9th September 1985

Ref. No. CHD|126|84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horeinetter redected to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value esceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. SCF, site No. 33 Motor Market and Commercial Complex situated at Manimajra, U.T. Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in Jan. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforement exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immor-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given he that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the slability of the transferer to may tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Scotion 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-70-276GI 85

THE SCHEDULE

SCF, site No. 33 Motor Market and Commercial Complex, Manimajia, U.T. Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1057 of Jan, 85 of the Registering Authority, Chandigarh.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th September 1985

Ref. No. KHR|91|84-85.--Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the unmovable property, having a fair market, value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Rs. 1,00,000]- and bearing No. House No. 2518, situated at Phase VII, Mohali, Teh, kharar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under 1908) in the office of the Registering Officer of

1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in January 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresait property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affecen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the sarties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income an any from the transfer ⊾ad∕or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons. namely :--

(1) Shu saumel Chand Slo Sh. Dharam Chand, House No. 508, Sector 20A, Chandigarh. (Transferor)

- (2) Shri Santokh Singh Narang Slo Shri Bakhat Singh, House No. 1594, Sector 18D, Chandigath. ('Transferce)
- (3) Shri B. N. Gupta, H. No. 2518, Phase VII, Mohali, Teh. Kharar (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the safe Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2518, Phase VII, Mohali, Teh. Kharar. (The property as mentioned in the sale deed No. 4148 of Jan., 1985 of the Registering Authority, Kharar).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-9-1985

Scal 1

FORM NO. IT.NS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF IMDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUL BUILDING

Ludhiana, the 9th September 1985

Rcf No. CHD|143|84-85—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 1,00,000 and bearing SCO No 443 444, situated at Sector, 35-C, Changiagh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (15 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh ın Jan 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said unstrument or transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in temport of any income arising from the transfer. and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other seeds which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1902) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, asmely:-

(1) Sh Vijay Soni Soo Late Sh Des Raj for self and is attorney of SiSh Rakesh Soni, Vino I Soni Slo Late Sh. Des Raj, Raj Dulan Wo Late Sh. Des Raj Soni,
Smt Sangeeta Soni Wo Sh Rakesh Soni,
sh Rake h Soni So Late Sh Des Raj as Karta of
Des Raj a Sons, HUF and Master V.shal Soni Slo
Sh Rak h Soni through his father and natural
guardian h Rakesh Soni Slo Late Sh. Des Raj, All R|o H No 706, Sector 8-B, Chandigarh

- True Carlotte Carlo

- (2) M1 Sohan Singh Kaita on behalf of HUF, and Mrs Mohander Katta on bengtt of Hor, and attorney of other co-owners, namely, Mrs Mohander Katta Wlo S. Sohan Singh, S Paramit Singh Slo S Sohan Singh, Mr Harleen Katta Wlo h, Paramit Singh, Master Balvit Singh Slo Sh Paramit Singh, through his Father and natural guardian S Pajamjit Singh Rlo H No 1021, Sector, 27-B, Chandigarh (Transferee)
- (3) M/s. Indian Potash Ltd., SCO No 443-444, Sector 35-C, Chandigarh (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

SCO No. 447 444 Sector 35-C, Chandigath (The previous continuous in the sale deed No. 1137 of Jan. 1985 of the Registering Authority, Chandigarh)

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

0) 108 DmSoal

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th September 1985

Ref. No LDH|632|84-85.—Whereas, I. JOG1NDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000|- and bearing No. 1|4 share H. No. B-XXVI-644|3,

situated at New Lappat Nagar Near Pakhowal Road Ludhlana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in Feb. 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°C of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sint. Bhagwant Kaur Wo Sh. Amarjit Singh, Narinder Kaui Wo Chhaminder Singh through Sh Amarjit Singh Sekhon Ro Vill. Pamal Distr. Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Jecwan Kaur Woo Sh. Amar Singh, Ro Kundan Nagai Model Town Ludhiana. (Tiansleice)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4 share H. No. B-XXVI-644/3 New Lajpat Nagai Near Pakhowal Road Ludhiang,

(The property as mentioned in the sale deed No 11357 of Feb. 1985 of the Registering Authority Ludhiana.

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 9-9-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE NICOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 11th September 1985

Ref. No. CHD[131]84-85.—Whereas, I, JOG(NDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Plot No. 1368, situated at Sector, 33-C, Chandigarh,

Plot No. 1368, situated at Sector, 33-C, Chandigath, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer ut

Chandicath in January 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of fransfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) fucilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Jacome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the maid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore is pursuance of Section 269C of the sale Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely.—

(1) Major General Dharmendra Swarup Rastogi (Retd.) Slo Sh Pyare Lal Restogi, Rlo A-202 Somvihar, R. K Puram, Sector X, New Delhi, (Transferor)

(2) M/s, Sahib Ditta Mal Surjit Singh, Katra Subhash, Chandni Chowk, Delhi.

(Transferce)

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acas shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plet No. 1368, Sector 33-C, Chandigarh,

The property as mentioned in the sale deed No. 1085 Jan. 1985 of the Registering Authority, Chandigarh).

JOGUNDI R SINGR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 11-9-1985

FORM ITMS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA (ENTRAL RI VENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th September 1985

Ref. Nc. LDH|476|84-85 —Whereas, I, IOGINDER SINGH

Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition

Range Ludhrana,

being the Competent Authority under Section 2693 of the Ircome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the said Act), have reason to believe that the immov-sele property, having a fair market value exceeding as 100,000 and bearing No

and more fully described in the schedule annexed hereto), 3 share H No B II-1372|2, situated at GPO Road,

Ladhiana,

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officei at for an apparent consideration which is less than the fair market value of the adorsmid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration interefor by more than affect per cost of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conscalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-text Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westle-lax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purchance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) or Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely .—

- (1) Sh. Sanjay Kumai Jindal Slo. Sh. Gudhan. Lal Imdal, Rlo Di y I Niwas, G.P.O. Road, Ludhian i (Transferor)
- (2) S Mehinder Singh So S Amai Singh, B if 1554 Kucha Seih Sant Dass Ludhiana (Tiansferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said infinovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meeting as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1|3 share H No B-II-1372|2 G P O Road Ludhiana (The property as mentioned in the sale deed No 9542 of Jan 1985 of the Registering Authority I udhiana)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tak
Acquisition Range Ludhiana

Date 9 9-1985 Scal .

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th September 1985

Ref. No LDH]494[84-85 --- Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00 000]- and bearing No. 1/3 share H No. 8-11-1372/2, situated at G.P.O Road,

Ludhiena

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Ludhana in Jan. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as to believe that the fair market value of the property as altigresald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Sanjay Kumar Jindal Slo Sh Giidhari Lal Jindal. Rlo Dayal Niwus, G.P.O. Road, Ludhiana. (Transferor)

(2) S. Kulwant Singh Slo S, Amar Singh, R'e B-II-1554, Kucha Seth Sant Dass Ludhiana. (Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1|3 share H. No. B-II-1372|2 G.P.O. Road Ludhiana, (The property as mentioned in the sale deed No. 9734 of Jan. 1985 of the Registering Authority Ludhiana).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Mow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 991985

FORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th September 1985

Ref. No. LDH|500|84-85. -Whereas, I,

JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

as the said Act) have leason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-Rs. 1,00,000|- and bearing No. 1|6 share H. No. B-II-1372|1, situated at G.P.O. Road, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the efficie of the Paristration (Minus 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer rt Ludhiona in Jan. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

- (1) Sh. Girdhari Lal Jindol Slo Sh. Charan Dass Jindal, Rlo Dayal Niwas G.P.O. Road, Ludhiana. (Transferor)
- (2) S. Mohinder Singh Slo S. Amar Singh, Rlo B-II-1554, Kucha Seth Sant Dass Iudhiana. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1]6 share H. No. B-II-1372]1 G.P.O. Road, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 9840 of Jan. 1985 of the Registering Authority Ludhiana).

> JOGINDER SINGH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date : 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Girdhari Lal Jincul Slo Sh. Charan Dass Jindal, Rlo Dayal Niwas G.P.O. Road, Ludh ana.

Transferor)

(2) Sh. Ba'bir Singh Slo S. Amar Singh, Rlo B-II 1554, Kucha Seth Sant Dass, Lulhiana. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th September 1985

Ref. No. LDH|400|84-85.--Whereas, I,

JOGINDER SINGH, be as the Computer Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the in movable property, having a tair market value exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing No.

1/6 thate H. No. B-II-1372/1.

situated at G.P.O. Road Indhiana,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registreian Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registreian Office of

nas pren transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in Jan 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1, have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per control of such apparent therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor;

(h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asse's which have not been of which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

71-276GI|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said ACL, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

116 share H. No. B-II-1372 1 G.P.O. Road, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 9733 of Jan. 1985 of the Registering Authority Ludhiana).

> TOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date : 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF TIE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Lu 'h'ana, the 9th September 1985

Ref No IDHI486184-85,—Wh.reas, I, JOGINDER SINGH,

being he Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair marker value exceeding Rs 100,000l, and hearing No.

Rs 1000001 end branne No. 16 thate H No B-II-1372|1, situated at GPO Poad Ludh'ana,

fund more fully described in he Schedule annexed hereto), has been transferred under the Pegistro's n Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhkina in Jan 1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as spreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wanter with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other issets which have no been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922, or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (2) of 1957),

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this otice under obsertion (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Girdhari Lal Jindal Slo Sh. Charan Dass Jindal, Rjo Dayal Niwas (J.P.O. Road, Lush and Tean feror)
- (2) S Mohinder Singh S|o S. Amar Singh, R|o B-II-1554, Kucha Seth Sant Dass, Ludhiana. (Fransferee)

Objections if any to the acquisition of the said presents may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (h) he any person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Experimental —The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

116 share H No. B-II-1372|1 G.P.O. Road, Ludh'ana. (The property as mentioned in the sale deed No. 9687 of Jan. 1985 of the Registering Authority Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 9-9-1985

FORM I.T.N.S.--

__

(2) C. Walana Carl

(1) Sh. Girdhar, Lal Jindal Sio Sh. Charan Dass Jindal, 190 Dayar Niwas G.P.O. Road, 121, h and. (fran feror)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S. Kulwant Singh Slo S. Amar Singh, Rlo B-II-1554, Kucha Seth Sant Dass, Lulhiona. (1ransieree)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-1 AX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Crazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the

Luah, ana, the 9th September 1985

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to the 'aid Act'), have teason o believe that the immorable

property, laving a tan market value exceeding Rs. 1,00,000/- Rs. 1,00 000/- and bearing No.

able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

Ret. No. LDH|494,84-85.—Whereas, I, JOHNSEK SINGH,

share H. No. B-d-13/2/1, situated at C.P.O. Road, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of at Ludhiana in Jan. 1985)

Luuhana in Jan, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereto by moss, than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the and Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/6 share H. No. B-II-1372/1 G.P.O. Road, Ludhinga (The property as mentioned in the sale deed No. 9796 of Jan. 1985 of the Registering Authority Ludhiana).

JOGINDER S'NGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission 1 of Income-tax
Acquisition Rang., Luch and

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to he following persons, namely:—

Date : 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION (48) OF THE INCOME-IAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

E

(1) Sh. Girdhari Lal Jinoul Slo Sh. Charan Dass Jindal, klo Dayai Niwas G.P.O. Road, Ludh and. (Transferor)

(2) S. Balbir Singh Slo S. Amar Singh, Rlo B-II-1554, Kucha Seth Sant Dass, Ludh'ana. (11...1916ree)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th September 1985

Ref. No. LDH|483|84-85.—Whereas, I. ODINDER SINGH, eing the Competent Authority under Section 269B of the acome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the said Act'), have reason to believe that the minovable property having a lair market value exceeding As. 1,00,000|- and bearing 1,6 share H. No. B-11-13/2|1, situated at G.P.O. koad, Luchiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Luchiana in Jan. 1985

Luantina in Jan. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid faceeds the apparent consideration therefor by more than litten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby in trate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 11) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall be the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1:6 share H. No. B-II-1372|1 G.P.O. Road, Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 9662 of Jan. 1985 of the Registering Authority Ludhiana).

JOCINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Pote: 9-9-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th September 1985

Ref. No LDH|484|84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing No. 116 share H. No. B-II-13,211. situated at G.P.O. Road. Ludhiana, (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 '16 of 1908) in the office of the Registering Officer ut Ludhana in Jan. 1985

for an apparent consideration which is less than he fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as akoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betwhen the parties has not been truly stated in the said instru-thent of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facil tating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aformaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following normons, namely :--

(1) Sh. Sanjay Kumar Soo Sh. Girdhari Lal Jindal, Rlo Dayal Niwas, G.P.O. Road, Luuhiana. (Transferor)

(2) S. Balbir Singh Slo S. Amar Singh. Rlo B-II-1554, Kucha Seth Saut Dass, Ludh'ana. (Transteree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period, of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:--The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Aff that Chapter.

THE SCHEDULF

1|6 share H. No. B-II-1372|1 G.P O. Road, I udh ana. (The property as mentioned in the sale deed No. 9061 of Jan. 1985 of the Registering Authority Ludhiana).

> TOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta-Acquisition Range Ludhian-

Date: 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sn. Girchart Lat Jing, Slo Sh. Chatan Dass Jindal, Rlo Dayar Niwas C.P.O. Road, Luch ana. (franteror)

(2) Sh. Kulwant Singh So S. Amar Singh, R|o B-II-1554, Kucha Seth Sant Dass, Ludh ana. (Transteree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 9th September 1985

Ref. No. LDH|477|84-85.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000|- and bearing No.

1|6 share H. No. B-II-1372|1,
situated at G.P.O Road, Ludhiana,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registra;

1008/11/1

1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana n Jan. 1985

for an apparent consideration which is less than the fuir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other absolu which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following crons mannely :--Scal:

THE SCHEDULE

1|6 share H. No. B-II-1372|1 G P.O. Road, Ludhiana, (The property as mentioned in the sale deed No. 9543 of Jan. 1985 of the Registering Authority Ludhiana).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date 9-9-1985

FORM HINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-LAX. ACQUISITION RANGE-11, 2ND FLOOR, HANDL OM H USE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD.

Ahmedabad-380 009, the 7th August 1985

Ref. No. P. R. No. 3722 Acq.23|II|85-86,---Whereas, 1, G. K. PANDYA,

being the component Au hority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act I have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000|- and bearing
Office No. 740 Ajanta Shopping & Textile Arcade—Ring
Road—Surat,

Form No. 37EF is submitted in the office of the undersigned

in Dec. 84,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-gaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not be the stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the Said Act in r. t of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or Of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M|s. Shanti Builders, Ajanta Shop.png & Textile Arcade. Ring Road-surat,

(Transferor)

(2) Shri Shambhu Dayal Bajaj, 304, Satya Nagar Socy., B dg. No. 30, Firs. Floor, Udhana, Dist: Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this potice in the Official Gazette or a period of 30 lays to 2 the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the dat of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Dec. 84.

> G. K. PANDYA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of 'momorata'
> Acquisiting Personal Ahmedabad

Date: 7-8-85.

FURM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER, OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HAND OF H USE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD.

Ahmedabad-380 009, the 7th August 1985

Ref. No. P. R. No. 3723 Acq.23 I 85-86.--Whereas, 1, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) herematter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the ammovas the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and beautopy. Office No. 320 Ajanta Shopping & Textile Arcade, Ring Road, Surat, Form No. 37EE is submitted in the office of the unders gned in Dec. 84,

arent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been at which ought to be disclosed by the transferee fer the purposes of the Indian Income-tar Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initials proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;--

(1) M|s. Shanti Builders, Ajanta Shopping & Textile Arcade, Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Smt. Santoshdevi Rajkumar Sharma, 54, Sadhana Socy. Varachha Rd., Surat, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the afforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this actice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chap er XXA of the sas Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Dec. 84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 7-8-85.

34845

FORM ITNS

M|s. Shanti Builders. Ring Road, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. Mallika Arvindbhai Vakil, 2nd Floor, Dena Parivar, Nanpura, Timaliavad, Surat.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Ahmedabad-380 009, the 7th August 1985

Ref. No. P. R. No. 3724 Acq.23[II]85-86.--Whereas, I,

Ref. No. P. R. No. 3/24 Acq.23[11[85-86.—Whereas, 1, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00.000l- and bearing No.

Office No. 529 Ajanta Shopipng & Textile Arcade, Road, Surat.

Form No 37EE is submitted in the office of the undersigned

In Dec. 84,

consideration which is less than the fair for an apparent market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfert and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Dec. 84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby in that proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following nersons, namely:—72—276 GI/85

Date: 7-8-85

(1) Mls. Shanti Builders, Ring Road, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Kul Deepak Aneja, Co Sun Silk Mills, B.1326, Surat Textile Market, Ring Road, Surat.

(Transferee)

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Ahmedabad-380 009, the 2nd August 1985

Ref. No. P. R. No. 3725 Acq.23 [II] 85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1.00 000|- and bearing

Office No. 333, Ajanta Shopping & Textile Arcade, Ring

Road, Surat, Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Nov. 84,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the day of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

The document is submitted in the office of the undersigned in Nov. 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 2-8-85.

(1) M|s. Shanti Builders, Ring Road, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD.

Ahmedabad-380 009, the 2nd August 1985

Ref. No P. R. No. 3726 Acq.23|II|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

and bearing No.
Office No. 739 Ajanta Shopping & Textule Areade, Ring Road, Surat,

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned

in Nov. 84,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ← which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957). (2) M|s. Vimal Enterprises, P|800 New G.I.D.C., Katargam, Surat,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said ammovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is submitted in the office of the undersigned in Nov. 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-8-85.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Mis. Shanti Builders, Ajanta Shopping & Textile Arcade, Ring Road, Surat.

(2) Shri Rajubhal J. Marfatia, 4|3544, Kharadi Sheri Naka, Zampa Bazar, Surat. (Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD.

Ahmedabad-380 009, the 2nd August 1985

Ref. No. P. R. No. 3727 Acq.23|II|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to se the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing No.
Office No. 532-A, Ajanta Shopping & Textile Arcade, Ring
Road, Surat.

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned

for an apparent consideration which is less than the thir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Form No. 37EE is submitted in the office of the understated in Dec. 84.

THE SCHEDULE

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons: persons: persons:

Date: 2-8-85.

(1) Mis. Shanti Builders. Ring Road, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Nathmal Kalicharan, Sariya Ganj, Muzaffarpur, North Bihar.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Ahmedabad-380 009, the 2nd August 1985

Ref. No. P. R. No. 3728 Acq.23 II 85-86.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing No.

Office No. 644 Ajanta Shopping & Textile Arcade, Ring Road, Surat.

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Dec. 84,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent considers ion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument to transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

The document is submitted in the office of the undersigned in Dec. 84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedahad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dato: 2-8-85.

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(1) Mis Shanti Builders. Ajanta Shopping & Textile Arcade, Ring Road, Surat.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

B|60-2 Ambica N ketan Road, Opp: Parle Point, Surat.

(1) Mis. Gebilal Bhaidas Mafatia,

(Transferce)

Ahmedabad-380 009, the 2nd August 1985

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD.

Ref. No. P. R. No. 3729 Acq.23 [II] 85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to se the said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000 and bearing No.

Office No. 530 at Ajanta Shopping & Textile Arcade, Ring

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Dec. 84,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid axceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the somideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a perio of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the sale Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Form No. 37EE is submitted in the office of the unde signed in Dec. 84.

> G. K. PANDY. Competent Authori Inspecting Assistant Commissioner of Income-t Acquisition Range-Abmedaba

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rerross, namely :-

Date: 2-8-85.

(Transferor)

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Santosh B. Agrawal, 12, Nitin Aptt. Athwalines,

Alanta Shopping & Textile Arcade, Ring Road, Surat.

(1) M|s. Shanti Builders,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II.
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD.

Ahmedabad-380 009, the 1st August 1985

Ref. No. P. R. No. 3730 Acq.23|II|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding Rs. 1,00,000/-

Office No. 443, Ajanta Shopping & Textile Arcade, Ring Road, Surat,

Form No. 37EH is submitted in the office of the undersigned in Nov. 44

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the understaned :-

- 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION: —The terms and expressions used hereis as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer:

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Nov. 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-8-85.

FORM HINS

(1) M|s. Shanti Builders, Ring Road, Surat.

(Transferor)

NOTICA UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Jayesh B. Patel & Ors. 6|998, Vania Sheri. Mahidharpura, Surat.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD.

Objections, if any, to the acquisition of the raid property may be made in writing to the undersigned :-

Ahmedabad-380 009, the 1st August 1985

Ref. No. P. R. No. 3731 Acq. 23 II 85-86.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing
Office Nc. 518, Ajanta Shopping & Textile Arcade, Ring
Road. Surat.

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Nov. 81,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoreand exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

document is submitted in the office of the undersigned in Nov. 1984.

(h' facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-rax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. 7 'preby initiate proceedings for the acquisition of the aforential property by the usue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following mer n namely :-

Date : 1-8-85.

FORM I.T.N.S.-

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD.

Ahmedabad-380 009, the 1st August 1985

Ref. No. P. R. No. 3732 Acq.23|II|85-86.—Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding
Office No. 524, Ajanta Shopipng & Textile Arcade, Ring
Road Surat

Road, Surat, Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Nov. 84,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 M|s Shanti Bullders, Ajanta Shopping & Textile Arcade, Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Ashokkumar Rathi (Minor), C|o Gajanand Rathi, 317. Good Luck Market, Ring Road, Surat.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offlical Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which outhit to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Nov. 1984.

THE SCHEDULE

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following mersons namely: --- 73—276 G1/85

Date: 1-8-85.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M|s. Sanjeev Builders Pvt. Ltd., Nr. Kinnery Cinema, Ring Road, Surat.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M|s. Agrawal Dyeing, 122, Shaikh Memon Street, Bombay.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASIIRAM ROAD, ΛΗΜΕΦΑΒΛΦ.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ahmedabad-380 009, the 1st August 1985

Ref. No. P. R. No. 3733 Acq.23|Π|85-86,—Whereas, I, G. K. PANDYA,

o. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat No. J 602 in 'J Eldg Pvt Ltd. India Textile Ring Road, Nr. Kinnery Cinema, Surat, Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Nov. 84.

in Nov. 84,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid sxceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facileating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or:

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Nov. 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the coresaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 1-8-85.

Scal .

G K. PANDYA

FORM ITNE

(1) M|s Sanjeev Premises Co-op. Hsg. Socy. Ltd. Ring Road—Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) I an Tex Synthetics Pvt. Ltd. Mehta Estato kurla Andherr Road Saki Naka Bombay 400 072. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD **AHMEDABAD**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be unde in writing to the undersigned :-

Ahmedabad-380009, the 1st August 1985

- Ref. No. P.R. No 3734 Acq.23[11]85-86 Whereas, I
- being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Flat No 504 in 'I' Bldg India Textile Market -- Ring Road Surat

Form No. 37FF is submitted in the office of the undersigned on Nov 84 for an apparent consideration which is less than the fan market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days true the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or thesaid Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The document was submitted in the office of the undersigned in Nov. 84.

THE SCHEDULE

G K PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

D fr. 1-8-85

(1) Bombay Market Art Silk Co.op. Socy. Ltd. Umarwada—Surat

('Transferor)'

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 7th August 1985

Ref. No. P.R. No. 3735 Acq 23/11/85-86.—Whereas, I G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Pedhi No. 1008 at Bombay Market—Umarwada—Surat Form No. 37EE is submitted in thte office of the undersigned on Dec. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fatteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transferor and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) M|s R. R. Company-Room No. 29-Ist floor, Swadeshi Market, Kalbadevi Bombay-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by an of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is submitted in the office of the undersigned in Dec. 84

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assett. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 7-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 7th August1985

Ref. No. P.R. No. 3736 Acq 23|II|85-86.-Whereas, I G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Incometex, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 28 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No, Pedhi No. 804 at Bombay Market—Umarwada—Swat Ioim No. 37EE is submitted in the office of the

undersigned in Dec. 84

tot an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not betn truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Bombay Market Ait Silk Co-op. Socy. Ltd. Umarwada.

(Transferor)

(2) Smt. Kaushalyadevi. A. Dhingra Anil Nivas Road No. 5 J.V.D. Scheme Vilc Paile, Bombay. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nation in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of actice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Lorm No 37EE is submitted in the office of the undersigned in Dec. 84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Ahmedabart

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 7-8-1985

FORM FINS

(1) Bombay Market Art Silk Co.op. Socy. Ltd.
Umarwada—Surat
(Frankferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shii Sanjivkumai Omprakash Tibrewal & Ors. 9-Jagmohan Midik Lane—Calcutta. (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMESSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ahmedabad-380 009, the 7th August 1985

Ret No P.R. No 3737 Aug 23 II 85-86 —Whereas, I R. PANDYA

forms the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herematic referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

From No. 37LE is submitted in the office of the registering office of undersigned in Dec 84 for an application which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the objects of :—

(a) by any of the aferencial persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person raterested in the said immediate property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

Emplanation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the travaferor to pay tax under the said Act, in respect we any income arising from the transfer; and /(a.

THE SCHEDULE

which the concentration of any income or any mencys or other assets which have not been et which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-trax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-max Act, 1957 (27 of 1957);

The document was submitted in the office of the undersigned in Dec. 84

G K PANDYA
Competent Authority
Improving Assistant Community Of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said A.A., I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this natice under subtection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 7-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMFDABAD

Ahmedabad-380009, the 1st August 1985

Ref. No. P.R. No. 3738 Acq 23 1 85-86. Whereas, 1 G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

R. 1.00,000 and bearing
Flut No. 101 on 1st floor in Ashwin Mehta Park, situated at Ward-Athwa Nondh No. the main kead Athwa Lines

2781 Surat Form No. 37EI is submitted in the office of the registering undersigned on Nov. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the rair market value of the property as aloresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and

that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /ou

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) Sh. Ramanbhai Bhulabhai Patel 13—Mangal Murti—3rd Floor— Opp Jivan Bharti—Nanpura—Surat.

(Transferor)

(2) Sh. Mahalchand Bheruddhan Rathi & Ors. P.O. Dinhatta-Rooch Behar (Dist) West Bengal

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisiton of the said property may be made in writing to the undersigned '-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immeovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document was submitted in the office of the undersigned in Nov. 84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 1-8-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. J.M.C. & Meghani Builders (Surat Project) 223/225—Zaveri Bazar— Bombay 400 002,

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME_TAX,

ACQUISITION RANGE-JI, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 7th August 1985

Ref No. P.R No. 3739 Acq 23|II|85-86.-Whereas, I G. K. PANDYA

G. R. PANDYA
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing
No. Shop No. 147, 148, 133 Office No. 306, 305, 132 in
Diamond House—Station Road—Surat
and more fully form No. 37EE is submitted in the office
of the undersigned on Doc. 84

and more fully form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned on Dec. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(2) Chandra Prabha Babubhai Sevalia 6|1-Kenta Nivas 28-Dr. Ansari Road-Vile Parle West-Bombay-400 056. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Form No. 37FE is submitted in the office of the undersigned in Dec. 1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date : 7-8-1985

(1) Mls Ravi Enterprises Ist Floor - Rajeshwar Aptt, Nanpura - Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 1st August 1985

Ref. No. P. R. No. 3740 Acq.23 [II] 85-86.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No.

Flat No. 9 & 10A in Ravi Tej Aptt. Opp: Loudes Convent School Athwa Lines - Surat.

(and more Form No. 37EE is submitted in the office of the

unders' gned in Nov. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said mattenneal of manufer with the object of : -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the riability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Ankleshwar - Dist : Bharuch. (Transferee)

(2) Dr. Pragnaben Rameshbhai Jambussaria Ors, Clo Uria Plastics 194 - G.I. D. C. Estate

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document was submitted in the office of the under signed in Nov. 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following servons, namely :--

74---276 G1/85

Date: 1-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009,

Ahmedabad, the 12th August 1985

Ref. No. P. R. No. 3741 Acq.23|II|85-86.—Whereas, I. G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Plot No. 3 of R. S. 193 & 194 of Village of Akota old

Padra Rd.-Baroda.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office

at Baroda on 22-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) fucilitating the reduction or evasion of the tiability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferi and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

 Vibhutiben Kishanbhai Mehta C-776 - New Friends Colony, New Delhl.

(Transferor)

(2) Rupeaben Hareshbhai Shah Harishbhai B. Shah 5-J, P. Nagar, Opp: G.E.B. Colony, Old Padra Road - Baroda,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. by S. R. Baroda for an amt. of Rs. 2,06,000|- in respect of adm. 687 sff. mtr. situated at Akota of Plet No. 3 of R. S. No. 193 and 194 F. P. 25A.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 12-8-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 12th August 1985

P. R. No. 3742 Acq.23|II|85-86.—Whereas, I, Ref. No. G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section

immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.
Plot No. 2 of R. S. 193 and 194 of village Akota FP No. 25

Old Padra road Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16

has been transferred under the Registration Act 1906 (10 of 1908) in the office of the registering officer at S. R. Baroda on 22-1-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922.

11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Vibhutiben Kishanbhai Mehta C-776-Friends Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Hareshbhai Babubhai Shah & Ors. 5-J, P. Nagar, Opp; G.E.B. Colony - Old Padra Road, Baroda,

(Tansferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, by S. R. Baroda for an amt. of R_S, 2,56,000|- in respect of land adm. 595 sq. mtr. situated at Akota of plot No. 2 of R. S. No. 193 & 194 of village Akota FP No. 25 old Padra Rd. Baroda

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in tersuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-8-1985

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009,

Ahmedabad, the 12th August 1985

Ref. No. P. R. No. 3743 Acq.23|II|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Incone-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000|- and bearing I and is situated at Plot No. 65 of R. S. No. 83, 84, 85, 142 and 146 of Jetalpur Baroda bearing C. S. No. 1853 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 17-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and for
- (c) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Jashubhai Parshottamdas Patel & Ors Kumedhan Falia Rajmahal Road Baroda.

(Transferor)

(2) Shri Hari Builders & Partners Shri Maheshbhai Pianlal Ja swal & Orfs. 61 - Suvarnapuri - Jetalpur Road - Baroda . (Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. by S. R. Baroda for an amt, of Rs 220,496-in respect of land adm. 445 sq. mtr. plot No. 65 of S. No. 83, 84, 85, 142 & 146 C. S. No. 1853.

G. K. PANDYA
Competent Authorit
Inspecting Assistant Commissioner of Income-transcription Range-II, Ahmedab

Date: 12-8-1985

CORM ITNS....

(1) Ratilal Kanjibhai Savla, Alkapuri Restaurant, Vadodara.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

(2) Snit Kusum J. Shethi, Egle Apartment, Fateganj, Main Road, Vadodara.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMESSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 12th August 1985

Ref. No. P.R. No. 3744|Acq.-23|II|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Scotion 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Tika No. 3-1 S. No. 22, 19-1, 19-2 and 120 of Shaher Vibhag, Baroda,

(and more fully described in the schedule annoxed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 17-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have remon to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than there is no such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conscalment of any insome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957, (27 of 1957);

Act, I herefore, in purusance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale decd has been regd. by S.R. Baroda in Jan. 1985 for a consideration of Rs. 4,00,000 in respect of bldg. situated at Kharidiwad Baroda bearing T. No. 3-1 S. No. 22, 19-1, 19-2 and 120.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 12-8-1985

1 UKM 1175----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 12th August 1985

Ref. No. P.R. No. 3745 Acq.23 II 85-86. - Whereas, 1, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Ast'), have reason to believe that the immovble property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 - and bearing

Flat No. 6-C in Ravi Chhaya,

Aptt. Opp. Loudes Convent School Surat,

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Dec. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afgresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, nad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other amots which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (13) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M|s. Ravi Enterprise, Ist Floor, Rajeshwar Aptt. Nanpura, Athugar Street, Surat.

(Transferor

(2) Shri Mayankbhai J. Mehta & Smt. Rasilaben J. Mehta, 904, Rajeshwar Aptt., Nan-ura, Athugar Street, Surat.

(Transfered

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of thi notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sak Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the under signed in Dec. 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 12-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

JOSFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 12th August 1985

Ref. No. P.R. No. 3746 Acq. 23 II 85-86, -- Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter releared to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 1-A Ravi Chhaya
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
Aptt. Opp. Loude Convent School, Athwa Lines, Surat
Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned on Dec. 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of

of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-said property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

(1) Mis. Ravi Enterprise, Ist Floor, Rajeshwar Aptt. Nanpura, Athugar Street, Surat.

(Transferor)

(2) Shantilal Mohan lai Parikh & Ors. 14, 'Prasad' K. D. Road, Bombay-400 056. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Dec. 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I|II, Ahmedabad

Date: 12-8-1985

manager and the first of the second second

FORM ITNS-

(1) M/s. Ravi Enterprise, 1st Floor, Rajeshwar Aptt. Nanpura, Surat,

(2) Shii Padamkumar B. Jain,

Clo. Vyara Tiles Ground Floor,

(Transferor)

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad, the 12th August 1985

Ref. No. P.R. No. 3747 Acq.23 II 85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property hiving a fair market value Rs. 1.00,000 and bearing No. Proposed Flat No. 7B, in Ravi Chhaya Aptt. Opp. Loudes Convent School Surat Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned on Dec. 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

Vighneshwar Aptt. Nanpura, Timaliavad, Surat,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Dec. 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I/II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-II 2ND,FLOOR HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

SIONER OF INCOME-TAX

Ahmedabad, the 12th August 1985

Ref. No. P.R. No. 3748]Acq.23[II]85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 5A, Ravi Chhaya Aptt.

Opp. Loudes Convent School Surat, (and more fully described in the Schedule annexed herete), Form No 37EE is submitted

in the office of the undersigned on Dec. 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the cid instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/ Of
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the pose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M|s. Ravi Enterprise, Ist Floor, Rajeshwar Aptt, Nanpura, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Tilak Raj Kapoor, Mis. Marchon Textile Indust. Pvt. Ltd. Saheb Bldg. 4th Floor, 195 D. N. Road, Bombay-400 001.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDUIF

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Dec. 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Ahmedabad

Date: 12-8-1985

Scal:

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of he Said Act to the following persons. namely:-

75-276 GI/85

FORM LT.N.S.—

(1) Shri Shantilal Velji Shanti Nagar B-25 S.V. Road Malad West-Bombay-400 064.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mls Ghevarchand Swarupchand Jain & Ors. Sopariwala Sadan, Ambaji Road, Nani Chhipwad—Surat.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 12th August 1985

Ref. No. P.R. No. 3749 Acq.23 II 85-86.—Whereas. I. G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'seid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Shop No. J. 10 at Bombay Market—situated at Umarwada—Surat.

Ecorp. No. 37EE is supposited in the office of the undersigned.

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned

in Dec. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the aparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parites has not been truly stated in the said instrument of wanter with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of motion on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

(b) incilitating the conseamlent of any income or any moneys or other season which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Dec. 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Acquisition Range-III, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 12-8-1985

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF I'HE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

UNITAGE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 12th August 1985

Ref. No. P.R. No. 3750 Acq. 23 [11] 85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA.
being the Competent Authority under Section 269B of the being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.
Flat No. 702 'J' Bldg. India Textile Market
Nr. Kinnery Cinema
Pling Road situated at Suret

Ring Road situated at Surat.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), and Form No. 37EE is submitted in the office of the

and Form No. 5/EE is submitted in the fair undersigned on Dec. 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aroresaid property and I have reason to oclieve that the fair market value of the property as aforesaid than the fair market value of the property as aforesaid than the fair market value of the property as aforesaid than the fair market value of the property as aforesaid. exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sanjeev Builders Pvt. Ltd. Nr. Kinner Cinema—Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Mrs. Sushila S. Jain 402-Reena Aptt. Mamlatdar Wadi-Malad (W) Bombay-64.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Dcc, 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Ahmedabad.

Dated: 12-8-1985

PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-III, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 12th August 1985

Ref. No. P.R. No. 3751 Acq. 23|H|85-86.—Whereas, 1, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

S. No. 116 paiki plot No. 14 at Jetalpur Baroda Urmi Co-op. Hsg. Socy. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Baroda on Jan. 85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Pravinaben Jayantilal Patel 14A Urmi Co.op. Hsg. Socy. Jetalpur-Baroda.

(Transferor)

(2) Alok Vishwanath Maheshwari & Ors. 14A Urmi Co.op, Hsg. Socy. Jetalpui—Vadodara.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, by S.R. Baroda for R3, 4,50,000 during Jan. 85 bearing Reg. No. 110|85 in respect of bldg, at 14A Urmi Co-op. Hsg. Socy. bearing S. No. 116 at Jatalpur Baroda.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 12-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 12th August 1985

Ref. No. P.R. No. 3752 Acq. 23|II|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA peng the Competent Authority under Section 269B of the Income-tait, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and beating Gotri S. No. 956 C.T.S. No. 1224|28-27 which Shroff Nagar Co-op. Hsg. Socy. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the registering officer at Baroda on Jan. 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the

marties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely.—

 Nareschandra Shantilal Power of Attorney Holder— Shantilal Chimanial Shah— P-29—Mission Road—Calcutta-13.

(Transferor)

(2) Mambura Pramathuath Sharti Shroff Nagar Co-op, Socy. Gotri, Vadodara.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed for the consideration of Rs. 2,32,000]- has been tegd, by S.R. Baroda during Jan. 85 in respect of bldg, bearing S. No. 756-757 C.T.S. No. 1224[28-87 who can Shroff Nagar Co.op. Hsg. Socy. situated.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Ahmedabad.

Pated: 12-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Aalok Associates-1-Keval Aptts. Subhanpura-Baroda.

(Transferor)

(Transferce)

(2) Gujarat Communications and Electronics Ltd. Express Hotel R.C. Dutt Road, Baroda-5.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 12th August 1985

Ref. No. P.R. No. 3753 Acq. 23 [11] 85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having, a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

S. No. 563|5 C.S. No. 2221—
Anurag Commercial Centre—3rd Floor—.

P. C. Dutt. Bond. Rayoda 5.

R.C. Dutt Road—Baroda-5.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has ben transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 11-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifficen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income origing from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or 'any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Is come-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ac., or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, by S.R. Baroda for an apparent consideration of the bldg at Anurag Com. Centre bearings No. 563 5 C.S. No. 2221 R.C. Dutta Road—Baroda.

> G. K. PANDYA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 12-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 12th August 1985

Ref. No. P.R. No. 3754 Acq. 23II 85-86.—Whereas, I. G, K, PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000: and bearing

Land at Pipalia Vagodia sim bearing S. No. 32, 37 & 38

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at S.R. Vagodia on Jan. 85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sh. Natversinhji Chandrasinhji Rana, P.O. Pipalia, Tal. Vagodia Dist : Baroda.

(Transferor)

(2) Prem Sudha Co.op. Hsg. Socy. Harish Tulsidas 16-Arnath Socy.--Kareli Bag Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. by S.R. Baroda showing A.C. Rs. 3,01,899 in respect of plot of land adm. 63738 sq. mtr. bearing S. No. 32, 37 & 38 at Pipalia, Vagodia.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Ahmedabad.

Dated: 12-8-1985

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sanjivkumar Dhirajlal Jaiswal Post: Pipalia Tal, Vagodia.

(Transferor)

(2) Vyomdip Co.op. Hsg. Socy. Post : Pipalia Tal. Vagodia

Dist: Baroda.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 12th August 1985

Ref. No. P.R. No. 3755 Acq. 23|II|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000|- and bearing Land S. No. 71, 72, 73, 74, 75, 97, 98, 124, 125, 126, 146, 149, 190, 191, 192

andlor

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Vagodia on Jan. 85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reductio nor evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Sale deed was regd. by S.R. Vagodia during Jan. 85 for Rs. 3,36,000|- and respect of land adm. 58,174 sq. mtr. bearing S. No. 71, 72, 73, 74, 75, 197, 198, 124, 125, 126, 146, 149, 190, 191 and 192 plot 14-15.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :-

Dated: 12-8-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD Ahmedabad, the 13th August 1985

Ref. No. P.R. No. 3756 Acq 23|II|85-86.-Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing R.S. No. 117 Paiki 423 Moje

Matarwadi Tal. Patanni Sim
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (15 1908) in he office of the Registering Officer at S.R. Patan on Jan. 85

tor an apparent consideration which is less than the fair ma ket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer emá / ot
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (\$7 et 1937)1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I be eby mittate proceed:up for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons a mely:— 76-276 GI/85

(1) Revabbal Mumanbhai Bharwad at Matawadi Tal. Patan-Dist: Mehsana.

(Transferor)

(2) Sh. Dasha Shrimali Betalish Jain Mandal President— Sh. Dalputbhai Motilal Mehta At Un—Tal. Kankarej.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, thall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. by S.R. Patan during Jan. 85 in respect of a plot of land adm. 18078 sq. mtr. bearing R.S. No. 117 paiki 423 at Matarwadi Tal. Patan ni sim,

> G. K. PANDYA Compet nt Auth rity Inspecting Assistant Commis on " of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 13-8-1985.

Soal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 14th August 1985

Ref. No. P.R. No. 3757 Acq 23[II]85-86.—Whereas, I, G, K, PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinatter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000|- and bearing No. T.P. Scheme No. 3 S. No. 388|1 and 388|2, Final Plo No. 514 paiki Sub Plot No. 1

situated at Anand

(and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anand on 14-1-1985

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value A the property as aforesaid exceeds the apparent considera-uon therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

ca) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to puy tax under the said Act, in respect of any income arraing from the transfer: andlor

(b) facilitating the concealment of any Income or any microeys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Ravjibhai Vagjibhai Patel & Smt. Shaluaben R. Patel Sonal Yogi Palk Socy. Nr. Greed—Anand.

(Transfuror)

(2) Pravinbhai Punjabhai Patel & Ors. At Lambhevel—Tal, Anand Dist: Kaira,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd, at S.R. Anand vide No. 119 Dated 14-1-1985.

> G. K. PANDYA Compet nt Au ho ity Inspecting Assistant Commissioner of Incom tix Acquisition Range-II, Ahm.dabal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-secnon (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 14-8-1985

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAA ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 14th August 1985

Ref. No. P.R. No. 3758 Acq 23|II|85-86.-Whereas, I, G, K, PANDYA

being the Competent Authority under section 269Bof the Income-cax Act, 1901 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a rail market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing

Shop No. M-12/8 at Surat Textile Market Ring Road situated at Surat

(and more tuny described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (10 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 24-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atorese t property and I have rea on to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of iranafer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferze for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) or 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M|s Man.ukhlal & Co. Sulconchandia ruisnousm Dalij & On. 26-28, Chamja gan, Bombay.

(T.an.fe.or)

(2) M|s J. B. Kha war Sons zimi ailai Jikisandus Knaiwar & Ors. Kr. hma wung, Nr. Ichhanath Temple Umara, Surat.

(Transferte)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a pe iod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that. Chapter

THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Surat vide No. 777 dated 24-1-1985.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commission of Income tar Acquisition Range-II, - hm. daba

Date: 14-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 14th August 1985

Ref. No. P.R. No. 3759 Acq. 23 II | 85-86. Whereas, 1, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovible property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing
Shop No. 1-2184 at Surat

Texule Market, Ring Road, situated at Surat

(and more fully described in the Scheduc annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Reg sering Officer at Surat on 18-1-1985

for an apparent consideration which is les than the fair to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- ·b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 [11 of 1922] or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Anubhai Popatlal (R.F.) Anubhai Popatlal & Ors. 38. D.p Kunj Socy., Paladi, Abm.dabad.

(Transferor)

(2) Parakumar Fulchand Shah & Ors. B-1 Navpad Aptt, Hanuman Char Rasta-Gopipura-Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document was regd. at S.R. Surat vide No. 532 dated 18-1-1985

> G. K. PANDYA Compet nt Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux Acquisition Range-II, / hmedabad

Date: 14-8-1985

PORM ITNS-

(1) Smt. Pushpaben Vsantlal Patel Mahi Dha, pura Bhut Sheri-Su at.

(2) Jawaharlal Manilal Raja Galamandi-Bazar(Transferor)

Surat

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTATION OF INCOME-TAX. ASSISTANT COMMIS-ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 14th August 1985

Ref. No. P.R. No. 3760 Acq. 23 [II] 85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. bearing No. Umara R.S. No. 63 paikl Ganesh Kripa Co.op. Hsg. Socy. Plot No. 37—Umara B.S. No. 63 paiki

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (10 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 8-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair belive that the fair market value of the property as aforesaid encode the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the raid instrument of ransfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay this under the said Act in reserved of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any miners or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisit on of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Offi al Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document was regd, at S.R. Surat vide No. 198 dated 8-1-1985.

> G. K. PANDYA Competent Auth rity Inspecting Assistant Commissioner of 'ncome-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 14-8-1985

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sortesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

FORM I.T.N.S.

(1) Arachsha Ardesar Fandol Opp: Nariman Hall—Shahpor Surat.

(2) Pandol Industrial Co. op. Service Socy. Ltd.
Adil Mazba, Ankleshwar,
S rost at d Aptt.

Vanki Bordi, Smat.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, H.NDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 16th August 1985

Ref. No. P.R. No. 3761|Acq 23|II|85-86.—Whereas I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269H of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Tunki S. No. 9 & 101 City S. No. 127 to 133, 139, 140 to 145, 146 to 151, 152 to 157, 158 to 192, 239 (and more fully described in the Schedule annexed her.to), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 10-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partners has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :----

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfero α pay tax under the and Aαt, in respect of any income arming from the transfer; and ρη?
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1th of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this action in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable proper y within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein that are defined in Chapter XXA on here in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd. at S. R. Surat Vide No. 289 Dt. 10-1-1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-8-1985

FORM ITNS----

(1) Mulchand das Radheyshyam—R.F. Partner :-Su. esnchandra Mulchanddas Bhatia & Ors. Co 10 3085 Surat Textile Market, Ring Road,

Surat.

_ ____

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mahavirpurasad Premsukhlal Goyal 4E, Divya Flats, Lal Bunglow Athwa Lines Surat.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, ASHRAM ROAD, 2ND FLO AHMED, CL.3.2-380009.

Ahmedabad, the 16th August 1985

Ref. No. P. R. No. 3762 Acq 23 H 85-86. -- Whereas, 1, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to an the same Act.) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Shop No f. 118 at Sarat Textile Market, Ring Road, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), bas been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 4-1-1985

fo. an apparent consideration which is less than the fair market value of the alors and property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that doe consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona, whichever period expires later:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice is the Official Gazette.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

EXPLANATION :- The terms and expressions used bereix as are defined in Chapter XXA of the said Ant, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, the respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which singht to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely ----

The document is regd at S. R. Surat vide No. 117 Dt. 4-1-85.

THE SCHEDULE

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 16-8-1985

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Ahmedabad, the 16th August 1985

Ref. No. P. R. No. 3763 Acq 23/II/85-86,--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (bereinstter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing Shop No Z 1178 at Su + Textile Morket, Ring Road, Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 2-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of t—

- (a) incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any moome arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the accreamed property by the useue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sharda Silk Mulls & Partners, Husmukhlal Nathalal Bodiwala & Ors. At Usha Kiran Kadmapah Socy.
 Opp: Sneh Millan Garden, Nanpura Surat.

(Transferor)

(2) Shah Bharatkumar Dipehand & Pravinchandra Keshrimal At Kabilpor, Bharuch.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

The document was regd. at S. R. Surat vide No. 35 2-1-1985.

G. K. PANDYA Competent Author v Inspecting Assistant Commissioner of Income-tak Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 16-8-1931

FORM ITNS———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION ANGE-II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD 280009.

Ahmedabad, the 16th August 1985

Ref. No. P. R. No. 3764 Acq 23 II 85-86,-Whereas, I.

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable proceeding, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

C-I type Shed No. 64 it G.I.D.C. Vapi Form No. 37 submitted in the office of the undersigned in

Dec. 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957)1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely 1-77—276 GI/85

(1) M/s. Universal Selective Anodisers C1|64, Silvassa Road, G.LDC. Vapi 396 195--Gujarat.

(Transferor)

(2) M/s. CAP Chemical Industries Pvt. Ltd. 412 Maker Bhayan No. 3, 21 Sir V. Thakerey Marg, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SHEDULE

A lease deed was read, by this office on 31-12-84 for A. C. Rs. 2,45.001]-.

G. R. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-table Acquisition Range-II, Abruedabed

Date: 16-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION ANGE-II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD 380009.

Ahmedabad, the 16th August 1985

Ref. No. P. R. No. 3765 Acq 23|11|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing Bldg, at Plot No. 10-A of C. S. No. 2211 Sheet No. 16 of

letalpur, Baroda. (and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 8-1-85

on 8-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Smt. Kusumben Jagdishchandra Amin,
 Krishna Kunj Socy.
 Behind Shrimahal Palace, Baroda.

(Transferor)

(2) Crompton Greaves Ltd. I-Dr. V. B. Gandhi Marg. Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of motice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, for A. C. Rs. 7,50,000]- by S. R. Baroda in respect of the bldg, at Jetalpur Baroda plot No. 10A forming part of C. S. No. 2211 sheet No. 16 of Jetalpur Baroda.

G.K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-8-1985

FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION ANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMED ABAD 380009.

Ahmedabad, the 16th August 1985

Ref. No. P. R. No. 3766 Acq 23/11/85-86. -- Wherens, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immov-

to us the said Act') have reason to believe that the immovable property, havin a fair market value exceeding Rs. 1,00,000], and bearing At Jetalpur Baroda S. No. 114 TO.1. F. P. 476 wherein plot No. 9 A of Shri Nagar Co. op. Hsg. Socv. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 16-185 for an apparent consideration which is less than the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Manibhai Felsibhai Patel Gangavihar Snelipark Socy. At Vapi Dist: Valsad.

(Transferee)

(2) Smt. Vasantiben Hirubhai Patel & Ors. Vijay Nivas 34-Nehru Road, Vile Parle, Bombay-57.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A safe deed was regd, on 16-1-85 for Rs. 1,05,000|- in respect of plot No. 9A Shrinagar Co. op. Hsg. Socy, Jetalpur Baroda bearing S. No. 114 TPS, I FP No. 475.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid, property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 26-8-1985

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II 2ND LLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD AHMED VB 4D-380000

Ahmedabad-380009, the 26th August 1985

Ref. No. P.R. No. 3767 Acq 23° II | 35-86 — Whereas, I, G K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000]- and bearing

Vi Udhna Daivaia--Khatodun Vister CS No 713 to 715, Ring Road, Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Surat on 25-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect to any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Snit Dhanaben was of Kalidas Nauabnai Sahir, Nr. Udhna Daiwaja, Kharodara Ring Road,

(Transferor)

(2) Amritbhai Aijumbhai & Ois, Ni Udhana Daiwaji, Ring Road Surat.

(Transfeace)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of nouce on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as **EXPLANATION** are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd, at S.R. Surat vide No. 706 Date 25-1-85

> G K PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date . 26 8 85 Scal -

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 26th August 1985

Ref. No. P.R. No. 3768 Acq.23[11]85-86. -Whereas, 1, C. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Ward No. 15, Nondh No. 2959 L.P.S. No. 3 Bunglow No.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been translerred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Surat on 17-1-85

f.w an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ev
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Savitaben Mansukhlal & Ors., Kohinoor Socy., Varachha Road.

(Transferor)

(2) Shri Jaychand Trilokchand, 56, Sardar Nagar, Co. op. Hsg. Socv., Sumul Dairy Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is read, at S.R. Surat vide No. 479 Date 17-1-85.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 26-8-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE UNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASITRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 26th August 1985

Ref. No. P.R. No. 3769 Acq.23[II]85-86.--Whereas, I,

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable of the competency o property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Ward No. 7D Nordh No. 4915 & 4917, Smat (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 9-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the tollowing persons, namely :-

(1) Shri Ramkrishna Madhusudan Mahant, Tapi Road, Ramji Mandu Mandvi, Dist. Surat.

(Transferor)

(2) Smt. Manjulaben wife of Shri Dhansul hlal Ishwarlal Lakdawala, Navapura Dalia Sheri, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

The document was regd. at S.R. Surat vide No. 246 Date 9-1-85.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 26-8-85 Seal .

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Vasantlai Ishwarlal Shroff, Haripura Kalyuz Mohallo, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Govindbhai Khushalbhai, Karta of HUr & ORs., Rant Falay, Dabgarvad. Surat

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD AHMED.\BAD-380009

Ahmedabad-380009, the 26th August 1985

Ref. No. P.R. No. 3770 Acq.23 III 85-86. -- Whereas, I. G. K. PANDYA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Nondh No. 1334 Ward No. 5 Huripura Kaljuz Sheri
Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in Nov. 1984,

ut Surat on November, 84.

for an appar nt consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration Therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expures later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chanter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1, of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

THE SCHEDULE

Form No. 37FF is submitted in the office of the undersigned in November, 84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date · 26-8-85 Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGI-11 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380002, the 26th August 1985

Ref. No. P.R. No. 3771 Acq.23[III85-86, -Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Land at Nadiad, Yogilal Co. op. Hsg. Socy Nadiad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kaira in January, 35

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Iudian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kamalaben Thakorbhai Ulo Shri Rameshbhai Ramjitsing Barot, Ram Kripa Socy., Ni. Pavan Chakki, Nadaad

(Transferor)

(2) Shri Rameshbhai Ranjiasing Barot, Chairman of Yogirai Co. op. Hsg. Socy., Ram Kripa Socy., Ni. Pavanchakki Nadid.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned?—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter $\lambda X \Lambda$ of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document was regd at S. R. Kaira vide No. 29 January, 85

G K PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 26-8-85 Sepl :

FORM DINS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009 the 26th August 1985

Ref No PR No 3772 Acq 23 11 85-86 - Whereas, I, G K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00.000¹ and bearing No.

B 18 Vallabh Nagar Socy. Behind Rulway Station, Nadiad S No 3215, 3212 TPS No 1 F.P. No 499 (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Nadiad on 22-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesall exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any-income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followtag persons namely -78-276 GI/85

(1) Jayantilal Maganthu Patel, B. No. 11 Nanobi Socy, College Road. Nadiad.

(Transferor)

(2) Shij Jyotsan ben Hamilabia Patel, B-18, Vallaabh Nagar Socy. Behind Patel Station, Nadiad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the afpressid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immixable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Offseid Gazetic

EXPLANATION: -The terms and expressions used heren as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document is regd at S.R. Nadiad vide No. 129 Date 22-1-85.

> G, K PANDY A Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Abmedabac

Date: 26-8-85 Seal :

FORM ITNS--- - --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmodabad-380009, the 29th August 1985

Ref. No. P.R. No. 3773 Acq.23 [11] 85-86.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Aumority under Section 269B of the income tax Act 1061 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have teason to believe that the immov able property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing No.
Land at Anand R.S. No. 1238 plus 2 Anand
and more fully described at the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Kaira on 2-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to nelieve that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to octween the parties has not been truly stated in the said instrument of manater with the chiect of ;

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability il to transferor to cav tax under the raid Act in respect of any income arising from the transfer; White CH
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax ACL 1957 (27 of 1957)

arow, microscore, in purnuance of Section 269C of the mid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the Island ing persons namely:-

_{ജ്}യാന്റ് പ്രസ്താവയ് പ്രസ്താന് നാന്നായായായായായായായായ വേശ്യാസ് വരുന്നു. വിശ്യാസ് വിവര് വരുന്ന വേശ്യായ വരുന്നു വരുവ (1) Shri Dalwadi Jashbhai Mangalbhai Nr. Krishna Nagar Society Naka Behind Dalwadi Nivas, Anand. Anand.

(Transferor)

(2) Shri Patel Arvindbhai Motibhai, Jagdamba Hard Ware, Borsad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of ther tais Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

The document is regd. at S.R. Anand vide No. 19 Lt: 2-1-85.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 29-8-1985

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMSSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 29th August 1985

Ref. No. P.R No. 3774 Acq.23|II|85-86.—Whtreas, I, G, K. PANDYA,

being the Competent Authority under section 2693 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000]- and be lian No. Flat No. B-6, and floor of Uday Apartments, Ward Athwa Flat No. B-6, ², C.S. No. 2283|B

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

Form No. 37LL is submitted in the office of the undersigned

in Nov 84.

narket value of the atorisaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of can ter with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facultating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for 1922 the purposes of the Indian income-tex Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said "Act. I hereby initiate mocerdings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Uday Apartment Co-op. Housing Society Ltd., By its Agent Uday Builder, At 'Uday' Bungalow Opp, Liberty Apartments, Nr. Adarsh Society Athwa Lines, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Ram Prasad Bhanvar Lal Javvai, 133, Reshamwala Market, Ring Road. Surat.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- . (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

"XPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in November 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner, of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 29-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 29th August 1985

Ref. No. P.R. No. 3775 Acq.23|11|85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYΛ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Land, at Bholay Tal. Bharuch

Plot No. A/4 and A/6 Bholay Tal. Bharuch

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Bharuch on 31-1-85,

for an apparent consider tion which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

(a) facilitating the reduction or evasion of the linbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waalth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act to the following

 M/s. Village Service Center, Desaijini Vadi, Opp. Rungata Eye Hospital, Bharuch.

(Transferor)

 M/s. Shroff Textile Industries, Lallubhai Chakala, Bharuch.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Document is registered at S.R. Bhatuch vide No. 136-137.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IT;
Ahmedabad

Date: 29-8-1985

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 29th August 1985

Ref. No. P.R. No. 3776 Acq.23|II|85-86,---Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing

and bearing Block No. 243—Ginning and Pressing Factory at Village: Palej Tal. Bharuch Block No. 237, 238, 239, 244

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer S.R. Manggrol in Jan. 1985,

not an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Nor in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the Turposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

 Narandas Rajaram & Co. Pvt. Navsari Chambers, Purshottamdas Thakurdas Marg, Fort, Bombay-1.

(2) Bharat Ginning & Pressing Facory, Palej Dist, Bharuch, (Transferor)

Objections, if any, to the aquiation of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nonce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

The Document are regd. at S.R. Bhatuch ide No. 50 & 51, January 1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Abmedabad

Date: 29 8-1985

FORM IINS-

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 29th August 1985

Ref. No. P.R. No. 3777 Acq.23|II|85-86.—Whereas, 1, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Lecome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (beremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

reporty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

S No. 422 Land at l'arsadi Tal, Mangrol

and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer S.R. Baroda in Jan. 1985,

not an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of gransfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Mahendrakumar V. Patel, Shri Sukh Swaiupbhai V. Patel, At Village Tarsadi Tal. Mangrol, Dist. Surat.

(Transferor)

Shri Hasmukhbhai Manilal Shah,
 C. Vadi—Tarsadi Tal. Mangrol,
 Dist. Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovlable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

The Document is registered at S.R. Manurol vide No. 548 January 1985.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Abmedabad

Date : 29-8-1985

Scal ;

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX_ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM ROUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDAJAD-380009

Ahmedabad-380009, the 29th August 1985

Ref. No. P.R. No. 3778 Acq.23|II|3586.--Whereas, I, G, K, PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding ks. 1,00,000/-and bearing No.

Land at Sawad Vadodara Nutan Saurabh Co-op, Housing Society Harani Road Vadodara

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and on

(b) facilitating the concealment of any meome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

(1) Shri Pavabhai Nagaphhai Patel & Ors. Opp Hakimwada—Nagarwada, At Vadodara.

(Transferor)

(1) That I all the Tousing Society, Harni Road, Vadodara.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the raid immoveble property, within 45 days from the date of the pubheation of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chreter

THE SCHID!!! E

A sale deed has been registered by S.R. Baroda for an amount of Rs. 3,85,000]- in respect of land adm. 12301 sq. mtrs. and 6910 sq. mtrs. at TPS 7 R.S. No. 404 paiki FP No. 31.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquistion Range-II Ahmedabad

Date: 29-8-1985

PORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

CFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 26th August 1985

Ref. No. P.R. No. 3779 Acq.23[II]85-86 - Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fuir market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing Shop at Wadi Tika No. 33|7

Adm. 1331 sq. ft. at Baroda

(and more fully devilbed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the oilice of the registering officer at Baroda

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, as respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Shri Suleman Alibhai Alibhai Bakarali, Piataphagar Road, Vadodara.

(Transferor)

(2) Shri Karsanbhai Premjibhai & Ots., 20—Ashok Colony, R.V. Desai Road, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been registered by SR. Baroda for an amount of Rs. 2,16,000]- in resjectof shop building situated at Vadi Tika No. 33/7 R.S. No. 2888 paiki 198/1 at present C.S. No. 2893, 2888, 2902 adm. 1331 sq. ft,

> G. K. PANDYA Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Dae: 26-8-1985

34901

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Laxmi Dal Mill, Highway Road, At Khedbrahma Tal. Iser, Dist. Sabarkantha.

(Transferor)

(2) Oswal Dal Mill, Oswal Dal Mill, High Way Road—Station, At Khedbrahma Tal. Ider, Dist, Sabarkantha,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASERAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 29th August 1985

Ref. No. P.R. No. 3780 Acq.23 [II] 85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exiecding Rs. 1,000001- and bearing S. No 234—Plot No. 37 Land and Building adm. 73349 sq. mtr. Oswal Dal Mill Highway Road, Khedbrahma D'st. Sabarkantha (and more fully described in the schedule annexed hereto).

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 190.) in the office of the registering oificer S.P. I ir on 24-2-85,

for an appaient consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the reservice. pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed is regd. by S.R. Ider on 24-2-85 for an apparent consideration of Rs. 4,95,000/-.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following parsons namely:— 79-276 GI/85

Date: 29-8-1985

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Pıtamber Parshottamdas Patel & Ors., Krishna Society, Mehsana.

(Transferor) (2) Naranbhai Kesharbhai Patel & Ors.,

28-Shankar Nagar Society, National Highway, Mehsana.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMHDABAD-380009

Ahmcdabad-380009, the 2nd September 1985

Ref. No. PR No. 3781 Acq 23 II 85-86.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. 343|1 plot of land adm. 4046 sq. mtr. situated at Nagalpur sm on National Highway at Mehsana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Mehsana on 19-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of of transfer with the object of .-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. for an A.C. of Rs. 1,21,401|- by S.R. Mehsana.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 2-9 1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 11th September 1985

Ref. No. G.I.R. No. 93|37EE|Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing Office No. 19 situated at 11, M.G. Marg, Habibullah Com-

pound, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered uls 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competen. Authority, at

Lucknow on 9-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :--

(1) M|s. Halwasiya Properties (P) Ltd., Halwasiya Court, Hazratganj, Lucknow.

(Transferor)

(2) Master Sumeet Chopra (Minor).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the dae of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 19 in the IVth floor measuring 275.76 sq. ft. in the Commerce House situated at 11 M.G. Marg, Habibullah Compound, Luckonw. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow under S. L. No. 108, dated 9-1-1985.

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 11-9-1985

(1) M|s. Halwasiya Properties (P) Ltd., Halwasiya Court, Hazratgani, Lucknow,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Sharda Gulati.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 11th September 1985

Ref. No. G.I.R. No. 94|37EE|Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Office Nos. 6 and 7 situated at 11, M.G. Marg, Habibullah Compound Lucknow

Compound, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered use 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority, at

Lucknow on 8-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter

THE SCHEDULE

Office Nos. 6 and 7 on the IIIrd floor measuring 540 sq. ft. in the Commerce House, situated at 1, M.G. Marg, Habibullah Compound, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 109, dated 8-1-1985.

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknew.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:-

Date: 11-9-1985

(1) Ram Krishna Sahkari Avas Samiti Ltd., Allahahad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri B. K. Ojha.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 11th September 1985

Ref. No. G.I.R. No. B-132 Acq.—Whereas, I,

MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Part of house No. 8 si uated at Tagore Town, Allahabad Allahabad on January 1985

fand more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asse's which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Part of house No. 8, measuring 711.11 sq. yds. situated at Tagore Town, Allahabad (as mentioned in 37G Form No. 1912) registered by the Registering Authority; Allahabad, on January 1985.

MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-9-1985

FORM PINS-

(1) Shri Durga Prasad.

(Transfefor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Deep Narain Rai.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 11th September 1985

Ref. No. G.I.R. No. D-61 Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No.

House No. 2|209 situated at Sunderpur, Pargana-Dehat Amanat, Distt. Varanasi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u|s 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority,

at Varanasi on January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of vansfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) o rthe said Act, or the Wealth-tax, Act. 4957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this portice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2|209, measuring 3250 sq. ft. stiuated at Sunderpur, Pargana—Dehat Amanat Dist.. Varanasi (as mentioned in 37G Form No. 119) registered by the Registering Authority, Varanasi on January, 1985.

> MRS. U. KANJILAL Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°C of the said Act. 32 the following

Date: 11-9-1985

(1) Shri Mutib Ahmed Alias Mainu

(2) 1. Smt. Heera Devi.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 11th September 1985

Ref. No. G.I.R. No. H-57|Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00.000|- and bearing Land situated at Bakshi Uparhar, Pargana-Chayal, Distt.

Allahabad

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered uls 269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority, at Allahabad

at Allahabad on January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferi and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzzate.

EXPLANATION --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Land measuring 483 sq. mtrs. situated at Bakshi Uparhar, Pargana—Chayal, Distt. Allahabad (as mentioned in 37G Form No. 1811) registered by the Registering Authority, Allahabad, on January 1985.

MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

Date: 11-9-1985

(1) Smt. Satyawati Misra

(Trunsferor)

(2) Shri Gajendra Pal Singh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 13th September 1985

Ref. No. G.I.R. No. G-83 Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000 and bearing House situated at Katghar, Mahuapura, Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered uls 269AB of the LT. Act, 1961 in the office of the Competent

269AB of the I.T. Act, 1961 in the office of the Competent Authority, at

at Moradabad on January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tux under the said Act, in respect of any income arising from the transfer andlor

House measuring 174.93 sq. mtrs, situated at Katghar, Mahuapura, Moradabad (as mentioned in 37G Form No. 594) registered by the Registering Authority Moradabad, on January, 1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-9-1985

FORM ITNS----

(1) Shri Ved Prakash Dhall.

(Transferor)

(2) Labour Sahkari Avas Samiti Ltd. Moradabad Through its Secretary, Shri Prem Singh.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 11th September 1985

Ret. No. Gfil.R. No. L-50|Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tay Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 27 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding his. 1,00.000|- and bearing Land situated at Village—Bhogpur Mithauni, Moradabad fand more fully described in the schedule annexed here'o), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer|Registrar| at Moradabad on January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid agreeds the apparent consideration therefor by more than latten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the larties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/ors
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land measuring 1.04 decimals situated at Village—Bhogpur Mithauni, Moradabad (as mentioned in 37G Form No. 52) registered by the Registering Authority, Moradabad, in January, 1985.

MRS. U. KANJILAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons usually:—80—276 GI|85

Date: 11-9-1985

(1) 1. Smt. Parvati 2. Smt. Ganga Dei 3. Smt. Chando.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Prem Nath.2. Shri Satish Kumar.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 11th September 1985

Ref. No. G.I.R. No. P-139 Acq.-Whereas, I, MRS. U. KANJILAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-fax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to us the 'sale' A.P.) have reason to believe that the immovas the sate A. I have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1.62.00.01- and bearing

Land situated at Vill. Manpur Narianpur, Dehat Linepar,

Distr Moradabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Sub-Regstrar

at Moradabad on January 1985

for an apparent conditional which is less than the fair market value of the property, and I have reason market volue of the Moresaid property, and I nave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the mansterer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; 2150 Ger
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

ITIE SCHEDULE

Land measuring 0.89 decimals situated at Villagepur Narianpur, Dehat Linepat, Pargana and District—Moradabad (as mentioned in 37G Form No. 800) registered by the Registering Authority, Moradabad, in January, 1985.

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-trax Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 11-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th September 1985

Ref. No. G.I.R. No. P-140|Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

Land situated at Village-Kharagpur Faridinagar, Distt. Lucknow

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar Sub-Registrar

Registrar at Lucknow in January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obibect ransfer with the object of :---

(a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitaing the concealment of any income or any nioneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Sh. Ram Adhar.

(Transferor)

(2) Prabhat Sahkari Avas Samiti Ltd., Lucknow.

(3) Vendor. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 10 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 52951 sq. ft. situated at Village—Kharag-pur Faridinagar, Pargana, Tchsil and District—Lucknow (as mentioned in 37G No. 10607) registered by the Registering Authority, Lucknow, on January, 1985.

MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the tollowing persons, namely :-

Date: 12-9-1985

(1) Shri Pratap Kishore Arora.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Parmanand Goswami

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th September 1985

Ref. No. GI.R. No. P-141 Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable represents beyond a fair market value averaging Be 1000001 property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and bearing No.

House situated at Prem Nagar Dharamkanta, Bareilly, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u|s 169-AB of the IT Act 1961 in the office of the Competent Authority

at Barcilly on January 1985 for a apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of he aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): House measuring 475 sq. yds. situated at Prem Nagar Dharimkanta, Barellly (as mentioned in 37G Form No. 10278) registered by the Registering Authority at Barelly on January, 1985.

THE SCHEDULE

MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-9-1985

FORM ITNS-

(1) Shri Ravindra Narain Sinha

(Transferor)

2. Shri Ram Sewak Gupta. 2.Shri Ram Sewak Gupta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th September 1985

Ref. No. G.I.R. No. R-252|Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-

and bearing
House No. 23|47|9|2 situated at Matiara Road Allahabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registar Sub-Registrar

at Allahabad on January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

House No. 23[47]9]2, measuring 376.32 sq. mrs. situated at Matiara Road, Allahabad (as mentioned in 37G Form No. 1897) registered by the Registering Authority. Allahabad on January, 1985.

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-9-1985

(1) 1. Shri Gopal Krishna 2. Shri Ram Gopal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Krishna Sahkari Avas Samiti Ltd. Gazipur Through its Secretary, Shri Anurudh Prasad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th September 1985

Ref. No. G.I.R. No. S-376|Acq.-Whereas, I, MRS. U. KANJILAL,

MRS. U. KANJILAL, being the Composition Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-and bearing No.

Land situated at Mauza—Sikanderpur Ghazipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incomestax Act 1961 in the Office of

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at Ghazipur on January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as gives fin that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 Bigha 9 Biswas and 7 Biswansi situated at Mauza—Sikanderpur, Ghazipur (as mentioned in 37G Form No. 75) registered by the Registering Authority, Ghazipur on January 1985.

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act to the following persons namely :-

Date: 12-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 13th September 1985

Ref. No. G.I.R. No. S-377 Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveble property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000, and bearing

House No. 6 situated at Sapru Marg, Lucknow

of transfer with the object of :-

(and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar Sub-Registrar

et Lucknow on January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

 M|s. Kikku Lal Trust. Through its Trustees, Shri Shiv Nandan Lal and Mrs. Saria Lal.
 (Transferor)

(2) Shri S. P. Dwivedi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 6, situated at Sapru Marg, Lucknow (as mentioned in 37G Form No. 11640) registered by the Registering Authority, Lucknow, on January, 1985.

MRS. U. KANJILAL
Competent Authority
Inspecting Amistrati Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 13-9-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Smt. Shovna Rana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Dhyan Singh, Secretary, Shalimar Garden, Ismailganj, Lucknow.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 13th September 1985

Ref. No. G.I.R. No. S-378 Acq.—Whereas, I

MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Land Khasra No. 128 situated at Village Kharagpur, Faridi-

nagar, District Lucknow (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar Sub-

at Lucknow on January. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respect persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or

> Land Khasra No. 128, measuring 9 Bigha situated Village Kharagpur Faridinegar, Pargana Tehril and District Lucknow (As mentioned in 37G Form No. 11079) registered by the Registering Authority, Lucknow, on January, 1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MRS. U. KANIILAL Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-9-1985

(1) Smt. Savitri Devi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Sailendra Kumar 2. Shri Subhash Chandra.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 13th September 1985

Ref. No. G.I.R. No. S-379 Acq.—Whereas, I,

Ref. No. G.I.R. No. S-3/9|Acq.—whereas, 1, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing A double storeyed house No. 6|9|203 situated at Mohalla Kothiwal Nagar Moradahad

Kothiwal Nagar, Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed kerete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar Sub-Registrar

at Moradabad on January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given ir that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed house No. 6|9|203 measuring 156.88 sq. mtrs. situated at Mohalla Kothiwal Nagar, Moradabad (as mentioned in 37G Form No. 755) registered by the Registering Authority, Moradabad on January, 1985.

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following rersons, namely !-- 81-276GI|85

Date: 13-9 1985

. ___

FORM ITNS-

(1) 1. Shri Chunni Lal, 2. Smt. Kamla Devi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Smt. Usha. 2. Smt. Chanchal Agarwal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 13th September 1985

Ref. No. G.I.R. No. U-44 Acq.—Whereas, I,

MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing No. House situated at Mohella Tabela, Moradabad

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar Sub-Registrar

at Moradabad on January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-tild exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument a transfer with the object of :—

- (a) facilitating the restriction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1951 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SHEDULE

House measuring 141.73 sq. mtrs. situated at Mohalla Tabela, Moradabad (as mentioned in 37G Form No. 611) registered by the Registering Authority, Moradabad, on January, 1985.

MRS, U. KANJILAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-9-1985

(1) Shri K. C. Bhattacharya.

(2) Smt. Uma Ghosh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 13th September 1985

Ref. No. G.I.R. No. U-45 Acq.—Whereas, I,

MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immova-ble property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Half portion of Premises No. 122 situated at Tagore Town,

Town. Allahabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar Sub-Registrar

at Allahabad on January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(2) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arming from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of premises No. 122, situated at Tagore Town, Allahabad (as mentioned in 37G Form No. 2149) registered by the Registering Authority, Allahabad, on January, 1985.

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the acrossid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-9-1985

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 249D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 13th September 1985

Ref. No. G.I.R. No. A-178 Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Land situated at Chuppepur Shivpur, Varanasi Mulund (W), Bombay,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Regisrar Sub-Registrar

at Varanasi on January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeby said exceeds the apparent consideration therefor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) M|s. Silk Mills, Maldaiya, Varanasi, Through Partners, Shri Raj Kumar Mehra & Others. (Transferor)
- (2) Secretray, Ajanta Sahkari Avas Samiti Ltd., Varanasi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a perior of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the public cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as givet in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 20 Biswa situated at Chuppepur Shivpur, Varanasi (as mentioned in 37G Form No. 127), registered by the Registering Authority, Varanasi on January, 1985.

MRS. U. KANJILAI. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-9-1985

FORM ITMS

(1) Smt. Indu Rani Agarwal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

Shri Behari Lal Chhabra,
 Smt. Shcela Rani.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 13th September 1985

Ref. No. G.I.R. No. B-133 Acq.—Whereas, I. MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'mid Act,) have resson to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Double storeyed building situated at Mohalla Idgah Road, Bagat Rustam Khani (Adarsh Nagar), Moradabad (and more fully described in the schedule annexed hereis), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar at Moradabad on 16-1-1985

for an apparent consideration which is uses than the fair mashet value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immervable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

A double storeyed building measuring 117.68 sq. mtrs. situated at Mohalla Idgahi Road, Bagat Rustam Khani (Adarsh Nagar), Moradabad, registered by the Registering Authority, Moradabad on 16-1-1985.

MRS. U. KANJII.AL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tan
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°P of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-9-1985

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 57. RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 13th September 1985

Ref. No. G.I.R. No. C-47|Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Land situated at Dewarkheda, Tehsil Bilari, Distt. Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer |Registrar|Sub-

Registrar

at Chandausi on January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Shri Ram,

Shri Mahi Lal,
 Shri Ramji Mal.

(Transferor)

(2) M|s. Chandausi Industrial Cooperative Estate Ltd., Chandausi, Moradabad, Through Chairman, Shri Kamlesh Chandra. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3.29 decimals situated at Dewarkheda, Tehsil Bilari, District Moradabad (as mentioned in 37G Form No. 156) registered by the Registering Authority, Chandausi, in January, 1985.

MRS. U. KANJILAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tar
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-9-1935

(1) Shri Vasdev Gurnani.

(Transferor)

(2) Shri Darshan Lal Katiyal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG,
LUCKNOW

Lucknow, the 13th September 1985

Ref. No. G.I.R. No. D-62|Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding

Ps. 1.00.000|- and bearing Single storeyed building No. 509|147 situated at Old Hyderabad, T.G. Civil Lines, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Lucknow on January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly seated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and far:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Weight-ra Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storeyed building No. 509|147 measuring 5870 sq. ft. situated at Old Hyderabad, T.G. Civil Lines, Lucknow (as mentioned in 37G Form No. 10703) registered by the Registering Authority, Jucknow, on January, 1985.

MRS. U. KANJILAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the laid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the tollowing cersons, namely:—

Date: 13-9-1985

FORM ITNS...

(1) Shri Pratap Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Harvindpal Singh, 2. Shri Rajendrapal Singh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG,
LUCKNOW

Lucknow, the 13th September 1985

Ref. No. G.I.R. No. H-58 Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAU,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and hearing No.

Land situated at Village Parsandi Pargana-Laharpur, District

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar Sub-Registrar

at Sitapur on January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. to respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesard property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Aut, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 15 Bigha 15 Biswa situated at Village Parsandi, Pargana-Laharpur, Tchsil and District Sitapur (as mentioned in 37G Form No. 545) registered by the Registering Authority, Sitapur on January, 1985.

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 13-9-1985

1. Shri Giriraj Saran,
 2. Shri Arvind Kumar,
 3. Shri Sanjiv Kumar;

Sanjiv Kumar: (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961) (2) 1. Shri Lakhvir Singh,2. Shri Sukhvir Singh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG,
LUCKNOW

Lucknow, the 13th September 1985

Ref. No. G.I.R. No. L-51 Acq.—Whereas, I. MRS. U. KANJILAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing No.

Land situated at Pasiyapur, Tehsil Kashipur, Nainital (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar Subregistrar

at Kashipur on January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or erasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 acres situated at Pasiyapur, Tehsil Kashipur, District Nainital (as mentioned in 37G Form No. 90) registered by the Registering Authority, Kashipur, on January, 1985.

MRS. U. KANILAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under extension (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

82-276GI|85

Date: 13-9-1985

FORM ITNS ----

(1) Shri Siaram Rastogl.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Name Ali,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION PANGE, 57, RAM TIRTH MARG. LUCKNOW

Lucknow, the 13th September 1985

Ref. No. G.I.R. No. N-97 Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJII At.,

being the Competent Anthority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (42 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000[- an.! bearing No.

A double storaged house situated at Adarsh Colony, Civil

Lines, Ramour

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar Sub-Registrar

at Rampur on January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such appearent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the porties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which haght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed house measuring 175 sq. yards situated at Adarsh Colony, Civil Lines, Rampur (as mentioned in 37G Form No. 333) registered by the Registering Authority, Rampur on January, 1985.

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Specion 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the usue of this notice under subsection (1) of Section 2691, of the said Act, to the follow ing persons, namely :---

Date: 13-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG,
LUCKNOW

Lucknow, the 13th September 1985

Ret. No. G.I.R. No. N-98|Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Land situated at Kashipur, Nainital

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar Sub-Registrar

at Kashipur on January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the exists of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which enging to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) 1. Shri Gur Dayal Singh,

- 2. Shri Bhagwan S'ngh,
- 3. Shri Shukdev Singh,
- 4. Shri Rajender Singh.

(Transferor)

(2) Shri Nanhe Singh.

(Transferce)

(3) Vendee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 acres 63 decimals situated at Kashipur, Nainital (as mentioned in 37G Form No. 155) registered by the Registering Authority, Kashipur, in January, 1985.

MRS. U. KANJILAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 13-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 13th September 1985

Ref. No. G.I.R. No. N-99 Acq. - Whereas, I, MRS. U. KANJILAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing A double storeyed house situated at Mauza-Mau Aima Town

Area, Tehsil-Soram Allahabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar Subat Soram on 25-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1. Shri Chhedi Lal,
 2. Shri Sukkhu,

3. Shri Mahangu.

(Transferor)

(2) 1. Shri Nurul Islam,
2. Shri Imtiaz Ahmad,
3. Shri Istiaq Ahmad,
4. Shri Mohd, Mustaq.

(Transferee)

(3) Vendors.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed house measuring 3836 sq. ft. situated at Mauza-Mau Aima Town Area, Pargana and Tehsil Soram, District Allahabad, registered by the Registering Authority, Soram, on 25-1-1985.

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Incometage Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isr of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons samely :--

Dato: 13-9-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Naubat Singh

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Prakash Tube Ltd., Kashipur, Moradabad Through Dy. Chief Executive, Shri Keshav Prasad Gupta.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Vendor

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Lucknow, the 13th September 1985

Ref. No. G.I.R. No. P-142 Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL,

bung the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovvable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Land situated at Mauza—Laxipur Patty, Teh. Kashipur, Distt.

Nainital

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar Sub-Registrar at

Kashipur in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than rufteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used berein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/of
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957);

THE SCHEDULB

Land measuring one acre situated at Mauza—Laxminur Patty, Tehsil—Kashipur, Distt. Nainital (as mentioned in 37G Form No. 6) registered by the Registering Authority, Kashipur, Distt. Nainital in January, 1985.

MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

riow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dato: 13-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNÓW.

Lucknow, the 13th September 1985

Ref. No. Gilik. No. P-143 Acq.—Whereas, I. Ref. No. GIRR. No. P-143/Acq.—Whereas, I,

MRS. U. KANJILAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the

inseme-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

as the 'said Act'), have reason to believe that the im
movable property having a fair market value exceeding

Re 1,00,000 and bearing

Land situated at Tanda Mallu, Ram Nagar, Nainital

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer/Registrar/Sub-

1908) in the Office of the Registering Officer Registrar Sub-Registrar at

Kashipur in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax "Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) I. Shri Vishnu Bhagwan

2. Shri Ram Kumar

3. Shri Ravi Kumar

4. Shri Vinay Kumar

(Transferor)

(2) 1. Shri Pradeep Kumar2. Shri Ashok Kumar

3, Shri Rakesh Kumar

(Transferee)

(3) Vendors

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 30 Bighas 15 Biswa situated at Tanda Mallu, Ram Nagar, Nainital (as mentioned in 37G Form No. 30) registered by the Registering Authority, Kashipur, in January, 1985.

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range, Lucknow

Date: 13-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW.

Lucknow, the 13th September 1985

Ref. No. G. I. R. No. P-144 Acq.-Whereas, I, MRS. U. KANJILAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

Land situated at Kawakpur, Tehsil-Kashipur, Dist. Nainital (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar Sub-

Registrar at Kashipur in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslith-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, so the following personi, namely :--

(1) 1. Smt. Harjinder Kaur 2. Shri Lakhvir Singh

3. Shri Sukhvir Singh

(Transferor)

(2) 1. Shri Pritam Singh

2. Shri Baghel Singh 3. Shri Satnam Singh

4. Shri Lakhvinder Singh

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a ported of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 9 acres 18 decimals situated at Kawakpur, Tehsil—Kashipur, Distt. Nainital (as mentioned in 37G Form No. 162) registered by the Registering Authority, Kashipur in January, 1985.

> MRS. U. KANJILAL Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow

Date: 13-9-1985

(1) Smt. Sugra Begum

(Transferor) (Transferce)

(2) Ms. R. P. Industries, Kichcha, Nainital

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW.

Lucknow, the 13th September 1985

Ref. No. G. I. R. No. R-2531 Acq.—Whereas, I.

MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000]- and bearing No.

Land situated at Villuge—Soneri, Kichcha, Nainital (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar Sub-Registrar at

Nainital in January 1985 tor an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Micen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /of
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1928 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of, 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 7779.75 sq. ft. situated at Village—Soneri, Kichcha, Nainital (as mentioned in 37G Form No. 212) registered by the Registering Authority, Nainital on January, 1985.

MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, he purchance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection '1) of Section 269D of the said Act, to the following persons pamely:—

Date : 13-9-1985

Seel :

FORM ITNS ---

(1) Shri Purshottam Lal

(3) Vendor

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Raghuvir Singh . Shri Iqbat Singh 3. Shri Kashmir Singh

(Tran ferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW.

Lucknow, the 13th September 1985

Ref. No. G. I. R. No. R-254 Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Land situated at Village Manpur, Tchsil Kashipur, Distt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar Sub-Registrar at

Kashipur in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair Imarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferou for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-83-276GI 85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 7 acres 57 decimals situated at Village Manpur, Tehsil Kashipur, Distt. Nainital (as mentioned in 37G Form No. 44) registered by the Registering Authority, Kashipur, on January, 1985.

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Incom-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 13-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW.

Lucknow, the 13th September 1985

Ref. No. G. I. R. No. R-255 Acq.—Whereas, L. MRS. U. KANJILAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No.
Land situated at Mohalla Wazirbagh, Lucknow
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar Sub-Registrar at

Lucknow in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coansideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay eax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of he aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) 1. Shri Mazhar Iktada Khan

2. Smt. Naheed Mansoor

3. Smt. Khaleed Mansoor 4. Smt. Ruksana Khan

. Shri Rafiguzaman Khan

(2) Raj Sahkari Grih Nirman Samiti, Lucknow.

(because in occupation of the property)

(3) Vendors

(Transferor) (Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Objections, if any, to the acquisition of the said property -: bouganobau out of gaithry at obser, od yara -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said EXPLANATION :-Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 17 Bighas 4 Biswa 4 Biswansi and 17 Kachwansi situated at Mohalla Wazirbagh, Lucknow (as mentioned in 37G Form No. 10708) registered by the Registering Authority, Lucknow on January, 1985.

> MRS. U. KANJILAI. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 13-9-1985

Seal ;

(1) Shri Bharat Bhushan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shivalik Oils and Poods, Kiratpur, Nainital (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW.

Lucknow, the 13th September 1985

Ref. No. G. I. R. No. S-380 Acq .-- Whereas, I, Ref. No. G. I. R. No. S-380/Acq.—Whereas, I. MRS. U. KANJILAL, being the Competent: Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land situated at Kiratpur, Rudrapur, Distt. Nainital (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registrating Officer/Registrar/Sub-

1908) in the Office of the Registering Officer Registrar Sub-Registrar at

Haldwani on January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; rollers

(b) facilitating the concentrant or any income or any moneys or other easets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this natice in the Official Gazotte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, over period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 19 Bigha 4 Biswa situtaed at Kiratput, Rudrapur, Distt. Nainital (as mentioned in 37G Form No. 50) registered by the Registering Authority, Haldwani, Nainital on January, 1985.

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-9-1935

Seal ·

(1) 1. Shri Bachan Singh 2. Shri Sarmuk Singh

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIETH MARG, LUCKNOW.

Lucknow, the 13th September 1985

G. J. R. No. V-84 Acq.—Whereas, I,

MRS. U. KANJILAI., being the Competent Authority under Section 269B of the Incomptax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'stad Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. Land situated at Ram Nagar, Distt. Nainital (and structed in the Schedul, approach banets).

(and nore fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar Sub-Regist ar at

Kashi, ur in January, 1985

for a apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tix Act, 1922 (11 of 1922) or the soid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, thereby in thate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this rotice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons, namely:--

(2) 1. Shri Vishnu Bhagawan

2. Shri Ravi Kumar 3. Shri Vinay Kumar

(Transferce)

(3) Vendors

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 39 Bighas 12 Biswa situated at Ram Nagar, Distt. Nainital (as mentioned in 37G Form No. 212) registered by the Registering Authority, Kashipur, on January, 1985.

> MRS. U. KANJILAL Competent_ Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 13-9-1985

(1) Shri Abdul Hai Khan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Onkar Prasad

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW.

Lucknow, the 13th September 1985

Ref. No. G. I. R. No. O-17 Acq.—Whereas, I, MRS. U. KANJILAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immer-

Rs. 1,00,000]—and bearing
House No. 6 situated at Minto Road, Allahabad
(and riore fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar Sub-Registrar at

Allaha and on January, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such appa ent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(3) Vendee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understanced:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Incomptax Act, 1 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 6, measuring 373 sq. yards, situated at Minto Road, All habad, registered by the Registering Authority, Allahabad, on January, 1985.

> MRS. U. KANJILAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 13-2-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-JI, MADRAS -600 006

Madras-600006, the 10th September 1985

Ref. No. 17 Jan. 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

No. 59, Nelson Manicka Mudaliar Road, situated at Madra; (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreements is egistered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-1-1985 Kodambakkam Doc. No. 154|85 on Jan. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 289C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesail property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

(1) Sri V. Kameswaran, No. 59, Nelson Manicka Mudaliar Road, Aminjikarai, Madras-29.

(Transferor)

(2) Mr. P. Damodaran, 175, Royapettah High Road, Madras-4. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this sotice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 59 Nelson Manicka Mudaliar Road, Aminjikarai Madras-29.

154 85 SRO Kodambakkanı.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Lecome-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Mate : 10-9-1985

FORM ITNS -----

(1) K. Vasantha and S. Ramanujam, 14, Periyar Nagar, Thiruvottiyur, Madras 19

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Dr. S. Mahalingam, 49, West Kalmandapam Road, Madras-13.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 10th September 1985

Ref. No. 23 Jan. 85.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,600]and bearing

No. 14, Periyai Nagar, situated at Tiruvotiyur Madras-19 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been (ansferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar Sub-

Registrar at

Thiruvottiyur Doc. No 61/85 on Jan. 1985 for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any incoms arising from the transfer; and/or
- (b) racilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wenith-har Act. 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pullication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein * are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 14, Periyar Nagar, Thiruvottiyur Madrer-19.

(Thiruvottiyu Doc. No. 61/85.)

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sast Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 10-9-1985

FORM I'INS-

NOTICE UND9R SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 10th September 1985

Ref. No. 24 Jan. 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (he einafter referred to as the 'said Act'), have reason to be ieve that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-and bearing No.

New No. 7 Barnaby Avenue, situated at Barnaby Road,

Kilpauk Madras-10

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar Sub-Registrar at

Purusawalkam Doc. No. 42|85 in Jan. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (i1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

 Mr. N. K. Vinayakam, New No. 7, Barnaby Avenue, Barnaby Road, Kilpauk Madras-10.

(Transferor)

(2) Mr. V. S. Shah, 207, Block 'C' 'Swapna Lock', 60, Rundals Road, Vepary Madras-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

«CHEDI п п

Land and Building at No. 7, Barnaby Avenue, Barr Road, Kilpauk, Madras-10.

(Purusawalakam Doc. No. 42|85)

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006-7

Date : 10-9-1985

Scal ;

2000

FORM ITNS .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Dr. N. Sabapathy, I-4, Adayar Apartments, Kotturpuram, Madras-85.

(Transferor)

(2) Sri S. Shanmugasundaram, 8|5, CPWD Quarters, K. K. Nagar, Madras-78.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 10th September 1985

Ref. No. 36|Jan. 85.—Whereas, f, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000|- and bearing

S. No. 257 Part situated at Virugambakkam Village Madras (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under

section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Virugambakkam, Doc. No. 114|85 on Jan. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excelleds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and Building at K. K. Nagar, Mulras-78 in Virugambakkam village, Madras.

(Virugambakka Village Doc. No. 114/85).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-U Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said 9ct, to the following persons, namely :-84-276GI R 5

Date: 10-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 9th September 1985

Ref. No. 42|Jan. 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and T.S. No. 10|828|1 D. No. 78 situated at Sowripalayam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore Doc. No. 313|85 on Jan. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Sri A. L. Jayalakashmi, So A. G. Leclakrishnan, Thiruvengadaswamy Road, R. S. Puram, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Sri S. Murugesan, So Subbiah, 78, Krishnasamy Nagar Ramanathapuram, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein we are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income brising from the transfer; and/or
- (b' facilitating the concesiment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and Building T. S. No. 10|828|1 D. No. 78 Swaripalavam.

Coimbatore Doc. No. 313|85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 10th September 1985

Ref. No. 45 Jan. 85.—Wheeras, 1, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. S. No. 672 situated at Coonoor Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1968) in the office of the Registering Officer at Coonoor Doc. No. 55 85 on Jan 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of gansfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wonlin-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely,:—

 Sri A. Achutha Menon and others rep. by their Power Agent Sri A Balakrishna Menon, 49, 5th Street Gandhipuram, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Sri Kundahlal Suri, 'Kismet', Appleby Road, Coonoor Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this action in the Official Gazette or a period of 30 days from the saryies of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said unanswable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genetic.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the sain Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Coonoor Village S. No. 672 ((COONOOR DOC. No. 55|85)

MRS M. SAMUEL.
Competent Authority
Impecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madrus-600 006

Date: 10-9-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006,

Madras, the 10th September 1985

Ref. No. 51|Jan. 85.—Whereas, 1,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immerable
property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/and bearing
S. F. No. 292 situated at Sanganoor Coimbatere T.K.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Gaedhipuram Doc. No. 297.85 on Jan., 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforefifteen per cent of such apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Incorrectan Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ham Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the mid-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afores aid property by the issue of this totice under subsection (1) of Section 269D of the said Ac; to the following persons, namely:—

 Smt. D. Renuka, Wo Dhandapani,
 S.R.P. Nagar Combatore Town,

(Transferor)

Smt. T. Suseela,
 Wlo A. Devaraj,
 Renganathan Layout
 Saibab Colony,
 Coimbatore-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in the Chapter,

THE SCHEDULE

Land and Building at Sanganoer Coimbatore T.K. (GANDHIPURAM DOC No. 297|85).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-lax Acquisition Range-II Madras

Date: 10-9-1985,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IJ. MADRAS-600 006,

Madras, the 10th September 1985

Ref. No. 52|Jan. 85.-Whereas I

MRS M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and braining No.
T. S. No. 249|3 Vannanthurai Road situated at Pollachi

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pollachi Doc. No. 90|85 on Jan 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consiceration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:— 100—266 G185

Srat. Saraswathy, Wo B. Subramaniam, Kotuu Road, Pollachi.

(Transferor)

Sri K. Somadundaram, So Kandaswamy Chettair, 70 Palaniappa gounder street, Pollachi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (b) by any any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and Building T.S. No. 249|3, Vannanthurai Pollachi. (POLI ACHI DOC No. 90/85).

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tack Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 10-1-1985.

FORM NO. LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ADSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006.

Madras, the 9th September 1°85

Ref. No. 66 Jan'85 .- Whereas, I, MRS M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Sect on 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herematter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1.00.000/and bearing No.

T. S. wards No 31 Mahalinga Puram Colony, situated at Elango Street, Pollachi

(and more fully described in the schedule invested length). has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at POLIACHI DOC No. 16|85 on Jan. 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have cason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trunsfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of an income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incone-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Sri D. Jothi pragasam. Slo Duraisamy Chettiar, Peria Negamam. Pollachi Taluk.

(Transferor)

(2) Sri Kumaraswamy, Kee!aThaliyur, Arava Kurichi Karur Taluk, Trichy Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 4.5 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

l and and Bulding at Pollachi Town T. S. No. 31 Mahalingapuram colony, Flango Street, Pollachi Pollachi Doc. No. 16[85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for he equisition of the aforesaid property by the issue of this ratice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:--

Date : 9-9-1985

(1) Sri Muchu Krishnavel Mayuth apatty village Coimbatore Taluk (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) So E. ... Abdul Shakoor and others 1512 Hard cross cut road Pathypark Coimbatore Town-43.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006.

Madras, the 10th September 1985

Ref. No. 70|Ian. 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing

No. 78, 79, 87 situated at Mayuthampatty village Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimb tone 1700 No. 6 85 on Jan., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reasen to believe that the fair market value of the property as aforesaid excelleds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the solvice of notice on the respective persons which yer period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: ... The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agricultural land at Manuthampatty village Coimbatore T.K. (COIMBATORE DOC NO. 6|85.)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MRS M. SAMUFL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-III, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date 10-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 9th September 1985

Refs No. 76 Jan, 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that he immovable property having a fair market value exceeding. Rs. 1,00,000; and bearing No.

D. No. 64 (Old No. 90), Habibullah situated at Road T. being the Competent

Nagar Mad. as-17

(and more sully described in the Schodule annexed hereto), has been transierred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Naza: DOC. No. 47/85 on Jan. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Srirangemmal and Others. No. 64. Habibullah Road, Madras-17.

(Transferor)

(2) M|s Aarti Exports rep. by its sole proprietor Sri J. K. Rameshchander 21, Pulla Avenue, Shenoy Nagar, Madras-20. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at D. No. 64 (Old No. 90) Habibullah Road, T. Nagar, Madras-17. (T. Nagar DOC, No. 47|85)

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 9-9-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th September 1985

Ref. No. 77|Jan. 85.--Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. Block No. 108A T. S. No. 4752|9, 4753|21 of T. Nagar Village 29, HI lane Ist Bharathy Nagar MDS (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I. Magar, Madius Doc. No. 86|85 on January 1985 to, an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-scient (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—85—276GI|85

(1) Sri V. S. Krishnamurthy, 29, III Lane 1 Street, Bharathy Nagar, Madras-17.

(Transferor)

(2) Sri C. S. Vishu Chittar, 5, Thambu Naicken Street, Madras-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires latery
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Charette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Ac shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Bldg. Block No. 108A, T.S. No. 4752[9, 29. III Lane 1st Bharathi Nagar, Madras-17 Doc. No. 86[85]T Nagar.

MRS. M. SAMUEI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 000

Date: 10-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th September 1985

Ref. No. 82|Jan. 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) being the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing D. No. 4, S. No. 904 Rs-S. No. 1278 West Cott Road,

Pudupakkam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Triplicane Doc. No. 2|85 on Jan. 1985

Triplicane Doc. No. 285 on Jan. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer:
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-ing persons namely:— Anand Kalyanpur, Sanjay Chambers, Ground Floor, No. 316, Vithal Bhaipatel Road, Bombay-4.

(Transferor)

 Mr. A. K. Abdullah and Others, No. 277, Kuthuchal Street, Kayalpatnam.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Pudupakkam D. No. 4, West Cott Road, Madras.

(Triplicane Doc. No. 2|85),

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 19-9-1985

(1) Sri S. Mahadeven, 5, Kuppuswamy Street, T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri M. Kannan and others, 148 Pattamangala Street, Mayeladuthurai, Thanjavur District.

Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th September 1985

Ref. No. 99|Jan. 85.—Whereas, I, MRS, M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing D. No. 2A Soundarajan St., situated at T. Nagar, Madias-

17

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908, (16

has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar Doc. No. 8|85 in Jan., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more there of the property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of fransfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

and the contract of the contra

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building No. 2A Plot No. 32(part) S. No. 19| 1418|part Block No. 132 T. S. No. 5935 and 5936 in Soundarajan Street, T. Nagar, Madras.

(T. Nagar Doc. No. 8|85).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 10-a-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONLR OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 10th September 1985

Ref. No. 110/Jan'85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. 145, Shootium Nilangaraj Village situated at Saidapet Taluk, Chingleput Dist. has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adayar Doc. No. 104[85 in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sri A. Kandasamy, Senguntha Pilliyar Koil Veedhi, Vennadoor, Salem District.

(Transferor)

(2) Sri M. P. Premraj, 19, 10th Avenue, Ashok Nagar, Madras-83.

(Transferes)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within forty five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building site S. No. 91/2A Plot No. 391 in 145, Shrotium Nilangaraj Village Saidapet T.K. Chingelput District.

(Adayar Doc. No. 104/85)

MRS. M. SAMUEI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice uder sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 10-9-1985

- - <u>- - -</u> - - -

FORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

AX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 10th September 1985

Ref. No. 118/Jan.'85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, teing the Competent Authority under Section 269 B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding 1,00,000|- and bearing T.S. No. 13/253 part Urur Village Saidapet T.K. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adayar Doc. No. 63/85 in January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) factifithing the reduction or evasion of the imbility of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this price under subsection (1) of Section 269D of the said Aci, to the following persons, namely:—

(1) Shree Padmanabha Dase Rama, Varma Former Ruler of Travancore Kaudiyar Palace, Trivandrum, Kerala State.

(Transferor)

(2) Ponnavolu Bujjamma &D. Sureka Reddy,18, Bishop Wallers Avenue,Mylapore, Madras-4

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the taid property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sain Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land at Urur village Saidapet Taluk Madras Old Survey No. 57/1, Now bearing T.S. No. 13/253 part Block 21.

(Adayar Doc. No. 63/85)

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Date: 10-9-1985

 Shree Padmanabha Dasa Rama Varma, S/o Ravivarma Kochukoil Thamburan, Former Maharaja of Travancore, Kaudiyar Palace, Trivandrum, Kerala Sate.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s. Ramalayam Hospitals P. Ltd., 41, Eleventh Street, Tatabad, Coimbatore-12.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 10th September 1985

Ref. No. 119/Jan.'85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

S. No. 57|1 now bearing No. T.S. 13|253 situated at Urur Village Saidapet Taluk, Madras

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Adayar Doc. No. 64|85 in January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. The of 1922 con the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Survey No. 57/1, now bearing T.S. No. 13/253 Part block 21 at Urur Village Saidapet T.K. Madras.

(Adayar Doc. No. 64|85)

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600006

wing Date: 10-9-1985 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

N'/) TICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 10th September 1985

Ref. No. 131 Jan. 85.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 145 Neelangarai Village situated at Saidapet T.K. Chingleput Dist,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South Doc. No. 166|85 in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) M/s. Skylord Tape Recorders Rep. by its Managing Partner M. Krishna, S. No. 137 Chamiers Road, Nandanam, Madras-35.

(Transferce)

(2) M|s. Harts Cocoa Products Pvt. Ltd., Rep. by its Directors— V. G. M. Narasimhulu, 5B A. R. K. Colony, Alwarpet, Madras-18 and Sri P. Velayutha Rajha, No. 7, Seetha Extension, 3rd Cross Street, Teynampet, Madras-18.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land at Neelangarai Village Saidapet Taluk Chingleput Dist. S. No 82/2.

(Madras South Doc. No. 166/85)

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 10-9-1985

with the object of '-

FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 10th September 1985

Ref. No. 100/Jan.85.—Whereas, 1, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Am') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing T.S. No. 8841 R.S. No. 162 situated at Block No. 129 Madley II Street, T. Nagar, Madras-17 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar Doc. No. 20[85 in January, 1985 tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Ast, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any access or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. K. N. Subhlakshmi Ammal, 16, Madle II Street, T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

(2) Church of South India Trust Association, Power agents Sri S. C. Dharmaraj and G. W. Deveanbu, Cathedral Road, Madras-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetta or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

REPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Jand and building T.S. No. 8841 D. No. 16, Madley II Street, T. Nagar, Madras-17.
(T. Nagar Doc. No. 20/85)

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisituon Range-II,
Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Sri W. S. Ramadoss and others, 73, Arimuthu Maistry Street, Choolai, Madras-112.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

 (2) M/s. Prushotham Construction Corporation, Rep. by its Managing Partner Sri M. Purushotham,
 63|1, Second Main Road Gandhinager, Madras-20.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600006

Madras-600006, the 10th September 1985

Ref. No. 132/Jan.85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 53 (Old No. 28) Perumal situated at Koil Street, Kottur, Madras-85 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South Doc. No. 216/85 on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitaing the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which bught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Land and Building No. 53 Perumal Koil Street, Kottur Madras-85.

(Madras South Doc. No. 216|85)

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C or the und Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-9-1985

Seal:

86---276G1|85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th September 1985

Ref. No. 153 Jan.85 R.H.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No.

Property as specified in schedule situated at to Doc. No. 26|85 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Sathyamangalam Doc. No. 26|85 in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Perianagayan,
Slo Sri Nadurajanayakar, and another
Kallipatti, Sadhumugai, Sathyamangalam.
(Transferor)

(2) Sri Rajan and others, Kallipatti, Chadumugai, Sathyamangalam. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: Property as specified in schedule to Doc. No. 26|85 Sathyamangalam|Doc. No. 26|85.

MRI M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 10-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th September 1985

Ref. No. 71 Jan. 85 R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. 553, Karuppanagounder Colony Lay out, situated at Telungupalayam Village, Coimbatore Taluk, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore | Doc. No. 21 | 85 in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the Mability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri S. Balasubramaniam, and others, By Power agent, Sri N. Sundaram, 5|7, Vellamadai Village, Kalipalayam, Coimbatore.

Fransferor)

(2) Sri S. Ravindran and S. Vivekanandan, W|o Smt. V. Srirangam, D. No. 38, Venkataramana Road, R.S. Puram, Coimbatore Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Land: 553, Karuppannagounder Colony Lay out, Telungupalayam Village, Coimbatore Talu.

(Coimbatore Doc. No. 21|85).

MRI M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madrus-600 006

Date: 10-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IJ MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th September 1985

Ref. No. 80 Jan. 85 .- Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have remean to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing

S. No. 34 New S. No. 8142 situated at Krishnabai Street, T. Nagar Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 T. Nagar Doc. No. 93|85 in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair which is less than the fair market value of the aforesaid proparty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in customs of any income tricing from the transfer; **wii/is**
- (b) inciting the concentrates of any income or any meneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 et 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-secion (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Sri G. B. Eswaran, 27, Tilak Street, T. Nagar Madras-17.

(Transferor)

(2) Sri J. V. D. S. S. Sastry Ganga Nagar,
 Kodambakkam Madras-24.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforemid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land S. No. 8142 Krishnabai Street, T. Nagar Madras-17.

(T. Nagar, Doc. No. 93/85).

MRI M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 10-9-1985

FORM I.T.N.S. 187--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (42 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMER-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th September 1985

Rcf. No. 46|Jan.85|R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section:

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. T.S. No. 62 & 63, Ward II Door No. 33 situated at Chingleput Town

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chingleput Doc. No. 102 | 85 in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with his object of :—

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1967);

Now, therefore, in pursuance of Section 269© of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri S. Sankaran, So Sri K. Subramania Iyer, No. 66, Kailasanathar Koil St., Peruanatham, Chingleput.

(Transferor)

(2) Sri E. Narusimhan, Sjo Elumalaichettiar, 132, Kadumapakkam Th,rupporur Sub district, Chingleput District. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in chapter.

THE SCHEDULE

Land. T.S. No. 62 and 63, Door No. 33, Ward No. II, Chingleput Town.

(Doc. No. 102/85/Chingleput).

MRI M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 10-9-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th September 1985

Ref. No. 58 Jan. 85 R-II. - Whereas, I. MRS. M. SAMUEL,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing
No. 13, Kamaraj Road situated at Tiruppur Town, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tiruppur Town|Doc. No. 78|85 in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. Jayalakslmi, Wo Sri Balasubramaniam, Thiruppur Town, Kangayampalayam Pudur.

(Transferor)

(2) Thiruppur Milk Dairy, Partners: Srl A. P. Marappan and others, Thiruppur,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this action in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: -Ward No. 19 (Old), New Ward No. 29, Kamaraj Road, Thiruppur Town.

(Tiruppur Doc. No. 78 85).

MRS, M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 10-9-1985

Proceedings of the Process of the Conference of

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 10th September 1985

Ref. No. 22|Jan. 85.—Whereas, I. MISS M. SAMUEL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No.
No. D. No. 92 Murugappa Nagar situated at Eranavoor Saidapet Taluk.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the schedule antexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thiruvotiyur Doc. No. 69|85 in Jan., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. R. M. Valliammai Wlo K. T. Ramaswamy, Aladi Road, Vridachalam.

(Transferor) (2) Sri R. Ravichandran,

Slo Raju Iyer, 59|27, New Town Manali, Madras-68.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and building D. No. 92 Murugappa Nagar Eranavoor Saidapet Taluk. (Thiruvottiyur Doc. No. 69|85).

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 10-9-1985

(1) Mr. V. Nagendran, 9, C. V. Koil Street, Madras-600087.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. K. Ramu. 92, Dasarotha Naidu Street, Madras-600 092.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 10th September 1985

Ref. No. 33 Jan. 85 .- Whereas, 1, MRS, M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. S. No. 116|2 Valasarawakkam situated at D. No. 9, C. V. Koil Street, Madras-87 (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Virugambakkam Doc. No. 43/85 on Jan 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such appearont consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at S. No. 116]2 of Valasarwakkam (Virugambakkam Doc. No. 43]85).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Il, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-9-1985

(1) Dr. T. S. Raghavan, and others, 25. Ranganathan Street, Madras-17. Sri R. Nandakumar and another, store link avenue. Raja annamalaipuram Madras-28.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Anraj Ustates P. Ltd. 135, Triplicane High Road, Madras-5.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS Madras-600 006, the 10th September 1985

Ref. No. 6[85 Jan. 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,0000]- and bearing No. New No. 25 (Old No. 28), situated at Ranganathan Street, T. Nagar Madras-17 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doc. Nos. 268 & 269) in Jan. 1985

at Madras North (Doc. Nos. 268 & 269) in Jan. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

Land and Building at 24, 25 Rangenathan Street, T. Nagar Madias-17 (Madias North Doc No. 268 & 269).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely .-

Date: 10-9 1985

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri A. Sekar, 9, Railway Station Road. Kodambakkam Madras.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri K. A. Mohamed Noonullah, 12, Velayudham Street, Madras-1.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later.

Gazette.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

(b) by any other person interested in the said immov-

able property, within 45 days from the date of

the publication of this notice in the Official

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons

(Transfare)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 10th September 1985

Ref. No. 9 Jan. 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 9, Railway Station Road, situated at Kodambakkam

Madras

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Kodambakkam Doc. No. 44|85 on Jan. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

EXPLANATION:—The terms and expressions used here as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 9, Railway Station Road, Kodambakkam Madras. (Kodambakkam Doc. No. 47|85)

(b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :~

Date: 10-9-1985

FORM ITNS ...-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 10th September 1985

Ref. No. 3 Jan. 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason believe that the immovable property having a fair graphet unless that the immovable of the content of the conte property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
No. T.S. No. 8043|5 (part) situated at Premises No. 20
Thirumalai Pillai Road, T. Nagar Madras
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North Doc. No. 234[85 on Jan. 1985] for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid the constant of the property as aforesaid that the fair market value of the property as aforesaid the constant of the property as aforesaid the property as a foresaid the property as aforesaid the property as a foresaid the property a exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfers
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sri K. Gurumorthy, Flat B-5, Industrial Assurance Buildings Fort, Bombaty-400 029.

(Transferor)

(2) Sri B. Kalyanasundram, 20, Krishnarao Naidu Street, T. Nagar Madras-17.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the restant pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land plot in premises No. 20, Thirumolai Pillai Road T. Saya Madras 17. (Madras North Doc No. "234[85").

MRS. M. SAMULL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras

and 10-9-1985 Seal:

FORM ITNE

 Smt. B. Vijayalakshmi & S. Bhaskar
 Gangaiamman Colony Vadapalani, Madras-26.

12, 6th street, Gopalapuram

(2) MIC International,

Madras-86.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-603 006, the 10th September 1985

Rcf. No. 5 Jan. 85.- Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herekunfter referred to us the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

and bearing

No. T.S. No. 34 in Block No. 4
situated at Puliyur V. Hage Vadapalani, Madras
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Office;
at Macras North Doc. No. 244/85 on Jan 1985
for an apparant consideration which is less than the faor
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparant consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the partics has not been truly stated in the said instrument of trans-

fer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conc liment of any income or any maneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by it a transferse for the purposes of the Indian Incom tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-eax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter AXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building D. No. 7, Gangaiamman Colony Vadapelani Madr.s T.S. No. 34 in block No. 4, Puliyur Village (Madras North Doc No. 244|85).

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesard property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-9-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 11th September 1985

Ref. No. 1 Jan. 85.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. New No. 12, Siyali Amman Koil situated at Street, Mount Road, Madras-2 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

1908) in the office of the Registering Officer at Madras North Doc. No. 136|85 on Jan. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cert of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(s) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa d property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Sri Krishnan and another 66, Siyali Amman Koil Street, Mount Road, Madras-2.

(Transferor)

(2) Mrs. P. K. M. Gulabarjam Bibi, 20, Tippu Sahib Street, Mount Road, Madras-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SHEDULE

Land and Building No. 12. Siyali Amman Koil Street, Madras-2. (Madras North Doc No. 136|85).

MRS. M. SAMUEL
Competer t Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras

Date: 11-9-85

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Jambulingaru, Cenotaph Road, Teynampet, Madras.

(2) Shri S. Deverajan and Mrs. Indrani,

105. Lloyds Road, Madras-14.

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-U, MADRAS-600 006

Madras, the 11th September 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ref. No. 4 Jan. 85.- - Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. R.S. No. 3847 [24 Part situated at Canatoph, Block No. 76 Teynampet, Madius (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Madras North Doc. No. 237 & 238 85 in Jan. 1985, for an apparent consideration which is less than the fair

- for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 day, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respect ve persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Viewet Leef at R.S. No. 3847[24 Teynamor, Madras. (Madr. North Doc. No. 237 & 238[85].

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MRS M SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisinou Range II Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforess id property by the issue of this natice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

ට හැ : 11**-**9-1985

 $Seal \Rightarrow$

FORM ITNS- ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS 600 006

Madras, the 11th September 1985

Ref. No. 14|Jan. 85.—Whereas, I. MRS M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to es the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs [1.00,000]- and bearing No.

T.S. 59 Pulivur Village situated at Kodambakkam, Madras (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Register ng Officer at Kodambalkam Doc No. 121/85 in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to and that the consideration for such transfer as agreed to the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

7 4 1.000(100 (1990) 1 (1) Shri C. G Shanmugha Sundaram, 12, Pasumarthy Street, Kodambakkam, Madras-24.

(Transferor)

(2) Smt. Rajalakshmi, 15, Venkatuchala Naicken Street, Madras-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Puliyur village Kodambakkam Doc-No. 121[85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-500 006,

Date: 11-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 11th September 1985

Ref. No. 60 Jan. 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 260B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 - and bearing No. Murugapalayam situated at 'Felungapalayam T.S. No. 441 &

442 1-11-1

(and more fully described in the Schedule annexed house) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

nas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tiruppur Doc. Nos. 17, 18, 19 & 20 in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealti-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Thayai Ammal, Murugampalayam, Tiruppur Town.

(Transferor)

(2) Shri A. Palaniswamy,
14-G (2) P. N. Road,
Tirupur Town,
Smt. P. Vimala,
14-G(2) P. N. Road, Tiruppur Town.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaustie.

Expranation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Murugapalavam Tulungupalayam, T \$. No. 441 & 442|1|11|1, (Tiruppur, Doc. Nos. 17, 18, 19 & 20|85).

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006,

Date: 11-9-1985

The state of the s

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 11th September 1985

Ref. No. 68 Jan. 35.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competer: Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair marker value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.
T.S. No. 94|1 part, situated at D. No. R. 16. Kovaipudur Computare-42

Coimbatore-42

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore, Doc. No. 255[85 in January, 1985]

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than-diffeon per cent of such apparent consideration and that the education for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the th of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the trans

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiat, proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namedy:— 88-276GI]85

(1) Shri T. S. Krishnan, R-16, Kovaipudur, Coimbatore-42.

(Transferor)

(2) Shri P. G. Mathew. by power of attorney, Shri P. George Mathew, R-28, E. Kovaipudur, Coimbatore-42.

(Transferee)

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the seme meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building T.S. No. 94|1 part D. No. R-16 in Koyaipudur, Coimbatore-42, Sudakkamurthur village. (Coimbatore Doc. No. 255|85).

MRS. M. SAMUFL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 11-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 11th September 1985

Ref. No. 107 Jan. 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

39. Bharathidasan Road, situated at Thynampet, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central Doc. No. 58 & 59/85 in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than said exceeds the apparent consideration therefor by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, theretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Stction 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri M. Elango and others. 18|30, Block C.P.W.D. quarters, K. K. Nagar, Madras-78

(Transferor)

(2) Shri S. Selvaraj, Bharathidasan Road, Madras-600 018. · (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building No. 39, Bharathidasan Road, Teynampet, Madras.

(Madras Central, Doc. No 58 & 59|85).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 11-9-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 11th September 1985

Ref. No. 109|Jan. 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 20, Second 'Main Road, situated at Gandhinagar Adayar,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Adayar, Doc. No. 70|85 in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri N. R. Surendra and others, 20, Second Main Road, Gandhi Nagar, Adayar, Madras-20.

(Transferor)

(2) Shri T. R Srinivasan, Collector's Bungalow, Kancheepuram-631 501, Tamil Nadu.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaining as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building No. 20, Second Main Road, Gandhingar, Madras-20. (Adayar, Doc. No. 70/85).

M. SAMUFL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tua Acquisition Range-II, Madras--600 006.

Date: 11-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 11th September 1985

Ref. No. 115 Jan. 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000-| and bearing No. T.S. 23|253 part block 21 situated at Urur Village Saidapet, T. K. Madras

T. K. Madras (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adayar, Doc, No. 57/85 in January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Shree Padmanabha Dasa Rama Varma, Former Maharaja of Travancore, Kaudiyar Palace, Trivandrum.

(Transferor)

(2) Shri K. P. Kandaswamy, 45, Fourth Main Road, Raja Annamalaipuram, Madras-600 028.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used hearin as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Urur Village Saidapet Taluk, T.S. No. 13|253, part Block No. 21. (Adayar, Doc. No. 57/85)

(Adayar Doc. No. 57|85).

M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asatt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras--600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subweetion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-9-1985

FORM J.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 11th Sepember 1985

Ref. No. 116 Jan. 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1901 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-| and bearing No. T.S. No. 13[253 part block 21 situated at Urur Village Saida-

pet Taluk, Madras (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adayar, Doc. No. 58/85 in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the far market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afcresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfet as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evenion of the Validity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any enoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the infin Income-tax set. 1722 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1967 (27 of 1957);

- (1) Shri Padmanabha Dasa Varma Former Ruler of Travancore, Kaudiyar Palace, Trivandrum, Kerala State.
 - (Transferor)
- (2) Sri R. Vceramani, No. 8, Second Street, Ganpathy Colony, Gopalapuram, Madras 86.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Utur Village Saidapet Taluk, Madras, (Adayar, Doc. No. 58[85).

> M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometan Acquisition Range II, Madras--600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 11-9-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 11th September 1985

Ref. No. 162|Jan. 85.—Whereas, I, MR3. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

S. No. 684, 691|1 692|2 688 situated at Damal Village, Chinglepet (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Revisitation Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Damal, Doc. Nos. 41 to 44|85 in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said fastrument of transfer with object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sri Chinnaswamy, No. 1, Damal Village, Chinglepet.

(Transferor)

(2) Sri P. Rajendran and others, No. 1, Damal Village, Chinglepet.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land at Damal Village S. No. 684, 691]1, 691[2 & 688, (Damal, Doc. Nos. 41 to 44]85).

M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 11-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ASSISTANT COMMIS-OFFICE OF THE INSPECTING SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 10th September 1985

Ref. No. 26 Jan. 85 R.H.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-1 and bearing No. 25, Vallam Bangaru Chetty Street, situated at Purasawalkam,

Madtas-7

transfer with the object of .--

Madtas-7 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purasawalkam Doc. No. 117 of Jan. 85 in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said intruspent of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Sri C. Murugesan, 14. Kutti Chetty St., Madras-7.

(Transferor)

 (2) M/s. Chheda Industries,
 By partner: Harakehand Valji,
 25, Vallam Bangaru Chetty Street, Madras 7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building site: Door No. 25, Vallam Bangaru Chetty St., Purasawalkam, Madras, Purasawalkam/Doc. No. 117/85,

M. SAMUEL Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madras--600 006.

Date: 10-9-1985

Scal:

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Smt. B. Thaianayaki Ammal, 7, Madhavan Nair Road, Mahalingapuram, Madras-34.

(Transferor)

(2) Mrs. E. P. Vijavalakshmi Nair, 3-A. Kothati Road, Nungambakkam, Madras-34.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 10th September 1985

Ref. No. 31 Jan. 85 R.H.- - Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Plot No. 76. No. 7, Madavan Nair Road, situated at Mahalingapuram, Madray-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer.

at Thousandlights Doc. No. 38|85 in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the disclosed by the transferee for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period evaluate laters. whichever period expires latur:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: Plot No. 76, No. 7, Mudayan Nair Road, Mahalingapuram, Madras-34. Thousandlights Doc. No. 38 85,

MRS. M. SAMUEL. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 10-9-1985 Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the is no of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri M.S.M.R. Panchavarnammal, Kovil Patti, Thirunel eli.

(Transferor)

Sri R. Natesan, Slo S. M. Rathnasamy Nadar,
 Plot No. 24, Chowdry Nagar,
 Valasaravakkan, Madras.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 10th September 1985

Ref. No. 34 Jan. 85 R.II.--Whereas I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 and bearing No.

Plot No. 24, Chowdry Nagar, situated at Valasaravakkam,

Madras

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Virugambakkam Doc. No 64/85 in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesais. exceeds the apparent consideration therefor by more than figure percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pev tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; NEC/OF
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: Plot No. 24, Chowdry Nagar, Valasarawalkam, Madias. Virugambakkam Doc. No. 64185.

MRS. M. SAMUEL

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 10-9-1985

Scal:

ing persons, namely :-89-276GI|85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE II, MADRAS-600 006

Madras, the 10th September 1985

Ref. No. 79 Jan. 85 Jan. Whereas, I. MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. 8, Dr. Thomas Road, T. Nagar, situated at Madras-17 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration and the believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the epparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been tuly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transferor and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Incomplan Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Tamil Nadu Catholic Bishop's Council, represented by Dr. Kanmani S. Selvanathan, Bishop of Pondicherry.

(Transferor)

(2) Sri Vallumuthu, Shri Subramaniam, Jayakumar, 3, Theagaraya Road, Τ. Nagar, Madras-17. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Country.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: Door No. 5, New No. 9, Dr. Thomas Road, T. Nagar, Madras-17, T. Nagar Doc. No. 78 85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 10-9-1935 Seal:

FORM ITNS

 Mrs. Sarojini Moroan, 15, MGR Road, Kalakshetra Colony, Madras-90.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri B. Krishaamurthy, Plot 14, R. M. Shannugam Salai K. K. Nagar, Madras-78. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 10th September 1985

Ref. No. 130 Jan. 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Vacant land of 4250 sq. ft. in situated at Kalakshera Colony, Madras-90 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras South Doc. No. 15535 in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to betheve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personswhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land: 4250 sq. ft. in Kalakshetra Colony, Madras-90. Madras South Doc. No. 155/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 10-9-1985

Seal .

(1) Sri P. Subhannagounder and others Thamaraipalayam, Khipalayam, Village, Erode,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 10th September 1985

Ref. No. 167 Ian. 85.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No.

Agricultural land at Venganpur Village situated at Frode (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodumudi|Doc. No. 12|85 in Jan. 85

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesain exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) fachitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Vengampur Village, Erode Taluk

(2) Sri K. S. Ramaswamy, Kalvattupalayam,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land at Vengampur Village, Erode Taluk. Kodumudi Doc. No. 12|85.

> MRS. M. SAMUEI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 209C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, MADRAS 600 006

Madras, the 10th September 1985

Ref. No. 171 Jan. 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No.

S. No. 362 B-92, East Anumar Koil St., situated at Villu-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

1908) in the Office of the Registering Officer at Villupuramil Doc. No. 20|85 in January, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Kumarakrishnan Reddiar,
 Balarama Reddiar,
 East Anumar Koil St., Villapuram.

(Transferor)

(2) Shri Muthu Sivarama Reddiar, Slo. Balarama Reddiar,

21, East Anumar Koil St., Villupuram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: S. No. 362|B. 92, East Anumar Koll St., Villupuram.
Villupuram|Doc. No. 20|85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 10-9-1985

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 10th September 1985

Ref. No. 171 Jan. 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the immagnable property having a fair market value

movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing No. S: No. 362, 34. A1.A1.A1.A1. 81.06 situated at Door No. 28, Ward No. 6, East Anumar Koil St. Villupuram

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Villupuram Doc No. 20|85 in Ian, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to helieve, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been traily stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesate property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons, namely:—

(1) Shri Mu'hu Siyarama Reddiar, S|o Balarama Reddiar,

21, East Anumar Koil St., Villupuram.

(Transferor)

(2) Shri Kumaraktishnan Reddiar, Sjo. Balarama Reddiar,

21, East Anumar Koil St., Villupuram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

Land and building: Door No. 28, S. No. 362|B. 34.AL. At. At. At. At. 81.06. Ward No. 6|Corpn. Div. 2904, Fast Anumar Koil St., Villapuram. Villapuram|Doc. No. 20|85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 10-9-1985

Seal 🕡 :

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, MADURAI

Madurai, the 9th September 1985

Ref. No. F. No. 2|Jan|85.-Whereas, I, K. VENUGOPALA

kAJU, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000|- and bearing No. Plot No. 59, K. K. Nagar, situated at Madurai, (and more fully described in the Schedule annexed herto), has been transferred.

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tallakulam (Doc. 67/85) in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri R. M. Sokkallngam Chettiar & others, 305-A. Bharathidasan S,reet. Sadasiya Nagar, Madurai-20.

(Transferor)

(2) Mr. Remy Thangiah, Jalan, Pulo Nangha, Timur, II B/9 Jakarta, Indonesia.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

Land and building: Plot No. 59, K. K. Nagar, Madurai, (S.R.O. Tailakulam—Doc. No. 67|85).

K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Madural (In Charge)

Now therefore in oursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-9-1985

FORM L'INS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, MADURAI

Madurai, the 9th September 1985

Ref. No. F. No. 4 Jan. 85.—Whereas, I, K. VENUGOPALA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the im-Rs. 1,00,000 and bearing No.

R.S. 146|8 & 9, (Plot No. 59), situated at K. K. Nagar,

Madurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Thallakulam (Doc. No. 70 85) in January. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri R. M. Sokkalingam Chettiar & others. 305-A. Bharathldasan Street, Sadaliva Nagar, Madurai-20.

(Transferor)

(2) Mrs. Annette Thangiah, Jalan, Pulo Nangha, Timur, II Bl9., Jakarta, Indonesia.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building R.S. No. 146/8&9 (Plot No. 59), K. K. Nagar, Madurai, (S.R.O. Tallakulam—Doc. No. 70/85).

K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Madurai (In Charge)

Date: 9-9-1985 Scal:

Naw, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, stamely:-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, MADURAL

Madurai, the 9th September 1983

Ref. No. F. No. 5|Jan|85.-Whereas, I, K. VENUGOPALA

RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the ammovable property having a fair market value exceeding Rs. R., 1,00,000]—and bearing No.

Door No. 19, in F.S. No. 592/2 situated at Asari St., Tallarland Modural.

kulam, Madurai

(and more fully described in the Schedule annexed her o), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Sub Registrar, Tallakulam, Madurdi, Document No. 72|85 in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of he property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income ansing from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disc osed by the transferee for the purpo es of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—
90—276 GI|85

(1) Shri R. Arichandran, Slo Rengasamy,

19, Fallakulam Asari St., Madurai.

(Transferor)

(2) Shri R. Sekaran,Slo S. Rengaswamy,19, Tallakulam Asari St., Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Olivial Guz tie or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property in Door No. 19, in T.S. No. 592|2 in Asari Street, Tallakulu a, Madu ai, Sub-Registrar, Tallakulam, Madurai, Document No. 72|85.

K. VENUGOPALA RATU Compet nt Au h rity
Inspecting Assistant Complesioner of Income ax Acquisition Range, Maduini (In Charge)

Date : 9-9-1985

Seal I

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, MADURAI

Madurai, the 9th September 1985

Ref. No. F. No. 6 Jan 85. Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

T.S. No. 2791/1&2 Ward No. X situated at Jawar Road, Chokkikulam, Madurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registra ion Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Tallakulam, Decument No. 78|85 in

January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afcresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a))facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax onder the said Act in respect of any income arising trues the irranter; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or walch ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Ramanathan Chettiar, D. v. kottai.

(Transferor)

(2) Smt. Bhavani Dinesh. Jawahar Road. Chokk.kulam, Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days date of the publication of this **mc/UCc** in the Otheral Gazatta.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are letined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Site measuring 12 545 cents in Word No X in T.S. No. 2791 1 & 2 in Jawahar Road, Chockikulam, Madurai

Sub-Registar, Tallakulam Madurai, Document No. 78|85.

K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commission tool In-Acquisition Range, Madurai (In Charge).

Date: 9-9-1985

Scal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, MADURAI-2

Madurai, the 9th September 1985

Ref. No. F. N. 7 Jan 85. Whereas, I. K. VENUGOPALA KAJU

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein after referred to as the said Act.) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Plot No. 407 (South Pornon) R.S. No. 79 situated at Anna

Nagar, Madurai,

(and more runy described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Sub-Registrar, Tanakulam, Doc. No. 84/85 in January, 1985

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of euch apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruman of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1's of 1922) or the Said Act or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Shri M. Ramaswamy, Slo. Much ah Chemar, Madurai.

(Transferor)

(2) J. Suresh Bapu. Slo. K. Jaya.am, 98-B. Amman Sannathi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid rersons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Site measuring 2225 Sq. Ft. in Plot No. 407 (Easern Portion) in R. S. No. 79, Anna Nagar, Madural.

Sub-Paristrar, Tallakulam, Madurai. Madurai. Document No. 84,85,

> K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of ne me-tax
> Acquisition Range, Madural-2.

Date: 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-1AX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M. Ramasamy, Sjo. Muchan Chettiar, Madurai.

(Transferor)

J. Bhaskaran,
 S.O. K. Jayaraman,
 98-B, Amman Sannadhi,
 Madurai.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-IAX ACQUISITION RANGE MADURAI-2

Madurai-2, the 9th September 1985

Ref. No. F. No. 7-A|Jan|85.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-and bearing No.

and bearing NJ. Plot No. 407, RS. No. 79 (Western Portion) situated at Anna Magar, Madurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Regist tion Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Sub-Register, Taljakulam. Document No. 80/85 in January

1985

to an ap trent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Site in Plot No. 407, (Western Portion) in R. S. No. 79 in Anna Nagar, Madurai.
Sub Registrar, Tallakulam, Madurai. Document No. 80|85.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any measure arming from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any alone is of other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee tof the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or she Wastip-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Author, y
Inspecting Assistant Commission of Income-tax
Acquisition Range
Madurai-2

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby untrate proceeding for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-9-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE MADURAL-2

Madurai-2, the 9th September 1985

Ref. No F. No. 29|Jan|85.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (he.e.natter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Survey No. 250|Jand 250|2 situated at Patti village, (via) Uthamapa ayam, Madurai Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Uthamapalayam, Document No. 4,85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atorsaid property, and I have reason to believe that the tair market value of the property as atorestic exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any moome arising from the transfer; unit/OF
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other asses which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Meenakshi Ammal, Who. M. hathambaram Iyer, Chinnamanur, Madurai District.

(Transferor)

 Smt. K. M. A. Ummukani Ammal, Wo. M. K. P. Abuul Rah.m, Uthamapalayam, Madurai District.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this active in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3.35 acres of Agricultural lands in Survey No. 250|1 and 250|2 in Hanumanthanpatti Village, Madurai District.

Document No. 4|85. Sub-Registrar, Uthaniapalayam.

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisitir n Range
Madurai-2

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the attresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-IAX, ACQUISITION RANGE MADURAI-2

Madurai-2, the 9th September 1985

Ref. No. F. No. 19|Jan|85.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

No. Town Ward No. I and 1st Division situated at North Madavilagam St., Karur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registrat on Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at

Joint Sub-Registrar-I, Karur. Document No. 85|85 in January, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesant property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 A. V. Kandasamy, So A. K. Venhatasubbaraya Chettiar, Jawahar Bazaar, Karur.

(Transferor)

(2) Lt. Col. Ananthan, Slo G. Vijayadesika Mudaliar, Vadakku Madavilagam St., Karur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

House property at Town Ward No. 1, 1st Division in North Madavilagam Street, Karur.

Joint Sub-Registrar-I, Karur. Document No. 85|85.

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-ax
Acquisition Range
Madurai-2

Date: 9-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE **MADURAI-2**

Madurai-2, the 9th September 1985

Ref. No. F. No. 30 I an 85.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. 93A & 93B, Nadar Street, situated at Thiruchendur Town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred unde the Registering Officer at Tiruchendur (Doc. No. 18/85) on January 1985 for an apparent consideration where is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to btlieve that the fair market value of he property as aforesaid exceeds the a parent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in compect of any income arising from the transfer: andlos
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pamety :---

(1) Shri A. T. Amirtham Nadar, Pichivilai, Mela Thiruchendur Village, Tiruchendur Taluk.

(2) (i) Shri K. Shanmugasundara Pandy,

South Udaipirappu, Pallakkurichi Village. M. Chellathurai Nadar,

Kuttam Village, Kaspa, Nanguneri Taluk.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the reservice. pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Offic.al Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein are sefined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: Door Nos 93-A & 93-B, Nadar Street, Thiruchendur Town. (S.R.O. Tiruchendur—Doc. No. 18|85).

> K. VENUGOPALA RAIU competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Madurai-2

Date: 9-9-1985,

Scal:

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE MADURAI-2

Madurai-2, the 9th September 1985

Ref. No. F. No. 46|Ian|85.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU

34996

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs | 100,000|- and bearing

No. Plot No. D-11, Ward No. 28 s'tuated at Maharaj Nagar, Palayamkottai Municipality, Tirunelyeli-2

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registerion Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registeriting Officer at Sub-Register. Palayamkottai, Document No. 112|85 on January 1985

narket value of he aforesaid property and I have reason to behave that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to behave that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wanter with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 on the maintenant in pay the miner the same Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the and Act or the Weelth-ax Act. 1957 (27 of 1957):

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arcresald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Smt. Annapoornam and others, 77, Chinthamathar Pallivasal St., Muthukushnapuram, Tenkasi.

(Transferor)

(2) S. Ahamed Abdul Kader and S. Ahamed Shafi, Sons of E. K. K. Sheik Dawood, No. 15, Abuul Gant St., Tirunagar Colony, Engled.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House property in plot No. D-11, in Ward No. 28, in Maharaj Nagar, Palyamkottai Municipality, Tirunelveli. Sub-Registrar, Palayamkottai—Document No. 112|85.

K. VENUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incom -tax,
Acquisition Range
Madural-2

Dato : 9-9-1985,

34997

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE MADURAI-2

Madurai-2, the 9th September 1985

Ref. No. F. No. 47|Jan|85.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No.
Plot No. 7, 16th Street, 2nd Ward, situated at Velayutham Road, Sivakasi Town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sivakasi (Doc. No. 112|85) on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair Starket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer. and/or
- facilitating the concealment of any income of the income of the Indian Income-tax Act, 1922 (b) facilitating the concealment of any income or any the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 265 $\mathcal C$ of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforessua property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely :---91-276 GI|85

(1) Shri Ratnasabapati, Kuthiyananachar Street, Sivakasi.

(Transferor)

(2) Shri Ram Niwas Lokhotia, 511, P. K. M. Road, Sivakasi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION; -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Vacant I and: Plot No. 7, 15th Street, 2nd Ward, Velayutham Road, Sivakasi Town.

(S.R.O. Sivakasi—Doc. No. 112|85).

K. VENUGOPALA RAIU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Madurai-2

Date: 9-9-1985.

FORM I.T.N.S .--

NCTI(E UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE MADURAI-2

Madurai-2, the 9th September 1985

Ref. No F. No. 48|tan|85.—Whereas, I. K. VENUGOPALA RAJU being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tix Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000|- and bearing No. Door No. 94, VE. VR. St. Karsikudi situated at Registrar II, Karsikudi. Doc. No. 66|85 (and more fully described in the Schedule annexed hardo), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Joint Sub-Registrar II, Karsikudi. Doc. No. 66|85 on January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said. Act
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsetion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Subramaniam Chettiar, Slo. Meyyappa Chettiar, VE. VR. Street, Karaikudi.

(Transferor)

(2) Ramasamy Chettiar, Slo. Veerappa Chettiar, Thyagaraian Chettiar St., Karaikudi,

(Transperce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the stand Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property at Poor No. 94, T. S. No. 62 in VE. VR. Street, Karaikudi.

Joint Sub-Registrar II, Karaikudi.

K. VFNUGOPALA RAJU
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
MADURAL 2.

Date: 9-9-1985.

FORM 1.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) PR. Periakaruppan, Slo. Piraman Servai, Nemathanapatti.

(Transferor)

(2) Dr. P. S. Ramanujayam, So. Solomn, Through Power Agent P. S. Solomon, No. 9, South 3rd I ane, Annamalar Chettiar St., Karaikudi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE MADURAI-2

Madurai-2, the 9th September 1985

Ref. No. F. No. 50|Jan|85.—Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-cax Act. 1901 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the said Act.), have reason to believe that the immovable property, having a 180 market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing

No. Door No. 21, Pler No. 166, T. S. No. 922 situated at 7th St., Thanvalayon Thomagar, Karakudi, (and more fully decembed in the Schedule annexed here o).

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Chicer at Joint Sub-Registrar-II, Karakudi, Document No. 101/85 on January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair Risaket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the appetent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EMPLANAL, IN. -- Pip terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) landingting the reduction of eversion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

House property at Plot No. 166, Door No. 21, T. S. No. 922, in 7th Street, Thiruvallurvar Thirunagar, Karaikudi.

THE SCHEDULE

Joint Sub-Registrar-II, Karaikudi. Document No. 101/85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been at which ought to be disclosed by the transferse fet the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Madurai-2

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby mutate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons tamely:--

Date: 9-9-1985.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-LAX ACQUISITION RANGE **MADURAI-2**

Madurai-2, the 9th September 1985

Ref. No. F. No. 37|Jan|85.—Whereas, I, VENUGOPALA RAJU,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000|- and bearing
No. Survey No. 2533-A, 533-A and 640-A situated at Ananthapuram village, Thovalai Taluk, Kanyakumari

District.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Joint Sub-Registrar, Nagercoil. Doc. Nos. 318, 323, 324, 325 & 326|85 on January 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the inforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifte in per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- as Pacificating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ABG / UI
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of 3 rection 269D of the said Act, to the following persons, namely . -

(1) I. P. M. Abdul Hameed,2. P. A. Ashraff,3. Laila Abdul Hameed,

Kanchirappalli Pulimudu, Kanchirappalli Taluk, Kottayam Dt. Kerala.

(Transferor)

(2) A. Kurian So. Abraham, Parvathipuram Road, Kottar, Nagercoil.

(Transfered)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whicheve; period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands:
Ac. 1 Cents 7 in Survey No. 640-A
Ac 2 Cents 0 in Survey No. 2533-A
Ac 1 Cents 85½ in Survey No. 2533-A
Ac 1 Cents 85½ in Survey No. 2533-A
Ac 2 Cents 0 in Survey No. 2533-A
R. S. No. 269|1 & 2.

in Ananthapuram village, Thoyalai Taluk, Totalling 8.78

Document Nos. 318, 323, 324, 325 and 326|85 of Joint Sub-Registrar-I, Nagercoil.

K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Madurai-2

Date : 9-9-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE **MADURAI-2**

Madurai 2, the 9th September 1985

Ref No F No 36[lan]85—Whereas I, K VI NUGOPALA RAJU, being the Competent Authority under Section 209B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have renson to believe that the inmovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00 000] and bearing Survey No 97[1 and 97[2 situated at Erasakka Nayakkunu village Madura Dist

kanun village, Maduiai Dist (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Sub-Registrar, Chinnamanur

Sub-Registrar, Chinnemanur (Document Nos 2085 and 21|85) on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afuresaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in puisance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) 1 Dr M Alunagiri Raj,

Kushnagui,

2 M Krishnaraj, Narimedu, Madurai-2, and

3 M Kumaran, Anna Nagar, Madurar-40

(Transferor)

(2) M. Muthiah, Slo Mariappa Pillat, Pambanar Post, Chidambaram Te i Estate, Idukki Dt, Kerala

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agricultural lands in Erasakka Nayakkanur vilage, Madurai District in Survey No. 97/1 and 97/2 23/13 acres

Document Nos 20|85 and 21|85 Sub Registrar, Chinnamanur

> K VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range Madurai-2

Date 9 9 1985 Scal

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE MADURAI-2

Madurai-2, the 9th September 1985

Ref No F No 36|Jan|85.-Whereas, I,

K. VENUGOPAL RAJU, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fan market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing., Survey No 97|1 and 97|2 situated at Erasakka Nayak-

kanui village, Maduiai Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sub-Registrar Chinnamanur (Document Nos. 23|85 and

26 85) on January 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market vauge of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifter n per cent of such apparent consideration and that the consideration, for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) 1. Dr. M. Arunagari Raj,

Krishnagırı, 2. M Krishnaral,

Narimadu, Madurai-2, and

3 M Kumaran, Anna Nagar, Madurai-40.

(Transferor)

(2) Smt. M. Soundaram Ammal, Wo M. Muthiah, Pambanar Post, Chidambaram Tea Estate, Idukki Dt , Kerala

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from his dit of publication of this notice in the Orliced Con. of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sud Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

24 acres of Agricultural lands in Survey No. 97/1 and 97/2 in Erasakka Nayakkanur village, Madurai Dist

Sub-Registrar, Chinnamanur. Document No 23|85 and 26]85.

> K VENUGOPALA RAIU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Madurai-2

Date : 9-9 1985 Seal

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE MADURAI-2

Madurai-2, the 9th September 1985

Ref. No. F. No. 36 Jun 85.— Whereas, I, K. VENUGOPALA RAJU

being the Competent Anthonity under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'taid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding 1.5. 1.00.000l- and hearing. No Survey Nos. 9711 and 9712 situated at Erasakka Nayakkanur village, Michael Dist.

(and more fully discribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Regi tracon Act, 1908 (18 of 1908) in the office

of the Registering Officer et Sub-Registering Chinamananu (Document Nos, 22|85 and

25(85) on January 1985 for an apparent consideration, which is less, than the fair market value of the aforesail property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fiftsen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument. of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be duclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Dr. M. Atunagiri Raj,

Krishnagiri, 2. M. Krishnaraj,

Narimedu, Madurai-2, and

M. Kumaran, Anna Nagar, Madurai-40.

(Transferor)

(2) Minor M. Senthil, So M. Muthiah, Pambanar Post, Chidambaram Tea Estate, Idukki Dt., Kerala.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a jeil of oil 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires latera-
- (b) by any other person interested in the said immovable proporty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used bere a sa are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

24 acres of Agricultural lands in Survey Nos. 97/1 and 97/2 in Erasakka Nayakkanur village, Madurai Dist.

Sub-Registrar, Chinnamanur. Document Nos. 22/85 and 25|85.

> K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Madurai-2

Tate : 9-9-1985

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE MADURAI-2

Madurai-2, the 9th September 1985

No. F. No. 36|Jan|85.—Whereas, I, K. VFNUGOPALA RAJU

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Survey No. 97|1 and 97|2 situated at Frasakka Nayak-

kanur village, Madurai Dist (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

under the Reg. tration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registra; Chungananu (Document Nos. 24|85 and 27|85) on January 1985

for an appa ent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Micen per cent of such apparent consideration and that the special contraction for such transfer as agreed to between the pearties has not been truly stated in the said instrument of wanafer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid oronerty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Dr. M. Arunagiri Raj, Krishnagiri,

2. M. Krishnaraj,

Narimedu, Madurai-2, and

3. M. Kumaran, Anna Nagar, Madurai-40.

(Transferor)

(2) Minor M. Aparna, Do M. Muthiah, Pambanar Post, Chidambaram Tea Estate, Idukki Dt., Kerala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THF SCHEDULE

24 acres of Agricultural lands in Survey No. 97/1 and 97/2 in Erasakka Nayakkanur village, Madurai District.

Sub-Registrar, Chinnamanur. Document Nos. 24/85 and 27[85]

> K. VENUGOPALA RAJU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Madurai-2

Date: 9-9-1985

(1) Shri A. K. Ramamurthy

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Malati Dillp Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III 37EE 15749 84-85.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

exceeding Rs. 1,00.000|- and bearing Unit No. 128, 1st fl. Shanti Flat No. 15, Hamshika, 84, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15, Hamshika, 84, Garodia Nagar, Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III|37EE|15749|84-85 dt. 1-1-1985

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons namely ----

Scal:

Date: 26-8-1985

92-276 GI[85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Khatri Ismail Haji Tayeb Saleh Mohamed Aishabai Wo Tayeb Salhe Mohamed Khatri Ahmed Husain Aali and Khatri Habib Ahmed

(Transferor) (2) Bora AbdulKaiyum Abdul Apiz & Bora

(b) Tenants.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1985

Ref. No. AR-I|37G|5182|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improved by property having a fair market value exceeding immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No.

Land with building standing thereon bearing C.S. No. 228 of Colaba Division,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 21-1-85,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or app moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereig as are defined in Chapter XXA of the paid Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 1809 84 and registered on 21-1-1984 with the Sub-registrar, Bombay.

> P. N. DUBEY, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mitiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-9-1985.

(1) Shri A. K: Ramamurthy

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Malati Dilip Shah.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 26th August 1985

Ref. No. AR.III|37EE|15749|84-85.-Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,0001 and bearing Unit No. 128, 1st fl. Shanti Flat No. 15, Hamshika, 84, Garodia Nagar, Ghatkopar (E),

Bombay-77.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at

Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to balleve that the fair market value of the property as aforethat exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising frem the transfers mad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the undian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15, Hamshika, 84, Garodia Nagar, Ghatkopar (**匙**), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.III 37EE 15749 84-85 dt. 1-1-1985.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 26-8-1985

Scal :

92-276 GI|85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Khatri Ismail Haji Tayeb Saleh Mohamed Aishabai Wo Tayeb Salhe Mohamed Khatri Ahmed Husain Aali and Khatri Habib Ahmed. (Transferor)

(2) Bora AbdulKaiyum Abdul Aoiz & Bora

(b) Tenants.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 13th September 1985

Ref. No. AR-I|37G|5182|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Land with building standing thereon bearing C.S. No. 228

of Colaba Division,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 21-1-85,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 1809 84 and registered on 21-1-1984 with the Sub-registrar, Bombay.

> P. N. DUBEY. Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-9-1985.

- (1) Shri Aisubai Haji Ebrahim Haji Abdul Satar Soab. (Transferor)
- (2) Shri Shahbuddin A. Bh.mani.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1261)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1985

Ref. No. Al P. N. DUBEY, AR-I|37G|5166|84-85.-Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No.

Land together with building standing thereon bearing C.S. No. 1158 Mandvi Divn.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 8-1-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by ary other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

(a) facilitating the redunction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Born. 678|81 and registered on 8-1-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. DUBEY, Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 13-9-1985.

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1985

AR-I|37-G|5169|84-85.--Whereas, I, Ref. No. P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have version to believe that the manovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000]- and bearing C.S. No. 259 of Byculla Divin.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 14-1-85,

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the supporty as aforesaid exceeds the apparent consideration dispersor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Abdul Karim Ramaljee Nagree & Yusufally Esmal-jee Nagree, Administrator of the property of late Safiabal Esmaljee Nagree.

(Transferor)

Mrs. Fatubal wdlo Fida Ali Lala,
 Amdad Husein Fida Ali Lala,
 Hatimbhai Fida Ali Lala,

Abid Fisa Ali Lala, Zehra do Fida Ali M Lala and 6. Zarina do Flda Ali M Lala.

(3) Tenants.

(Transferge)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered Deed No. BOM-2225|83 and registered on 14-1-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

> B. N. DUBEY, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1° of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 13.9-1989.

- (1) Shri Alsubai Haji Ebrahim Haji Abdul Satar Soab. (Transferor)
- (2) Shri Shahbuddin A. Bhinani.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1261)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1985

Ref. No. AR-I|37G|5166|84-85.--Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

Land together with building standing thereon bearing C.S.

No. 1158 Mandvi Divn.,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 8-1-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by at y other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

(a) facilitating the redunction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Born. 678 81 and registered on 8-1-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

P. N. DUBEY, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following nersons, namely :-

Date: 13-9-1985.

FORM IINS

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMES TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 13th September 1985

Ref. No. AR-1|37-G|5169|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have verson to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000]- and bearing C.S. No. 259 of Byculla Divn., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 14-1.85

Bombay on 14-1-85,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the exacealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

(1) Abdul Karim Ramaljee Nagree & Yusufally Esmaljee Nagree, Administrator of the property of late Saflabai Esmaljee Nagree.

(Transferor)

(2) 1. Mrs. Fatubai wdlo Fida Ali Lala,

2. Amdad Husein Fida Ali Lala,
3. Hatimbhal Fida Ali Lala,
4. Abid Fisa Ali Lala,
5. Zehra do Fida Ali M Lala and

6. Zarina do Fida Ali M Lala.

(Transferee)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered Deed No. BOM-2225/83 and registered on 14-1-1985 with the Sub-registrar,

> P. N. DUBEY, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :- +

Date: 13-9-1985.

FORM IINS

(1) Mrs. Temina Khurshedji Karanjia, Russy Khurshedj, Karanjia.

(Transferor)

(2) Miss Chand Jhamb & Miss Poonam Jhamb.

(1ransferee)

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1985

Ref. No. AR-I|37-G|5173|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBLY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 43 or 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1.00 000 and bearing No.

C.S. No. 8644 of Malabar Hill and Cumballa Hill Division, stuated at Forjett St.

(and more fully d can do in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration, Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 9-1-1985

for an apparen consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such timesfer as agreed to be wear the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 or 1922) or the said Act, or the Weal.h-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons which a period of 45 days from the date of publication of the money in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 1710 81 and registered on 9-1-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

> · P. N. DUBEY, Competent Authority Inspecting Assistant Commis on f Income ax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquaition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follower 93-276GI|85

Date: 13-9-1985...

PURM ITHS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACI, 1961 (43 of 1961)

(1) I adv Jinoo Hirji Jehangir, Smt Aloo Kaikhushru Cama. (Transferor)

(2) Mr. Kaikhushru H Cama.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1985

Ref. No. AR-I|37-G|5163|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the competent Authority under Section 269B of the 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred Income-tax Act as the 'aid Act'), has reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00.000 and bearing No. CS. No. 766 of Byculla Divn. situated at Maulana Azad

Road

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Regis ration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 10-1-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the apprecial property, and I have reason to believe that the fair murket value of the property as aloresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of "queter with the object of !--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferous as respect of any income arising from the transfer; and or:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said. aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

A for the base the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 143 79 BOM and registered on 10-1-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

> P. N. DUBEY, Competent Authority Inspecting Assistant Commis-Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 13-9-1985.

NOFICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th Scp ember 1985

Ref No. AR-I|37-G|5183|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinater referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Property together with building known as 'Chandra Mahal' and structures standing thereon Plot No. 157 of Na.gaum Estate, C.S. No. 785 of Dadar Naigaum Division, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transfered under the regulation Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 16-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesard property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such ransfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Lax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Abdul Kidar Haji Siddick Abdulla Haji Siddick

(Transferor)

(2) Shri Ni in Bhawanji Dedhia.

(Transferee)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferors.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections. If any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Schedule as montioned in the Registered Deed No. BOM. 339184 and registered on 16-1-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

P. N. DUBEY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rape V.
Bomb...y.

Date: 13-9-1985.

(1) Shri Harakchand Khimji.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Manish Investments.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1985

Ref. No. AR-I|37-G|5177|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Land bearing C.S. No. 11|172 of Parel Sewri Division, (a.d. more fully described in the Schedule a next hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 23-1-85,

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the mid instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any atomess of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 2957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons namely:—-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 1819 81 and registered on 23-1-85 with the Sub-registrar, Bombay.

P. N. DUBEY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissions of In ome-tax
Acquisition Pange-I,
Bombay.

Date: 13-9-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

(1) Zarinabhai Mohamedhussein Barodawala.

(fransferor)

(2) M|s. Allied Holdings Limited.

(Transferee)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY**

Bombay, the 13th September 1985

Ref. No. AR-I|37-G|5167|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1.00 0001- and bearing No.
Piece or Parcel of land bearing Plot No. 78 of Agripada
West Estate, C.S. No. 1883 of Byculla Division,
situated at Agripada (W)

(and more tully de c.b.d in the scheduled below)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 198) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 5-1-85, 101 an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration meretor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: mad/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or Which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period experse later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 2962 82 and registered on 5-1-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

> P. N. DUBEY. Competent Authority Inspecting Assistant Commiss Inc m tax Acquisition Range-I, Somb.

Date: 13-9-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1985

Ref. No. AR P. N. DUBEY, AR-I|37-G|5179|84-85.—Whereas, I,

being its competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000and bearing No.

Land with buildings bearing C.S. No. 2605 of Bhuleshwar

Division,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 25-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any morneys or other assets which have not been or whice ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or this Act, or the Wealth-tax Act, Ast, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Shabbir N Tankiwala.

(Transferor)

(2) Smt Zubeda A Kadar Ghogari.

(Transferee)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever person exputes later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXX of the said Act, shall have the same meaning as given பு ப்படியம் முடிப்

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM, 1407|82 and registered on 25-1-85 with the Sub-registrar, Bombay.

> P. N. DUBEY, Competent Authority Inspecting Assistant Commission of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 13-9-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1985

Ref. No. AR-1[37-G]5174[84-85.—Whereas, I. P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing No. C.S. No. 3723 of Bhuleshwar Divn., (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Bombay on 21-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then lifteen per cent of such apparent consideration and that Mhe consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in of any moome arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any second or any ought to be disclosed by the transferee for the proof 1922) or the said Assembly 1922 (11) of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Shir Chunnar Danyabhai Magud a,

2. Smt. Zubedabai Nomanabna Malk.

(Transferor)

(2) Shri Fakhurddin Kamruddin Kapasi.

(Transferce)

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of days from the Official Crazetie or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as givin un that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 2172|79 and registered on 21-1-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

P. N. DUBEY, Committee of Income-tax Acquisition Paner I. Bombay,

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under submb. section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely :--

Date: 13-9-1985.

MANUEL SALES CONTROL OF THE PROPERTY OF THE PR

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-1AX,

ACQUISITION RANGE-1 BOMBAY

Bombay, the 13th September 1985

Ref. No. ΔR -I|37-G|5175|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fail market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing C.S. No. 786 of Buleshwar Division, Bembay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred u der the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 21-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in the proof of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely tere

(1) Shri Hansraj R Oza.

(Transferor)

(2) Shri Gordhandas Liladhar, S.at. kaushaiyabai alias Poribai Wlo Shri Gordhandas Liladhar.

(Transferee)

(3) Shri Jairaj Keshrisingh.
(Person in occupation of the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intertsted in the said immovable pro, city, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 2380|79 and registered on 21-1-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission r of Income tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date: 13-9-1985

Soal !

35021

FORM ITNS----

(1) Mr. Yusuf Abdulla Patel.

(Transferor)

(2) Mohiuddin Tayab Sony,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RAN^E-1 BOMBAY

Bombay, the 13th September 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4326|84-85.--Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Flat No. 3, Patel Apartments situated at Worli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agrement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market vaue of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforsaid exceeds the apparent consideration therefor by most than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) faccilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, ryac, (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3 on 2nd floor, Building No. 7-B in Patel Apartments, B. G. Kher Marg, Worli, Bombay-400018.

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1|3990|84-85 on 21-1-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
94—276 GI|85

Date: 13-9-1985

Seal;

- (1) M/s. Gill Commodity Marketing P. Ltd. (Transferor)
- (2) M|s. Ipca Laboratories Pvt. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I

BOMBAY

Bombay, the 13th September 1985

Ref. No. AR.I|37-EE|4562|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing

Unit No. 166, Atlanta building situated at Nariman Point (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agrement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) rectificating the reduction or evenion of the limitality of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers sale) feet
- (b) facilitating the conscalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the mid immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 166, 16th floor, at the building known as 'Atlanta' Plot No. 209, Backbay Reclamayion, Nariman Point, Bombay, alongwith open car parking Space No. 58.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Scrial No. AR-I|5341|84-85 on 30-1-1985.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Bombay

Now, theretore, in pursh unce of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Mr. Abdul Kader Haji Noor Mohamed Mr. Aboo Baker Haji Noormohamed.

(2) Mr. Ravi Puravankara.

(Transferer)

(3) Tenants.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 13th September 1985

Ref. No. AR-I|37EE|5587|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[and bearing

Land alongwith structure standing thereon bearing Plot No. 1002. Old Plot No. 133 situated at Prabhadevi

has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 31-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genetic,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Clapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land alongwith the structure standing thereon lying being and situate at Ranu Ghati Chawl, Off Sayani Road, Prabhadevi, Bembay Plot No. 1002 and Old Plot No. 333. The statement has been registered by the Competent Authority, Accuisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I 5421 84-85 on 31-1-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
It specting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Bombay

Date: 13-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 13th September 1985

Ref. No AR-I/37EE/5205/84-85.—Whereas, I. P. N. DUBEY,

being he Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herei after referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable proper v, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and

Land learing No. 17 of Cumball Division situated at Carmichael Road, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreeme to is registered under section 269AB of the Income ax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-1 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the p operty as afore-said e ceeds the apparent consideration therefor by more than fi teen per cent of such apparent consideration and that the co sideration for such transfer as agree | to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by he transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Woulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely:-

(1) Arun Balkrishna Chitale & Madhukar Meghashyam Rupaji

(Transferor)

(2) Messrs. Kalpataru (Indo-Saigon) Constructions Pvt. Ltd.

(Transferces)

(3) 1. Shri G. F. Harikisondas Laxmidas,

F. F. Pilloo Bottlewalla &
 S. F. Gordhandas P.A.

Licencess of Tenants Shri Daryas Bottelwalla. (Person in occupation of the property)

(4) State of Maharashtra

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land bearing No. 17 of Cumballa Hill Division, situated at Carmichael Road, Bombay-400 026.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1|5155|84-85 on 7-1-1985.

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bomb

Date: 13-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 13th September 1985

Ref. No. AR[1]37EE|5504|84-85.--Whereas, I. P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

C.S. No. 1649 of Bhuleshwar Road, situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agrement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the projecty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

(1) Babu Jivanlal Pannalal Trust.

(Transferor)

(2) Shri Chandulal Jiwabhai Joshi Shri Sohanlal Bhurelal Joshi.

(Transferee)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 Jays from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 3d days from the service of notice on the respective persons, who there period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovably property, within 45 days from the late of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used heroin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land alor gwith building situated at 2nd Jhophalwadi and Bhuleshwar Road, bearing C.S. No. 1649 of Bhuleshwar Division.

The statement has been registered by the Competent Authority, 'equisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-1[5374]& 1-85 on 30-1-1985.

P. N. DUBEY
Compete it Authority
napecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date: 13 9 1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME, TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1385

Ref. No. AR-1/37EE/5512/84-85.--Whereas, I, P. N. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein fiter referred that the 'said Act') have reason to believe that the 'ramovable property, having a fair market value exceedi g Rs. 1,00,000-

and begring No.

C.S. Nc. 2/7986, 1/1539 of Girgaum Divil.

at Bombay on 30-1-85

(and more fully described in the Schedule annexed breato). has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bom'ray on 30-1-85

for an apparent consideration which is less than the fan market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- to facilitating the concealment of an incorne or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Incometax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

- (1) 1. Jayendra N Thakore 2. Mrs. Vimlaben M Damania 3. Girish M Damania and 4. Madhav V Shah.
- (T ansferor)
 (2) 1. Murad A Talb, 2. Paresh S Talib, 3. Shaheen Z
 Talib, 4. Yasser K Fatchi, 5. Vazir Ismail, 6.
 Karishma I Fathi, 7. Nazia Construction Co. P. Ltd. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with the bungalow, outhouses, kitchen stables standing thereon situate lying and being at Chowputty, bearing C.S. No. 2/7986 and 1/1539 of Girgaum Division.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5377/84-85 on 30-1-85.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Licome-tax Acquisition R nge-1, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 69% of the and Act, I hereby initiate proceedings for the aquisition of the aforesa d property by the issue of this not ce under subsection (1) of Section 269D of the said act to following persons namely :-

Date: 13-9-1985

FORM ITNS----

(1) M's Marayan Singh & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Nav Bharat Corporation.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-L BOMBAY

Bombay, the 13th September 1985

Ref. No. AR-I[37EE|5439|84-85.--Whereas, I P. N. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing

and bearing

No. Office No. 12. Rex Chambers
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered under
section 269 AE of the Income-tax Act, 1961, in the Office
of the Competent Authority
as Bombay on 22[1]85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 12 on 2nd floor of Rex Chambers Premises Coop. Society Ltd., Walchand Hirachand Marg, Ballard Estate, Bombay-400 038.

The statement has been registered by the Competent Matherity, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/5322/84-85 on 22-1-85.

P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-9-1985

FORM TINS-

(1) Mr Yusuf Abdulla Patel

(Transferor)

(2) Mr. Mohiuddin So Tayab Sony.

(Transferee)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 13th September 1985

Ref. No. AR-I|37EE|4327|84-85.--Whereas, I P. N. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-and bearing Flat No. 4. Patel Apartment situated at Worli

Flat No. 4. Patel Apartment situated at Worli (and more fully described in the schedule annoxed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4 on 2nd floor, Building No. 7B, Patel Apartment, B.G. Kher Road, Worli, Bombay-18.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I|3991|84-85 on 21-1-85.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisiton Range-I, Bombay

Date: 13-9-1985

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mohmed Yusuf Abdulla Patel

(2) Abbas Noor Mohmed.

Transferee (s)

(3) Transferee.

(Transferce)

(Ferson in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1985

Ref. No. AR-I | 37EF | 5522 | 84-85. - Whereas, I P. N. DUBEY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[- and bearing Flat No. 72 at Dustan Apartments situated at Bellasis Road Bombay

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority et Bombay on 30-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 72 at Wing B 2 of Dustan Apartments, Bellasis Road, Bombay-8.

The statement has been registered by the Competent Authority Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1|5383|84-85 on 30-1|85.

> P. N. DUBFY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said act to the following persons, namely --

Date:13-9-1985

Seal:

95-276GI|85

(1) Mr. Surinder Kumar Khanna,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

35030

(2) M/s. Satyani Bros.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Bombay, the 13th September 1985

Ref. No. AR-I|37EE|5456|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing

Rs. 1,00,000|- and bearing

Upit No. 430 Funchiatna Bldg, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of
the Competent Authority,
at Bombay on 30-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922, 11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Unit No. 430, 4th floor, Panchratna Buliding, M.P. Marg, Bombay-4.

THE SCHEDULE

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-1 5336 84-85 on 30-1-1985

> P. N. DUBEY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-9-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Jormal Mangajil Mchta.

(Transferor)

(2) Chinu Premchand Jhaveri.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 BOMBAY

Bombay, the 13th September 1985

Ref. No. AR-1|37EE|5230|84-85.--Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Chamber No. 618, Panchratna situated at Opera House (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 7-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the and property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weakh-taz Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Chamber No. 618 on the 6th floor of Panchiatna, Opera House, Bombay-400 004.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I/6440/84-85 on 7-1-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 13-9-1985

(1) Mis. Kapur Jewellers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Deepak Enterprises

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 13th September 1985

Ref. No. AR-I|37EE|5600|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
Office No. 422, Tulsiani Chamber situated at Nariman Point (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 31-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income ariting from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immova-ble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 422 on the 4th floor of Tulsiani Chambers. Nariman Point, Bombay-400 021.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I|5427|84-85 on 31-1-1985. Competent

> P. N. DUBEY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now. therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 13-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

UFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 13th September 1985

Ref. No. AR-I|37EE|5483|84-85.—Whereas, I, P. N. DUBEY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Office No. 126, Mittal Coutt situated at Nariman Point (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 30-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than rifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or

(b) facilitating the concealment of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under subction (1) of Section 269D of the said Act, to the following rsons, tamels:—

(1) 1. Shri Nirmal Kumar Gangwal, 2. Smt. Neelam Nirmal Gangwal.

3. Shri Pradeep Kumar Manglunia.

(2) Shei Chandresh Shivlal Shah, Prof. of Associated Advertisers. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said-Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 126 on 12th floor in C wing of 'Mittal Court' Plot No. 1224, Nariman Point, Bombay-400 021.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay under Serial No. AR-I|5354|84-85 on 30-1-1985.

P. N. DUBEY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 13-9-1985

Scal:

(1) Mis. Excel Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Pravina Himattlal Ajmera.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th August 1985

Ref. No. AR-IV|37EE|14345|84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DASS,

LAXMAN DASS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 32, 3rd floor, Shiv Darshan at S.V.P. Road, Kandivh (W). Bombay-67 situated at Bombay.

situated at Bombay
(and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AoB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

Bombay on 1-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly scated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income to any moneys or other assets which have not been ex-which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 32, 31d floor, Shiv Darshan Bldg. at S.V.P. Road Kandivli (W), Bombay-67

The agreement has been registered by the Competen Authority, Bombay under No. AR-IV|14345|84-85 on 1-1-85

LAXMAN DA Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta Acquisition Range-IV, Bombs

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 28-8-1985

(1) Ms Dattani Constructions.

(Transferor)

(2) Mr. Manilal H. Dalal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY Bombay, the 28th August 1985

Rer. No. AR-IV/73EE/14542/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DASS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Shop No. 2, Dattani Gram Bldg., No. 3, Hemu Kalani X Road No. 3, Kanduli (W), Bombay-67 situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AoB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfers and /or:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2 Dattani Gram Bldg., No. 3, Hemu Kulani X Road No. 3, Kandivli (W).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV[37EE]14542484-85 on 1-1-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the large of this societ under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date . 28-8-1985

Scal :

(1) Dr. Badrul Salam Usmani,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kanji Vasaram Thakrar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Bombay, the 28th August 1985

Rcf. No. AR-IV|37EE|14369|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DASS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000; and bearing No. A 203, 2nd floor, Bldg., No. 2, Paras Nagar, Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is register under Section 269Al? of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

A-203, 2nd floor, Bldg., No. 2, Paras Nagar, Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|37EE|14369|84-85 on 1-1-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of \$957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following ecrsons, namely :---

Date: 28-3-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th August 1985

Ref. No. AR-IV|37EE|14546|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DASS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter seferred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing No. Flat No. 14, 1st floor, G. K. Nagar Bldg., No. 2, at Shankar Lane, Kandiyli (W), Bombay-67,

situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property eff aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:— 96-276GI|85

(1) M/s G, K Development Corporation.

(Fransferor)

(2) Mis. Anjana J. Shah & Mr. J. R. Shah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the pervice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 14. Ist floor, G. K. Nugar Building No. 2, Shankar

Lane, Kandivit (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|37EE|14546|84-85 on 1-1-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Enge IV, Bombay

Date: 28-8-1985

(1) M/s. G. K. Development Corporation.

(Transferor)

(2) Mr. J. K. Gendha & Mrs. P. J. Gandha.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th August 1985

Ref No. AR-IV|37EE|14230|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DASS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 19, Ist floor, G. K. Nagar Bldg., No. 2 at Shankar Lane, Kandivii (W), Bombay-67,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immev-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 19 Ist floor, G. K. Nagar Bldg., No. 2 at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|37EE|14230|84-85 on 1-1-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following рогворь. вышелу:-

Date: 28-8 1985

(1) Shri Manoharlal G. Damle,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE PNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bupendra G. Damble.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th August 1985

Ref. No. AR-IV|37EE|14478|84-85.--Whereas, J, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Flat No. 8, 2nd floor, Pragna Premises Hsg. Society, Akrull Road, Kandivli (E), Bombay-400 101,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay ax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 8. 2nd floor, Pragna Premises Hsg. Society, Akruli Road, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|37EE|14478|84-85 on 1-1-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-atx Act, 1957 (27 of 1957);

I ANMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Inco ne-tax,
Acquisition Range-IV, Fombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I he by initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 28-8-1985

(1) M/s. G. K. Development Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Dharmishtha R. Soshi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th August 1985

Ref. ? o. NR-IV137EE]14226[84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Inco ac-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here mafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable preparity, having a fair market value exceeding

Rs. 1.(%) 000]- and beating No. Flat No. 3(c. 2nd floor, G. K. Nagar Bldg., No. 2, Shankar Lane, K. ndivh (W). Bombay-67.

situated it Bombay

(and more fully described in the schedule ar nexed hereto), has been transferred and the agreement is a gistered under Section 169AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bembay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 641 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, 'herefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this not co under subsection () of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 30, 2nd floor, G. K. Nagar Bldg. No. 2, at Shankar Lanc, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|37EE|14226|84-85 on 1-1-1985.

LAXMAN DAS

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 28-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th August 1785

Ref .No. AR-IV|37EE|14258|84-85.---Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinauter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Hat No. 11, First floor, Hermes Apartments, Mooljee Nagar,

S.V. Road, Kandivli (W), Bombay-67 situated at Bombay

(and more fully described in the schedule armexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the prope ty as aforesaid execeds he apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the considern ion for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, "herefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) M/s. Karnatak Traders.
- (2) Shri Prabhakar V, Shetty.

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by a y of the aforeraid persons within a period of 4. days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by a v other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publi ation of this notice in the Official G. zette.

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 1 First floor, Hermes Apartments, Mooljee Nagar, S.V. Foad, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreem at has been registered by the competent Authority, Bembay under No AR-IV/37EE/14258 84-85 on 1-1-1985

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquistion Rance-IV, Pombay

Date . 28-8 1 985

Scal ·

FORM ITNS--

(1) Mis. G. K. Development Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M1. Atul Chandrakant Sanghvi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMEAY

Bombay, the 28th August 1985

Ref. No. AR-IV]37EE|14461|84-85.--Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing No. Flat No. 13, First floor, G.K. Nagar Bldg., No. 3, Shanka

Lane, Kandivlı (W), Bombay-67,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 209AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

I have property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or (b) facilitating the consectment which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-ts to Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13, 1st floor, G. K. Nagur Bldg., No. 3, at Shankar Lane, Kandivli W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV[57EE][54461]84-35 on

TAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Rang IV, Bombav

New, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acq issition of the aforesaid property by the issue of this ratio under subsection (1 of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dag : 28-8-1985

Scal :

FORM ITNS

(1) Mh. Rajlaxmi Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Chu Bibabbai Madhavji Shah,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 28th August 1985

Ref. No ARIV|37-FE $_l$ 14439|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to belive that the immovbeing the Competent ablo property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flut No. 40, 31d floor, Shivam Building, S.V. Road, Fatehbaug, Kandivli (W), Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereto by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of the days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the crivice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovthe property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 40, 3rd floor, Shivam Building, S.V. Road, Fatchbaug, Kandivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent bathority, Bombay under No. ARIV 14439 84-85 on 1-1-85.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date . 28 8-1985

Seal .

FORM ITNS

(1) M/s. Karnatak Traders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-T'X ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M|s Aphali Pharmaceuticals Ltd.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-1AX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 28th August 1985

Rel No. ARIV|37-H1 |14336|84-85 - Wh-reas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'saki Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding
Rs 1,00,000]- and bearing
That No 3 4th hour Hermes Apartments, Moolee Nagar,
S.V. Rock Kanduvii (W), Bombay-67

(and more fully described in the schedule agreed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

on 1-1-1985
70° an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of 1—

facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income science from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax et, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of A5 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given with that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 3, 4th floor, Hermans Apartments, Mooljee Nagar, S V. Road, Kandivli. (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV]14336|84-85 on 1-1-85.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said A.t. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesard property by he is use of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following section, namely:—

Date: 28-8-1985

Seal

FORM I.T.N.S.---

(1) M/s. Sambhave Builders.

(Transferor)

*OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri V. M. Doshi Smt. H, V D.oshi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 28th August 1985

Rof. No. ARIV|37-FF|14333|84-85.-Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the fucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-Rs. 1,00,000]- and bearing No.
Darshan Apartments, Shankar Lane Kend'vli (W), Bombay

has been transferred and the agreement is regi tered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the far market value of the property as afore-ald exceeds the apparent consinderation therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and hat the consideration for such transfer as agreed to between the farties has not been truly stated in the said instrument of reansles with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any mount mising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any mones of other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the ought to be disclosed by the transferee for the ought to be disclosed by the transferee for the ought to be disclosed by the transferee for the ought to be disclosed. Income-tax Act. 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1, A-Wing, Darshan Apartment, Shankar Lane, Flat No. Kandivli (W). The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV 14333 84-85 on 1-1-8

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissione of Income-tax, Acquisition Range IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. (hereby initiate proceedings for the acquisition of the afternation of the acquisition of the acquisiti bersons ramety ?~~

Date: 28 8-1985

Scal:

97-276GI|8/

(1) Mls. Ashish Construction.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMI-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Arvind R. Karelia & Mr. H. R. Karelia.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-LAX,

> ACQUISITION PANGE-IV BOMBAY

Bembay, the 28th August 1985

Ref. No. ARIV 37-FF 14346 84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred of as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1 00 0001- and bearing
Flat No 404 4th floor G. K. Magar Bldg. No. 1 at Shankar Lane, Kardicki (W) Rembey 67
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred a d the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985 on 1-1-1985

for an appa ent conside atton which is less than the fair for an appa ent consideration which is less than the fair market value of the ifolesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property afforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduct on or evasion of the 'inbility or the transferor to nav tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by he transferee for the nurposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sa'd immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXILANATION:-The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 701 7th floor, G K Nogar Bldg, No. 1 at Shankar Lane, Kandivlı (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|14346|84-85 on 1-1-85

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-IV Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby in tate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the large of this notice under subsection (1) of Section 26 we said Act, to the following persons, namely -

Date: 28-8-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Ashish Construction.

(2) Shri Kish rebhai J. Shah Mrs. P. J. Shah.

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

"OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMP.TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bembay, the 28th August 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|14766|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

as the said Act) have reason to believe that the immovable prope to having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and hearing
Flat No. 701, 7th floor. (K. Nagar Bldg. No. 1 at Shankar Lane Kandivli (W), Bombay-67
(and more fully desc ib.d in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1,1,1085 on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said matrument of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made so writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of in the Officia Gazette of a neriod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or eventor of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have non been as which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-max Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 701, 7th floor in the building G K. Negar No. 1 Bldg at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|14766|84-85 on 1-1-85.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commis i ner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesard property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-8-1985

Scal:

(1) L. V. Whabi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri N. A. Padhiar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISIT_ON RANGE-IV BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Bombay, the 28th August 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|14390|84-85.--Whereas I LAAMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immove be property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat No. I, ground floor, Hermes Apartments, Plot No. 7, Moolji Nagar, S.V Road, Kandivli Bombay-67

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is regitered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within fortyfive days from the lite of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 1, ground floor, Hermes Apartments, plot No. VII, Moolie Nagar, S.V. Road, Kandivli, Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|14390|84-85 on 1-1-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

LAXMAN 'DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commission of I com - 12X Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsect on (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 28-8-1985

Scal 1

FORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 28th August 1985

Ref. No. ARIV:37-FE|14257|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 264B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to "said Act") have reason to believe that the imas the movable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00 000]- and bearing No. Flat No 1, 4th floor, Hermes Apartments, Moolji Nagar, S. V. Road, Landivli, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay

on 1-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more Than lifteen per cent of such apparent consideration and nat the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been et which ought to be disclosed by the transferee, for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Weal'h-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I. hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M|s. Karnatak Traders.

(Transferor)

(2) Shri Sadanand Sitaram Salvi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expure later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein to are Jeffned in Chapter YXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1 4th floor Hermes Apartments Moolice Nagar, S. V. Road, Kandivli, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|14257|84-85 on 1-1-85.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1V Bombay

Date: 28-8-1985

Scal :

(1) Mahendra M. Vaidya.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Surajbai G. Gandhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV

Bombay, the 28th August 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|14490|84 85.—Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here natter reterred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable phoperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

RS. 1,00,000]- and bear ng
Shop No. 2, ground floor Samurdhi Shopping Centre,
M.G. Road, Kandivli (W), Bombay-67
(and more fully described in the Schidule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered
under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in
the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

acilitating the concealment of any moonie or any Nileys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922-(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the asue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sa'd immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No 2, ground floor Samurdhi Shopping Centre, M.G. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been regist red by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|14490|84-85. on 1-1-85.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissions of Inco Acquisition Range-IV Bombay

Date: 28-8 1985

Seni

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ramji Premji Patel.

(2) M|s. Vardhman Builders.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-IAX, ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 28th August 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|14304|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Inconce-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs 1,00,000]and bearing

Shop No. 1. ground floor, Vardhman Kutir at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay, situated at Bombay (and more fully uses ibed in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1 1985 on 1-1-1985

fo, an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of manafar with the object of .-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this potice in the Official Crazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reducion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Accrement of any moome arming from the transfer. and for

THE SCHEDULE

Shop No. 1, ground floor, Vardhman Kutir at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by he Competent Authority, Bombay under No. ARIV 14304 84-85 on 1-1-85

(b) facilitating the concealment of any income or any the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent_Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269° of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pamely :--

Date: 28-8 1985

Seal

FORM ITNS----

(1) Mr. Vadilal P. Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. V. C. Bhavsai.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 28th August 1985

Ref. No AR IV|37-EE|14430|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Composent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) hereinarter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the mmovable property, having a fair market value exceeding Rs.

1.00,000|- and bearing
Flat No. 28(2nd floor, Shiv Darshan, S.V. Road,
Kandivli (W), Bombay-67

(and more fully descrited in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an ap arent consideration which is less than he fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property at anoresaid exceeds the apparent con ideration herefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfero to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax lct 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1857 (27 of 1957);

. How therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act. I chieby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the is ue of this notice under subvention (1) of Section 2690 of the taid Act, we the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with n 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 28, 2ed figor, Shiv Darshan, SV.P. Road, Kandivli (W), Bombay-67. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|14430|84-85 on 1-1-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-IV Rombay

Date: 28 8-1985

(1) Rupa Ashok Lakhani & Ashok Isardas Lakhani,

(Transferor)

(2) Mrs. Lata Kishan Gandhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

VOFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Rombay, the 28th August 1985

Ref. No. ARIV[37-FE]14416[84-85.--Whereas. I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair mrke value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Flat No. 132, 13th floor, Shreeji Darshan at the junction of S.V. Road and Shantilal Modi Rd. Kandivli (W) Bombay-67 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Afteen per cent of such apparent consideration and that the Consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income wising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 132, 13th floor in Shreeji Darshan at Junction S.V. Road & Shantilal Modi Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Rombay under No. ARIV 14416 84-85 on 1-1-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by te issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons namely :-- 98-276GI|85

Date: 28-8-1985

 Shri Ajit Dwarkadas & Shri Prakash Dwarkadas.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shil Rajnikant D. Ghelani.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 28th August 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|14329|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (horeinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[and bearing No.

Flet No E|3, Bhavana Prem Bhavana Co.op Hsg. Scty Ltd.,

S.V. Road, Kandivli (W), Bombay-67

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of easy income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. E-3, Bhavana Prem Bhavana Co.op Hsg Scty Ltd., S.V. Road, Kandivli (W). Bombay-67.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV|14329|84-85 on 1-1-85.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atteresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 28-8-1985

FORM LT.N.S .-

(1) Smt. J. P. Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. S. G. Shah & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE IV BOMBAY

Bombay, the 28th August 1985

Ref. No. ARIV|37.EE|14626|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000 and bearing No.

No. Dattuni Apartment No. 4, flat No. 61-A, Parekh Nagar, S.V. Road, kundivli (W), situated at Bombay (and more tully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-85,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given iv that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay an under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or

Dattani Apartment No. 4, Flat No. 61-A, Parekh Nagar, S.V Road, kandivli (W),

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bonibuy under No. ARIV 14626 84-85 on 1-1-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1967);

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IV, Bembay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Dated : 28 8-85

(1) Mr. Himatlal Karshandas Kotak

(Transferor)

(2) Mrs. Nc. K. Mehta & Mts C. N. Mehta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV BOMBAY

Bombay, the 28th August 1985

Rei No ARIV[37 F Γ^{\dagger}]4637[84-85 —Wherens, I, LAXMAN DAS,

LAMIAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaliter referred to as the 's ind Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00.000|- and bearing

No. 1 of W n_A B-8 7, 3rd floor, Prem Bhavana Co.op,
Hsg Sett S V Road, Kandivh (W), Bombay-67,
situated at Bembay.

situated it Bembay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombas co 1785.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the prope ty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires fator;
- (b) by any other person interested in the eard immovable property, within 45 days from the data of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

THE SCHEDULE

Flat Wing I-7, 3rd floor, Prem Bhavana Co.op. Hsg. Scty. S.V. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bor abay under No. ARIV|14637|84-85 on 1-1-85.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 209C of the said Act, I brown initiate proceedings for the ac julsition of the aforesal property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Dated: 28-8 85

Scal :

(1) Mr. Saryakant Possimichana Shah.

Characteror)

(2) Saras att Plasti & Moulding Works,

(Transacree)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE IV BOMBAY

Bombay, the 28th August 1985

Rcf. No. ARIV|37.EE|14727|84-85,—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No.

No Gala No 3, ground floor, Balaji Industrial Estate, Kandivli (F), Pombay-101,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration A:t 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Bombay on 1-1-85,

persons martaely :-

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the prope ty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen pur cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties his not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

THE SCHEDULE

Gala No β ground floor Balaji Industrial Estate Kandivlí (L), Bombay $\beta 1$

The igreen of has been registered by the Competent Authority, Bor bay under No AR.IV 14727 84-85 on 1-1 85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Ins accung Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IV Bombay

Date 1 Seal .

(1) Prabbat Bangle Works.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Durga Prasad N. Parwal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE IV BOMBAY

Bombay, the 28th August 1985

Ref. No. ARIV|37.EE|14629|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
No. Unit No. A 17 Ground floor, Bonaza Inde trial Est. le,
Ashok Chakravarthy Road, Kandivli (E), Bombay-67,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule ar nexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-1-85.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agree I to between the particle has not been truly stated in the said instrument. the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) 'acilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have no been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Vealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Unit No. A417, ground floor Bonaza Industrial Estate, Ashok Chakravorthy Road, Kandivli (E), Bombay-67.

The aureoment has been registered by the Competen Authority, Bombay under No. ARIV|14629|84-85 on 1-1-85. the Competent

> LAXMAN DAS Connetent / uthority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IV, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accuisition of the aforesaid property by the issue of this notio under subsection () of Section 269D of the said Act, to the following persons tunnely '--

Dated: 28-8-85

(1) 14 Dattam Associates.

(Transferor)

(2) M/9 Pratima R Thakoor.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMENSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE IV BOMBAY

Bombay, the 28th August 1985

Ref. No ARIV|37-EE|14343|84-85.—Wheleas, I, I.AXMAN DAS

heing the Competent Authority under Section 269B of the Incompetax Act, 1961 (43 of 1961) (herelanter returned to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing

No Shop No. 17, ground floor, Nand Dham at Bhausaheb Parab Road, Dahisai (W), Bombay-68, situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is egistered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1 1 85,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evanish of the limiting of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other amets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Garette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whenever period expires later;
- (b) by any other person incrested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXCHANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning ar given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 17, ground floor, Nand Dham at Bhausaheb Purab Road, Dahisar (W), Bombay-68.

fno accoment has been registered by the Competent Autho to Bembay under No. ARIV|14343|34-85 on 1-1-85.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 28-8-85

(1) M₁₃ Dattani Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Rambalı R. Kanaujia & Mr. S. R. Kanaujia,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RAMOL IV ROMBAY

Fomb , the 18th August, 1985

Ref. No. ARIV|37-F1414228|84-85.—Where is, J, I AAM A \downarrow DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Shop No. 21, ground floor, Nand Dham at Bhansaheb Pards Red Lahear (W), Rombay-68, Stanted of Pombay

fand more fully described in the schedule annexed hereto), has been true terred and the agreement is registered under Section 169AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bon's v. a 12-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or kny moneys or other assets which have not been dr which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 24, ground floor, Nand Dham Bldg at Bhausaheb Parab Road, Dahisar (W), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. ARIV|14228|84-85 on 1-1-85.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Dated: 28-8-85

(1) Mr. J. N. Holkar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. P. S. Kathkhond, 2 Smt. B.P. Katakhond and 3. Miss M. H. Rao.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

EFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE IV BOMBAY

Bombay, the 28th August 1985

Ref. No AR.IV|37-EE|14446|84-85.--Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reison to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

No. Shop No. 2. Chundra'ok Bui'i'ng Jaywant Sawant Road, & Lohmania Tilak Rd. Dahisar (W), Bombay-68,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-1. 85,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties I as not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this potice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any meome arming from the transfers
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 2, Chandralok Bldg. A-Bldg. Jaywant Sawant Road, & Lokmanya Tilak Rd., Dahisar (W), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|14446|84-85 on 1-1-85.

LAXMAN DAS Competent Authority inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby miriate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act. to the following persons namely:— 99-276GI|85

Dated: 28-8-85

FORM LINS

(1) M's Achul Develop Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Vilas B. Karnink.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE II

BOMBAY

Bombay, the 28th August 1985

Ref. No. ARIV|37-FE|14474|84-85. -Whereas, 1, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tay Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs 1 07 000 and bearing Flat No. 1, 1st floor, A wing Raja apartment, No. Plot No. 732, L.T. Road, Opp. Dahisar Station, Dahi ar (w) Bembay-68

(and moe fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1, 85,

for an apparent consideration which is less than the 'air market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other issets which have not been or which ought to be lisclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Crazette or a period of 30 Jays from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days fro mine date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein are defined in Chapter XXA of the sad Aut shall have the same meaning as given in that Chapter

1HL SCHEDULE

Flat No. 1, 1st floor A-Wing Raia Apartment Plot No. 732, J.T. Road, Opp. Dahisar Station, Dahisar (W), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV 14474 84-95 on 1-1-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-lax Acquisiti, a Range IV, Bombay

Now therefore in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under ant section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Dated: 28-8-85

Scal:

(1) Shit Anant Dhatam Patil.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri N. J. Tejura. 2. J. J. Nathylm, 3. S. S. Narayanan and 4. Shri S. V. Sanjanwala.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE IV BOMBAY

Bombay, the 28th August 1985

Ref. No. ARIV|37.EE|14551|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to beneve that he

Rs. 1.00,000; and bearing
Rs. 1.00,000; and bearing
No. S. 180, 11 180, 1, CTS Nos 1395 & 1396 at Village
Dahisar (F) Bembay Subu ban District Bomb y,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB or the Income tax Act 1961 in the office
of the Connected All by the tree. of the Competent Authority at Bombay on 12 85,

n ipparent onsideration which is less than the fair morket value of the aforesaid property and I have reason to buttere that the fair market value of the property as aforemid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 mays from the service of notice on the respective persuas, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovab e property, within 45 days from the date of the pub cation of the nonce in the Offi ial Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer MACL 131
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-LLE Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

S No 67, H No 1, C.T.S No 1395, 1396, Vilalge Dabisar (F), Bombay suburban Districe, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV 14551,84 85 on 1-1-85.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting A sistant Commissioner of Income-tax Acquistion Range IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated . 28 8-85

FORM NO. I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D 1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M|s Vardhman Construction Co.

(Transferor)

(2) Mr. Rajendra Dhiman, and Mr. Mahendra Jain.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JV BOMBAY

Bombay, the 28th August 1985

Ref. No. ARIV|37|EE|14572|84-85.—Whereas,], LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter refeired to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, naving 1,00,000|- and bearing No.

1,00,000|- and bearing No.

1st floor, Vardhman Industrial Estate, able property, having a fair market value exceeding Rs

Unit No. 138, 1st floor, Vardhman Industriu Estate, S.v. Road and Express Highway, Dahlsar (E), Bombay-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-85,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D the said Act, to the following persons, namely: -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meating as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 135, 1st floor, Vardhman Industrial Estate. S.V. Road and Express Highway, Dahisar (E), Bombay-40 0968.
The agreem of has been registered by the 6 med on Authority, Bombay under No. AR.IV]37-EE, 14572 8-485 on 1-1-1985.

> LAXMAN DAS Competent Author ty Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IV, I mbay

Dated: 28-8-85

(1) M's Swati Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Greater Bombay Co-op Bank Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE IV BOMBAY

Bombay, the 28th August 1985

Ref. No. ARIV|37.EE|14599|84-85.—Wheres, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable p. ope ty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-R. 1,00,000|- and bearing
No. Flat No. 5 & 6, 1st floor, SAI PRASAD, Anand Road,
Chhattapati Shivaji Road, Dahisar (E), Bombay-400 068.

situated at Hembay

(and more fully described in the Schedule annexed here o). has been transferred and the agreement is registered Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Com etent Authority at

Pumbay on 1-1-85,

for an appa ent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chipter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No 5 & 6, 1st floor, SAI PRASAD Chhatrapati Shivaji Road, Anand Road, Dah.sar (E), Bombay-400 068.

The agreement has been registered by the Competent Authoray, nombay under 150. ARIV 37-EE [14599]84-85 on 1-1-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax Acquisition Range IV, Bombay.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-8-85

Seai :

FORM ITNS ...

(1) Smt. C. P. Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

(2) Laxman A. Yadav.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE IV BOMBAY

Bombay, the 28th August 1985

No. AR.IV|37-EE|14470|84-85.-Whereas, I. LAAMAIN LAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 00.000; and bearing No. Giriraj, Flat No. 301, Wing-B, 3rd floor, Harishankar

Joshi K. Lanisai (E), Bombay-68, situated a. Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transacrited and the agreement is registered under Section 269AB of the Inc matter Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985,

for an apparent consideration which is less than the fear market value of the atoresaid property, and I have reason to believe that the tair market value of the propert, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of traumier with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-inx Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period experse later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gitirai Flat No. 301 Wing-B, 3rd floor, Harishankur Joshi Road, Dahisar, Bombay-68.

The agreement has been resistered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV 14470 81-85 on 1-1-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for he acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act. to the followstoresair property by the Issue of this notice under subpersons, namely :-

Dated: 28-8-85

FORM I.T.N.S .-

(1) C. P. Shah.

(Transferor)

(2) S. A. Sapre

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th August 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|14318|84-85.-Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a far market value exceeding Rs. 1,00 0001- and bearing No. Girirai Firt No. 303 Wing-A, 3rd floor, Halishankar Joshi

Road, Dahisar, Bombay-68

(and more 'ully dos ilb J in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Compating Aubility at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proporety as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

Explanation :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G'riraj, Flat No. 303, Wing-A, 3rd floor, Harishankar Joshi Road, Dah'sar, Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. A&IV[14318]84-85 on 1-1-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissi n r of Inc me tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;—

Date: 28-8-1985

Scal ;

(1) Mr Parmanand T. Shah and Smt. T. P. Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. B. P. Shah.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOM3AY

Bombay, the 28th August 1985

Ref. No. AR.IV|37-EF|14296|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

Government in this behalf under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsteer referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a tau market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Al9. Malnay Kilpa, Maratha Colony Road, Dahisar

East, Bombay-68

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the projectly as affinesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such ap arent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the Jate of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability respect of any income arising from the transfer; andlor

THE SCHFDULE

No. A 9. Madhav Kripa, Maratha Colony Road, Dahisar East Bombay-68.

The agreement has been registered by the Comptent Authority, Bombay under No. ARIV 14296 84-85 on 1-1-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other tasets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1953 (27 of 1222);

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-8-1985

Seal .

FORM TINS --

(1) M_{|S}. Rajdeep Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT GOMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th August 1985

Ref. No. ARIV 37-EE 14585 84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

as the said Act 7 have reason to believe that the finitive able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Plot No. 303, 3rd floor Manisha Apartments, Plot No. 246, H. No. 2, S. No. 247, C.T.S. No. 946, Village Dahisar, Swami Vivekanand Road, Dahisar (E), Bombay-68

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), hea been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tar Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the *foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely 100-276GI|85

(2) Mr. Hemant Vijay, Clo M S Kolkar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303, 31d floor, Manisha Apartments, Plot No. 246, H No. 2, S. No. 247, C.T.S. No. 946, Village Dahisar, Swami Vivekanand Road, Dahisar East, Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV 14585 84-85 on 1-1-85.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 28-8-1985

(1) M|s. Rajdeep Enterprises.

Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mayur Hansraj Bhai Gala.

Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME.TAX,
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th August 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|14732|84-85 -- Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00 000|- and bearing

Flat No 304, 3rd floor, Manisha Apartments, Plot No. 246, H No 2, S No 247 CTS No. 946, Village Dahisar, Swami Vivekanand Road, Dahiser (E) 30mbay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

his been transferred and the agreement is registered under section 269 \B of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been 'a which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as a defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHFDULE

Flat No. 304, 3rd floor. Manisha Apartments, Plot No. 246, H. No. 2, S. No. 247, C.T.S. No. 946, Village Dahisar at Swami Vivekanand Road, Dah'sar (E), Bombay-68.

The agreement has been 1eg stered by the Competent Authority, Bombay under No ARIV|14732|84-85 on 1-1-85.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IV. Bombay

Now, factore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby existate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section /1) of Section 269D of the said Act to the following persons. persons namely:-

Date: 28-8-1985

(1) M/s Rajdeep Enterprises

(Transferor

(2) Mr Sanjay Vithal Fari

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th August 1985

Ret No ARIV|37-EE|14617|84-85 -- Whereas, I, LAYMAN DAS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act) have reason to believe that the immov-

Rs 100 000 and bearing
Maush Aputments 11at No 402 4th floor 5 No 246,
H No 3 CTS No 946 Swemi Vivekanand Road, Dahisai
Fast Bombay 68

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority

Bombay on 1-1 1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the soncealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the soforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namel/ -

Objections it any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION - The terms and expressions used herein as usedefined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Manisha Apaitments Hlat No 402 4th floor, Plot 246, H No 2, CTS No 946 Village Dahisar Swami Vivekanand Road, Dahisar (F), Bombay 68

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No ARIV 14617 84 85 on 1-1-85

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date 28-8 1985 Scal .

FORM TINS-

(1) Kum Kum Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Nandlal S. Singh.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th August 1985

Ref. No. ARIV 37-FE | 14482 | 84-85.—Whereas, I,

AXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding R₃. 1,00,000/and bearing

Commercial premises No A-203, 2nd floor, in Plyush Apartment Y. R. Tawade Road, Dehisai (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to marker value of the atoresald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the narties has not been truly stated in the said instrument of consideration for such transfer as agreed to between the lansfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said unmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Commercial premises No. A|203, second floor in Piyush Apartment, Y. R. Tawde Road, Dahisar (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. ARIV|14482|84-85 on 1-1-85.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date : 28-8-1985

Sent :

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th August 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|14404|84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Gulmohar, Ramkumar Road, Dahisar (E), Bombay (and more fully described in the Schedule anexed herto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

A-Wing, Dahisar (E), Bombay-92.

Gulmohar, Ramkumar Road, Shop No. 6, ground floor,

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. ARIV|14404|84-85 on 1-1-85.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely :---

'(1) Fathe Mohd. Nathu Rathod.

(Transferor)

(2) Mls. Sadavijay Builders.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Date: 28-8-1985

Seal .

(1) M|s. United Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt Muktaben K Patcl and Dr. K. R. Patel.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF IN OME-TAY ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th August 1985

Ref. No. ARIV,37-EE|14739|84-85,---Whereas, 1,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Flat No. 32, 3rd floor, Shreeji Darshan Junction of S. V.
Road and Shantilal Modi Road, Kandivli (W), Combay-67 (and more fully described in the schedule below) has been transferred and the agreement is registered section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used hereis as are defined in Chapter XXA of the said 70t. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 32, 31d floor, Shiceji Darshan Junction of S. V. Road and Shantilal Modi Road, Kandivli (W), Bombay-67,

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. ARIV|14739|84-85 on 1-1-85.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this natice under sub-section (1) of Section 269D of the said A 1 to the following pursons, namely :-

Date: 28-8-1985

FORM ITNS----

(1) M|s. Trimurti Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Sandhya Saykar

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th August 1985

Ref. No. ARIV[37-EE]14434[84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Kunti Kunj, 1st floor, Flat No. 18, crokhal Road, Dhanukarwad, Plot No. 41, Kanda li (W), Bombay-67. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority. the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partice has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or may moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tux Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kunti, Kunj, Ist floor, fiv No. 18, Gokhal Road, Dahanukarwadi Plot No. 41, Kandiyli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Pombay under No. AR.IV/37 EE 14434 84-85 on 1-1-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '--

Date: 28-8-1985

(1) The Dawoodi Bohra Welfare Trust.

(Transferor)

(2) Mr Saleh Mohamadbhoy Roopwala.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|14584|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 304, C-II Building, Bohra Colony, Mahatma Gandhi Road, Kandivli (W), Bombay-67

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair nor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assers which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period o 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein : are defined in Chapter XXA of the sa Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

THE SHEDULE

Flar No. 304, C-II Building Bohra Colony, Mahati Gandh' Road, Borivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competauthority, Bombay under No. ARIV[14584]84-85 on 1-1-1

LAXMAN D Competent Author Inspecting Assistant Commissioner of Income-Acquisition Range-JV. Poml

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-9-1965.

(1) M/s. Gautam Builders (India).

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jaydeep Enterprises.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 9th September 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|14645|84-85,---Whereas, I, LAXMAN DAS,

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Pieces of Lond with structures, N.A.S. No. 55 (S. No. 114E), & S. No. 114, Hissa No. 2, CTS No. 802, Borivli, Bombur 02, situated at Bombur.

bay-92, situated at Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (ii) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Picces of land with structures, S. V. Road, N.A.S. No. 55, (S. No. 114-E), and S. No. 114, Hissa No. 2, CTS No. 802, Borivli, Bombuy-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV 14645 84-85 on 1-1-85.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

riow, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following corsons namely —

Date: 6-9-1985

Seal:

101-276GI]85

(1) M|s. M. J. Mehta & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Shilpa Builders.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 30th August 1985

Ref. No. ARIV|37-FE|14321|84-85.-Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000|- and bearing No.
Plot of land at S. V. Road in village of Magathana, Taluka Borivli, S. No. 159 (pt), Borivli

situated at Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land being in village of Magathana, Taluka, Borivli, S. No. 159 (pt.), Swami Vivekanand Road, Borivli, The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No ARIV 1432 184-85 on 1-1-85.

I.AXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 30-8-1985

(1) Shri C. M. Almera .

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mohmedali N. Akharia

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 28th August 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|14222|84-85,-Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable

as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000]- and bearing Block No. 3, ground floor Rajesh Building Eksai Road, S. No. 6, Babhai, Borivli (W), Bombay-92, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Rombay on 1-1-1985 Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such thansfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Shop No. 3, ground floor, Rajesh Building S. No. 6, H. No. 5, at Eksar Road, Babhai, Borivli (W), Bmbay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|14222|84-85 on 1-1-25.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range JV, Bombay

Date: 28-8-85

(1) M/s. Shreyas Constructions

(Transferor)

N()TICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Martires M. S. Fernandes

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

SIONER OF INCOME-TAX,

Bombay, the 28th August 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|14229|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing Shop No. 5, Sidhaith, Plot No. 34, I.C. Colony, Borivli (W), Bombay-103, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreemnt is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the cold Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Woulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoved property, within 45 days from the date of the present of this notice in the Official Camette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5, Siddhaith plot No. 34, I.C. Colony, Borivli (W), Bombay-103.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV 14219 84785 on 1-1-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following

Date: 28-8-85

(1) Mr. Mehboob Ahmedali Dosani

(Transferor)

(2) 1. Mr. R. M. Neghandhi 2. Mrs. D. R. Neghandhi

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 30th August 1985

Ref No. ARIV|37-EE|14532|84-85 --- Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Rab Description 1983. Saibab Nagar, Borivil (W), Bombay-92, situated at Lombay (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

ther an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforested property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforested exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of pay income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wester-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of netice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Esb Apartment, Building No. 6B, Flat No. 405, Saibab Nagar, Borivli (W), Bombay-92

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|14532|84-85 on 1-1-85.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV, Bombay

Now, meretore, in pursuance of section 259°C of the sain Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Pate: 30-8-85

FORM ITHE-

(1) Shri R. S. Salian Smt. H. R. Salian

(Transferer)

(2) Shri Bharat R. Shah Smt. Sharda B. Shah

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 260D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 28th August 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|14391|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000] and bearing
No. 103, Shipa Torrace, 1st floor, Shimpoli Road, Kastur Park, Borivii (W). Bombay-92 situated at Bombay

exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. 103, Shipa Toriace, 1st floor, Shimpoli Road, Kastur Park, Borivli (W). Bombay-92 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion o fthe liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

No. 103, Shilpa Terrace, 1st floor, Shimpoli Road, Kastur Park, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|14391|84-85 on 1-1-85.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV, Bombay

Date: 28-8-85

(1) Mr. C. F. Jai & Mrs. S. C. Jain.

(Transferor)

(2) Mr. Sohanlal G. Jain

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 28th August 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|14634|84-85,-Whereas, I,

LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. F. 5. 4th floor, Goraghandhi App. Chandawarkar Road, & S. V. Road, Jun. Borivli (W), Bombay-92 situated at

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the mild instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

No. F|5, 4th floor, Goragandhi App. Chandawarkar Road, & S. V. Road, Jun. Borivli (W), Bombay-92,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|14634|84-85 on 1-1-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent. Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IV, Bombay

Nov, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely :---

Date: 23-8-1985

FORM 1.T.N.S.~

(1) Ms. Mangal Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. S. A. Merchant

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 30th August 1985

Ref. No. ARIV 37-El: 14644 84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable 1960 (1960) property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Flat No. A-5, 2nd floor, Chandramukhi, plot beating S. No. 225, H. No. 10, C.I.S. No. 2211A at Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92 situated at Bombay

(w), Bonday-32 studied at Bonday (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred und the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the fair per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moncys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any to the acquisition of the said propenty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. A-5, 2nd floor, Chandramukhi, plot bearing S. No. 225, H. No. 10, C.T.S. No. 2211A Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. ARIV|14644|84-85 on 1-1-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-8-85

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Bhikhalal Ramjibai Mogo

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ganesh Sanjiv Godiyar

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 30th August 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|14671|84-85,---Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 306, 3rd floor, Bdg. No. B 39, Yogi Nagar, Eksar Road, Barivli (W), Bombay-92 situated at

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 ("7 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, ramely :---102---276GI|85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 306, floor, Bldg. No. B 39, Yogi Nagar, Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV 14671 84-85 on 1-1-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IV, Bombay

Date: 30-8-85

FORM I.T.N.S.-

(1) M|s. M. J. Ganatra & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Jagdish P. Muthreja & Smt. B. J. Muthreja

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 30th August 1985

Ref. No. ARIV]37-EE[14261|84-85.---Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Lucky Star Apartment. Flat No. A-203, 2nd floor, S. No. 99, Hissa No. 3, Near Shanti Ashram, Eksar Rd., Borivli (W), Bombay-103 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration I.T. Act, 1961 the Office of the registering Officer at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (1) facilitating the concealment of any knoome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesuid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the sarvice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lucky Star Apartment, Flat No. A-203, 2nd floor, S. No. 99, Hissa No. 3, Near Shanti Ashram Eksar Borivli (W), Bombay-103.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|14261|84-85 on 1-1-85.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range IV, Bombay

Date: 30-8-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Ms. Jude Construction Co.

(Transferor)

(2) Shri D. S. Chavan

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 30th August 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|14465|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

seing the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to its the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat on 3rd floor, in Casa Mariana Bldg, Kandarpada Road, Mandapeshwar Village, Borivli (W), Bombay-103, situated at

Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Flat at Casa Mariana, IIIrd floor, Kandarpada Road, Borivli (W), Bombay-103.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV 14465 84-85 on 1-1-85.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range IV, Bombay

Date: 30-8-85 Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s. Vijay Nagar Corpn.

(Fransferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ram Singh Thakur

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE IV. BOMBAY

Bombay, the 30th August 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|14712|84-85.-Whereas, I,

Ref. No. ARIV|37-EE|14712|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the inamovable property, having a fair market value exceeding R. 1,00,000| and bearing Plot No. 57|58, Flat No. 1405, Yogi Nagar, Eksar Road, Borivli (W), Hombay-92 situated at Bombay has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

Bombay on 1-1-1935 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating to reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this votice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 57, 58, flat No. 1405, Yogi Nagar Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|14712|84-85 on 1-1-85.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 260C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 30-8-85

(1) Shri Jamnadas Dayalal Bhojani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. M. G. Waghela Shri H. G. Waghela

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 30th August 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|14242|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000; and bearing

Shop on ground floor satyam Bldg. Rayani Gram, Shimpoli Road, Borivli (W), Bombay-92 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-1-85, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop on ground floor at Satyam Bldg. Rayani Gram Shimpoli Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|14242|84-85 on 1-1-85.

LAXMAN DAS

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dato: 30-8-85

(1) Sh. Nagji G. Mehta

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THB INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Pravin Amratlal Kansara

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 30th August 1985

Ref. No. ARIV|37-EE|14355|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tan Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Shop No. 2, ground floor, Neel Dhara Devidas Rd. Borivli (W), Bombay-93, situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985 for an apparent consideration, which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, or respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons wnichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2, ground floor, Neel Dhara, Devidas Road, Borivli (W), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV 14355 84-85 on 1-1-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range IV, Bombay

Date: 30-8-85

(1) Shri Jairam. B. Manghani.

Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Heeru. C. Jethwani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th September 1985

Ref. No. ARIV|37.EE|14702|84-85.--Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

Flat No. 702, 7th floor, Hari Om Apartment, A-S. V. Road

Borivli Bombay-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is register under Section 269 AB of the Income tax Act 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any suoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act (97). (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 702, 7th floor, Hari Om Apartments, A-S. V. Road, Borivli, Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|14702|84-85 on 1-1-85.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 11-9-85

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the suid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following were ms, namely :-

FORM TINS-

(1) Mis. Nara Constructions.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-(NCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dungarmal Bhandari Allas Deepak Bhandarl.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th September 1985

Ref. No. ARIV|37.EE|14449'84-85.--Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing Flat No. 201, Aogeshwar Klipa at L. T. Rd. Borivli (W), C.T.S. No. 651 (Pt) Bombay-92. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is register under Section 269 AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-85

fo an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object off-

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: sad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201, Yogeshwar Kripa, I., T. Road, Porivli (W), C.T.S. No. 651 (Pt) Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV 14449 34-85 on 1-1-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the (foresaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 11-9-85

(1) M|s. Nara Construction.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mansukhlal, K. Luhar & Smt. N. M. Luhar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 11th September 1985

Ref. No. ARIV 37 EE 14692,84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 402, 4th floor, in Yogeshwar Kripa L. T. Road, Borivli (W), CTS No. 651, (P), Bombay-92, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is register under Section 269 AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely :---

103-276GI 85

Objections, if any, to the acquidation of the said property may be made in writing to the undersigned :-

– _{ಆರ} - ೧೬೬೬ ಕ್ರಮಿಸಿ ಕಾರ್ಯಕ್ಷಿಗೆ ಮುಖ್ಯವಾಗಿ ಕಾರ್ಗವರ್ಷ

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of producation of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the leapertive persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi cation of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shill have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 402. 4th floor, Yogeshwar Kriph at L. I. Road, Borivli (W), CTS No. 651, (pt.), Bombay 92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No ARIV|14692|84-85 on 1-1-85.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Dergles /

Date: 11-9-85

FORM ITNS----

(1) Mls. Prayas Laboratory.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii V. B. Propagoi & Shin P. N. Prajapati.

(Transferce

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28 h August 1985

Ref. No. ARIV|37 EE|14263 84-85 - Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000l- and bearing
Shop No 35 Q 36, Patel Shopping Centre Premises 'B'
Bldg., Chan 'arakar Rd. Borivir (W), Bombay-92,
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is register under
Section 269 AB of the Income tax Act 1961 in the office of

the Competent Authority at Bomb is on 1-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION; —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given un that Chapter.

THE SCHEDULE

Shops 35 & 36, Patel Shopping Centre Premises, Co-op. Hsg. Sctv. B-Building, Chandavarkar Rd, Borivh (W), Bombay-92.

The agreement has, been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|14263|34-85 on 1-1-85,

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bomb is

row, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-8-85

(1) Mls S A Contractor

Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-IAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Umeshii G Agarwal

may be made in writing to the undersigned :-

Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 29th August 1985

Ref. No ARIV|37 EE|14543|84-85 —Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000]—and bearing

Shop No 11, ground floor Samarpan B-Bldg at Daulat Nagar Road, No 3, Bornvli (E) Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is tegister under Section 269 AB of the Income Lie Act 1761 in the office of the Competent Authority it Bombay on 1-1 85

Bombay on 1-185 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(h) by any other person interested in the said immovable property within 45 days t oin the date of the rublication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(1) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,

Shop No 11, ground floor Samarpan 'B' Building at Danlat Nagar, Road No 3, Borivli (E), Bombay

The agreement has been presserted by the Competent Authority Bombay under No ARIV|14543|84 85 on 1-1 85

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

I AXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issu- of this notice under subsection (1) of Section 269D or the said Act, to the following persons, namely —

Date : 29 8 85

Scal

FORM I.T.N.S.-

(1) Jay Raj Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mangesh. M. Desai.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Bombay, the 28th August 1985

Ref. No. ARIV|37.EE|14587|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-lax Act, (43 of 1961) (her matter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000; and floor, Jayshree Apartments, Jay Raj Nagar, Vazira Naka, Borivli (W), Bombay-92, (and more fully described in the Schedule annexed Lereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-85

formally on 121-63 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability. of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV 14587 84-85 on 1-1-85.

Vazira Naka, Borivli (W), Bombay-92,

Flat No. 7, 3rd floor, Jayshree Apartments, Jay Raj Nagar,

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 28 8 85

FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. Veona Devgun & Lt, CDR. Suresh K. Devgun Jt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th August 1985

Ref No. AR.JV|37-LE|14422|84-85.--Whereas, I. Ref. No. AR.IV|37-1E|14422|84-85.—Whereas, I, I.AXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value. Rs. 1.00.000!— and bearing Flat No. 123, 6th floor, in Susheela Apartments, at Vazira Naka, Borivli (W), Bombay-92, cand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is register under Section 269 A3 of the Income at Act 1961 in the office of the Competent Authority at the Competent Authority at Bombay on 1-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair analyset value of the aforesaid property and I have a son to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of

to between

the consideration for such transfer as agreed

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability it the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(2) Mrs. Hasumaii B. Shah & Mr. B. V. Shah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Oficial Gizette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCUPDULE

Flat No. 123, 6th floor, Susheela Apartments, at Vazira Naka, Borivli (W), Bombay-92,

The agreement has been recipie od by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV 14422 84-85 on 1-1-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 28-8-85

FORM ITNS ---

(1) Mr. Kishore kumar. Kantilal Soni.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ashok kumar Vadilal Shah.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th August 1985

Ref. No. ARIV|37.EE|14531|84-85.--Whereas, J.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have teasor to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Fs. 1.00,000] and bearing

Flat No. 192, B-Wing, Bldg. 3, Ganjawala Apt. Borivli (W),

Bombay-92.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is register under Section 269 AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-1-85

Rombay on 1-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Flat No. 192, B-Wing Bldg No. 3, Ganjayala Apartment, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV 14531 84-85 on 1-1-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-TV. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date - 28-8-85

(1) M_is. k. T. Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Mangal, L. Mehendale.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RAPELIFY, BOMBAY

Bombay, the 28th August 1985

Ref. No. ARIV|37.EF|14632|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a Jair market value exceeding Rs. 1,00,000l- and bearing

Bleck No. 17, Meghna Apartment, Vazira Naka, Borivli (W), Bombay-92.

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is register under Section 269 AB of the Income in Apr 1961 in the office of the Competent Authority of Bombay on 1-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 17, Meghna Apartment, Vazira Naka, Borivli (W), Bombay 92,

The agreement has been receivered by the Congretent Authority, Bombay under No. ARIV|14632|84-85 on 1-1-85.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance or Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-8-85

FORM ITNS----

(1) Smt. Shantaben D. Mistry, Shri D. R. Mistry.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ashok. D. Mistry.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-IV. BUMBAY

Bombay, the 28th August 1985

Ref. No. ARIV|37.EE|14250|84-85.-Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the as the 'said Act.'), have reason to believe that the immovsole property, having a fair market value exceeding Flat No. 501, 5th floor, Raj Bhavan Apartment, L.T. Road, Borivli (W), Bombny-92, and more Jully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is register under Section 269 AB of the Income for Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument o

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 day, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 Jays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b, facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 501, 5th floor, Raj Bhavan Apartment, L. T. Road. Borivli (W), Bombay-92,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV 14250 84-85 on 1-1-85.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date 28 8 85

gen jarang la <u>Lore sa</u>ersah zan

FORM ITNE

(1) Tilak. V. Amin

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Dinesh K. Rajput & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 30th August 1985

Ref. No. ARIV|37.EE|14330|84-85 -- Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000]- and bearing Borivli Rajiatnam Co-op. Hsg. Sety. Ltd., 'F' plot Vishwamangalam Hsg. Colony, Eksar Rd., Flat No. 10, A Wing Borvli (W, Bombay-92, (and more fully described in the Set at 1). LAXMAN DAS,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Borivli (W Bombay-92,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the considerat on for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-mx Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (2) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEIJULE

Borivli Rajratnam Co.-op. Hsg. Hcty. Ltd., 'F' plot, Vishwamangalam Housing Colony, Eksar Road, Flat No. 10, 'A' Wing, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bembay under No. ARIV 14330 84-85 on 1-1-85.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bomb ty

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

104-276GJ|85

Date: 30-8-1985

(1) Ms. Fancy Corpn. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mukesh. N. Shah.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 30th August 1985

Ref. No. ARIV|37.EE|14613|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1261 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 16, 2nd floor, Om Sadan Co-op, Hsg. Sety. Ltd., S V. Road, Borivli (W), Bombay-92. (and more fully described in the schedule am exed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income ax Not 1961 in the office of the Competent Authority of

the Competent Authority at Bombay on 1-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said-Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Lax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 16, 2nd floor Om Sadan co-op, Hsg. Scty Ltd., S. V. Road, Borivli (W), Bembay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No ARIV|14613|84-85 on 1-1-85,

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 30-8-85

35103 __ ____

FORM ITNS-

(1) Mr. K. S. Thakur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Nurjahan Shiraj Khan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

*OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV

BOMBAY

Bombay, the 28th August 1985

Ret. No. AR-IV|37-EE|14754|84-85.--

Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'Said Act') have reason to believe that the immovable that the income tax is a second to be the competency of property, having a fair market value exceeding Rt. 1,00,000/and bearing No.

Flat No. 801, grd. floor, C-wing, Alka Bliavan of H. No. 2, S. No. 208, Eksai Village, Borivli (W), Bombay-92, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule an-

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 801, grd floor, C-wing Alka Bhuvan Eksar Village, H. No. 2, S. No. 208, Botivli, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|147-4|84-85 on 1-1-85,

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquivition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiat proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :--

Date: 28-8-1985

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Mls. Arihant Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Nauthmal B. Shah, & Shri J. N. Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 30th August 1985

Ref. No. AR-IV|37-EE|14224|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. City survey No. 13|15 & 13|21 in Desai & Sheth flat 103 Nagar Off. S V. Rd., Near Poisar Bus Depot, Borivii (W), Bombay, situated at Bombay,

(and more fully described in the schedule anexed hereto) has been transfered and the agreemnt is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-85

for an apparent consideration which is less than the rair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Expranation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 103, Ist floor A-wing, Plot No. 14, 19 city survey No. 13|15, 13|21, in Desai & Sheth Nagar off S. V. Rd. Near Poisai Bus Depot, Borivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|14224|84-85 on 1-1-85.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 30-8-1985

(1) Shri Kesharinath Mahadey Bhandari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. D. K. & Associates.

(Trausferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 28th August 1985

Ref. No. AR-IV|37-EE|14340|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Acr, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000| and bearing

Agricultural Lands, Survey No. 16, Hissa No. 1, City Survey No. 86, Village Borivli, Behind Vazira Village, Borivli,

Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the tagreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more unto fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such ransfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Lands, Survey No. 16, Hissa No. 1, City Survey No. 86, Village Borivli, Behind Vazira, Village, Borivli Behind Vazira Village, Borivli, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scria! No. AR-IV|37-EE.|14340|84-85 on 1-1-1985.

I.AXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 28-8-1985

FORM No. ITNS-

(1) J. S. Vazir & Others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Everest Builders.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV ROMBAY

Bombay, the 28th August 1985

Ref. No. AR-IV|37-EE|14677|84-85.—Whereas, J, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

'Sakhi Nivas' Carter Road No. 2, Plot No. 45-A, T.P. S. No. II

of Borivali (East), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any meome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the unaversigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 62 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said unmerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Sakhi Nivas Carter Road No. 2, Plot No. 45A, T. P. S. II of Borivli (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR-IV|37EE|14677|84-85 on 1-1-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 28-8-1985

Soal:

FORM 1.T.N.S.—

(1) M|s. Sainath Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Riddhi Siddhi Constructions.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMPITAX

> ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 30th August 1985

Ref. No. AR-IV|37-EE|14683|84-85.-

whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000]—and bearing Office No. 19. Ist floor, Goyal Shopping Arcade, S. V. Road, & L. T. Road, Borivli (W), Bombay-92.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the represent is registered under section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-1-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

THE SCHEDULE

Office No. 19, 1st floor, in Goyal Shopping Arcade, S. V. Road, & L. T. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV|14683|84-85 on 1-1-85.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 30-8-1985

FORM I.T N.S.— --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF 1HE INCOME-LAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

UFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 30th August 1985

Ref. AR-IV|37-EE|14502|84-85.-

Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,0001- and hearing Office No. 122, 1st floor, Goyal Shopping Arcade L. T. Rd. Borivii (W), Bombay-92.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason so believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefore by more that there is the distribution and that the consideration for such transfer was agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the highlity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this votice under subsection (1) of Section 269D of the said A t, to the following persons, namely :---

(1) Goyal Boothers.

(Transferor)

(2) Di. D. G. Palkar & Shri Vijay D. Palkar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in waiting to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever persod expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the maid Not, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 122, Ist floor, Goyals Shopping Arcade, L. T. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/14502/84-85 on 1-1-85.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV Bombay

Date: 30-8-1985

(1) Smt. Tarabai Jamnadas.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Rizvi Foundations.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 10th August 1985

Ref. No. ARIV|37.EE|14688|84-85.— Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No.

Piece of land bearing S. No. 525, CIS No. 497 of Village Kanherl, Final Plot No. 31, Town Planning Scheme II,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is register under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

· THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Piece of land bearing S. No. 525, C.T.S. No. 497 of village Kanheri, Final Plot No. 31, Town Planning Scheme II, Borivli,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV 14688 84-85 on 1-1-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-105-276GI 85

Date : 10-985 Seal :

FORM ITNS ---

(1) M/s. Khatau Makanji Spa. & Wvz. Co. Ltd. (Transferor)

(2) Mr. Chandru L. Raheia.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV ΒΟΜΒΛΥ

Bombay, the 30th August 1985

Ref. No. ARIV|37.EE|14207|84-85.---Whereas, I, LAXMAN DAS,

Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said \(^{1}21), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing property bearing CTS. No. 519, 559, 559 to 12,560 Western Express Highway, Village Kanhari Taluka Borlyli, Bombay (and mole fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is register under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-85 Bombay on 1-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid execute the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing CTS No. 519, 559, 559|1, to 559|12 & 510 Western express highway village Kanheri Tal. Borivli Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV 14207 84-85 on 1-1-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-8-85

(1) Shri K. B. Bhayani,

(Transferor)

(2) Shri S. J. Vaidya & Shri J. M. Vaidya,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 10th August 1985

Ref. No. ARIV|37.EE|14206|84-85.— Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sail Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Flat No. 402, Wing-A, Aditya Nagar, Chhatrapati Shivaji Rd, Dahisar (E), Bombay-68. (and more fully described in the Schedule annxed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-1-85 at Sonepat under Registration No. 3891 dated December, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

, bi facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice-under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the data of the publi cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in thtat Chapter.

THE SCHEDULE

* Flat No. 402, 4th floor, Wing-A, Wing-A, Aditya Nagar Chhatrapati Shivaji Road, Danisar (E), Bombay-68,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|14206|84-85 on 1-1-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 10-9-1985

Seal -

(1) Shri G. N. Govand Smt. S. G. Govand

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1951 (43 OF 1961)

(2) Ms. Omkar Constructions

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Bombay, the 28th August 1985

Ref. No. ARIV|37.EE|14579|84-85.—
Whereas, I, LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fan market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing
Piece of land, Village Bhagila Pada Shivaji Rd, S. No. 66,
H. No. 9-A, S. No. 68 H. No. 14 at Dahisar (E), Bandra,

Bombay.

(and more fully described in the scheduled annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-1-85

(and more fully described in the Scredule annexed hereto), for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, wi hin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Piece of land at village Bnaglla Pnda Shivall Rd, sub-Distt, Bandra Bombay S. No. 66, H. No. 9-A & S. No. 68, H. No. 14, Dahisar (E), Bombay. (b) facilitating the concealment of any income or any

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV,14579[84-85 on 1-1-85.

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresald property by the issue of this notice under submedian (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date: 28-8-85

(1) K. S. Vyas.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX AGT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mls. Everest Builders.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 28th August 1985

Ref. No. ARIV|37.EE|14440;84.65.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-and bearing

Picce of land survey No. 66, Hiera No. 14, C.T.S. No. 1376 at Village Dahisar (E), Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evastion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of thet said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece of land bearing survey No. 65. Hissa No. 14 C.T.S. No. 1376 at Village Dahisar (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No ARIV!14440'64-85 on 1-1-85.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Dato : 28-8-85

(1) Mls. Vardhman Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Babubhai Premti Vaghela.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 28th August 1985

No. ARIV:37.EE:14402;84-85.--

whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair marketing value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Unit No. 25, Ground floor

Ground floor, Vardingan Industrial S. V. Road & Express Highway Road, Dahisar (E), Bombay-68

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, m pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 769D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Land Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 25. Ground Floor, Vardhman Industrial Estate, S. V. Road & Express Highway Road, Dahisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|37EE|14402|84-85 on

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 28-8-85

(1) M/s Parag Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. J. M. Gor & Smt. D. M. Gor.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th September 1985

Ref. ARIV|37EE|14371|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tal Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding bearing Plot No. 7, of Medona Colony

Near Bhagwati Hospital Off Mandpeshwar Road,

Flat No. 1, 1st floor, Borivli (W), situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annxed hereto) has been transferred and the agreement is register under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason believe that the fair market value of the property as foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(b) by any other person interested in the said immov-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meening as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or

which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 7, flat No. 1, 1st floor, Medona Colony, near Bhagwati Hospital off Mandaneshwar Road, Borivli (W).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV 14371 84-85. on 1-1-85.

THE SCHEDULE

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, herefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 28-8-85

FORM TINS

(1) Mis Himanshu Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF_1961)

(2) Suresh H. Shah & Pramila S. Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 30th August 1985

Ref. No. ARIV|37EE|14426|84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act') nave reason to believe that immovable property having a fair .narket value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No Flat No. 33, Prabhu Niwas, Plot No. 166,

Rs. 1,00,000]- and
Ori Factory Lane, Bonvli (W),
situated at Bombay-92
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (14 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein RA are defined in Chapter XXA of the said Act, shall havt the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 33, Prabhu Niwas, Plot No. 166, Off Factory Lane, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV 14426 84-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

reaw, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

Date: 30-8-85

FORM ITNS----

engaran en er er arragon agregor a en en e

(1) M[s. Parag Corporation

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Roshan Rivaz Khatib,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-1AX,

ACQUISITION RANGE-1V, BOMBAY

Bombay, the 11th September 1985

Ref. No ARIV|37FF|14370|84-85 -- Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R. 1.00,000/and bearing No.

Plot No. 7, Flat No 1, first floor Medona Colony, near Bhagwati Hospital ofl Mandapeshwat Road, Borivli (W), situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement in register under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the storesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than nation per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of insfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. Or the Worlth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following raisens namely:
106—276G1[85]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may to made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication or this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 7. Madhuvan Aptt. flat No. 1, 1st floor, Medona Colony, near Bhagwati Hospital, Off Mandereshwai Road, Fourth (W), Bombay

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bomb ty under No ARIV[14370]84-85.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Dated: 11-9-85

Seal

FORM ITNS----

(1) M|s. Gagangiri Development Corporation.

(Transferor)

(2) Chandrashekhai Keshav Dewjee

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF 1HE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

DEFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SION, R OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, SOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. ARIV|37EE|14202|84-85 —Whereas, I, LAXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding, Rs 1 00,000]- and bearing Flat No. 012, in 'C' Building Gagaugiri Nagar, Behind Jaxmi Narayan Temple Thakur Pakhadi, Eksai Road, Borivli (W), situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is register unit. Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the effice of the Competent Authority at Bombay on 1-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or:

(b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax ' 1 1937 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gasette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPI ANATION:— The terms and expressions used herein wyare defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning, as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 012 in 'C' Building, Gangangui Naga , Behind Laxmi Norayan Temple, Thakur Pakhadi, Eksar Road, B (12) (W). Bombay-92

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV 37EE 14202 34-85 on 1-1 1985.

LAXMANDAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Jate: 10-8-85

FORM TINS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

DEFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

GOVERNMENT OF INDIA

Bomba,, the 28th August 1985

Ret. No. ARIV|37EE|14347|84-85.-Whereas, I, LAXMANDAS,

peing the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-beating Fly No. A 602 Sumer Nagw. 5 V. Road, Borryli (W), situated at Bombay-92.

(and more fully described in the Schedule anaexed hereto), ha been transferred as J the agreement is register under Section 469AU of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Suthorty at Pombay on 1-1-85

the fak for an apparent consideration which is less than market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair contest value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lift en per ant of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of

of the transferor to pay tax under the said "Act, in respect of any income arising from the transfer;

15, facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax tet, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. 1, hereby initiate proceedings for the acquisition of the state of this notice under sub-section (1) of Section 26 D of the said Act, to the following m - ms, namely -

(1) Mrs. Kusum Gupta Mr. Paviter Singh,

(Transferor)

(2) Mr. N. N. Snah 2, Mr. H. N. Shah 3, Mr. Mukesh N. Shah,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of upid property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable proserry, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- LV NON the terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said det, shall have the same meaning as given to that thought

THE SCHEDULE

Flat No. A|602 Sumer Nagar, S.V. Road, Borivl; (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the C impetent Authority, Bombay under No. ARIV 14347 84-85 on 1-1-85.

> LAXMAN DAS. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombav

Date: 28-8-85

FORM I.T.N.S .--

(1) M/s. Rajlaxmi Construction Co.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transfero)

NOTICE UNDER SECTION 269D(J) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Arvind Kumar K Shah

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDLA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSYT COMMISSIONER
OF INCOMETAN
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th August 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

Rcf. ARIV|37EE|14312|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 18, Neelkanth Building

S.V. Road, Fatehbaug Kandivli (W),

situated at Bombay-67

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is register under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-85

for an apprent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have relief to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) factlitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); Flat No 18 Neelkanth Bldg S.V Road, Fatehbaug, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No ARIV]14312[84-85 on 1-1-85.

LAXMAN DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux, Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 28-8-85

FORM I.T.N.S.

(1) M/s. Rajlaxmi Constitution Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D'1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. N. V. Joshi & Smt. K. M. Joshi,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th August 1985

Ref No. ARIV|37EE|14628|84-85 - V/her as, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the manovable property, having a fair market value exceeding

Rs 1,040,00 and bearing No. Flat No. 47, 4th floor, Shivam Bldg S.V. Road, Fatchbaug, Kandivli (W),

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been tansferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wansfer with the object of :-

(a) racintating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

.b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 or 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION . - The terms and expressions much herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No 47, 4th floor, Shivam Building, S V. Road, Fatehbaug, Kan livli (W) Bombay.

the agreement has been registered by the Competent Authorrity, Bombay under No. ARIV 14628 84-85 on 1-1-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay,

show, incretore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated . 28-8-85

(1) M|s. Rajlaxmi Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. K. C. Shah.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th August 1985

Ref. No. ARIV|37EL|14276|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000j-

bearing Flat No. 17, 1st Floor, Shivam bldg. S.V. Road, Fatehbaug, Kandivli (W), situated at Bombay-67

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been tansferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the Iffice of the Competent Authority at Bembay on 1-1-1985,

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the bas not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the mansferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the assistion of the said project. may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the same immovable proporty, within 46 days from the date of the publication of this notice in the Official Garatte.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chayter

THE SCHEDULE

Flat No 17, 1st floor, Shivam Building, S.V. Road, Fatehbaug, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No ARIV 14276 84-85 on 1-1-85.

LAXMAN DAS Competent Authority, hispecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Duted: 28-8-85

FORM ITNS----

(1) Ms. Rajlaxmi Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. M. R. Singh & Shri R. S. Singh,

(Fransferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 28th August 1985

Ref. No. ARIV|37EE|1420|84-85.-Wheresa, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable that the immovable of the market value exceeding

Rs 1,00,0001- and bearing

star with the object of-

Flat No. 17, 1st floor, Nilkanth Building, S.V. Road, Fatehbaug, Kandivli (W),

situated at Bombay.

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been taken and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the alice of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

many in apparent consideration which which than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appoient consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly excited in the said instrument of

in) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-rax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 day. Hold the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

FAPLANATION: -The terms and expressions used herein and are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 17, 1st floor, Nilkanth Building, S.V. Road, Fatchbaug, Kandivlı (W), Bombay,

the agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|14201|84-85 on 1-1-85.

> LAXMAN DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombry.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely:—

Dated: 28-8-85

FORM ITNS-

(1) M|s. I ajlaxmi Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Krishnamaktn G. Mavani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th August 1985

Ref. No. ARIV|37EE|14442|84-85,-Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000|- and

bearing Flat No. 49, 4h floor, Shiyam Building, S. V. Road Fathbaug

Kandivli (W), Bombay,

situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been tansferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration, therefor, by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the !inbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any accome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pulsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(a) oy any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezatte.

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No 49 4th floor, Shivam Bldg, S.V. Road Fatehbaug, Kandıvli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV 14442 84-85 on 1-1-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Dated: 28-8-85

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Rajlaxmi Construction Co.

(Transferor)

(2) Sh. Harish N. Kotadia & Smt. J. H. Kotadia,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th August 1985

Ref. No. ARIV|37EE|14435|84-85,—Wheeras, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Flat No. 3, Shivam Building

S. V. Road, Fatehbaug, Kandivli (W) Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been tansferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, Shivam Bldg, S.V. Road, Fatehbaug, Kaudıvli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No ARIV|14435|84-85 on 1-1-85.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
107—276GI|85

Dated: 28-8-85

(1) M|s Himanshu Enterprises.

(Transferor)

(2) Sh. Prafulchandra A. Mehta & Smt. I. P. Mehta.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th September 1985

Ref. No. ARIV|37-FE|14237|84-85.---Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 25, 2nd floor, Prabhu Nivas, Plot No. 166, off factory Lane, Borivli (W), Bombay-92 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been tansferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 25, 2nd floor, Prabhu Nivas, Plot No. 166, Off factory Lane, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV 14237 84-85 on 1-1-85.

LAXMAN DAS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 28-8-85

(1) M/s Himanshu Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Piamila S Shah & S H Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th September 1985

Ref No ARIV|37.EE|14425|84 85 —Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No 34, Prabhu Nivas, Plot No. 166, off factory Lane, Boilvii (W), Bombay 92 situated at Bombay (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), have been transferred and the agreement in ranket under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Incometax Act, 1961 in the Office of the Competent authority at

Bombay on 1 1 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to marker value of the adversard property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid in a ceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the lesue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 34, Plabhu Nivas, Plot No. 166, Off factory Lane. Bottvli (W), Bombay-92

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV 14425 84-85 on 1-1-85.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 11-9-1985

FORM ITNS-

(1) Sanjeev Shetty.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

(2) D. M. Raval.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th September 1985

Ref. No. ARIV|37.EE|14763|84-85,-Whereas, I,

LAXMAN DAS, being he Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable to the content of the conte property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing Flat No. 28, Eligible Co-op. Hsg. Scty. Ltd. A6 14, Jeevan

Bima Nagar, Borvli (W), Bombay92.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Incometax Act, 1961 in the Office of the Competent authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen perent of such apparent consideration

and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which eught to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 28, Eligible Co-op. Hsg. Scty. Ltd., A6|14, Jeevan Bima Nagar, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|14763|84-85. on 1-1-85,

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-9-1985

Seal -

(1) M|s. Himanshu Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. J. B. Parekh & Mrs. G. J. Parekh.

(Transferee)

GOVERNMEN'I OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay the 11th September 1985

Ref. No. ARIV|37.EE|14236|84-85.—Whereas, I LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing
Flat No. 35, 3rd floor, Prabhu Nivas, Plot No. 166, off fac-

tory Lane, Borivli (W), Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Incometax Act. 1961 in the Office of the Competent authority at

Bombay on 1-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesend exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 25°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 35, 3rd floor, Prabhu Nivas, Plot No. 166, off factory Lane, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV 14236 84-85. on 1-1-85.

LAXMAN DAS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date: 11-9-1985

(1) Mr. Ramchand Narsumal.

(Transferor)

(2) Mr. Shridhar, N. Shetty.

(Transferee)

OTIGE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Rcf. No. ARIV|37.EE|14548|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No.

Flat No. 201, 2nd floor, Building No. 13, Prem Nagar at Borivli (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Incometax Act, 1961 in the Office of the Competent authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less nan the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Flat No. 201, 2nd floor, Building No .13, Prem Nagar, Borivli (W), Bombay-92.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV 14548 84-85 on 1-1-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 13-9-1985

Scal:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 slays from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the maid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(1) Shri Natvarlal Nathalal Rami.

(Transferor)

(2) Shri Yogesh Jayantilal Doshi & Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. ARIV|37.EE|14337|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing
Flat No. 12, Bldg. No. 1/A, 3rd floor, Ram Nagar, Borvali
Sea View Co.op. Hsg. Soc. Ltd., S. V. Road, Bombay-92

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay Bombay on 1-1-1985 for an apparent consideration which is less than the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, Bldg. No. 1]A, 3rd floor, Ram Nagar, Borivali Sea View Co.op. Hsg. Soc. Ltd., S. V. Road, Bombay-92. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|37.EE|14337|84-85 on 1-1-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date: 13-9-1985

Scal ;

(1) Shri Tolaram Jagumal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. J P. Patvani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, ROMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. ARIV|37.EE|14505|84-85,-Whereas, I, LAXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hardnafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing
Flat No. 602, 6th floor, Sumer Nagar, Opp. Kora Kendra,
S V. Road, Bolivalı (W), Bombay-92
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the Agreement is registered under under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer aad∕or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 602, 6th floor, Sumer Nagar, Op. Kora Kendra, S. V. Road, Borivali (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|37.EE|14505|84-85 on 1-1-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 10-9-1985

- (1) M|s Vardhman Development Corporation.
 (Transferor)
- (2) Smt. Rukshmani M. Gala.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQU(SITION' RANGE-IV, BOMBAY

Bombay the 10th September 1985

Ref. No. ARIV|37 EE|14241|84-85...Whereas, I, LAXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000]- and bearing
Shop No 5, ground floor, Vaidhman Apartment, Block S No.
84, 2, 3, 4, Hissa No 14, Sodawala Lane, Borivli (W),
Bombay-92 situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (2) of 1927):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following or rows, namely:—
108—276GI|85

Objections, if, any to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5, ground floor, Vardhman Apartments, Block S No 84, 2, 3, 4, Hissa No. 14, Sodawala Lane, Borivli (W), Bornbay-92

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No ARIV 14241 84-85 on 1-1-85

LAXMAN DAG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date: 10-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 13th September 1985

Ref. No. ARIV|37EE|14311|84-85.-Whereas LAXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing
Vikram Apartment, Shop No. 4, ground floor, Borivli, (W),
Bombay-92 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Cometent Authority at

Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

- (1) Shri Pravin Shantilal Dave & Shri N. K. Sodhi. (Transferor)
- (2) Harichandra A. B. Mhatre & Jitendra Kisan Thakur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vikram Apartment, Shop No. 4 Ground floor Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV 1431 184-85 on 1-1-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 13-9-1985

FORM ITNS-

- (1) M|s. Sandeep Trust.
- (Transferor)
- (2) Shri Madhusoodan N. Kakad & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay the 10th September 1985

Ref. No. ARIV|37.EE|14533|84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the ncome-tax 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing Shop No 4, G1. Fl. Dattani Apt. No. 1, Village Borivli, L. T. Road, Borivli (W), Bombay-92 (and more fully described in the schedule annexed hereto),

registering officer

has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Incometax Act, 1961 in the Office of

the Competent authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, within forty five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

Shop No. 4, Ground Fl. Dattan Apartment No. 1, Village Borivli, L. T. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV 14533 on 1-1-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-said property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely -

Date: 10-9-1985

- (1) Mrs. Shobha A. Bajaj.
- (Transferor)
- (2) Mohammad Ibrahim Shaikh & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. ARIV|37.EE|14396|84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Flat No. 603, 6th floor, Sumer Nagar, Bldg. No. 1, Opp. Kora Kendra, S. V. Road, Borivali (W), Bombay-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration, Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 1-1-1985

for all apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by note () an fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andles
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the valid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said improvable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 603, 6th floor, Bldg. No. 1, Sumer Nagar, Opp. Kora Kendra, S. V. Road, Borivali (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV|37.EE|14396|84-85 on 1-1-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date: 10-9-1985

(1) Harsha Enterprises.

(Transferor)

(2) K. O. Devassy.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. ARIV|37.EE|14678|84-85.--Whereas, I, LAXMANDAS,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Flat No. B-102, Shiv Chhaya Iying Bldg., Eskar Nizamuddin

Road, Borivali, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeasid exceeds the apparent consideration therefore by some than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-102, Shiv Chhaya Iying Bldg., Eksar Nizamuddin Road, Borivali, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV 37.EE 14678 84-85 on 1-1-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay

Now, therefore, in puresance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 10-9-1985

FORM I.T.N.S.——

- (1) Mrs. Asha Harish Bhatia.
- (Transferor)
- Shii Piemchand K. Bandari.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref No. ARIV|37EE|14398|84-85.-Wheeras I LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,000000|- and bearing No.

Flat No. 604, Sumer Nagar, 6th fl. Bldg. No: 1, Opp. Kora Kendra, S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said properly may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 604, 6th fl. Bldg. No. 1, Opp. Kora Kendra, S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent

Authority, Bombay under No. ARIV 14398 on 1-1-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 10-9-1985

FORM ITNS----

(1) Shii Mulchand G. Menda.

may be made in writing to the undersigned :--

(2) Smt. J. B. Thacker.

(Transferor)

(Transftree)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY**

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR.IV|37EE|14636|84-85.-Wheleas. I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-Rs 1,00,000/- and bearing No
Flat No 503, 5th floor Building No. 1, Sumer Nagar Opp
Kota Kendra, SV Road, Borivli (W), Bombay-92

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immoable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 503, 5th floor Building No. 1, Sumer Nagar Opp Kota Kendra, S.V. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV|14636 on 1-1-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 10-9-1985

FORM ITNS ---

(1) Shri Joesph Thomas (Pedru).

Master Dan Daniel Gomes.

(Transferor)

(2) Master Anthony Daniel Gomes.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR.IV|91|84-85.--Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Land bearing S. No. 217, H. No. 1, C.T.S. No. 2972 of Village Manori Taluka Borivli, 2783 sq. yards (area) Taluka, Borivli, Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

in facilitating the reduction or avance of the limbiles of the transferor to pow tax under the said Act in respect of any income arming from the transfer; and or

Land bearing S. No. 217, H. No. 1, C.T.S. No. 2972 of Village Manori Taluka Borivli, 2783 sq. yards (area) Taluka Borivli, Bombay. The agreement has been registered by the Competent 16-1-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, (43 of 1961) to the following persons, namely:

Date: 10-9-198!

(1) Mr. Owen Barnard Joseph.

(Transferor)

2) Master Anthony Daniel Gomes. Master Dan Daniel Gomes.

whichever period expires later;

(Transftree)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, ВОМВЛУ

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR.IV 89 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Land bearing S. No. 271, H. No. 1, C.T.S. No. 2972 of Village Manori Taluka, Borivli.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-1-1985

for an apparent consideration which is loss than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object or (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered deed No. 1465/83 and registered on 16-1-85 with the sub-registrar, Bombay.

(b) facilitating the concealment of any income or any mioneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section Lose of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore ald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°P of the said Act, to the follow ing persons namely: -- 109-276GI|85

Pate . 10-9-1985

(1) Mr. John Felix Gomes.

(Transferor)

(2) 1 Master Anthony Daniel Gomes. 2. Master Dan Daniel Gomes.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 259(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OUFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV. ΒΟΜΒΛΥ

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR.IV 90 84-85.—Whereas, 1, 1 AXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 - and bearing No.
All pieces of parcels of lands of Revenue Village Manori Taluka, S. No. 285 H. No. 3, C.T.S. 1371, Borivli situated at Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the Conspetent Authority at Bombay on 16-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered Deed No. 2992|82 and registered on 16-1-85 with the sub-registrar, Bombay.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any moone arraing from the transfer-
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay

Date : 10-9-1985

FORM ITNS----

- (1) M/s. Ganganagiri Development Corporation.
 - (Transferor)
- (2) Shri Purshottam Sadanand Gavaskar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR.1V|37EE|14200|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and beating No

Flat No. 530 A Building, Cangangiri Nagar, Eksar Road,

Borivalı, Bombay-92.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under ection 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 530, A Wing, Gagangiri Nagar, Ekasar Road, Bonvali, Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.JV|37EF|14200|84-85 on 1-1-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 10-9-1.

(1) Shri Dalchand C. Paliwala,

(Transferor)

(2) Smt. Pushpa M. Nawani.

·(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No AR.IV|37EE|14672|84-85.--Whereas, 1. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Shop No. 6, Ground Floor, Star Galaxy L.1. Road Borivli (W), Bombay-92.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per coat of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the artiss has not been trally stated in the said instrument of that is with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

"XULANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6, Ground Floor, Star Galaxy L.T. Road Borivli (W), Bombay-92,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR.IV 14672 on 1-1-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date: 10-9-1985

Scal:

(1) Shri Chandrakant M. Ajmera,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. V. Gupta & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, ΒΟΜΒΛΥ

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR, IV [37EE] 14406 [84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Incorne-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000|- and bearing Shop No. 2, Ground Floor Building No. 2, Krishna Kutir Factory Lane, Borivli (W), Bombay-92

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incomertax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985 for an apparen consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration. more than fi'teen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following cersons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovnble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said EXPLANATION :-The Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2, Ground Floor Building No. 2, Krishna Kutir Factory Lane, Borivli (W), Bombay-92,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR|IV|14406 on 1-1-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 10-9-1985

(1) Shri C. M. Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT; 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri D. C. Ajgaonkar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

Bombay, the 13th September 1985

Ref. No. AR.IV,37EE]14612]84-85.-Whereas, 1,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing Flat No. 202, 2nd floor, A-Wing, Pushpa Builders, Rajesh Apartment, D|113 Chandava(kar Road, Borivli (W),

Bombay-92,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

Apartment, D|113 Chandavarkar Road, Borivli (W), Bombay-92. Flat No. 202, 2nd flepr, A-Wing, Pushpa Builders, Rajesh

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV|14612|84-85 on 1-1-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely :-

Date: 10-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Bonanza Builders P. Ltd.,

(Transferoi)

(2) Mrs Nuttan S. Gadkar.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

AR.IV[37FF]14393[84-85 —Whereas, I, Ref. No LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Flat No. 202. Aakansha, S.V. Road, Opp. Bhagrati Hospital, Boriyli (W), Bombay-400103

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of hansfer with the object of :---

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: .-- The terms and expressions used herin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor. andror

h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 202, Aakansha, S.V.P. Road, Opp. Bhagvati Hospital, Borivli (W), Bombay-400103.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR IV 37FF 14393 84-85 on 1-1-1985.

> 1 AXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-9-1985

FORM I.T.N.S.---

(1) Mr. Dyril Creade.

(Transferor)

(2) Mr. Chandiakant Tarachand Shuh & Others. (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref No. AR IV 37EE 14342 84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair mirket value exceeding Rs, 1,00,000]- and bearing Flat No. 404, 4th floor, Dattani Nagar, Building No. 3, S.V. Road, Borivli (W), Bombay-92,

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such apparent consideration and the consideration and t the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- vb) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given te that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 404, 4th floor, Dattam Nagar, Building No 3, S V. Road, Bouvli (W), Bombay-92

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR IV|37EE|14343|84 85 on 1-1-1985

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arresuld property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 10-9-1985

FORM ITNS

(1) Shree Sagar Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Meenu Vijay Laul. Mr. Vijay Chander Laul.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR.IV|37EE|449|84-85.—Whtreas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

Flat No. 503, 5th floor, Village Magthan, ear Hari Om Near Hari Om Apartments, S.V. Road, Borivali (W), Bombay-92

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

For an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesa'd property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 (a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or wich ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act (I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
10-276GI[85]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette er a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-508, 5th floor, Amrut Sagar, Village Magthan Near Hari Om Apartments, S.V. Road, Borivii (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV 14491 84-85 on 1-1-85.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV.
Bombay

Date: 10-9-1985

Scal:

(1) Shree Sagar Builders Pvt, Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. N. D. Kalera. Mrs. K. N. Kabra.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR.IV|37EE|14238|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tan Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Flat No. 503, 5th floor, Village Magthan, Near Hari Om Apartments, S.V. Road, Borivli (W), Bombay-92 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weslith-act Act, 1957 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 503, 5th floor, Amrut Sagar, Village Magthan, Near Hari Om Apartments, S.V. Road, Borivali (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV 14238 84-85 on 1-1-85.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 12-8-85

Seal

(1) M/s. Gautam Builders.

(2) Smt. Ramilaben Rasiklal Bhavsar.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR.IV|37EE|14639|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 5, Ground floor, Vaibhav-B, Plot No. 81, Jombly Gully, S.V. Road, Borivli (West), Bombay-400092. withated at Rombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1935

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; wat/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purnoses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this potice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and regulations used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, Ground floor, Vaibhav-B, Plot No. 81, Jambly Gully, S.V. Road, Borivali (Wst), Bombay-400092.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV|37EE|14639|84-85 on 1-1-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

111—276G1|85

Date: 10-9-1985

FOR MATTINE

(1) M/s. Swati Builders.

(Transferos)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri H. J. Dubey.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961) ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR.IV[37EE]14468[84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Flat No. 4, Ground floor, Sai Prasad, Chhatrapati Shivaji

Road, Dahisar (E), Bombay-68.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the affice of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afersaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any noneys or others assets which have not been ar which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: - The terms and expressions used hereis a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Ground floor, Sai Prasad, Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV 14468 84-85 on 1-1-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 10-9-1985

Scal:

(1) Shri M. L. Agarwal,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri J. B. Gohil.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 10th September 1985

Ref. No. AR.IV|37EE|14463|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the im-

and/or

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. C-I, Om Vishal Co-operative Housing Society Ltd., S.V. Road, Borivli (W), Bombay-92.
has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incometax Act 1961 in the office of of the Competent Authority at Bombay on 1-1-1985 for an apparent consideration which is less than the fair tracet value of the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent as agreed to between the parties has not been truly stated in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-I, Om Vishal Co-operative Housing Society Ltd., S.V. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV 14463 84-85 on 1-1-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-9-1985

Printed in the Gazette of India October 13, 1984 (Asvina 21, 1906)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION NOTICE

COMBINED MEDICAL SERVICES EXAMINATION

New Delhi, the 12th October 1985

No. F.14|3|85-E.I.(B).—A combined examination for recruitment to the Services & posts ment'oned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission on 6th April, 1986 at Agartala, Ahmedabad, Aizawal, Allahabad, Bangalore, Bhopal, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Cochin, Cuttack, Delhi, Dispur (Gauhati), Hyderabad, Imphal, Itanagar, Jaipur, Jammu, Jorhat, Kohima, Lucknow, Madras, Nagur, Panaji (Goa), Patna, Port Blair, Raipur, Shillong, Simla, Srinagar, Tirupati, Trivandrum, Udaipur and Vishakhapatnam.

THE CENTRES AND THE DATE OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION, WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT, CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION [See para 19(ii) below].

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however desires a change in centre, from the one he had indicated in hs application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to who he desires a change in centre Such requests will be considered on merits but requests received after 6th March, 1986 will not be entertained under any circumstances.

- 2. The services posts to which recruitment is to be made and the approximate number of vacancies to be filled are given below:—
 - (i) Assistant Divisional Medical Officer in the Railways
 - (ii) Junior Scale posts in Ordnance and Ordnance Equipment Factories Health Service—80*.
 - (iii) Junior Scale posts in Central Health Service-7,00*
 - (iv) Medical Officers in the Municipal Corporation of Delhi-approx. 50*

The number of vacancies is liable to alteration.

- **Vacancies not yet intimated by Government.
- *Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.
- 3. A candidate may apply for admission to the Examination in respect of any one or more of the Services Posts mentioned in para 2 above. Candidates will be required to indicate preferences for services posts at the appropriate time.

If a candidate wishes to be admitted for more than one Service post he need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in Para 5 below once only and will not be required to pay separate fee for each of the services posts for which he applies.

4. ELIGIBILITY CONDITIONS:-

(a) Nationality

A candidate must be either :-

- (i) a citizen of India, or
- (ii) a subject of Nepal, or
- (iii) a subject of Bhutan, or
- (iv) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or

(v) a person of Indian or gin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) Zambia. Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (iii), (iv) and (v) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Governmen of India.

(b) Age Limit.— Age below 30 years as on 1st January 1986.

The upper age limit is relaxable, as follows:-

- (i) up to a maximum of five years if a candidate be longs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide displaced person from erstwhile Eas. Pakistan (now Bangla Desh), and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bonu fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March, 1971;
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate or a prospective repatriate of Indiam origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.
- (v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Srl Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylor Agreement of October, 1964;
- (vi) upto a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya. Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;
- (vii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanzanyika and Zanzibar) or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia.
- (viii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatr ate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (ix) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after, 1st June, 1963;
- (x) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area; and released as a consequence thereof:

- (xi) up to a maximum of eight years in the cu e of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof, who belong to the Schedule Castes or the Scheduled Tribes;
- (xii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July, 1975;
- (xiii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate of Indian origin (Indian pussport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July, 1975;
- (xiv) up to a maximum of five years in the case of exservicemen and Commissioned Officers including ECOs SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st January, 1986 and have been released on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within six months from 1st January, 1986) otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or on account of Physical disability attributable to Military Service or on invalidment:
- (xv) up to a maximum of ten years in the case of exservicemen and Commissioned Officers including ECOs SSCOs who have rendered at least five years Military Service as on 1st January, 1986 and have been released on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within six months from 1st January, 1986) otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or on account of Physical disability attributable to Military Service or on inval dment: who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (xvi) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973;
- 1 (xvii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973

AVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE IJMIT PRES-RIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

The date of birth accepted by the Commission is that enred in the Matriculation or Secondary School Leaving
lettificate or in a certificate recognized by an Indian Uniersity as equivalent to Matriculation or in an extract from
Register of Matriculation or in an extract from
Register of Matriculation or in an extract from
the extract must be certified by the proper authority of
the University er in the Higher Secondary or an equivalent
amination certificate. These certificates are required to
the sumbitted only after the declaration of the result of the
rritten part of the examination.

No other document relating to age like horoscopes, affilavits, birth extracts from Municipal Corporation, service ecords and the like will be accepted.

The expression Matriculation Secondary Examination Cerificate in this part of the instruction includes the alternative tertificate mentioned above.

YOTE 1:—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY
THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN
TUE MATRICULATION SECONDARY EXA-

MINATION CHRIIFICATE OR AN EQUIVA-I ENT CERTIFICATE AS ON THE DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION, AND NO SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED OR GRAN-TED.

NOTE 2:—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR AT ANY OTHER EXAMINATION OF THE COMMISSION.

(c) Educational Qualification

For admission to the examination a candidate should have passed the written and practical parts of the final M.B.B.S. Examination.

Note 1.—A candidate who has appeared or has yet to appear at the final M.B.B.S. Examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the written and practical parts of the final M.B.B.S. Examination along with the detailed application which will be required to be submitted to the Commission by the candidates who qualify on the result of the written part of the examination (cf. Note below para 6).

Note 2.—A candidate who has yet to complete the compulsory rotating internship is educationally eligible for admission to the examination but on selection he will be appointed only after he has completed the compulsory rotating internship.

5, FEE.

A candidate seeking admission to the Examination must pay to the Commission a fee of Rs. 28.00 (Rupees twenty eight). Payment must be made through crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi or through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office. Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the Office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad as the case may be, for credit to account head "051—Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

CANDIDATES BELONGING TO SCHEDULFD CASTES SCHEDULED TRIBES ARE NOT REQUIRED TO PAY ANY FFE.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED.

Note (i)—Candidates should write their name and address on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the name and address should be written by the candidates on the reverse of the Postal Orders at the space provided for the purpose.

Note (ii)—If any candidate, who took the "Combined Medical Services Examination, 1985" wishes to apply for udmission to 1986 examination he must submit his application so as to reach the Commission's Office by the prescribed date without waiting for the results or an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1985 examination, his candidature for the 1986 examination will be cancelled on "quest, provided his request for cancellation of his candidature and refund of fee is received in the Commission's Office within 30 days of the date of publication of the final result of the 1985 Examination in the Employment News.

6. HOW TO APPLY

A candidate seeking admission to the Fxamination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110 011, through the application

form published in newspaper dated 12th October 1985 or in Appendix II to the Commission's Notice as published in the employment news dated the 12th October 1985. The candidates may utilise in original the form published in the newspapers or in "Employment News", filling up the columns in their own handwriting with ball-point pen. They may also use the application form neatly type-written on white paper (foolscap size) in double space and typed on only one side of the paper. There is no objection to candidates using printed Application Form and Attendance sheet, if available, from private agencies a slong as the format is exactly the same as published in newspapers or in Appendix II to the Commission's Notice, as published in the Employment News dated the 12th October, 1985. Candidates should note that applications filled in on the format used for the previous examinations will not be considered. The envelope containing the application should be superscribed in bold letters as:

"APPLICATION FOR COMBINED MEDICAL SERVICES LYAMINATION 1986."

- (a) A candidate must send the following documents with his application :—
 - (i) Crossed Bank Draft/Indian Postal Orders or Indian Mission Receipt for the prescribed fee.
 - (ii) Attendance Sheet (Appendix II to the Commission's Notice as published in the Employment News dated the 12th October. 1985 or in newspaper dated the 12th October, 1985) duly filled in on foolscap size paper.
 - (iii) Two identical copies of recent passport size (5cmsx7cms approx.), photographs of the candidate—one pasted on the application form and the other on the Attendance Sheet in the space provided therein.
 - (iv) One self-addressed post-card.
 - (v) Two self-addressed unstamped envelopes of 11.5cmsx27.5 cms, size,
- (b) Candidates should note that only International form of Indian numerals is to be used while filling up the application form. Even if the date of birth in the SSLC or its equivalent certificate has been recorded in Hindi numerals, the candidates should ensure that while entering it in the Application Form he uses International form of Indian numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.
- (c) All candidates, whether already in Government Service, in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government service whether in a permanent or temporary capacity or as work-charged employees other than casual or daily rated employees or those serving under the Public Enterprises are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Framination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employers by the Commission withholding permission to the candidates applying for/appearing at the examination, their application shall be rejected/candidature shall be cancelled.

NOTE: APPLICATION NOT ACCOMPANIED BY THE PRESCRIBED FEE OR INCOMPLETE OR DEFECTIVE APPLICATIONS SHALL BE SUMMARILY REJECTED. NO REPRESENTATION OR CORRESPONDENCE REGARDING SUCH REJECTION SHALL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

CANDIDATES ARE NOT REQUIRED TO SUBMIT ALONGWITH THEIR APPLICATIONS ANY CERTIFICATES IN SUPPORT OF THEIR CLAIMS REGARDING AGE, EDUCATIONAL QUALLHICATIONS, SCHEDULED CASTES AND SCHEDULED TRIBES ETC. THEY SHOULD THEREFORE ENSURE THAT THEY FULFIL ALL THE ELIGIBILITY CANDITIONS FOR ADMISSION TO THE EXAMINATION. THEIR ADMISSION TO THE EXAMINATION WILL ALSO THEREFORE BE PURELY PROVISIONAL IF ON VERIFICATION AT ANY LATER DATE IT IS FOUND THAT THEY DO NOT FULFIL ALL THE ELIGIBILITY CONDITIONS. THEIR CANDIDATURE WILL BE CANCELLED. CANDIDATES ARE REQUESTED TO KEEP READY THE ATTESTED COPIES OF THE FOLLOWING DOCUMENTS FOR SUBMISSION TO THE COMMISSION SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WHICH IS LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF JULY, 1986.

- 1. CERTIFICATE OF AGE
- 2. CERTIFICATE OF EDUCATIONAL QUALI-FICATION,
- 3. CERTIFICATE IN SUPPORT OF CLAIM TO BELONG TO SCHEDULED CASTE|SCHEDULED TRIBE, WHERE APPLICABLE.
- 4. CERTIFICATE IN SUPPORT OF CLAIM FOR AGE CONCESSION, WHERE APPLICABLE.

IMMEDIATELY AFTER THE DECLARATION OF THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION SUCESSFUL CANDIDATES WILL BE SENT A FORM BY THE COMMISSION REQUIRING ADDITIONAL INFORMATION TO BE FURNISHED. THE ATTESTED COPIES OF THE ABOVE MENTIONED CERTIFICATES WILL HAVE TO BE SENT TO THE COMMISSION AT THAT TIME ORIGINALS WILL HAVE TO BE PRODUCED AT THE TIME OF INTERVIEW. IF ANY OF THEIR CLAIMS FOUND TO BE INCORRECT THEY MAY RENDER THEMSELVES LIABLE TO DISCIPLINARY ACTION BY THE COMMISSION IN TERMS OF PARA 7 BELOW.

- 7. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—
 - (i) obtaining support for his candidature by any, means, or
 - (il) impersonating, or
 - (iii) procuring impersonation by person, or
 - (iv) submitting fabricated documents or documenty which have been tampered with, or
 - (v) making statements which are incorrect or false, o suppressing material information, or
 - (vi) resorting to any other irregular or many in connection with his candidates for the countries nation, or
 - (vii) using unfair means during the examination, or
 - (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter in the script(s), or

- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall, or
- (x) harassing or doing bodily harm to the Staff employcd by the Commission for the conduct of their examinations, or
- (xi) violating any of the instructions issued to candidates along with their Admission Certificates, permitting them to take the examination, or
- (xii) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses,

may in addition to rendering himself liable to criminal procecution be liable:—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate, or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period.—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

8. LAST DATE FOR RECEIPT OF APPLICATIONS

The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 25th November 1985 (19th December 1985 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya Arunachal Fradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J & K State, Lahaul and Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands of Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to the 25th November, 1985 and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above) accompanied by necessary documents.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Divsion of J & K State, Labaul and Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and candidates residing abroad may at the discretion of the Commission of J & K State, Lahaul and Spiti District and Pangi Subthat he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J & K State Lahaul and Spiti District and Pangi Sub-Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 25th November 1985.

Note: (i)—Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J&K State. etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.

Note: (ii)—Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by

Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.

NO APPLICATION RECEIVED AFTER THE PRESCRIBED DATE WILL BE CONSIDERED.

- SCHEME OF EXAMINATION: The Examination will comprise:—
- (A) Written Examination—The candidates will take the examination in the following two papers each of two hours duration containing objective type questions covering the following subjects and each carrying a maximum of 200 marks. The question papers (Test Booklets), will be set in English only. The questions in both the papers will be so designed as to give the following weightage to different subjects:—

Paper I (Code No. 1) Weightage

- (i) General Medicine including Cardiology, Neurology, Dermatology and Psychiatry, 60%
- (ii) Surgery including E.N.T., Ophthalmology, Traumatology and Orthopaedics. 40%

Paper II (Code No. 2)

- (i) Paediatrics 20%
- (ii) Gynaecology and Obstetrics 40%
- (iii) Preventive, Social and Community 40% Medicine
- (B) Personality test of candidates who qualify in the written examination 200 marks

NOTE I:—The "Candidates' Information Manual" containing details pertaining to objective type Test including sample questions will be supplied to candidates alongwith the Admission Certificate.

Note II:—Candidates are not permitted to use calculators for answering objective type papers (Test Booklets). They should not, therefore, bring the same inside the Examination Hall

10. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for an interview for a personality test.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for an interview for a personality test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for interview for a personality test on the basis of the general standard in order to till up the vacancies reserved for them.

The interview for Personality Test will be intended to serve as a supplement to the written examination for testing the General Knowledge and ability of the candidates in the fields of their academic study and also in the nature of a personality test to assess the candidates intellectual curiosity, critical powers of assimilation balance of judgment and alertness of mind, ability for social cohesion, integrity of character, initiative and capability for leadership.

11. After the interview, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate in the written examination and the personality test with 66 \(\frac{1}{2} \) % weightage respectively and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Services irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

- 12. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.
- 13. Subject to other provisions contained in this Notice, successful candidates will be considered for appointment on the basis of the order of ment assigned to them by the Commission and the preferences expressed by them for various posts.
- 14. Success in the examination confers no right to appointment, unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary that the candidate having regard to his character and antecedent is suitable in all respects for appointment to the service. The appointment will be further subject to the candidate satisfying the appointing authority of his having satisfactorily completed the compulsory rotating internship.
- 15. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate who after such physical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. All candidates who are declared qualified for the Personality Test will be physically examined by the medical board set up by the Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health).

16. No person:

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living or
- (b) who, having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person

shall be eligible for appointment to service

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

- 17. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.
- 18. The Commission have discretion to fix qualifying marks for the examination.

19. CORRESPONDENCE WITH THE COMMISSION.

The Commission will not enter into any correspondence with the candidates about their candidature except in the following cases:

- (i) Every application including late one received in the Commission's Office is acknowledged and Application Registration No. is issued to the candidate in when of receipt of application. The fact that the Application registration No, has been issued to the candidate does not. *pso facto*, means that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.
- (11) Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result of the application will be communicated. But if a candidate does not receive from the Commussion a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this

- provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- (iii) No candidate will be admitted to the Examination unless the holds a certificate of admission to the Examination.

The mere fact that a certificate of admission to the Examination has been issued to a candidate will not imply that his candidature has been finally cleared by the Commission, or that the entries made by the candidate in his application for the Examination have been accepted by the Commission as true and correct. Candidates may note that the Commission takes up the verification of eligibility conditions of a candidate, with reference to original documents, only after the candidate has qualified for interview for Personality Test on the result of the written Examination. Unless candidature is formally confirmed by the Commission, it continues to be provisional.

The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the Examination shall be final.

Candidate should note that the name, in the Admission Certificate, in some cases, may be abbreviated due to technical reasons.

(iv) A candidate must see that communications sent to him at the address stated in this application are directed, if necessary. Change in address should be communicated to the Commission at the earliest opportunity. Although the Commission make every effort to take account of such changes, they cannot accept any responsibility in the matter.

IMPORTANT: ALL COMMUNICATIONS TO THE COMMISSION SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:

- 1. NAME OF THE EXAMINATION.
- 2. APPLICATION REGISTRATION NO. |ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE APPLICATION REGISTRATION NO. | ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- 3. NAME OF CANDIDATE IN FULL AND IN BLOCK LETTERS.
- POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN THE APPLI-CATION.

N. B. (I).—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICUI ARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

N. B. (II):—IF A LETTER COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATH. AFTER AN EXAMINATION HAS BEFN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

- 20. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.
- 21. The Union Public Service Commission have brought out a priced publication entitled "Candidates Manual for U.P.S.C. Objective Type Fxaminations". This publication is designed to be of assistant to prospective? Candidates of U.P.S.C. Examination or Selections.

This Publication is on sale with Controller of Provident Civil Lines. Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. The cas also be obtained only against eash payment from (1) the Kitab Mahal Opposite Rivoli Cinema, Emporia Building T Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001 (ii) Sale Counter of the Publications Branch at Udyor

Bhawan, New Delhi-110011 and (111) The Government of India Book Depot, 8, & S Roy Road, Calcutta-700001 The Manual 18 also obtainable from the agents for the Government of India publications of various mofussil Towns

22 Brief particulars elating to the Services to which recruitment is being made through this examination are given in Appendix I

M BALAKRISHNAN

Dv Secretary

APPENDIX I

Brief particulars relating to the Services to which recruitment is being made through this examination are given below.

- I Assistant Divisional Medical Officer in the Railways .
- (a) The post is temporary and in Group A The scale of the post is Rs 700-40-900-EB-40-1100-50-1250-EB-50-1600 (Revised Scale) plus restricted non-practicing allowance as per orders in force from time to time. The rates at present are —

1-5 Stag's-Rs 150/-PM

6-10 Stages-Rs 200/ P M

11-15 Stages-Rs 250/PM

16th stage onwards Rs 300/PM

The candidate will be bound to observe the orders which the Ministry of Railways or any Higher Authority may issue from time to time, restricting or prohibiting private practice by him The candidates in Government service will be given initial pay in the above mentioned scale according to rules, will be given the minimum of the pay scale mentioned payers.

- (b) A candidate will be appointed on probation for a period of two years which may be extended by the Government if considered necessary On satisfactory completion of the probationary period, he will continue in a temporary capacity
- (c) The appointment can be terminated by one month's notice on either side during the period of probation and thereafter while employed in a temporary capacity. The Government reserve the right to give one month's pay in lieu of notice.
- (d) A candidate will have to undergo training prescribed by the Ministry of Railways and pass all the Departmental Examinations
- (e) A candidate will be governed by the Railway Pension Rules and shall subscribe to the State Railway Provident Fund (Non-contributory) under the rules of that Fund as in force from time to time
- (f) A candidate will be eligible for leave in accordance with the leave rules as in force from time to time and applicable to officers of his status
- (g) A candidate will be eligible for free Railway Passes and Privilege Ticket Orders in accordance with the Rules in force from time to time
- (h) A candidate will be required to pass a Hindi test within two years of his appointment
- (1) Under the rules every person appointed to the above post shall, if so required, be liable to service in any Defence Service or post connected with Defence of India for a period of not less than four years including the period spent ton training, if any,

Provided that such person -

(a) shall not be required to service as aforesaid after the exputy of ten years from the data to such appointment.

- (b) shall not ordinarily be required to service as aforesaid after attaining the age of 45 years
- (1) Reckoning Science The persons who are recruited under these rules to posts to which the conditions prescribed in Rule 2423-A (CSR 404B) of the Indian Railway Establishment Code are applicable shall be eligible to the benefit of the provisions contained in that rule
- (k) A candidate will be governed in respect of the matters specifically referred to above as well as other matters by the provisions of the Indian Railway Establishment Code and the extant orders as amended issued from time to time.
- (1) In the first instance a candidate will be posted to the Rallway Health Units Dispensaries at wayside Stations, ADMOs are also liable to transfer to any Railway
- (m) Prospects of promotion including pay scales and allowances attached to higher grades—
 - (1) Assistant Divisional Medical Officers with five years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis are eligible for promotion to the posts of Divisional Medical Officers (Senior Scale) of Rs 1100-1800 plus restricted non-practicing allowance of Rs 300 pm from 1st to 9 stages and Rs 350 per month from 10th Stage onwards
 - (ii) Divisional Medical Officers Senior Medical Officers with five years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis are eligible for promotion to the post of Medical Superintendents in the scale of Rs 1500—1200|- plus non-practicing allowance of Rs 500|- per month
 - (iii) Depending upon the number of years of service in grade of Rs 1500—2000]- as prescribed from time to time Medical Superintendents become eligible for promotion to the posts of Addl Chief Medical Officers in the scale of Rs 2250 2500]- with a non-Practicing allowances of Rs. 500]- p m
 - (iv) Addl Chief Medical Officers with 2 years service in the glade rendered after appointment thereto on a regular basis are eligible for promotion to the posts of Chief Medical Officers in the scale of Rs 2500—2750|- plus non-practicing allowance of Rs 500|- per month
 - (n) Duties and Responsibilities -

Assistant Divisional Medical Officers

- (1) He will attend the indoor wards and out patient department daily and as required
- (ii) He will carry out physical examination of candidates and of employees in service in accordance with the regulations in force
- (III) He will look after family planning, public health and sanitation in his jurisdiction
- (iv) He will carry out examination of vendors
- (v) He will be responsible for discipline and discharge of duties of the Hospital Staff
- (vi) He will carry out duties assigned to his speciality if any and will prepare returns and indents connected with his speciality
- (vii) He will maintain and upkeep all equipments, in his charge
- Note (1) When an ADMO is nosted at the Headquarters of a division under the charge of a Divisional Medical Officer he will assist the Divisional Medical Officer in all his duties but may be specially assigned with certain duties and responsibilities
- Note (2) ADMOs will also be required to perform such other duties as has be assigned to them from time to time

- II. Posts of Assistant Medical Officer in the Ordnance and Ordnance Equipment Factories Health Service under the Ministry of Defence:
- (a) The post is temporary in Group A but likely to be made permanent in due course. The scale of pay is Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300 plus non-practicing allowance (NPA) as per orders in force from time to time. The rates at present are:—

 1—5 stages
 Rs. 150|- per month

 6—10 stages
 Rs. 200|- per month

 11 stage onward
 Rs. 250|- per month

- (b) The candidate will be on probation for a period of 2 years from the date of appointment which may be curtailed or extended at the discretion of the competent authority. On satisfactory completion of the probation period he will continue in the temporary post till confirmed against the permanent vacancy.
- (c) The candidate can be posted anywhere in India in any one of the Ordnance Factory Hospitals or Dispensaries.
 - (d) Private practice of any kind whatsoever is probibited.
- (e) The appointment can be terminated on one month's notice on either side during the period of probation and thereafter white employed in temporary capacity. The Government reserves the right to give one month's pay in lieu of notice
- (f) Prospects of promotion including pay scales and allowances attached of the higher grades—
 - (i) SENIOR SCALE—SENIOR MEDICAL OFFICER ASSISTANT DIRECTOR OF HEALTH SERVICES

Officers who have put in at least 5 years service in the junior scale will become eligible to senior scale—Senior Medical Officer Assistant Director of Health Services. The scale of pay is Rs. 1100—50—1600 plus NPA—

 1—3 stages
 Rs. 250|- per month

 4—5 stages
 Rs. 300|- per month

 6—7 Stages
 Rs. 350|- per month

 8—9 stages
 Rs. 400|- per month

 10—11 stages
 Rs. 450|- per month

(ii) SUPER-TIME GR. II—PRINICIPAL MEDICAL OFFICER|DEPUTY DIRFCTOR OF HEALTH SERVICES

Officers who have put in 5 years of regular service in the senior scale (Senior Medical Officer|Assistant Director of Health Services) can be considered for promotion to Supertime Gr. II—Principal Medical Officer|Deputy Director of Health Services. The scale of pay is Rs. 1500—60—1800—100—2000 plus Rs. 6001—N.P.A.

(iii) SUPER-TIME GR. I-DIRECTOR OF HEALTH SERVICES

Principal Medical Officers and Deputy Director of Health Services, on completion of 6 years of service in the grade will be eligible for appointment of Super-time Gr. I—Director of Health Services with the pay scale of Rs. 2250—125|2—2500 per month plus Rs. 600|- NPA

- (g) Nature of duties—(1) ASSISTANT MEDICAL OFFICERS:
 - (i) They will attend to indoor patients in wards|departments of hospitals and out patients in dispensaries| out patients departments daily and as required.
 - (ii) They will carry out medical examination of employees and candidates for employment in accordance with the regulations in force.
 - (iii) They will maintain and upkeep all Equipment in their charge.

- (iv) They will look after the Family Welfare, Public Health and Industrial Health of employees in their jurisdiction.
- (v) They will be responsible for training, discipline and proper discharge of duties of the hospital and dispensary staff.
- (vi) They will perform such other duties as are allotted to them by the Medical Office-in-Charge as per rules.

(2) GDO GR, I—ASSISTANT DIRECTOR OF HEALT SERVICES AND SENIOR MEDICAL OFFICER;

- (a) ADHS posted at the Hqrs. will assist the DHS DDHS in the discharge of their duties on all medical matters as directed by them.
- (b) He will assist the DHSIDDHS in the day to day work of the Medical Section as the Section Officer.
- (c) He will perform such other duties as may be assigned to him by the DHS DHS from time to time.
- (d) He will assist the DHS in dealing with all questions relating to Medical Stores & equipments.
- (e) SMO-SMOs will be Incharge of any factory hospital with less than 75 beds and Medical Estt. there.
- (f) As M.O. Incharge they will be advisers to the GM of Fys on all medical matters and make recommendations as considered necessary.
- (g) They will arrange medical attention to the employees and their families as per rules.
- (h) They will perform such other duties as may be laid down under any statute or Govt, orders or delegated to him by the DHS.

(3) SUPER-TIME GRADE II—DY, DIRECTOR OF HEALTH SERVICES & PRINCIPAL MEDICAL OFFICE

- (a) DDHS posted at the Hgrs, will assist the DHS in the discharge of the latter's duties in matters as directed by him.
- (b) He will act as DHS under orders of DGOF in the latter's absence on leave, tour etc.
- (c) PMO—PMO will be M.O. Incharge of any Factory hospital with 75 beds or above and the Medical Estt. there.
- (d) Λ_S M.O. Incharge they will be advisers to the GM of Fys on all medical matters and make recommendations is considered necessary.
- (e) They will arrange medical attention to the employees and their families as per rules.
- (f) They will perform such other duties as may be laid down under any statute or Govt, orders or delegated to him by the DHS.

(4) SUPER-I'IME GRADE-1--DIRECTOR OF HEALTH SERVICES:

- (a) Medical Adviser to DGOF on all Medical and health matters. Controlling authority of the Medical Establishment in DGOF Organisation on all Professional and Technical matters. He will exercise the administrative powers as delegated to him by the DGOF.
- (b) He will work out the plans for Implementation of the reports recommendations accepted by Govt.
- (c) As the Controlling authority he will distribute the personnel according to the requirement of Factories.
- (d) He will normally represent the DGOF on the UPSC
- (e) He will normally once a year make or cause to be made inspection of all factories and report to the DGOF on the working of Medical installation there on all matters connected with Medical Estis.

- (f) He will initiate ACR's of DDHS and ADHS and will review the reports of all PMOs, SMOs and AMOs.
- III, Junior Scale posts in the Central Health Service :
- (a) The posts are temporary but likely to continue indefinitely. Candidates will be appointed to Junior Group 'A' scale and they will be on probation for a period of 2 years from the date of appointment which may be curtailed or inded at the discretion of the competent authority. They turn after the satisfactory completion of probation subject to availability of permanent posts.
- (b) The candidates can be posted anywhere in India in any dispensary or hospital under any organisation participating in the Central Health Service viz. C.G.H.S. operating at Delhi, Bangalore, Bombay, Meerut etc., Coal mines! Mices Mines Labour Welfare Organisations, Assam Rifles. Arunachal Pradesh, Lakshadweep, Andaman and Nicobar Islands, P & T department etc. Private practice of any kind whatsoever including lab. and consultants Practice is prohibited.
- (c) The following are the rates of pay admissible:—

 Junior Group A Scale (Medical Officer)

Scale: Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300|-.

N.P.A.

1st to 5 stages Rs. 150 per month 6 to 10 stages Rs. 200 per month 11th stage onwards Rs. 250 per month

Medical Officers in the General Duty Cadre who have put in at least 5 years regular service in the grade will become eligible for promotion to Senior Scale.

or Soale (Senior Medical Officer)

/ Scale : Rs. 1100-50-1600|-.

N.P.A.

1 to 3 stages	Rs. 250 per month
4 to 5 stages	Rs. 300 per month
6 to 7 stages	Rs. 350 per month
8 to 9 stages	Rs. 400 per month
10 to 11 stages	Rs. 450 per month

Senior Medical Officers in the General Duty Cadre with 5 years regular service in the grade will be eligible for appointment as Chief Medical Officer.

Ulitef Medical Officer

Scale: Rs. 1500-60-1800-100-2000|- plus NPA Rs. 600 per month.

Chief Medical Officer who has reached maximum of the scale and has stagnated for not less than 2 years after regular appointment in the grade will be eligible for appointment as Chief Medical Officer (Selection Grade).

Chief Medical Officer (Selection Grade)

Scale: Rs. 2000-125|2-2250 Plus NPA Rs. 600 per month,

Officers holding post in the grade of Chief Medical Officers selection grade with 7 years regular service in the grade will be eligible for promotion to Supertime Grade (Level-II).

Supertime Grade (Level-II)

Scale: Rs. 2250-125|2-2500 Plus NPA Rs. 600 per month.

Officers in the Supertime Grade (Level-II) in General Duty Sub-cadre with 2 years regular service in the grade will be eligible for promotion to Supertime Grade (Level-I).

Supertime Grade (Level-I)

Scale: Rs. 2500-125|2-2750 Plus NPA Rs. 600 per month,

- IV. Medical Officer in the Municipal Corporation of Delhi:
- (i) The post is temporary in category 'A' but likely to be permanent in due course. The scale of pay is Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300]—plus restricted non-practicing allowance (NPA) as per orders in force from time to time. The rates at present are:

 1--5 stage
 Rs. 150 per month

 6--10 stage
 Rs. 200 per month

 11 stage and onwards
 Rs. 250 per month

- (ii) The candidates will be on probation for a period of 2 years from the date of appointment which may be curtailed or extended at the discretion of competent authority. On satisfactory completion of the probation period, he will continue in the temporary post till confirmed against the permanent vacancy.
- (111) The candidates can be posted anywhere within the jurisdiction of the Municipal Corporation of Delhi in any one of the Hospitals Dispensaries M&CW and Family Welfare Centres | Primary Health Centres etc.
 - (iv) Private practice of any kind whatsoever is prohibited.
- (v) The appointment can be terminated on one month's notice on either side during the period of probation and thereafter while employed in temporary capacity. The Municipal Corporation of Delhi reserves the right to pay one month's pay in lieu of notice.

Prospects of promotion including pay scales and allowances attached to the higher grades shall be according to the provisions of the Recruitment Regulations.